



महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
शिक्षा विभाग, शिक्षा विद्यापीठ

विस्तृत पाठ्य विवरण

(Detailed Syllabus)

शिक्षा में स्नातक – बी.एड.

(Bachelor of Education – B.Ed.)

सत्र 2020-22

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यचर्या संरचना

Learning Outcome Based Curriculum Framework



शिक्षा विभाग

(DEPARTMENT OF EDUCATION)

महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

पोस्ट - हिंदी विश्वविद्यालय, गाँधी हिल्स, वर्धा, महाराष्ट्र - 442001

www.hindivishwa.org



1. विभाग/केंद्र का नाम : शिक्षा विभाग
2. (Name of the Department/Centre): Department of Education
3. पाठ्यक्रम का नाम : बी.एड (शिक्षा में स्नातक)
4. (Name of the Programme): B.Ed.
5. पाठ्यक्रम कोड: बीईडी
(Code of the Programme)
6. अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs):
(Programme Learning Outcomes)

ज्ञान संबंधी	कौशल/दक्षता संबंधी	रोजगार संबंधी
1. अध्येता विद्यार्थियों के समग्र विकास की परिकल्पना को समझेंगे	6. वे समसामयिक सूचना प्रौद्योगिकी एवं अन्य तकनीकों के माध्यम से प्रभाव प्रशिक्षण के लिए तत्पर रहेंगे।	10. अध्येता शिक्षण व्यवसाय के मूल्यों के अनुरूप अभ्यास कर पाएंगे।
2. वे ऐसे शोध उन्मुख कार्य कर सकेंगे जो शिक्षा और समाज के संबंध को समझने में मदद करें।	7. उनमें संप्रेषण की समुचित दक्षता होगी जिसके द्वारा वे अपने विचारों को प्रभावपूर्ण संप्रेषण करने में दक्ष होंगे।	11. वे अपने निर्णय व्यवहार और अभ्यास के द्वारा शिक्षण व्यवसाय के लिए निर्धारित कसौटियों का पूर्ण पालन करेंगे।
3. वे विद्यार्थियों में व्याप्त विविधता का सम्मान करते हुए उसके समावेशन की ओर उन्मुख होंगे।	8. वे शिक्षण और आकलन की समसामयिक तक नीतियों की विशेष जानकारी रखेंगे और उसके अनुरूप उसका अभ्यास करेंगे।	
4. वे क्षेत्र, जाति, संप्रदाय , जेंडर आदि की विविधताओं का शिक्षण और अन्य दायित्वों में समावेशन का प्रयास करेंगे।	9. वे शिक्षार्थी केंद्रित शिक्षण विधियों का प्रभावपूर्ण प्रयोग करने में सक्षम होंगे।	
5. वे समुदाय के साथ अंतः क्रिया के दौरान सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के प्रति समनुभूति का भाव रखेंगे।		

बी.एड. पाठ्यक्रम (2020-22) की पाठ्यचर्या संरचना

कुल क्रेडिट=80/पूर्णांक=2000

सेमेस्टरवार विषय एवं क्रेडिट

सेमेस्टर-I (20क्रेडिट)

क्र.सं	कोर्सकोड	विषय-पत्र	क्रेडिट/पूर्णांक 20/500	आंतरिक मूल्यांकन (अधिभार%)	सत्रांत मूल्यांकन (अधिभार%)
		सैद्धांतिक विषय-पत्र			
1.	बीईडी 01	शिक्षा एवं उसका प्रयोजन	4/100	25	75
2.	बीईडी 02	शिक्षार्थी एवं उसका संदर्भ	4/100	25	75
3.	बीईडी 03	समकालीन भारत एवं शिक्षा	4/100	25	75
4.	बीईडी 04	पाठ्यचर्या और भाषा	2/50	25	75
5.	बीईडी 05	ज्ञानानुशासन एवं विषय अवबोधन	2/50	25	75
6.	बीईडी 06	शिक्षा में सूचना एवं संप्रेषण प्रौद्योगिकी	2/50	25	75
		प्रायोगिक विषय-पत्र			
7.	प्रायोगिक	प्रायोगिक क्रियाएं	2/50	100	
8.	कम्प्यूटर अनुप्रयोग में दक्षता (लीला विभाग द्वारा)				
कुल क्रेडिट / कुल अंक			20/500		

प्रायोगिक क्रियाएं (सेमेस्टर-I)

क्र.सं	प्रायोगिक क्रियाएं	क्रियाकलाप
1.	‘भारतीय शिक्षा दर्शन’ पर परिचर्चा *	-भारतीय विचारकों के शैक्षिक सिद्धांत तथा वर्तमान शिक्षा में इसके निहितार्थ पर परिचर्चा में सहभागिता एवं प्रतिवेदन प्रस्तुति
2.	मनोविज्ञान के प्रयोग**	-कोई दो प्रयोग: स्मृति, बुद्धि, व्यक्तित्व, सृजनात्मकता, शिक्षण अभिवृत्ति
3.	भारतीय शिक्षा से संबंधित दस्तावेजों का विश्लेषण***	- दस्तावेज विश्लेषण- विभिन्न शिक्षा आयोग से संबंधित रिपोर्ट, नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति प्रारूप आदि दस्तावेज
4.	भाषा प्रयोगशाला एवं बहुभाषिकता [#]	-भाषा प्रयोगशाला के माध्यम से संप्रेषण कौशल का विकास -‘कक्षा में बहुभाषिकता’ विषय पर विद्यार्थी सेमिनार
5.	विभिन्न ज्ञानानुशासनों की प्रकृति तथा सह-संबंधों का तुलनात्मक अध्ययन ^{##}	-माध्यमिक विद्यालयी शिक्षा स्तर पर भाषा, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान एवं गणित विषयों की प्रकृति की तुलना करना तथा इन विषयों के मध्य सहसंबंध का विश्लेषणात्मक अध्ययन करते हुए प्रतिवेदन प्रस्तुत करना -अंतरानुशासनिक उपागम के माध्यम से विषय विशेष में पाठ्यवस्तु का विकास
6.	‘शिक्षा में आईसीटी उपकरण के अनुप्रयोग’ विषय पर कार्यशाला ^{###} एवं प्रायोगिक कार्य	-ऑनलाइन एप का उपयोग करते हुए ई-पाठ्य-सामग्री/OERs का निर्माण करना/ -ब्लॉग, गूगल ग्रुप, विकिएडुकेटर, सोशल मीडिया का शिक्षा में प्रयोग/ -ई-रूब्रिक्स एवं ई-पोर्टफोलियो का आकलन में प्रयोग

नोट : *शिक्षा एवं उसका प्रयोजन विषय-पत्र से संबंधित, ** शिक्षार्थी एवं उसका संदर्भ विषय-पत्र से संबंधित, *** समकालीन भारत एवं शिक्षा विषय-पत्र से संबंधित, [#]पाठ्यचर्या एवं भाषा विषय-पत्र से संबंधित, ^{##}ज्ञानानुशासन एवं विषय अवबोधन, ^{###}शिक्षा में सूचना एवं संप्रेषण प्रौद्योगिकी

सेमेस्टर-II (20क्रेडिट)

क्र.सं	कोर्सकोड	विषय-पत्र	क्रेडिट/पूर्णांक 20/500	आंतरिक मूल्यांकन (अधिभार%)	सत्रांत मूल्यांकन (अधिभार%)
		सैद्धांतिक विषय-पत्र			
1.	बीईडी 07	संज्ञान,अधिगम एवं शिक्षण	4/100	25	75
2.	बीईडी 08	शैक्षिक आकलन	2/50	25	75
3.	बीईडी 09	ज्ञान और पाठ्यचर्या	4/100	25	75
4.	बीईडीई01	विद्यालय विषय शिक्षण-I	2/50	25	75
5.	बीईडीई02	विद्यालय विषय शिक्षण-II	2/50	25	75
		प्रायोगिक विषय-पत्र			
6.	प्रायोगिक	प्रायोगिक क्रियाएं	2/50	100	
7.	क्षेत्र कार्य	विद्यालय संपर्क कार्यक्रम	4/100	100	
8.	हिंदी भाषा में दक्षता पाठ्यक्रम (भाषा विद्यापीठ द्वारा)				
		कुल क्रेडिट / कुल अंक	20/500		

प्रायोगिक क्रियाएं (सेमेस्टर-II)

क्र.सं	प्रायोगिक क्रियाएं	क्रियाकलाप
1.	बच्चों के संज्ञानात्मक दुनिया का अवबोधन	विभिन्न अधिगम/संज्ञानात्मक शैली वाले अधिगमकर्ता की पहचान करना तथा उनके संज्ञानात्मक दुनिया पर विचारशील चिंतन करते हुए आलेख लेखन एवं प्रस्तुति (विद्यालय संपर्क कार्यक्रम से जोड़ते हुए)
2.	‘वैकल्पिक आकलन’ विषय पर कार्यशाला **	‘वैकल्पिक आकलन’ विषय पर कार्यशाला में सहभागिता तथा स्व-आकलन एवं समूह-साथी आकलन के लिए रुब्रिक तथा अवलोकन अनुसूची का निर्माण
3.	‘वैदिक काल से समकालीन विवेचना तक ज्ञान निर्माण की ज्ञानमीमांसीय प्रक्रिया’ विषय पर परिचर्चा ***	वैदिक काल से समकालीन विवेचना तक ज्ञान निर्माण की ज्ञानमीमांसीय प्रक्रिया पर परिचर्चा में सहभागिता एवं प्रतिवेदन प्रस्तुति
4.	‘सृजनात्मक तथा निर्माणवादी शिक्षणशास्त्र’ पर कार्यशाला [#]	-कक्षा से परे अधिगम की संस्कृति/ -संस्कृति संवेदनशील शिक्षण शास्त्र/ -निर्माणवादी कक्षा की अवधारणा/ -अभिनय शिक्षणशास्त्र संबंधी अधिगम प्रारूप का निर्माण
5.	विद्यालय संपर्क कार्यक्रम (दो सप्ताह) – 4 क्रेडिट ^{##}	-कक्षा शिक्षण अवलोकन एवं रिपोर्ट लेखन- 2 क्रेडिट -विद्यालयी परिवेश व अन्य गतिविधियों का अवलोकन एवं रिपोर्टलेखन, एक या एक से अधिक विद्यालयी गतिविधि पर परियोजना तैयार करना तथा पाठ-सहगामी क्रियाओं का आयोजन एवं प्रबंधन- 1 क्रेडिट; -विद्यालय दैनिकी-1 क्रेडिट

नोट : *संज्ञान, अधिगम एवं शिक्षण विषय-पत्र से संबंधित

**शैक्षिक आकलन विषय-पत्र से संबंधित

*** ज्ञान और पाठ्यचर्या विषय-पत्र से संबंधित

[#] विद्यालय विषय शिक्षण-I एवं II विषय-पत्र से संबंधित

^{##} विद्यालय संपर्क कार्यक्रम से संबंधित

विद्यालय विषय शिक्षण:

1. हिंदी शिक्षण

2. संस्कृत शिक्षण

3. अंग्रेजी शिक्षण

4. मराठी शिक्षण

उपर्युक्त विषयों में शिक्षण की सुविधा अध्यापक की उपलब्धता के आधार पर निर्धारित होगी.

5. सामाजिक विज्ञान शिक्षण

6. भौतिकीय विज्ञान शिक्षण

7. गणित शिक्षण

8. जीव विज्ञान शिक्षण

9. कंप्यूटर विज्ञान शिक्षण

सेमेस्टर-III (20क्रेडिट)

क्र.सं	कोर्सकोड	विषय-पत्र	क्रेडिट/पूर्णांक 20/500	आंतरिक मूल्यांकन (अधिभार%)	सत्रांत मूल्यांकन (अधिभार%)
सैद्धांतिक विषय-पत्र					
1.	बीईडी-01	विद्यालय विषय शिक्षण- I	2/100	25	75
2.	बीईडी-02	विद्यालय विषय शिक्षण- II	2/100	25	75
प्रायोगिक विषय-पत्र					
4.	प्रायोगिक	प्रायोगिक क्रियाएं			
5.	क्षेत्र कार्य	विद्यालय प्रशिक्षुता कार्यक्रम	16/400	100	
कुल क्रेडिट / कुल अंक			20 / 500		

प्रायोगिक क्रियाएं (सेमेस्टर-III)

क्र.सं	प्रायोगिक क्रियाएं	क्रियाकलाप
1.	‘शिक्षणशास्त्रीय रणनीतियां’ विषय पर कार्यशाला*	-अवधारणा मानचित्रण, -शिक्षणशास्त्रीय पाठ्यवस्तु ज्ञान -तकनीकी शिक्षणशास्त्रीय पाठ्यवस्तु ज्ञान -अनुकरणीय शिक्षण संबंधी अधिगम प्रारूप का निर्माण
2.	विद्यालय प्रशिक्षुता कार्यक्रम ** - 16 क्रेडिट School Internship Programme नोट : *विद्यालय विषय शिक्षण-I एवं II विषय-पत्र से संबंधित ** पाठ्यचर्या अध्ययन विषय-पत्र से संबंधित *** शिक्षा में गुणात्मक शोध विधि विषय-पत्र से संबंधित # प्रशिक्षण/क्षेत्र कार्य में सम्मिलित ## लघु शोध प्रबंध कार्य में सम्मिलित	कम से कम 40 पाठों का शिक्षण (20 + 20) अवधि: पूर्व निर्धारित विद्यालय इंटर्नशिप कार्यक्रम (NCTE मानक) के अनुसार निम्नलिखित विद्यालय आयामों पर रिपोर्ट तैयार करना -शिक्षण, अधिगम एवं आकलन – (1) उपलब्धि परीक्षण रिपोर्ट, (2) -केस स्टडी (कोई दो-विद्यालय कार्यक्रम तथा एक विद्यार्थी पर), (3) क्रियात्मक अनुसंधान, (4) सामूहिक प्रस्तुति, (5) परियोजना (क्रियात्मक अनुसंधान के अतिरिक्त) जैसे- एक्टिविटी कैलेंडर, स्टुडेंट्स प्रोफाइल, यूनिट टेस्ट, क्लास टेस्ट, वार्षिक परीक्षा, मध्यावधि परीक्षा, फॉर्मेटिव असेसमेंट, समेटिव असेसमेंट, समय-सारणी की समीक्षा आदि), (6) विचारात्मक दैनिकिनी, (7) समुदाय के साथ अंतर्क्रिया

विद्यालय प्रशिक्षण कार्यक्रम (School Internship Programme) - प्रायोगिक कार्यों की मूल्यांकन संबंधी संरचना			
Activities / क्रियाकलाप	Internal Marks	External Marks	
Microteaching + Simulated Teaching / Integration of Skills	35		7 Marks per Skill
सूक्ष्म शिक्षण + सिमुलेटेड शिक्षण / शिक्षण कौशलों का एकीकरण आंतरिक परीक्षा (विभागीय समिति एवं पर्यवेक्षकों के द्वारा)	15		10 Marks for Micro Lesson Plans + 5 Marks for presentation
Lesson Plan and Teaching 40 (20 + 20) Lesson Plans	50	140	आंतरिक मूल्यांकन नियमित पर्यवेक्षक – 20 अंक चक्रीय पर्यवेक्षक 1 – 15 अंक चक्रीय पर्यवेक्षक 2 – 15 अंक
Peer Observation (20 Lessons)		10	
ATR (Achieve Test Report)		10	
Case Study		10	बाह्य परीक्षक मूल्यांकन कक्षा शिक्षण – 1: 50 अंक कक्षा शिक्षण – 2: 50 अंक पाठ योजना (20 + 20): 40 अंक विद्यालय अनुभव आधारित रिपोर्ट: 60 अंक समुदाय के साथ अंतर्क्रिया: 50 मौखिकी : 50 अंक
Action Research		10	
Reflective Diary		10	
School Project		10	
Interaction with Community		50	
Viva Voce / मौखिकी ** (बाह्य परीक्षक)		50	

सेमेस्टर-IV (20 क्रेडिट)

क्र.सं	कोर्सकोड	विषय-पत्र	क्रेडिट/पूर्णांक 20/500	आंतरिक मूल्यांकन (अधिभार%)	सत्रांत/बाह्यमूल्यांकन (अधिभार%)
		मूल पाठ्यचर्या			
		सैद्धांतिक विषय-पत्र			
1.	बीईडी10	गांधी एवं शिक्षा	2/50		
2.	बीईडीई 03	मूल पाठ्यचर्या के अंतर्गत ऐच्छिक (कोई एक) विषय-निर्माणवादीज्ञानमीमांसा एवं शिक्षणशास्त्र/ आपदा प्रबंधन एवं शिक्षा/ शैक्षिक निर्देशन एवं परामर्श/ योग शिक्षा/ मानवाधिकार एवं शांति शिक्षा/ एकात्म दर्शनएवंशिक्षा	4/100	25	75
3.	बीईडी11	समावेशी विद्यालयी शिक्षा	4/100		
4.	बीईडी 12	प्रदर्शनकारी कला एवं शिक्षा	2/50		
5.	बीईडी 13	अस्मिता एवं आत्मबोध	2/50		
		प्रायोगिक विषय-पत्र			
6.	प्रायोगिक	प्रायोगिक क्रियाएं	2/50	100	
		ऐच्छिक पाठ्यचर्या			
7.	ऐच्छिक	स्वयं या अन्य किसी ऑनलाइन प्लैटफॉर्म से कोई एक मूक्स कोर्स पूरा करना /अन्य विभाग या विद्यापीठ से कोई विषय	4/100	25	75
कुल क्रेडिट / कुल अंक			20/500		

प्रायोगिक क्रियाएं (सेमेस्टर-IV)

क्र.सं	प्रायोगिक क्रियाएं	क्रियाकलाप
1.	गांधीजी के नयी तालीम शिक्षा पद्धति की समीक्षा	गांधीजी के नयी तालीम शिक्षा पद्धति की समीक्षा करते हुए पाठ्यचर्या प्रारूप का निर्माण करना
2.	चयनित विषय-पत्र से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर परिचर्चा **	परिचर्चा में सहभागिता एवं प्रतिवेदन की प्रस्तुति
3.	वैकल्पिक/ विशिष्ट विद्यालयों का अवलोकन***	वैकल्पिक/ विशिष्ट विद्यालयों का अवलोकन एवं प्रलेखन

4.	‘प्रदर्शनकारी कला एवं शिक्षा’ विषय पर कार्यशाला [#]	अभिनय शिक्षणशास्त्र, भूमिका मंचन आदि से संबंधित पाठ का निर्माण एवं कृत्रिम विद्यालयी वातावरण में क्रियान्वयन
5.	अस्मिता एवं आत्मबोध ^{##}	छात्राध्यापकों द्वारा आत्मकथा लेखन एवं अपनी क्षमताओं तथा कमियों का स्व-आकलन
6.	साहित्य में शिक्षा	साहित्य में शिक्षा संबंधी क्रियाकलाप

नोट : *गांधी एवं शिक्षा विषय-पत्र से संबंधित

** मूल पाठ्यचर्या के अंतर्गत ऐच्छिक (कोई एक) विषय-पत्र से संबंधित

*** समावेशीविद्यालयी शिक्षा से संबंधित

[#]प्रदर्शनकारी कला एवं शिक्षा विषय-पत्र से संबंधित

^{##}अस्मिता एवं आत्म-बोध विषय-पत्र से संबंधित

बी.एड. के सैद्धांतिक प्रश्नपत्रों के लिए आंतरिक मूल्यांकन प्रणाली

क्र.	सैद्धांतिक प्रश्नपत्र के घटक (प्रत्येक सैद्धांतिक प्रश्न-पत्र के लिए)	आंतरिक मूल्यांकन (25 अंक)
1	विषय आधारित प्रस्तुति	05
2	विषय आधारित असाइनमेंट	05
3	कक्षागत परीक्षा (यूनिट टेस्ट)	10
4	उपस्थिति	05

बी.एड. के प्रायोगिक कार्यों, विद्यालय संपर्क कार्यक्रम एवं विद्यालय अनुभव कार्यक्रम के लिए मूल्यांकन प्रणाली

क्र.	सेमेस्टर	क्रियाकलाप	अधिकतम अंक / क्रेडिट	आंतरिक परीक्षक समिति अंक / क्रेडिट	बाह्य परीक्षक अंक/क्रेडिट
1	प्रथम	मनोविज्ञान तथा सूचना एवं सम्प्रेषण प्रौद्योगिकी के प्रयोग	50/2	--	50/2
2	द्वितीय	विद्यालय संपर्क कार्यक्रम	100/4	50/2	50/2
		पाठ्यसंरचना में उल्लिखित अन्य प्रायोगिक कार्य	50/2	50/2	--
3	तृतीय	सूक्ष्म शिक्षण / अध्यापन	50 / 2	50/2	--
		विद्यालय प्रशिक्षुता कार्यक्रम School Internship Programme	350/14	(50/2) नियमित पर्यवेक्षक – 20 चक्रीय पर्यवेक्षक 1 – 15 चक्रीय पर्यवेक्षक 2 – 15	(300/12) विद्यालय शिक्षण 100/4 + 100/4 विद्यालय आधारित रिपोर्ट एवं मौखिकी



महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

शिक्षा विभाग, शिक्षा विद्यापीठ

					50/2 + 50/2
4	चतुर्थ	पाठ्यसंरचना में उल्लिखित अन्य प्रायोगिक कार्य	50/2	50/2	--
		कुल	650 / 26	250 / 10	400/16

क्र.	बाह्य परीक्षक द्वारा किये जाने वाले मूल्यांकन की संरचना	अधिकतम अंक
1	पाठ योजना (40 Lesson Plans) – 20 + 20	20 + 20
2	विद्यालय अनुभव आधारित प्रतिवेदन / रिपोर्ट	60
3	कक्षा शिक्षण (2 शिक्षण विषय)	50 + 50
4	मौखिकी	100
	कुल	300

प्रथम सेमेस्टर

1.1. पाठ्यचर्या का नाम. शिक्षा एवं शिक्षा के प्रयोजन (Education and Its Purpose)

2. पाठ्यचर्या का कोड. शिक्षा 001

3. क्रेडिट: 4

4. सेमेस्टर: प्रथम

5. पाठ्यचर्या विवरण:

(Description of Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	60
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	00
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	00
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	00
कुल क्रेडिट घंटे	60

पाठ्यक्रम की विवेचना

इकाई 1: शिक्षा की अवधारणा

- शिक्षा की अवधारणा: अर्थ, प्रक्रिया, स्वरूप और उद्देश्य
- आधारभूत अवधारणाएँ: सीखना, शिक्षण, प्रशिक्षण, अनुदेशन, खोज, सूचना, आगमन व निगमन, अनुभव, अन्वेषण और संवाद।

इकाई 2: शिक्षा सम्बन्धी पाश्चात्य विचारकों का विचार

- पाश्चात्य विचारकों का योगदान: प्लेटो, अरस्तू, फ्रोबेल, मारिया माण्टेसरी, रूसो, ड्यूई, पाउलो फ्रेरे, देकार्त, स्पिनोजा, इमेनुएल कांट।

इकाई 3: शिक्षा सम्बन्धी भारतीय विचारक और भारतीय शिक्षा दर्शन

- शिक्षा विषयक भारतीय विचार: कुछ प्रमुख भारतीय शिक्षा विचारकों का योगदान: महात्मा गाँधी, रवीन्द्र नाथ टैगोर, स्वामी विवेकानन्द, जिदू कृष्णमूर्ति, श्री अरविन्द, गिजु भाई
- न्याय, सांख्य, योग, वैशेषिक, मीमांसा एवं वेदांत दर्शन के अनुसार शिक्षा, बौद्ध एवं जैन मतानुयायियों के अनुसार शिक्षा.

इकाई 4: शिक्षा और मूल्य:

- मूल्यों की प्रकृति और स्रोत, समकालीन समाज में मूल्य

- मूल्यों के लिए शिक्षा की प्रासंगिकता
- विद्यालय के सन्दर्भ में मूल्यों का निर्माण
- मूल्यों के विकास और पोषण के संदर्भ में शिक्षक की भूमिका
- सामाजिक संघर्ष की चुनौतियां और शांति स्थापना

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

1. भारत के परिप्रेक्ष्य में शिक्षा के बुनियादी विचारों और अवधारणाओं को समझ सकेंगे।
2. भारत में प्राचीन शैक्षिक दृष्टि एवं वर्तमान शैक्षिक आधार के मध्य अंतर समझ पाएंगे।
3. शिक्षा संबंधी पाश्चात्य एवं भारतीय विचारों में अंतर समझ पाएंगे।
4. विद्यार्थियों में भारतीय परिप्रेक्ष्य में अपेक्षित/ आवश्यक शैक्षिक दृष्टि विकसित होगी।
5. स्वव्यवहार से शैक्षिक मूल्यों को स्थापित करने में यत्नवान/जागरूक होंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	शिक्षा की अवधारणा: अर्थ, प्रक्रिया, स्वरूप और उद्देश्य	5			5	8.33
मॉड्यूल-2	आधारभूत अवधारणाएँ: सीखना, शिक्षण, प्रशिक्षण, अनुदेशन, खोज, सूचना, आगमन व निगमन, अनुभव, अन्वेषण और संवाद।	5			5	8.33
मॉड्यूल-3	पाश्चात्य विचारकों का योगदान: प्लेटो, अरस्तू, फ्रोबेल, मारिया माण्टेसरी, रूसो, ड्यूई, पाउलो फ्रेरे, देकार्त, स्पिनोजा, इमेनुएल कांट।	10			10	16.66

मॉड्यूल-4	शिक्षा विषयक भारतीय विचार: कुछ प्रमुख भारतीय शिक्षा विचारकों का योगदान: महात्मा गाँधी, रवीन्द्र नाथ टैगोर, स्वामी विवेकानन्द, जिदू कृष्णमूर्ति, श्री अरविन्द, गिजु भाई	10			7	16.66
मॉड्यूल-5	न्याय, सांख्य, योग, वैशेषिक, मीमांसा एवं वेदांत, बौद्ध एवं जैन दर्शन के अनुसार शिक्षा.	10			10	16.66
मॉड्यूल-6	मूल्यों की प्रकृति और स्रोत, भारतीय परंपरा में मूल्य व्यक्ति, परिवार, समाज, राष्ट्र, विश्व, चराचर जगत, आध्यात्मिक),	10			10	16.66
मॉड्यूल-7	मूल्यों के लिए शिक्षा की प्रासंगिकता	4			4	6.66
मॉड्यूल-8	मूल्यों के विकास और पोषण के संदर्भ में शिक्षक की भूमिका	3			3	5
मॉड्यूल-9	सामाजिक संघर्ष की चुनौतियाँ और शांति स्थापना	3			3	5
योग		60			60	100

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अधिगम	विद्यार्थी केंद्रित निर्माणवादी
विधियाँ	व्याख्यान, प्रदत्तकार्य, वैयक्तिक एवं सामूहिक प्रस्तुति
तकनीकी	कंप्यूटर सहायक तकनीकी, ई-कॉन्टेंट,
उपादान	प्रदत्त कार्य, स्व-अध्ययन सामाग्री

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
1. अध्येता शिक्षण व्यवसाय के मूल्यों के अनुरूप अभ्यास कर पाएंगे।	X	X	X	X	X			
2. वे अपने निर्णय व्यवहार और अभ्यास के द्वारा शिक्षण व्यवसाय के लिए निर्धारित कसौटियों का पूर्ण पालन करेंगे।	X	X		X	X			
3. वे विद्यार्थियों के समग्र विकास की परिकल्पना को समझेंगे और तदनुरूप वे शिक्षार्थी केंद्रित शिक्षण विधियों का प्रभावपूर्ण प्रयोग करने में सक्षम होंगे।	X	X	X	X	X			
4. वे ऐसे शोध उन्मुख कार्य कर सकेंगे जो शिक्षा और समाज के संबंध को समझने में मदद करें।	X	X	X					
5. वे समसामयिक सूचना प्रौद्योगिकी एवं अन्य तकनीकों के माध्यम से प्रभाव प्रशिक्षण के लिए तत्पर रहेंगे।	X	X	X	X	X			
6. उनमें संप्रेषण की समुचित दक्षता होगी जिसके द्वारा वे अपने विचारों को प्रभावपूर्ण संप्रेषण करने में दक्ष होंगे।	X	X	X		X			
7. वे समुदाय के साथ अंतः क्रिया के दौरान सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के प्रति समनुभूति का भाव रखेंगे।	X	X		X	X			
8. वे शिक्षण और आकलन की समसामयिक नीतियों की विशेष जानकारी रखेंगे और उसके अनुरूप उसका अभ्यास करेंगे।	X		X	X	X			
9. वे विद्यार्थियों में व्याप्त विविधता का सम्मान करते हुए उसके समावेशन की ओर उन्मुख होंगे।	X	X	X	X	X			
10. वे क्षेत्र, जाति, संप्रदाय , जेंडर आदि की विविधताओं का शिक्षण और अन्य दायित्वों में समावेशन का प्रयास करेंगे।	X	X	X	X	X			

टिप्पणी:

3. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
4. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदनलेखन	
निर्धारित अंकप्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य सामाग्री	विवरण (APAFormat में)
1	आधार/पाठ्य-ग्रंथ	चाँदकिरण, शिक्षा – दार्शनिकपरिप्रेक्ष्य, हिंदीमाध्यम कार्यान्वयननिदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली कमला प्रसाद पाण्डेय, शिक्षण अधिगम की तकनालॉजी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी आर. पी. पाठक, शिक्षा के दार्शनिक एवं समाजशास्त्रीय सिद्धांत रामशकल पाण्डेय, शिक्षा के दार्शनिक एवं समाजशास्त्रीय पृष्ठभूमि, अग्रवाल पब्लीकेशन्स, आगरा - पी. डी. पाठक, शिक्षा मनोविज्ञान, अग्रवाल पब्लीकेशन्स, आगरा - रामशकल पाण्डेय (2008), शिक्षा की दार्शनिक एवं समाजशास्त्रीय पृष्ठभूमि, अग्रवाल पब्लीकेशन्स, आगरा - जे.सी अग्रवाल (2010) शिक्षा व्यवस्था का आधार तथा प्रबन्धन, आगरा, अग्रवाल

		पब्लिकेशन्स, आगरा ■ स्वरूप सक्सेना एन.आर. चतुर्वेदी शिल्पा, कुमार धर्मेन्द्र, उदीयमान भारतीय समाज में शिक्षक, आर लाल बुक डिपो, मेरठ ■ डार्लिंग किडरस्ले (2012), उदीयमान भारतीय समाज में शिक्षा, नई दिल्ली, डार्लिंग किडरस्ले प्रा. लि. नई दिल्ली ■ एन. पी. सिंह (2010) शिक्षा दर्शन, दिल्ली, नीलकमल प्रकाशन, दिल्ली ■ ओम प्रकाश गर्ग, चतुर्वेदी सुधा अधिगम का मनोसामाजिक आधार एवं शिक्षा प्रकाशन, जयपुर ■ भावे, विनोबा. (2016). शिक्षण विचार, वाराणसी: सर्व सेवा संघ प्रकाशन. ■ शिशिर, कर्मेन्दु. (2013). भारतीय नवजागरण और समकालीन संदर्भ, दिल्ली: नयी किताब. ■ रूहेला, सत्यपाल. (2012). भारतीय शिक्षा का समाजशास्त्र, जयपुर: राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी. ■ अखिलेश. (2012). शिक्षा के दार्शनिक समाजशास्त्रीय आधार, मेरठ: वसुधा प्रिंटर्स. ■ धर्मपाल, (2007). गांधी को समझें, अहमदाबाद: पुनरुत्थान ट्रस्ट. ■ धर्मपाल, (2007). रमणीय वृक्ष: १८वीं शताब्दी में भारतीय शिक्षा, अहमदाबाद: पुनरुत्थान ट्रस्ट. ■ सान्याल, एम. (1986) “रामकृष्ण मिशन एवं समकालीन भारतीय शिक्षा पर इसका प्रभाव” फिफ्थ सर्वे आफ रिसर्च इन एजुकेशन, (Vol.1), (1988-1982), नई दिल्ली, एन.सी.ई.आर.टी.
2	संदर्भ-ग्रंथ	■ मिश्र, स्वतंत्र. (2015). शिक्षा भरा पूरा अकाल, दिल्ली: अनन्य प्रकाशन. ■ राजपूत, जे.एस. (2007). शिक्षा एवं इतिहास, नई दिल्ली: किताबघर प्रकाशन. ■ गुप्ता, एस. पी. और गुप्ता, ए. (2015). भारतीय शिक्षा का इतिहास, विकास एवं समस्याएं, इलाहाबाद: शारदा पुस्तक भवन. ■ मिश्रा, ऊषा. (2014). शिक्षा का समाजशास्त्र, इलाहाबाद: अनुभव पब्लिशिंग हाउस. चौबे, एस.पी. एवं चौबे,



महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

शिक्षा विभाग, शिक्षा विद्यापीठ

		- पाण्डेय, आर. (2014). भारत में शिक्षा व्यवस्था का विकास, आगरा: अग्रवाल पब्लिकेशन. - S.K. Maugul, (2006) Advanced Educational Psychology, prentice Hall of India, New Delhi
3	ई-संसाधन	http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/shiksha_001_16_03_16.Pdf
4	अन्य	

1.2. पाठ्यचर्या का नाम. शिक्षार्थी एवं उसका संदर्भ (Learner and the Context)
(Name of the Course).

2. पाठ्यचर्या का कोड. बीईडी 02
(Code of the Course).

3. क्रेडिट: 4. सेमेस्टर: प्रथम
(Credit) (Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)

इकाई 1: विकास की अवधारणा

- मानव विकास: अवधारणाएँ, परिपक्व विकास व इनसे जुड़ी बहसें
- विकास एक प्रक्रिया के रूप में: बहुआयामी, सतत व अससतत जीवन पर्यन्त
- विकास को प्रभावित करने वाले सामाजिक सांस्कृतिक संदर्भ

इकाई 2: संज्ञानात्मक विकास

- पियाजे का सिद्धान्त: संज्ञानात्मक संरचनाएँ और प्रक्रियाएँ, विकास की अवस्थाएँ
- वायगोत्सकी का सिद्धान्त: संज्ञान के सामाजिक स्रोत, सांस्कृतिक उपकरण और विकास, भाषा की भूमिका, सीखना और विकास

इकाई 3: सामाजिक और नैतिक विकास

- स्व और पहचान का विकास, स्वधारणा और आत्म सम्मान का विकास; स्व और अन्य परिवार, हमउम्र साथी और दोस्त
- स्व और भावना
- इरिक्सन और कोहलबर्ग का सिद्धान्त और इनके निहितार्थ

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	60
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	00
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	00
कौशल विकास गतिविधियाँ	00
कुल क्रेडिट घंटे	60

इकाई 4: भारतीय समाज में बड़ा होना:

- बाल्यावस्था और किशोरावस्था के दौरान विकास की प्रक्रिया भारतीय संदर्भ में बाल्यावस्था और किशोरावस्था से जुड़े विमर्श

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

1. मानव विकास के आधारभूत सिद्धान्तों को जानने में समर्थ होंगे।
2. वे अधिगम सिद्धान्तों के शिक्षणशास्त्रीय निहितार्थों की सूझ विकसित करेंगे।
3. वे अधिगम सिद्धान्तों के शिक्षण में उपयोग की दक्षता विकसित करेंगे।
4. वे सामाजिक और नैतिक विकास के सिद्धान्तों की समझ विकसित करेंगे।
5. वे सामाजिक और नैतिक विकास के सिद्धान्तों के आलोक स्वयं के विकास की प्रक्रिया का आकलन कर सकेंगे।
6. वे भारतीय संदर्भ में बच्चों के बड़े होने के विमर्शों का विश्लेषण करेंगे।
7. वे भारतीय समाज के विविधतापूर्ण संदर्भ में मानव विकास के सांस्कृतिक पहलुओं के प्रति संवेदनशील होंगे।
8. शिक्षण अभ्यास में विद्यार्थियों के साथ संलग्नता में उसके संदर्भ की भूमिका को ध्यान में रखेंगे।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या संपूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	मानव विकास: अवधारणाएँ, परिपक्व विकास व इनसे जुड़ी बहसें	5			5	8.33
मॉड्यूल-2	विकास एक प्रक्रिया के रूप में: बहुआयामी, सतत व अससतत जीवन	5			5	8.33

	पर्यन्त					
मॉड्यूल-3	विकास को प्रभावित करने वाले सामाजिक सांस्कृतिक संदर्भ	5			5	8.33
मॉड्यूल-4	पियाजे का सिद्धान्त: संज्ञानात्मक संरचनाएँ और प्रक्रियाएँ, विकास की अवस्थाएँ	7			7	11.66
मॉड्यूल-5	वायगोत्सकी का सिद्धान्त: संज्ञान के सामाजिक स्रोत, सांस्कृतिक उपकरण और विकास,	5			5	8.33
मॉड्यूल-6	वायगोत्सकी का सिद्धान्त: भाषा, सीखना और विकास	3			3	5
मॉड्यूल-7	स्व और पहचान का विकास, स्वधारणा और आत्म सम्मान का विकास;	4			4	6.66
मॉड्यूल-8	स्व और अन्य परिवार, हमउम्र साथी और दोस्त	3			3	5
मॉड्यूल-9	सामाजिक और नैतिक विकास : स्व और भावना	3			3	5
मॉड्यूल -10	इरिकसन और कोहलबर्ग का सिद्धान्त और इनके	5			5	8.33

	निहितार्थ					
मॉड्यूल -11	बाल्यावस्था और किशोरावस्था के दौरान विकास की प्रक्रिया	6			6	10
मॉड्यूल -12	भारतीय संदर्भ में बाल्यावस्था से जुड़े विमर्श	4			4	6.66
मॉड्यूल -13	भारतीय संदर्भ में किशोरावस्था से जुड़े विमर्श	5			5	8.33
योग		60			60	100

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अधिगम	विद्यार्थी केंद्रित निर्माणवादी
विधियाँ	व्याख्यान, प्रदत्तकार्य, वैयक्तिक एवं सामूहिक प्रस्तुति
तकनीकी	कंप्यूटर सहायक तकनीकी, ई-कॉन्टेंट,
उपादान	प्रदत्त कार्य, स्व-अध्ययन सामाग्री

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
1. अध्येता शिक्षण व्यवसाय के मूल्यों के अनुरूप अभ्यास कर पाएंगे।		X	X					X
2. वे अपने निर्णय व्यवहार और अभ्यास के द्वारा शिक्षण व्यवसाय के लिए निर्धारित कसौटियों का पूर्ण पालन करेंगे।		X	X					
3. वे विद्यार्थियों के समग्र विकास की परिकल्पना को समझेंगे और तदनुरूप वे शिक्षार्थी केंद्रित शिक्षण विधियों का प्रभावपूर्ण प्रयोग करने में सक्षम होंगे।		X	X			X		X
4. वे ऐसे शोध उन्मुख कार्य कर सकेंगे जो शिक्षा और समाज के संबंध को समझने में मदद करें।	X		X					
5. वे समसामयिक सूचना प्रौद्योगिकी एवं अन्य तकनीकों के माध्यम से प्रभाव प्रशिक्षण के लिए तत्पर रहेंगे।		X						
6. उनमें संप्रेषण की समुचित दक्षता होगी जिसके द्वारा वे अपने विचारों को प्रभावपूर्ण संप्रेषण करने में दक्ष होंगे।		X		X				
7. वे समुदाय के साथ अंतः क्रिया के दौरान सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के प्रति समनुभूति का भाव रखेंगे।				X			X	
8. वे शिक्षण और आकलन की समसामयिक नीतियों की विशेष जानकारी रखेंगे और उसके अनुरूप उसका अभ्यास करेंगे।				X	X	X	X	
9. वे विद्यार्थियों में व्याप्त विविधता का सम्मान करते हुए उसके समावेशन की ओर उन्मुख होंगे।				X	X	X	X	
10. वे क्षेत्र, जाति, संप्रदाय, जेंडर आदि की विविधताओं का शिक्षण और अन्य दायित्वों में समावेशन का प्रयास करेंगे।	X			X	X		X	

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	

पूर्णांक	25	75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य सामाग्री	विवरण (APAFormat में)
1	आधार/पाठ्य-ग्रंथ	- मंगल, एस.के. (2007). शिक्षा मनोविज्ञान. दिल्ली : प्रेंटिस हाल ऑफ इंडिया प्रा. लि. - गुप्ता, एस.पी. व गुप्ता अल्का.(2017). उच्चतर शिक्षा मनोविज्ञान. इलाहाबाद : शारदा पुस्तक भवन - सुलैमान, मोहम्मद. (2014). उच्चतर शिक्षा मनोविज्ञान. दिल्ली : मोतीलाल बनारसीदास - चौहान, रीता व पाठक, पी.डी. (2016). बाल्यावस्था एवं उसका विकास. आगरा : अग्रवाल पब्लिकेशन
2	संदर्भ-ग्रंथ	- Piaget, J. (1926). Language and Thought of the Child. London: Routledge & Kegan Paul - Piaget, J. (1951). The Psychology of Intelligence. London: Routledge & Kegan Paul. - Piaget, J. (1952). The Origins of Intelligence in Children. New York: International University Press. - Vygotsky.L. (1978).Mind in Society, The Development of Higher Psychological Processes. Cambridge: Harvard University Press. - Vygotsky.L. (1986).Thought and Language. Cambridge: The MIT Press.



महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

शिक्षा विभाग, शिक्षा विद्यापीठ

3	ई-संसाधन	http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/shiksha_002_16_03_16.Pdf
4	अन्य	

1.3. पाठ्यचर्या का नाम. समकालीन भारत एवं शिक्षा (Contemporary India and Education)
(Name of the Course).

2. पाठ्यचर्या का कोड. बी.ईडी 03
(Code of the Course).

1. क्रेडिट: 4. सेमेस्टर: प्रथम
(Credit) (Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)

इकाई 1: भारतीय समाज:

संरचना और विशेषताएँ, बहुलतावादी प्रवृत्ति; भारतीय अस्मिता, समकालीन चुनौतियाँ, हाशियाकरण: भाषा, धर्म, जाति, दिव्यांगता और क्षेत्र के संदर्भ में, नगरीकरण, औद्योगीकरण, वैश्वीकरण, आर्थिक उदारीकरण आदि का प्रभाव

इकाई 2: हाशिये के समुदायों की शिक्षा:

दलित, लड़कियों, जनजातियों और धार्मिक अल्पसंख्यकों के विशेष संदर्भ में, दलित, आदिवासी और लड़कियों की शिक्षा के लिए पहल, विद्यालयी संस्कृति, प्रचलन पाठ्यक्रम आदि की पड़ताल; गुणवत्ता का सवाल, बालश्रम, बालविवाह, नगरीय श्रमिकों की समस्याओं का अध्ययन

इकाई 3: भारतीय शिक्षा की आधारशिला:

प्राक् औपनिवेशिक शिक्षा, स्वतंत्रता पूर्व शिक्षा नीतियों का विहंगमावलोकन, शिक्षा के विमर्शों को ध्यान में रखते हुए स्वतंत्रता के बाद शिक्षा संबंधी नीतियों, रिपोर्टों, आयोगों का विश्लेषणात्मक अध्ययन: समान स्कूल व्यवस्था, त्रिभाषा सूत्र, कार्य और शिक्षा, नागरिकता के लिए शिक्षा, शिक्षा का बोझ आदि के विशेष संदर्भ में।

इकाई 4: संविधान और शिक्षा:

संवैधानिक मूल्य और शिक्षा, शिक्षा का अधिकार कानून, राज्य द्वारा प्रायोजित शिक्षा, शिक्षा से संबंधित योजनाएँ: मिड डे मील, ऑपरेशन ब्लैक बोर्ड, सर्व शिक्षा अभियान, राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान और शिक्षा का अधिकार कानून: क्रियान्वयन और बाधाएँ, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020.

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	60
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	00
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	00
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	00
कौशल विकास गतिविधियाँ	00
कुल क्रेडिट घंटे	60

(Course Learning Outcomes)

1. भारतीय समाज की विशेषताओं को ध्यान में रखकर शिक्षा की विभिन्न भूमिकाओं की विवेचना में समर्थ होंगे।
2. शिक्षा की समकालीन प्रवृत्तियों की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को जानने में समर्थ होंगे।
3. शिक्षा के लक्ष्यों को संविधान के मूल्यों के सापेक्ष व्याख्यायित कर पाएंगे।
4. शिक्षण योजना के निर्माण में वंचित वर्ग की शिक्षा संबंधी चुनौतियों को संज्ञान में लेने में समर्थ होंगे।
5. शिक्षा नीति 2020 को ध्यान में रखते हुए शिक्षक की भूमिका पर विचार कर पाएंगे।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या संपूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	भारतीय समाज की संरचना और विशेषताएँ,	4			4	6.66
मॉड्यूल-2	बहुलतावादी प्रवृत्ति; भारतीय अस्मिता समकालीन चुनौतियाँ, हाशियाकरण: भाषा, धर्म, जाति, दिव्यांगता और क्षेत्र के संदर्भ में,	6			6	10
मॉड्यूल-3	नगरीकरण, औद्योगीकरण, वैश्वीकरण, आर्थिक उदारीकरण आदि का प्रभाव	5			5	8.33

मॉड्यूल-4	हाशिए के समुदाय की शिक्षा, दलित, लड़कियों, जनजातियों और धार्मिक अल्पसंख्यकों के विशेष संदर्भ में	5			5	8.33
मॉड्यूल-5	दलित, आदिवासी और लड़कियों की शिक्षा के लिए पहल, विद्यालयी संस्कृति, प्रचलन पाठ्यक्रम आदि की पड़ताल, गुणवत्ता का सवाल, बालश्रम, बाल-विवाह, नगरीय	4			4	6.66
मॉड्यूल-6	श्रमिकों की समस्याओं का अध्ययन	6			6	10

मॉड्यूल-7	प्राक्-औपनिवेशिक शिक्षा, स्वतंत्रता पूर्व शिक्षा नीतियों का विहंगमावलोकन	5			5	8.33
मॉड्यूल-8	शिक्षा के विमर्शों को ध्यान में रखते हुए स्वतंत्रता के बाद	6			6	10
मॉड्यूल-9	शिक्षा संबंधी नीतियों, रिपोर्टों, आयोगों का विश्लेषणात्मक अध्ययन समान स्कूल व्यवस्था, त्रिभाषा सूत्र, कार्य और शिक्षा, नागरिकता के लिए शिक्षा, शिक्षा का बोझ आदि के विशेष संदर्भ में।	4			4	6.66
मॉड्यूल-10	संवैधानिक मूल्य और शिक्षा, शिक्षा का अधिकार कानून, राज्य	4			4	6.66

	द्वारा प्रायोजित शिक्षा					
मॉड्यूल-11	शिक्षा से संबंधित योजनाएँ: मिड डे मील, ऑपरेशन ब्लैक बोर्ड सर्व शिक्षा अभियान	4			4	6.66
मॉड्यूल-12	राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान और शिक्षा का अधिकार कानून: क्रियान्वयन और बाधायें	7			7	11.66
योग		60			60	100

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अधिगम	विद्यार्थी केंद्रित निर्माणवादी
विधियाँ	व्याख्यान, प्रदत्तकार्य, वैयक्तिक एवं सामूहिक प्रस्तुति
तकनीकी	कंप्यूटर सहायक तकनीकी, ई-कॉन्टेंट,
उपादान	प्रदत्त कार्य, स्व-अध्ययन सामग्री

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
1. अध्येता शिक्षण व्यवसाय के मूल्यों के अनुरूप अभ्यास कर पाएंगे।	X		X	X	X			
2. वे अपने निर्णय व्यवहार और अभ्यास के द्वारा शिक्षण व्यवसाय के लिए निर्धारित कसौटियों का पूर्ण पालन करेंगे।	X			X	X			
3. वे विद्यार्थियों के समग्र विकास की परिकल्पना को समझेंगे और तदनुरूप वे शिक्षार्थी केंद्रित शिक्षण विधियों का प्रभावपूर्ण प्रयोग करने में सक्षम होंगे।				X	X			
4. वे ऐसे शोध उन्मुख कार्य कर सकेंगे जो शिक्षा और समाज के संबंध को समझने में मदद करें।		X			X			
5. वे समसामयिक सूचना प्रौद्योगिकी एवं अन्य तकनीकों के माध्यम से प्रभाव प्रशिक्षण के लिए तत्पर रहेंगे।					X			
6. उनमें संप्रेषण की समुचित दक्षता होगी जिसके द्वारा वे अपने विचारों को प्रभावपूर्ण संप्रेषण करने में दक्ष होंगे।			X		X			
7. वे समुदाय के साथ अंतः क्रिया के दौरान सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के प्रति समनुभूति का भाव रखेंगे।	X				X			
8. वे शिक्षण और आकलन की समसामयिक तक नीतियों की विशेष जानकारी रखेंगे और उसके अनुरूप उसका अभ्यास करेंगे।	X		X		X			
9. वे विद्यार्थियों में व्याप्त विविधता का सम्मान करते हुए उसके समावेशन की ओर उन्मुख होंगे।	X	X	X		X			
10. वे क्षेत्र, जाति, संप्रदाय, जेंडर आदि की विविधताओं का शिक्षण और अन्य दायित्वों में समावेशन का प्रयास करेंगे।	X	X	X		X			

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन	सत्रांत परीक्षा



महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
शिक्षा विभाग, शिक्षा विद्यापीठ

(25%)					(75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#]विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य सामाग्री	विवरण (APAFormat में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	■ दूबे, श्यामचरण. (2000). शिक्षा, समाज और भविष्य. दिल्ली : राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. लि. ■ शर्मा, रामनाथ व शर्मा, राजेंद्र कुमार. (2006). शैक्षिक समाजशास्त्र. दिल्ली : अटलांटिक पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्रा. लि. ■ लाल, रमन बिहारी व पलोड़, सुनीता. (2010). शैक्षिक चिंतन एवं प्रयोग. मेरठ: आर. लाल बूक डिपो ■ गुप्ता, एस.पी., व गुप्ता, अल्का. (2015). भारतीय शिक्षा का इतिहास, विकास एवं समस्याएँ. इलाहाबाद : शारदा पुस्तक भवन ■ Chanana, Karuna (2001) <i>Interrogating women's education: bounded visions, expanding horizons</i>. Jaipur and New Delhi: Rawat ■ Deshpande, S. (2014). <i>The problem of caste</i>. New Delhi: Orient Blackswan ■ Ghosh, S. C. (2007). <i>History of education in India</i>.delhi: Rawat Publications. ■ NCERT (2006/7) National Focus Group Paper on the Problems of Scheduled Castes and Scheduled Tribes; National Focus Group Paper on Gender. New Delhi: NCERT ■ NCTE (2009) National Curriculum Framework for Teacher Education.
3	ई-संसाधन	http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/shiksha_0003_18_03_16.Pdf
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

4. पाठ्यचर्या का नाम. भाषा एवं पाठ्यचर्या (Language Across Curriculum) -

(Name of the Course).

2. पाठ्यचर्या का कोड. शिक्षा 001

3. क्रेडिट: 4

4. सेमेस्टर: प्रथम

5. पाठ्यचर्या विवरण:

(Description of Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	60
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	00
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	00
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	00
कौशल विकास गतिविधियाँ	00
कुल क्रेडिटघंटे	60

इकाई 1: भाषा की प्रकृति और कार्य

- भाषा की अवधारणा और अर्थ
- भाषा उत्पत्ति के सिद्धान्त
- ध्वनि- ध्वनि वर्गीकरण, ध्वनि नियम, ध्वनि परिवर्तन के कारण,
- भाषा प्रक्रिया के रूप को परिवर्तित करने वाले कारण
- अर्थ परिवर्तन - अर्थ परिवर्तन की दिशाएं, अर्थ परिवर्तन के कारण, अर्थ बोध के साधन

इकाई 2: भारतीय सन्दर्भ में भाषा और पाठ्यचर्या

- भाषाओं का वर्गीकरण – आकृति मुलक, पारिवारिक
- भारोपीय भाषा परिवार
- भारतीय भाषाओं के विकास के विभिन्न काल
- वर्ण – शब्द – वाक्य, वाक्य भेद
- भाषा और वाक्
- भाषा और बोली
- भाषा और अनुभव
- भाषा को सीखने के निर्धारक
- भाषा सीखने के सिद्धान्त
- भाषा के सीखने में आने वाली चुनौतियाँ (स्कूली शिक्षा और बच्चों का स्कूल छोड़ना, मौखिक प्रवीणता और आलोचनात्मक समझ, सीखने व सम्प्रेषण के लिए भाषा में अंतर) और चुनौतियों से निपटने के उपाय

इकाई 3: बहुभाषीय कक्षा की नीति

- विद्यार्थियों को कक्षा में रोल प्ले, चर्चा और प्रश्न के जवाब देने के लिए प्रोत्साहन
- पढ़ने, समझने और भाषा के प्रयोग में कुछ अभ्यास को तैयार करना

- भाषा में साहित्य के प्रकार- कहानी, नाटक, कविता, उपन्यास, जीवनी
- बोलना, सुनना, पढ़ना और लिखना
- सीखने के लिए कक्षा में मौखिक और लिखित भाषा का प्रयोग
- शिक्षार्थी और उसकी भाषायी पृष्ठभूमि को समझना, स्कूली भाषा और शिक्षार्थी के घर की भाषा को समझना
- भाषायी विविधता के प्रति संवेदनशीलता
- शिक्षक-शिक्षार्थी के सम्बन्ध में भाषा की भूमिका, स्कूल का भाषायी परिवेश, विभिन्न विषयों की पाठ्यपुस्तकों की भाषा

इकाई 4: भाषा का प्रचार-प्रसार

- भारतीय सन्दर्भ में भाषा को लेकर बनी विभिन्न समितियां- संविधान में भाषा के लिए उपबन्ध (अनुच्छेद 341-353), राधाकृष्णन आयोग, मुदलियार आयोग, कोठारी आयोग, राष्ट्रीय शिक्षा नीति, कार्य योजना 1992, राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005
- भाषा के प्रचार-प्रसार में सरकारी और गैर सरकारी संस्थाएँ- महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, हिंदी भाषा प्रचार समिति, केन्द्रीय हिंदी निदेशालय, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, भाषा अकादमी, साहित्य अकादमी, भारतीय भाषा संस्थान, संस्कृत भारती

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

1. अध्येता पाठ्यचर्या में सम्मिलित विभिन्न प्रकार की भाषाओं की प्रकृति, कार्य, और उसकी भूमिका को समझ सकेंगे।
2. प्राथमिक भाषा और द्वितीयक भाषा के बारे में समझ विकसित कर उपयोग करने में समर्थ होंगे।
3. बहुभाषिकता का संप्रत्यय और साथ ही साथ किसी संस्कृति पर बहुभाषिकता के पड़ने वाले प्रभाव को समझकर बहुभाषिकता के प्रति संवेदनशील होंगे।
4. सुनने, बोलने, पढ़ने और लिखने के कौशल में विद्यार्थियों को आने वाली समस्याओं को जान सकेंगे और इन भाषाई कौशलों के विकास के लिए अपनाए जाने वाले उपायों को जान सकेंगे।
5. भाषा के प्रचार के सरकारी गैर सरकारी संस्थानों एवं उनके उपक्रमों के बारे में जान पाएंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		

मॉड्यूल-1	भाषा की अवधारणा और अर्थ भाषा उत्पत्ति के सिद्धान्त	3			3	5.00
मॉड्यूल-2	ध्वनि- ध्वनि वर्गीकरण, ध्वनि नियम, ध्वनि परिवर्तन के कारण,	5			5	8.33
मॉड्यूल-3	भाषा प्रक्रिया के रूप को परिवर्तित करने वाले कारण अर्थ परिवर्तन - अर्थ परिवर्तन की दिशाएं, अर्थ परिवर्तन के कारण, अर्थ बोध के साधन	7			7	11.66
मॉड्यूल-4	भाषाओं का वर्गीकरण – आकृतिमुलक, पारिवारिक भारोपीय भाषा परिवार भारतीय भाषाओं के विकास के विभिन्न काल	7			7	11.66
मॉड्यूल-5	वर्ण – शब्द – वाक्य, वाक्य भेद भाषा और वाक् भाषा और बोली भाषा और अनुभव	4			4	6.66
मॉड्यूल-6	भाषा को सीखने के निर्धारक भाषा सीखने के सिद्धांत भाषा के सीखने में आने वाली चुनतियाँ (स्कूली शिक्षा और बच्चों का स्कूल छोड़ना, मौखिक प्रवीणता और आलोचनात्मक समझ, सीखने व सम्प्रेषण के लिए भाषा में अंतर) और	6			6	10.00

	चुनातियों से निपटने के उपाय					
मॉड्यूल-7	विद्यार्थियों को कक्षा में रोल प्ले, चर्चा और प्रश्न के जवाब देने के लिए प्रोत्साहन पढ़ने, समझने और भाषा के प्रयोग में कुछ अभ्यास को तैयार करना भाषा में साहित्य के प्रकार- कहानी, नाटक, कविता, उपन्यास, जीवनी	6			6	10.00
मॉड्यूल-8	बोलना, सुनना, पढ़ना और लिखना सीखने के लिए कक्षा में मौखिक और लिखित भाषा का प्रयोग	4			4	6.66
मॉड्यूल-9	शिक्षार्थी और उसकी भाषायी पृष्ठभूमि को समझना, स्कूली भाषा और शिक्षार्थी के घर की भाषा को समझना भाषायी विविधता के प्रति संवेदनशीलता शिक्षक-शिक्षार्थी के सम्बन्ध में भाषा की भूमिका, स्कूल का भाषायी परिवेश, विभिन्न विषयों की पाठ्यपुस्तकों की भाषा	5			5	8.33
मॉड्यूल-10	भारतीय सन्दर्भ में भाषा को लेकर बनी विभिन्न समितियां- संविधान में	8			6	13.33

	भाषा के लिए उपबन्ध (अनुच्छेद 341-353), राधाकृष्णन आयोग, मुदलियार आयोग, कोठारी आयोग, राष्ट्रीय शिक्षा नीति, कार्य योजना 1992, राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005					
मॉड्यूल-11	भाषा के प्रचार-प्रसार में बहुत सारे सरकारी और गैर सरकारी संस्थाएँ- महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, हिंदी भाषा प्रचार समिति, केन्द्रीय हिंदी निदेशालय, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, भाषा अकादमी, साहित्य अकादमी, भारतीय भाषा संस्थान, संस्कृत भारती	5			5	8.33
योग		60			60	100

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अधिगम	विद्यार्थी केंद्रित निर्माणवादी
विधियाँ	व्याख्यान, प्रदत्त कार्य, वैयक्तिक एवं सामूहिक प्रस्तुति
तकनीकी	कंप्यूटर सहायक तकनीकी, ई-कॉन्टेंट,
उपादान	प्रदत्त कार्य, स्व-अध्ययन सामग्री

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगमपरिणाममैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
1. अध्येता शिक्षण व्यवसाय के मूल्यों के अनुरूप अभ्यास कर पाएंगे।	X	X	X	X	X			
2. वे अपने निर्णय व्यवहार और अभ्यास के द्वारा शिक्षण व्यवसाय के लिए निर्धारित कसौटियों का पूर्ण पालन करेंगे।	X	X	X		X			
3. वे विद्यार्थियों के समग्र विकास की परिकल्पना को समझेंगे और तदनुरूप वे शिक्षार्थी केंद्रित शिक्षण विधियों का प्रभावपूर्ण प्रयोग करने में सक्षम होंगे।	X		X	X	X			
4. वे ऐसे शोध उन्मुख कार्य कर सकेंगे जो शिक्षा और समाज के संबंध को समझने में मदद करें।	X		X		X			
5. वे समसामयिक सूचना प्रौद्योगिकी एवं अन्य तकनीकों के माध्यम से प्रभाव प्रशिक्षण के लिए तत्पर रहेंगे।	X	X		X	X			
6. उनमें संप्रेषण की समुचित दक्षता होगी जिसके द्वारा वे अपने विचारों को प्रभावपूर्ण संप्रेषण करने में दक्ष होंगे।	X	X	X	X	X			
7. वे समुदाय के साथ अंतः क्रिया के दौरान सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के प्रति समनुभूति का भाव रखेंगे।	X		X		X			
8. वे शिक्षण और आकलन की समसामयिक तक नीतियों की विशेष जानकारी रखेंगे और उसके अनुरूप उसका अभ्यास करेंगे।	X	X	X		X			
9. वे विद्यार्थियों में व्यास विविधता का सम्मान करते हुए उसके समावेशन की ओर उन्मुख होंगे।	X		X	X				
10. वे क्षेत्र, जाति, संप्रदाय, जेंडर आदि की विविधताओं का शिक्षण और अन्य दायित्वों में समावेशन का प्रयास करेंगे।	X	X		X	X			

टिप्पणी:

3. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
4. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#]विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदनलेखन	
निर्धारित अंकप्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य सामाग्री	विवरण (APAFormat में)
1	आधार/पाठ्य-ग्रंथ	सक्सेना, राधारानी, (2013), “नवाचारी शिक्षण पद्धतियाँ, जयपुर, राजस्थान हिंदी ग्रन्थ अकादमी गुप्त, मनोरमा – भाषा अधिगम, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा गुनानंद – हिंदी भाषा का उद्भव और विकास, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा चतुर्वेदी आचार्य सीताराम – भाषा कि शिक्षा, हिंदी साहित्य कुटरी, वाराणसी तिवारी, भोलानाथ – हिंदी भाषा, किताब महल, इलाहाबाद द्विवेदी, देवीशंकर – भाषा और भाषिकी, भाषा-विज्ञान-विभाग, सागर वि.वि., सागर

		पांडेय, रामाशकल – हिंदी शिक्षण, अग्रवाल पब्लिकेशन, आगरा चतुर्वेदी, शिखा – हिंदी शिक्षण, आर. लाल बुक डिपो, मेरठ शर्मा, देवेन्द्रनाथ – भाषा शास्त्र की भूमिका शर्मा, देवेन्द्रनाथ – भाषा विज्ञान की भूमिका, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
2	संदर्भ-ग्रंथ	Boyle, Bill & Charles, Marie. (2016). Curriculum Development. SAGE Wiles, Jon. (2009). Leading Curriculum Development. SAGE Talla, Mrunalini.(2012). Curriculum Development Perspectives Principles &Issues : PEARSON
3	ई-संसाधन	http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/shiksha_001_16_03_16.Pdf

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)



5. पाठ्यचर्याका नाम. अनुशासन एवं विषय अवबोधन (Understanding of Disciplines and Subjects)
(Name of the Course).

2. पाठ्यचर्याका कोड. शिक्षा 004

(Code of the Course).

3. क्रेडिट: 2

4. सेमेस्टर: प्रथम

(Credit)

(Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण:

(Description of Course)

पाठ्यक्रम की विवेचना इकाई-1: अनुशासन एवं विषय

- शिक्षा अंतरानुशासनिक अध्ययन के क्षेत्र के रूप में
- अनुशासन की प्रकृति एवं विशेषताएँ
- चिंतन की भारतीय व्यवस्था के परिप्रेक्ष्य में शिक्षा के मनोवैज्ञानिक, समाजशास्त्रीय, ऐतिहासिक तथा दार्शनिक आधार
- विभिन्न विद्यालयी विषयों में अंतर्संबंध एवं अंतरनिर्भरता

इकाई-2: विज्ञान विषय एवं अनुशासन के रूप में

- सामाजिक, राजनीतिक, बौद्धिक एवं ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य के संबंध में विज्ञान की उत्पत्ति का अध्ययन
- विज्ञान की प्रकृति एवं इतिहास, वैज्ञानिक प्रविधि, ज्ञान, समझ एवं विज्ञान, सामाजिक-सांस्कृतिक दृष्टिकोण तथा नैतिक विचार
- विज्ञान एक अनुशासन के रूप में, विद्यालय पाठ्यचर्या की योजना में वैज्ञानिक ज्ञान का स्थान
- विज्ञान के अनुशासन में प्रतिमान विस्थापन
- वैज्ञानिक ज्ञान की बदलती अवधारणा, विद्यालय विज्ञान को पुनः परिभाषित करने की आवश्यकता

इकाई-3: भाषा एक विषय एवं अनुशासन के रूप में

- शिक्षा में भाषा की केन्द्रीयता
- बच्चों के बौद्धिक विकास तथा मातृभाषा, प्रथम एवं द्वितीय भाषा को सीखने में भाषा की भूमिका
- विद्यालय पाठ्यचर्या में भाषा- लक्ष्य, विमर्श एवं वाद-विवाद, विद्यालय में नीति विमर्श एवं भाषा
- भाषा के सीखने में आने वाली चुनतियाँ (स्कूली शिक्षा और बच्चों का स्कूल छोड़ना, मौखिक प्रवीणता और आलोचनात्मक समझ, सीखने व सम्प्रेषण के लिए भाषा में अंतर) और चुनतियों से निपटने के उपाय
- भाषा विकास के विभिन्न स्तर

इकाई-4: गणित एक विषय एवं अनुशासन के रूप में

- गणित की प्रकृति एवं इतिहास
- वैदिक गणित, विद्यालय पाठ्यचर्या में गणित का स्थान, दैनिक जीवन में गणित
- गणित के अनुशासन को सीखने में गणित प्रयोगशाला की भूमिका
- गणित का अन्य विषयों के साथ संबंध

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	30
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	00
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	00
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	00
कुल क्रेडिट घंटे	30

इकाई-5: सामाजिक विज्ञान एक विषय एवं अनुशासन के रूप में

- सामाजिक विज्ञान की प्रकृति एवं इतिहास
 - सामाजिक विज्ञान अध्ययन के एक क्षेत्र के रूप में
 - अंतरानुशासनिक दृष्टिकोण से सामाजिक विज्ञान के अध्ययन की आवश्यकता
- विद्यालय पाठ्यचर्या में सामाजिक विज्ञान का स्थान एवं प्रासंगिकता

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

1. इस पाठ्यक्रम का अध्ययन कर अध्येता शिक्षा का अंतरानुशासनिक अध्ययन के क्षेत्र के रूप में प्रत्यक्षीकरण कर सकेंगे।
2. वे विद्यालय पाठ्यक्रम में सम्मिलित विभिन्न विषयों के सामाजिक-राजनीतिक तथा ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य का आलोचनात्मक विश्लेषण कर सकेंगे।
3. वे इन विषयों की प्रकृति एवं विद्यालय पाठ्यचर्या में इन विषयों की भूमिका तथा लोक जीवन में इनके महत्त्व एवं आवश्यकता को समझ सकेंगे।
4. वे इन विषयों के अंतर्संबंध एवं अंतरनिर्भरता तथा विद्यालय पाठ्यचर्या में इनके सापेक्षिक स्थान पर संप्रत्यात्मक, प्रायोगिक तथा अकादमिक दृष्टिकोण से विचारशील चिंतन कर सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्या	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	अनुशासन की प्रकृति एवं विशेषताएँ। शिक्षा अंतरानुशासनिक अध्ययन के क्षेत्र के रूप में	2			2	6.66
मॉड्यूल-2	चिंतन की भारतीय व्यवस्था के	3			3	10.0

	परिप्रेक्ष्य में शिक्षा के मनोवैज्ञानिक, समाजशास्त्रीय, ऐतिहासिक तथा दार्शनिक आधार। विभिन्न विद्यालयी विषयों में अंतर-संबंध एवं अंतरनिर्भरता					0
मॉड्यूल-3	सामाजिक, राजनीतिक, बौद्धिक एवं ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य के संबंध में विज्ञान की उत्पत्ति का अध्ययन। विज्ञान की प्रकृति एवं इतिहास, वैज्ञानिक प्रविधि, ज्ञान, समझ एवं विज्ञान, सामाजिक-सांस्कृतिक दृष्टिकोण तथा नैतिक विचार	3			3	10.00
मॉड्यूल-4	। विज्ञान एक अनुशासन के रूप में, विद्यालय पाठ्यचर्या की योजना में वैज्ञानिक ज्ञान का स्थान।	3			3	10.00
मॉड्यूल-5	विज्ञान के अनुशासन में प्रतिमान विस्थापन। वैज्ञानिक ज्ञान की बदलती अवधारणा, विद्यालय विज्ञान को पुनः परिभाषित करने की आवश्यकता	3			3	10.00
मॉड्यूल-6	शिक्षा में भाषा की केन्द्रीयता। बच्चों के बौद्धिक विकास तथा मातृभाषा, प्रथम एवं द्वितीय भाषा को सीखने में भाषा की भूमिका	3			3	10.00
मॉड्यूल-7	विद्यालय पाठ्यचर्या में भाषा- लक्ष्य, विमर्श एवं वाद-विवाद, विद्यालय में नीति विमर्श एवं भाषा। भाषा के सीखने में आने वाली चुनतियाँ (स्कूली शिक्षा और बच्चों का स्कूल छोड़ना, मौखिक प्रवीणता और आलोचनात्मक समझ, सीखने व सम्प्रेषण के लिए भाषा में अंतर) और चुनातियों से निपटने के उपाय। भाषा विकास के विभिन्न स्तर	3			3	10.00
मॉड्यूल-8	गणित की प्रकृति एवं इतिहास वैदिक गणित, विद्यालय पाठ्यचर्या	3			3	10.00

	में गणित का स्थान, दैनिक जीवन में गणित गणित का अन्य विषयों के साथ संबंध					
मॉड्यूल-9	गणित के अनुशासन को सीखने में गणित प्रयोगशाला की भूमिका। गणित प्रयोग शाला का स्वरूप, प्रकृति, एवं साधनों।	2			2	6.66
मॉड्यूल -10	सामाजिक विज्ञान की प्रकृति एवं इतिहास। सामाजिक विज्ञान अध्ययन के एक क्षेत्र के रूप में	2			2	6.66
मॉड्यूल -11	अंतरानुशासनिक दृष्टिकोण से सामाजिक विज्ञान के अध्ययन की आवश्यकता विद्यालय पाठ्यचर्या में सामाजिक विज्ञान का स्थान एवं प्रासंगिकता	3			3	10.00
योग		30			30	100

टिप्पणी:

मॉड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अधिगम	विद्यार्थी केंद्रित निर्माणवादी
विधियाँ	व्याख्यान, प्रदत्तकार्य, वैयक्तिक एवं सामूहिक प्रस्तुति
तकनीकी	कंप्यूटर सहायक तकनीकी, ई-कॉन्टेंट,
उपादान	प्रदत्त कार्य, स्व-अध्ययन सामग्री

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगमपरिणाममैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
1. अध्येता शिक्षण व्यवसाय के मूल्यों के अनुरूप अभ्यास कर पाएंगे।	X	X		X				
2. वे अपने निर्णय व्यवहार और अभ्यास के द्वारा शिक्षण व्यवसाय के लिए निर्धारित कसौटियों का पूर्ण पालन करेंगे।	X	X		X				
3. वे विद्यार्थियों के समग्र विकास की परिकल्पना को समझेंगे और तदनुसार वे शिक्षार्थी केंद्रित शिक्षण विधियों का प्रभावपूर्ण प्रयोग करने में सक्षम होंगे।	X	X	X					
4. वे ऐसे शोध उन्मुख कार्य कर सकेंगे जो शिक्षा और समाज के संबंध को समझने में मदद करें।	X	X		X				
5. वे समसामयिक सूचना प्रौद्योगिकी एवं अन्य तकनीकों के माध्यम से प्रभाव प्रशिक्षण के लिए तत्पर रहेंगे।	X	X	X					
6. उनमें संप्रेषण की समुचित दक्षता होगी जिसके द्वारा वे अपने विचारों को प्रभावपूर्ण संप्रेषण करने में दक्ष होंगे।	X	X	X	X				
7. वे समुदाय के साथ अंतः क्रिया के दौरान सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के प्रति समनुभूति का भाव रखेंगे।	X	X		X				
8. वे शिक्षण और आकलन की समसामयिक तक नीतियों की विशेष जानकारी रखेंगे और उसके अनुरूप उसका अभ्यास करेंगे।	X		X	X				
9. वे विद्यार्थियों में व्याप्त विविधता का सम्मान करते हुए उसके समावेशन की ओर उन्मुख होंगे।	X	X	X	X				
10. वे क्षेत्र, जाति, संप्रदाय , जेंडर आदि की विविधताओं का शिक्षण और अन्य दायित्वों में समावेशन का प्रयास करेंगे।	X	X	X	X				

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#]विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदनलेखन	
निर्धारित अंकप्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य सामाग्री	
1	आधार/पाठ्य-ग्रंथ	जैन, अमीर चंद व शर्मा, विजय लक्ष्मी. (2013). सामाजिक ज्ञान शिक्षण. जयपुर : सामाजिक ज्ञान शिक्षण शर्मा,एस.एम.(2019).गणित शिक्षण, आगरा, श्री विनोद पुस्तक मंदिर. जैन एवं रावत(2017)। गणित शिक्षण, आगरा, अग्रवालपुब्लिकेशन. पाण्डे,एस.के.(2007). ज्ञान शिक्षण,मेरठ,आर लाल बुक डिपो. शर्मा,एच. एस. , तिवारी, ए एवं पराशर,आर.(2007)'विज्ञान शिक्षण के नए आयाम' राधा प्रकाशन मंदिर,आगरा. रावत, डी.एस.(1989). विज्ञान शिक्षण, आगरा, विनोद पुस्तक भवन एनसीईआरटी(2005). राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूप रेखा,एनसीईआरटी, नई दिल्ली.

		एनसीईआरटी(2008). विज्ञान शिक्षण, राष्ट्रीय फोकस समूह का आधार पत्र, एनसीईआरटी, नई दिल्ली. सेठ, श्याम किशोर व मिश्र, नीलिमा.(2011). ज्ञान-दर्शन. इलाहाबाद : लोकभारती प्रकाशन वर्मा, अशोक कुमार. (2017). तत्वमीमांसा एवं ज्ञानमीमांसा. दिल्ली : मोतीलाल बनारसीदास पांडेय, रमा. (2011). भारतीय दर्शन में तत्वों का समस्यात्मक विवेचन. वाराणसी : मोतीलाल बनारसीदास शर्मा, चंद्रधर.(2019). भारतीय दर्शन आलोचना एवं अनुशीलन. दिल्ली : मोतीलाल बनारसीदास दूबे, सत्यनारायन 'शरतेन्दु' (2014). पाठ्यक्रम का विकास. इलाहाबाद : शारदा पुस्तक भवन
2	संदर्भ-ग्रंथ	Boyle, Bill & Charles, Marie. (2016). Curriculum Development. SAGE Wiles, Jon. (2009). Leading Curriculum Development. SAGE Talla, Mrunalini.(2012). Curriculum Development Perspectives Principles &Issues : PEARSON Singh, Hukum, Avtar, Ram and Singh V.P. (2005). A Handbook for Designing Mathematics Laboratory in Schools, NCERT Sarangapani, Padma, and Husain, Shama, (2004). "Evaluation of Maths Lab at Samuha-Plan, Deodurg", Report, National Institute of Advanced Studies, Bangalore. Sarangapani, Padma, (2000). "A way to explore children's understanding of mathematics", Issues in primary education. Crotty, M., (1998), The foundations of social research: Meaning and perspective in the research process, London: Sage Publication. Edgar, B.W. &Stanely (1958), Teaching social studies in high school, Heath and company, Boston D.C. Misra, Salil and Ranjan, Ashish (2012)Teaching of Social Sciences:History,Context and Challenges in VandanaSaxena (ed.),Nurturing the Expert Within, Pearson, New Delhi Zevin, J., (2000), Social studies for the twenty first century, Lawrence Erlbaum Associates Publishers, London
3	ई-संसाधन	https://mangaloreuniversity.ac.in/sites/default/files/2019/Course%20-%20205%20Understanding,%20Disciplines%20and%20School%20Subjects%20(English%20Version).pdf https://ncert.nic.in/pdf/h_focus_group/Pathyacharya,%20Pathyakram.pdf
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष / निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

द्वितीय सेमेस्टर

1. पाठ्यचर्या का नाम. संज्ञान, अधिगम एवं शिक्षण (Cognition, Learning and Teaching)

(Name of the Course).

2. पाठ्यचर्याकाकोड. बीईडी 07

(Code of the Course).

2. क्रेडिट: 4 4. सेमेस्टर: द्वितीय

5. पाठ्यचर्या विवरण:

(Description of Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	60
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	00
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	00
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	00
कौशल विकास गतिविधियाँ	00
कुल क्रेडिटघंटे	60

इकाई 1: सीखना

- सीखना: अवधारणा और उपागम
- सीखने की प्रक्रिया को निम्नलिखित उपागमों के सन्दर्भ में समझना: व्यवहारवाद, संज्ञानवाद, सूचना प्रसंस्करणसिद्धान्त, गेस्टाल्ट, सामाजिक निर्माणवाद

इकाई 2: सीखने का निर्माणवादी परिप्रेक्ष्य, बुद्धि, स्मृति

- निर्माणवाद: वैयक्तिक निर्माणवाद और सामाजिकनिर्माणवाद का विस्तृत अध्ययन
- बुद्धि: अवधारणा, मापन से जुड़े प्रश्न; बहुबुद्धि सिद्धान्त; सीखने के तरीके
- स्मृति: प्रकृति, प्रकार, सांवेगिक, अल्पकालिक तथा दीर्घकालीक स्मृति, कार्यात्मक स्मृति, वर्किंग मेमोरी, विस्मरण के कारण, स्मृति बढ़ाने की युक्तियाँ

इकाई 3: प्रेरणा और रचनाशीलता

- प्रेरणा की प्रकृति और प्रकार, आन्तरिक और बाह्य प्रेरणा
- प्रेरणा के उपागम: व्यवहारवादी, माननतावादी, संज्ञानवादी और सामाजिक सांस्कृतिक
- रचनाशीलता का पोषण और समस्या समाधान कौशलों का विकास

इकाई 4: मानव विविधता

- विद्यार्थियों में वैयक्तिक भिन्नताविविधता का सम्मान और पोषण
- विभिन्न प्रकार की विविधता का समावेशन: विशिष्ट आवश्यकता वाले विद्यार्थी, प्रतिभाशाली और रचनाशील विद्यार्थी
- सामाजिक दृष्टि से अपवंचित: स्ट्रीट चिल्ड्रेन, बाल श्रमिक, भावनात्मक दृष्टि से अस्थिर, इन सभी प्रकार के विद्यार्थियों से जुड़े प्रश्न, विशिष्ट आवश्यकताएँ और शिक्षा

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

1. अधिगम की अवधारणा को समझ सकेंगे।
2. अधिगम के उपागमों और शिक्षण से उनके संबंध का आकलन कर सकेंगे।
3. वे अभिप्रेरणा के सिद्धान्तों को समझ पाएंगे।
4. वे निर्माणवादी उपागत अनुरूप शिक्षण युक्तियों का विकास कर पाएंगे।
5. अभिप्रेरणा के सिद्धान्तों के आलोक में खुद को अभिप्रेरित शिक्षक के रूप में विकसित कर पाएंगे।
6. अपने परिवेश में शिक्षकों और विद्यार्थियों में विविधता की सराहना कर पाएंगे।
7. वे समावेशी शिक्षा के सिद्धान्तों के अनुरूप विद्यार्थियों की विविधता को कक्षा शिक्षण में शामिल करने की कुशलता का विकास करेंगे।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या संपूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	सीखना: अवधारणा और उपागम	4			4	6.67
मॉड्यूल-2	सीखने की प्रक्रिया को निम्नलिखित उपागमों के संदर्भ में समझना: व्यवहारवाद, संज्ञानवाद, सूचना प्रसंस्करण सिद्धान्त,	6			6	10
मॉड्यूल-3	सीखने की प्रक्रिया को निम्नलिखित उपागमों के संदर्भ में समझना : गेस्टाल्ट, सामाजिक निर्माणवाद	5			5	8.33
मॉड्यूल-4	निर्माणवाद: वैयक्तिक	5				

	निर्माणवाद और सामाजिकनिर्माणवाद का विस्तृत अध्ययन				5	8.33
मॉड्यूल-5	बुद्धि: अवधारणा, मापन से जुड़े प्रश्न; बहुबुद्धि सिद्धान्त; सीखने के तरीके	5			5	8.33
मॉड्यूल-6	स्मृति: प्रकृति, प्रकार, सांवेगिक, अल्प कालिक तथा दीर्घकालीक स्मृति, कार्यात्मक स्मृति, वर्किंग मेमोरी,	3			3	5
मॉड्यूल-7	विस्मरण के कारण, स्मृति बढ़ाने की युक्तियाँ	2			2	3.33
मॉड्यूल-8	प्रेरणा की प्रकृति और प्रकार, आन्तरिक और बाह्य प्रेरणा	5			5	8.33
मॉड्यूल-9	प्रेरणा के उपागम: व्यवहारवादी, माननतावादी, संज्ञानवादी और सामाजिक सांस्कृतिक	6			6	10
मॉड्यूल -10	रचनाशीलता का पोषण और समस्या समाधान कौशलों का विकास	4			4	6.67
मॉड्यूल -11	विद्यार्थियों में वैयक्तिक भिन्नताविविधता का सम्मान औरपोषण	2			2	3.33
मॉड्यूल -12	विद्यार्थियों की विभिन्न प्रकार की विविधता का समावेशन: विशिष्ट आवश्यकता वालेविद्यार्थी,	7			7	11.67

	प्रतिभाशाली और रचनाशील विद्यार्थी					
मॉड्यूल -13	सामाजिक दृष्टि से अपवंचित:स्ट्रीट चिल्ड्रेन, बाल श्रमिक, भावनात्मक दृष्टि से अस्थिर,इन सभी प्रकार के विद्यार्थियों से जुड़े प्रश्न, विशिष्ट आवश्यकताएँ और शिक्षा	6			6	10
योग		60			60	100

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अधिगम	विद्यार्थी केंद्रित निर्माणवादी
विधियाँ	व्याख्यान, प्रदत्तकार्य, वैयक्तिक एवं सामूहिक प्रस्तुति
तकनीकी	कंप्यूटर सहायक तकनीकी, ई-कॉन्टेंट,
उपादान	प्रदत्त कार्य, स्व-अध्ययन सामाग्री

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
1. अध्येता शिक्षण व्यवसाय के मूल्यों के अनुरूप अभ्यास कर पाएंगे।	X			X	X			
2. वे अपने निर्णय व्यवहार और अभ्यास के द्वारा शिक्षण व्यवसाय के लिए निर्धारित कसौटियों का पूर्ण पालन करेंगे।	X	X			X			
3. वे विद्यार्थियों के समग्र विकास की परिकल्पना को समझेंगे और तदनुरूप वे शिक्षार्थी केंद्रित शिक्षण विधियों का प्रभावपूर्ण प्रयोग करने में सक्षम होंगे।	X		X	X			X	
4. वे ऐसे शोध उन्मुख कार्य कर सकेंगे जो शिक्षा और समाज के संबंध को समझने में मदद करें।	X							
5. वे समसामयिक सूचना प्रौद्योगिकी एवं अन्य तकनीकों के माध्यम से प्रभाव प्रशिक्षण के लिए तत्पर रहेंगे।				X				
6. उनमें संप्रेषण की समुचित दक्षता होगी जिसके द्वारा वे अपने विचारों को प्रभावपूर्ण संप्रेषण करने में दक्ष होंगे।								
7. वे समुदाय के साथ अंतः क्रिया के दौरान सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के प्रति समनुभूति का भाव रखेंगे।	X					X	X	
8. वे शिक्षण और आकलन की समसामयिक तक नीतियों की विशेष जानकारी रखेंगे और उसके अनुरूप उसका अभ्यास करेंगे।		X						
9. वे विद्यार्थियों में व्याप्त विविधता का सम्मान करते हुए उसके समावेशन की ओर उन्मुख होंगे।	X			X		X	X	
10. वे क्षेत्र, जाति, संप्रदाय, जेंडर आदि की विविधताओं का शिक्षण और अन्य दायित्वों में समावेशन का प्रयास करेंगे।		X		X		X	X	

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#]विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य सामाग्री	विवरण (APAFormat में)
1	आधार/पाठ्य-ग्रंथ	■ मंगल, एस.के. (2007). शिक्षा मनोविज्ञान. दिल्ली : प्रेंटिस हाल ऑफ इंडिया प्रा. लि. ■ सुलैमान, मोहम्मद. (2014). उच्चतर शिक्षा मनोविज्ञान. दिल्ली : मोतीलाल बनारसीदास ■ चौहान, रीता व पी.डी. पाठक. (2016). बाल्यावस्था एवं उसका विकास. आगरा : अग्रवाल पब्लिकेशन ■ गुप्ता, एस.पी. व गुप्ता अल्का.(2017). उच्चतर शिक्षा मनोविज्ञान. इलाहाबाद : शारदा पुस्तक भवन
2	संदर्भ-ग्रंथ	■ Saraswathi, T.S. (Ed). (1999). Culture, Socialisation and Human Development: Theory, Research and Application in India. New Delhi: Sage. ■ Piaget, J. (1951). The Psychology of Intelligence. London: Routledge & Kegan Paul. ■ Piaget, J. (1952). The Origins of Intelligence in Children. New York: International University Press. ■ Woolfolk, A., Misra, G. & Jha, A.K. (2012). Fundamentals of Educational Psychology. (11th ed.). New Delhi: Pearson.
3	ई-संसाधन	http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/cogni_14_06_16.Pdf
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष / निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

2. पाठ्यचर्या का नाम. शैक्षिक आकलन (Educational Assessment)
(Name of the Course).

2.पाठ्यचर्या का कोड. बीईडी 08
(Code of the Course).

3.क्रेडिट: 2 4. सेमेस्टर:द्वितीय

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)

इकाई 1: परिप्रेक्ष्य

- आकलन व मूल्यांकन का व्यवहारवादी प्रारूप बनाम निर्माणवादीप्रारूप
- सीखने का आकलन और सीखने के लिए आकलन में विभेद
- प्रचलित मूल्यांकन व आकलन प्रक्रिया का आलोचनात्मक विश्लेषण

इकाई 2: अवधारणाएँ

- मापन, परीक्षण, आकलन और मूल्यांकन
- सतत् व व्यापकमूल्यांकन
- आकलन के उद्देश्य
- ब्लूम टैक्सोनामी का आलोचनात्मक अध्ययन

इकाई 3: आकलन परीक्षणों का निर्माण

- आकलन के मानक और मानदंड
- आकलन के उपकरण:वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न, निबन्धात्मक प्रश्न, अवलोकन, रेटिंग स्केल,पोर्टफोलियो एवं मूल्यांकन, समूहसाथी मूल्यांकन
- आकलन हेतु कार्य:प्रोजेक्ट, प्रदत्त कार्य, प्रदर्शन आदि
- सी.बी.एस.ई. द्वारा प्रस्तावित सतत एवं व्यापक मूल्यांकन विधि का अध्ययन

इकाई 4:प्रदत्त विश्लेषण और प्रतिपुष्टि

- बुनियादी सांख्यिकी, केन्द्रीय प्रवृत्तिऔर विचलनशीलता का मापन
- ग्राफीय निरूपण, सामान्य प्रायिकता वक्र,सहसम्बन्ध
- प्रतिशतांक और प्रतिशतांक क्रम:प्रतिपुष्टि देने के तरीके
- प्रतिपुष्टि के आधार पर शिक्षण शास्त्रीय निर्णय

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

1. शिक्षार्थी आकलन के विशेषताओं को ध्यान में रखते हुए शिक्षण का दौरान आकलन करने में समर्थ होंगे।
2. शिक्षार्थी आकलन वे विभिन्न उपकरणों के प्रयोग की सूझ प्रदर्शित करेंगे।

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	30
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	00
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	00
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	00
कुल क्रेडिटघंटे	30

3. शिक्षार्थी आकलन परिणामों को संप्रेषित करने में समर्थ होंगे।
4. शिक्षार्थी आकलन के अध्यापक निर्मित उपकरणों को विकसित करने में सक्षम होंगे।
5. आंकलन की सांख्यिकी विधियों के प्रयोग में सक्षम होंगे।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या संपूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	आकलन व मूल्यांकन का व्यवहारवादी प्रारूप बनाम निर्माणवादी प्रारूप	3			3	10
मॉड्यूल-2	सीखने का आकलन और सीखने के लिए आकलन में विभेद	3			3	10
मॉड्यूल-3	प्रचलित मूल्यांकन व आकलन प्रक्रिया का आलोचनात्मक विश्लेषण	1			1	3.33
मॉड्यूल-4	मापन, परीक्षण, आकलन और मूल्यांकन	2			2	6.67
मॉड्यूल-5	सतत् व व्यापक मूल्यांकन	2			2	6.67
मॉड्यूल-6	आकलन के उद्देश्य	1			1	3.33
मॉड्यूल-7	ब्लूम टैक्सोनामी का आलोचनात्मक अध्ययन	2			2	6.67
मॉड्यूल-8	आकलन के मानक और मानदंड	1			1	3.33
मॉड्यूल-9	आकलन के उपकरण: वस्तुनिष्ठ प्रकार के प्रश्न,					

	निबन्धात्मक प्रश्न, अवलोकन, रेटिंग स्केल, पोर्टफोलियो एवं मूल्यांकन, समूहसाथी मूल्यांकन	2			2	6.67
मॉड्यूल -10	आकलन हेतु कार्य: प्रोजेक्ट, प्रदत्त कार्य, प्रदर्शन आदि	2			2	6.67
मॉड्यूल -11	सी.बी.एस.ई. द्वारा प्रस्तावित सतत एवं व्यापक मूल्यांकन विधि का अध्ययन	2			2	6.67
मॉड्यूल -12	बुनियादी सांख्यिकी, केन्द्रीय प्रवृत्ति और विचलनशीलता का मापन, ग्राफीय निरूपण, सामान्य प्रायिकता वक्र, सहसंबंध	5			5	16.67
मॉड्यूल -13	प्रतिशतांक और प्रतिशतांक क्रम: प्रतिपुष्टि देने के तरीके	3			3	10
मॉड्यूल-14	प्रतिपुष्टि के आधार पर शिक्षण शास्त्रीय निर्णय	1			1	3.33
योग		30			30	100

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अधिगम	विद्यार्थी केंद्रित निर्माणवादी
विधियाँ	व्याख्यान, प्रदत्तकार्य, वैयक्तिक एवं सामूहिक प्रस्तुति
तकनीकी	कंप्यूटर सहायक तकनीकी, ई-कॉन्टेंट,
उपादान	प्रदत्त कार्य, स्व-अध्ययन सामाग्री



9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
1. अध्येता शिक्षण व्यवसाय के मूल्यों के अनुरूप अभ्यास कर पाएंगे।	X			X				
2. वे अपने निर्णय व्यवहार और अभ्यास के द्वारा शिक्षण व्यवसाय के लिए निर्धारित कसौटियों का पूर्ण पालन करेंगे।	X	X		X	X			
3. वे विद्यार्थियों के समग्र विकास की परिकल्पना को समझेंगे और तदनुसार वे शिक्षार्थी केंद्रित शिक्षण विधियों का प्रभावपूर्ण प्रयोग करने में सक्षम होंगे।								
4. वे ऐसे शोध उन्मुख कार्य कर सकेंगे जो शिक्षा और समाज के संबंध को समझने में मदद करें।				X				
5. वे समसामयिक सूचना प्रौद्योगिकी एवं अन्य तकनीकों के माध्यम से प्रभाव प्रशिक्षण के लिए तत्पर रहेंगे।		X		X				
6. उनमें संप्रेषण की समुचित दक्षता होगी जिसके द्वारा वे अपने विचारों को प्रभावपूर्ण संप्रेषण करने में दक्ष होंगे।			X					
7. वे समुदाय के साथ अंतः क्रिया के दौरान सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के प्रति समनुभूति का भाव रखेंगे।								
8. वे शिक्षण और आकलन की समसामयिक तक नीतियों की विशेष जानकारी रखेंगे और उसके अनुरूप उसका अभ्यास करेंगे।					X			
9. वे विद्यार्थियों में व्याप्त विविधता का सम्मान करते हुए उसके समावेशन की ओर उन्मुख होंगे।								
10. वे क्षेत्र, जाति, संप्रदाय, जेंडर आदि की विविधताओं का शिक्षण और अन्य दायित्वों में समावेशन का प्रयास करेंगे।								

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#]विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य सामाग्री	विवरण (APAFormat में)
1	आधार/पाठ्य-ग्रंथ	- श्रीवास्तव, प्रवीणचंद्र. (2008). प्रारंभिक सांख्यिकी विधियाँ. वाराणसी : विश्वविद्यालय प्रकाशन - पांडेय, कमाताप्रसाद (2011). शैक्षिक मापन एवं मूल्यांकन. वाराणसी : विश्वविद्यालय प्रकाशन - सिंह, रामपाल. (2014). शैक्षिक मूल्यांकन. आगरा : अग्रवाल पब्लिकेशन - सिंह, अरुण कुमार. (2017). मनोविज्ञान, समाजशास्त्र तथा शिक्षा में शोध विधियाँ. दिल्ली : मोतीलाल बनारसीदास - भार्गव, महेश. (2018). मनोवैज्ञानिक मापन एवं मूल्यांकन एवं सांख्यिकी. आगरा : एच.पी. भार्गव बूक हाउस

		■ सुलैमान, मोहम्मद. (2018). मनोविज्ञान शिक्षा एवं अन्य सामाजिक विज्ञानों में सांख्यिकी. दिल्ली : मोतीलाल बनारसीदास ■ बलिया, शिरीष; अरोड़ा, रीता व शर्मा ओ.पी. (2013). शिक्षा में मापन एवं मूल्यांकन. जयपुर : राजस्थान हिंदी ग्रंथ अकादमी
2	संदर्भ-ग्रंथ	■ Nitko, A. J. (1996). <i>Educational assessment of students</i>. Prentice-Hall Order Processing Center. ■ National Research Council. (2001). <i>Knowing what students know: The science and design of educational assessment</i>. National Academies Press. ■ Brookhart, M. Susan & Nitko, J. Anthony. (2007). <i>Educational Assessment of Students</i>. Pearson Merrill Prentice Hall
3	ई-संसाधन	http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/educa_14_06_16.Pdf
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष / निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)



3. पाठ्यचर्या का नाम. ज्ञान एवं पाठ्यचर्या - (Knowledge and Curriculum)

(Name of the Course).

2. पाठ्यचर्या का कोड. बीईडी 009

(Code of the Course).

3. क्रेडिट: 2 4. सेमेस्टर: तृतीय

(Credit) (Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण:

(Description of Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	30
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	00
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	00
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	00
कुल क्रेडिटघंटे	30

इकाई-1: ज्ञान का ज्ञानमीमांसीय आधार:

- ज्ञानमीमांसा की संकल्पना- दार्शनिक परिप्रेक्ष्य, ज्ञान की संकल्पना- प्राचीन समय से समकालीन विवेचना तक
- ज्ञान की संरचना तथा इसके रूप
- जानना, चिंतन एवं सीखना
- ज्ञान प्राप्ति के उपागम, खोज एवं संवाद की संकल्पना- गाँधी, टैगोर, ड्युई एवं प्लेटो के विचारों में

इकाई-2: ज्ञान एवं शिक्षा

- ज्ञान का अर्थ, ज्ञान एवं सूचना, तर्क एवं विश्वास
- अनुदेशन, शिक्षण एवं प्रशिक्षण
- ज्ञान, कौशल एवं मूल्य
- औपचारिक, अनौपचारिक एवं गैर-औपचारिक शिक्षा
- शिक्षा का बहु-सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य, प्रत्यक्ष, मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा

इकाई-3: पाठ्यचर्या की संकल्पना

- पाठ्यचर्या का अर्थ एवं संकल्पना
- पाठ्यचर्या रूपरेखा, पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम एवं पाठ्यपुस्तक में सह-सम्बन्ध
- पाठ्यचर्या के प्रकार- मुख्य (कोर) पाठ्यक्रम, छिपा हुआ (हिडन) पाठ्यक्रम, शून्य (नल्ल) पाठ्यक्रम, अव्यक्त (लेटेंट) पाठ्यक्रम

इकाई-4: पाठ्यचर्या निर्माण

- आवश्यकता एवं महत्त्व
- पाठ्यचर्या निर्माण के सिद्धांत
- पाठ्यचर्या निर्माण के आधार
- पाठ्यचर्या निर्माण के निर्धारक

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

- छात्र ज्ञान और पाठ्यचर्या के पारस्परिक संबंध को जानने समर्थ होंगे।
- छात्र पाठ्यचर्या की स्वरूपगत विशेषताओं का विश्लेषण कर सकेंगे।
- छात्र शिक्षण प्रक्रिया के स्वरूपगत विशेषताओं को पहचान पाएंगे।
- छात्र ज्ञानमीमांसा के दार्शनिक पहलुओं से परिचित हो सकेंगे।
- छात्र पाठ्यचर्या निर्माण के सैद्धांतिक आधारों से परिचित हो सकेंगे।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या संपूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	ज्ञानमीमांसा की संकल्पना- दार्शनिक परिप्रेक्ष्य, ज्ञान की संकल्पना- प्राचीन समय से समकालीन विवेचना तक	3			3	10
मॉड्यूल-2	ज्ञान की संरचना तथा इसके रूप	1			1	3.33
मॉड्यूल-3	ज्ञानना, चिंतन एवं सीखना	1			1	3.33
मॉड्यूल-4	ज्ञान प्राप्ति के उपागम, खोज एवं संवाद की संकल्पना- गाँधी, टैगोर, ड्यूई एवं प्लेटो के विचारों में	3			3	10
मॉड्यूल-5	ज्ञान का अर्थ, ज्ञान एवं सूचना, तर्क एवं विश्वास	2			2	6.67
मॉड्यूल-6	अनुदेशन, शिक्षण एवं प्रशिक्षण	2			2	6.67

मॉड्यूल-7	ज्ञान, कौशल एवं मूल्य	1			1	3.33
मॉड्यूल-8	औपचारिक, अनौपचारिक एवं गैर-औपचारिक शिक्षा	2			2	6.67
मॉड्यूल-9	शिक्षा का बहु-सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य, प्रत्यक्ष, मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा	2			2	6.67
मॉड्यूल -10	पाठ्यचर्या का अर्थ एवं संकल्पना	1			1	3.33
मॉड्यूल -11	पाठ्यचर्या रूपरेखा, पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम एवं पाठ्यपुस्तक में सह-सम्बन्ध	3			3	10
मॉड्यूल -12	पाठ्यचर्या के प्रकार- मुख्य (कोर) पाठ्यक्रम, छिपा हुआ (हिडन) पाठ्यक्रम, शून्य (नल्ल) पाठ्यक्रम, अव्यक्त (लेटेन्ट) पाठ्यक्रम	4			4	13.33
मॉड्यूल -13	पाठ्यचर्या की आवश्यकता एवं महत्त्व पाठ्यचर्या निर्माण के सिद्धांत	3			3	10
मॉड्यूल -14	पाठ्यचर्या निर्माण के आधार	1			1	3.33
मॉड्यूल -15	पाठ्यचर्या निर्माण के निर्धारक	1			1	3.33
योग		30			30	100

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अधिगम	विद्यार्थी केंद्रित निर्माणवादी
विधियाँ	व्याख्यान, प्रदत्तकार्य, वैयक्तिक एवं सामूहिक प्रस्तुति
तकनीकी	कंप्यूटर सहायक तकनीकी, ई-कॉन्टेंट,
उपादान	प्रदत्त कार्य, स्व-अध्ययन सामग्री

9.

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
1. अध्येता शिक्षण व्यवसाय के मूल्यों के अनुरूप अभ्यास कर पाएंगे।	X	X						
2. वे अपने निर्णय व्यवहार और अभ्यास के द्वारा शिक्षण व्यवसाय के लिए निर्धारित कसौटियों का पूर्ण पालन करेंगे।		X	X	X	X			
3. वे विद्यार्थियों के समग्र विकास की परिकल्पना को समझेंगे और तदनुरूप वे शिक्षार्थी केंद्रित शिक्षण विधियों का प्रभावपूर्ण प्रयोग करने में सक्षम होंगे।		X	X					
4. वे ऐसे शोध उन्मुख कार्य कर सकेंगे जो शिक्षा और समाज के संबंध को समझने में मदद करें।	X				X			
5. वे समसामयिक सूचना प्रौद्योगिकी एवं अन्य तकनीकों के माध्यम से प्रभाव प्रशिक्षण के लिए तत्पर रहेंगे।								
6. उनमें संप्रेषण की समुचित दक्षता होगी जिसके द्वारा वे अपने विचारों को प्रभावपूर्ण संप्रेषण करने में दक्ष होंगे।								
7. वे समुदाय के साथ अंतः क्रिया के दौरान सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के प्रति समनुभूति का भाव रखेंगे।								
8. वे शिक्षण और आकलन की समसामयिक तक नीतियों की विशेष जानकारी रखेंगे और उसके अनुरूप उसका अभ्यास करेंगे।			X					
9. वे विद्यार्थियों में व्याप्त विविधता का सम्मान करते हुए उसके समावेशन की ओर उन्मुख होंगे।								
10. वे क्षेत्र, जाति, संप्रदाय, जेंडर आदि की विविधताओं का शिक्षण और अन्य दायित्वों में समावेशन का प्रयास करेंगे।								

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#]विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य सामाग्री	विवरण (APAFormat में)
1	आधार/पाठ्य-ग्रंथ	■ सेठ, श्याम किशोर व मिश्र, नीलिमा. (2011). ज्ञान-दर्शन. इलाहाबाद : लोकभारती प्रकाशन ■ वर्मा, अशोक कुमार. (2017). तत्वमीमांसा एवं ज्ञानमीमांसा. दिल्ली : मोतीलाल बनारसीदास ■ पांडेय, रमा. (2011). भारतीय दर्शन में तत्वों का समस्यात्मक विवेचन. वाराणसी : मोतीलाल बनारसीदास ■ शर्मा, चंद्रधर. (2019). भारतीय दर्शन आलोचना एवं अनुशीलन. दिल्ली : मोतीलाल बनारसीदास

		दूबे, सत्यनारायन 'शरतेन्दु' (2014). पाठ्यक्रम का विकास. इलाहाबाद : शारदा पुस्तक भवन
2	संदर्भ-ग्रंथ	- Boyle, Bill & Charles, Marie. (2016). Curriculum Development. SAGE - Wiles, Jon. (2009). Leading Curriculum Development. SAGE - Talla, Mrunalini.(2012). Curriculum Development Perspectives Principles &Issues : PEARSON
3	ई-संसाधन	http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/bed_4sem_043_24_04_17.Pdf https://ncert.nic.in/pdf/h_focus_group/Pathyacharya,%20Pathyakram.pdf
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष / निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)



a. पाठ्यचर्या का नाम. सामाजिक विज्ञान शिक्षण-I (Teaching of Social Science-I)
(Name of the Course).

2. पाठ्यचर्या का कोड. बीईडी 02

(Code of the Course).

3. क्रेडिट: 2 4. सेमेस्टर: द्वितीय

5. पाठ्यचर्या विवरण:

(Description of Course)

इकाई 1: परिचय

- प्राकृतिक और सामाजिक विज्ञान के बीच भेद: स्कूलों में सामाजिक विज्ञान विषय
- ज्ञानानुशासन के रूप में सामाजिक विज्ञान
- सामाजिक विज्ञान के दार्शनिक व सैद्धान्तिक आधार
- सामाजिक विज्ञान में 'सामाजिक' क्या है?
- सामाजिक विज्ञान का विद्यालयी विषय के रूप में विकास व प्रवृत्तियाँ
- सामाजिक विज्ञान का अन्य विषयों से संबंध
- विषय की अनुशासनात्मकता और अन्तर- अनुशासनात्मकता

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	29
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	00
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	01
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	00
कुल क्रेडिट घंटे	30

इकाई 2: सामाजिक विज्ञान शिक्षण

- सामाजिक विज्ञान के लक्ष्य व उद्देश्य
- माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक स्तर पर सामाजिक विज्ञान का पाठ्यक्रम व पुस्तकें
- सामाजिक विज्ञान के पाठ्यक्रम विकास के उपागम
- सामाजिक विज्ञान के पाठ्यपुस्तकों का आलोचनात्मक अध्ययन
- लोकतंत्र, नागरिकता, और मानवाधिकार के विमर्श और सामाजिक विज्ञान शिक्षक के लिए निहितार्थ

इकाई 3: सामाजिक विज्ञान शिक्षण की विधियाँ

- पाठ्यपुस्तक विधि, व्याख्यान विधि, कहानी विधि, नाट्य रूपान्तरण, तुलनात्मक विधि, प्रोजेक्ट विधि आदि
- सामाजिक विज्ञान शिक्षण में समसामयिक राजनैतिक घटनाओं का प्रयोग
- पाठ्यसहगामी गतिविधियाँ: क्षेत्र भ्रमण, फिल्म स्क्रीनिंग, सर्वेक्षण आदि
- लोक साहित्य, मौखिक इतिहास, बाल पंचायत, कृत्रिम संसद

इकाई 4: सामाजिक विज्ञान की कक्षागत प्रक्रियाओं की समझ

- कक्षा में पाठ्यपुस्तक, कक्षा में पूछे गए सवाल, विद्यार्थी के दैनंदिन ज्ञान
- शिक्षक का विषय ज्ञान, कक्षा में अंतःक्रिया, कक्षा में संवाद
- पाठ योजना का निर्माण

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

1. सामाजिक विज्ञान शिक्षण के लक्ष्यों के अनुसार शिक्षण योजना बना सकेंगे।
2. सामाजिक विज्ञान शिक्षण के दौरान विभिन्न शिक्षण विधियों का प्रयोग कर सकेंगे।
3. सामाजिक विज्ञान शिक्षण के दौरान उसके लक्ष्यों और उपादेयता को विद्यार्थियों तक संप्रेषित कर सकेंगे।
4. सामाजिक विज्ञान शिक्षण संबंधी विषयों के मूल्यांकन के उपकरणों को विकसित करने में सक्षम हो सकेंगे।
5. सामाजिक विज्ञान विषय से संबन्धित शिक्षण सामग्री के चयन में समर्थ होंगे।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या संपूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	प्राकृतिक और सामाजिक विज्ञान के बीच भेद: स्कूलों में सामाजिक विज्ञान विषय	2			2	6.67
मॉड्यूल-2	ज्ञानानुशासन के रूप में सामाजिक विज्ञान, सामाजिक विज्ञान के दार्शनिक व सैद्धान्तिक आधार	2			2	6.67
मॉड्यूल-3	सामाजिक विज्ञान में 'सामाजिक' क्या है? सामाजिक विज्ञान का विद्यालयी विषय के रूप में विकास व प्रवृत्तियाँ	2			2	6.67
मॉड्यूल-4	सामाजिक विज्ञान का	2				

	अन्य विषयों से संबंध. विषय की अनुशासनात्मकता और अन्तर-अनुशासनात्मकता				2	6.67
मॉड्यूल-5	सामाजिक विज्ञान शिक्षण के लक्ष्य व उद्देश्य. माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक स्तर पर सामाजिक विज्ञान का पाठ्यक्रम व पुस्तकें	2			2	6.67
मॉड्यूल-6	सामाजिक विज्ञान के पाठ्यक्रम विकास के उपागम	2			2	6.66
मॉड्यूल-7	सामाजिक विज्ञान के पाठ्यपुस्तकों का आलोचनात्मक अध्ययन	1			1	3.33
मॉड्यूल-8	लोकतंत्र, नागरिकता, और मानवाधिकार के विमर्श और सामाजिक विज्ञान शिक्षक के लिए निहितार्थ	2			2	6.67
मॉड्यूल-9	सामाजिक विज्ञान शिक्षण की विधियाँ : पाठ्यपुस्तक विधि, व्याख्यान विधि, कहानी विधि, नाट्य रूपान्तरण, तुलनात्मक विधि, प्रोजेक्ट विधि आदि	3			3	10
मॉड्यूल -10	सामाजिक विज्ञान शिक्षण में	2				

	समसामयिक राजनैतिक घटनाओं का प्रयोग				2	6.67
मॉड्यूल -11	पाठ्यसहगामी गतिविधियाँ: क्षेत्र भ्रमण, फिल्म स्क्रीनिंग, सर्वेक्षण आदि	2			2	6.67
मॉड्यूल -12	लोक साहित्य, मौखिक इतिहास, बाल पंचायत, कृत्रिम संसद	1		1	2	6.67
मॉड्यूल -13	कक्षा में पाठ्यपुस्तक, कक्षा में पूछे गए सवाल, विद्यार्थी के दैनंदिन ज्ञान	2			2	6.67
मॉड्यूल -14	शिक्षक का विषय ज्ञान, कक्षा में अंतःक्रिया, कक्षा में संवाद	2			2	6.66
मॉड्यूल-15	पाठ योजना का निर्माण	2			2	6.66
योग		29		01	30	100

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अधिगम	विद्यार्थी केंद्रित निर्माणवादी
विधियाँ	व्याख्यान, प्रदत्तकार्य, वैयक्तिक एवं सामूहिक प्रस्तुति
तकनीकी	कंप्यूटर सहायक तकनीकी, ई-कॉन्टेंट,
उपादान	प्रदत्त कार्य, स्व-अध्ययन सामाग्री



9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
1. अध्येता शिक्षण व्यवसाय के मूल्यों के अनुरूप अभ्यास कर पाएंगे।	X				X			
2. वे अपने निर्णय व्यवहार और अभ्यास के द्वारा शिक्षण व्यवसाय के लिए निर्धारित कसौटियों का पूर्ण पालन करेंगे।	X	X			X			
3. वे विद्यार्थियों के समग्र विकास की परिकल्पना को समझेंगे और तदनुरूप वे शिक्षार्थी केंद्रित शिक्षण विधियों का प्रभावपूर्ण प्रयोग करने में सक्षम होंगे।	X	X	X	X				
4. वे ऐसे शोध उन्मुख कार्य कर सकेंगे जो शिक्षा और समाज के संबंध को समझने में मदद करें।								
5. वे समसामयिक सूचना प्रौद्योगिकी एवं अन्य तकनीकों के माध्यम से प्रभाव प्रशिक्षण के लिए तत्पर रहेंगे।		X						
6. उनमें संप्रेषण की समुचित दक्षता होगी जिसके द्वारा वे अपने विचारों को प्रभावपूर्ण संप्रेषण करने में दक्ष होंगे।		X	X					
7. वे समुदाय के साथ अंतः क्रिया के दौरान सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के प्रति समानुभूति का भाव रखेंगे।								
8. वे शिक्षण और आकलन की समसामयिक तक नीतियों की विशेष जानकारी रखेंगे और उसके अनुरूप उसका अभ्यास करेंगे।				X	X			
9. वे विद्यार्थियों में व्याप्त विविधता का सम्मान करते हुए उसके समावेशन की ओर उन्मुख होंगे।								
10. वे क्षेत्र, जाति, संप्रदाय , जेंडर आदि की विविधताओं का शिक्षण और अन्य दायित्वों में समावेशन का प्रयास करेंगे।								

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#]विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य सामाग्री	विवरण (APAFormat में)
1	आधार/पाठ्य-ग्रंथ	■ जैन, अमीर चंद व शर्मा, विजय लक्ष्मी. (2013). सामाजिक ज्ञान शिक्षण. जयपुर : सामाजिक ज्ञान शिक्षण
2	संदर्भ-ग्रंथ	■ Arora, P (2014). A Democratic Classroom for Social Science, Project Report, University of Delhi, Delhi. ■ Batra, P. (Ed 2010). Social Science Learning in Schools: Perspective and Challenges. Sage Publications India Pvt. Ltd. New Delhi. ■ Bining, A.C. & Bining, D.H. (1952), Teaching of social studies in secondary schools, Tata McGraw Hill Publishing Co. Ltd. Bombay ■ Crotty, M., (1998), The foundations of social research: Meaning and perspective

		in the research process, London: Sage Publication. ▪ Edgar, B.W. & Stanely (1958), Teaching social studies in high school, Heath and company, Boston D.C. ▪ Misra, Salil and Ranjan, Ashish (2012) Teaching of Social Sciences: History, Context and Challenges in Vandana Saxena (ed.), Nurturing the Expert Within, Pearson, New Delhi ▪ Zevin, J., (2000), Social studies for the twenty first century, Lawrence Erlbaum Associates Publishers, London
3	ई-संसाधन	https://ncert.nic.in/pdf/h_focus_group/Samajik%20Vikyan%20Ka%20Shikshan.pdf
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष / निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)



4.2 पाठ्यचर्या का नाम: अंग्रेजी शिक्षण-I

(Name of the Course) Teaching of English-I

2. पाठ्यचर्या का कोड: बीईडीई02

(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 2 4. सेमेस्टर: द्वितीय

5. पाठ्यचर्या विवरण:

(Description of Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	29
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	00
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	01
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	00
कुल क्रेडिट घंटे	30

Unit1: Nature and Role of Language

- **Language and Society** — Language and Power; Language and Class (society); Language and Identity; Language and Gender.
- **Language in School**—Home language and school language—Medium of understanding; Multilingual and multicultural classroom; Difference between language as a school subject and language as a Medium of Instruction

Unit2: Role and Position of Languages

Constitutional provisions and policies of language education

- Position of Languages in India; Article 343-351, 350A, Kothari Commission (1964-66), NPE-1968, NPE-1986, POA 1992, NEP-2020, National Curriculum Framework-2005.
- **Role of English language in the Indian context**- English as a language of knowledge; Position of English as second language in India; English and Indian languages; English as a link language in global context; challenges of teaching and learning English.

Unit3: Language Teaching- An Overview

- **Different approaches/theories to language learning & teaching**-Philosophical, social and psychological bases of approaches to Language acquisition and Language learning; Western and Indian overview of language learning (John Dewey, Bruner, J. Piaget, L. Vygotsky, Chomsky, Krashen), (Gandhi Ji, Sri Aurobindo, Rabindranath Tagore, Zakir Hussain, Radhakrishnan, Giju Bhai Bhadeka)
- **Language teaching methods**-Grammar translation method, Structural method, Direct method, Audio-lingual method, Natural method; Communicative approach, Whole language approaches—Task based approach, Thematic Approach etc.
- **Linguistic Behaviour**-language as a rule governed behavior and linguistic variability;

Pronunciation-linguistic diversity, its impact on English, pedagogical implication; speech and writing.

- **Linguistic system**—the organization of sounds; the structure of sentences; the concept of Universal grammar; Nature and structure of meaning; Phonetics, Syntax and semantics etc. Developing Language Skills- Grammar in context, Vocabulary in context, Language skills-listening, speaking, reading and writing.

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

- अंग्रेजी भाषा के विभिन्न स्वरूपों को समझने में समर्थ होंगे।
- अंग्रेजी शिक्षण के सिद्धान्तों एवं सूत्रों का प्रयोग करने में समर्थ होंगे।
- अंग्रेजी भाषा से संबंधित विभिन्न नीतियों एवं धाराओं से परिचित होंगे।
- अंग्रेजी शिक्षण के कौशलों के अभ्यास कराने में सामर्थ्य प्राप्त करेंगे।
- अंग्रेजी भाषा के विभिन्न शिक्षण विधाओं को सीखने में समर्थ होंगे।
- अंग्रेजी भाषा शिक्षण में दक्ष होंगे।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	*ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	*संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	Nature and Role of Language and Society — Language and Power; Language and Class (society); Language and Identity;	3			3	10

	Language and Gender.					
मॉड्यूल-2	Language in School —Home language and school language— Medium of understanding; Multilingual and multicultural classroom;	2			2	6.66
मॉड्यूल-3	Difference between language as a school subject and language as a Medium of instruction, The curriculum of English in secondary school.	2.5			2.5	8.33
मॉड्यूल-4	Role and Position of Languages Constitutional provisions and policies of language education Position of Languages in India; Article 343-351, 350A,	1			1	3.33
मॉड्यूल-5	Kothari Commission (1964-66), NPE-	3			3	10

	1968, NPE-1986, POA 1992, NPE-2020, National Curriculum Framework-2005					
मॉड्यूल-6	Role of English language in the Indian context- English as a language of knowledge; Position of English as second language in India; English and Indian languages; English as a link language in global context; challenges of teaching and learning English, Maxim and Principles of teaching English	3.5			3.5	11.66
मॉड्यूल-7	Language Teaching- An Overview Different approaches/theories to language learning & teaching-	3.5			3.5	11.66

	Philosophical, social and psychological bases of approaches to Language acquisition and Language learning; Western and Indian overview of language learning (John Dewey, Bruner, J.Piaget, L. Vygotsky, Chomsky, Krashen), (Gandhi Ji, Sri Aurobindo, Rabindranath Tagore, Zakir Hussain, Radhakrishnan, GijuBhaiBhade ka)					
मॉड्यूल-8	Language teaching methods- Grammar translation method, Structural method, Direct method, Audio-lingual method, Natural method;	4			4	13.33

	Communicative approach, Whole language approaches— Task based approach, Thematic Approach etc.					
मॉड्यूल-9	Linguistics and Language Skills Linguistic Behaviour- language as a rule governed behavior and linguistic variability; Pronunciation- linguistic diversity, its impact on English, pedagogical implication; speech and writing.	2			2	6.66
मॉड्यूल-10	Linguistic system- the organization of sounds; the structure of sentences; the concept of Universal grammar; Nature and structure of meaning;	2			2	6.66

	Phonetics, Syntax and semantics etc.					
मॉड्यूल-11	Developing Language Skills- Grammar in context , Vocabulary in context, Language skills-listening, speaking, reading and writing.	3.5			3.5	11.66
योग		30			30	100

* ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)- आवश्यकता अनुरूप/समय सारणी अनुरूप

* संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला...- पाठ्यचर्या के ईकाई के विषय वस्तु के आवश्यकता अनुरूप

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अधिगम	विद्यार्थी केन्द्रित, Constructive approach
विधियाँ	व्याख्यान, प्रदत्त कार्य, वैयक्तिक एवं समूहिक प्रस्तुति, शिक्षण विधियों पर आधारित व्यावहारिक कार्य योजना का विकास व्याख्यान, प्रदत्त कार्य, वैयक्तिक एवं समूहिक प्रस्तुति, व्याख्यान सह चर्चा, परियोजना, सेमिनार प्रस्तुति और विचार-विमर्श, अधिगम संसाधन विकास पर कार्यशाला, प्रकरण अध्ययन
तकनीक	कंप्यूटर सहायक तकनीकी, ई-कॉन्टेंट, गूगल क्लासरूम, विभिन्न वेबसाइट्स
उपादान	प्रदत्त कार्य, स्व अध्ययन सामग्री, स्व- अभ्यास

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाममैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6
अंग्रेजी भाषा के विभिन्न स्वरूपों को समझ सकेंगे।	X	-	-	-	-	-
अंग्रेजी शिक्षण के सिद्धान्तों एवं सूत्रों का प्रयोग करने में समर्थ होंगे।	-	X	-	-	-	-
अंग्रेजी भाषा से संबंधित विभिन्न नीतियों एवं धाराओं से परिचय	-	-	X	-	-	-
अंग्रेजी शिक्षण के कौशलों के अभ्यास करेंगे।	-	-	-	X	-	-
अंग्रेजी भाषा के विभिन्न शिक्षण विधाओं का ज्ञान अपने शिक्षण में उपयोग करेंगे।	-	-	-	-	X	-
अंग्रेजी भाषा शिक्षण में दक्षता प्राप्त करेंगे।	-	-	-	-	-	X

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#]विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदनलेखन	
निर्धारित अंकप्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	Kulshreshtha, M.S. and Baraulia, A. (2008). English Language Teaching. Agra, Radha Prakashan Mandir. Nagaraj, G.1996. English Language Teaching. Calcutta:Orient Longman. Prabhu, N.S.(1987). Second Language pedagogy. Oxford: Oxford University Press.
2	संदर्भ-ग्रंथ	NCERT(2005).National Curriculum Framework. New Delhi: NCERT. NCERT(2005).National Curriculum Framework Position Paper National Focus Group on Teaching of English. New Delhi: NCERT. NCERT(2005).National Curriculum Framework Position Paper National Focus Group on Teaching of Indian Languages. New Delhi: NCERT
3	ई-संसाधन	https://www.coe.int/t/dg4/linguistic/Source/Vollmer_LAC_EN.doc https://en.wikipedia.org/wiki/Audio-lingual_method https://shodhganga.inflibnet.ac.in/bitstream/10603/20567/10/10_chapter%203.pdf
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष / निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)



4.3 पाठ्यचर्या का नाम: गणित शिक्षण-I

(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: बीईडीई02

(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 2 4. सेमेस्टर: द्वितीय

5. पाठ्यचर्या विवरण:

(Description of Course)

इकाई 1: गणित शिक्षण के उद्देश्य, युक्तियाँ एवं योजना

- गणित शिक्षण के उद्देश्य और प्राप्य उद्देश्य
- माध्यमिक स्तर के गणित के विभिन्न विषयों के लिए उपयुक्त निर्देशन युक्तियों का चयन करना:
- अंकगणित शिक्षण (व्यावसायिक गणित)
- बीजगणित शिक्षण (बहुपद, बीजगणितीयतादात्म्य, एकघातीय समीकरण, द्विघातीय समीकरण)
- रेखागणित शिक्षण (सर्वसमता और समरूपता)
- त्रिकोणमिति शिक्षण (t-अनुपात, ऊँचाई और दूरी)
- सांख्यिकी शिक्षण (केन्द्रीय प्रवृत्ति का मापन)
- क्षेत्रमिति शिक्षण (ठोस आकृतियों का सतही क्षेत्रफल और आयतन)
- पाठ योजना और इकाई योजना का निर्माण

इकाई 2: गणित सीखना, पाठ्यक्रम और विधियाँ

- गणितीय संप्रत्ययों को सीखने में विकासात्मक क्रम से:- पियाजे, ब्रुनर और व्यगोस्की का अंतर्दृष्टि चिंतन
- गणित के निम्नलिखित प्रसंग का शैक्षणिक विश्लेषण: समीकरण, समुच्चय, आयतन, त्रिकोणमिति, अनुपात और समानुपात
- गणित शिक्षण की विधियाँ: व्याख्यान विधि, आगमन और निगमन, संश्लेषण और विश्लेषण, प्रदर्शन विधि, पूछताछ और खोज विधि, समस्या समाधान विधि, प्रोजेक्ट विधि, प्रयोगशाला विधि

इकाई 3: गणित विषय में सीखने के लिए संसाधन

- पाठ्यपुस्तकें, दृश्य-श्रव्य मल्टीमीडिया चयन और डिजाइन
- गणित सीखने के लिए सामुदायिक संसाधनों का उपयोग करना
- स्कूल परिसर / ब्लॉक / जिला स्तर में सीखने के संसाधनों को एकत्रित करना, संसाधनों के उपयोग में आने वाली बाधाओं से निपटना

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	29
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	00
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	01
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	00
कुल क्रेडिट घंटे	30

इकाई 4: गणित शिक्षण में मूल्यांकन

- मापन और मूल्यांकन की अवधारणा
- मूल्यांकन उपकरण: अर्थ और आवश्यकता
- नैदानिक परीक्षण और उपचारात्मक शिक्षण
- व्यक्तिनिष्ठ और वस्तुनिष्ठ परीक्षण
- संरचनात्मक और योगात्मक मूल्यांकन
- सतत और व्यापक मूल्यांकन
- निकष संदर्भित और मानक संदर्भित मूल्यांकन
- ब्लू-प्रिंट की रचना और गणित में शिक्षक निर्मित उपलब्धि परीक्षण का निर्माण

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

- गणित के विभिन्न विषयों के लिए उपयुक्त निर्देशन युक्तियों का चयन करने में समर्थ होंगे।
- गणित के विभिन्न विषय वस्तु के शिक्षण हेतु उपयुक्त विधियों का चयन करने में समर्थ होंगे।
- गणित के विशिष्ट प्रसंगों का शैक्षणिक विश्लेषण करने में समर्थ होंगे।
- गणित शिक्षण से संबंधित विभिन्न संसाधनों का निर्माण एवं प्रयोग करने में समर्थ होंगे।
- अधिगम सिद्धान्तों के शिक्षण शास्त्रीय निहितार्थों की गणित शिक्षण के परिप्रेक्ष्य में सूझ विकसित करेंगे।
- गणित शिक्षण के विभिन्न आकलन उपकरणों का उपयोग संज्ञानात्मक एवं सह संज्ञानात्मक आयामों के लिए करने में समर्थ होंगे।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	*ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	*संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	गणित शिक्षण के उद्देश्य, युक्तियाँ एवं योजना गणित शिक्षण के	1			1	3.33

उद्देश्य और प्राप्य उद्देश्य						
मॉड्यूल-2	माध्यमिक स्तर के गणित के विभिन्न विषयों के लिए उपयुक्तनिर्देशन युक्तियों का चयन करना: अंकगणित शिक्षण (व्यावसायिक गणित) बीजगणित शिक्षण (बहुपद, बीजगणितीय तादात्म्य, एकघातीय समीकरण, द्विघातीय समीकरण) रेखागणित शिक्षण (सर्वगसमता और समरूपता) त्रिकोणमिति शिक्षण (t-अनुपात, ऊंचाई और दूरी) सांख्यिकी शिक्षण (केन्द्रीय प्रवृत्ति का मापन) क्षेत्रमिति शिक्षण (ठोस आकृतियों का सतही क्षेत्रफल और आयतन)	4.5			4.5	15
मॉड्यूल-3	पाठ योजना और इकाई योजना का निर्माण	2			2	6.66
मॉड्यूल-4	गणित सीखना, पाठ्यक्रम और विधियाँ गणितीय संप्रत्ययों को सीखने में	2			2	6.66

	विकासात्मक क्रमसे:- पियाजे, ब्रुनर और व्यगोस्की का अंतर्दृष्टि चिंतन					
मॉड्यूल-5	गणित के निम्नलिखित प्रसंग का शैक्षणिक विश्लेषण: समीकरण, समुच्चय, आयतन, त्रिकोणमिति, अनुपात और समानुपात	2			2	6.66
मॉड्यूल-6	गणित शिक्षण की विधियाँ: व्याख्यान विधि, आगमन और निगमन, संश्लेषण और विश्लेषण, प्रदर्शन विधि, पूछताछ और खोज विधि, समस्या समाधान विधि, प्रोजेक्ट विधि, प्रयोगशाला विधि	3.5			3.5	11.66
मॉड्यूल-7	गणित विषय में सीखने के लिए संसाधन पाठ्यपुस्तकें, दृश्य- श्रव्य मल्टीमीडिया चयन और डिजाइन	3.5			3.5	11.66
मॉड्यूल-8	गणित सीखने के लिए सामुदायिक संसाधनों का उपयोग करना स्कूल परिसर /	4			4	13.33

	ब्लॉक / जिला स्तर में सीखने के संसाधनों को एकत्रित करना, संसाधनों के उपयोग में आने वाली बाधाओं से निपटना					
मॉड्यूल-9	गणित शिक्षण में मूल्यांकन मापन और मूल्यांकन की अवधारणा; मूल्यांकन उपकरण: अर्थ और आवश्यकता; नैदानिक परीक्षण और उपचारात्मक शिक्षण; व्यक्तिनिष्ठ और वस्तुनिष्ठ परीक्षण	3.5			3.5	11.66
मॉड्यूल-10	संरचनात्मक और योगात्मक मूल्यांकन सतत और व्यापक मूल्यांकन	2			2	6.66
मॉड्यूल-11	निकष संदर्भित और मानक संदर्भित मूल्यांकन; ब्लू-प्रिंट की रचना और गणित में शिक्षक निर्मित उपलब्धि परीक्षण का निर्माण	2			2	6.66
योग		30			30	100

* ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)- आवश्यकता अनुरूप/समय सारणी अनुरूप

* संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला... पाठ्यचर्या के ईकाई के विषय वस्तु के आवश्यकता अनुरूप

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अधिगम	विद्यार्थी केन्द्रित, निर्माणवादी अधिगम
विधियाँ	आगमन-निगमन, व्याख्यान, प्रदत्त कार्य, वैयक्तिक एवं समूहिक प्रस्तुति, शिक्षण विधियों पर आधारित व्यावहारिक कार्य योजना का विकास
तकनीक	कंप्यूटर सहायक तकनीकी, ई-कॉन्टेंट, गूगल क्लासरूम, विभिन्न वेबसाइट्स
उपादान	प्रदत्त कार्य, स्व अध्ययन समाग्री, स्व- अभ्यास

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6
गणित के विभिन्न विषयों के लिए उपयुक्त निर्देशन युक्तियों का चयन में समर्थ होंगे।	X	-	-	-	-	-
गणित के विभिन्न विषय वस्तु के शिक्षण हेतु उपयुक्त विधियों के चयन में समर्थ होंगे।	-	X	-	-	-	-
गणित के विशिष्ट प्रसंगों का शैक्षणिक विश्लेषण करने में समर्थ होंगे।	-	-	X	-	-	-
गणित शिक्षण से संबंधित विभिन्न संसाधनों का निर्माण एवं प्रयोग करेंगे।	-	-	-	X	-	-
अधिगम सिद्धान्तों के शिक्षणशास्त्रीय निहितार्थों की गणित शिक्षण के परिप्रेक्ष्य में सृष्टि का विकास करेंगे।	-	-	-	-	X	-
गणित शिक्षण के विभिन्न आकलन उपकरणों का उपयोग में समर्थ होंगे।	-	-	-	-	-	X

टिप्पणी:

3. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
4. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#]विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदनलेखन	
निर्धारित अंकप्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	शर्मा, एस.एम.(2019). गणित शिक्षण, आगरा, श्री विनोद पुस्तक मंदिर. जैन एवं रावत(2017)। गणित शिक्षण, आगरा, अग्रवालपब्लिकेशन.

2	संदर्भ-ग्रंथ	Singh, Hukum, Avtar, Ram and Singh V.P. (2005). A Handbook for Designing Mathematics Laboratory in Schools, NCERT Sarangapani, Padma, and Husain, Shama, (2004). “Evaluation of Maths Lab at Samuha-Plan, Deodurg”, Report, National Institute of Advanced Studies, Bangalore. Sarangapani, Padma, (2000). “A way to explore children’s understanding of mathematics”, Issues in primary education.
3	ई-संसाधन	https://ncert.nic.in/pdf/focus-group/math.pdf https://sites.google.com/site/eshikshabharat/home/pedagogy-of-mathematics-ganita-siksa-sastra https://www.eklavya.in/magazine-activity/sandarbh-magazines/510-sandarbh-31-to-40/sandarbh-issue-43/2115-ganit-sikshan-me-sahayak-samagri https://ncert.nic.in/pdf/h_focus_group/Ganit%20Shikshan.pdf
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष / निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)



4.4 पाठ्यचर्या का नाम: जीव विज्ञान शिक्षण-I

(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: बीईडी01

(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 2

4. सेमेस्टर: द्वितीय

5. पाठ्यचर्या विवरण:

(Description of Course)

इकाई-1: जीव विज्ञान ज्ञान के एक गतिशील अनुशासन के रूप में

- जीव विज्ञान का अर्थ एवं इसकी प्रकृति, जीव वैज्ञानिक प्रविधि एवं जीव वैज्ञानिक प्रक्रिया कौशल
- जीव विज्ञान का ऐतिहासिक, सामाजिक एवं नैतिक दृष्टिकोण
- जीव विज्ञान एवं अन्य विषयों में अंतर्संबंध एवं अंतरनिर्भरता

इकाई-2: जीव विज्ञान शिक्षण के उद्देश्य एवं भारत में जीव विज्ञान शिक्षा का विकास

- माध्यमिक विद्यालय स्तर पर जीव विज्ञान शिक्षण के उद्देश्य
- जीव विज्ञान शिक्षण उद्देश्यों में तात्कालिक रुझान- वैज्ञानिक साक्षरता, भारत में जीव विज्ञान शिक्षा का ऐतिहासिक विकास, विज्ञान शिक्षा संबंधी विभिन्न आयोग एवं समिति
- समकालीन विद्यालयी शिक्षा में जीव विज्ञान की स्थिति, विद्यालय स्तर पर जीव विज्ञान शिक्षा को प्रभावशाली बनाने की पहल

इकाई-3: जीव विज्ञान शिक्षण के उपागम, प्रविधियाँ एवं युक्तियाँ

- जीवविज्ञान शिक्षण के उपागम: एकीकृत, पारिस्थितिक, आगमनात्मक, निगमनात्मक, पृच्छा, विमर्श आधारित शिक्षण, निर्माणात्मक उपागम
- जीव विज्ञान शिक्षण की प्रविधियाँ एवं युक्तियाँ-क्षेत्र आधारित अध्ययन, अवलोकन, प्रदर्शन, प्रायोगिक कार्य, परियोजना एवं प्रदत्त कार्य, भूमिका अभिनय (रोल प्ले), समस्या समाधान, समन्वित एवं सहयोगात्मक शिक्षण

इकाई-4: सीखने-सिखाने की योजना

- लक्ष्य एवं उद्देश्य में भेद, ब्लूम के टेक्सोनोमी पर आधारित सामान्य तथा विशिष्ट उद्देश्यों का गठन, अवधारणा मानचित्रण
- सीखने-सिखाने की योजना- वार्षिक, इकाई एवं पाठ योजना
- जीव विज्ञान शिक्षण में शिक्षण- अधिगम सामग्री की आवश्यकता एवं महत्त्व, विभिन्न प्रकार के शिक्षण-अधिगम सामग्री की तैयारी

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

- जीव विज्ञान की प्रकृति, जीव वैज्ञानिक प्रविधि एवं जीव वैज्ञानिक प्रक्रिया कौशल को समझने में समर्थ होंगे।
- जीव विज्ञान एवं अन्य विषयों के मध्य अंतर्संबंध एवं अंतरनिर्भरता स्थापित करने में समर्थ होंगे।

- जीव विज्ञान शिक्षण के उद्देश्य एवं भारत में जीव विज्ञान शिक्षा के विकास की समझ विकसित करेंगे।
- जीव विज्ञान शिक्षण से संबंधित विभिन्न उपकरणों का निर्माण एवं प्रयोग करने में समर्थ होंगे।
- जीव विज्ञान शिक्षण हेतु पाठ्य योजनाओं के नियोजन एवं निर्माण करने में समर्थ होंगे।
- समकालीन विद्यालयी शिक्षा में जीव विज्ञान की स्थिति का आलोचनात्मक विश्लेषण करेंगे।
- जीव विज्ञान शिक्षण के विभिन्न उपागम, प्रविधियाँ एवं युक्तियाँ का शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में उपयोग करने में समर्थ होंगे।
- जीव विज्ञान के प्रभावी शिक्षण हेतु विभिन्न सहायक अधिगम समाग्रियों का निर्माण करने में समर्थ होंगे।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	*ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	*संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	जीव विज्ञान ज्ञान के एक गतिशील अनुशासन के रूप में जीव विज्ञान का अर्थ एवं इसकी प्रकृति, जीव वैज्ञानिक प्रविधि एवं जीव वैज्ञानिक प्रक्रिया कौशल	3			3	10
मॉड्यूल-2	जीव विज्ञान का ऐतिहासिक, समाजिक एवं नैतिक दृष्टिकोण	2			2	6.66
मॉड्यूल-3	जीव विज्ञान एवं अन्य विषयों में अंतर्संबंध एवं अंतरनिर्भरता	2.5			2.5	8.33

मॉड्यूल-4	जीव विज्ञान शिक्षण के उद्देश्य एवं भारत में जीव विज्ञान शिक्षा का विकास माध्यमिक विद्यालय स्तर पर जीव विज्ञान शिक्षण के उद्देश्य	2			2	6.66	
मॉड्यूल-5	जीव विज्ञान शिक्षण उद्देश्यों में तात्कालिक रुझान-वैज्ञानिक साक्षरता, भारत में जीव विज्ञान शिक्षा का ऐतिहासिक विकास, विज्ञान शिक्षा संबंधी विभिन्न आयोग एवं समिति	3			3	10	
मॉड्यूल-6	समकालीन विद्यालयी शिक्षा में जीव विज्ञान की स्थिति, विद्यालय स्तर पर जीव विज्ञान शिक्षा को प्रभावशाली बनाने की पहल	2.5			2.5	8.33	
मॉड्यूल-7	जीव विज्ञान शिक्षण के उपागम, प्रविधियाँ एवं युक्तियाँ जीवविज्ञान शिक्षण के उपागम: एकीकृत, पारिस्थितिक, आगम	3.5			3.5	11.66	

	नात्मक, निगमनात्मक, पृच्छा, विमर्श आधारित शिक्षण, निर्माणात्मक उपागम					
मॉड्यूल-8	जीव विज्ञान शिक्षण की प्रविधियाँ एवं युक्तियाँ-क्षेत्र आधारित अध्ययन, अवलोकन, प्रदर्शन, प्रायोगिक कार्य, परियोजना एवं प्रदत्त कार्य, भूमिका अभिनय (रोल प्ले), समस्या समाधान, समन्वित एवं सहयोगात्मक शिक्षण	4			4	13.33
मॉड्यूल-9	सीखने-सिखाने की योजना लक्ष्य एवं उद्देश्य में भेद, ब्लूम के टेक्सोनोमी पर आधारित सामान्य तथा विशिष्ट उद्देश्यों का गठन, अवधारणा मानचित्रण	2.5			2.5	8.33
मॉड्यूल-10	सीखने-सिखाने की योजना- वार्षिक, इकाई एवं पाठ योजना	3			3	10
मॉड्यूल-11	जीव विज्ञान शिक्षण में शिक्षण- अधिगम सामग्री की आवश्यकता एवं	2			2	6.66

	महत्व, विभिन्न प्रकार के शिक्षण-अधिगम सामग्री की तैयारी					
योग		30			30	100

* ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)- आवश्यकता अनुरूप/समय सारणी अनुरूप

* संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..- पाठ्यचर्या के ईकाई के विषय वस्तु के आवश्यकता अनुरूप

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अधिगम	विद्यार्थी केन्द्रित अधिगम एवं लर्निंग बाय डूइंग
विधियाँ	व्याख्यान, प्रदत्त कार्य, सामूहिक प्रस्तुति, व्याख्यान सह चर्चा, पैनल चर्चा, परियोजना, सेमिनार प्रस्तुति और विचार-विमर्श, आलोचनात्मक चिंतन, अधिगम संसाधन विकास पर कार्यशाला, प्रयोगशाला संलग्नता, प्रकरण अध्ययन
तकनीक	कंप्यूटर सहायक तकनीकी, ई-कॉन्टेंट, ई-प्लेटफॉर्म
उपादान	प्रदत्त कार्य, स्व अध्ययन सामग्री, स्व- अभ्यास

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
जीवविज्ञान की प्रकृति, जीव वैज्ञानिक प्रविधि एवं जीव वैज्ञानिक प्रक्रिया कौशल को समझ सकेंगे।	X	-	-	-	-	-	-	-
जीव विज्ञान एवं अन्य विषयों के मध्य अंतर्संबंध एवं अंतरनिर्भरता स्थापित करने में समर्थ होंगे।	-	X	-	-	-	-	-	-
जीव विज्ञान शिक्षण के उद्देश्य एवं भारत में जीव विज्ञान शिक्षा के विकास की समझ विकसित करेंगे।	-	-	X	-	-	-	-	-
जीव विज्ञान शिक्षण से संबंधित विभिन्न उपकरणों का निर्माण एवं प्रयोग में समर्थ होंगे।	-	-	-	X	-	-	-	-
जीव विज्ञान शिक्षण हेतु पाठ्य योजनाओं के नियोजन एवं निर्माण में समर्थ होंगे।	-	-	-	-	X	-	-	-
समकालीन विद्यालयी शिक्षा में जीव विज्ञान की स्थिति का आलोचनात्मक विश्लेषण करेंगे।	-	-	-	-	-	X	-	-
जीव विज्ञान शिक्षण के विभिन्न उपागम, प्रविधियाँ एवं युक्तियाँ का शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में उपयोग में समर्थ होंगे।	-	-	-	-	-	-	X	-
जीव विज्ञान के प्रभावी शिक्षण हेतु विभिन्न सहायक अधिगम सामग्रियों का निर्माण में समर्थ होंगे।	-	-	-	-	-	-	-	X

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#]विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदनलेखन	
निर्धारित अंकप्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य- सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/ पाठ्य ग्रंथ	पाण्डे, एस.के. (2007). ज्ञान शिक्षण, मेरठ, आर. लाल बुक डिपो. शर्मा, एच. एस. , तिवारी, ए एवं पराशर, आर. (2007) 'विज्ञान शिक्षण के नए आयाम' राधा प्रकाशन मंदिर, आगरा. रावत, डी.एस. (1989). विज्ञान शिक्षण, आगरा, विनोद पुस्तक भवन.
2	संदर्भ- ग्रंथ	एनसीईआरटी (2005). राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूप रेखा, एनसीईआरटी, नई दिल्ली. एनसीईआरटी (2008). विज्ञान शिक्षण, राष्ट्रीय फोकस समूह का आधार पत्र, एनसीईआरटी, नई दिल्ली.



महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
शिक्षा विभाग, शिक्षा विद्यापीठ

3	ई-संसाधन	https://gurukpo.com/Content/B.Ed/Final_Biology_Teaching_B.Ed..pdf www.scert.cg.gov.in/pdf/questionbank2017/11thbiohandbookDownload%20File.pdf
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष / निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)



4.5 पाठ्यचर्या का नाम: भौतिकीय विज्ञान शिक्षण-I

(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: बीईडी01

(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 2 4. सेमेस्टर: द्वितीय

5. पाठ्यचर्या विवरण:

(Description of Course)

इकाई-1: भौतिकीय विज्ञान ज्ञान के एक गतिशील अनुशासन के रूप में

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	29
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	00
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	01
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	00
कुल क्रेडिट घंटे	30

- भौतिकीय विज्ञान का अर्थ एवं इसकी प्रकृति, भौतिकीय वैज्ञानिक प्रविधि एवं भौतिकीय वैज्ञानिक प्रक्रिया कौशल
- भौतिकीय विज्ञान का ऐतिहासिक, सामाजिक एवं नैतिक दृष्टिकोण, भौतिकीय विज्ञान एक समाजिक उद्योग के रूप में
- भौतिकीय विज्ञान एवं अन्य विषयों में अंतर्संबंध एवं अंतरनिर्भरता

इकाई-2: भौतिकीय विज्ञान शिक्षण के उद्देश्य एवं भारत में भौतिकीय विज्ञान शिक्षा का विकास

- माध्यमिक विद्यालय स्तर पर भौतिकीय विज्ञान शिक्षण के उद्देश्य
- भौतिकीय विज्ञान शिक्षण उद्देश्यों में तात्कालिक रुझान- वैज्ञानिक साक्षरता, भारत में भौतिकीय विज्ञान शिक्षा का ऐतिहासिक विकास, विज्ञान शिक्षा संबंधी विभिन्न आयोग एवं समिति
- समकालीन विद्यालयी शिक्षा में भौतिकीय विज्ञान की स्थिति, विद्यालय स्तर पर भौतिकीय विज्ञान शिक्षा को प्रभावशाली बनाने की पहल

इकाई-3: पाठ्यवस्तु विशिष्ट शिक्षण

- भौतिकीय विज्ञान शिक्षण के उपागम: एकीकृत, पारिस्थितिक, आगमनात्मक, निगमनात्मक, पृच्छा, विमर्श आधारित शिक्षण, निर्माणात्मक उपागम
- भौतिकीय विज्ञान में वैकल्पिक अवधारणाएँ, अवधारणा मानचित्रण, वैज्ञानिक अभिवृत्ति का विकास, वैज्ञानिक कौशलों की पहचान तथा विकास

इकाई-4: भौतिकीय विज्ञान में शिक्षण शास्त्रीय विश्लेषण

- ब्लूम के टेक्सोनोमी पर आधारित सामान्य तथा विशिष्ट उद्देश्यों का गठन
- सीखने-सिखाने की योजना- वार्षिक, इकाई एवं पाठ योजना
- भौतिकीय विज्ञान शिक्षण में शिक्षण-अधिगम सामग्री की आवश्यकता एवं महत्व, विभिन्न प्रकार के शिक्षण-अधिगम सामग्री

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

- भौतिकीय विज्ञान की प्रकृति, जीव वैज्ञानिक प्रविधि एवं जीव वैज्ञानिक प्रक्रिया कौशल को समझने में समर्थ होंगे।

- भौतिकीय विज्ञान एवं अन्य विषयों के मध्य अंतर्संबंध एवं अंतरनिर्भरता स्थापित करने में समर्थ होंगे।
- भौतिकीय विज्ञान शिक्षण के उद्देश्य एवं भारत में जीव विज्ञान शिक्षा के विकास की समझ विकसित करेंगे।
- भौतिकीय विज्ञान शिक्षण से संबंधित विभिन्न उपकरणों का निर्माण एवं प्रयोग करने में समर्थ होंगे।
- भौतिकीय विज्ञान शिक्षण हेतु पाठ्य योजनाओं के नियोजन एवं निर्माण करने में समर्थ होंगे।
- समकालीन विद्यालयी शिक्षा में भौतिकीय विज्ञान की स्थिति का आलोचनात्मक विश्लेषण करेंगे।
- भौतिकीय विज्ञान शिक्षण के विभिन्न उपागम, प्रविधियाँ एवं युक्तियाँ का शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में उपयोग करने में समर्थ होंगे।
- भौतिकीय विज्ञान के प्रभावी शिक्षण हेतु विभिन्न सहायक अधिगम समाग्रियों का निर्माण करने में समर्थ होंगे।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	*ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	*संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	भौतिकीय विज्ञान ज्ञान के एक गतिशील अनुशासन के रूप में भौतिकीय विज्ञान का अर्थ एवं इसकी प्रकृति, भौतिकीय वैज्ञानिक प्रविधि एवं भौतिकीय वैज्ञानिक प्रक्रिया कौशल	3			3	10
मॉड्यूल-2	भौतिकीय विज्ञान का ऐतिहासिक, सामाजिक एवं नैतिक दृष्टिकोण, भौतिकीय विज्ञान एक समाजिक उद्योग के रूप में	2			2	6.66

मॉड्यूल-3	भौतिकीय विज्ञान एवं अन्य विषयों में अंतर्संबंध एवं अंतरनिर्भरता	2.5			2.5	8.33
मॉड्यूल-4	भौतिकीय विज्ञान शिक्षण के उद्देश्य एवं भारत में भौतिकीय विज्ञान शिक्षा का विकास माध्यमिक विद्यालय स्तर पर भौतिकीय विज्ञान शिक्षण के उद्देश्य	2			2	6.66
मॉड्यूल-5	भौतिकीय विज्ञान शिक्षण उद्देश्यों में तात्कालिक रुझान-वैज्ञानिक साक्षरता, भारत में भौतिकीय विज्ञान शिक्षा का ऐतिहासिक विकास, विज्ञान शिक्षा संबंधी विभिन्न आयोग एवं समिति	3			3	10
मॉड्यूल-6	समकालीन विद्यालयी शिक्षा में भौतिकीय विज्ञान की स्थिति, विद्यालय स्तर पर भौतिकीय विज्ञान शिक्षा को प्रभावशाली बनाने की पहल	2.5			2.5	8.33
मॉड्यूल-7	पाठ्यवस्तु विशिष्ट शिक्षण: भौतिकीय विज्ञान शिक्षण के उपागम: एकीकृत,	3.5			3.5	11.66

	पारिस्थितिक, आगमनात्मक, निगमनात्मक, पृच्छा, विमर्श आधारित शिक्षण, निर्माणात्मक उपागम					
मॉड्यूल-8	भौतिकीय विज्ञान में वैकल्पिक अवधारणाएँ, अवधारणा मानचित्रण, वैज्ञानिक अभिवृत्ति का विकास, वैज्ञानिक कौशलों की पहचान तथा विकास	4			4	13.33
मॉड्यूल-9	भौतिकीय विज्ञान में शिक्षण शास्त्रीय विश्लेषण ब्लूम के टेक्सोनोमी पर आधारित सामान्य तथा विशिष्ट उद्देश्यों का गठन	2			2	6.66
मॉड्यूल-10	सीखने-सिखाने की योजना- वार्षिक, इकाई एवं पाठ योजना	3			3	10
मॉड्यूल-11	भौतिकीय विज्ञान शिक्षण में शिक्षण- अधिगम सामग्री की आवश्यकता एवं महत्त्व, विभिन्न प्रकार के शिक्षण- अधिगम सामग्री	2.5			2.5	8.33
योग		30			30	100

* ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)- आवश्यकता अनुरूप/समय सारणी अनुरूप

* संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..- पाठ्यचर्या के ईकाई के विषय वस्तु के आवश्यकता अनुरूप

टिप्पणी:

1. माइयूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अधिगम	विद्यार्थी केन्द्रित अधिगम एवं लर्निंग बाय डूइंग
विधियाँ	व्याख्यान, प्रदत्त कार्य, वैयक्तिक एवं सामुहिक प्रस्तुति, शिक्षण विधियों पर आधारित व्यावहारिक कार्य योजना का विकास
तकनीक	कंप्यूटर सहायक तकनीकी, ई-कॉन्टेंट, गूगल क्लासरूम, विभिन्न वेबसाइट्स
उपादान	प्रदत्त कार्य, स्व अध्ययन सामग्री, स्व- अभ्यास

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
भौतिकीय विज्ञान की प्रकृति, जीव वैज्ञानिक प्रविधि एवं जीव वैज्ञानिक प्रक्रिया कौशल की समझ विकसित करेंगे।	X	-	-	-	-	-	-	-
भौतिकीय विज्ञान एवं अन्य विषयों के मध्य अंतर्संबंध एवं अंतरनिर्भरता स्थापित करने में समर्थ होंगे।	-	X	-	-	-	-	-	-
भौतिकीय विज्ञान शिक्षण के उद्देश्य एवं भारत में जीव विज्ञान शिक्षा के विकास की समझ का विकास होगा।	-	-	X	-	-	-	-	-

भौतिकीय विज्ञान शिक्षण से संबंधित विभिन्न उपकरणों का निर्माण एवं प्रयोग में समर्थ होंगे।	-	-	-	X	-	-	-	-
भौतिकीय विज्ञान शिक्षण हेतु पाठ्य योजना के नियोजन एवं निर्माण में समर्थ होंगे।	-	-	-	-	X	-	-	-
समकालीन विद्यालयी शिक्षा में भौतिकीय विज्ञान की स्थिति का आलोचनात्मक विश्लेषण करेंगे।	-	-	-	-	-	X	-	-
भौतिकीय विज्ञान शिक्षण के विभिन्न उपागम, प्रविधियाँ एवं युक्तियाँ का शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में उपयोग में समर्थ होंगे।	-	-	-	-	-	-	X	-
भौतिकीय विज्ञान के प्रभावी शिक्षण हेतु विभिन्न सहायक अधिगम समाग्रीयों का निर्माण में समर्थ होंगे।	-	-	-	-	-	-	-	X

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#]विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदनलेखन	
निर्धारित अंकप्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य- सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	नेगी, जे.एस.(2013). भौतिक विज्ञान शिक्षण, आगरा, अगरवाल पब्लिकेशन रावत, डी.एस.(1989). विज्ञान शिक्षण, आगरा, विनोद पुस्तक भवन. बॉक्सटन, ए.सी. (2010). टीचींगसाइन्स इन एलेमेंट्री एंड मिडिल स्कूल. नई दिल्ली, सेज पब्लिकेशनस
2	संदर्भ-ग्रंथ	एनसीईआरटी(2005). राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूप रेखा, एनसीईआरटी, नई दिल्ली. एनसीईआरटी(2008). विज्ञान शिक्षण, राष्ट्रीय फोकस समूह का आधार पत्र, एनसीईआरटी, नई दिल्ली. एनसीईआरटी, भौतिक विज्ञान का शिक्षण शास्त्र- भाग I एवं II, एनसीईआरटी, नई दिल्ली एस सी ई आरटी(2012), सतत एवं व्यापक मूल्यांकन, एस सी ई आरटी, छत्तीसगढ़
3	ई-संसाधन	http://www.preservearticles.com/201105216947/a-comparative-study-of-analytic-and-synthetic-method-of-teaching-mathematics.html https://www.csun.edu/science/ref/reasoning/deductive_reasoning/deductive-chemistry.html
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष / निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)



4.6 पाठ्यचर्या का नाम. हिन्दी शिक्षण-I (Pedagogy of Hindi)

(Name of the Course).

2. पाठ्यचर्या का कोड. शिक्षा 002

(Code of the Course).

3. क्रेडिट: 2

4. सेमेस्टर: द्वितीय

5. पाठ्यचर्या विवरण:

(Description of Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	30
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	00
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	00
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	00
कुल क्रेडिट घंटे	30

इकाई 1: हिन्दी भाषा का स्वरूप

- भाषा का विविध रूप – मातृभाषा, राष्ट्रभाषा, संपर्कभाषा, राजभाषा, प्रादेशिकभाषा, सांस्कृतिकभाषा, अन्तराष्ट्रीयभाषा
- हिन्दी भाषा का अन्य भारतीय भाषाओं के साथ संबंध
- अन्य विद्यालयीय विषयों के साथ संबंध
- प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च स्तर पर हिन्दी भाषा शिक्षण का उद्देश्य
- वर्तमान पाठ्यक्रम में हिन्दी भाषा का स्थान (हिन्दी बोलने तथा न बोलने वाले प्रदेशों के आधार पर)

इकाई 2: हिन्दी शिक्षण की विधियाँ

- शिक्षण उपागम (मौखिक – संप्रेषण – संरचनात्मक उपागम) का अर्थ, महत्व, प्रकार, शिक्षण उपागम एवं विधियों में अन्तर
- हिन्दी शिक्षण की विधियाँ-व्याख्या विधि, तुलनात्मक विधि, पाठ्यपुस्तक विधि, प्रत्यक्ष विधि, अभिनय विधि, समाहार विधि (प्रत्येक विधि के गुण-दोष विवेचन के साथ)
- हिन्दी भाषा शिक्षण में प्रयुक्त विभिन्न शिक्षण सूत्र
- भाषा शिक्षण प्रयुक्त सिद्धान्त

इकाई 3: भाषा कौशल विकास

- भाषाई कौशल- श्रवण कौशल, भाषण कौशल, पठन कौशल, लेखन कौशल
- भाषा कौशलों का विकास के उपाय
- हिन्दी भाषा शिक्षण में दृश्य-श्रव्य सामग्री - दृश्य श्रव्य सामग्री का अर्थ, परिभाषा - हिन्दी भाषा शिक्षण में दृश्य श्रव्य सामग्री की उपादेयता
- हिन्दी भाषा शिक्षण में पाठ्यसहगामी क्रियाएँ – वादविवाद, भाषण, अन्ताक्षरी, संगोष्ठी, इत्यादि

इकाई 4: विविध पाठ एवं पाठ योजनाएँ

- पाठ योजना का अर्थ, उद्देश्य, महत्व, एवं स्वरूप, पठ्ययोजना की आवश्यकता, उत्तम पाठ्ययोजना के गुण
- गद्य, पद्य, नाटक, कथा, व्याकरण आदि शिक्षण विधियाँ
- विविध पाठ योजनाएँ
- हिन्दी भाषा शिक्षण में मूल्यांकन विधियाँ,
- प्रश्न पत्र प्रारूप निर्माण

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

1. हिन्दी भाषा के विभिन्न स्वरूपों को समझने में समर्थ होंगे।
2. हिन्दी शिक्षण के सिद्धान्तों एवं सूत्रों का प्रयोग करने में समर्थ होंगे।
3. हिन्दी शिक्षण के कौशलों के अभ्यास कराने में सामर्थ्य प्राप्त करेंगे।
4. हिन्दी शिक्षण से संबंधित विभिन्न उपकरणों का निर्माण एवं प्रयोग करने में समर्थ होंगे।
5. हिन्दी भाषा के विभिन्न विधाओं को सिखाने हेतु भिन्न पाठ-योजनाओं को समझेंगे एवं निर्माण करने में समर्थ होंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	भाषा का विविध रूप – मातृभाषा, राष्ट्र भाषा, संपर्कभाषा, राजभाषा, प्रादेशिक भाषा, सांस्कृतिक भाषा, अन्तर्राष्ट्रीय भाषा	3			3	10.00
मॉड्यूल-2	हिन्दी भाषा का अन्य भारतीय भाषाओं के साथ संबंध। अन्य विद्यालयीय विषयों के साथ संबंध	2			2	6.66
मॉड्यूल-3	प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च स्तर पर हिन्दी भाषा शिक्षण का उद्देश्य। वर्तमान पाठ्यक्रम में हिन्दी भाषा का स्थान (हिन्दी बोलने वाले तथा न बोलने वाले प्रदेशों के आधार पर)	4			4	13.33
मॉड्यूल-4	शिक्षण उपागम (मौखिक – संप्रेषण – संरचनात्मक उपागम) का अर्थ, महत्व, प्रकार, शिक्षण उपागम एवं	5			5	16.66

	विधियों में अन्तर हिन्दी शिक्षण की विधियाँ-व्याख्या विधि, तुलनात्मक विधि, पाठ्यपुस्तक विधि, प्रत्यक्ष विधि, अभिनय विधि, समाहार। विधि (प्रत्येक विधि के गुण-दोष विवेचन के साथ)					
मॉड्यूल-5	हिन्दी भाषा शिक्षण में प्रयुक्त विभिन्न शिक्षण सूत्र। भाषा शिक्षण प्रयुक्त सिद्धान्त	3			3	10.00
मॉड्यूल-6	भाषाई कौशल- श्रवण कौशल, भाषण कौशल, पठन कौशल, लेखन कौशल। भाषा कौशलों का विकास के उपाय	2			2	6.66
मॉड्यूल -7	हिन्दी भाषा शिक्षण में दृश्य-श्रव्य सामग्री - दृश्य श्रव्य सामग्री का अर्थ, परिभाषा हिन्दी भाषा शिक्षण में दृश्य श्रव्य सामग्री की उपादेयता हिन्दी भाषा शिक्षण में पाठ्यसहगामी क्रियाएँ - वादविवाद, भाषण, अन्ताक्षरी, संगोष्ठी, इत्यादि	3			3	10
मॉड्यूल -8	पाठ योजना का अर्थ, उद्देश्य, महत्व, एवं स्वरूप, पाठयोजना की आवश्यकता, उत्तम पाठयोजना के गुण। गद्य, पद्य, नाटक, कथा, व्याकरण आदि विधाओं की पाठयोजना	6			6	20
मॉड्यूल -9	हिन्दी भाषा शिक्षण में मूल्यांकन विधियाँ, प्रश्न पत्र प्रारूप निर्माण	2			2	6.66
योग		30			30	100

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अधिगम	विद्यार्थी केंद्रित निर्माणवादी
विधियाँ	व्याख्यान, प्रदत्त कार्य, वैयक्तिक एवं सामूहिक प्रस्तुति
तकनीकी	कंप्यूटर सहायक तकनीकी, ई-कॉन्टेंट,
उपादान	प्रदत्त कार्य, स्व-अध्ययन सामाग्री

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
1. अध्येता शिक्षण व्यवसाय के मूल्यों के अनुरूप अभ्यास कर पाएंगे।	X	X	X		X			
2. वे अपने निर्णय व्यवहार और अभ्यास के द्वारा शिक्षण व्यवसाय के लिए निर्धारित कसौटियों का पूर्ण पालन करेंगे।	X		X	X	X			
3. वे विद्यार्थियों के समग्र विकास की परिकल्पना को समझेंगे और तदनुसार वे शिक्षार्थी केंद्रित शिक्षण विधियों का प्रभावपूर्ण प्रयोग करने में सक्षम होंगे।	X	X	X		X			
4. वे ऐसे शोध उन्मुख कार्य कर सकेंगे जो शिक्षा और समाज के संबंध को समझने में मदद करें।	X		X	X				
5. वे समसामयिक सूचना प्रौद्योगिकी एवं अन्य तकनीकों के माध्यम से प्रभाव प्रशिक्षण के लिए तत्पर रहेंगे।	X	X		X	X			
6. उनमें संप्रेषण की समुचित दक्षता होगी जिसके द्वारा वे अपने विचारों को प्रभावपूर्ण संप्रेषण करने में दक्ष होंगे।	X		X	X				
7. वे समुदाय के साथ अंतः क्रिया के दौरान सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के प्रति समनुभूति का भाव रखेंगे।	X	X		X	X			
8. वे शिक्षण और आकलन की समसामयिक तक नीतियों की विशेष जानकारी रखेंगे और उसके अनुरूप उसका अभ्यास करेंगे।	X	X	X	X	X			
9. वे विद्यार्थियों में व्याप्त विविधता का सम्मान करते हुए उसके समावेशन की ओर उन्मुख होंगे।	X	X		X	X			
10. वे क्षेत्र, जाति, संप्रदाय, जेंडर आदि की विविधताओं का शिक्षण और अन्य दायित्वों में समावेशन का प्रयास करेंगे।	X	X	X		X			

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#]विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदनलेखन	
निर्धारित अंक/प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य सामाग्री	विवरण (APAFormat में)
1	आधार/पाठ्य-ग्रंथ	गुप्त, मनोरमा – भाषा अधिगम, केंद्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा गुनानंद, हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास – विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा द्विवेदी, देवीशंकर – भाषा और भाषिकी, भाषा विभाग- सागर वि. वि., सागर पांडेय, राम शकल – हिन्दी शिक्षण, अग्रवाल पब्लिकेशन, आगरा

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

शिक्षा विभाग, शिक्षा विद्यापीठ

		चतुर्वेदी, शिखा – हिन्दी शिक्षण, आर लाल बुक डिपो., मेरठ शर्मा, देवेन्द्रनाथ – भाषा विज्ञान की भूमिका, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली तीवारी, भोलानाथ, भाषा विज्ञान, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणासी
2	संदर्भ-ग्रंथ	सक्सेना, राधारानी, (2013, 'नवाचारी शिक्षण पद्धतियाँ, जयपुर, राजस्थान हिंदी ग्रन्थ अकादमी । शर्मा, लक्ष्मनारायण, सिंह फतेह, संस्कृतशिक्षणं नविन प्रविधयःआदित्यप्रकाशन, जयपुर मित्तल, संतोष, संस्कृतशिक्षणम, नवचेतना पब्लिकेशन्स, जयपुर सफाया, रघुनाथ, संस्कृत शिक्षण, हरयाणाग्रन्थ अकादमि. पाण्डे, रामशकल, संस्कृत शिक्षण, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा विश्वासः कौशलबोधिनि, संस्कृत भारती, दिल्ली शर्मा, मुरलीधर, संस्कृत शिक्षण समस्या, रा.सं.सं. विद्यापीठ, तिरुपति सिंह कर्ण, संस्कृतशिक्षण विधि, एच.पि. भार्गव बुक सेंटर, आगरा
3	ई-संसाधन	http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/hindi_14_06_16.Pdf
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष / निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)



4.7 पाठ्यचर्याका नाम. संस्कृत शिक्षण-I
(Name of the Course).

2. पाठ्यचर्याका कोड. शिक्षा 001
(Code of the Course).

3. क्रेडिट: 2

4. सेमेस्टर: प्रथम

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	30
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	00
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	00
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	00
कुल क्रेडिट घंटे	30

पाठ्यक्रम की विवेचना

इकाई 1: संस्कृत भाषा का महत्व:

- संस्कृत भाषा का वैज्ञानिक सांस्कृतिक ऐतिहासिक व व्यवहारीक महत्व,
- संस्कृत भाषा का अन्य भारतीय भाषाओं के साथ संबंध,
- अन्य विद्यालयीय विषयों के साथ संबंध, प्राथमिक,
- माध्यमिक एवं उच्च स्तर पर संस्कृत भाषा शिक्षण का उद्देश्य,
- वर्तमान पाठ्यक्रम में संस्कृत भाषा का स्थान,

इकाई 2: संस्कृत शिक्षण उपागम:

- शिक्षण उपागम (मौखिक – संप्रेषण – संरचनात्मक उपागम) का अर्थ, महत्व, प्रकार,
- शिक्षण उपागम एवं विधियों में अन्तर,
- संस्कृत शिक्षण की विधियाँ – पारम्परिक विधि, भण्डारकर विधि, पाठ्यपुस्तक विधि, प्रत्यक्ष विधि, समाहार विधि, (प्रत्येक विधि का गुण दोष विवेचन के साथ),
- संस्कृत भाषा शिक्षण में प्रयुक्त विभिन्न शिक्षण सूत्र,
- भाषा शिक्षण प्रयुक्त सिद्धान्त,

इकाई 3: भाषा कौशल विकास के साधन

- भाषाई कौशल- श्रवण कौशल, भाषण कौशल, पठन कौशल, लेखन कौशल
- भाषा कौशलों का विकास के उपाय,
- संस्कृत भाषा शिक्षण में दृश्य श्रव्य सामग्री - दृश्य श्रव्य सामग्री का अर्थ, परिभाषा, संस्कृत भाषा शिक्षण में दृश्य श्रव्य सामग्री की उपादेयता,
- संस्कृत भाषा शिक्षण में पाठ्यसहगामी क्रियाएँ – वादविवाद, भाषण अन्ताक्षरी, संगोष्ठी, इत्यादि.

इकाई 4: विविध पाठ एवं पाठ योजनाएँ

- पाठ योजना का अर्थ, उद्देश्य, महत्व, एवं स्वरूप
- गद्य, पद्य, नाटक, कथा, व्याकरण आदि शिक्षण विधियाँ
- विविध पाठ योजनाएँ
- संस्कृत भाषाशिक्षण में मूल्यांकन विधियाँ,
- प्रश्न पत्र प्रारूप निर्माण

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

1. भारतीय परप्रेक्ष्य में संस्कृत भाषा का विभिन्न महत्व एवं संस्कृत भाषा शिक्षण की स्थिति की जानकारी प्राप्त कर संस्कृत शिक्षण के विकास के लिए यत्नवान होंगे।
2. संस्कृत शिक्षण के सिद्धान्तों एवं सूत्रों का प्रयोग करने में समर्थ होंगे।
3. संस्कृत शिक्षण के कौशलों के अभ्यास कराने में सामर्थ्य प्राप्त करेंगे।
4. संस्कृत शिक्षण से संबंधित विभिन्न उपकरणों का निर्माण एवं प्रयोग करने में समर्थ होंगे।
5. संस्कृत भाषा की विभिन्न विधाओं को सिखाने हेतु भिन्न पाठ्ययोजनाओं को समझेंगे एवं निर्माण करने में समर्थ होंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला.. (Interaction / Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	संस्कृत भाषा का वैज्ञानिक सांस्कृतिक ऐतिहासिक व व्यावहारिक महत्व	2			2	6.66
मॉड्यूल-2	संस्कृत भाषा का अन्य भारतीय भाषाओं के साथ संबंध अन्य	2			2	6.66

	विद्यालयीय विषयों के साथ संबंध					
मॉड्यूल-3	प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्च स्तर पर संस्कृत भाषा शिक्षण का उद्देश्य, वर्तमान पाठ्यक्रम में संस्कृत भाषा का स्थान	3			3	10.00
मॉड्यूल-4	शिक्षण उपागम (मौखिक – संप्रेषण – संरचनात्मक उपागम) का अर्थ, महत्व, प्रकार। शिक्षण उपागम एवं विधियों में अन्तर	3			3	10.00
मॉड्यूल-5	संस्कृत शिक्षण की विधियाँ – पारम्परिक विधि, भण्डारकर विधि, पाठ्यपुस्तक विधि, प्रत्यक्ष विधि, समाहार विधि, (प्रत्येक विधि का गुण दोष विवेचन के साथ)	4			4	13.33
मॉड्यूल-6	संस्कृत भाषा शिक्षण में प्रयुक्त विभिन्न शिक्षण सूत्र, भाषा शिक्षण में प्रयुक्त सिद्धान्त	3			3	10.00
मॉड्यूल-7	भाषाई कौशल- श्रवण कौशल, भाषण कौशल, पठन कौशल, लेखन कौशल। भाषा कौशलों के विकास उपाय	3			3	10.00
मॉड्यूल-8	संस्कृत भाषा शिक्षण में दृश्य श्रव्य सामग्री - दृश्य श्रव्य सामग्री का अर्थ, परिभाषा, संस्कृत भाषा शिक्षण में दृश्य श्रव्य सामग्री की उपादेयता। संस्कृत भाषा शिक्षण में पाठ्यसहगामी क्रियाएँ – वादविवाद, भाषण अन्ताक्षरी, संगोष्ठी, इत्यादि	3			3	10
मॉड्यूल -9	पाठ योजना का अर्थ, उद्देश्य, महत्व, एवं स्वरूप गद्य, पद्य, नाटक, कथा, व्याकरण आदि शिक्षण विधियाँ। विविध पाठ योजनाएँ	5			5	16.66
मॉड्यूल -10	संस्कृत भाषा शिक्षण में	2				6.66

	मूल्यांकन विधियाँ, प्रश्न पत्र प्रारूप निर्माण				2	
योग		30			30	100

टिप्पणी:

- माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
- प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अधिगम	विद्यार्थी केंद्रित निर्माणवादी
विधियाँ	व्याख्यान, प्रदत्तकार्य, वैयक्तिक एवं सामूहिक प्रस्तुति
तकनीकी	कंप्यूटर सहायक तकनीकी, ई-कॉन्टेंट,
उपादान	प्रदत्त कार्य, स्व-अध्ययन सामाग्री

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
1. अध्येता शिक्षण व्यवसाय के मूल्यों के अनुरूप अभ्यास कर पाएंगे।	X	X	X		X			
2. वे अपने निर्णय व्यवहार और अभ्यास के द्वारा शिक्षण व्यवसाय के लिए निर्धारित कसौटियों का पूर्ण पालन करेंगे।	X	X	X		X			
3. वे विद्यार्थियों के समग्र विकास की परिकल्पना को समझेंगे और तदनुसार वे शिक्षार्थी केंद्रित शिक्षण विधियों का प्रभावपूर्ण प्रयोग करने में सक्षम होंगे।	X	X		X	X			
4. वे ऐसे शोध उन्मुख कार्य कर सकेंगे जो शिक्षा और समाज के संबंध को समझने में मदद करें।	X	X	X	X	X			
5. वे समसामयिक सूचना प्रौद्योगिकी एवं अन्य तकनीकों के माध्यम से प्रभाव प्रशिक्षण के लिए तत्पर रहेंगे।	X		X		X			
6. उनमें संप्रेषण की समुचित दक्षता होगी जिसके द्वारा वे अपने विचारों को प्रभावपूर्ण रूप में संप्रेषण करने में	X	X		X	X			

दक्ष होंगे।								
7. वे समुदाय के साथ अंतः क्रिया के दौरान सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के प्रति समनुभूति का भाव रखेंगे।	X		X	X	X			
8. वे शिक्षण और आकलन की समसामयिक तक नीतियों की विशेष जानकारी रखेंगे और उसके अनुरूप उसका अभ्यास करेंगे।	X	X		X	X			
9. वे विद्यार्थियों में व्याप्त विविधता का सम्मान करते हुए उसके समावेशन की ओर उन्मुख होंगे।	X	X		X	X			
10. वे क्षेत्र, जाति, संप्रदाय, जेंडर आदि की विविधताओं का शिक्षण और अन्य दायित्वों में समावेशन का प्रयास करेंगे।	X	X	X		X			

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#]विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदनलेखन	
निर्धारित अंकप्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य सामग्री	विवरण (APAFormat में)
1	आधार/पाठ्य-ग्रंथ	शर्मा, लक्ष्मनारायण, सिंह फतेह, संस्कृतशिक्षणं नविन प्रविधयः आदित्यप्रकाशन, जयपुर मित्तल, संतोष, संस्कृतशिक्षणम्, नवचेतना पब्लिकेशन्स, जयपुर सफाया, रघुनाथ, संस्कृत शिक्षण, हरयाणाग्रन्थ अकादमि. पाण्डे, रामशकल, संस्कृत शिक्षण, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा विश्वासः कौशलबोधिनि, संस्कृत भारती, दिल्ली शर्मा, मुरलीधर, संस्कृत शिक्षण समस्या, रा.सं.सं. विद्यापीठ, तिरुपति ■ सिंह कर्ण, संस्कृतशिक्षण विधि, एच.पि. भार्गव बुक सेंटर, आगरा
2	संदर्भ-ग्रंथ	गुप्त, मनोरमा – भाषा अधिगम, केंद्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा गुनानंद हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास – विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा द्विवेदी, देवीशंकर – भाषा और भाषिकी, भाषाविज्ञान विभाग -सागर वि.वि., सागर पांडेय, रामाशकल – हिंदी शिक्षण, अग्रवाल पब्लिकेशन, आगरा चतुर्वेदी, शिखा – हिन्दी शिक्षण, आर लाल बुक डिपो., मेरठ शर्मा, देवेन्द्रनाथ – भाषा विज्ञान की भूमिका, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ■ तीवारी, भोलानाथ, भाषा विज्ञान, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणासी
3	ई-संसाधन	http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/sanskrit_bhasha_25_07_16.Pdf
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष / निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)



4.8 पाठ्यचर्या का नाम. मराठी भाषा शिक्षण – I (Name of the Course).

2.पाठ्यचर्याकाकोड. शिक्षा 001

(CodeoftheCourse).

3. क्रेडिट: 2

4. सेमेस्टर:प्रथम

5. पाठ्यचर्या विवरण:

(Description of Course)

पाठ्यक्रम की विवेचना

घटक १ : मराठी शिक्षण परिचय :

१. मराठी विषयाचे स्वरूप व व्याप्ती.
२. शालेय अभ्यासक्रमातील मराठी विषयाचे स्थान व महत्व.
३. त्रिभाषा सूत्र
४. भाषा कौशल्य (वाचन, भाषण, श्रवण, लेखन) : आवश्यकता व महत्व.

घटक २ : मराठी विषय अध्यापनाची उद्दिष्ट्ये :

१. उच्च प्राथमिक स्तरावरील मराठी अध्यापनाची उद्दिष्ट्ये.
२. माध्यमिक स्तरावरील मराठी अध्यापनाची उद्दिष्ट्ये.
३. उच्च माध्यमिक स्तरावरील मराठी अध्यापनाची उद्दिष्ट्ये.
४. मराठी विषय वर्ग अध्यापनाची उद्दिष्ट्ये.

घटक ३ : मराठी विषयाचा सहसंबंध :

१. सहसंबंध – अर्थ, महत्व आणि आवश्यकता.
२. मराठी विषयाचा शालेय विषयाशी सहसंबंध.
३. मराठी विषयाचा इतर भारतीय भाषेशी सहसंबंध.
४. मराठी विषयाचा इतर विषयाशी सहसंबंध.

घटक ४ : मराठी विषय अध्यापनाच्या पद्धती व तंत्रे :

१. अध्यापन पद्धती – अर्थ, महत्व आणि आवश्यकता.
२. मराठी विषयाच्या विविध अध्यापन पद्धती.
३. अध्यापन तंत्रे – अर्थ, महत्व आणि आवश्यकता.
४. मराठी विषयाचे विविध अध्यापन तंत्रे.

सत्रकार्य:

१. घटक चाचणी (२)
२. आयसीटी आधारित शैक्षणिक साहित्याचा विकास : रेखिय, शाखीय, मेथेटीक्स प्रोग्राम.
३. निबंध, कविता, नाटक, स्रोत साहित्याचे संकल्पना आधारित संकलन.
४. निर्धारित विषयावर स्वाध्याय व प्रस्तुतीकरण.

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	30
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	00
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	00
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	00
कौशल विकास गतिविधियाँ	00
कुल क्रेडिटघंटे	30

कार्य पद्धती :

- वैयक्तिक आणि सामूहिकरीत्या निवडक विषयावर विद्यार्थ्यांचे सेमिनार सादरीकरण
- गट चर्चा
- सांघिक अध्यापन
- केस स्टडी

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

- शालेय अभ्यासक्रमात मराठी भाषेचे योग्य स्थान व महत्व निर्माण साठी सदैव यत्नवान राहिल .
- उच्च प्राथमिक, माध्यमिक आणि उच्च माध्यमिक स्तरावरील मराठी भाषा शिक्षणाच्या उद्देश्य अंतरानुगुण शिक्षण करता येईल।
- मराठी भाषा विद्यार्थ्यां मध्ये मराठी विषयाच्या शालेय, भारतीय भाषा व इतर विषयांशी असणारा संबंध सांगुन इतर भाषा बदल प्रेम निर्माण करता येईल.
- मराठी विषय अध्यापनाच्या विविध पद्धतींच्या अध्यापनात वापर करता येईल

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्या	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	मराठी विषयाचे स्वरूप व व्याप्ती	2			2	6.66
मॉड्यूल-2	शालेय अभ्यासक्रमातील मराठी विषयाचे स्थान व महत्व.	2			2	6.66
मॉड्यूल-3	त्रिभाषा सूत्र	2			2	6.66
मॉड्यूल-4	भाषा कौशल्य (वाचन, भाषण, श्रवण, लेखन) : आवश्यकता, महत्व व विकास उपाय	3			3	10.00
मॉड्यूल-5	माध्यमिक, माध्यमिक, उच्च माध्यमिक स्तरावरील मराठी अध्यापनाची उद्दिष्ट्ये.	4			4	13.33

मॉड्यूल-6	सहसंबंध – अर्थ, महत्व आणि आवश्यकता. मराठी विषयाचा शालेय विषयासी सहसंबंध. मराठी विषयाचा इतर भारतीय भाषेशी सहसंबंध. मराठी विषयाचा इतर विषयासी सहसंबंध.	5			5	16.66
मॉड्यूल-7	अध्यापन पद्धती – अर्थ, महत्व आणि आवश्यकता. २. मराठी विषयाच्या विविध अध्यापन पद्धती.	5			5	16.66
मॉड्यूल-8	अध्यापन तंत्रे – अर्थ, महत्व आणि आवश्यकता. मराठी विषयाचे विविध अध्यापन तंत्रे, पाठ्ययोजना च्या उद्देश्य स्वरूप	7			7	23.33
योग		30			30	100

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अधिगम	विद्यार्थी केंद्रित निर्माणवादी
विधियाँ	व्याख्यान, प्रदत्त कार्य, वैयक्तिक एवं सामूहिक प्रस्तुति
तकनीकी	कंप्यूटर सहायक तकनीकी, ई-कॉन्टेंट,
उपादान	प्रदत्त कार्य, स्व-अध्ययन सामग्री

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगमपरिणाममैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
1. अध्येता शिक्षण व्यवसाय के मूल्यों के अनुरूप अभ्यास कर पाएंगे।	X	X	X	X				
2. वे अपने निर्णय व्यवहार और अभ्यास के द्वारा शिक्षण व्यवसाय के लिए निर्धारित कसौटियों का पूर्ण पालन करेंगे।	X	X		X				
3. वे विद्यार्थियों के समग्र विकास की परिकल्पना को समझेंगे और तदनुरूप वे शिक्षार्थी केंद्रित शिक्षण विधियों का प्रभावपूर्ण प्रयोग करने में सक्षम होंगे।	X		X	X				
4. वे ऐसे शोध उन्मुख कार्य कर सकेंगे जो शिक्षा और समाज के संबंध को समझने में मदद करें।	X	X	X					
5. वे समसामयिक सूचना प्रौद्योगिकी एवं अन्य तकनीकों के माध्यम से प्रभाव प्रशिक्षण के लिए तत्पर रहेंगे।	X		X	X				
6. उनमें संप्रेषण की समुचित दक्षता होगी जिसके द्वारा वे अपने विचारों को प्रभावपूर्ण संप्रेषण करने में दक्ष होंगे।	X	X		X				
7. वे समुदाय के साथ अंतः क्रिया के दौरान सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के प्रति समनुभूति का भाव रखेंगे।	X	X		X				
8. वे शिक्षण और आकलन की समसामयिक तक नीतियों की विशेष जानकारी रखेंगे और उसके अनुरूप उसका अभ्यास करेंगे।	X	X	X	X				
9. वे विद्यार्थियों में व्याप्त विविधता का सम्मान करते हुए उसके समावेशन की ओर उन्मुख होंगे।	X		X	X				
10. वे क्षेत्र, जाति, संप्रदाय , जेंडर आदि की विविधताओं का शिक्षण और अन्य दायित्वों में समावेशन का प्रयास करेंगे।	X	X		X				

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#]विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदनलेखन	
निर्धारित अंकप्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य सामाग्री	विवरण (APAFormat में)
1	आधार/पाठ्य-ग्रंथ	अकोलकर, ग. वि. आणि पाटणकर, ना. वि., (1970), “मराठीचे अध्यापन”, पुणे, व्हीनस प्रकाशन इंदुरकर, कल्याणी, (1998), “मराठीचे अध्यापन”, नागपूर, मंगेश प्रकाशन. करंदीकर, सुरेश आणि मंगरूळकर, मीना, (2004), “मराठी – आशय अध्यापन पद्धति”, पुणे, फडके प्रकाशन. कुंडले, म. बा., (1974), “मराठीचे अध्यापन”, पुणे, विद्या प्रकाशन. घोरमोडे, कला, (2008), “मराठी अध्यापन पद्धती”, नागपूर, विद्या प्रकाशन. पवार, ना. ग., (2006) “मातृभाषा मराठीचे आशयुक्त अध्यापन”, पुणे, नित्य नूतन प्रकाशन.
2	संदर्भ-ग्रंथ	Piaget, J. (1926). Language and Thought of the Child. London: Routledge & Kegan Paul . गुप्त, मनोरमा – भाषा अधिगम, केंद्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा गुनानंद हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास – विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा द्विवेदी, देवीशंकर – भाषा और भाषिकी, भाषाविभाग-नविज्ञा-सागर वि. वि., सागर पांडेय, रामाशकल – हिंदी शिक्षण, अग्रवाल पब्लिकेशन, आगरा चतुर्वेदी, शिखा – हिन्दी शिक्षण, आर लाल बुक डिपो., मेरठ शर्मा, देवेन्द्रनाथ – भाषा विज्ञान की भूमिका, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली तीवारी, भोलानाथ, भाषा विज्ञान, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणासी
3	ई-संसाधन	http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/marathi_14_06_16.Pdf
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष / निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

1. पाठ्यचर्या का नाम. सामाजिक विज्ञान शिक्षण-II (Teaching of Social Science-II)

(Name of the Course).

2.पाठ्यचर्या का कोड. बीईडी 02

(Code of the Course).

3. क्रेडिट: 2 4. सेमेस्टर: तृतीय

5. पाठ्यचर्या विवरण:

(Description of Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	29
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	00
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	01
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	00
कुल क्रेडिटघंटे	30

इकाई 1: सामाजिक विज्ञान में शिक्षण अधिगम संसाधन

- संसाधन के रूप में लोग: मौखिक आंकड़ों का महत्व
- प्राथमिक और द्वितीयक स्रोतों का महत्व: क्षेत्र, लिखित सामग्री, पत्रिकाओं, समाचार पत्रों से आंकड़ों का संग्रहण
- द्वितीयक स्रोतों और संदर्भ सामग्री के लिए पुस्तकालय का उपयोग
- विभिन्न शिक्षण सहायक सामग्री: सामाजिक विज्ञान के लिए एक संसाधन के रूप में एटलस का उपयोग करना; नक्शे, चार्ट, मॉडल, ग्राफ, श्रव्य एवं दृश्य सहायक सामग्री, ग्लोब, मानचित्र इत्यादि

इकाई 2: सामाजिक विज्ञान शिक्षक का वृत्तिक विकास

- सामाजिक विज्ञान शिक्षक की विशेषताएं
- सामाजिक विज्ञान शिक्षक का प्रशिक्षण

इकाई 3: सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तक, सामाजिक विज्ञान कक्ष, क्लब और स्टडी सर्किल

- सामाजिक विज्ञान कक्ष में अध्ययन सामग्री और उपकरण का कार्य और महत्व
- सामाजिक विज्ञान क्लब का अर्थ, आवश्यकता, निर्माण और गतिविधि
- सामाजिक विज्ञान की पाठ्य-पुस्तक- एक अच्छी पुस्तक की विशेषता, सामाजिक विज्ञान में पाठ्य पुस्तक का विश्लेषण

इकाई 4: सामाजिक विज्ञान में आकलन और मूल्यांकन

- आकलन, मूल्यांकन और परीक्षा का अर्थ
- सामाजिक विज्ञान में मूल्यांकन के उपकरण- चेक लिस्ट, अवलोकन, साक्षात्कार, रेटिंग स्केल
- सतत एवं व्यापक मूल्यांकन की प्रक्रिया तदनु रूप शैक्षिक और सहशैक्षिक आकलन के तरीके और उपकरणों का विकास
- शिक्षक निर्मित उपलब्धि परीक्षण का विकास, विद्यार्थियों पर वितरण और रिपोर्टिंग
- प्रदत्तकार्य, प्रश्नोत्तरी, प्रोजेक्ट, प्रस्तुतीकरण, रचनात्मक अभिव्यक्ति, समूह गतिविधि आदि के आकलन के तरीके

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

- सामाजिक विज्ञान शिक्षण के लिए संसाधनों का विकास करने में समर्थ होंगे।
- सामाजिक विज्ञान शिक्षण के दौरान विभिन्न संसाधनों का प्रयोग करने में समर्थ होंगे।

3. सामाजिक विज्ञान शिक्षक के वृत्तिक विकास के अवसरों का लाभ उठाकर खुद का वृत्तिक विकास कर सकेंगे।
4. सामाजिक विज्ञान शिक्षक के रूप में शिक्षार्थी लोकतांत्रिक विमर्शों के निहितार्थ को समझने में सक्षम हो सकेगा।
5. सामाजिक विज्ञान शिक्षण संबंधी पाठ्यचर्या को विकसित करने में समर्थ होगा।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या संपूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	सामाजिक विज्ञान शिक्षण में संसाधन के रूप में लोग: मौखिक आंकड़ों का महत्व	2			2	6.67
मॉड्यूल-2	प्राथमिक और द्वितीयक स्रोतों का महत्व: क्षेत्र, लिखित सामग्री, पत्रिकाओं, समाचार पत्रों से आंकड़ों का संग्रहण	2			2	6.67
मॉड्यूल-3	द्वितीयक स्रोतों और संदर्भ सामग्री के लिए पुस्तकालय का उपयोग	1			1	3.33

मॉड्यूल-4	विभिन्न शिक्षण सहायक सामग्री: सामाजिक विज्ञान के लिए एक संसाधन के रूप में एटलस का उपयोग करना; नक्शे, चार्ट, मॉडल, ग्राफ, श्रव्य एवं दृश्य सहायक सामग्री, ग्लोब, मानचित्र इत्यादि	2			2	6.67
मॉड्यूल-5	सामाजिक विज्ञान शिक्षक की विशेषताएं	1			1	3.33
मॉड्यूल-6	सामाजिक विज्ञान शिक्षक का प्रशिक्षण	1			1	3.33
मॉड्यूल-7	सामाजिक विज्ञान कक्ष में अध्ययन सामग्री और उपकरण का कार्य और महत्व	2			2	6.67
मॉड्यूल-8	सामाजिक विज्ञान क्लब का अर्थ, आवश्यकता, निर्माण और गतिविधि	2			2	6.67
मॉड्यूल-9	सामाजिक विज्ञान की पाठ्य-पुस्तक- एक अच्छी पुस्तक की विशेषता, सामाजिक विज्ञान में पाठ्य पुस्तक का विश्लेषण	4			4	13.33
मॉड्यूल -10	आकलन, मूल्यांकन	2				

	और परीक्षा का अर्थ				2	6.67
मॉड्यूल -11	सामाजिक विज्ञान में मूल्यांकन के उपकरण- चेक लिस्ट, अवलोकन, साक्षात्कार, रेटिंग स्केल	3			3	10
मॉड्यूल -12	सतत एवं व्यापक मूल्यांकन की प्रक्रिया तदनुरूप शैक्षिक और सहशैक्षिक आकलन के तरीके और उपकरणों का विकास	3			3	10
मॉड्यूल -13	शिक्षक निर्मित उपलब्धि परीक्षण का विकास, विद्यार्थियों पर वितरण और रिपोर्टिंग	2			2	6.67
मॉड्यूल -14	प्रदत्तकार्य, प्रश्नोत्तरी, प्रोजेक्ट, प्रस्तुतीकरण, रचनात्मक अभिव्यक्ति, समूह गतिविधि आदि के आकलन के तरीके	2		1	3	10
योग		29		01	30	100

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अधिगम	विद्यार्थी केंद्रित निर्माणवादी
विधियाँ	व्याख्यान, प्रदत्तकार्य, वैयक्तिक एवं सामूहिक प्रस्तुति



तकनीकी	कंप्यूटर सहायक तकनीकी, ई-कंटेंट,
उपादान	प्रदत्त कार्य, स्व-अध्ययन सामग्री

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
1. अध्येता शिक्षण व्यवसाय के मूल्यों के अनुरूप अभ्यास कर पाएंगे।		X	X					
2. वे अपने निर्णय व्यवहार और अभ्यास के द्वारा शिक्षण व्यवसाय के लिए निर्धारित कसौटियों का पूर्ण पालन करेंगे।	X				X			
3. वे विद्यार्थियों के समग्र विकास की परिकल्पना को समझेंगे और तदनुरूप वे शिक्षार्थी केंद्रित शिक्षण विधियों का प्रभावपूर्ण प्रयोग करने में सक्षम होंगे।	X							
4. वे ऐसे शोध उन्मुख कार्य कर सकेंगे जो शिक्षा और समाज के संबंध को समझने में मदद करें।	X				X			
5. वे समसामयिक सूचना प्रौद्योगिकी एवं अन्य तकनीकों के माध्यम से प्रभाव प्रशिक्षण के लिए तत्पर रहेंगे।		X						
6. उनमें संप्रेषण की समुचित दक्षता होगी जिसके द्वारा वे अपने विचारों को प्रभावपूर्ण संप्रेषण करने में दक्ष होंगे।								
7. वे समुदाय के साथ अंतः क्रिया के दौरान सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के प्रति समनुभूति का भाव रखेंगे।				X				
8. वे शिक्षण और आकलन की समसामयिक तक नीतियों की विशेष जानकारी रखेंगे और उसके अनुरूप उसका अभ्यास करेंगे।		X						
9. वे विद्यार्थियों में व्याप्त विविधता का सम्मान करते हुए उसके समावेशन की ओर उन्मुख होंगे।				X				
10. वे क्षेत्र, जाति, संप्रदाय, जेंडर आदि की विविधताओं का शिक्षण और अन्य दायित्वों में समावेशन का प्रयास करेंगे।				X				

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#]विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य सामाग्री	विवरण (APAFormat में)
1	आधार/पाठ्य-ग्रंथ	■ जैन, अमीर चंद व शर्मा, विजय लक्ष्मी. (2013). सामाजिक ज्ञान शिक्षण. जयपुर : सामाजिक ज्ञान शिक्षण
2	संदर्भ-ग्रंथ	■ Arora, P (2014). A Democratic Classroom for Social Science, Project Report, University of Delhi, Delhi. ■ Batra, P. (Ed 2010). Social Science Learning in Schools: Perspective and Challenges. Sage Publications India Pvt. Ltd. New Delhi. ■ Bining, A.C. & Bining, D.H. (1952), Teaching of social studies in secondary schools, Tata McGraw Hill Publishing Co. Ltd. Bombay ■ Crotty, M., (1998), The foundations of social research: Meaning and perspective in the research process, London: Sage Publication. ■ Edgar, B.W. & Stanely (1958), Teaching social studies in high school, Heath and company, Boston D.C.



महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

शिक्षा विभाग, शिक्षा विद्यापीठ

		■ Misra, Salil and Ranjan, Ashish (2012).Teaching of Social Sciences:History,Context and Challenges in VandanaSaxena (ed.),Nurturing the Expert Within, Pearson, New Delhi ■ Zevin, J., (2000), Social studies for the twenty first century, Lawrence Erlbaum Associates Publishers, London
3	ई-संसाधन	https://ncert.nic.in/pdf/h_focus_group/Samajik%20Vikyan%20Ka%20Shikshan.pdf
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष / निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)



1 पाठ्यचर्या का नाम: अंग्रेजी शिक्षण-II

(Name of the Course) Teaching of English-II

2 पाठ्यचर्या का कोड: बीईडीई03

(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 2 4. सेमेस्टर: तृतीय

5. पाठ्यचर्या विवरण:

(Description of Course)

Unit 1: Language, Literature and Skill development

- Different creative forms of English Language-Literature, media and translation;
- Literature in the school curriculum: needs, objectives and relevance;
- Role and relevance of media in school curriculum;
- Translation: importance and need, Translation as a creative activity.
- Planning and Teaching of prose, poetry and drama,
- Developing tasks, activities and materials for lesson design.

Unit 2: Development and Analysis of Syllabus and Textual Materials

- Understanding the relationship between curriculum, syllabus and textbook
- Selection of materials and developing activities and tasks as per the differentiated needs of the learners (Connecting learning to the world outside; Moving away from rote-learning to constructivism)
- Teacher as a researcher and facilitator—keeping in view the inclusive classroom.

Unit 3: Teaching – Learning Materials

- Print media such as learner chosen texts, Magazines, News Papers, Class libraries etc.
- ICT-audio-visual materials, internet including CALL programmes
- Radio, T.V., Films, Language labs etc.
- Planning activities such as discussion, debates, workshops, seminar etc.

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	29
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	01
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	30

Unit 4: Assessment-Its Role and Importance

- Progress and assessment of development of language
- Continuous and comprehensive evaluation
- Techniques of evaluation — oral, written, portfolio; Cloze test, Self-evaluation; Peer evaluation; Group evaluation.
- Typology of questions; activities and tasks (open ended questions, MCQ, true and false etc.) reflecting— Problem solving, creative and critical, thinking, Enhancing imagination and environmental awareness.

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

- अंग्रेजी भाषा के रचनात्मक प्रकारों को समझने में समर्थ होंगे।
- अंग्रेजी शिक्षणके पाठ्यक्रम एवं शिक्षण सामाग्री के विश्लेषण में समर्थ होंगे।
- अंग्रेजी शिक्षण हेतु विभिन्न क्रियाकलापों के आयोजन में सामर्थ्य प्राप्त करेंगे।
- अंग्रेजी शिक्षण से संबंधित विभिन्न उपकरणों का निर्माण एवं प्रयोग करने में समर्थ होंगे।
- अंग्रेजी भाषा के विभिन्न विधाओं को सिखाने हेतु पाठ्य योजनाओं को समझेंगे एवं निर्माण करने में समर्थ होंगे।
- अध्येता एक शोधकर्ता एवं सहयोग कर्ता के रूप में अपनी भूमिका निभाने में समर्थ होंगे।
- अध्येता विभिन्न आकलन उपकरणों का उपयोग संज्ञानात्मक एवं सह संज्ञानात्मक आयामों के लिए करने में सक्षम होंगे।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	*ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	*संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	Language, Literature and Skill development Different	3.5			3.5	11.66

	creative forms of English Language- Literature, media and translation; Literature in the school curriculum: needs, objectives and relevance; Role and relevance of media in school curriculum; Translation: importance and need, Translation as a creative activity.					
मॉड्यूल-2	Planning and Teaching of prose, poetry and drama,	2			2	6.66
मॉड्यूल-3	Developing tasks, activities and materials for lesson design.	2			2	6.66
मॉड्यूल-4	Development and Analysis of Syllabus and Textual Materials	2			2	6.66

	Understanding the relationship between curriculum, syllabus and textbook					
मॉड्यूल-5	Selection of materials and developing activities and tasks as per the differentiated needs of the learners (Connecting learning to the world outside; Moving away from rote-learning to constructivism)	3			3	10
मॉड्यूल-6	Teacher as a researcher and facilitator— keeping in view the inclusive classroom.	2.5			2.5	8.33
मॉड्यूल-7	Teaching - Learning	3.5			3.5	11.66

	Materials Print media such as learner chosen texts, Magazines, News Papers, Class libraries etc. ICT-audio-visual materials, internet including CALL programmes					
मॉड्यूल-8	Radio, T.V., Films, Language labs etc. Planning activities such as discussion, debates, workshops, seminar etc.	4			4	13.33
मॉड्यूल-9	Assessment-Its Role and Importance Progress and assessment of development of language, Continuous and	2			2	6.66

	comprehensive evaluation					
मॉड्यूल-10	Techniques of evaluation — oral, written, portfolio; Cloze test, Self-evaluation; Peer evaluation; Group evaluation.	2			2	6.66
मॉड्यूल-11	Typology of questions; activities and tasks (open ended questions, MCQ, true and false etc.) reflecting— Problem solving, creative and critical, thinking, Enhancing imagination and environmental awareness.	3.5			3.5	11.66
योग		30			30	100

* ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)- आवश्यकता अनुरूप/समय सारणी अनुरूप

* संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..- पाठ्यचर्या के ईकाई के विषय वस्तु के आवश्यकता अनुरूप

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अधिगम	विद्यार्थी केन्द्रित अधिगम
विधियाँ	व्याख्यान, प्रदत्त कार्य, वैयक्तिक एवं सामूहिक प्रस्तुति, शिक्षण विधियों पर आधारित व्यावहारिक कार्य योजना का विकास
तकनीक	कंप्यूटर सहायक तकनीकी, ई-कॉन्टेंट, गूगल क्लासरूम, विभिन्न वेबसाइट्स
उपादान	प्रदत्त कार्य, स्व अध्ययन सामग्री, स्व- अभ्यास

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7
अंग्रेजी भाषा के रचनात्मक प्रकारों की समझ विकसित करेंगे।	X	-	-	-	-	-	-
अंग्रेजी शिक्षण के पाठ्यक्रम एवं शिक्षण सामग्री का विश्लेषण करेंगे।	-	X	-	-	-	-	-
अंग्रेजी शिक्षण हेतु विभिन्न क्रियाकलापों का आयोजन करने में समर्थ होंगे।	-	-	X	-	-	-	-
अंग्रेजी शिक्षण से संबंधित विभिन्न उपकरणों का निर्माण एवं प्रयोग करेंगे।	-	-	-	X	-	-	-
अंग्रेजी भाषा के विभिन्न विधाओं को सिखाने हेतु पाठ्य योजनाओं के निर्माण में समर्थ होंगे।	-	-	-	-	X	-	-

अध्येता एक शोधकर्ता एवं सहयोग कर्ता के रूप में अपनी भूमिका निभाने में समर्थ होंगे।	-	-	-	-	-	X	-
विभिन्न आकलन उपकरणों का उपयोग में सक्षम होंगे।	-	-	-	-	-	-	X

टिप्पणी:

3. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
4. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#]विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदनलेखन	
निर्धारित अंकप्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	Larsen-Freeman, D. (2000). Techniques and Principles in Language Teaching. (2th ed.). Oxford University Press.
2	संदर्भ-ग्रंथ	NCERT(2005). National Curriculum Framework. New Delhi: NCERT. NCERT(2005). National Curriculum Framework Position Paper National Focus Group on Teaching of English. New Delhi: NCERT. NCERT(2005). National Curriculum Framework Position Paper National Focus Group on Teaching of Indian Languages. New Delhi: NCERT
3	ई-संसाधन	https://shodhganga.inflibnet.ac.in/bitstream/10603/20567/10/10_chapter%203.pdf http://www.edu.gov.on.ca/eng/document/esleldprograms/guide.pdf https://www.wits.ac.za/ccdu/academic-skills/note-taking-and-note-making/#sthash.VvVTasF3.dpuf
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष / निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)



1.3 पाठ्यचर्या का नाम: गणित शिक्षण-II

(Name of the Course)

2.पाठ्यचर्या का कोड:बीईडीई03

(Code of the Course)

3.क्रेडिट: 02 4. सेमेस्टर:तृतीय

(Credit)

(Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण:

(Description of Course)

इकाई 1: गणितीय संप्रत्यय और चिंतन का परिचय

- गणित का अर्थ, क्षेत्र और प्रकृति, इतिहास, भारतीय गणितज्ञों का योगदान
- गणित का अन्य विषयों के साथ सह-सम्बंध दिन, प्रतिदिन प्रयुक्त गणित, बहुसांस्कृतिक गणित
- पैटर्न की रचना जानना व सामान्यीकरण के रूप में गणित का अध्ययन: आकृतियों का पैटर्न, सांख्यिकीय पैटर्न, अमूर्त पैटर्न्स की पहचान और विश्लेषण
- गणित को मानव द्वारा रचित विषय के रूप में समझना: गणितीय संरचना का निर्माण: स्वयं सिद्धियाँ, अभिगृहितियाँ और प्रमाण: प्रमाण के विभिन्न विधियाँ: प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष, विपरीत उदाहरण और आगमन के द्वारा प्रमाण

इकाई 2: शिक्षार्थियों के खोजबीन के लिए तैयार करना

- शिक्षार्थियों में अंतर्ज्ञान और संवेदनशीलता का विकास करना
- खोज के लिए प्रोत्साहन
- वास्तविक जीवन से सम्बंधित गणित से प्रश्नों को तैयार करना
- सहपाठियों में संवाद को बढ़ाना और सहयोगात्मक रूप से सीखने को बढ़ावा देना
- शिक्षार्थी के विश्वास को बढ़ाना
- विद्यालयी गणित उत्कृष्टता में शिक्षक की भूमिका

इकाई 3: गणितीय अवधारणाओं के सीखने-सिखाने का दृष्टिकोण व रणनीतियाँ

- अवधारणाओं की प्रकृति, अवधारणा का निर्माण और अवधारणा का आत्मसातीकरण
- गणित शिक्षण की अवधारणा: परिभाषा, आवश्यक शर्त, उदाहरण सहित कारण को स्पष्ट करना
- गतिविधि आधारित गणितीय अवधारणाओं के शिक्षण के लिए योजना बनाना
- आगमन-निगमन विधि
- कई व्याख्या के माध्यम से अनुमान और सामान्यीकरण का निर्माण
- गणित की शिक्षा और विज्ञान के शिक्षण के बीच अंतर

इकाई-4: हम आसानी से गणित कैसे सिखाये?

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	29
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	00
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	01
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	00
कुल क्रेडिटघंटे	30

- सीखने की संस्कृति:- कक्षा में सक्रिय वातावरण का निर्माण, कक्षा में विचारों को साझा करना तथा खोज करना, विविधतापूर्ण और नवपरिवर्तनशील प्रक्रिया/कार्यविधि को बढ़ावा देना, गणितीय समस्या समाधान के लिए एक से अधिक तरीकों का इस्तेमाल, अनुमान लगाना
- गणित की कक्षा में संचार की भूमिका:-गणित से सम्बंधित बातचीत; कक्षा में गणितज्ञों का समूह बनाना: गणितीयक्लब
- गणितीय चिंतन में श्रव्य-दृश्य सामग्री, गणितीय गतिविधि, गणित से जुड़ी कहानियाँ और तकनीकी का उपयोग

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

- गणित शिक्षण के विभिन्न स्वरूपों को समझने में समर्थ होंगे।
- गणित विषय का अन्य विषयों के साथ संबंध स्थापित करने में समर्थ होंगे।
- गतिविधि आधारित गणितीय अवधारणाओं के शिक्षण के लिए योजना बनाना में सामर्थ प्राप्त करेंगे।
- गणित कक्षा शिक्षण में संचार की भूमिकाएवं उसके प्रयोग करने में समर्थ होंगे।
- गणित शिक्षणमें सीखने की संस्कृति को समझकर सक्रिय शिक्षण अधिगम वातावरण के निर्माण करने में समर्थ होंगे।
- गणितीय अवधारणाओं के सीखने-सिखाने की दृष्टिकोण व रणनीतियों की समझ विकसित करेंगे।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा,साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	*ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	*संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	गणितीय संप्रत्यय और चिंतन का परिचय गणित का अर्थ, क्षेत्र और प्रकृति, इतिहास, भारतीय गणितज्ञों का योगदान गणित का अन्य विषयों के साथ सह-सम्बंध दिन,प्रतिदिन प्रयुक्त गणित, बहुसांस्कृतिक गणित	2.5			2.5	8.33

मॉड्यूल-2	पैटर्न की रचना जानना व सामान्यीकरण के रूप में गणित का अध्ययन: आकृतियों का पैटर्न, सांख्यिकीय पैटर्न, अमूर्त पैटर्न्स की पहचान और विश्लेषण	2			2	6.66
मॉड्यूल-3	गणित को मानव द्वारा रचित विषय के रूप में समझना: गणितीय संरचना का निर्माण: स्वयं सिद्धियां, अभीगृहीतियाँ और प्रमाण: प्रमाण के विभिन्न विधियाँ: प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष, विपरीत उदाहरण और आगमन के द्वारा प्रमाण	3			3	10
मॉड्यूल-4	शिक्षार्थियों के खोजबीन के लिए तैयार करना शिक्षार्थियों में अंतर्ज्ञान और संवेदनशीलता का विकास करना	2			2	6.66
मॉड्यूल-5	खोज के लिए प्रोत्साहन, वास्तविक जीवन से सम्बंधित गणित से प्रश्नों को तैयार करना	2			2	6.66
मॉड्यूल-6	सहपाठियों में संवाद को बढ़ाना और सहयोगात्मक रूप से	3.5			3.5	11.66

	सीखने को बढ़ावा देना, शिक्षार्थी के विश्वास को बढ़ाना, विद्यालयी गणित उत्कृष्टता में शिक्षक की भूमिका					
मॉड्यूल-7	गणितीय अवधारणाओं के सीखने-सिखाने का दृष्टिकोण व रणनीतियाँ अवधारणाओं की प्रकृति, अवधारणा का निर्माण और अवधारणा का आत्मसातीकरण, गणित शिक्षण की अवधारणा: परिभाषा, आवश्यक शर्त, उदाहरण सहित कारण को स्पष्ट करना,	3.5			3.5	11.66
मॉड्यूल-8	गतिविधि आधारित गणितीय अवधारणाओं के शिक्षण के लिए योजना बनाना, पाठ योजना और इकाई योजना का निर्माण, आगमन-निगमन विधि, कई व्याख्या के माध्यम से अनुमान और सामान्यीकरण का निर्माण, गणित की शिक्षा	4			4	13.33

	और विज्ञान के शिक्षण के बीच अंतर					
मॉड्यूल-9	हम आसानी से गणित कैसे सिखाये? सीखने की संस्कृति:- कक्षा में सक्रिय वातावरण का निर्माण, कक्षा में विचारों को साझा करना तथा खोज करना, विविधतापूर्ण और नव परिवर्तनशील प्रक्रिया/कार्यविधि को बढ़ावा देना, गणितीय समस्या समाधान के लिए एक से अधिक तरीकों का इस्तेमाल, अनुमान लगाना	3.5			3.5	11.66
मॉड्यूल-10	गणित की कक्षा में संचार की भूमिका:- गणित से सम्बंधित बातचीत; कक्षा में गणितज्ञों का समूह बनाना: गणितीयक्लब	2			2	6.66
मॉड्यूल-11	गणितीय चिंतन में श्रव्य-दृश्य सामग्री, गणितीय गतिविधि, गणित से जुड़ी कहानियाँ और तकनीकी का उपयोग	2			2	6.66
योग		30			30	100

* ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)- आवश्यकता अनुरूप/समय सारणी अनुरूप

* संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..- पाठ्यचर्या के ईकाई के विषय वस्तु के आवश्यकता अनुरूप

टिप्पणी:

माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अधिगम	विद्यार्थी केन्द्रित एवं निर्माणवादी अधिगम
विधियाँ	आगमन-निगमन, व्याख्यान, प्रदत्त कार्य, वैयक्तिक एवं सामूहिक प्रस्तुति, शिक्षण विधियों पर आधारित व्यावहारिक कार्य योजना का विकास
तकनीक	कंप्यूटर सहायक तकनीकी, ई-कॉन्टेंट, गूगल क्लासरूम, विभिन्न वेबसाइट्स
उपादान	प्रदत्त कार्य, स्व अध्ययन सामाग्री, स्व- अभ्यास

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6
गणित शिक्षण के विभिन्न स्वरूपों को समझ सकेंगे।	X	-	-	-	-	-
गणित विषय का अन्य विषयों के साथ संबंध स्थापित करने में समर्थ होंगे।	-	X	-	-	-	-
गतिविधि आधारित गणितीय अवधारणाओं के शिक्षण के लिए योजना बनाना में सामर्थ्य होंगे।	-	-	X	-	-	-
गणित कक्षा शिक्षण में संचार की भूमिका एवं उसके प्रयोग में समर्थ होंगे।	-	-	-	X	-	-
गणित शिक्षण में सीखने की संस्कृति को समझकर सक्रिय शिक्षण अधिगम वातावरण के निर्माण में समर्थ होंगे।	-	-	-	-	X	-
गणितीय अवधारणाओं के सीखने-सिखाने की दृष्टिकोण व रणनीतियों की समझ का विकास करेंगे।	-	-	-	-	-	X

टिप्पणी:

5. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
6. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#]विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदनलेखन	
निर्धारित अंकप्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	शर्मा, एस.एम.(2019). गणित शिक्षण, आगरा, श्री विनोद पुस्तक मंदिर. जैन एवं रावत(2017)। गणित शिक्षण, आगरा, अग्रवालपब्लिकेशन.
2	संदर्भ-ग्रंथ	Singh, Hukum, Avtar, Ram and Singh V.P. (2005). A Handbook for Designing Mathematics Laboratory in Schools, NCERT

		Sarangapani, Padma, and Husain, Shama, (2004). “Evaluation of Maths Lab at Samuha-Plan, Deodurg”, Report, National Institute of Advanced Studies, Bangalore. Sarangapani, Padma, (2000). “A way to explore children’s understanding of mathematics”, Issues in primary education.	
3	ई-संसाधन	https://ncert.nic.in/pdf/focus-group/math.pdf https://sites.google.com/site/eshikshabharat/home/pedagogy-of-mathematics-ganita-siksa-sastra https://www.eklavya.in/magazine-activity/sandarbh-magazines/510-sandarbh-31-to-40/sandarbh-issue-43/2115-ganit-sikshan-me-sahayak-samagri https://ncert.nic.in/pdf/h_focus_group/Ganit%20Shikshan.pdf	
4	अन्य		

(विभागाध्यक्ष / निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)



1.4 पाठ्यचर्या का नाम: जीव विज्ञान शिक्षण-II

(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: बीईडीई 02

(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 2 4. सेमेस्टर: तृतीय

5. पाठ्यचर्या विवरण:

(Description of Course)

इकाई 1: जीव विज्ञान पाठ्यचर्या

- जीव विज्ञान पाठ्यचर्या से संबंधित विमर्श एवं मुद्दे
- माध्यमिक स्तर पर जीव विज्ञान पाठ्यचर्या के पुनर्निर्माण से संबंधित अन्तःक्षेप
- जीव विज्ञान पाठ्यचर्या के हस्तान्तरण में राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा-2005 के सुझाव

इकाई 2: जीव विज्ञान शिक्षण के लिए संसाधन

- एक आदर्श जीव विज्ञान पाठ्य-पुस्तक की विशेषताएँ तथा इसका मूल्यांकन
- शिक्षक हैंडबुक, मेनुअल, जर्नल एवं वर्क बुक
- ICT संसाधन (ब्लॉग, विकी, सोशल नेटवर्किंग, ऑनलाइन लर्निंग)

इकाई 3: जीव विज्ञान पाठ-सहगामी क्रियाएँ

- पाठ-सहगामी क्रियाओं का महत्व एवं उपयोगिता
- परियोजना कार्य, विज्ञान प्रश्नोत्तरी, विज्ञान प्रदर्शनी, विज्ञान मेला, विज्ञान क्लब, क्षेत्र भ्रमण
- प्रयोगशाला का अभिन्यास, व्यवस्था तथा संगठन, प्रयोगशाला गतिविधियों के लिए शिक्षण-अधिगम सामग्री का निर्माण

इकाई 4: जीव विज्ञान में आकलन एवं मूल्यांकन

- जीव विज्ञान अधिगम के संज्ञानात्मक आयामों का आकलन
- जीव विज्ञान अधिगम के सह-संज्ञानात्मक आयामों का आकलन
- जीव विज्ञान प्रक्रिया एवं प्रायोगिक कौशलों का आकलन, राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा, विज्ञान ऑलम्पियाड

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

- जीव विज्ञान पाठ्यचर्या से संबंधित विमर्श एवं मुद्दों को समझने एवं उसे तार्किक युक्तियों द्वारा स्पष्ट करने में समर्थ होंगे।

- जीव विज्ञान शिक्षण का माध्यमिक स्तर पर पाठ्यचर्या के पुनर्निर्माण से संबंधित अन्तःक्षेप करने की आवश्यकता के समझ का विकास करेंगे।
- जीव विज्ञान शिक्षण से संबंधित पाठ्य सहगामी क्रियाओं का आयोजन कराने में समर्थ होंगे।
- जीव विज्ञान शिक्षण से संबंधित विभिन्न संसाधनों का निर्माण एवं प्रयोग करने में समर्थ होंगे।
- विद्यालयी शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर जीव विज्ञान पाठ्यक्रम के निर्माण के विभिन्न दृष्टिकोणों का आकलन कर सकेंगे।
- जीव विज्ञान शिक्षण के विभिन्न आकलन उपकरणों का उपयोग संज्ञानात्मक एवं सह संज्ञानात्मक आयामों के लिए करने में समर्थ होंगे।
- जीव विज्ञान के प्रभावी शिक्षण हेतु विभिन्न ICT संसाधनों का उपयोग करने में समर्थ होंगे।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	*ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	*संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	जीव विज्ञान पाठ्यचर्या जीव विज्ञान पाठ्यचर्या से संबंधित विमर्श एवं मुद्दे	3			3	10
मॉड्यूल-2	माध्यमिक स्तर पर जीव विज्ञान पाठ्यचर्या के पुनर्निर्माण से संबंधित अन्तःक्षेप	2			2	6.66

मॉड्यूल-3	जीव विज्ञान पाठ्यचर्या के हस्तान्तरण में राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा-2005 के सुझाव	2.5			2.5	8.33
मॉड्यूल-4	जीव विज्ञान शिक्षण के लिए संसाधन एक आदर्श जीव विज्ञान पाठ्य-पुस्तक की विशेषताएँ तथा इसका मूल्यांकन	2			2	6.66
मॉड्यूल-5	शिक्षक हैंडबुक, मेनुअल, जर्नल एवं वर्क बुक	3			3	10
मॉड्यूल-6	ICT संसाधन (ब्लॉग, विकी, सोशलनेटवर्किंग, ऑनलाइन लर्निंग)	2.5			2.5	8.33
मॉड्यूल-7	जीव विज्ञान पाठ-सहगामी क्रियाएँ पाठ-सहगामी क्रियाओं का महत्व एवं उपयोगिता	2			2	6.66
मॉड्यूल-8	परियोजना कार्य, विज्ञान प्रश्नोत्तरी, विज्ञान प्रदर्शनी, विज्ञान मेला, विज्ञान क्लब, क्षेत्र भ्रमण, प्रयोगशाला का अभिन्यास,	5.5			5.5	18.33

	व्यवस्था तथा संगठन, प्रयोगशाला गतिविधियों के लिए शिक्षण-अधिगम सामग्री का निर्माण					
मॉड्यूल-9	जीव विज्ञान में आकलन एवं मूल्यांकन जीव विज्ञान अधिगम के संज्ञानात्मक आयामों का आकलन	3			3	10
मॉड्यूल-10	जीव विज्ञान अधिगम के सह-संज्ञानात्मक आयामों का आकलन	2.5			2.5	8.33
मॉड्यूल-11	जीव विज्ञान प्रक्रिया एवं प्रायोगिक कौशलों का आकलन, राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा, विज्ञान ऑलम्पियाड	2			2	6.66
योग		30			30	100

* ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)- आवश्यकता अनुरूप/समय सारणी अनुरूप

* संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..- पाठ्यचर्या के ईकाई के विषय वस्तु के आवश्यकता अनुरूप

टिप्पणी:

माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अधिगम	विद्यार्थी केन्द्रित, लर्निंग बाय डूइंग अधिगम
विधियाँ	व्याख्यान, प्रदत्त कार्य, वैयक्तिक एवं सामूहिक प्रस्तुति, व्याख्यान सह चर्चा, पैनल चर्चा, परियोजना, सेमिनार प्रस्तुति और विचार-विमर्श, आलोचनात्मक चिंतन, अधिगम संसाधन विकास पर कार्यशाला, प्रयोगशाला संलग्नता, प्रकरण अध्ययन
तकनीक	कंप्यूटर सहायक तकनीकी, ई-कंटेंट, गूगल क्लासरूम, विभिन्न वेबसाइट्स
उपादान	प्रदत्त कार्य, स्व अध्ययन समाग्री, स्व- अभ्यास,

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7
जीव विज्ञान पाठ्यचर्या से संबन्धित विमर्श एवं मुद्दों को समझने एवं उसे तार्किक युक्तियों द्वारा स्पष्ट करने में समर्थ होंगे।	X	-	-	-	-	-	-
जीव विज्ञान शिक्षण का माध्यमिक स्तर पर पाठ्यचर्या के पुनर्निर्माण से संबंधित अन्तःक्षेप करने की आवश्यकता के समझ का विकास करेंगे।	-	X	-	-	-	-	-
जीव विज्ञान शिक्षण से संबन्धित पाठ्य सहगामी क्रियाओं का आयोजन कराने में सामर्थ होंगे।	-	-	X	-	-	-	-
जीव विज्ञान शिक्षण से संबंधित विभिन्न संसाधनों का निर्माण एवं प्रयोग में समर्थ	-	-	-	X	-	-	-

होंगे।							
विद्यालयी शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर जीव विज्ञान पाठ्यक्रम के निर्माण के विभिन्न दृष्टिकोणों का आकलन कर सकेंगे।	-	-	-	-	X	-	-
जीव विज्ञान शिक्षण के विभिन्न आकलन उपकरणों का उपयोग में समर्थ होंगे।	-	-	-	-	-	X	-
जीव विज्ञान के प्रभावी शिक्षण हेतु विभिन्न ICT संसाधनों का उपयोग में समर्थ	-	-	-	-	-	-	X

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#]विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदनलेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	राव, वी.के.(2004). साइन्स एडुकेशन,नई दिल्ली ए. पी.एच। कार्पोरेशन. माहेश्वरी, बी.के. एवं माहेश्वरी, सुधा(2005). विज्ञान शिक्षणमेरठ,आर लाल पब्लिकेशन्स. रावत, डी.एस.(1989). विज्ञान शिक्षण, आगरा, विनोद पुस्तक भवन. बॉक्सटन, ए.सी. (2010). टीचींग साइन्स इन एलेमेंट्री एंड मिडिल स्कूल. नई दिल्ली, सेज पब्लिकेशन्स
2	संदर्भ-ग्रंथ	एनसीईआरटी(2005). राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूप रेखा, एनसीईआरटी, नई दिल्ली. एनसीईआरटी(2008). विज्ञान शिक्षण, राष्ट्रीय फोकस समूह का आधार पत्र, एनसीईआरटी, नई दिल्ली. एनसीईआरटी, भौतिक विज्ञान का शिक्षण शास्त्र- भाग I एवं II, एनसीईआरटी, नई दिल्ली
3	ई-संसाधन	www.ncert.nic.in//phy_sci https://hi.wikibooks.org/wiki/वैज्ञानिक मनोवृत्ति का विकास
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष / निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

1.5 पाठ्यचर्या का नाम: भौतिकीय विज्ञान शिक्षण-II (Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: बीईडी02 (Code of the Course)

3. क्रेडिट: 2 4. सेमेस्टर: तृतीय

5. पाठ्यचर्या विवरण: (Description of Course)

इकाई 1: भौतिकीय विज्ञान पाठ्यचर्या

- भौतिकीय विज्ञान पाठ्यचर्या से संबंधित विमर्श एवं मुद्दे
- माध्यमिक स्तर पर भौतिकीय विज्ञान पाठ्यचर्या के पुनर्निर्माण से संबंधित अन्तःक्षेप
- भौतिकीय विज्ञान पाठ्यचर्या के हस्तान्तरण में राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा-2005 के सुझाव

इकाई 2: संसाधन उपयोग

- सीखने के औपचारिक संसाधन-पाठ्य-पुस्तक, शिक्षक हैंडबुक, मेनुअल, जर्नल, पत्रिकाएँ एवं वर्क बुक
- सीखने के गैर- औपचारिक संसाधन, निकटवर्ती परिवेश से सीखने के संसाधनों की पहचान, वैकल्पिक संसाधनों की खोज, ICT संसाधन
- दिव्यांग बच्चों के लिए विशिष्ट संसाधन

इकाई 3: प्रयोगशाला एवं पाठ-सहगामी अनुभव

- प्रयोगशाला का अभिन्यास, व्यवस्था तथा संगठन, प्रयोगशाला गतिविधियों के लिए शिक्षण-अधिगम सामग्री का निर्माण
- पाठ-सहगामी क्रियाओं का महत्व, परियोजना कार्य, विज्ञान प्रश्नोत्तरी, विज्ञान प्रदर्शनी, विज्ञान मेला, विज्ञान क्लब, क्षेत्र भ्रमण, चिल्ड्रेन साइंस कांग्रेस का संगठन

इकाई 4: भौतिकीय विज्ञान में आकलन एवं मूल्यांकन

- संप्रत्यय अवबोधन या विकास का आकलन, सतत एवं व्यापक आकलन
- गुणात्मक आकलन के लिए वैकल्पिक आकलन उपकरणों का निर्माण,
- विज्ञान प्रक्रिया, प्रायोगिक कौशल तथा वैज्ञानिक अभिवृत्ति का आकलन
- राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा, विज्ञान ऑलम्पियाड

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: (Course Learning Outcomes)

- भौतिकीय विज्ञान पाठ्यचर्या से संबन्धित विमर्श एवं मुद्दों को समझने एवं उसे तार्किक यीक्तियों द्वारा स्पष्ट करने में समर्थ होंगे।
- भौतिकीय विज्ञान शिक्षणका माध्यमिक स्तर पर पाठ्यचर्या के पुनर्निर्माण से संबंधित अन्तःक्षेप करने की आवश्यकता के समझ का विकास करेंगे।
- भौतिकीय विज्ञान शिक्षण से संबन्धित पाठ्यसहगामी क्रियाओं का आयोजन कराने में समर्थ होंगे।

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	29
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	01
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	30

- भौतिकीय विज्ञान शिक्षण से संबंधित विभिन्न संसाधनों का निर्माण एवं प्रयोग करने में समर्थ होंगे।
- विद्यालयी शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर भौतिकीय विज्ञान पाठ्यक्रम के निर्माण के विभिन्न दृष्टिकोणों का आकलन कर सकेंगे।
- भौतिकीय विज्ञान शिक्षण के विभिन्न आकलन उपकरणों का उपयोग संज्ञानात्मक एवं सह संज्ञानात्मक आयामों के लिए करने में समर्थ होंगे।
- भौतिकीय विज्ञान के प्रभावी शिक्षण हेतु विभिन्न ICT संसाधनों का उपयोग करने में समर्थ होंगे।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	*ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	*संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	भौतिकीय विज्ञान पाठ्यचर्या भौतिकीय विज्ञान पाठ्यचर्या से संबंधित विमर्श एवं मुद्दे	3			3	10
मॉड्यूल-2	माध्यमिक स्तर पर भौतिकीय विज्ञान पाठ्यचर्या के पुनर्निर्माण से संबंधित अन्तःक्षेप	2			2	6.66
मॉड्यूल-3	भौतिकीय विज्ञान पाठ्यचर्या के हस्तान्तरण में राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा-2005 के सुझाव	2.5			2.5	8.33
मॉड्यूल-4	इकाई 2: संसाधन उपयोग	2.5			2.5	8.33

	सीखने के औपचारिक संसाधन-पाठ्य-पुस्तक, शिक्षक हैंडबुक, मेनुअल, जर्नल, पत्रिकाएँ एवं वर्क बुक					
मॉड्यूल-5	सीखने के गैर-औपचारिक संसाधन, निकटवर्ती परिवेश से सीखने के संसाधनों की पहचान, वैकल्पिक संसाधनों की खोज, ICT संसाधन	3			3	10
मॉड्यूल-6	दिव्यांग बच्चों के लिए विशिष्ट संसाधन	2			2	6.66
मॉड्यूल-7	प्रयोगशाला एवं पाठ-सहगामी अनुभव प्रयोगशाला का अभिन्यास, व्यवस्था तथा संगठन, प्रयोगशाला गतिविधियों के लिए शिक्षण-अधिगम सामग्री का निर्माण	3.5			3.5	11.66
मॉड्यूल-8	पाठ-सहगामी क्रियाओं का महत्व, परियोजना कार्य, विज्ञान प्रश्नोत्तरी, विज्ञान प्रदर्शनी, विज्ञान मेला, विज्ञान क्लब, क्षेत्र भ्रमण, चिल्ड्रेन साइंस कांग्रेस का संगठन	4			4	13.33

मॉड्यूल-9	भौतिकीय विज्ञान में आकलन एवं मूल्यांकन संप्रत्यय अवबोधन या विकास का आकलन, सतत एवं व्यापक आकलन	2			2	6.66
मॉड्यूल-10	गुणात्मक आकलन के लिए वैकल्पिक आकलन उपकरणों का निर्माण	2			2	6.66
मॉड्यूल-11	विज्ञान प्रक्रिया, प्रायोगिक कौशलों तथा वैज्ञानिक अभिवृत्ति का आकलन, राष्ट्रीय प्रतिभा खोज परीक्षा, विज्ञान ऑलम्पियाड	3.5			3.5	11.66
योग		30			30	100

* ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)- आवश्यकता अनुरूप/समय सारणी अनुरूप

* संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..- पाठ्यचर्या के ईकाई के विषय वस्तु के आवश्यकता अनुरूप

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अधिगम	विद्यार्थी केन्द्रित एवं निर्माणवादी अधिगम
विधियाँ	व्याख्यान, प्रदत्त कार्य, वैयक्तिक एवं सामूहिक प्रस्तुति, शिक्षण विधियों पर आधारित व्यावहारिक कार्य योजना का विकास
तकनीक	कंप्यूटर सहायक तकनीकी, ई-कॉन्टेंट, गूगल क्लासरूम, विभिन्न वेबसाइट्स
उपादान	प्रदत्त कार्य, स्व अध्ययन समायोजन, स्व- अभ्यास

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7
भौतिकीय विज्ञान पाठ्यचर्या से संबंधित विमर्श एवं मुद्दों को समझने एवं उसे तार्किक युक्तियों द्वारा स्पष्ट करने में समर्थ होंगे।	X	-	-	-	-	-	-
भौतिकीय विज्ञान शिक्षणका माध्यमिक स्तर पर पाठ्यचर्या के पुनर्निर्माण से संबंधित अन्तःक्षेप करने की आवश्यकता के समझ का विकास करेंगे।	-	X	-	-	-	-	-
भौतिकीय विज्ञान शिक्षण से संबंधित पाठ्य सहगामी क्रियाओं का आयोजन कराने में सामर्थ होंगे।	-	-	X	-	-	-	-
भौतिकीय विज्ञान शिक्षण से संबंधित विभिन्न संसाधनों का निर्माण एवं प्रयोग में समर्थ होंगे।	-	-	-	X	-	-	-
विद्यालयी शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर भौतिकीय विज्ञान पाठ्यक्रम के निर्माण के विभिन्न दृष्टिकोणों का आकलन कर सकेंगे।	-	-	-	-	X	-	-
भौतिकीय विज्ञान शिक्षण के विभिन्न आकलन उपकरणों का उपयोग में समर्थ होंगे।	-	-	-	-	-	X	-
भौतिकीय विज्ञान के प्रभावी शिक्षण हेतु विभिन्न ICT संसाधनों का उपयोग में समर्थ होंगे।	-	-	-	-	-	-	X

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#]विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदनलेखन	
निर्धारित अंकप्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	नेगी, जे.एस.(2013).भौतिक विज्ञान शिक्षण, आगरा, अगरवाल पब्लिकेशन रावत, डी.एस.(1989). विज्ञान शिक्षण, आगरा, विनोद पुस्तक भवन. बॉक्सटन, ए.सी. (2010). टीचींग साइन्स इन एलेमेंट्री एंड मिडिल स्कूल. नई दिल्ली, सेज पब्लिकेशन्स
2	संदर्भ-ग्रंथ	एनसीईआरटी(2005). राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूप रेखा, एनसीईआरटी, नई दिल्ली. एनसीईआरटी(2008). विज्ञान शिक्षण, राष्ट्रीय फोकस समूह का आधार पत्र, एनसीईआरटी, नई दिल्ली.

		एनसीईआरटी, भौतिक विज्ञान का शिक्षण शास्त्र- भाग I एवं II, एनसीईआरटी, नई दिल्ली एस सी ई आर टी(2012), सतत एवं व्यापक मूल्यांकन, एस सी ई आर टी, छतीसगढ़
3	ई-संसाधन	http://www.preservearticles.com/201105216947/a-comparative-study-of-analytic-and-synthetic-method-of-teaching-mathematics.html https://www.csun.edu/science/ref/reasoning/deductive_reasoning/deductive-chemistry.html

(विभागाध्यक्ष / निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)



1.6 पाठ्यचर्या का नाम. हिंदी शिक्षण-II

(Name of the Course).

2.पाठ्यचर्या का कोड. शिक्षा 001

(Code of the Course).

3. क्रेडिट: 2

4. सेमेस्टर:प्रथम

5. पाठ्यचर्या विवरण:

(Description of Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	30
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	00
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	00
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	00
कुल क्रेडिटघंटे	30

पाठ्यक्रम की विवेचना

इकाई 1: पाठ्य पुस्तक एवं भाषा शिक्षक

- पाठ्य पुस्तक की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, पाठ्य पुस्तक का महत्व ,
- हिन्दी पाठ्यपुस्तक का आन्तरिक व बाह्य गुण,
- पाठ्यपुस्तक निर्माण के सिद्धान्त,
- हिन्दी भाषा शिक्षक का विशेष गुण एवं दायित्व

इकाई 2: हिन्दी भाषा शिक्षण में तकनीकी का उपयोग

- संगणक का उपयोग
- सूचना प्रौद्योगिकी का भाषा कौशलों के विकास में उपयोग
- कक्षा शिक्षण में पारंपरिक व आधुनिक संचार माध्यमों का उपयोग
- सूचना प्रौद्योगिकी की सहायता से हिन्दी भाषा शिक्षक एवं छात्रों की रचनात्मकता का विकास

इकाई 3: हिन्दी भाषा का प्रचार अभिकरण, भाषा कक्ष, क्लब और स्टडी सर्किल

- हिन्दी के प्रचार-प्रसार में सरकारी व गैर-सरकारी संस्थाएं
- भाषा कक्ष में अध्ययन सामग्री और उपकरण का कार्य और महत्व
- भाषा क्लब का अर्थ, आवश्यकता, निर्माण और गतिविधि ,

इकाई 4: हिन्दी भाषा में आकलन और मूल्यांकन

- मूल्यांकन और परीक्षा का अर्थ
- परीक्षा प्रणाली- लिखित और मौखिक
- प्रश्न प्रकार, आदर्श प्रश्न पत्र
- सतत एवं व्यापक मूल्यांकन की प्रक्रिया
- उपलब्धि परीक्षण

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

1. हिंदी भाषा शिक्षक के विशिष्ट गुण एवं उत्तरदायित्व को समझेंगे
2. विभिन्न आयोगों व नीतियों में हिंदी के प्रति विचारों को जान सकेंगे।
3. हिंदी के प्रचार-प्रसार से सम्बंधित उपायों एवं विभिन्न संस्थाओं की भूमिका को समझ पाएंगे
4. हिंदी भाषा के मूल्यांकन हेतु के विभिन्न प्राचीन एवं नूतन आयामों को समझ कर आवश्यकतानुगुण प्रयोग करने में समर्थ होंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	पाठ्य पुस्तक का ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, पाठ्य-पुस्तक का महत्व	2			2	6.66
मॉड्यूल-2	हिंदी पाठ्यपुस्तक का आन्तरिक व बाह्य गुण	2			2	6.66
मॉड्यूल-3	पाठ्यपुस्तक निर्माण के सिद्धान्त	2			2	6.66
मॉड्यूल-4	हिंदी भाषा शिक्षक का विशेष गुण एवं दायित्व	2			2	6.66
मॉड्यूल-5	कक्षा शिक्षण में पारंपरिक व आधुनिक संचार माध्यमों का उपयोग	3			3	10.00
मॉड्यूल-6	सूचना प्रौद्योगिकी का भाषा कौशलों के विकास में उपयोग । सूचना-प्रौद्योगिकी की सहायता से हिन्दी भाषा शिक्षक एवं छात्रों की रचनात्मकता का विकास एवं हिन्दी भाषा शिक्षा।	6			6	20.00
मॉड्यूल-7	हिन्दी के प्रचार-प्रसार में	2				

	सरकारी व गैर-सरकारी संस्थाएं				2	6.66
मॉड्यूल-8	भाषा कक्ष में अध्ययन सामग्री और उपकरण का कार्य और महत्व	2			2	6.66
मॉड्यूल-9	भाषा क्लब एवं स्टडी सर्किल का अर्थ, आवश्यकता, निर्माण और गतिविधि	2			2	6.66
मॉड्यूल-10	मूल्यांकन और परीक्षा का अर्थ परीक्षा प्रणाली- लिखित और मौखिक	2			2	6.66
मॉड्यूल-11	प्रश्नप्रकार, आदर्श प्रश्न पत्र । सतत एवं व्यापक मूल्यांकन की प्रक्रिया	3			3	10.00
मॉड्यूल -12	उपलब्धि परीक्षण	2			2	6.66
योग		30			30	100

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अधिगम	विद्यार्थी केंद्रित निर्माणवादी
विधियाँ	व्याख्यान, प्रदत्तकार्य, वैयक्तिक एवं सामूहिक प्रस्तुति
तकनीकी	कंप्यूटर सहायक तकनीकी, ई-कंटेंट,
उपादान	प्रदत्त कार्य, स्व-अध्ययन सामाग्री



9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
1. अध्येता शिक्षण व्यवसाय के मूल्यों के अनुरूप अभ्यास कर पाएंगे।	X	X		X	X			
2. वे अपने निर्णय व्यवहार और अभ्यास के द्वारा शिक्षण व्यवसाय के लिए निर्धारित कसौटियों का पूर्ण पालन करेंगे।	X	X	X		X			
3. वे विद्यार्थियों के समग्र विकास की परिकल्पना को समझेंगे और तदनुरूप वे शिक्षार्थी केंद्रित शिक्षण विधियों का प्रभावपूर्ण प्रयोग करने में सक्षम होंगे।	X		X	X	X			
4. वे ऐसे शोध उन्मुख कार्य कर सकेंगे जो शिक्षा और समाज के संबंध को समझने में मदद करें।	X	X	X		X			
5. वे समसामयिक सूचना प्रौद्योगिकी एवं अन्य तकनीकों के माध्यम से प्रभाव प्रशिक्षण के लिए तत्पर रहेंगे।	X		X	X	X			
6. उनमें संप्रेषण की समुचित दक्षता होगी जिसके द्वारा वे अपने विचारों को प्रभावपूर्ण संप्रेषण करने में दक्ष होंगे।	X	X	X	X	X			
7. वे समुदाय के साथ अंतः क्रिया के दौरान सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के प्रति समनुभूति का भाव रखेंगे।	X	X		X	X			
8. वे शिक्षण और आकलन की समसामयिक तक नीतियों की विशेष जानकारी रखेंगे और उसके अनुरूप उसका अभ्यास करेंगे।	X		X	X	X			
9. वे विद्यार्थियों में व्याप्त विविधता का सम्मान करते हुए उसके समावेशन की ओर उन्मुख होंगे।	X	X	X		X			
10. वे क्षेत्र, जाति, संप्रदाय, जेंडर आदि की विविधताओं का शिक्षण और अन्य दायित्वों में समावेशन का प्रयास करेंगे।	X	X		X	X			

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#]विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदनलेखन	
निर्धारित अंकप्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य सामाग्री	विवरण (APAFormat में)
1	आधार/पाठ्य-ग्रंथ	गुप्त, मनोरमा – भाषा अधिगम, केंद्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा गुनानंद हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास – विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा द्विवेदी, देवीशंकर – भाषा और भाषिकी, भाषाविभाग-नविज्ञा-सागर वि. वि., सागर पांडेय, रामाशकल – हिंदी शिक्षण, अग्रवाल पब्लिकेशन, आगरा चतुर्वेदी, शिखा – हिन्दी शिक्षण, आर लाल बुक डिपो., मेरठ शर्मा, देवेन्द्रनाथ – भाषा विज्ञान की भूमिका, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली तीवारी, भोलानाथ, भाषा विज्ञान, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
2	संदर्भ-ग्रंथ	सक्सेना, राधारानी, (2013), 'नवाचारी शिक्षण पद्धतियाँ', जयपुर, राजस्थान हिंदी ग्रन्थ अकादमी। शर्मा, लक्ष्मनारायण, सिंह फतेह, संस्कृतशिक्षण नविन प्रविधयः आदित्यप्रकाशन,

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

शिक्षा विभाग, शिक्षा विद्यापीठ

		जयपुर मित्तल, संतोष, संस्कृतशिक्षणम्, नवचेतना पब्लिकेशन्स, जयपुर सफाया, रघुनाथ, संस्कृत शिक्षण, हरयाणाग्रन्थ अकादमि. पाण्डे, रामशकल, संस्कृत शिक्षण, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा विश्वासः कौशलबोधिनि, संस्कृत भारती, दिल्ली शर्मा, मुरलीधर, संस्कृत शिक्षण समस्या, रा.सं.सं. विद्यापीठ, तिरुपति सिंह कर्ण, संस्कृतशिक्षण विधि, एच.पि. भार्गव बुक सेंटर, आगरा
3	ई-संसाधन	http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/shiksha_002_16_03_16.Pdf
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष / निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)



महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

शिक्षा विभाग, शिक्षा विद्यापीठ

1.7 पाठ्यचर्या का नाम. संस्कृत शिक्षण-II (Name of the Course).

2. पाठ्यचर्या का कोड. शिक्षा 001

(Code of the Course).

3. क्रेडिट: 2

4. सेमेस्टर: प्रथम

(Credit)

(Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण:

(Description of Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	30
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	00
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	00
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	00
कौशल विकास गतिविधियाँ	00
कुल क्रेडिटघंटे	30

पाठ्यक्रम की विवेचना

इकाई 1: पाठ्य पुस्तक एवं भाषा शिक्षक

- पाठ्य पुस्तक की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, पाठ्य पुस्तक का महत्व ,
- संस्कृत पाठ्यपुस्तक का आन्तरिक व बाह्य गुण,
- पाठ्यपुस्तक निर्माण के सिद्धान्त,
- संस्कृतभाषा शिक्षक का विशेष गुण एवं दायित्व

इकाई 2: विभिन्न आयोग एवं संस्कृत भाषा

- विश्वविद्यालय आयोग
- माध्यमिक शिक्षा आयोग
- कोठारी आयोग
- राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं कार्ययोजना 1992 1986
- नई शिक्षा नीति

इकाई 3: संस्कृत भाषा का प्रचार अभिकरण, भाषा कक्ष, क्लब और स्टडी सर्किल

- संस्कृत के प्रचार-प्रसार में सरकारी व गैर-सरकारी संस्थाएं
- भाषा कक्ष में अध्ययन सामग्री और उपकरण का कार्य और महत्व
- भाषा क्लब का अर्थ, आवश्यकता, निर्माण और गतिविधि

इकाई 4 संस्कृत भाषा में आकलन और मूल्यांकन

- मूल्यांकन और परीक्षा का अर्थ
- परीक्षा प्रणाली- लिखित और मौखिक
- प्रश्न प्रकार, आदर्श प्रश्न पत्र
- पारंपरिक मूल्यांकन- स्मृति परीक्षण(कंठ पाठ), बोध परीक्षण(वाक्यार्थ आदि), सृजनात्मक परीक्षण(काव्य निर्माण)

1. संस्कृत भाषा शिक्षक के विशिष्ट गुण एवं उत्तरदायित्व को समझेंगे
2. विभिन्न आयोगों व नीतियों में हिंदी के प्रति विचारों को जान सकेंगे।
3. संस्कृत के प्रचार-प्रसार से सम्बंधित उपायों एवं विभिन्न संस्थाओं की भूमिका को समझ पाएंगे
4. संस्कृत भाषा के मूल्यांकन हेतु के विभिन्न प्राचीन एवं नूतन आयामों को समझ कर आवश्यकतानुगुण प्रयोग करने में समर्थ होंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	पाठ्य पुस्तक की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, पाठ्य पुस्तक का महत्व	2			2	6.66
मॉड्यूल-2	संस्कृत पाठ्यपुस्तक का आन्तरिक व बाह्य गुण	2			2	6.66
मॉड्यूल-3	पाठ्यपुस्तक निर्माण के सिद्धान्त	2			2	6.66
मॉड्यूल-4	संस्कृतभाषा शिक्षक का विशेष गुण एवं दायित्व	2			2	6.66
मॉड्यूल-5	विश्वविद्यालय आयोग, माध्यमिक शिक्षा आयोग कोठारी आयोग, राष्ट्रीय	7			7	23.33

	शिक्षा नीति एवं 1986 कार्ययोजना 1992					
मॉड्यूल-6	नई शिक्षा नीति 2020 एवं संस्कृत भाषा शिक्षा।	2			2	6.66
मॉड्यूल-7	संस्कृत के प्रचार-प्रसार में सरकारी व गैर-सरकारी संस्थाएं	2			2	6.66
मॉड्यूल-8	भाषा कक्ष में अध्ययन सामग्री और उपकरण का कार्य और महत्व	2			2	6.66
मॉड्यूल-9	भाषा क्लब का अर्थ, आवश्यकता, निर्माण और गतिविधि	2			2	6.66
मॉड्यूल-10	मूल्यांकन और परीक्षा का अर्थ, परीक्षा प्रणाली- लिखित और मौखिक	3			3	10.00
मॉड्यूल -11	प्रश्न प्रकार, आदर्श प्रश्न पत्र। पारंपरिक मूल्यांकन- स्मृति परीक्षण(कंठ पाठ), बोध परीक्षण(वाक्यार्थ आदि), सृजनात्मक परीक्षण(काव्य निर्माण)	4			4	13.33
योग		30			30	100

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अधिगम	विद्यार्थी केंद्रित निर्माणवादी
विधियाँ	व्याख्यान, प्रदत्त कार्य, वैयक्तिक एवं सामूहिक प्रस्तुति
तकनीकी	कंप्यूटर सहायक तकनीकी, ई-कंटेंट,
उपादान	प्रदत्त कार्य, स्व-अध्ययन सामग्री

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
1. अध्येता शिक्षण व्यवसाय के मूल्यों के अनुरूप अभ्यास कर पाएंगे।	X	X		X				
2. वे अपने निर्णय व्यवहार और अभ्यास के द्वारा शिक्षण व्यवसाय के लिए निर्धारित कसौटियों का पूर्ण पालन करेंगे।	X		X	X				
3. वे विद्यार्थियों के समग्र विकास की परिकल्पना को समझेंगे और तदनुसार वे शिक्षार्थी केंद्रित शिक्षण विधियों का प्रभावपूर्ण प्रयोग करने में सक्षम होंगे।	X	X		X				
4. वे ऐसे शोध उन्मुख कार्य कर सकेंगे जो शिक्षा और समाज के संबंध को समझने में मदद करें।	X		X	X				
5. वे समसामयिक सूचना प्रौद्योगिकी एवं अन्य तकनीकों के माध्यम से प्रभाव प्रशिक्षण के लिए तत्पर रहेंगे।	X	X	X	X				
6. उनमें संप्रेषण की समुचित दक्षता होगी जिसके द्वारा वे अपने विचारों को प्रभावपूर्ण संप्रेषण करने में दक्ष होंगे।	X	X		X				
7. वे समुदाय के साथ अंतः क्रिया के दौरान सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के प्रति समनुभूति का भाव रखेंगे।	X	X		X				
8. वे शिक्षण और आकलन की समसामयिक तक नीतियों की विशेष जानकारी रखेंगे और उसके अनुरूप उसका अभ्यास करेंगे।	X		X	X				
9. वे विद्यार्थियों में व्याप्त विविधता का सम्मान करते हुए उसके समावेशन की ओर उन्मुख होंगे।	X	X	X					
10. वे क्षेत्र, जाति, संप्रदाय, जेंडर आदि की विविधताओं का शिक्षण और अन्य दायित्वों में समावेशन का प्रयास करेंगे।	X	X	X	X				

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#]विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदनलेखन	
निर्धारित अंकप्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य सामाग्री	विवरण (APAFormat में)
1	आधार/पाठ्य-ग्रंथ	शर्मा, लक्ष्मनारायण, सिंह फतेह, संस्कृतशिक्षणं नविन प्रविधयःआदित्यप्रकाशन, जयपुर मित्तल, संतोष, संस्कृतशिक्षणम, नवचेतना पब्लिकेशन्स, जयपुर सफाया, रघुनाथ, संस्कृत शिक्षण, हरयाणाग्रन्थ अकादमि. पाण्डे, रामशकल, संस्कृत शिक्षण, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा विश्वासः कौशलबोधिनि, संस्कृत भारती, दिल्ली

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

शिक्षा विभाग, शिक्षा विद्यापीठ

		शर्मा, मुरलीधर, संस्कृत शिक्षण समस्या, रा.सं.सं. विद्यापीठ, तिरुपति ■ सिंह कर्ण, संस्कृतशिक्षण विधि, एच.पि. भार्गव बुक सेंटर, आगरा
2	संदर्भ-ग्रंथ	गुप्त, मनोरमा – भाषा अधिगम, केंद्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा गुनानंद हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास – विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा द्विवेदी, देवीशंकर – भाषा और भाषिकी, भाषाविज्ञान विभाग-सागर वि.वि., सागर पांडेय, रामाशकल – हिन्दी शिक्षण, अग्रवाल पब्लिकेशन, आगरा चतुर्वेदी, शिखा – हिन्दी शिक्षण, आर लाल बुक डिपो., मेरठ शर्मा, देवेन्द्रनाथ – भाषा विज्ञान की भूमिका, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ■ तीवारी, भोलानाथ, भाषा विज्ञान, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणासी
3	ई-संसाधन	http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/shiksha_002_16_03_16.Pdf
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष / निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)



1.8 पाठ्यचर्या का नाम. मराठी भाषा शिक्षण – II

(Name of the Course).

2.पाठ्यचर्या का कोड. शिक्षा 001

(CodeoftheCourse).

3. क्रेडिट: 2

4. सेमेस्टर:तृतीय

5. पाठ्यचर्या विवरण:

(Description of Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	30
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	00
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	00
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	00
कुल क्रेडिटघंटे	30

पाठ्यक्रम की विवेचना

घटक १ : मराठी विषय अध्यापनाचे अंगे :

१. गद्य शिक्षण पद्धती
२. पद्य शिक्षण पद्धती
३. व्याकरण शिक्षण पद्धती
४. रचनात्मक शिक्षण पद्धती

घटक २ : मराठीचे भाषा शिक्षणाच्या नियोजन

१. नियोजनाचा अर्थ स्वरूप, महत्व आणि आवश्यकता
२. नियोजनाचे प्रकार (१) वार्षिक नियोजन (२) घटक नियोजन (३) पाठ नियोजन
३. शिक्षण कौशल्य : प्रस्तावना, स्पष्टीकरण, प्रश्नकौशल्य, चेतक बदल कौशल्य, फलक लेखन कौशल्य.
४. घटक चाचणीची निर्मिती.

घटक ३ : मराठीचे मूल्यांकन

१. सतत एवं सर्वकष मूल्यांकन (CCE), त्याच्या प्रक्रिया, मूल्यांकन स्वरूप (SA, FA), अहवाल.
२. परीक्षा पद्धती – अर्थ, प्रकार, गुणदोष.
३. मुक्त पुस्तक परीक्षा आणि मुक्त मूल्यांकन (OTBA) संकल्पना
४. घटक विश्लेषण आणि पुस्तक विश्लेषण

घटक ४ : शिक्षण संसाधन आणि भाषा शिक्षक

१. शिक्षण संसाधन (हस्तपुस्तिका, कार्यपुस्तिका)- संकल्पना, गरज, महत्व आणि गुणदोष.
२. प्रभावी मराठी शिक्षकाची गुणवैशिष्ट्ये.
३. सेवारत मराठी भाषा शिक्षकाच्या व्यावसायिक विकासासाठी -सेवा प्रशिक्षण कार्यक्रम / संमेलने / सेमिनार / कार्यशाळा इत्यादीचे महत्व.
४. मराठी भाषा शिक्षकाच्या व्यावसायिक विकासासाठी कार्यरत संस्थांचे महत्व : एन.सी.ई.आर.टी (NCERT), एस.सी.ई.आर.टी.(SCERT), जिल्हा शिक्षण व प्रशिक्षण संस्था (DIET).

सत्रकार्य:

१. घटक चाचणी (२)

२. पावर पॉइंट प्रेसेंटेशन आधारित पाठ नियोजनाचा विकास.
३. आयसीटी आधारित शैक्षणिक साहित्याचा विकास : रेखिय, शाखीय, मेथेटीक्स प्रोग्राम.
४. निर्धारित विषयावर स्वाध्याय व प्रस्तुतीकरण.

कार्य पद्धती :

१. वैयक्तिक आणि सामूहिकरीत्या निवडक विषयावर विद्यार्थ्यांचे सेमिनार सादरीकरण
२. लक्ष केंद्रित गट चर्चा
३. सांघिक अध्यापन
४. केस स्टडी

६. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

१. इस पाठ्यक्रम का अध्ययन कर अध्येता शिक्षा का अंतरानुशासनिक अध्ययन के क्षेत्र के रूप में प्रत्यक्षीकरण कर सकेंगे।
२. वे विद्यालय पाठ्यक्रम में सम्मिलित विभिन्न विषयों के सामाजिक-राजनीतिक तथा ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य का आलोचनात्मक विश्लेषण कर सकेंगे।
३. वे इन विषयों की प्रकृति एवं विद्यालय पाठ्यचर्या में इन विषयों की भूमिका तथा लोक जीवन में इनके महत्व एवं आवश्यकता को समझ सकेंगे।
४. वे इन विषयों के अंतर्संबंध एवं अंतरनिर्भरता तथा विद्यालय पाठ्यचर्या में इनके सापेक्षिक स्थान पर संप्रत्यात्मक, प्रायोगिक तथा अकादमिक दृष्टिकोण से विचारशील चिंतन कर सकेंगे (विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या संपूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

७. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	गद्य शिक्षण पद्धती पद्य शिक्षण पद्धती व्याकरण शिक्षण पद्धती रचनात्मक शिक्षण पद्धती	4			4	13.33
मॉड्यूल-2	नियोजनाचा अर्थ स्वरूप, महत्व आणि आवश्यकता। नियोजनाचे प्रकार वार्षिक नियोजन घटक नियोजन (पाठ	4			4	13.33

	नियोजन					
मॉड्यूल-3	शिक्षण कौशल्य : प्रस्तावना, स्पष्टीकरण, प्रश्नकौशल्य, चेतक बदल कौशल्य, फलक लेखन कौशल्य.	3			3	10.00
मॉड्यूल-4	घटक चाचणीची निर्मिती. सतत एवं सर्वकष मुल्यांकन (CCE), त्याच्या प्रक्रिया, मूल्यांकन स्वरूप (SA, FA), अहवाल.	4			4	13.33
मॉड्यूल-5	परीक्षा पद्धती – अर्थ, प्रकार, गुणदोष. मुक्त पुस्तक परीक्षा आणि मुक्त मूल्यांकन (OTBA) संकल्पना	3			3	10.00
मॉड्यूल-6	घटक विश्लेषण आणि पुस्तक विश्लेषण	2			2	6.66
मॉड्यूल-7	शिक्षण संसाधन (हस्तपुस्तिका, कार्यपुस्तिका)- संकल्पना, गरज, महत्व आणि गुणदोष.	2			2	6.66
मॉड्यूल-8	प्रभावी मराठी शिक्षकाची गुणवैशिष्ट्ये. सेवारत मराठी भाषा शिक्षकाच्या व्यावसायिक विकासासाठी -सेवा प्रशिक्षण कार्यक्रम / संमेलने / सेमिनार / कार्यशाळा इत्यादीचे महत्व.	5			5	16.66
मॉड्यूल -9	मराठी भाषा शिक्षकाच्या व्यावसायिक विकासासाठी कार्यरत संस्थांचे महत्व : एन.सी.ई.आर.टी (NCERT),	3			3	10.00

	एस.सी.ई.आर.टी.(SCE RT), जिल्हा शिक्षण व प्रशिक्षण संस्था (DIET).					
योग		30			30	100

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अधिगम	विद्यार्थी केंद्रित निर्माणवादी
विधियाँ	व्याख्यान, प्रदत्त कार्य, वैयक्तिक एवं सामूहिक प्रस्तुति
तकनीकी	कंप्यूटर सहायक तकनीकी, ई-कॉन्टेंट,
उपादान	प्रदत्त कार्य, स्व-अध्ययन सामग्री

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
1. अध्येता शिक्षण व्यवसाय के मूल्यों के अनुरूप अभ्यास कर पाएंगे।	X	X	X					
2. वे अपने निर्णय व्यवहार और अभ्यास के द्वारा शिक्षण व्यवसाय के लिए निर्धारित कसौटियों का पूर्ण पालन करेंगे।	X		X	X				
3. वे विद्यार्थियों के समग्र विकास की परिकल्पना को समझेंगे और तदनुरूप वे शिक्षार्थी केंद्रित शिक्षण विधियों का प्रभावपूर्ण प्रयोग करने में सक्षम होंगे।	X	X		X				
4. वे ऐसे शोध उन्मुख कार्य कर सकेंगे जो शिक्षा और समाज के संबंध को समझने में मदद करें।	X	X		X				
5. वे समसामयिक सूचना प्रौद्योगिकी एवं अन्य तकनीकों के माध्यम से प्रभाव प्रशिक्षण के लिए	X		X	X				

तत्पर रहेंगे।								
6. उनमें संप्रेषण की समुचित दक्षता होगी जिसके द्वारा वे अपने विचारों को प्रभावपूर्ण संप्रेषण करने में दक्ष होंगे।	X		X	X				
7. वे समुदाय के साथ अंतः क्रिया के दौरान सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के प्रति समनुभूति का भाव रखेंगे।	X	X		X				
8. वे शिक्षण और आकलन की समसामयिक तक नीतियों की विशेष जानकारी रखेंगे और उसके अनुरूप उसका अभ्यास करेंगे।	X		X	X				
9. वे विद्यार्थियों में व्याप्त विविधता का सम्मान करते हुए उसके समावेशन की ओर उन्मुख होंगे।	X	X	X	X				
10. वे क्षेत्र, जाति, संप्रदाय, जेंडर आदि की विविधताओं का शिक्षण और अन्य दायित्वों में समावेशन का प्रयास करेंगे।	X	X		X				

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#]विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदनलेखन	
निर्धारित अंक/प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य सामाग्री	विवरण (APAFormat में)
1	आधार/पाठ्य-ग्रंथ	अकोलकर, ग. वि. आणि पाटणकर, ना. वि., (1970), “मराठीचे अध्यापन”, पुणे, व्हीनस प्रकाशन इंदुरकर, कल्याणी, (1998), “मराठीचे अध्यापन”, नागपूर, मंगेश प्रकाशन. करंदीकर, सुरेश आणि मंगरूळकर, मीना, (2004), “मराठी – आशय अध्यापन पद्धति”, पुणे, फडके प्रकाशन. कुंडले, म. बा., (1974), “मराठीचे अध्यापन”, पुणे, विद्या प्रकाशन. घोरमोडे, कला, (2008), “मराठी अध्यापन पद्धती”, नागपूर, विद्या प्रकाशन. पवार, ना. ग., (2006) “मातृभाषा मराठीचे आशयुक्त अध्यापन”, पुणे, नित्य नूतन प्रकाशन.
2	संदर्भ-ग्रंथ	Piaget, J. (1926). Language and Thought of the Child. London: Routledge & Kegan Paul . गुप्त, मनोरमा – भाषा अधिगम, केंद्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा गुनानंद हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास – विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा द्विवेदी, देवीशंकर – भाषा और भाषिकी, भाषा विज्ञान विभाग- सागर वि. वि., सागर पांडेय, रामाशकल – हिंदी शिक्षण, अग्रवाल पब्लिकेशन, आगरा चतुर्वेदी, शिखा – हिन्दी शिक्षण, आर लाल बुक डिपो., मेरठ शर्मा, देवेन्द्रनाथ – भाषा विज्ञान की भूमिका, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली तीवारी, भोलानाथ, भाषा विज्ञान, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणासी
3	ई-संसाधन	http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/shiksha_002_16_03_16.Pdf
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष / निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

चतुर्थ सेमेस्टर

1. पाठ्यचर्या का नाम. गांधी एवं शिक्षा (Gandhi and Education)
(Name of the Course).

2. पाठ्यचर्या का कोड. बीईडी 010
(Code of the Course).

3. क्रेडिट: 2. सेमेस्टर: चतुर्थ
(Credit) (Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	30
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	00
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	00
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	00
कौशल विकास गतिविधियाँ	00
कुल क्रेडिटघंटे	30

इकाई 1: गांधी दर्शन

- महात्मा गांधी का जीवन दर्शन
- विभिन्न व्यक्तियों का गांधी जी के विचारों पर प्रभाव- गोखले, कस्तूरबा, पुतलीबाई, रस्किन, टालस्टाय
- गांधी जी के सामाजिक विचार की मुख्य विशेषताएं
- साउथ अफ्रीका में किये गए प्रयोग- फीनिक्स सेटलमेंट, टालस्टाय फार्म

इकाई 2: गांधी जी के विचारों की मूल अवधारणा

- सत्य, अहिंसा, साधन और साध्य की पवित्रता, सत्य की अवधारणा
- ईश्वर की अवधारणा, वर्तमान समय में गांधी जी के विचारों की प्रासंगिकता

इकाई 3: बुनियादी शिक्षा

- बुनियादी शिक्षा: अवधारणा, अन्तर्निहित मान्यताएं, पृष्ठभूमि एवं विकास
- वर्धा समिति, कार्यात्मक साक्षरता, वयस्क शिक्षा
- नई सामाजिक व्यवस्था के लिए शिक्षा, सामुदायिक विकास
- ग्रामीण विकास में गांधी जी के विचारों का योगदान

इकाई 4: बुनियादी शिक्षा की पाठ्यचर्या

- बुनियादी शिक्षा की पाठ्यचर्या: विश्लेषण एवं समीक्षा
- उद्देश्य, संरचना, ज्ञान निर्माण की प्रक्रिया
- बुनियादी विद्यालय- संगठनात्मक स्वरूप, कार्यप्रणाली, समुदाय के साथ संबंध
- बुनियादी विद्यालय में शिक्षक की भूमिका
- वर्तमान परिप्रेक्ष्य में बुनियादी शिक्षा की प्रासंगिकता

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

1. महात्मा गांधी के विचारों के आलोक में शिक्षा के लक्ष्यों की विवेचना करने में समर्थ होंगे।
2. बुनियादी शिक्षा के सिद्धांतों की प्रासंगिकता की व्याख्या कर पाएंगे।
3. बुनियादी शिक्षा के निहितार्थों को पाठ्यचर्या और शिक्षण के अनुप्रयोग से जोड़ पाएंगे।
4. गांधीवादी विचारों की मूल अवधारणाओं को समझ पाएंगे।
5. शिक्षा संबंधी अन्य गांधीवादी मॉडलों से गांधीवादी शिक्षा मॉडल की तुलना कर सकेंगे।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या संपूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	महात्मा गाँधी का जीवन दर्शन	1			1	3.33
मॉड्यूल-2	विभिन्न व्यक्तियों का गाँधी जी के विचारों पर प्रभाव- गोखले, कस्तूरबा, पुतलीबाई, रस्किन, टालस्टाय	3			3	10
मॉड्यूल-3	गाँधी जी के सामाजिक विचार की मुख्य विशेषताएं	2			2	6.67
मॉड्यूल-4	साउथ अफ्रीका में किये गए प्रयोग- फीनिक्स सेटलमेंट, टालस्टाय फार्म	2			2	6.67
मॉड्यूल-5	सत्य, अहिंसा, साधन और साध्य की पवित्रता, सत्य की अवधारणा	2			2	6.67

मॉड्यूल-6	ईश्वर की अवधारणा, वर्तमान समय में गाँधी जी के विचारों की प्रासंगिकता	2			2	6.67
मॉड्यूल-7	बुनियादी शिक्षा: अवधारणा, अन्तर्निहित मान्यताएं, पृष्ठभूमि एवं विकास	3			3	10
मॉड्यूल-8	वर्धा समिति, कार्यात्मक साक्षरता, वयस्क शिक्षा	2			2	6.67
मॉड्यूल-9	नई सामाजिक व्यवस्था के लिए शिक्षा, सामुदायिक विकास	3			3	10
मॉड्यूल -10	ग्रामीण विकास में गाँधी जी के विचारों का योगदान	3			3	10
मॉड्यूल -11	बुनियादी शिक्षा की पाठ्यचर्या: विश्लेषण एवं समीक्षा	2			2	6.67
मॉड्यूल -12	बुनियादी शिक्षा : उद्देश्य, संरचना, ज्ञान निर्माण की प्रक्रिया	1			1	3.33
मॉड्यूल -13	बुनियादी विद्यालय-संगठनात्मक स्वरूप, कार्यप्रणाली, समुदाय के साथ संबंध	2			2	6.67
मॉड्यूल -14	बुनियादी विद्यालय में शिक्षक की भूमिका	1			1	3.33
मॉड्यूल -15	वर्तमान परिप्रेक्ष्य में बुनियादी शिक्षा की प्रासंगिकता	1			1	3.33
3.योग		30			30	100

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अधिगम	विद्यार्थी केंद्रित निर्माणवादी
विधियाँ	व्याख्यान, प्रदत्तकार्य, वैयक्तिक एवं सामूहिक प्रस्तुति
तकनीकी	कंप्यूटर सहायक तकनीकी, ई-कॉन्टेंट,
उपादान	प्रदत्त कार्य, स्व-अध्ययन सामग्री

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
1. अध्येता शिक्षण व्यवसाय के मूल्यों के अनुरूप अभ्यास कर पाएंगे।	X							
2. वे अपने निर्णय व्यवहार और अभ्यास के द्वारा शिक्षण व्यवसाय के लिए निर्धारित कसौटियों का पूर्ण पालन करेंगे।	X			X				
3. वे विद्यार्थियों के समग्र विकास की परिकल्पना को समझेंगे और तदनुसार वे शिक्षार्थी केंद्रित शिक्षण विधियों का प्रभावपूर्ण प्रयोग करने में सक्षम होंगे।	X		X					
4. वे ऐसे शोध उन्मुख कार्य कर सकेंगे जो शिक्षा और समाज के संबंध को समझने में मदद करें।			X		X			
5. वे समसामयिक सूचना प्रौद्योगिकी एवं अन्य तकनीकों के माध्यम से प्रभाव प्रशिक्षण के लिए तत्पर रहेंगे।								
6. उनमें संप्रेषण की समुचित दक्षता होगी जिसके द्वारा वे अपने विचारों को प्रभावपूर्ण संप्रेषण करने में दक्ष होंगे।		X						
7. वे समुदाय के साथ अंतः क्रिया के दौरान सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के प्रति समानुभूति का भाव रखेंगे।				X				
8. वे शिक्षण और आकलन की समसामयिक तक नीतियों की विशेष जानकारी रखेंगे और उसके अनुरूप उसका अभ्यास करेंगे।								
9. वे विद्यार्थियों में व्याप्त विविधता का सम्मान करते हुए उसके समावेशन की ओर उन्मुख होंगे।				X				
10. वे क्षेत्र, जाति, संप्रदाय, जेंडर आदि की विविधताओं का शिक्षण और अन्य दायित्वों में समावेशन का प्रयास करेंगे।				X				

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#]विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य सामाग्री	विवरण (APAFormat में)
1	आधार/पाठ्य-ग्रंथ	■ गांधी, मो.क. (2012). सत्य के प्रयोग अथवा आत्मकथा (त्रिवेदी, काशीनाथ, अनुवादक). अहमदाबाद : नवजीवन प्रकाशन मंदिर ■ गांधीजी. (2012). हिंद स्वराज (नणावती, अमृतलाल ठाकोरदास, अनुवादक). अहमदाबाद : नवजीवन प्रकाशन मंदिर ■ गांधीजी. (2014). रचनात्मक कार्यक्रम उसका रहस्य और स्थान (त्रिवेदी, काशीनाथ, अनुवादक). अहमदाबाद : नवजीवन प्रकाशन मंदिर

		- गांधीजी. (1958). नई तालीम की ओर (कुमारप्पा, भारतन्, संपादक). अहमदाबाद : नवजीवन प्रकाशन मंदिर - गांधीजी. (2015). ग्राम स्वराज (व्यास हरीशंकर, संग्राहक). नवजीवन प्रकाशन मंदिर
2	संदर्भ-ग्रंथ	- पचौरी, गिरीश.(2015). विश्व के महान शिक्षाशास्त्री. मेरठ : आर.लाल बुक डिपो - लाल, रमन बिहारी व पलोड़, सुनीता.(2010). शैक्षिक चिंतन एवं प्रयोग. मेरठ : आर. लाल बुक डिपो - मोदी, नृपेन्द्र प्रसाद. (2016). गांधी का समर्थ भारत. दिल्ली : के के पब्लिकेशंस
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष / निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)



2. पाठ्यचर्या का नाम. शैक्षिक निर्देशन एवं परामर्श

(Name of the Course).

2.पाठ्यचर्या का कोड. बीईडी 03

(Code of the Course).

3. क्रेडिट: 4. सेमेस्टर: चतुर्थ

(Credit)

(Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण:

(Description of Course)

इकाई 1: संकल्पना निर्देशन

- निर्देशन का स्वरूप और विस्तार
- संकल्पना मार्गदर्शन: शैक्षिक निर्देशन, व्यावसायिक और व्यक्तिगत निर्देशन की आवश्यकता
- राष्ट्रीय विकास के लिए निर्देशन, निर्देशन की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, उद्देश्य एवं सिद्धांत
- बुद्धि, उपलब्धि, योग्यता, व्यक्तित्व का तकनीकी टेस्ट
- संचयी रिकॉर्ड, वास्तविक रिकॉर्ड, केस स्टडी, साक्षात्कार, सामाजिक तकनीक

इकाई 2: व्यावसायिक निर्देशन

- व्यावसायिक निर्देशन: तैयारी, नियुक्ति और अनुवर्ती व्यावसायिक जानकारी संग्रह
- विभिन्न पाठ्यक्रमों और व्यवसायों के बारे में जानकारी
- शिक्षण सुविधाओं और रोजगार के अवसर
- रोजगार के पैटर्न विश्लेषण और कैरियर प्रोफाइल: व्यक्तिगत और समूह मार्गदर्शन

इकाई 3: समायोजन निर्देशन

- समायोजन निर्देशन संकल्पना
- समायोजन परियोजनाओं और अपसमयोजन की पहचान

इकाई 4: परामर्श

- परामर्श- संकल्पना, विभिन्न परामर्श सिद्धांत और तकनीक
- परामर्श के लिए साक्षात्कार की आवश्यकता
- हाल की प्रवृत्तियों और मार्गदर्शन में शोध परामर्श विधियाँ
- परामर्श और निर्देशन में अंतर
- विद्यालयों में परामर्श और निर्देशन, दुर्बल छात्रों के लिए परामर्श

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	60
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	00
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	00
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	00
कौशल विकास गतिविधियाँ	00
कुल क्रेडिटघंटे	60

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

1. अध्येता शिक्षक की भूमिका में अपने विद्यार्थियों को परामर्श और मार्गदर्शन देने में समर्थ होंगे।
2. वे विद्यालय में विद्यार्थियों के समायोजन में परामर्श दे सकेंगे।
3. वे व्यवसाय चयन में मार्गदर्शन कर सकेंगे।
4. वे निर्देशन और परामर्श के विभिन्न विषयों की सैद्धांतिक समझ को अपने शिक्षण में स्थान दे सकेंगे।
5. वे विद्यार्थियों के स्व के सकारात्मक विकास में मदद कर सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	निर्देशन का स्वरूप और विस्तार संकल्पना मार्गदर्शन: शैक्षिक निर्देशन, व्यावसायिक और व्यक्तिगत निर्देशन की आवश्यकता	5			5	8.33
मॉड्यूल-2	राष्ट्रीय विकास के लिए निर्देशन, निर्देशन की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, उद्देश्य एवं सिद्धांत	3			3	5
मॉड्यूल-3	बुद्धि, उपलब्धि, योग्यता, व्यक्तित्व का तकनीकी टेस्ट	2			2	3.33
मॉड्यूल-4	संचयी रिकॉर्ड, वास्तविक रिकॉर्ड, केस स्टडी,	5			5	8.33

	साक्षात्कार, सामाजिक तकनीक					
मॉड्यूल-5	व्यावसायिक निर्देशन: तैयारी, नियुक्ति और अनुवर्ती व्यावसायिक जानकारी संग्रह	5			5	8.33
मॉड्यूल-6	विभिन्न पाठ्यक्रमों और व्यवसायों के बारे में जानकारी	2			2	3.33
मॉड्यूल-7	शिक्षण सुविधाओं और रोजगार के अवसर	3			3	5
मॉड्यूल-8	रोजगार के पैटर्न विश्लेषण और कैरियर प्रोफाइल: व्यक्तिगत और समूह मार्गदर्शन	5			5	8.33
मॉड्यूल-9	समायोजन निर्देशन संकल्पना	7			7	11.67
मॉड्यूल -10	समायोजन परियोजनाओं और अपसमयोजन की पहचान	8			8	13.34
मॉड्यूल -11	परामर्श- संकल्पना, विभिन्न परामर्श सिद्धांत और तकनीक	3			3	5
मॉड्यूल -12	परामर्श के लिए साक्षात्कार की आवश्यकता	3			3	5
मॉड्यूल -13	हाल की प्रवृत्तियों और मार्गदर्शन में शोध परामर्श विधियाँ	3			3	5
माड्यूल-14	परामर्श और निर्देशन में अंतर	3			3	5
माड्यूल-15	विद्यालयों में परामर्श	3				

	और निर्देशन, दुर्बल छात्रों के लिए परामर्श				3	5
योग		60			60	100

टिप्पणी:

- माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
- प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अधिगम	विद्यार्थी केंद्रित निर्माणवादी
विधियाँ	व्याख्यान, प्रदत्तकार्य, वैयक्तिक एवं सामूहिक प्रस्तुति
तकनीकी	कंप्यूटर सहायक तकनीकी, ई-कॉन्टेंट,
उपादान	प्रदत्त कार्य, स्व-अध्ययन सामाग्री

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
1. अध्येता शिक्षण व्यवसाय के मूल्यों के अनुरूप अभ्यास कर पाएंगे।	X							
2. वे अपने निर्णय व्यवहार और अभ्यास के द्वारा शिक्षण व्यवसाय के लिए निर्धारित कसौटियों का पूर्ण पालन करेंगे।								
3. वे विद्यार्थियों के समग्र विकास की परिकल्पना को समझेंगे और तदनुसार वे शिक्षार्थी केंद्रित शिक्षण विधियों का प्रभावपूर्ण प्रयोग करने में सक्षम होंगे।	X	X		X	X			
4. वे ऐसे शोध उन्मुख कार्य कर सकेंगे जो शिक्षा और समाज के संबंध को समझने में मदद करें।			X					
5. वे समसामयिक सूचना प्रौद्योगिकी एवं अन्य तकनीकों के माध्यम से प्रभाव प्रशिक्षण के लिए तत्पर रहेंगे।								
6. उनमें संप्रेषण की समुचित दक्षता होगी जिसके द्वारा वे अपने विचारों को प्रभावपूर्ण संप्रेषण करने में दक्ष होंगे।								
7. वे समुदाय के साथ अंतःक्रिया के दौरान सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि	X							

के प्रति समानुभूति का भाव रखेंगे।								
8. वे शिक्षण और आकलन की समसामयिक तक नीतियों की विशेष जानकारी रखेंगे और उसके अनुरूप उसका अभ्यास करेंगे।								
9. वे विद्यार्थियों में व्याप्त विविधता का सम्मान करते हुए उसके समावेशन की ओर उन्मुख होंगे।	X	X			X			
10. वे क्षेत्र, जाति, संप्रदाय, जेंडर आदि की विविधताओं का शिक्षण और अन्य दायित्वों में समावेशन का प्रयास करेंगे।		X						

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#]विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य सामग्री	विवरण (APAFormat में)
1	आधार/पाठ्य-ग्रंथ	- राय, अमरनाथ व अस्थाना, मधु. (2017). निर्देशन एवं परामर्शन. वाराणसी : मोतीलाल बनारसीदास - सुलेमान, मोहम्मद.(2014). उच्चतर शिक्षा मनोविज्ञान. दिल्ली : मोतीलाल बनारसीदास
2	संदर्भ-ग्रंथ	- सिंह, अरुण कुमार.(2017). मनोविज्ञान समाजशास्त्र तथा शिक्षा में शोध विधियाँ. दिल्ली : मोतीलाल बनारसीदास - गुप्ता, एस.पी. व गुप्ता, अल्का .(2017). उच्चतर शिक्षा मनोविज्ञान सिद्धांत एवं व्यवहार. इलाहाबाद : शारदा पुस्तक भवन
3	ई-संसाधन	http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/bed_4sem_042_24_04_17.Pdf http://www.uou.ac.in/sites/default/files/slm/MAED-201.pdf http://mpbou.edu.in/slm/B.Ed_SLM/bed02_18_b1_unit-2.pdf
4	अन्य	



1. पाठ्यचर्या का नाम. आपदा प्रबंधन एवं शिक्षा (Disaster Management and Education)

(Name of the Course).

2. पाठ्यचर्या का कोड. बीईडी 03

(Code of the Course).

3. क्रेडिट: 4. सेमेस्टर: चतुर्थ

(Credit)

(Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण:

(Description of Course)

इकाई 1: आपदा का परिचय

- आपदा की परिभाषा और प्रकार
- विभिन्न आपदाओं के कारण और उनके प्रभाव
- आपदा प्रबंधन चक्र
- अधिनियम और आपदा के कानूनी पहलू

इकाई 2: आपदा की स्थिति के लिए तैयारी

- आपदा तैयारियां: व्यक्तिगत, बहुमंजिली इमारतों वाली सोसायटी या स्वतंत्र मकान के एक समूह
- आपदा शमन के उपाय, कार्य स्थल, संसाधन उपलब्धता
- नियंत्रण केंद्र की स्थापना, बचाव दल बनाना और उसकी तैनाती, हताहत लोगों के लिए समुचित व्यवस्था, दुर्घटना ग्रस्त लोगों का दुर्घटना स्थल से निकास
- मेडिकल टीमों की व्यवस्था

इकाई 3: आपदा से बचाव और राहत

- आपदा से बचाव: आपदा से बचाव का सिद्धांत
- बचाव प्रक्रिया, आपदा की स्थिति में राहत कार्य
- तत्काल राहत योजना, राहत कार्य का निष्पादन, राहत कार्य का सर्वेक्षण पक्ष

इकाई 4: आपदा प्रबंधन के लिए शिक्षा

- विद्यालयों में आपदा प्रबंध शिक्षा
- आपदा प्रबंध शिक्षा के उद्देश्य, आपदा प्रबंध शिक्षा का महत्व
- विद्यालयों की सुरक्षा, आपदा प्रबंध की जानकारी एवं प्रात्यक्षिक कार्य

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	60
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	00
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	00
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	00
कौशल विकास गतिविधियाँ	00
कुल क्रेडिट घंटे	60

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

1. अध्येता आपदा प्रबंधन की आवश्यकता को संप्रेषित कर सकेंगे।
2. वे विद्यार्थियों में आपदा प्रबंधन के बारे में जागरूकता फैला सकेंगे।
3. वे राहत कार्यों के तरीकों को प्रसारित कर सकेंगे।
4. वे विद्यालय में आपदा से निपटने की विधियों को जान पाएंगे।
5. वे भविष्य में विद्यालयी आपदा से निपटने में इस जानकारी का उपयोग कर सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	आपदा की परिभाषा और प्रकार	5			5	8.33
मॉड्यूल-2	विभिन्न आपदाओं के कारण और उनके प्रभाव	5			5	8.33
मॉड्यूल-3	आपदा प्रबंधन चक्र	2			2	3.33
मॉड्यूल-4	अधिनियम और आपदा के कानूनी पहलू	3			3	5
मॉड्यूल-5	आपदा तैयारियां : व्यक्तिगत , बहुमंजिली इमारतों वाली सोसायटी या स्वतंत्र मकान के एक समूह	3			3	5

मॉड्यूल-6	आपदा शमन के उपाय, कार्य स्थल, संसाधन उपलब्धता	2			2	3.33
मॉड्यूल-7	आपदा की स्थिति में : नियंत्रण केंद्र की स्थापना, बचाव दल बनाना और उसकी तैनाती,	5			5	8.33
मॉड्यूल-8	आपदा की स्थिति में : हताहत लोगों के लिए समुचित व्यवस्था, दुर्घटना ग्रस्त लोगों का दुर्घटना स्थल से निकास	4			4	6.67
मॉड्यूल-9	मेडिकल टीमों की व्यवस्था	1			1	1.67
मॉड्यूल -10	आपदा से बचाव: आपदा से बचाव का सिद्धांत	5			5	8.33
मॉड्यूल -11	बचाव प्रक्रिया, आपदा की स्थिति में राहत कार्य	5			5	8.33
मॉड्यूल -12	तत्काल राहत योजना, राहत कार्य का निष्पादन, राहत कार्य का सर्वेक्षण पक्ष	5			5	8.33
मॉड्यूल -13	विद्यालयों में आपदा प्रबंध शिक्षा	4			4	6.67

माड्यूल-14	आपदा प्रबंध शिक्षा के उद्देश्य, आपदा प्रबंध शिक्षा का महत्व	6			6	10
माड्यूल-15	विद्यालयों की सुरक्षा, आपदा प्रबंध की जानकारी एवं प्रात्यक्षिक कार्य	5			5	8.33
योग		60			60	100

टिप्पणी:

- माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
- प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अधिगम	विद्यार्थी केंद्रित निर्माणवादी
विधियाँ	व्याख्यान, प्रदत्तकार्य, वैयक्तिक एवं सामूहिक प्रस्तुति
तकनीकी	कंप्यूटर सहायक तकनीकी, ई-कॉन्टेंट,
उपादान	प्रदत्त कार्य, स्व-अध्ययन सामाग्री

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
1. अध्येता शिक्षण व्यवसाय के मूल्यों के अनुरूप अभ्यास कर पाएंगे।					X			
2. वे अपने निर्णय व्यवहार और अभ्यास के द्वारा शिक्षण व्यवसाय के लिए निर्धारित कसौटियों का पूर्ण पालन करेंगे।	X		X		X			
3. वे विद्यार्थियों के समग्र विकास की परिकल्पना को समझेंगे और तदनुरूप वे शिक्षार्थी केंद्रित शिक्षण विधियों का प्रभावपूर्ण प्रयोग करने में सक्षम होंगे।								
4. वे ऐसे शोध उन्मुख कार्य कर सकेंगे जो शिक्षा और समाज के संबंध को समझने में मदद करें।								
5. वे समसामयिक सूचना प्रौद्योगिकी एवं अन्य तकनीकों के माध्यम से प्रभाव प्रशिक्षण के लिए तत्पर रहेंगे।	X	X			X			
6. उनमें संप्रेषण की समुचित दक्षता होगी जिसके द्वारा वे अपने विचारों को प्रभावपूर्ण संप्रेषण करने में दक्ष होंगे।		X		X				
7. वे समुदाय के साथ अंतः क्रिया के दौरान सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के प्रति समानुभूति का भाव रखेंगे।								
8. वे शिक्षण और आकलन की समसामयिक तक नीतियों की विशेष जानकारी रखेंगे और उसके अनुरूप उसका अभ्यास करेंगे।								
9. वे विद्यार्थियों में व्याप्त विविधता का सम्मान करते हुए उसके समावेशन की ओर उन्मुख होंगे।								
10. वे क्षेत्र, जाति, संप्रदाय, जेंडर आदि की विविधताओं का शिक्षण और अन्य दायित्वों में समावेशन का प्रयास करेंगे।								

टिप्पणी:

3. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
4. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#]विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य सामग्री	विवरण (APA Format में)
1	आधार/पाठ्य-ग्रंथ	■ मिश्र, शिवगोपाल.(2011). आपदा प्रबंधन. साहित्य प्रकाशन ■ सिंह, उदयभान व कुमार, अमन.(2018). भारत की आंतरिक सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन. दिल्ली. प्रभात प्रकाशन



महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

शिक्षा विभाग, शिक्षा विद्यापीठ

2	संदर्भ-ग्रंथ	■ टावरी, कमाल. (2006). आपदा प्रबंधन एवं पंचायती राज सशक्तिकरण. दिल्ली : कान्सैप्ट पब्लिशिंग ■ पाठक, उमा. (2009). आपदा प्रबंधन. दिल्ली: अग्नि प्रकाशन
3	ई-संसाधन	■ https://www.preventionweb.net/files/3442_DisasterEducation.pdf ■ http://gpss.vizzuality.com/assets/resources/disaster_risk_reduction_in_education_in_emergencies.pdf
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)



महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वरधा

शिक्षा विभाग, शिक्षा विद्यापीठ

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1. पाठ्यचर्या का नाम. मानवाधिकार एवं शांति शिक्षा (Human Rights & Peace Education)
(Name of the Course).

2. पाठ्यचर्या का कोड. बीईडी 03
(Code of the Course).

3. क्रेडिट: 44. सेमेस्टर: चतुर्थ
(Credit) (Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)

इकाई 1: मानवाधिकार की अवधारणा

- मानवाधिकार का अर्थ, व्यापकता, प्रकृति, क्षेत्र
- मानवाधिकार: सामाजिक, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक संदर्भ
- मानवाधिकार की आवश्यकता एवं समकालीन परिदृश्य
- स्त्री, दलित, समाज के वंचित वर्ग एवं मानवाधिकार, बाल अधिकार
- मानवाधिकार को सुनिश्चित करने में चुनौतियाँ

इकाई 2: मानवाधिकार का नीतिगत परिप्रेक्ष्य

- मानवाधिकार के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हो रहे प्रयास
- मानवाधिकार के लिए अंतरराष्ट्रीय घोषणा पत्र, मानवाधिकार संबंधी घोषणा पत्र के मुख्य तत्व एवं विशेषता
- नागरिक अधिकार कानून, सामाजिक एवं सांस्कृतिक अधिकार कानून
- भारतीय संविधान की भूमिका, मानवाधिकार आयोग
- मानवाधिकार के स्थिरत्व में अंतरराष्ट्रीय संघटन

इकाई 3: शांति शिक्षा के सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य

- शांति शिक्षा का उद्भव एवं विकास
- ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में नकारात्मक एवं सकारात्मक शांति की अवधारणा
- स्त्री, दलित एवं शांति शिक्षा सांस्कृतिक समन्वय
- लोकतान्त्रिक मूल्य, धर्म निरपेक्षता एवं शांति शिक्षा

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	60
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	00
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	00
कौशल विकास गतिविधियाँ	00
कुल क्रेडिटघंटे	60

- शांति शिक्षा की चुनौतियाँ
- सामुदायिक एवं सांप्रदायिक संघर्ष

इकाई 4: शांति शिक्षा के दार्शनिक परिप्रेक्ष्य

- शांति शिक्षा के सन्दर्भ में महात्मा गाँधी, टैगोर, अरबिंदो, कृष्णमूर्ति एवं दलाई लामा के विचार
- शांति शिक्षा के संदर्भ में पाउलो फ्रेरे के विचार: क्रिटिकल कान्सशनेस के लिए शिक्षा
- शांति शिक्षा में समालोचनात्मक चेतना की विधियाँ, संवाद, जाँच पड़ताल और मुक्त्यात्मक शिक्षा
- शांति शिक्षा के प्रसार में विद्यालय शिक्षक की भूमिका

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

1. शिक्षार्थी विद्यालय परिवेश में मानवाधिकारों के महत्व की समझ विकसित कर सकेंगे।
2. शिक्षार्थी विद्यालय में मानवाधिकार और शांति के लिए शिक्षा से संबन्धित गतिविधियों की दक्षता का विकास कर सकेंगे।
3. शिक्षार्थी मानवाधिकार और शांति के लिए शिक्षा से संबन्धित विभिन्न विचारकों के विचार संप्रेषित कर सकेंगे।
4. शिक्षार्थी समकालीन समय में शांति की शिक्षा के प्रासंगिकता की व्याख्या कर सकेंगे।
5. वे भारतीय संस्कृति में निहित शांति, अहिंसा व सौहार्द को संप्रेषित करके अपनी समझ को विकसित कर सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	मानवाधिकार का अर्थ, व्यापकता, प्रकृति, क्षेत्र	3			3	5
मॉड्यूल-2	मानवाधिकार: सामाजिक, सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक संदर्भ	3			3	5
मॉड्यूल-3	मानवाधिकार की आवश्यकता एवं	3				

	समकालीन परिदृश्य				3	5
मॉड्यूल-4	स्त्री, दलित, समाज के वंचित वर्ग एवं मानवाधिकार, बाल अधिकार	3			3	5
मॉड्यूल-5	मानवाधिकार को सुनिश्चित करने में चुनौतियाँ	3			3	5
मॉड्यूल-6	मानवाधिकार के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हो रहे प्रयास	2			2	3.33
मॉड्यूल-7	मानवाधिकार के लिए अंतरराष्ट्रीय घोषणा पत्र, मानवाधिकार संबंधी घोषणा पत्र के मुख्य तत्व एवं विशेषता	4			4	6.67
मॉड्यूल-8	नागरिक अधिकार कानून, सामाजिक एवं सांस्कृतिक अधिकार कानून	3			3	5
मॉड्यूल-9	भारतीय संविधान की भूमिका, मानवाधिकार आयोग	3			3	5
मॉड्यूल -10	मानवाधिकार के स्थिरत्व में अंतरराष्ट्रीय संघटन	3			3	5
मॉड्यूल -11	शांति शिक्षा का उद्भव एवं विकास,	5				

	ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में नकारात्मक एवं सकारात्मक शांति की अवधारणा				5	8.33
मॉड्यूल -12	स्त्री, दलित एवं शांति शिक्षा सांस्कृतिक समन्वय	5			5	8.33
	लोकतांत्रिक मूल्य, धर्म निरपेक्षता एवं शांति शिक्षा					
मॉड्यूल -13	शांति शिक्षा की चुनौतियाँ	5			5	8.33
	सामुदायिक एवं सांप्रदायिक संघर्ष					
माड्यूल-14	शांति शिक्षा के संदर्भ में महात्मा गाँधी, टैगोर, अरबिंदो, कृष्णमूर्ति एवं दलाई लामा के विचार	4			4	6.67
माड्यूल-15	शांति शिक्षा के संदर्भ में पाउलो फ्रेरे के विचार: क्रिटिकल कान्सशनेस के लिए शिक्षा	4			4	6.67
माड्यूल-16	शांति शिक्षा में समालोचनात्मक	4				

	चेतना की विधियाँ, संवाद, जाँच पड़ताल और मुक्त्यात्मक शिक्षा				4	6.67
माड्यूल-17	शांति शिक्षा के प्रसार में विद्यालय शिक्षक की भूमिका	3			3	5
योग		60			60	100

टिप्पणी:

- माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
- प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अधिगम	विद्यार्थी केंद्रित निर्माणवादी
विधियाँ	व्याख्यान, प्रदत्तकार्य, वैयक्तिक एवं सामूहिक प्रस्तुति
तकनीकी	कंप्यूटर सहायक तकनीकी, ई-कॉन्टेंट,
उपादान	प्रदत्त कार्य, स्व-अध्ययन सामाग्री

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
11. अध्येता शिक्षण व्यवसाय के मूल्यों के अनुरूप अभ्यास कर पाएंगे।	X	X						
12. वे अपने निर्णय व्यवहार और अभ्यास के द्वारा शिक्षण व्यवसाय के लिए निर्धारित कसौटियों का पूर्ण पालन करेंगे।		X			X			
13. वे विद्यार्थियों के समग्र विकास की परिकल्पना को समझेंगे और तदनुरूप वे शिक्षार्थी केंद्रित शिक्षण विधियों का प्रभावपूर्ण प्रयोग करने में सक्षम होंगे।								
14. वे ऐसे शोध उन्मुख कार्य कर सकेंगे जो शिक्षा और समाज के संबंध को समझने में मदद करें।	X							
15. वे समसामयिक सूचना प्रौद्योगिकी एवं अन्य तकनीकों के माध्यम से प्रभाव प्रशिक्षण के लिए तत्पर रहेंगे।								
16. उनमें संप्रेषण की समुचित दक्षता होगी जिसके द्वारा वे अपने विचारों को प्रभावपूर्ण संप्रेषण करने में दक्ष होंगे।			X					
17. वे समुदाय के साथ अंतःक्रिया के दौरान सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के प्रति समनुभूति का भाव रखेंगे।	X			X	X			
18. वे शिक्षण और आकलन की समसामयिक तक नीतियों की विशेष जानकारी रखेंगे और उसके अनुरूप उसका अभ्यास करेंगे।								
19. वे विद्यार्थियों में व्याप्त विविधता का सम्मान करते हुए उसके समावेशन की ओर उन्मुख होंगे।	X							
20. वे क्षेत्र, जाति, संप्रदाय, जेंडर आदि की विविधताओं का शिक्षण और अन्य दायित्वों में समावेशन का प्रयास करेंगे।	X			X	X			

टिप्पणी:

5. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
6. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#]विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य सामाग्री	विवरण (APAFormat में)
1	आधार/पाठ्य-ग्रंथ	■ त्यागी, रचना. (2019). मानवाधिकार एवं विश्वशान्ति. मेरठ : उत्कर्ष प्रकाशन ■ Harris, Ian M & Morrison, Mary Lee. (2005). Peace Education. Macfarland ■ Brantmeir, E.J, Lin, J & Miller J.P. (Ed.) (2010). Spirituality, Religion & Peace Education. IAP-Information Age Publication

		■ Hantzopoulos, & Bajaj, M.(Ed.). (2016). Peace Education: International perspectives. Bloomsbury publishing
2	संदर्भ-ग्रंथ	■ Baxi, Upendra, 'From Human Rights to the Right to be Human; Some Heresies', in UpendraBaxi (ed.) The Right to be Human, New Delhi: Lancer International ■ Dennis Altman 2004, 'Sexuality and Globalization', Agenda: Empowering Women for Gender Equity, No. 62, African Feminisms Volume 2,1: Sexuality in Africa (2004), pp. 22-28: on behalf of Taylor & Francis, Ltd ■ Ellen Messer, 1997, 'Pluralist Approaches to Human Rights' , Journal of Anthropological Research, Vol. 53, No. 3, Universal Human Rights versus Cultural Relativity (Autumn, 1997), pp. 293-317: University of New Mexico ■ J. K. Patnaik, 2004, 'Human Rights : the concept and perspectives : a third world view', The Indian Journal of Political Science, Vol. 65, No. 4 (Oct.-Dec., 2004), pp. 499-514, Indian Political Science Association ■ Kothari, Smitu, 1989, The Human Rights Movement In India: A critical overview', in Smitu Kothari and Harsh Sethi (eds.) Rethinking Human Rights: Challenges for theory and action, New York: New Horizons Press and Delhi: Lokayan
3	ई-संसाधन	■ http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/046_human_rites_and_pice_education_optional.Pdf ■ http://www.bdu.ac.in/cde/docs/ebooks/B-Ed/II/PEACE%20EDUCATION.pdf
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)



महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

शिक्षा विभाग, शिक्षा विद्यापीठ

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1. पाठ्यचर्या का नाम. निर्माणवादी ज्ञानमीमांसा एवं शिक्षाशास्त्र
(Name of the Course).

2. पाठ्यचर्या का कोड. 03
(Code of the Course).

3. क्रेडिट: 44. सेमेस्टर: चतुर्थ
(Credit) (Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	60
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	00
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	00
कौशल विकास गतिविधियाँ	00
कुल क्रेडिटघंटे	60

इकाई 1: निर्माणवाद: संकल्पना और सिद्धांत

- निर्माणवाद की संकल्पना, प्रकार और अनुप्रयोग
- जॉन ड्यूई, पियाजे, वायगोत्सकी, जोम्बतिस्ता विको, एम्यनुएल, ब्रूनर, ग्रेसफेल्ड, जर्जे का सिद्धांत

इकाई 2: निर्माणवादी ज्ञानमीमांसा

- निर्माणवाद का ज्ञानमीमांसीय दृष्टिकोण
- शिक्षा में नई दिशा
- निर्माणवाद के अनुसार ज्ञान की रचना
- निर्माणवादी शिक्षा के तत्व और सिद्धांत

इकाई 3: निर्माणवादी शिक्षाशास्त्र

- निर्माणवादी शिक्षा : प्रकृति, प्रक्रिया
- निर्माणवादी शिक्षा के तत्व
- निर्माणवादी कक्षा का निर्माण
- निर्माणवादी शिक्षक और उसकी भूमिका, निर्माणवादी शैक्षणिक रणनीति
- निर्माणवादी आकलन: आवश्यकता और अनुप्रयोग

इकाई 4: निर्माणवाद और अध्यापक शिक्षा, सूचना एवं प्रौद्योगिकी

- अध्यापक शिक्षा में नया दृष्टिकोण

- शिक्षक के विचारों में बदलाव
- शिक्षक निर्माण की प्रक्रिया और कार्यक्रमों में सुधार
- सूचना एवं प्रौद्योगिकी में सुधार
- पाठ्यक्रम में निर्माणवाद की भूमिका एवं महत्व
- पारंपरिक सूचना और प्रौद्योगिकी के निर्माण में निर्माणवाद की भूमिका

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

1. अध्येता निर्माणवाद के ज्ञानमीमांसकीय आधारों की व्याख्या कर सकेंगे।
2. वे निर्माणवादी शिक्षण युक्तियों को विकसित कर पाएंगे।
3. वे पाठ्यचर्या क्रियान्वयन में निर्माणवाद का अनुप्रयोग करने में समर्थ होंगे।
4. वे सामाजिक और नैतिक विकास के सिद्धान्तों की समझ विकसित करेंगे।
5. वे आकलन के निर्माणवादी उपागम के आधार पर आकलन कर सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	निर्माणवाद की संकल्पना, प्रकार और अनुप्रयोग	5			5	8.33
मॉड्यूल-2	जॉन ड्यूई, पियाजे, वायगोत्सकी, जोम्बतिस्ता विको	5			5	8.33
मॉड्यूल-3	एम्यनुएल, ब्रूनर, ग्रेसफेल्ड, जर्जे का सिद्धांत	5			5	8.33

मॉड्यूल-4	निर्माणवाद का ज्ञानमीमांसीय दृष्टिकोण	4			4	6.67
मॉड्यूल-5	शिक्षा में नई दिशा	3			3	5
मॉड्यूल-6	निर्माणवाद के अनुसार ज्ञान की रचना	4			4	6.67
मॉड्यूल-7	निर्माणवादी शिक्षा के तत्व और सिद्धांत	4			4	6.67
मॉड्यूल-8	निर्माणवादी शिक्षा : प्रकृति, प्रक्रिया	2			2	3.33
मॉड्यूल-9	निर्माणवादी शिक्षा के तत्व, निर्माणवादी कक्षा का निर्माण,	3			3	5
मॉड्यूल -10	निर्माणवादी शिक्षक और उसकी भूमिकाएं, निर्माणवादी शैक्षणिक रणनीति	5			5	8.33
मॉड्यूल -11	निर्माणवादी आकलन: आवश्यकता और अनुप्रयोग	5			5	8.33
मॉड्यूल -12	अध्यापक शिक्षा में नया दृष्टिकोण शिक्षक के विचारों में बदलाव	4			4	6.67

मॉड्यूल -13	शिक्षक निर्माण की प्रक्रिया और कार्यक्रमों में सुधार सूचना एवं प्रौद्योगिकी में सुधार	4			4	6.67
माड्यूल-14	पाठ्यक्रम में निर्माणवाद की भूमिका एवं महत्व	4			4	6.67
माड्यूल-15	पारंपरिक सूचना और प्रौद्योगिकी के निर्माण में निर्माणवाद की भूमिका	3			3	5
योग		60			60	100

टिप्पणी:

7. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
8. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।
8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अधिगम	विद्यार्थी केंद्रित निर्माणवादी
विधियाँ	व्याख्यान, प्रदत्तकार्य, वैयक्तिक एवं सामूहिक प्रस्तुति
तकनीकी	कंप्यूटर सहायक तकनीकी, ई-कॉन्टेंट,
उपादान	प्रदत्त कार्य, स्व-अध्ययन सामाग्री



9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
21. अध्येता शिक्षण व्यवसाय के मूल्यों के अनुरूप अभ्यास कर पाएंगे।	X				X			
22. वे अपने निर्णय व्यवहार और अभ्यास के द्वारा शिक्षण व्यवसाय के लिए निर्धारित कसौटियों का पूर्ण पालन करेंगे।	X		X		X			
23. वे विद्यार्थियों के समग्र विकास की परिकल्पना को समझेंगे और तदनुरूप वे शिक्षार्थी केंद्रित शिक्षण विधियों का प्रभावपूर्ण प्रयोग करने में सक्षम होंगे।		X			X			
24. वे ऐसे शोध उन्मुख कार्य कर सकेंगे जो शिक्षा और समाज के संबंध को समझने में मदद करें।								
25. वे समसामयिक सूचना प्रौद्योगिकी एवं अन्य तकनीकों के माध्यम से प्रभाव प्रशिक्षण के लिए तत्पर रहेंगे।		X						
26. उनमें संप्रेषण की समुचित दक्षता होगी जिसके द्वारा वे अपने विचारों को प्रभावपूर्ण संप्रेषण करने में दक्ष होंगे।	X							
27. वे समुदाय के साथ अंतःक्रिया के दौरान सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के प्रति समानुभूति का भाव रखेंगे।				X				
28. वे शिक्षण और आकलन की समसामयिक तक नीतियों की विशेष जानकारी रखेंगे और उसके अनुरूप उसका अभ्यास करेंगे।		X			X			
29. वे विद्यार्थियों में व्याप्त विविधता का सम्मान करते हुए उसके समावेशन की ओर उन्मुख होंगे।				X				
30. वे क्षेत्र, जाति, संप्रदाय , जेंडर आदि की विविधताओं का शिक्षण और अन्य दायित्वों में समावेशन का प्रयास करेंगे।		X		X				

टिप्पणी:

7. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
8. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#]विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य सामाग्री	विवरण (APAFormat में)
1	आधार/पाठ्य-ग्रंथ	- बर्गर, पी.एल. व लकमैन (1975). दी सोशल कन्स्ट्रक्शन ऑफ रेयलिटी-ए ट्रिटीज इन द सोशियोलॉजी ऑफ नॉलेज. लंदन : पेंगुइन बुक्स - ब्रुक्स, जे जी व ब्रुक्स, एम.जी. (1999). इन सर्च ऑफ अंडरस्टैंडिंग : दि केस फॉर कन्स्ट्रक्टिविस्ट क्लासरूम. वर्जीनिया: एसोशिएशन फॉर सुपरविजन एंड कैरिकुलम डेवलपमेंट - फोसनॉट, सी.टी.(2005). कस्ट्रक्टिविज्म : थ्योरी, पर्सपेक्टिव अंड प्रैक्टिसेज. कोलम्बिया

		विश्वविद्यालय प्रैस मर्सर, एन. (1995). दि गाइडिंग कंस्ट्रक्शन ऑफ नॉलेज : टॉक एमंगस्ट टीचर्स अंड लर्नर्स.फिलाडेल्फिया:मल्टीलिंगवल मैटर्स
2	संदर्भ-ग्रंथ	- एनसीईआरटी. (2005). नेशनल करीकुलम फ्रेमवर्क-2005, नई दिल्ली - स्कैफ, जॉन. (2012). कन्स्ट्रक्टिविस्ट इन एक्शन : टीचिंग फॉर लर्निंग. रूटलेज - सेठ, श्याम किशोर व मिश्र, नीलिमा.(2011). ज्ञान-दर्शन. इलाहाबाद : लोकभारती प्रकाशन - वर्मा, अशोक कुमार. (2017). तत्वमीमांसा एवं ज्ञानमीमांसा. दिल्ली : मोतीलाल बनारसीदास
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)



3. पाठ्यचर्या का नाम: समावेशी विद्यालयी शिक्षा

(Name of the Course)

पाठ्यचर्या का कोड: बीईडी 11

(Code of the Course)

क्रेडिट: 4

4. सेमेस्टर: चतुर्थ

पाठ्यचर्या विवरण:

(Description of Course)

इकाई 1: समावेशी विद्यालय

-समावेशी विद्यालय की संकल्पना, निर्माण

-निःशक्त एवं विशिष्ट बालकों के समावेशन की संकल्पना, निःशक्तता की मनोसामाजिक

अवधारणा, मानसिक घटक, निःशक्तता के प्रतिमान

-समावेशी शिक्षा में आने वाली समस्याएँ

इकाई 2: राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986

-समावेशी शिक्षा के सन्दर्भ में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-1986 के उद्देश्य तथा सुझाव

-समानता के लिए शिक्षा, शारीरिक एवं मानसिक रूप से निःशक्त बालकों की शिक्षा

-अशक्त व्यक्ति के अधिकार, बालक के अधिकार, वैयक्तिक भिन्नताएँ

इकाई 3: शिक्षा का अधिकार 2009

-शिक्षा के अधिकार के उद्देश्य तथा सुझाव,

-शारीरिक एवं मानसिक रूप से निःशक्त बच्चों का सामान्य विद्यालयों में समावेश

-सर्व शिक्षा अभियान में समावेश

इकाई 4: समावेशी विद्यालयी शिक्षा में अंतर्भूत घटक

-समावेशी विद्यालय का अपेक्षित स्वरूप

-शिक्षार्थी की आवश्यकता के अनुसार शिक्षा में बदलाव

-प्रशासक, शिक्षक, बच्चा, समाज, वातावरण, शिक्षा नीति निर्माता आदि सभी की समावेशी शिक्षा में सहभागिता

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

- अध्येता समावेशी विद्यालयी संकल्पनाओं के आधार पर कक्षा शिक्षण में समावेशन हेतु उपयुक्त निर्मित करने में सक्षम होंगे।
- अध्येता समावेशी शिक्षण युक्तियों को विकसित कर उनके क्रियान्वयन में समर्थ होंगे।

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	60
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	00
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	00
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	00
कौशल विकास गतिविधियाँ	00
कुल क्रेडिटघंटे	60

- अध्येता पाठ्यचर्या क्रियान्वयन में समावेशी शिक्षा की अवधारणाओं का अनुप्रयोग करने में समर्थ होंगे।
- अध्येता समावेशी शिक्षा हेतु कक्षा कक्ष वातावरण निर्माण करने में समर्थ होंगे।
- अध्येता समावेशी शिक्षा में आने वाली समस्याओं का उचित उपायों द्वारा निराकरण में सक्षम होंगे।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	*ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	*संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	समावेशी विद्यालय: समावेशी विद्यालय की संकल्पना, निर्माण	3			3	5
मॉड्यूल-2	निःशक्त एवं विशिष्ट बालकों के समावेशन की संकल्पना, निःशक्तता की मनोसामाजिक अवधारणा, मानसिक घटक,	4			4	6.66
मॉड्यूल-3	निःशक्तता के प्रतिमान	4			4	6.66
मॉड्यूल-4	समावेशी शिक्षा में आने वाली समस्याएँ	4			4	6.66

मॉड्यूल-5	राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986: समावेशी शिक्षा के सन्दर्भ में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-1986 के उद्देश्य तथा सुझाव	4			4	6.66
मॉड्यूल-6	समानता के लिए शिक्षा, शारीरिक एवं मानसिक रूप से निःशक्त बालकों की शिक्षा	5			5	8.33
मॉड्यूल-7	अशक्त व्यक्ति के अधिकार, बालक के अधिकार, वैयक्तिक भिन्नताएँ	6			6	10
मॉड्यूल-8	शिक्षा का अधिकार 2009: शिक्षा के अधिकार के उद्देश्य तथा सुझाव,	5			5	8.33
मॉड्यूल-9	शारीरिक एवं मानसिक रूप से निःशक्त बच्चों का सामान्य विद्यालयों में समावेश	5			5	8.33
मॉड्यूल-10	सर्व शिक्षा अभियान में समावेश	5			5	8.33
मॉड्यूल-11	समावेशी विद्यालयी शिक्षा में	4			4	6.66

	अंतर्भूत घटक: समावेशी विद्यालय का अपेक्षित स्वरूप					
मॉड्यूल-12	शिक्षार्थी की आवश्यकता के अनुसार शिक्षा में बदलाव	4			4	6.66
मॉड्यूल-13	प्रशासक, शिक्षक, बच्चा, समाज, वातावरण, शिक्षा नीति निर्माता आदि सभी की समावेशी शिक्षा में सहभागिता	7			7	11.66
योग		60			60	100

* ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)- आवश्यकता अनुरूप/समय सारणी अनुरूप

* संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..- पाठ्यचर्या के ईकाई के विषय वस्तु के आवश्यकता अनुरूप

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अधिगम	विद्यार्थी केन्द्रित, निरमाणवादी अधिगम एवं अनु भाविक अधिगम
विधियाँ	व्याख्यान, प्रदत्त कार्य, वैयक्तिक एवं सामूहिक प्रस्तुति, व्याख्यान सह चर्चा, पैनल चर्चा, परियोजना, सेमिनार प्रस्तुति और विचार-विमर्श, आलोचनात्मक चिंतन, अधिगम संसाधन विकास पर कार्यशाला, प्रयोगशाला संलग्नता, प्रकरण अध्ययन
तकनीक	कम्प्यूटर सहायक तकनीकी, ई संसाधन, ई अधिगम
उपादान	प्रदत्त कार्य, परियोजना

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5
समावेशी विद्यालयी संकल्पनाओं के आधार पर कक्षा शिक्षण में समावेशन हेतु उपयुक्त निर्मित करने में सक्षम होंगे।	X	-	-	-	-
समावेशी शिक्षण युक्तियों को विकसित कर उनके क्रियान्वयन में समर्थ होंगे।	-	X	-	-	-
पाठ्यचर्या क्रियान्वयन में समावेशी शिक्षा की अवधारणाओं का अनुप्रयोग में समर्थ होंगे।	-	-	X	-	-
समावेशी शिक्षा हेतु कक्षा कक्ष वातावरण निर्माण में समर्थ होंगे।	-	-	-	X	-
समावेशी शिक्षा में आने वाली समस्याओं का उचित उपायों द्वारा निराकरण में सक्षम होंगे।	-	-	-	-	X

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#]विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदनलेखन	
निर्धारित अंक/प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	यादव, अखिलेश. (2017) समावेशी शिक्षा में शिक्षक अधिगम प्रक्रिया. पांडे, जयश्री. (2015) समावेशी शिक्षा नीति के समस्याएं अल्मोड़ा की लमगारा ब्लॉक का अवलोकन लर्निंग कब. अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी. कांडपाल, केवलानंद. (2012) शिक्षा में समावेशन: चुनौती एवं

		पहल.
2	संदर्भ-ग्रंथ	मदान ,अंकुर. (2014) समावेशन ही आगे बढ़ने का मार्ग है लर्निंग कव. अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी समावेशी शिक्षा.
3	ई-संसाधन	यू ट्यूब व्याख्यान, https://unacademy.com/lesson/smaaveshii-shikssaa-kii-avdhaarnnaa/71OE9RON
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष / निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)



महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

शिक्षा विभाग, शिक्षा विद्यापीठ

4. पाठ्यचर्या का नाम: प्रदर्शनकारी कला
(Name of the Course)

3. पाठ्यचर्या का कोड: बीईडी 12
(Code of the Course)

4. क्रेडिट: 2 4. सेमेस्टर: चतुर्थ

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)

इकाई 1.

- प्रदर्शनकारी कलाएं एवं उनका संक्षिप्त इतिहास
- शिक्षा के सन्दर्भ में प्रदर्शनकारी कलाओं का स्थान एवं महत्व
- प्रायोगिक अभ्यास - गायन प्रवेश-स्वर अभ्यास / वाद्य प्रवेश-स्वर अभ्यास / नाट्य प्रवेश-विषय-पत्र अभ्यास
- प्रायोगिक प्रदर्शन - गायन-स्वर प्रदर्शन / वाद्य-वादन प्रदर्शन / नाट्य-वाचन प्रदर्शन

इकाई 2.

- गायन, वादन, नृत्य एवं नाट्य के प्रकार एवं उनका संक्षिप्त परिचय
- लोक संगीत के विभिन्न आयाम
- प्रायोगिक अभ्यास - पद गायन एवं लय अभ्यास/ वाद्यों में बंदिशे एवं लय / नाट्य में विभिन्न घटकों का प्रयोग, लोक संगीत के किसी एक प्रकार का समुचित अभ्यास
- प्रायोगिक प्रदर्शन - पद गायन एवं लय प्रदर्शन / वाद्यों में बंदिशे एवं लय का प्रदर्शन / नाट्य में विभिन्न घटकों का प्रदर्शन, लोक संगीत/नाट्य के किसी एक प्रकार का समुचित प्रदर्शन

इकाई 3.

- स्वर, ठाठ एवं राग-शास्त्र का संक्षिप्त परिचय
- (प्रायोगिक- विभिन्न रागों को सुनना-सुनाना, एक परिचय)
- नाटक में धर्मिताएं
- काकु प्रयोग नाट्य एवं गायन के विशेष सन्दर्भ में
- विद्यालयी स्तर पर प्रदर्शनकारी कलाओं का प्रयोग शिक्षा के विशेष संदर्भ में तथा विद्यार्थियों द्वारा एक संक्षिप्त आलेख

इकाई 4.

- कला के विशेष सन्दर्भ में रस चर्चा

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	17
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	13
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	30

- भारतीय शास्त्रीय संगीत में गायन के विविध प्रकार
- उत्तर भारतीय एवं दक्षिण भारतीय संगीत में गायन की विभिन्न शैलियाँ का संक्षिप्त परिचय
- कक्षा अध्यापन में ललित कलाओं के प्रयोग के आधार पर एक प्रायोगिक एवं लिखित प्रोजेक्ट कार्य

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

- अध्येता कला एवं नाट्य शिक्षा की विभिन्न स्तर की कक्षाओं के प्रभावी आयोजन में सक्षम होंगे।
- अध्येता संगीत (गायन, वादन, नृत्य) के अंतरसंबंधों को समझकर उसे जीवन के विकास के साथ-साथ अधिगम प्रक्रिया में उनके प्रयोगों के लिए समर्थ होंगे।
- अध्येताशिक्षण अधिगम प्रक्रिया में गायन-स्वर प्रदर्शन / वाद्य-वादन प्रदर्शन / नाट्य –वाचन प्रदर्शन के आयामों को शैक्षिक विषय वस्तु के स्पष्टीकरण में प्रभावी रूप से उपयोग करने में समर्थ होंगे।
- अध्येता विद्यालयी स्तर पर प्रदर्शनकारी कलाओं का प्रयोग प्रभावी रूप में कर सकेंगे।
- कक्षा अध्यापन में ललित कलाओं के प्रयोग करने में समर्थ होंगे।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	*ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	*संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	प्रदर्शनकारी कलाएं एवं उनका संक्षिप्त इतिहास	2			2	6.66
मॉड्यूल-2	शिक्षा के सन्दर्भ में प्रदर्शनकारी कलाओं का स्थान एवं महत्व	2			2	6.66

मॉड्यूल-3	प्रायोगिक अभ्यास - गायन प्रवेश-स्वर अभ्यास / वाद्य प्रवेश- स्वर अभ्यास / नाट्य प्रवेश- विषय-पत्र अभ्यास			2	2	6.66
मॉड्यूल-4	प्रायोगिक प्रदर्शन – गायन-स्वर प्रदर्शन / वाद्य-वादन प्रदर्शन / नाट्य –वाचन प्रदर्शन			2	2	6.66
मॉड्यूल-5	गायन,वादन, नृत्य एवं नाट्य के प्रकार एवं उनका संक्षिप्त परिचय लोक संगीत के विभिन्न आयाम	3			3	5
मॉड्यूल-6	प्रायोगिक अभ्यास – पद गायन एवं लय अभ्यास/ वाद्यों में बंदिशे एवं लय / नाट्य में विभिन्न घटकों का प्रयोग, लोक संगीत के किसी एक प्रकार का समुचित अभ्यास			2	2	6.66

मॉड्यूल-7	प्रायोगिक प्रदर्शन - पद गायन एवं लय प्रदर्शन / वाद्यों में बंदिशे एवं लय का प्रदर्शन / नाट्य में विभिन्न घटकों का प्रदर्शन, लोक संगीत/नाट्य के किसी एक प्रकार का समुचित प्रदर्शन			2	2	6.66
मॉड्यूल-8	स्वर, ठाठ एवं राग- शास्त्र का संक्षिप्त परिचय	2			2	6.66
मॉड्यूल-9	प्रायोगिक- विभिन्न रागों को सुनना- सुनाना, एक परिचय			2	2	6.66
मॉड्यूल-10	नाटक में धर्मिताएं	2			2	6.66
मॉड्यूल-11	काकु प्रयोग नाट्य एवं गायन के विशेष सन्दर्भ में	2			2	6.66
मॉड्यूल-12	विद्यालयी स्तर पर प्रदर्शनकारी कलाओं का प्रयोग शिक्षा के विशेष संदर्भ में तथा विद्यार्थियोंद्वारा एक संक्षिप्त आलेख	1		1	2	6.66

मॉड्यूल-13	-कला के विशेष सन्दर्भ में रस चर्चा -भारतीय शास्त्रीय संगीत में गायन के विविध प्रकार	2			2	6.66
मॉड्यूल-14	-उत्तर भारतीय एवं दक्षिण भारतीय संगीत में गायन की विभिन्न शैलियाँ का संक्षिप्त परिचय -कक्षा अध्यापन में ललित कलाओं के प्रयोग के आधार पर एक प्रायोगिक एवं लिखित प्रोजेक्ट कार्य	1		2	3	5
योग		30			30	100

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अधिगम	विद्यार्थी केन्द्रित अधिगम एवं लर्निंग बाय डूइंग
विधियाँ	व्याख्यान, वैयक्तिक एवं सामूहिक प्रस्तुति, व्याख्यान-सह-चर्चा, सामूहिक विचार-विमर्श, प्रस्तुतिकरण, कार्यशाला

तकनीक	विभिन्न वाद्य यंत्र, इलेक्ट्रॉनिक संगीत यंत्र
उपादान	प्रदत्त कार्य, स्व अध्ययन सामाग्री, स्व- अभ्यास

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5
कला एवं नाट्य शिक्षा की विभिन्न स्तर की कक्षाओं के प्रभावी आयोजन में सक्षम होंगे।	X	-	-	-	-
संगीत (गायन, वादन, नृत्य) के अंतरसंबंधों को समझकर उसे जीवन के विकास के साथ-साथ अधिगम प्रक्रिया में प्रयोग हेतु समर्थ होंगे।	-	X	-	-	-
शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में गायन-स्वर प्रदर्शन / वाद्य-वादन प्रदर्शन / नाट्य –वाचन प्रदर्शन के आयामों को शैक्षिक विषय वस्तु के स्पष्टीकरण एवं उपयोग समर्थ होंगे।	-	-	X	-	-
विद्यालयी स्तर पर प्रदर्शनकारी कलाओं का प्रयोग करेंगे।	-	-	-	X	-
कक्षा अध्यापन में ललित कलाओं के प्रयोग में समर्थ होंगे।	-	-	-	-	X

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#]विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदनलेखन	
निर्धारित अंक/प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	मेहर, आर. कांटेक्टर. शिक्षा में सृजनात्मक नाटक एवं कठपुतली नर्तन, नई दिल्ली, नेशनल बुक ट्रस्ट. मेरी एंड दासगुप्ता: कम लागत बिना शिक्षण सहायक सामग्री, नई दिल्ली, नेशनल बुक ट्रस्ट. देवी प्रसाद, शिक्षा का वाहन कला, नई दिल्ली नेशनल बुक ट्रस्ट.
2	संदर्भ-ग्रंथ	एनसीईआरटी, कला संगीत और रंगमंच समूह के आधार पत्र, नई दिल्ली. एनसीईआरटी, सृजनात्मकता के लिए शिक्षा: अध्यापक प्रशिक्षकों के लिए शोध पुस्तक नई दिल्ली

		एनसीईआरटी, कला शिक्षा की शिक्षक संदर्शिका, नई दिल्ली
3	ई-संसाधन	https://shodhganga.inflibnet.ac.in/bitstream/10603/35228/6/06_chapter-1.pdf https://www.drishtias.com/hindi/images/dlp-demo/uppsc/gs-pack-3/Art-and-Culture.pdf http://www.indiaculture.nic.in/hi/dance
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष / निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)



5. पाठ्यचर्या का नाम. अस्मिता एवं आत्मबोध
(Name of the Course).

2. पाठ्यचर्या का कोड. बीईडी 13
(Code of the Course).

1. क्रेडिट: 2 4. सेमेस्टर: चतुर्थ

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	60
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	00
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	00
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	00
कुल क्रेडिटघंटे	60

इकाई 1: अस्मिता की अवधारणा

- समाजीकरण एवं 'स्व' का विकास, एक शिक्षक की पहचान, अस्मिता निर्माण एवं मनो-सामाजिक परिस्थितियाँ
- व्यक्तिगत विकास एवं अस्मिता विकास में पारस्परिक संबंध, अस्मिता विकास में संचार कौशल की भूमिका

इकाई 2: 'स्व' की पहचान

- स्व की पहचान का विकास, सांस्कृतिक पहचान, अकादमिक पहचान, वैयक्तिक पहचान
- छात्राध्यापक के रूप में पहचान का निर्माण, शिक्षक के रूप में 'स्व' का निर्माण, व्यक्तिभिन्नता की पहचान
- लिंग, रिलेशनल, सांस्कृतिक, अंतर्निहित मान्यताओं और रुढ़ियों से उत्पन्न पूर्वाग्रह

इकाई 3: अस्मिता और पहचान की समीक्षा

- अनुभवों की समीक्षा, सीमाएँ और क्षमता, अलग-अलग बच्चों के मामलों का अध्ययन/उनके जीवनी/कहानियों को साझा करना
- समकालीन किशोरावस्था/युवाओं के मुद्दे, अभिव्यक्ति के विभिन्न तरीके, चिन्तनशील पत्रिकाओं का विकास, पत्रिकाओं का इस्तेमाल

इकाई 4: अध्यापकीय पहचान की समीक्षा

- स्वयं के बारे में छात्राध्यापकों की समझ का विकास
- एक व्यक्ति के रूप में और एक शिक्षक के रूप में स्वयं का विकास
- व्यक्तिगत आख्यान, जीवन की कहानियाँ, समूह बातचीत, फिल्म समीक्षा आदि के माध्यम से शिक्षक अस्मिता की समझ
- सपनों, आकांक्षाओं, कविता सहित आत्माभिव्यक्ति के विविध रूपों के माध्यम से अस्मिता का निर्माण

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

3. भारतीय समाज की विशेषताओं को ध्यान में रखकर शिक्षक की विभिन्न भूमिकाओं की विवेचना में समर्थ होंगे।
4. शिक्षा की समकालीन परिस्थितियों में शिक्षक की अस्मिता के पहलुओं को जानने में समर्थ होंगे।
5. शिक्षक के रूप में अपनी अस्मिता को व्याख्यायित कर पाएंगे।
6. शिक्षा नीति 2020 को ध्यान में रखते हुए शिक्षक की भूमिका पर विचार कर पाएंगे।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या संपूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	समाजीकरण एवं 'स्व' का विकास, एक शिक्षक की पहचान,	4			4	6.66
मॉड्यूल-2	अस्मिता निर्माण एवं मनो-सामाजिक	6			6	10
मॉड्यूल-3	परिस्थितियाँ व्यक्तिगत विकास एवं अस्मिता विकास में पारस्परिक संबंध, अस्मिता विकास में संचार कौशल की भूमिका	5			5	8.33
मॉड्यूल-4	स्व की पहचान					

मॉड्यूल-5	का विकास, सांस्कृतिक पहचान, अकादमिक पहचान, वैयक्तिक पहचान	5			5	8.33
	छात्राध्यापक के रूप में पहचान का निर्माण, शिक्षक	4			4	6.66
मॉड्यूल-6	के रूप में 'स्व' का निर्माण, व्यक्ति भिन्नता की पहचान लिंग, रिलेशनल, सांस्कृतिक, अंतर्निहित मान्यताओं और रुढ़ियों से उत्पन्न पूर्वाग्रह	6			6	10
मॉड्यूल-7	अनुभवों की समीक्षा, सीमाएँ और क्षमता, अलग-अलग बच्चों के मामलों	5			5	8.33
मॉड्यूल-8	का अध्ययन/ उनके जीवनी/कहानियों को साझा करना	6			6	10
	समकालीन किशोरावस्था/युवाओं के मुद्दे, अभिव्यक्ति के विभिन्न तरीके, चिंतनशील पत्रिकाओं का विकास, पत्रिकाओं का इस्तेमाल	4			4	6.66

मॉड्यूल-9	स्वयं के बारे में छात्राध्यापकों की समझ का विकास					
मॉड्यूल-10	एक व्यक्ति के रूप में और एक शिक्षक के रूप में स्वयं का विकास	4			4	6.66
मॉड्यूल-11	व्यक्तिगत आख्यान, जीवन की कहानियाँ, समूह बातचीत, फिल्म समीक्षा आदि के माध्यम	4			4	6.66
	से शिक्षक अस्मिता की समझ	7			7	11.66
मॉड्यूल-12	सपनों, आकांक्षाओं, कविता सहित आत्माभिव्यक्ति के विविध रूपों के माध्यम से अस्मिता का निर्माण					
योग		60			60	100

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अधिगम	विद्यार्थी केंद्रित निर्माणवादी
विधियाँ	व्याख्यान, प्रदत्तकार्य, वैयक्तिक एवं सामूहिक प्रस्तुति
तकनीकी	कंप्यूटर सहायक तकनीकी, ई-कंटेंट,
उपादान	प्रदत्त कार्य, स्व-अध्ययन सामग्री

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5
1. अध्येता शिक्षण व्यवसाय के मूल्यों के अनुरूप अभ्यास कर पाएंगे।	X		X	X	X
2. वे अपने निर्णय व्यवहार और अभ्यास के द्वारा शिक्षण व्यवसाय के लिए निर्धारित कसौटियों का पूर्ण पालन करेंगे।	X			X	X
3. वे विद्यार्थियों के समग्र विकास की परिकल्पना को समझेंगे और तदनुरूप वे शिक्षार्थी केंद्रित शिक्षण विधियों का प्रभावपूर्ण प्रयोग करने में सक्षम होंगे।				X	X
4. वे ऐसे शोध उन्मुख कार्य कर सकेंगे जो शिक्षा और समाज के संबंध को समझने में मदद करें।		X			X
5. वे समसामयिक सूचना प्रौद्योगिकी एवं अन्य तकनीकों के माध्यम से प्रभाव प्रशिक्षण के लिए तत्पर रहेंगे।					X
6. उनमें संप्रेषण की समुचित दक्षता होगी जिसके द्वारा वे अपने विचारों को प्रभावपूर्ण संप्रेषण करने में दक्ष होंगे।			X		X
7. वे समुदाय के साथ अंतःक्रिया के दौरान सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के प्रति समनुभूति का भाव रखेंगे।	X				X
8. वे शिक्षण और आकलन की समसामयिक तक नीतियों की विशेष जानकारी रखेंगे और उसके अनुरूप उसका अभ्यास करेंगे।	X		X		X
9. वे विद्यार्थियों में व्याप्त विविधता का सम्मान करते हुए उसके समावेशन की ओर उन्मुख होंगे।	X	X	X		X
10. वे क्षेत्र, जाति, संप्रदाय, जेंडर आदि की विविधताओं का शिक्षण और अन्य दायित्वों में समावेशन का प्रयास करेंगे।	X	X	X		X

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#]विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य सामाग्री	विवरण (APAFormat में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	■ मंगल, एस.के. (2007). शिक्षा मनोविज्ञान. दिल्ली : प्रेंटिस हाल ऑफ इंडिया प्रा. लि. ■ गुप्ता, एस.पी. व गुप्ता अल्का.(2017). उच्चतर शिक्षा मनोविज्ञान. इलाहाबाद : शारदा पुस्तक भवन ■ सुलैमान, मोहम्मद. (2014). उच्चतर शिक्षा मनोविज्ञान. दिल्ली : मोतीलाल बनारसीदास ■ चौहान, रीता व पाठक, पी.डी. (2016). बाल्यावस्था एवं उसका विकास. आगरा : अग्रवाल पब्लिकेशन
2	संदर्भ-ग्रंथ	■ Ghosh, S. C. (2007). <i>History of education in India</i>.delhi: Rawat Publications.



महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
शिक्षा विभाग, शिक्षा विद्यापीठ

		■ NCERT (2006/7) National Focus Group Paper on Teacher Education. New Delhi: NCERT ■ NCTE (2009) National Curriculum Framework for Teacher Education.
3	ई-संसाधन	http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/shiksha_0003_18_03_16.Pdf
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)



महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

शिक्षा विभाग, शिक्षा विद्यापीठ

3. पाठ्यचर्या का नाम: जेंडर, विद्यालय और समाज
(Name of the Course)

4. पाठ्यचर्या का कोड:बीईडीई 03
(Code of the Course)

5. क्रेडिट: 4 4. सेमेस्टर: चतुर्थ

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)

इकाई 1: परिचय

- जेंडर, लिंग, जेंडर भूमिका, पितृसत्ता, स्त्रीत्व और पुरुषत्व, जेंडर रूढ़ियाँ, जेंडर विभेद
- जेंडर के मनोसामाजिक परिप्रेक्ष्य: धुर नारीवादी (रैडिकल), समाजवादी नारीवादी

इकाई 2: जेंडर आधारित समाजीकरण की प्रक्रिया

- जेंडर आधारित पहचान के विकास में परिवार, समुदाय, विद्यालय और अन्य सामाजिक संगठन कृत समाजीकरण की भूमिका का आलोचनात्मक अध्ययन
- भारतीय सन्दर्भ में हुए नृजातीय अध्ययन

इकाई 3: लड़कियों की शिक्षा

- असमानता और प्रतिरोध, भारत में महिला शिक्षा का इतिहास
- भारत में लड़कियों की शिक्षा की वर्तमान स्थिति व चुनौतियाँ
- स्त्रीवादी दृष्टिकोण से शिक्षा के अवसरों की असमानता की व्याख्या
- मीडिया और अन्य लोकप्रिय माध्यमों की भूमिका का विश्लेषण

इकाई 4: विद्यालयों में जेंडर असमानता

- स्कूली अनुभवों जैसे पाठ्यचर्या, शिक्षणशास्त्र और विद्यालयी गतिविधियों की स्त्रीवादी दृष्टि से व्याख्या
- जेंडर के सन्दर्भ में प्रचलित पाठ्यक्रम, कक्षागत प्रक्रियाओं द्वारा जेंडर रूढ़ियों का पुनर्बलन
- जेंडर संवेदनशील शिक्षाशास्त्र, जेंडर की दृष्टि से विद्यालयी अनुभवों पर मनन और युक्तियाँ, शिक्षकों की संवेदनशीलता

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

- जेंडर समानता के प्रति संवेदनशीलता का विकास करेंगे।
- जेंडर रूढ़ियाँ को दूर करने के उपायों को पाठ्यचर्या में शामिल करने में सक्षम होंगे।
- जेंडर शिक्षण युक्तियों को विकसित कर उनके क्रियान्वयन में समर्थ होंगे।

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	60
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

- जेंडर असमानता और प्रतिरोध की अवधारणों को समझ कर विद्यालय एवं समाज में समानता के व्यवहार का प्रचार एवं अनुसरण करने में समर्थ होंगे।
- जेंडर शिक्षा के मूल अवधारणा को कक्षा कक्ष वातावरण में क्रियान्वित करने में समर्थ होंगे।
- विद्यालय में जेंडर समानता को लागू करने में आने वाली समस्याओं का उचित उपायों द्वारा निराकरण में सक्षम होंगे।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	*ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	*संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	परिचय जेंडर, लिंग, जेंडर भूमिका	3			3	5
मॉड्यूल-2	पितृसत्ता, स्त्रीत्व और पुरुषत्व	3			3	5
मॉड्यूल-3	जेंडररूढ़ियाँ, जेंडर विभेद	3			3	5
मॉड्यूल-4	जेंडर के मनोसामाजिक परिप्रेक्ष्य: धुर नारीवादी (रैडिकल)	3			3	5
मॉड्यूल-5	मनोसामाजिक परिप्रेक्ष्य: समाजवादीनारीवादी	3			3	5
मॉड्यूल-6	जेंडर आधारित समाजीकरण की	8			8	13.33

	प्रक्रिया जेंडर आधारित पहचान के विकास में परिवार, समुदाय, विद्यालय और अन्य सामाजिक संगठन कृत समाजीकरण की भूमिका का आलोचनात्मकअध्य यन					
मॉड्यूल-7	भारतीय सन्दर्भ में हुए नृजातीय अध्ययन	7			7	11.66
मॉड्यूल-8	लड़कियों की शिक्षा असमानता और प्रतिरोध, भारत में महिला शिक्षा का इतिहास	4			4	6.66
मॉड्यूल-9	भारत में लड़कियों की शिक्षा की वर्तमान स्थिति व् चुनौतियां	4			4	6.66
मॉड्यूल-10	स्त्रीवादी दृष्टिकोण से शिक्षा के अवसरों की असमानता की व्याख्या	4			4	6.66
मॉड्यूल-11	मीडिया और अन्य लोकप्रिय माध्यमों की भूमिका का विश्लेषण	3			3	5
मॉड्यूल-12	विद्यालयों में जेंडर असमानता	4			4	6.66

	स्कूली अनुभवों जैसे पाठ्यचर्या, शिक्षणशास्त्र और विद्यालयी गतिविधियों की स्त्रीवादी दृष्टि से व्याख्या					
मॉड्यूल-13	जेंडर के सन्दर्भ में प्रचलित पाठ्यक्रम, कक्षागत प्रक्रियाओं द्वारा जेंडरुद्धियों का पुनर्बलन	4			4	6.66
मॉड्यूल-14	जेंडर संवेदनशील शिक्षाशास्त्र और युक्तियाँ	3			3	5
मॉड्यूल-15	जेंडर की दृष्टि से विद्यालयी अनुभवों पर मनन	2			2	3.33
मॉड्यूल-16	शिक्षकों की संवेदनशीलता	2			2	3.33
योग		60			60	100

* ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)- आवश्यकता अनुरूप/समय सारणी अनुरूप

* संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला...- पाठ्यचर्या के ईकाई के विषय वस्तु के आवश्यकता अनुरूप

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अधिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अधिगम	विद्यार्थी केन्द्रित, निर्माणवादी अधिगम एवं अनु भाविक अधिगम
विधियाँ	व्याख्यान, व्याख्यान-सह-चर्चा, विचार विमर्श, समूह परिचर्चा, प्रस्तुतिकरण, संगोष्ठी, कार्यशाला, दलीय परिचर्चा, प्रदर्शन

तकनीक	कम्प्यूटर सहायक तकनीकी, ई संसाधन, ई अधिगम
उपादान	प्रदत्त कार्य, परियोजना, वैयक्तिक एवं सामूहिक प्रस्तुति

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6
जेंडर समानता के प्रति संवेदनशीलता का विकास करेंगे।	X	-	-	-	-	-
जेंडर रूढ़ियाँ को दूर करने के उपायों को पाठ्यचर्या में शामिल करने में सक्षम होंगे।	-	X	-	-	-	-
जेंडर शिक्षण युक्तियों को विकसित कर उनके क्रियान्वयन में समर्थ होंगे।	-	-	X	-	-	-
जेंडर असमानता और प्रतिरोध की अवधारणों को समझ कर विद्यालय एवं समाज में समानता के व्यवहार का प्रचार एवं अनुसरण करने समर्थ होंगे।	-	-	-	X	-	-
जेंडर शिक्षा की मूल अवधारणा को कक्षा कक्ष वातावरण में क्रियान्वित करने में समर्थ होंगे।	-	-	-	-	X	-
विद्यालय में जेंडर समानता को लागू करने में आने वाली समस्याओं का उचित उपायों द्वारा निराकरण में सक्षम होंगे।	-	-	-	-	-	X

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#]विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदनलेखन	
निर्धारित अंक/प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	सिंह, अमिता (2015), “लिंग एवं समाज” दिल्ली, विवेक प्रकाशन भसीन, कमला, (2000), अंडरस्टैंडिंग जेंडर, कली फोर वूमैन, नई दिल्ली सिंह, वी.एन, सिंह जनमे जय (2013), नारीवाद, जयपुर, रावत प्रकाशन. मिश्रा, एस.के. एवं मिश्रा, ए. (2016). लिंग, विद्यालय और समाज. प्रथम संस्करण, मेरठ: आर. लाल बुक डिपो.
2	संदर्भ-ग्रंथ	टॉग, रोजमैरी, फै(1989), मिनिस्ट थॉट ए कॉम्प्रिहेंसिव इंट्रोडक्शन, रॉटलैज, लंदन. मेनन, निवेदिता, (2012), सीइंग लाइक ए फैमिनिस्ट, नई दिल्ली, पैग्विन बुक्स, जुबान. ‘शिक्षा में जेंडर विमर्श’ राष्ट्रीय फोकस समूह का आधार-पत्र (2008). नई दिल्ली: एन.सी.आर.टी.



महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
शिक्षा विभाग, शिक्षा विद्यापीठ

3	ई-संसाधन	Gouri Srivastava, Gender Concerns in Education, http://www.ncert.nic.in/departments/nic/dse/activities/advisory_board/PDF/Genderconcerns.pdf http://el.doccentre.info/eldoc/n00_/01jul96SOA2.pdf : SOCIALACTION VOL. 46 JULY-SEPT. 1996, Curriculum and Gender Question: The Indian Experience Saroj Pandey http://www.bdu.ac.in/cde/docs/ebooks/B.Ed/II/GENDER,%20SCHOOL,%20SOCIETY%20AND%20INCLUSIVE%20SCHOOL.pdf



महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
शिक्षा विभाग, शिक्षा विद्यापीठ

विस्तृत पाठ्य विवरण

(Detailed Syllabus)

शिक्षाशास्त्र में स्नातकोत्तर – एम.ए. (शिक्षाशास्त्र)

Master of Arts (M.A.) - Education

सत्र 2020-22

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यचर्या संरचना

Learning Outcome Based Curriculum Framework



ज्ञान शांति मैत्री

शिक्षा विद्यापीठ

(School of Education)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

पोस्ट - हिंदी विश्वविद्यालय, गाँधी हिल्स, वर्धा, महाराष्ट्र - 442001

www.hindivishwa.org

पाठ्यक्रम-विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Teaching Programme

1. विभाग/केंद्र का नाम : शिक्षा विभाग
(Name of the Department/Centre): Department of Education
2. पाठ्यक्रम का नाम : एम. ए. शिक्षाशास्त्र
(Name of the Programme): Master of Arts (M.A.) Education
3. पाठ्यक्रम कोड:
(Code of the Programme)
4. अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs):
(Programme Learning Outcomes)
(विभाग प्रत्येक पाठ्यक्रम के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख अधिकतम 200 शब्दों में करेगा)

ज्ञान संबंधी	कौशल/दक्षता संबंधी	रोजगार संबंधी
- ज्ञानानुशासन के रूप में शिक्षा शास्त्र की व्यापक और गहन समझ का विकास करना - भारतीय सन्दर्भ में शिक्षा की भूमिका के प्रति सजग आलोचनात्मक दृष्टि का विकास करना - शिक्षा एवं राष्ट्रीय विकास के बीच संबंधों को समझना - ज्ञानमीमांसा के आधार पर शिक्षा की समझ विकसित करना	- सिद्धान्त और अनुभव से अर्जित सूझ द्वारा शिक्षा की चुनौतियों और विमर्शों के विश्लेषण की क्षमता का विकास करना - राष्ट्रीय आवश्यकता के अनुसार वर्तमान शैक्षिक व्यवस्था में अपना योगदान सुनिश्चित करना - शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में तकनीकी के समावेश द्वारा अधिगम की कुशलता विकसित करना	- शिक्षा शास्त्र के ज्ञानानुशासन में शोध की क्षमता का विकास - शिक्षक प्रशिक्षण एवं शैक्षिक व्यवसाय से जुड़े अन्य क्षेत्रों जैसे शोध, शैक्षिक नियोजन, शैक्षिक प्रशासन आदि क्षेत्रों में कुशल अध्ययताओं का विकास करना

5. पाठ्यक्रम संरचना (Programme Structure):

- प्रति सेमेस्टर पाठ्यचर्या (Course)
- क्रेडिट (01 क्रेडिट के लिए प्रति सप्ताह 01 घंटे की कक्षा; तदनु रूप पाठ्य-सामग्री का निर्धारण करें)
- शिक्षण एवं अन्य गतिविधियों के लिए निर्धारित घंटों का विवरण

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम हेतु प्रस्तावित पाठ्यचर्या संरचना

सेमेस्टर	मूल पाठ्यचर्या (Core Course)	ऐच्छिक पाठ्यचर्या (Elective Course)	योग
पहला सेमेस्टर	04 X 04= 16 क्रेडिट	02 X 03 अथवा 04 X 01 02 X 01 = 06 क्रेडिट	22 क्रेडिट
दूसरा सेमेस्टर	04 X 04= 16 क्रेडिट	02 X 03 अथवा 04 X 01 02 X 01 = 06 क्रेडिट	22 क्रेडिट
तीसरा सेमेस्टर	04 X 04= 16 क्रेडिट	02 X 04 अथवा 04 X 02 = 08 क्रेडिट	24 क्रेडिट
चौथा सेमेस्टर	04 X 04= 16 क्रेडिट	02 X 03 अथवा 04 X 01 02 X 01 = 06 क्रेडिट	22 क्रेडिट
कुल क्रेडिट	64 क्रेडिट	26 क्रेडिट	90 क्रेडिट

टिप्पणी-

1. मूल पाठ्यचर्या संबंधित विभाग/केंद्र द्वारा संचालित उपाधि पाठ्यक्रम से संबद्ध होगी।
2. विभागों से अपेक्षा होगी कि वे अपने मूल पाठ्यक्रम के साथ-साथ संबद्ध ज्ञानानुशासनो के विद्यार्थियों के लिए आधारभूत/विशिष्ट ऐच्छिक पाठ्यचर्याएँ उपलब्ध कराएंगे। ये पाठ्यचर्याएँ 02 या 02 क्रेडिट के गुणकों में हो सकती हैं।
3. स्नातकोत्तर स्तर पर विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अनुमोदित MOOCs अथवा किसी अन्य ऑनलाइन प्लेटफॉर्म अथवा विश्वविद्यालय से अधिकतम 18 क्रेडिट की ऐच्छिक पाठ्यचर्याओं के चयन करने की सुविधा होगी।

स्नातक पाठ्यक्रम हेतु पाठ्यचर्या संरचना

विषय समूह	पहला सेमेस्टर	दूसरा सेमेस्टर	तीसरा सेमेस्टर	चौथा सेमेस्टर	पांचवा सेमेस्टर	छठा सेमेस्टर
	कंप्यूटर दक्षता (अतिरिक्त अनिवार्य-1)	पर्यावरण (अनिवार्य-1)	भारतीय संविधान एवं मानवाधिकार (अनिवार्य-2)	भाषा अभिप्रेरण पाठ्यचर्या विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध करायी गयी भाषाओं (हिंदी के अतिरिक्त) में से कोई एक भाषा (अतिरिक्त अनिवार्य-2)	भारतीय संस्कृति (अनिवार्य-3)	भारतीय चिंतक (अनिवार्य-4)
	04 क्रेडिट	04 क्रेडिट	04 क्रेडिट	04 क्रेडिट	02 क्रेडिट	02 क्रेडिट
अनिवार्य (हिंदी)	समूह क 06 क्रेडिट	समूह क 06 क्रेडिट	समूह क 06 क्रेडिट	समूह क 06 क्रेडिट	समूह क 09 क्रेडिट	समूह क 09 क्रेडिट

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वरधा

शिक्षा विभाग, शिक्षा विद्यापीठ

विकल्प 1	समूह ख 06 क्रेडिट	समूह ख 06 क्रेडिट	समूह ख 06 क्रेडिट	समूह ख 06 क्रेडिट	कोई एक चयनित विषय 09+ 09=18 क्रेडिट	
	समूह ग 06 क्रेडिट	समूह ग 06 क्रेडिट	समूह ग 06 क्रेडिट	समूह ग 06 क्रेडिट		
विकल्प 2	समूह ग 12 क्रेडिट	समूह ग 12 क्रेडिट	समूह ग 12 क्रेडिट	समूह ग 12 क्रेडिट	कोई एक चयनित विषय 09+ 09=18 क्रेडिट	
	18 क्रेडिट	22 क्रेडिट	22 क्रेडिट	18 क्रेडिट	20 क्रेडिट	20 क्रेडिट
कुल क्रेडिट : 120 क्रेडिट+ 08 अतिरिक्त क्रेडिट						

स्नातक पाठ्यक्रम हेतु विषय समूह विवरण

समूह-क	समूह-ख	समूह-ग	अनिवार्यपाठ्यचर्या	अतिरिक्त अनिवार्यपाठ्यचर्या*
हिंदी (भाषा एवं साहित्य)	1. संस्कृत 2. मराठी 3. उर्दू 4. अंग्रेज़ी 5. फ्रांसीसी 6. स्पैनिश 7. जापानी 8. चीनी	1. भाषाविज्ञान 2. इतिहास/राजनीतिविज्ञान 3. समाजशास्त्र/मानवविज्ञान 4. मनोविज्ञान/दर्शनशास्त्र	1. पर्यावरण 2. भारतीय संविधान एवं मानवाधिकार 3. भारतीय संस्कृति 4. भारतीय चिंतक	1. कंप्यूटर दक्षता 2. भाषा अभिप्रेरण पाठ्यचर्या (* स्नातक उपाधि के लिए 50% अंकों के साथ इन्हें उत्तीर्ण करना अनिवार्य होगा, किंतु इनके अंक/क्रेडिट मुख्य परीक्षा परिणाम में सम्मिलित नहीं होंगे।)

टिप्पणी:

- समूह-क सभी विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य है।
- विद्यार्थी समूह-ख एवं समूह-ग से एक-एक विषय का चयन कर सकते हैं अथवा समूह-ग में उपरिलिखित विषयों में से किन्हीं दो विषयों का चयन कर सकते हैं। विद्यार्थी किसी भी स्थिति में समूह-ख से 2 विषयों का चयन नहीं कर सकेंगे।

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1. पाठ्यचर्याका नाम: शिक्षा के दार्शनिक आधार

(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्याका कोड: शिक्षा 001

(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 4

(Credit)

4. सेमेस्टर: प्रथम

(Semester)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	60
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण:

(Description of Course)

इकाई 1: शिक्षा का दर्शन: प्रकृति, विशेषताएँ, विधियाँ और विषयवस्तु ; शिक्षा-दर्शन और शिक्षा सिद्धान्त; ज्ञानमीमांसा के पक्ष: ज्ञान, सूचना, मतारोपण, शिक्षण और शिक्षा

इकाई 2: प्रमुख उपागम: प्रकृतिवाद, आदर्शवाद, प्रयोजनवाद, यथार्थवाद अस्तित्ववाद,

इकाई 3: प्रमुख आधुनिक विचारक: रूसो, ड्यूई, पाउलो फ्रेरे, इवान इलिच

इकाई 4: भारतीय दार्शनिक विचार और विचारक: वेदान्त, जैन और बौद्ध; प्रमुख भारतीय विचारक: महात्मा गाँधी, रबीन्द्र नाथ टैगोर, स्वामी विवेकानन्द, श्री अरविन्द, कृष्णमूर्ति

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

- शिक्षा के दार्शनिक परिप्रेक्ष्य एवं प्रमुख चिंतकों के विचारों को ग्रहण करेंगे एवं उसकी विवेचना कर सकेंगे।
- भारतीय एवं पाश्चात्य दार्शनिकों के विचारों की तुलना कर सकेंगे।
- शिक्षा के दार्शनिक विचारों की व्याख्या करने में समर्थ हो सकेंगे।
- वर्तमान शिक्षा में दर्शन संबंधी विचारों की भूमिका का विश्लेषण कर सकेंगे।
- प्रमुख वादों के आधार पर शिक्षा की आलोचनात्मक दृष्टि को विकसित कर सकेंगे।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	शिक्षा का दर्शन: प्रकृति, विशेषताएँ, विधियाँ और विषयवस्तु	6			6	10
मॉड्यूल-2	शिक्षा-दर्शन और शिक्षा सिद्धान्त	4			4	6.66
मॉड्यूल-3	ज्ञानमीमांसा के पक्ष: ज्ञान, सूचना, मतारोपण, शिक्षण और शिक्षा	5			5	8.33

मॉड्यूल-4	शैक्षिक दर्शन के प्रमुख उपागम: प्रकृतिवाद, आदर्शवाद,	6			6	10
मॉड्यूल-5	प्रयोजनवाद, यथार्थवाद,	5			5	8.33
मॉड्यूल-6	अस्तित्ववाद	4			4	6.66
मॉड्यूल-7	प्रमुख आधुनिक विचारक: रूसो, ड्यूई	7			7	11.66
मॉड्यूल-8	पाउलो फ्रेरे	4			4	6.66
मॉड्यूल-9	इवान इलिच	4			4	6.66
मॉड्यूल-10	भारतीय दार्शनिक विचार और विचारक: वेदान्त, जैन और बौद्ध	5			5	8.33
मॉड्यूल-11	प्रमुख भारतीय विचारक: महात्मा गाँधी, रबीन्द्र नाथ टैगोर	5			5	8.33
मॉड्यूल-12	स्वामी विवेकानन्द, श्री अरविन्द, कृष्णमूर्ति	5			5	8.33
योग		60			60	100

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केंद्रित निर्माणवादी
विधियाँ	व्याख्यान, प्रदत्तकार्य, वैयक्तिक एवं सामूहिक प्रस्तुति
तकनीक	कंप्यूटर सहायक तकनीकी, ई-कॉन्टेंट,
उपादान	प्रदत्त कार्य, स्व-अध्ययन सामग्री

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5
ज्ञानानुशासन के रूप में शिक्षा शास्त्र की व्यापक और गहन समझ का विकास करना	X	X	X	X	X
भारतीय सन्दर्भ में शिक्षा की भूमिका के प्रति सजग आलोचनात्मक दृष्टि का विकास करना	X	X	X	X	X
शिक्षा एवं राष्ट्रीय विकास के बीच संबंधों को समझना					
ज्ञानमीमांसा के आधार पर शिक्षा की समझ विकसित करना	X	X			
सिद्धान्त और अनुभव से अर्जित सूझ द्वारा शिक्षा की चुनौतियों और विमर्शों के विश्लेषण की क्षमता का विकास करना					
राष्ट्रीय आवश्यकता के अनुसार वर्तमान शैक्षिक व्यवस्था में अपना योगदान सुनिश्चित करना					
शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में तकनीकी के समावेश द्वारा अधिगम की कुशलता विकसित करना					
शिक्षा शास्त्र के ज्ञानानुशासन में शोध की क्षमता का विकास	X	X			
शिक्षक प्रशिक्षण एवं शैक्षिक व्यवसाय से जुड़े अन्य क्षेत्रों जैसे शोध, शैक्षिक नियोजन, शैक्षिक प्रशासन आदि क्षेत्रों में कुशल अध्ययताओं का विकास करना			X		

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार *	सत्रीय-पत्र #	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	- चाँदकिरण, शिक्षा – दार्शनिकपरिप्रेक्ष्य, हिंदीमाध्यम कार्यान्वयननिदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली - कमला प्रसाद पाण्डेय, शिक्षण अधिगम की तकनालॉजी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी - आर. पी. पाठक, शिक्षा के दार्शनिक एवं समाजशास्त्रीय सिद्धांत - रामसकल पाण्डेय, शिक्षा के दार्शनिक एवं समाजशास्त्रीय पृष्ठभूमि, अग्रवाल पब्लिकेशन्स, आगरा - पी. डी. पाठक, शिक्षा मनोविज्ञान, अग्रवाल पब्लिकेशन्स, आगरा - रामसकल पाण्डेय (2008), शिक्षा की दार्शनिक एवं समाजशास्त्रीय पृष्ठभूमि, अग्रवाल पब्लिकेशन्स, आगरा - जे.सी अग्रवाल (2010) शिक्षा व्यवस्था का आधार तथा प्रबन्धन, आगरा, अग्रवाल पब्लिकेशन्स, आगरा - स्वरूप सक्सेना एन.आर. चतुर्वेदी शिल्पा, कुमार धर्मेन्द्र, उदीयमान भारतीय समाज में शिक्षक, आर लाल बुक डिपो, मेरठ

		- डार्लिंग किडरस्ले (2012), उदीयमान भारतीय समाज में शिक्षा, नई दिल्ली, डार्लिंग किडरस्ले प्रा. लि. नई दिल्ली - एन. पी. सिंह (2010) शिक्षा दर्शन, दिल्ली, नीलकमल प्रकाशन, दिल्ली - ओम प्रकाश गर्ग, चतुर्वेदी सुधा अधिगम का मनोसामाजिक आधार एवं शिक्षा प्रकाशन, जयपुर - भावे, विनोबा. (2016). शिक्षण विचार, वाराणसी: सर्व सेवा संघ प्रकाशन. - शिशिर, कर्मेन्दु. (2013). भारतीय नवजागरण और समकालीन संदर्भ, दिल्ली: नयी किताब. - रूहेला, सत्यपाल. (2012). भारतीय शिक्षा का समाजशास्त्र, जयपुर: राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी. - अखिलेश. (2012). शिक्षा के दार्शनिक समाजशास्त्रीय आधार, मेरठ: वसुधा प्रिंटर्स. - धर्मपाल, (2007). गांधी को समझें, अहमदाबाद: पुनरुत्थान ट्रस्ट. - धर्मपाल, (2007). रमणीय वृक्ष: १८वीं शताब्दी में भारतीय शिक्षा, अहमदाबाद: पुनरुत्थान ट्रस्ट. सान्याल, एम. (1986) “रामकृष्ण मिशन एवं समकालीन भारतीय शिक्षा पर इसका प्रभाव” फिफ्थ सर्वे आफ रिसर्च इन एजुकेशन, (Vol.1), (1988-1982), नई दिल्ली, एन.सी.ई.आर.टी.
2	संदर्भ-ग्रंथ	- मिश्र, स्वतंत्र. (2015). शिक्षा भरा पूरा अकाल, दिल्ली: अनन्य प्रकाशन. - राजपूत, जे.एस. (2007). शिक्षा एवं इतिहास, नई दिल्ली: किताबघर प्रकाशन. - गुप्ता, एस. पी. और गुप्ता, ए. (2015). भारतीय शिक्षा का इतिहास, विकास एवं समस्याएं, इलाहाबाद: शारदा पुस्तक भवन.

		■ मिश्रा, ऊषा.(2014). शिक्षा का समाजशास्त्र, इलाहाबाद: अनुभव पब्लिशिंग हाउस.चौबे, एस.पी. एवं चौबे, ■ पाण्डेय, आर. (2014). भारत में शिक्षा व्यवस्था का विकास,आगरा: अग्रवाल पब्लिकेशन. ■ S.K. Maugul, (2006) Advanced Educational Psychology, prentice Hall of India, New Delhi
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1. पाठ्यचर्याका नाम: शिक्षा के समाजशास्त्रीय आधार
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्याकाकोड: शिक्षा 002
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 4
(Credit)

4. सेमेस्टर: प्रथम
(Semester)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	60
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)

इकाई 1: शिक्षा का समाजशास्त्र: सैद्धान्तिक उपागम: प्रकार्यवाद, संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद; समाजशास्त्र के प्रमुख सम्प्रत्यय: समाजीकरण, संस्कृति, सामाजिक गतिशीलता, आधुनिकता, समता और समानता

इकाई 2: शिक्षा और सामाजिक स्तरीकरण: सामाजिक स्तरीकरण की सम्प्रत्ययात्मक समझ, भेदभाव और असमानता, जेण्डर, जाति और वर्ग के सन्दर्भ में सामाजिक स्तरीकरण के निहितार्थ

इकाई 3: सामाजिक संगठनों के रूप में विद्यालय: समाजीकरण का अभिकर्ता, राज्य के एक उपकरण के रूप में, सांस्कृतिक पुनरुत्पादन के उपकरण के रूप में विद्यालय

इकाई 4: शिक्षा और आधुनिकता: आधुनिकता और आधुनिकीकरण की अवधारणा, समाज के आधुनिकीकरण में शिक्षा की भूमिका, वर्तमान शिक्षा व्यवस्था में आधुनिकता के लक्षण और समुदाय से इसका सम्बन्ध

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थी प्रमुख सैद्धान्तिक उपागमों को जानने में समर्थ हो सकेंगे।
- सामाजिक स्तरीकरण की अवधारणा से परिचित हो सकेंगे एवं शिक्षा के संबंध में उसके निहितार्थ को व्याख्यायित कर सकेंगे।
- विद्यालय की भूमिका का विश्लेषण व विवेचन कर सकेंगे।
- आधुनिकीकरण की प्रक्रिया में शिक्षा की भूमिका का मूल्यांकन कर सकेंगे।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु(Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	शिक्षा के समाजशास्त्र का सैद्धान्तिक उपागम: प्रकार्यवाद, संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद;	6			6	10
मॉड्यूल-2	समाजशास्त्र के प्रमुख सम्प्रत्यय: समाजीकरण, संस्कृति, सामाजिक गतिशीलता,	5			5	8.33
मॉड्यूल-3	आधुनिकता, समता और समानता	4			4	6.66
मॉड्यूल-4	शिक्षा और सामाजिक स्तरीकरण: सामाजिक स्तरीकरण की सम्प्रत्ययात्मक	6			6	10

	समझ					
मॉड्यूल-5	भेदभाव और असमानता	4			4	6.66
मॉड्यूल-6	जेण्डर, जाति और वर्ग के सन्दर्भ में सामाजिक स्तरीकरण के निहितार्थ	5			5	8.33
मॉड्यूल-7	सामाजिक संगठनों के रूप में विद्यालय: समाजीकरण का अभिकर्ता,	5			5	8.33
मॉड्यूल-8	राज्य के एक उपकरण के रूप में	5			5	8.33
मॉड्यूल-9	सांस्कृतिक पुनरुत्पादन के उपकरण के रूप में विद्यालय	5			5	8.33
मॉड्यूल-10	शिक्षा और आधुनिकता: आधुनिकता और आधुनिकीकरण की अवधारणा	6			6	10
मॉड्यूल-11	समाज के आधुनिकीकरण में शिक्षा की भूमिका,	5			5	8.33
मॉड्यूल-12	वर्तमान शिक्षा व्यवस्था में आधुनिकता के लक्षण और समुदाय से इसका सम्बन्ध	4			4	6.66
योग		60			60	100

टिप्पणी:

- माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
- प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केंद्रित निर्माणवादी
विधियाँ	व्याख्यान, प्रदत्तकार्य, वैयक्तिक एवं सामूहिक प्रस्तुति

तकनीक	कंप्यूटर सहायक तकनीकी, ई-कंटेंट,
उपादान	प्रदत्त कार्य, स्व-अध्ययन सामग्री

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5
ज्ञानानुशासन के रूप में शिक्षा शास्त्र की व्यापक और गहन समझ का विकास करना	X			X	X
भारतीय सन्दर्भ में शिक्षा की भूमिका के प्रति सजग आलोचनात्मक दृष्टि का विकास करना	X			X	X
शिक्षा एवं राष्ट्रीय विकास के बीच संबंधों को समझना	X			X	X
ज्ञानमीमांसा के आधार पर शिक्षा की समझ विकसित करना	X				
सिद्धान्त और अनुभव से अर्जित सूझ द्वारा शिक्षा की चुनौतियों और विमर्शों के विश्लेषण की क्षमता का विकास करना	X				
राष्ट्रीय आवश्यकता के अनुसार वर्तमान शैक्षिक व्यवस्था में अपना योगदान सुनिश्चित करना	X		X		
शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में तकनीकी के समावेश द्वारा अधिगम की कुशलता विकसित करना		X			
शिक्षा शास्त्र के ज्ञानानुशासन में शोध की क्षमता का विकास		X			
शिक्षक प्रशिक्षण एवं शैक्षिक व्यवसाय से जुड़े अन्य क्षेत्रों जैसे शोध, शैक्षिक नियोजन, शैक्षिक प्रशासन आदि क्षेत्रों में कुशल अध्ययताओं का विकास करना		X			

टिप्पणी:

3. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
4. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#] विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	■ दूबे, श्यामचरण. (2000). शिक्षा, समाज और भविष्य. दिल्ली : राधाकृष्ण प्रकाशन प्रा. लि. ■ शर्मा, रामनाथ व शर्मा, राजेंद्र कुमार. (2006). शैक्षिक समाजशास्त्र. दिल्ली : अटलांटिक पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्रा. लि. ■ लाल, रमन बिहारी व पलोड़, सुनीता. (2010). शैक्षिक चिंतन एवं प्रयोग. मेरठ: आर. लाल बूक डिपो ■ गुप्ता, एस.पी., व गुप्ता, अल्का. (2015). भारतीय शिक्षा का इतिहास, विकास एवं समस्याएँ. इलाहाबाद : शारदा पुस्तक भवन ■ Chanana, Karuna (2001) <i>Interrogating women's education: bounded visions, expanding horizons</i>. Jaipur and New Delhi: Rawat ■ Deshpande, S. (2014). <i>The problem of caste</i>. New Delhi: Orient Blackswan ■ Ghosh, S. C. (2007). <i>History of education in India</i>.delhi: Rawat Publications. ■ NCERT (2006/7) National Focus Group Paper on the Problems of Scheduled Castes and Scheduled Tribes; National Focus Group Paper on Gender. New Delhi: NCERT - NCTE (2009) National Curriculum Framework for Teacher Education.
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

1. पाठ्यचर्याका नाम: शिक्षा के मनोवैज्ञानिक आधार : व्यक्तित्व, स्व और संवेग
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: शिक्षा 003
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 4
(Credit)

4. सेमेस्टर: प्रथम
(Semester)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	60
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)

इकाई 1: मानव विकास की समझ: विकास की अवधारणा और विमर्श; भारत के मनोसामाजिक परिवेश के सन्दर्भ में बाल्यावस्था, किशोरावस्था और प्रारम्भिक प्रौढ़ावस्था का बोध; विकास के कुछ महत्वपूर्ण सिद्धान्त: इरिकसन, पियाजे, वायगात्स्की, कोहलबर्ग और गिलिगन।

इकाई 2: व्यक्तित्व: अवधारणा और विमर्श; व्यक्तित्व विकास को प्रभावित करने वाले कारक; व्यक्ति और समाज के पारस्परिक सम्बन्ध तथा व्यक्तित्व का आकलन

इकाई 3: व्यक्तित्व के सिद्धान्त: प्राचीन मनोविश्लेषणवाद: सिगमण्ड फ्रायड, कार्ल युंग और एडलर, मानवतावाद: मैस्लो व रोजर्स, व्यक्तिगुण सिद्धान्त: कैटेल, आइसेन्क और पंचतत्व मॉडल, व्यक्तित्व को समझने का भारतीय दृष्टिकोण: त्रिगुण, पंचकोश तथा श्री अरविन्द का विचार

इकाई 4: स्व की अवधारणा तथा उसके अध्ययन के विभिन्न पक्ष: स्व की प्रस्तुति, स्व तथा संस्कृति, स्व का नियमन, स्व के प्रति भारतीय दृष्टि, संवेग: स्वरूप, प्रमुख सिद्धान्त, सकारात्मक संवेग और स्वास्थ्य

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

- मानव विकास के आधारभूत सिद्धान्तों को से परिचित हो सकेंगे।
- भारतीय परिवेश में बाल्यावस्था, किशोरावस्था एवं प्रारंभिक प्रौढ़ावस्था की समझ विकसित कर सकेंगे।
- विकास के सिद्धान्तों को विश्लेषित एवं विवेचन की दक्षता विकसित कर सकेंगे।
- वे व्यक्तित्व के विभिन्न पहलुओं एवं सिद्धान्तों की समझ विकसित कर सकेंगे एवं व्यक्तित्व का आकलन कर सकेंगे।
- वे स्व की अवधारणा के विभिन्न पक्षों की समझ विकसित कर सकेंगे।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	मानव विकास की समझ: विकास की अवधारणा और विमर्श	4			4	6.66
मॉड्यूल-2	भारत के मनोसामाजिक परिवेश के सन्दर्भ में बाल्यावस्था, किशोरावस्था और प्रारम्भिक प्रौढ़ावस्था का बोध	4			4	6.66
मॉड्यूल-3	विकास के कुछ महत्वपूर्ण सिद्धान्त: इरिक्सन, पियाजे, वायगात्स्की, कोहलबर्ग और गिलिगन।	7			7	11.66
मॉड्यूल-4	व्यक्तित्व: अवधारणा और विमर्श	5			5	8.33
मॉड्यूल-5	व्यक्तित्व विकास को प्रभावित करने वाले कारक	5			5	8.33
मॉड्यूल-6	व्यक्ति और समाज केपारस्परिक सम्बन्ध तथा व्यक्तित्व का आकलन	5			5	8.33

मॉड्यूल-7	व्यक्तित्व के सिद्धान्त: प्राचीन मनोविश्लेषणवाद: सिगमण्ड फ्रायड, कार्ल युंग और एडलर,	6			6	10
मॉड्यूल-8	मानवतावाद: मैस्लो व रोजर्स, व्यक्तिगुण सिद्धान्त: कैटेल, आइसेन्क और पंचतत्व मॉडल,	5			5	8.33
मॉड्यूल-9	व्यक्तित्व को समझने का भारतीय दृष्टिकोण: त्रिगुण, पंचकोश तथा श्री अरविन्द का विचार	4			4	6.66
मॉड्यूल-10	स्व की अवधारणा तथा उसके अध्ययन के विभिन्न पक्ष: स्व की प्रस्तुति, स्व तथा संस्कृति, स्व का नियमन, स्व के प्रति भारतीय दृष्टि,	7			7	11.66
मॉड्यूल-11	संवेग: स्वरूप, प्रमुख सिद्धान्त,	4			4	6.66
मॉड्यूल-12	सकारात्मक संवेग और स्वास्थ्य	4			4	6.66
योग		60			60	100

टिप्पणी:

- मॉड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
- प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केंद्रित निर्माणवादी
विधियाँ	व्याख्यान, प्रदत्तकार्य, वैयक्तिक एवं सामूहिक प्रस्तुति
तकनीक	कंप्यूटर सहायक तकनीकी, ई-कंटेंट,
उपादान	प्रदत्त कार्य, स्व-अध्ययन सामग्री

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5
ज्ञानानुशासन के रूप में शिक्षा शास्त्र की व्यापक और गहन समझ का विकास करना	X			X	X
भारतीय सन्दर्भ में शिक्षा की भूमिका के प्रति सजग आलोचनात्मक दृष्टि का विकास करना	X			X	X
शिक्षा एवं राष्ट्रीय विकास के बीच संबंधों को समझना	X			X	X
ज्ञानमीमांसा के आधार पर शिक्षा की समझ विकसित करना	X				
सिद्धान्त और अनुभव से अर्जित सूझ द्वारा शिक्षा की चुनौतियों और विमर्शों के विश्लेषण की क्षमता का विकास करना	X				
राष्ट्रीय आवश्यकता के अनुसार वर्तमान शैक्षिक व्यवस्था में अपना योगदान सुनिश्चित करना	X		X		
शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में तकनीकी के समावेश द्वारा अधिगम की कुशलता विकसित करना		X			
शिक्षा शास्त्र के ज्ञानानुशासन में शोध की क्षमता का विकास		X			
शिक्षक प्रशिक्षण एवं शैक्षिक व्यवसाय से जुड़े अन्य क्षेत्रों जैसे शोध, शैक्षिक नियोजन, शैक्षिक प्रशासन आदि क्षेत्रों में कुशल अध्ययताओं का विकास करना		X			

टिप्पणी:

5. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
6. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#] विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	■ मंगल, एस.के. (2007). शिक्षा मनोविज्ञान. दिल्ली : प्रेंटिस हल ऑफ इंडिया प्रा. लि. ■ गुप्ता, एस.पी. व गुप्ता अल्का. (2017). उच्चतर शिक्षा मनोविज्ञान. इलाहाबाद : शारदा पुस्तक भवन ■ सुलैमान, मोहम्मद. (2014). उच्चतर शिक्षा मनोविज्ञान. दिल्ली : मोतीलाल बनारसीदास - चौहान, रीता व पाठक, पी.डी. (2016). बाल्यावस्था एवं उसका विकास. आगरा : अग्रवाल पब्लिकेशन
2	संदर्भ-ग्रंथ	■ Piaget, J. (1926). Language and Thought of the Child. London: Routledge & Kegan Paul

		■ Piaget, J. (1951). The Psychology of Intelligence. London: Routledge & Kegan Paul. ■ Piaget, J. (1952). The Origins of Intelligence in Children. New York: International University Press. ■ Vygotsky.L. (1978).Mind in Society: The Development of Higher Psychological Processes. Cambridge: Harvard University Press. Vygotsky.L. (1986).Thought and Language. Cambridge: The MIT Press.
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1. पाठ्यचर्याका नाम: शिक्षा का भारतीय और वैश्विक परिदृश्य
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्याका कोड: शिक्षा 004
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 4
(Credit)

4. सेमेस्टर: प्रथम
(Semester)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	60
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण:

इकाई 1: शिक्षा का वैश्विक परिदृश्य I: तुलनात्मक उपागम: ऐतिहासिक, सामाजिक, सांख्यिकीय, समस्यापरक उपागम; अमेरिका, ब्रिटेन और जापान की शिक्षा व्यवस्था के प्रमुख तत्वों का प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा के सन्दर्भ में तुलनात्मक अध्ययन

इकाई 2: शिक्षा का वैश्विक परिदृश्य II: अमेरिका, ब्रिटेन, जापान और भारत की शिक्षक- शिक्षा, दूरस्थ शिक्षा और शिक्षा की प्रशासनिक व्यवस्था का तुलनात्मक अध्ययन; तीसरी दुनिया के देशों में शिक्षा व्यवस्था के विकास का तुलनात्मक अध्ययन: ब्राजील और भारत के विशेष सन्दर्भ में

इकाई 3: भारत में शिक्षा का विकास: भारत में वैदिक और बौद्ध कालीन शिक्षा, मध्यकालीन शिक्षा व्यवस्था, 19 वीं शताब्दी के आरम्भिक वर्षों में शिक्षा, औपनिवेशिक भारत में शिक्षा: उपनिवेशक और उपनिवेशित के बीच सम्बन्ध और शिक्षा व्यवस्था पर इसका प्रभाव, प्राच्य और आंग्ल दृष्टिकोण; औपनिवेशिक भारत में राष्ट्रवादी शिक्षा

इकाई 4: स्वतंत्रता के बाद शिक्षा व्यवस्था का विकास: निम्नलिखित नीतिगत दस्तावेजों का विस्तृत अध्ययन: मुदालियर आयोग, राधाकृष्णन आयोग, कोठारी आयोग, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1968, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986, क्रियान्वयन योजना, 1992, यशपाल कमेटी रिपोर्ट, एन0सी0एफ0 2005, और एन0सी0एफ0टी0ई0 2009 का विश्लेषणात्मक अध्ययन; समकालीन मुद्दे और चुनौतियाँ

(Description of Course)

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

1. शिक्षा की ऐतिहासिक, सामाजिक, सांख्यिकीय, समस्यापरक उपागम की तुलना कर सकेंगे।
2. विभिन्न देशों की शिक्षा व्यवस्था की पड़ताल कर सकेंगे।
3. विभिन्न देशों की शिक्षक शिक्षा व्यवस्था की तुलना कर सकेंगे।
4. स्वतंत्रता के पूर्व और स्वतंत्रता के पश्चात शिक्षा में हुए विकास की समझ विकसित कर सकेंगे।
5. स्वतंत्रता के पश्चात शिक्षा की विभिन्न नीतियों, दस्तावेजों और आयोगों की भूमिका का विश्लेषण कर सकेंगे।
(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	शिक्षा का वैश्विक परिदृश्य I: तुलनात्मक उपागम: ऐतिहासिक, सामाजिक, सांख्यिकीय, समस्यापरक उपागम	5			5	8.33
मॉड्यूल-2	अमेरिका, ब्रिटेन और जापान की शिक्षा व्यवस्था के प्रमुख तत्वों का प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा के सन्दर्भ में	4			4	6.66

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

शिक्षा विभाग, शिक्षा विद्यापीठ

	तुलनात्मक अध्ययन					
मॉड्यूल-3	अमेरिका, ब्रिटेन और जापान की शिक्षा व्यवस्था के प्रमुख तत्वों का माध्यमिक और उच्च शिक्षा के सन्दर्भ में तुलनात्मक अध्ययन	6			6	10
मॉड्यूल-4	शिक्षा का वैश्विक परिदृश्य II: अमेरिका, ब्रिटेन, जापान और भारत की शिक्षक- शिक्षा, दूरस्थ शिक्षा का तुलनात्मक अध्ययन	6			6	10
मॉड्यूल-5	अमेरिका, ब्रिटेन, जापान और भारत की शिक्षा की प्रशासनिक व्यवस्था का तुलनात्मक अध्ययन	4			4	6.66
मॉड्यूल-6	तीसरी दुनिया के देशों में शिक्षा व्यवस्था के विकास का तुलनात्मक अध्ययन: ब्राजील और भारत के विशेष सन्दर्भ में	5			5	8.33
मॉड्यूल-7	भारत में शिक्षा का विकास: भारत में वैदिक और बौद्ध	5			5	8.33

	कालीन शिक्षा, मध्यकालीन शिक्षा व्यवस्था, 19 वीं शताब्दी के आरम्भिक वर्षों में शिक्षा,					
मॉड्यूल-8	औपनिवेशिक भारत में शिक्षा: उपनिवेशक और उपनिवेशित के बीच सम्बन्ध और शिक्षा व्यवस्था पर इसका प्रभाव, प्राच्य और आंग्ल दृष्टिकोण;	6			6	10
मॉड्यूल-9	औपनिवेशिक भारत में राष्ट्रवादी शिक्षा	4			4	6.66
मॉड्यूल-10	स्वतंत्रता के बाद शिक्षा व्यवस्था का विकास: निम्नलिखित नीतिगत दस्तावेजों का विस्तृत अध्ययन: मुदालियर आयोग, राधाकृष्णन आयोग, कोठारी आयोग, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1968, एन0सी0एफ0 2005,	6			6	10
मॉड्यूल-11	राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986, क्रियान्वयन योजना, 1992, यशपाल कमेटी	4			4	6.66

मॉड्यूल-12	रिपोर्ट, एन0सी0एफ0टी0 ई0 2009 का विश्लेषणात्मक अध्ययन; समकालीन मुद्दे और चुनौतियाँ	5			5	8.33
योग		60			60	100

टिप्पणी:

- माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
- प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केंद्रित निर्माणवादी
विधियाँ	व्याख्यान, प्रदत्तकार्य, वैयक्तिक एवं सामूहिक प्रस्तुति
तकनीक	कंप्यूटर सहायक तकनीकी, ई-कॉन्टेंट,
उपादान	प्रदत्त कार्य, स्व-अध्ययन सामग्री

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5
ज्ञानानुशासन के रूप में शिक्षा शास्त्र की व्यापक और गहन समझ का विकास करना	X				
भारतीय सन्दर्भ में शिक्षा की भूमिका के प्रति सजग आलोचनात्मक दृष्टि का विकास करना		X			
शिक्षा एवं राष्ट्रीय विकास के बीच संबंधों को समझना	X	X	X	X	X
ज्ञानमीमांसा के आधार पर शिक्षा की समझ विकसित करना					
सिद्धान्त और अनुभव से अर्जित सूझ द्वारा शिक्षा की चुनौतियों और विमर्शों के विश्लेषण की क्षमता का विकास करना				X	
राष्ट्रीय आवश्यकता के अनुसार वर्तमान शैक्षिक व्यवस्था में अपना योगदान सुनिश्चित करना	X	X	X	X	X
शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में तकनीकी के समावेश द्वारा अधिगम की कुशलता विकसित करना					
शिक्षा शास्त्र के ज्ञानानुशासन में शोध की क्षमता का विकास	X	X	X	X	X

शिक्षक प्रशिक्षण एवं शैक्षिक व्यवसाय से जुड़े अन्य क्षेत्रों जैसे शोध, शैक्षिक नियोजन, शैक्षिक प्रशासन आदि क्षेत्रों में कुशल अध्ययताओं का विकास करना

टिप्पणी:

- X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
- एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#] विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	- MHRD, Gov. of India (1992), National policy on education (revised) New Delhi. - MHRD, (1992), Programme of action. Govt. of India, New Delhi.

		• Report of the Education Commission (1964-66). • Report of the National Commission on Teachers (1983-85). • Report of the Delors Commission, UNESCO, 1996 • National Policy of Education 1986/1992. • National Curriculum Framework (2005, 2009, 2014). • NCTE Regulations 2009, 2014 •
2	संदर्भ-ग्रंथ	• John Vaizy, Keit Norris and Patrick Lynch,(1972), The Political Economy Of Education Gerald Duck worth and Company Limited. • Geeta kingdom, Muhammad, M (2003), The Political Economy of education in India.Oxford University Press. • N.C.E.R.T., NCERT- the First Year Book of Education 1961. • Ministry of Education- Education Commission Report- 1964-66 Dr. Kothari Commission • UNESCO- Economic and Social aspects of Educational Planning, 1963 • Naik J.P. - educational Planning in India 1996- allied Publishers. • Problems of Higher Education in India- An Approach to Structural Analysis and Recognition. • Educational Recognition- AcharyaNarendraDev Committee Report (1939-1953) • Yogendra K. Sharma History and Problems of EducationVoI-I by Kanishka Publishers (2001) • Yogendra K Sharma History and problems of EducationVoi. II- by Kanishka Publishers (2001).

		• HartmutSgharfeEducation in Ancient India, by Fordhan Uni. Press. (2005) • Joseph k Brill Medieval Education, Ronald, Begley, publications Boston (2002)
3	ई-संसाधन	• .www.swayam.gov.in • http://nmeict.detsndt.ac.in/ • https://ncte.gov.in/Website/OER.aspx

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1. पाठ्यचर्याका नाम: शिक्षक शिक्षा
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्याका कोड: शिक्षा 005
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 4
(Credit)

4. सेमेस्टर: द्वितीय
(Semester)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण:

(Description of Course)

इकाई 1: शिक्षक और शिक्षावृत्ति: समाज और विद्यालयी तंत्र में अध्यापक की स्थिति की समझ: ऐतिहासिक और समकालीन परिप्रेक्ष्य में, भारतीय परम्परा में शिक्षक; शिक्षक की वैयक्तिक पहचान और वृत्तिक पहचान, शिक्षक की व्यावसायिक नैतिकता

इकाई 2: स्वतंत्र भारत में शिक्षक शिक्षा का विकास: शिक्षक शिक्षा के सन्दर्भ में शिक्षा के नीतिगत दस्तावेजों: (एन.पी.ई.1986, पी.ओ.ई.1992, एन.सी.एफ.2005, एन.सी.एफ.टी.ई.2009, जस्टिस वर्मा कमेटी रिपोर्ट, 2013); शिक्षक-शिक्षा से जुड़े अभिकरण और संस्थाएँ: एन0सी0ई0आर0टी0, एन0सी0टी0ई, एस0सी0ई0आर0टी0, डायटस्

इकाई 3: सेवापूर्व व सेवारत शिक्षक शिक्षा: कार्यक्रम के स्तर: पूर्व प्राथमिक शिक्षा, प्राथमिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा; मॉडलों, संरचनाओं व पाठ्यक्रमों का विश्लेषणात्मक अध्ययन; सेवारत शिक्षक शिक्षा की आवश्यकता और प्रारूप: वर्कशॉप, सेमिनार, आवासीय कोर्स आदि, सेवापूर्व और सेवारत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों की पूरकता

इकाई 4: कुछ प्रमुख मुद्दे और चुनौतियाँ: शिक्षण व्यवसाय में स्त्री प्रधानता, शिक्षण की व्यावसायिक संस्थिति (स्टेट्स), शिक्षक के लिए प्रयुक्त रूपक: सत्ताधीश, प्रेरक, शोधकर्ता, मननशील अभ्यासकर्ता, पाठ्यक्रम विकासक, मूक तानाशाह; पैरा शिक्षक का मुद्दा, सतत व्यावसायिक विकास की अवधारणा और आयाम

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

1. ऐतिहासिक एवं समकालीन संदर्भ के आधार पर समाज एवं विद्यालयी तंत्र में अध्यापकों की स्थिति का विश्लेषण कर सकेंगे।

2. शिक्षक की वैयक्तिक व वृत्तिक पहचान तथा व्यावसायिक नैतिकता की समझ विकसित कर सकेंगे।

3. स्वतंत्र भारत में शिक्षक शिक्षा के विकास में विभिन्न नीतियों, दस्तावेजों और आयोगों की भूमिका का विश्लेषण कर सकेंगे।

4. सेवारत एवं सेवपूर्व शिक्षकों के लिए चलाए गए कार्यक्रमों की प्रासंगिकता को समझ सकेंगे।

5. शिक्षण व्यवसाय की चुनौतियों की आलोचनात्मक समझ पड़ताल कर सकेंगे।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	शिक्षक और शिक्षावृत्ति: समाज और विद्यालयी तंत्र में अध्यापक की स्थिति की समझ: ऐतिहासिक और समकालीन परिप्रेक्ष्य में,	6			6	10
मॉड्यूल-2	भारतीय परम्परा में शिक्षक	3			3	5
मॉड्यूल-3	शिक्षक की वैयक्तिक पहचान और वृत्तिक पहचान, शिक्षक की व्यावसायिक नैतिकता	6			6	10
मॉड्यूल-4	स्वतंत्र भारत में शिक्षक शिक्षा का विकास: शिक्षक शिक्षा के सन्दर्भ में शिक्षा के नीतिगत दस्तावेजों:	5			5	8.33

	(एन.पी.ई.1986, पी.ओ.ई.1992, एन.सी.एफ.2005);					
मॉड्यूल-5	एन.सी.एफ.टी.ई.2 009, जस्टिस वर्मा कमेटी रिपोर्ट, 2013	5			5	8.33
मॉड्यूल-6	शिक्षक-शिक्षा से जुड़े अभिकरण और संस्थाएँ: एन0सी0ई0आर0 टी0, एन0सी0टी0ई, एस0सी0ई0आर0 टी0, डायटस्	5			5	8.33
मॉड्यूल-7	सेवापूर्व व सेवारत शिक्षक शिक्षा: कार्यक्रम के स्तर: पूर्व प्राथमिक शिक्षा, प्राथमिक शिक्षा, माध्यमिक शिक्षा;	6			6	10
मॉड्यूल-8	मॉडलों, संरचनाओं व पाठ्यक्रमों का विश्लेषणात्मक अध्ययन;	3			3	5
मॉड्यूल-9	सेवारत शिक्षक शिक्षा की आवश्यकता और प्रारूप: वर्कशॉप, सेमिनार, आवासीय कोर्स आदि, सेवापूर्व और सेवारत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रमों की	6			6	10

	पूरकता					
मॉड्यूल-10	कुछ प्रमुख मुद्दे और चुनौतियाँ: शिक्षण व्यवसाय में स्त्री प्रधानता, शिक्षण की व्यवसायिक संस्थिति(स्टेट्स),	5			5	8.33
मॉड्यूल-11	शिक्षक के लिए प्रयुक्त रूपक: सत्ताधीश, प्रेरक, शोधकर्ता, मननशील अभ्यासकर्ता, पाठ्यक्रम विकासक, मूक तानाशाह;	5			5	8.33
मॉड्यूल-12	पैरा शिक्षक का मुद्दा, सतत व्यावसायिक विकास की अवधारणा और आयाम	5			5	8.33
योग		60			60	100

टिप्पणी:

- माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
- प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केंद्रित निर्माणवादी
विधियाँ	व्याख्यान, प्रदत्तकार्य, वैयक्तिक एवं सामूहिक प्रस्तुति
तकनीक	कंप्यूटर सहायक तकनीकी, ई-कॉन्टेंट,
उपादान	प्रदत्त कार्य, स्व-अध्ययन सामग्री

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5
ज्ञानानुशासन के रूप में शिक्षा शास्त्र की व्यापक और गहन समझ का विकास करना	X	X	X	X	X
भारतीय सन्दर्भ में शिक्षा की भूमिका के प्रति सजग आलोचनात्मक दृष्टि का विकास करना	X		X		
शिक्षा एवं राष्ट्रीय विकास के बीच संबंधों को समझना					
ज्ञानमीमांसा के आधार पर शिक्षा की समझ विकसित करना					
सिद्धान्त और अनुभव से अर्जित सूझ द्वारा शिक्षा की चुनौतियों और विमर्शों के विश्लेषण की क्षमता का विकास करना	X	X	X	X	X
राष्ट्रीय आवश्यकता के अनुसार वर्तमान शैक्षिक व्यवस्था में अपना योगदान सुनिश्चित करना					
शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में तकनीकी के समावेश द्वारा अधिगम की कुशलता विकसित करना	X		X		X
शिक्षा शास्त्र के ज्ञानानुशासन में शोध की क्षमता का विकास					
शिक्षक प्रशिक्षण एवं शैक्षिक व्यवसाय से जुड़े अन्य क्षेत्रों जैसे शोध, शैक्षिक नियोजन, शैक्षिक प्रशासन आदि क्षेत्रों में कुशल अध्ययताओं का विकास करना					

टिप्पणी:

9. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

10. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार *	सत्रीय-पत्र #	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य- सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/ पाठ्य ग्रंथ	● भट्टाचार्य, जी.सी. (2016). अध्यापक शिक्षा. आगरा:श्री विनोद पुस्तक मंदिर. ● सिंह, एच., सक्सेना, एन. आर., मोहंती, आर.के. एवं मिश्रा, बी.के. (2019). अनुसंधान एवं अध्यापक शिक्षा के मुद्दे. मेरठ: आर. लाल बुक डीपो. ● Ministry of Human and Resource development (1964-66). <i>Report of the Education Commission</i>. New Delhi: MHRD, Government of India. ● Ministry of Human and Resource development (1983-85). <i>Report of the National Commission on Teachers</i>. New Delhi: MHRD, Government of India. ● Ministry of Human and Resource development (1978). <i>National Curriculum Framework for Teacher Education</i>. New Delhi: MHRD, Government of India. ● Ministry of Human and Resource development (1986). <i>National Policy on Education</i>. New Delhi: MHRD, Government of India. ● Ministry of Human and Resource development (1988). <i>National Curriculum Framework for Teacher Education</i>. New Delhi: MHRD, Government of India. ● Ministry of Human and Resource development (1992). <i>National Policy on Education 1986-Programme of Action 1992</i>. New Delhi: MHRD, Government of India. ● Ministry of Education (2020). <i>National Policy on Education</i>. New Delhi: MHRD, Government of India.

		• National Council of Teacher Education (1998). <i>National Curriculum Framework for Teacher education</i>. New Delhi: MHRD, Government of India. • NCTE (1998): Policy Perspectives in Teacher Education. New Delhi: MHRD, Government of India. • NCTE (1998). Competency Based and Commitment Oriented Teacher Education for Quality School education: Pre-Service Education. NCTE (1998): Policy Perspectives in Teacher Education. New Delhi: MHRD, Government of India. • NCTE (1998). Competency Based and Commitment Oriented Teacher Education for Quality School education: Pre-Service Education. New Delhi. • National Council of Educational Research and Training (2005). National Curriculum Framework. New Delhi: MHRD, Government of India. • National Council of Teacher Education (2009). <i>National Curriculum Framework for Teacher education</i>. New Delhi: MHRD, Government of India. • National Council of Teacher Education (2014). NCTE Regulations. New Delhi: MHRD, Government of India. • National Council of Teacher Education (2019). NCTE Regulations. New Delhi: MHRD, Government of India. • Rao, D.B. (1998). <i>Teacher Education in India</i>. New Delhi: Discovery Publishing House. • UNESCO (1996). <i>Larning: The Treasure Within (Report of the Delors Commission)</i>. UNESCO. New Delhi: MHRD, Government of India. • Yadav, M.S. & Lakshmi, T.K.S. (2003): <i>Conceptual Inputs for Secondary Teacher Education: The instructional Role</i>. India: NCTE.
2	संदर्भ-ग्रंथ	• Beck, C.&Kosnik, C. (2006): <i>Innovations in Teacher Education: A Social Constructivist Approach</i>. New York: State University of New York Press. • Cohen, L., Minion, L. & Morrison, K. (2004). <i>A Guide to Teaching Practice</i> (5th edition). London: Routledge. • Herne, S. John, J. & Griffith, J. (2000). <i>Study to Teach: A Guide to Studying in Teacher Education</i>. London: Routledge. • Korthagen, F., Kessels, J., Koster, B., Lagerwerf, B., Wubbels, T. (2001). <i>Linking Practice and Theory- The Pedagogy of Realistic Teacher Education</i>. New York: Routledge, https://doi.org/10.4324/9781410600523.

		• Kumari, S. (2012). <i>Challenges of Teacher education in Jharkhand</i>. Germany:Lambert Academic Publishing. • Darling-Hammond, Linda & Bransford, J. (2005): <i>Preparing Teachers for a changing World.What Teachers should Learn and Be Able to Do</i>.New Jersey: John Wiley & Sons Inc. • Loughran, J. (2006): <i>Developing a Pedagogy of Teacher education : Understanding Teaching and Learning about Teaching</i>.New York: Routledge.
3	ई-संसाधन	https://www.youtube.com/watch?v=nD6_2zA0EhU https://www.youtube.com/watch?v=vtZmlHxM98w https://www.youtube.com/watch?v=Sh7i1-1cz7Q http://www.egyankosh.ac.in/youtubevideo.jsp?src=aO2RssN1dTtw&title=Paradigm%20Shift%20in%20Teacher%20Education https://epgp.inflibnet.ac.in/Home/ViewSubject?catid=12(1495082308ePGEDN_10.5_eText.pdf) https://onlinecourses.swayam2.ac.in/nou20_ed03/ https://books.google.co.in/books?id=WQjLPgAACAAJ http://www.uou.ac.in/sites/default/files/slm/MAED-203.pdf

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1. पाठ्यचर्याका नाम: शिक्षा के मनोवैज्ञानिक आधार: सीखना, स्मृति, संज्ञान व बुद्धि
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्याकाकोड: शिक्षा 006
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 4
(Credit)

4. सेमेस्टर: द्वितीय
(Semester)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण:

(Description of Course)

इकाई 1: सीखना: अवधारणा तथा उसके विभिन्न उपागम, सीखने का व्यवहारवादी उपागम: प्राचीन अनुबन्धन और क्रिया प्रसूत अनुबन्धन, गेस्टाल्ट, सूचना प्रसंस्करण सिद्धान्त, अभिप्रेरणात्मक सीखना: बैण्डूरा का सामाजिक-संज्ञानात्मक सिद्धान्त

इकाई 2: सीखने का रचनावादी उपागम: पियाजे का संज्ञानात्मक सिद्धान्त सीखने का सामाजिक रचनावादी उपागम: संस्कृति और संज्ञान के सन्दर्भ में जीरोम ब्रुनर और वायगात्स्की के विचार

इकाई 3: स्मृति: प्रकृति, प्रकार; सांवेगिक, अल्पकालिक तथा दीर्घकालिक स्मृति, कार्यात्मक स्मृति (वर्किंग मेमोरी), विस्मरण के कारण, स्मृति बढ़ाने की युक्तियाँ

इकाई 4: बुद्धि: अवधारणा और सिद्धान्त (मनोमितीय सिद्धान्त और सूचना प्रसंस्करण सिद्धान्त), हावर्ड गार्डनर का बहुबुद्धि सिद्धान्त और उसके शिक्षाशास्त्रीय आशय, सांवेगिक बुद्धि, सामाजिक बुद्धि

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

1. सीखने के विभिन्न उपागमों और शिक्षा से उनके संबंध का विश्लेषण कर सकेंगे।
2. विद्यार्थी सीखने की अवधारणा को समझ सकेंगे।
3. विद्यार्थी अभिप्रेरणा के सिद्धान्त की समझ विकसित सकेंगे।
4. वे रचनावादी उपागम के आधार पर शिक्षण की युक्तियों का विश्लेषण कर सकेंगे।
5. स्मृति की अवधारणा को समझ सकेंगे।
6. स्मृति को बढ़ाने की युक्तियों का विकास कर सकेंगे।

7. बुद्धि के सिद्धांतों की समझ विकसित कर सकेंगे।

8. बुद्धि के सिद्धान्त का शिक्षणशास्त्रीय आशय विकसित कर सकेंगे।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	सीखना: अवधारणा तथा उसके विभिन्न उपागम, सीखने का व्यवहारवादी उपागम: प्राचीन अनुबन्धन और क्रिया प्रसूत अनुबन्धन,	5			5	8.33
मॉड्यूल-2	गेस्टाल्ट, सूचना प्रसंस्करण सिद्धान्त,	5			5	8.33
मॉड्यूल-3	आभिप्रेरणात्मक सीखना: बैण्डूरा का सामाजिक-संज्ञानात्मक सिद्धान्त	5			5	8.33
मॉड्यूल-4	सीखने का रचनावादी उपागम: पियाजे का संज्ञानात्मक सिद्धान्त,	6			6	10
मॉड्यूल-5	सीखने का सामाजिक रचनावादी उपागम: संस्कृति	4			4	6.66

	और संज्ञान के सन्दर्भ में जीरोम ब्रुनर					
मॉड्यूल-6	संस्कृति और संज्ञान के सन्दर्भ में वायगात्स्की के विचार	5			5	8.33
मॉड्यूल-7	स्मृति: प्रकृति, प्रकार; सांवेगिक, अल्पकालिक तथा दीर्घकालीक स्मृति	6			6	10
मॉड्यूल-8	कार्यात्मक स्मृति (वर्किंग मेमोरी)	3			3	5
मॉड्यूल-9	विस्मरण के कारण, स्मृति बढ़ाने की युक्तियाँ	6			6	10
मॉड्यूल-10	बुद्धि: अवधारणा और सिद्धान्त (मनोमितीय सिद्धान्त और सूचना प्रसंस्करण सिद्धान्त)	6			6	10
मॉड्यूल-11	हावर्ड गार्डनर का बहुबुद्धि सिद्धान्त और उसके शिक्षाशास्त्रीय आशय	5			5	8.33
मॉड्यूल-12	सांवेगिक बुद्धि, सामाजिक बुद्धि	4			4	6.66
योग		60			60	100

टिप्पणी:

- माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
- प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केंद्रित निर्माणवादी
विधियाँ	व्याख्यान, प्रदत्तकार्य, वैयक्तिक एवं सामूहिक प्रस्तुति
तकनीक	कंप्यूटर सहायक तकनीकी, ई-कॉन्टेंट,
उपादान	प्रदत्त कार्य, स्व-अध्ययन सामग्री

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5
ज्ञानानुशासन के रूप में शिक्षा शास्त्र की व्यापक और गहन समझ का विकास करना	X			X	X
भारतीय सन्दर्भ में शिक्षा की भूमिका के प्रति सजग आलोचनात्मक दृष्टि का विकास करना	X			X	X
शिक्षा एवं राष्ट्रीय विकास के बीच संबंधों को समझना	X			X	X
ज्ञानमीमांसा के आधार पर शिक्षा की समझ विकसित करना	X				
सिद्धान्त और अनुभव से अर्जित सूझ द्वारा शिक्षा की चुनौतियों और विमर्शों के विश्लेषण की क्षमता का विकास करना	X				
राष्ट्रीय आवश्यकता के अनुसार वर्तमान शैक्षिक व्यवस्था में अपना योगदान सुनिश्चित करना	X		X		
शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में तकनीकी के समावेश द्वारा अधिगम की कुशलता विकसित करना		X			
शिक्षा शास्त्र के ज्ञानानुशासन में शोध की क्षमता का विकास		X			
शिक्षक प्रशिक्षण एवं शैक्षिक व्यवसाय से जुड़े अन्य क्षेत्रों जैसे शोध, शैक्षिक नियोजन, शैक्षिक प्रशासन आदि क्षेत्रों में कुशल अध्येताओं का विकास करना		X			

टिप्पणी:

11. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
12. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार *	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#] विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	- मंगल, एस.के. (2007). शिक्षा मनोविज्ञान. दिल्ली : प्रेंटिस हल ऑफ इंडिया प्रा. लि. - सुलैमान, मोहम्मद. (2014). उच्चतर शिक्षा मनोविज्ञान. दिल्ली : मोतीलाल बनारसीदास - चौहान, रीता व पी.डी. पाठक. (2016). बाल्यावस्था एवं उसका विकास. आगरा : अग्रवाल पब्लिकेशन - गुप्ता, एस.पी. व गुप्ता अल्का. (2017). उच्चतर शिक्षा मनोविज्ञान. इलाहाबाद : शारदा पुस्तक भवन
2	संदर्भ-ग्रंथ	Saraswathi, T.S. (Ed). (1999). Culture, Socialisation and Human Development:

		Theory, Research and Application in India. New Delhi: Sage. • Piaget, J. (1951). The Psychology of Intelligence. London: Routledge & Kegan Paul. • Piaget, J. (1952). The Origins of Intelligence in Children. New York: International University Press. • Woolfolk, A., Misra, G. & Jha, A.K. (2012). Fundamentals of Educational Psychology. (11th ed.). New Delhi: Pearson.
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1. पाठ्यचर्याका नाम:शैक्षिक प्रशासन और प्रबन्धन
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्याकाकोड:शिक्षा 007
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 4
(Credit)

4. सेमेस्टर: द्वितीय
(Semester)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण:

(Description of Course)

इकाई 1: शैक्षिक प्रबन्धन और प्रशासन: सिद्धान्त तथा अवधारणाएँ, शैक्षिक प्रबन्धन और प्रशासन के उपागम: मानव सम्बन्ध उपागम, संगठन व्यवहार उपागम और तंत्र उपागम, भारत में शैक्षिक प्रशासन का विकास

इकाई 2: शैक्षिक नियोजन: अवधारणा, आवश्यकता, शैक्षिक नियोजन के उपागम: मानवशक्ति उपागम, सामाजिक माँग उपागम, लागत प्रभावी उपागम और सामाजिक न्याय उपागम; संस्थागत नियोजन: अर्थ, महत्व व प्रक्रिया

इकाई 3: नेतृत्व: अवधारणा और नेतृत्व के सिद्धान्त, शैक्षिक संगठनों में नेतृत्व और प्रबन्धन के तरीके, नेतृत्व की भूमिका की चुनौतियाँ और सम्भावनाएँ, संगठन में संसाधनों का प्रबन्धन: भौतिक संसाधन, मानव संसाधन और वित्तीय संसाधन व बजट प्रबन्धन, शैक्षिक प्रशासन और प्रबन्धन में समुदाय की सहभागिता

इकाई 4: शिक्षा से जुड़े अभिकरण और उनकी कार्यविधि:केन्द्र स्तर: एम0एच0आर0डी0, सी0बी0एस0सी0, यू0जी0सी0, एन0सी0ई0आर0टी0, एन0सी0टी0ई, ए0आई0सी0टी0ई0; राज्य स्तर: एस0सी0ई0आर0टी0, राज्य निदेशालय; स्थानीय स्तर: डायटस्, बी0आर0सी0, सी0आर0सी0, शिक्षा के क्षेत्र में कार्य कर रहे कुछ महत्वपूर्ण स्वयंसेवी संगठनों के कार्यों का अध्ययन (केस स्टडी द्वारा)

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थी शैक्षिक प्रबंधन और प्रशासन के सिद्धांतों की समझ विकसित कर सकेंगे।
- शैक्षिक नियोजन एवं संस्थागत नियोजन की प्रक्रिया को समझकर क्रियान्वित होने वाले शैक्षिक नियोजन एवं संस्थागत नियोजन का आकलन कर सकेंगे।
- नेतृत्व के सिद्धांतों की समझ विकसित कर सकेंगे।
- शैक्षिक संगठनों में नेतृत्व की भूमिका का विश्लेषण कर सकेंगे।

5. शिक्षा में विभिन्न अभिकर्ताओं की भूमिका को व्याख्यायित कर सकेंगे।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	शैक्षिक प्रबन्धन और प्रशासन: सिद्धान्त तथा अवधारणाएँ,	5			5	8.33
मॉड्यूल-2	शैक्षिक प्रबन्धन और प्रशासन के उपागम: मानव सम्बन्ध उपागम, संगठन व्यवहार उपागम और तंत्र उपागम,	5			5	8.33
मॉड्यूल-3	भारत में शैक्षिक प्रशासन का विकास	5			5	8.33
मॉड्यूल-4	शैक्षिक नियोजन: अवधारणा, आवश्यकता	4			4	6.66
मॉड्यूल-5	शैक्षिक नियोजन के उपागम: मानवशक्ति उपागम, सामाजिक माँग उपागम, लागत प्रभावी उपागम और सामाजिक न्याय उपागम	6			6	10
मॉड्यूल-6	संस्थागत	5			5	8.33

	नियोजन: अर्थ, महत्व व प्रक्रिया					
मॉड्यूल-7	नेतृत्व: अवधारणा और नेतृत्व के सिद्धान्त	4			4	6.66
मॉड्यूल-8	शैक्षिक संगठनों में नेतृत्व और प्रबन्धन के तरीके, नेतृत्व की भूमिका की चुनौतियाँ और सम्भावनाएँ	5			5	8.33
मॉड्यूल-9	संगठन में संसाधनों का प्रबन्धन: भौतिक संसाधन, मानव संसाधन और वित्तीय संसाधन व बजट प्रबन्धन, शैक्षिक प्रशासन और प्रबन्धन में समुदाय की सहभागिता	6			6	10
मॉड्यूल-10	शिक्षा से जुड़े अभिकरण और उनकी कार्यविधि: केन्द्र स्तर: एम0एच0आर0डी0, सी0बी0एस0सी0, यू0जी0सी0, एन0सी0ई0आर0टी0, एन0सी0टी0ई0, ए0आई0सी0टी0ई0	6			6	10
मॉड्यूल-11	राज्य स्तर: एस0सी0ई0आर0	3			3	5

	टी0, राज्य निदेशालय					
मॉड्यूल-12	स्थानीय स्तर: डायटस्, बी0आर0सी0, सी0आर0सी0, शिक्षा के क्षेत्र में कार्य कर रहे कुछ महत्वपूर्ण स्वयंसेवी संगठनों के कार्यों का अध्ययन (केस स्टडी द्वारा)	6			6	10
योग		60			60	100

टिप्पणी:

13. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
14. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केंद्रित निर्माणवादी
विधियाँ	व्याख्यान, प्रदत्तकार्य, वैयक्तिक एवं सामूहिक प्रस्तुति
तकनीक	कंप्यूटर सहायक तकनीकी, ई-कॉन्टेंट,
उपादान	प्रदत्त कार्य, स्व-अध्ययन सामग्री

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5
ज्ञानानुशासन के रूप में शिक्षा शास्त्र की व्यापक और गहन समझ का विकास करना	X				
भारतीय सन्दर्भ में शिक्षा की भूमिका के प्रति सजग आलोचनात्मक दृष्टि का विकास करना			X		
शिक्षा एवं राष्ट्रीय विकास के बीच संबंधों को समझना	X		X		X

ज्ञानमीमांसा के आधार पर शिक्षा की समझ विकसित करना					
सिद्धान्त और अनुभव से अर्जित सूझ द्वारा शिक्षा की चुनौतियों और विमर्शों के विश्लेषण की क्षमता का विकास करना					
राष्ट्रीय आवश्यकता के अनुसार वर्तमान शैक्षिक व्यवस्था में अपना योगदान सुनिश्चित करना	X	X	X	X	X
शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में तकनीकी के समावेश द्वारा अधिगम की कुशलता विकसित करना	X	X	X	X	X
शिक्षा शास्त्र के ज्ञानानुशासन में शोध की क्षमता का विकास		X		X	
शिक्षक प्रशिक्षण एवं शैक्षिक व्यवसाय से जुड़े अन्य क्षेत्रों जैसे शोध, शैक्षिक नियोजन, शैक्षिक प्रशासन आदि क्षेत्रों में कुशल अध्ययताओं का विकास करना					

टिप्पणी:

13. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
14. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#] विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1. पाठ्यचर्याका नाम: शिक्षा में शोध की विधियाँ
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्याका कोड: शिक्षा 008
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 4
(Credit)

4. सेमेस्टर: द्वितीय
(Semester)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण:

(Description of Course)

इकाई 1: शोध के प्रारूप: विधेयवाद, रचनावाद, और आलोचनात्मक सिद्धान्त, शोध की मात्रात्मक और गुणात्मक परम्पराएँ

इकाई 2: शोध अभिकल्प: प्रतिचयन की विधियाँ और प्रदत्त संकलन के उपकरण, प्रयोगात्मक विधि, सर्वेक्षण विधि, ऐतिहासिक विधि

इकाई 3: गुणात्मक विधियाँ: व्यक्तिवृत्त अध्ययन, नृजातीय अध्ययन, क्रियाशोध, आख्यानपरक पड़ताल तथा आधारित सिद्धान्त (ग्राउन्डेड थियरी)

इकाई 4: शोध के उपकरण: प्रेक्षण, प्रश्नावली और साक्षात्कार, आँकड़ों के विश्लेषण की विभिन्न विधियाँ; शोध प्रतिवेदन का लेखन; शोध के नैतिक सरोकार

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

1. शोध के प्रारूप का विकास कर सकेंगे।
2. शोध अभिकल्प की समझ विकसित कर सकेंगे एवं शोध अभिकल्प तैयार कर सकेंगे।
3. शोध की गुणात्मक विधियों को समझ सकेंगे।
4. शोध में प्रयोग किए जाने वाले उपकरणों में अंतर कर सकेंगे।
5. आंकड़ों का विश्लेषण करना सीख सकेंगे।
6. शोध का प्रतिवेदन लिखना सीख सकेंगे।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	शोध के प्रारूप: विधेयवाद, रचनावाद, और आलोचनात्मक सिद्धान्त,	7			7	11.33
मॉड्यूल-2	शोधकी मात्रात्मक परम्परायें	4			4	6.66
मॉड्यूल-3	शोध की गुणात्मक परम्परायें	4			4	6.66
मॉड्यूल-4	शोध अभिकल्प: प्रतिचयन की विधियाँ और प्रदत्त संकलन के उपकरण	7			7	11.66
मॉड्यूल-5	प्रयोगात्मक विधि	3			3	5
मॉड्यूल-6	सर्वेक्षण विधि, ऐतिहासिक विधि	5			5	8.33

मॉड्यूल-7	गुणात्मक विधियाँ: व्यक्तिवृत्त अध्ययन, नृजातीय अध्ययन	6			6	10
मॉड्यूल-8	क्रियाशोध, आख्यानपरक पड़ताल	6			6	10
मॉड्यूल-9	आधारित सिद्धान्त(ग्राउन्डेड थियरी)	3			3	5
मॉड्यूल-10	शोध के उपकरण:प्रेक्षण, प्रश्नावली और साक्षात्कार,	5			5	8.33
मॉड्यूल-11	आँकड़ों के विश्लेषण की विभिन्न विधियाँ	5			5	8.33
मॉड्यूल-12	शोध प्रतिवेदन का लेखन; शोध के नैतिक सरोकार	5			5	8.33
योग		60			60	100

टिप्पणी:

- माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
- प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केंद्रित निर्माणवादी
विधियाँ	व्याख्यान, प्रदत्तकार्य, वैयक्तिक एवं सामूहिक प्रस्तुति
तकनीक	कंप्यूटर सहायक तकनीकी, ई-कॉन्टेंट,
उपादान	प्रदत्त कार्य, स्व-अध्ययन सामग्री

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6
ज्ञानानुशासन के रूप में शिक्षा शास्त्र की व्यापक और गहन समझ का विकास करना	X	X	X	X	X	X
भारतीय सन्दर्भ में शिक्षा की भूमिका के प्रति सजग आलोचनात्मक दृष्टि का विकास करना						
शिक्षा एवं राष्ट्रीय विकास के बीच संबंधों को समझना						
ज्ञानमीमांसा के आधार पर शिक्षा की समझ विकसित करना						
सिद्धान्त और अनुभव से अर्जित सूझ द्वारा शिक्षा की चुनौतियों और विमर्शों के विश्लेषण की क्षमता का विकास करना						
राष्ट्रीय आवश्यकता के अनुसार वर्तमान शैक्षिक व्यवस्था में अपना योगदान सुनिश्चित करना	X	X	X	X	X	X
शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में तकनीकी के समावेश द्वारा अधिगम की कुशलता विकसित करना						
शिक्षा शास्त्र के ज्ञानानुशासन में शोध की क्षमता का विकास	X	X	X	X	X	X
शिक्षक प्रशिक्षण एवं शैक्षिक व्यवसाय से जुड़े अन्य क्षेत्रों जैसे शोध, शैक्षिक नियोजन, शैक्षिक प्रशासन आदि क्षेत्रों में कुशल अध्येताओं का विकास करना						

टिप्पणी:

15. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

16. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार *	सत्रीय-पत्र #	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	- Creswell, John W. (2017) Research Design: Qualitative, Quantitative and Mixed Methods Approaches. Sage Publication: Thousand Oaks, CA - Creswell, John W. (2006) Qualitative Inquiry and Research Design: Choosing Among Five Approaches. Sage Publication: Thousand Oaks - आहूजा (2015). सामाजिक अनुसंधान. रावत पब्लिकेशन्स: नई दिल्ली। - कुमार, अरुण सिंह (2017). मनोविज्ञान, समाजशास्त्र तथा शिक्षा में शोध विधियाँ. मोतीलाल बनारसीदास: दिल्ली।
2	संदर्भ-ग्रंथ	- Best J.W. (1999). Research in Education. Prentice Hall of India Pvt.Ltd: New Delhi. - Kaul, Lokesh (1984). Methodology of Educational Research.

		VikasPublications: New Delhi. • Creswell, John W. (2002) Educational Research: Planning, Conducting and Evaluating Quantitative and Qualitative Research. Sage Publications
3	ई-संसाधन	• www.swayam.gov.in • http://nmeict.detsndt.ac.in/ • https://ncte.gov.in/Website/OER.aspx • www.inflibnet.ac.in
4	अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1. पाठ्यचर्याका नाम:शैक्षिक एवं व्यावसायिक निर्देशन

(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: शिक्षा 009

(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 4

(Credit)

4. सेमेस्टर: तृतीय

(Semester)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण:

(Description of Course)

इकाई 1: निर्देशन का संप्रत्यय: निर्देशन का अर्थ, स्वरूप, आवश्यकता, क्षेत्र । निर्देशन के सिद्धान्त- व्यक्ति का महत्व एवं प्रतिष्ठा की स्वीकृति का सिद्धान्त, कर्मकारों का कोर्यों में समन्वय सिद्धान्त, व्यक्ति का सर्वोत्तम विकास में सहयोग सिद्धान्त । निर्देशन के प्रकार: शैक्षिक निर्देशन, व्यावसायिक निर्देशन, वैयक्तिक निर्देशन

इकाई 2: विविध निर्देशन सेवा: व्यैयक्तिक सेवा, शैक्षिक सेवा, व्यावसायिक सेवा, वृत्ति नियोजन सेवा, अनुवर्तन सेवा; निर्देशन विधियाँ: सामूहिक विधि, व्यैयक्तिक विधि

इकाई 3: शैक्षिक निर्देशन: शैक्षिक निर्देशन- अर्थ, स्वरूप, आवश्यकता, उद्देश्य, निर्देशन का शैक्षिक प्रभाव, विभिन्न स्तरों पर शैक्षिक निर्देशन, शैक्षिक निर्देशन के लिए सूचना संकलन की प्रविधियाँ

इकाई 4: व्यावसायिक निर्देशन: व्यावसायिक निर्देशन- अर्थ, स्वरूप, आवश्यकता, उद्देश्य, बालकों में व्यावसायिक निर्देशन का प्रभाव; व्यावसायिक विकास अवस्थाएँ- जिंजबर्ग, सुपर, हेविंगहर्ट, होलेण्ड आदि के द्वारा प्रतिपादित अवस्थाएँ, शैक्षिक निर्देशन के लिए सूचना संकलन की प्रविधियाँ

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

1. निर्देशन के संप्रत्यय की समझ विकसित कर सकेंगे।
2. निर्देशन के सिद्धांतों का विश्लेषण व व्याख्या कर सकेंगे।
3. निर्देशन की विविध सेवाओं का औचित्यपूर्ण उपयोग कर सकेंगे।
4. निर्देशन के शैक्षिक प्रभावों को व्याख्यायित कर सकेंगे।
5. व्यावसायिक निर्देशन की अवस्थाओं की समझ विकसित कर सकेंगे।
6. व्यावसायिक निर्देशन का विद्यार्थियों पर पड़ने वाले प्रभाव को अवलोकित कर सकेंगे।
(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	निर्देशन का संप्रत्यय: निर्देशन का अर्थ, स्वरूप, आवश्यकता, क्षेत्र	3			3	5
मॉड्यूल-2	निर्देशन के सिद्धान्त- व्यक्ति का महत्व एवं प्रतिष्ठा की स्वीकृति का सिद्धान्त, कर्मकारों का कोर्यो में समन्वय सिद्धान्त, व्यक्ति का सर्वोत्तम विकास में सहयोग सिद्धान्त	6			6	10
मॉड्यूल-3	निर्देशन के प्रकार: शैक्षिक निर्देशन, व्यावसायिक निर्देशन, वैयक्तिक निर्देशन	6			6	10
मॉड्यूल-4	विविध निर्देशन सेवा: व्यैयक्तिक सेवा, शैक्षिक सेवा, व्यावसायिक सेवा	5			5	8.33
मॉड्यूल-5	वृत्ति नियोजन सेवा, अनुवर्तन सेवा	5			5	8.33
मॉड्यूल-6	निर्देशन विधियाँ: सामुहिक विधि, व्यैयक्तिक विधि	5			5	8.33

मॉड्यूल-7	शैक्षिक निर्देशन: शैक्षिक निर्देशन- अर्थ, स्वरूप, आवश्यकता, उद्देश्य	5			5	8.33
मॉड्यूल-8	निर्देशन का शैक्षिक प्रभाव, विभिन्न स्तरों पर शैक्षिक निर्देशन	5			5	8.33
मॉड्यूल-9	शैक्षिक निर्देशन के लिए सूचना संकलन की प्रविधियाँ	5			5	8.33
मॉड्यूल-10	व्यावसायिक निर्देशन: व्यावसायिक निर्देशन- अर्थ, स्वरूप, आवश्यकता, उद्देश्य,	5			5	8.33
मॉड्यूल-11	बालकों में व्यावसायिक निर्देशन का प्रभाव; व्यावसायिक विकास अवस्थाएँ- जिंजबर्ग, सुपर, हेविंगहर्ट, होलेण्ड आदि के द्वारा प्रतिपादित अवस्थाएँ,	7			7	11.66
मॉड्यूल-12	शैक्षिक निर्देशन के लिए सूचना संकलन की प्रविधियाँ	3			3	5
योग		60			60	100

टिप्पणी:

17. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
18. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केंद्रित निर्माणवादी
विधियाँ	व्याख्यान, प्रदत्तकार्य, वैयक्तिक एवं सामूहिक प्रस्तुति
तकनीक	कंप्यूटर सहायक तकनीकी, ई-कॉन्टेंट,
उपादान	प्रदत्त कार्य, स्व-अध्ययन सामग्री

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5
ज्ञानानुशासन के रूप में शिक्षा शास्त्र की व्यापक और गहन समझ का विकास करना					
भारतीय सन्दर्भ में शिक्षा की भूमिका के प्रति सजग आलोचनात्मक दृष्टि का विकास करना	X	X	X	X	X
शिक्षा एवं राष्ट्रीय विकास के बीच संबंधों को समझना			X		
ज्ञानमीमांसा के आधार पर शिक्षा की समझ विकसित करना					
सिद्धान्त और अनुभव से अर्जित सूझ द्वारा शिक्षा की चुनौतियों और विमर्शों के विश्लेषण की क्षमता का विकास करना					
राष्ट्रीय आवश्यकता के अनुसार वर्तमान शैक्षिक व्यवस्था में अपना योगदान सुनिश्चित करना	X	X	X		X
शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में तकनीकी के समावेश द्वारा अधिगम की कुशलता विकसित करना					
शिक्षा शास्त्र के ज्ञानानुशासन में शोध की क्षमता का विकास					
शिक्षक प्रशिक्षण एवं शैक्षिक व्यवसाय से जुड़े अन्य क्षेत्रों जैसे शोध, शैक्षिक नियोजन, शैक्षिक प्रशासन आदि क्षेत्रों में कुशल अध्ययताओं का विकास करना	X		X		

टिप्पणी:

17. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
18. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार *	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#] विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	राय एवं अस्थाना (2010). निर्देशन एवं परामर्श (संप्रत्यय, सिद्धान्त एवं अवधारणा). वाराणसी: मोतीलाल बनारसी।
2	संदर्भ-ग्रंथ	Bernard, Harold W & Fullmer Daniel W. (1977) Principles of Guidance, Second Edition, New York -Thomas Y.Crowell Company.

		• Jones, J.A :(1970) Principles of Guidance, Bombay, Tata. New York. McGraw Hill. • Myres, G.E: Principles and Techniques of Vocational Guidance, New York, Mc Graw Hill. • Granz, F.M: Foundation and Principles of Guidance, Boston, Allyn and Bacon. • Pandey, K.P. (2000), Educational and Vocational Guidance in India. Varanasi - Vishwa Vidyalaya Prakashan Chowk.
3	ई-संसाधन	• www.swayam.gov.in • http://nmeict.detsndt.ac.in/ • https://ncte.gov.in/Website/OER.aspx
4	अन्य	

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1. पाठ्यचर्याका नाम: पाठ्यचर्या अध्ययन
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: शिक्षा 010
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 4
(Credit)

4. सेमेस्टर: तृतीय
(Semester)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण:

(Description of Course)

इकाई 1: पाठ्यचर्या के मूलाधार: ऐतिहासिक, दार्शनिक समाजशास्त्रीय और मनोवैज्ञानिक; पाठ्यचर्या के निर्धारक; पाठ्यचर्या पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तक के मध्य अन्तर

इकाई 2: पाठ्यचर्या विकास के उपागम: विद्यार्थी केन्द्रित, गतिविधि केन्द्रित, समुदाय केन्द्रित, समकालीन शिक्षा विमर्शों के सन्दर्भ में विद्यालयी पाठ्यचर्या के विभिन्न खाँचों का आलोचनात्मक परीक्षण

इकाई 3: शिक्षणशास्त्र और पाठ्यचर्या: सीखने-सिखाने के मुद्दे जैसे शिक्षा का माध्यम, ज्ञान का अपनाया जाना, विषय के ज्ञान का शिक्षण सहायक सामग्रियों और कक्षा की शिक्षाशास्त्रीय युक्तियों में रूपान्तरण, पाठ्यक्रम और सीखने के मध्य सम्बन्ध

इकाई 4: प्रमुख सरोकार: पाठ्यक्रम और नीति के मध्य सम्बन्ध, पाठ्यचर्या का क्रियान्वयन, पाठ्यचर्या मूल्यांकन: आवश्यकता, रचनात्मक और योगात्मक मूल्यांकन, प्रच्छन्न पाठ्यक्रम: अवधारणा और इसके विस्तार के तरीकों का विश्लेषणात्मक अध्ययन

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

1. पाठ्यचर्या के आधारभूत आधारों में अंतर कर सकेंगे।
2. पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम एवं पाठ्यपुस्तक के महत्व की व्याख्या कर सकेंगे।
3. पाठ्यचर्या विकास के उपगमों की समझ विकसित कर सकेंगे।
4. विषय ज्ञान को हस्तांतरित करने के लिए शिक्षण युक्तियों का विकास कर सकेंगे।
5. पाठ्यचर्या मूल्यांकन के विभिन्न अवयवों को उपयोग कर सकेंगे।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	पाठ्यचर्या के मूलाधार: ऐतिहासिक, दार्शनिक समाजशास्त्रीय और मनोवैज्ञानिक;	6			6	10
मॉड्यूल-2	पाठ्यचर्या के निर्धारक;	3			3	5
मॉड्यूल-3	पाठ्यचर्या पाठ्यक्रम और पाठ्यपुस्तक के मध्य अन्तर	6			6	10
मॉड्यूल-4	पाठ्यचर्या विकास के उपागम: विद्यार्थी केन्द्रित, गतिविधि केन्द्रित, समुदाय केन्द्रित	6			6	10
मॉड्यूल-5	पाठ्यचर्या विकास के उपागम: समुदाय केन्द्रित,	3			3	5
मॉड्यूल-6	समकालीन शिक्षा विमर्शों के सन्दर्भ में विद्यालयी पाठ्यचर्या के विभिन्न खँचों का आलोचनात्मक	6			6	10

परीक्षण						
मॉड्यूल-7	शिक्षणशास्त्र और पाठ्यचर्या: सीखने-सिखाने के मुद्दे जैसे शिक्षा का माध्यम, ज्ञान का अपनाया जाना,	6			6	10
मॉड्यूल-8	विषय के ज्ञान का शिक्षण सहायक सामग्रियों और कक्षा की शिक्षाशास्त्रीय युक्तियों में रूपान्तरण	6			6	10
मॉड्यूल-9	पाठ्यक्रम और सीखने के मध्य सम्बन्ध	3			3	5
मॉड्यूल-10	प्रमुख सरोकार: पाठ्यक्रम और नीति के मध्य सम्बन्ध, पाठ्यचर्या का क्रियान्वयन,	5			5	8.33
मॉड्यूल-11	पाठ्यचर्या मूल्यांकन: आवश्यकता, रचनात्मक और योगात्मक मूल्यांकन,	5			5	8.33
मॉड्यूल-12	प्रच्छन्न पाठ्यक्रम: अवधारणा और इसके विस्तार के तरीकों का विश्लेषणात्मक अध्ययन	5			5	8.33
योग		60			60	100

टिप्पणी:

19. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
20. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केंद्रित निर्माणवादी
विधियाँ	व्याख्यान, प्रदत्तकार्य, वैयक्तिक एवं सामूहिक प्रस्तुति
तकनीक	कंप्यूटर सहायक तकनीकी, ई-कॉन्टेंट,
उपादान	प्रदत्त कार्य, स्व-अध्ययन सामग्री

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5
ज्ञानानुशासन के रूप में शिक्षा शास्त्र की व्यापक और गहन समझ का विकास करना	X	X	X	X	X
भारतीय सन्दर्भ में शिक्षा की भूमिका के प्रति सजग आलोचनात्मक दृष्टि का विकास करना					
शिक्षा एवं राष्ट्रीय विकास के बीच संबंधों को समझना					
ज्ञानमीमांसा के आधार पर शिक्षा की समझ विकसित करना	X	X	X	X	X
सिद्धान्त और अनुभव से अर्जित सूझ द्वारा शिक्षा की चुनौतियों और विमर्शों के विश्लेषण की क्षमता का विकास करना					
राष्ट्रीय आवश्यकता के अनुसार वर्तमान शैक्षिक व्यवस्था में अपना योगदान सुनिश्चित करना					
शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में तकनीकी के समावेश द्वारा अधिगम की कुशलता विकसित करना	X	X			X
शिक्षा शास्त्र के ज्ञानानुशासन में शोध की क्षमता का विकास					
शिक्षक प्रशिक्षण एवं शैक्षिक व्यवसाय से जुड़े अन्य क्षेत्रों जैसे शोध, शैक्षिक नियोजन, शैक्षिक प्रशासन आदि क्षेत्रों में कुशल अध्ययताओं का विकास करना	X	X			X

टिप्पणी:

19. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
20. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#] विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	- MHRD, Gov. of India (1992), National policy on education (revised) New Delhi. - MHRD, (1992), Programme of action. Govt. of India, New Delhi. - Report of the Education Commission (1964-66). - Report of the National Commission on Teachers

		(1983-85). • Report of the Delors Commission, UNESCO, 1996 • National Policy of Education 1986/1992. • National Curriculum Framework (2005, 2009, 2014). • NCTE Regulations 2009, 2014 •
2	संदर्भ-ग्रंथ	• Erickson. H. Lynn: Concept based curriculum Instruction: Teaching Beyond the Facts; Crown Press, California, 1998. • Glasgow Neel, A.: New Curriculum for New Times, A Guide to Student-centred, Problem-based Learning, Crown Press, California, 1996. • Maclean, James, E.: Improving Education through Action Research: A Guide for Administration and Teachers; Crown Press, California 1994. • Ornstein, Allan, C. & Frances Hunkins: Curriculum: Foundations, Principles and Theory; Allyn & Bacon, London, 1993. • Beauchamp, G.A (1981): Curriculum theory (4th edition.). Itasca, IL: Peacock Publishers • Bruner. J.S. (1966) Towards a theory of Instruction. Cambridge. Harvard University Press. • Henson, Kenneth.T(1978): Curriculum development for Education reform. Harper Collins College publishers. • Joseph Schwab, (1969). The Practical: A language for curriculum. School Review, November. • Kelley, A.B. (1996). The Curricular Theory and Practice. Harper and Row, US. • Nirantar (1997). Developing a Curriculum for Rural Women, Nirantar, New Delhi.

		• Padma M. Sarangapani (2003). Constructing School Knowledge, An Ethnography of learning in an Indian Village, Sage Publication Inc., New Delhi. • Saylor, J.G & Alexander, W.M. (1966). Curriculum planning for modern schools, New York: Holt, Rinehart & Winston.
3	ई-संसाधन	• www.swayam.gov.in • http://nmeict.detsndt.ac.in/ • https://ncte.gov.in/Website/OER.aspx

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा
Template for the Course

1. पाठ्यचर्याका नाम: सामाजिक विज्ञान का शिक्षणशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: शिक्षा 011.1
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 4
(Credit)

4. सेमेस्टर: तृतीय
(Semester)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	60
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण:

(Description of Course)

इकाई 1: परिचय: सामाजिक विज्ञान की प्रकृति, विशेषताएँ और उपागम; विद्यालय स्तर पर विभिन्न सामाजिक विज्ञानों का ऐतिहासिक विकास; सामाजिक विज्ञानों की पुनर्व्याख्या: सबअल्टर्न, दलित और स्त्रीवादी परिप्रेक्ष्य

इकाई 2: सामाजिक विज्ञान की कक्षा में सीखना-सिखाना: सामाजिक विषय की अवधारणाओं के बारे में बच्चों की सोच; सामाजिक विज्ञान की कक्षा में बच्चों की संलग्नता, शिक्षक के शिक्षणशास्त्रीय विश्वास और शिक्षणशास्त्रीय युक्तियाँ

इकाई 3: सामाजिक विज्ञान का पाठ्यक्रम: ज्ञान, शिक्षार्थी और समाज की अन्तर्निहित मान्यताओं का समझ, विभिन्न स्तरों पर पाठ्यक्रम का संगठन, सामाजिक विज्ञान में आकलन की प्रक्रियाएँ व आकलन के वैकल्पिक तरीके

इकाई 4: सामाजिक विज्ञान के शिक्षणशास्त्र से जुड़े मुद्दे: संस्कृति स्पंदित पेडागाजी, मीडिया और लोकप्रिय संस्कृतियों का प्रभाव; सामाजिक सांस्कृतिक प्रतिनिधित्व, सत्ता और रूढ़ियाँ

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

1. सामाजिक विज्ञान की प्रकृति से परिचित हो सकेंगे।
2. सामाजिक विज्ञान की ऐतिहासिक प्रगति का वर्णन कर सकेंगे एवं सामाजिक विज्ञान की पुनर्व्याख्या कर सकेंगे।
3. कक्षा में सामाजिक विज्ञान के सीखने व सिखाने के तरीकों की अवधारणाओं से परिचित हो सकेंगे।
4. सामाजिक विज्ञान में आकलन एवं मूल्यांकन की प्रणाली की समीक्षा कर सकेंगे।
5. सामाजिक विज्ञान के विभिन्न मुद्दों के प्रति आलोचनात्मक समझ विकसित कर सकेंगे।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	परिचय: सामाजिक विज्ञान की प्रकृति, विशेषताएँ और उपागम	5			5	8.33
मॉड्यूल-2	विद्यालय स्तर पर विभिन्न सामाजिक विज्ञानों का ऐतिहासिक विकास;	5			5	8.33
मॉड्यूल-3	सामाजिक विज्ञानों की पुनर्व्याख्या: सबअल्टर्न, दलित और स्त्रीवादी परिप्रेक्ष्य	5			5	8.33
मॉड्यूल-4	सामाजिक विज्ञान की कक्षा में सीखना-सिखाना: सामाजिक विषय की अवधारणाओं के बारे में बच्चों की सोच;	6			6	10
मॉड्यूल-5	सामाजिक विज्ञान की कक्षा में बच्चों की संलग्नता,	3			3	5
मॉड्यूल-6	शिक्षक के शिक्षणशास्त्रीय विश्वास और शिक्षणशास्त्रीय युक्तियाँ	6			6	10

मॉड्यूल-7	सामाजिक विज्ञान का पाठ्यक्रम: ज्ञान, शिक्षार्थी और समाज की अन्तर्निहित मान्यताओं का समझ,	6			6	10
मॉड्यूल-8	विभिन्न स्तरों पर पाठ्यक्रम का संगठन,	4			4	6.66
मॉड्यूल-9	सामाजिक विज्ञान में आकलन की प्रक्रियाएँ व आकलन के वैकल्पिक तरीके	5			5	8.33
मॉड्यूल-10	सामाजिक विज्ञान के शिक्षणशास्त्र से जुड़े मुद्दे: संस्कृति स्पंदित पेडागाजी,	5			5	8.33
मॉड्यूल-11	मीडिया और लोकप्रिय संस्कृतियों का प्रभाव;	5			5	8.33
मॉड्यूल-12	सामाजिक सांस्कृतिक प्रतिनिधित्व, सत्ता और रूढ़ियाँ	5			5	8.33
योग		60			60	100

टिप्पणी:

- माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
- प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केंद्रित निर्माणवादी
विधियाँ	व्याख्यान, प्रदत्तकार्य, वैयक्तिक एवं सामूहिक प्रस्तुति

तकनीक	कंप्यूटर सहायक तकनीकी, ई-कंटेंट,
उपादान	प्रदत्त कार्य, स्व-अध्ययन सामग्री

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5
ज्ञानानुशासन के रूप में शिक्षा शास्त्र की व्यापक और गहन समझ का विकास करना	X	X	X	X	X
भारतीय सन्दर्भ में शिक्षा की भूमिका के प्रति सजग आलोचनात्मक दृष्टि का विकास करना					
शिक्षा एवं राष्ट्रीय विकास के बीच संबंधों को समझना					
ज्ञानमीमांसा के आधार पर शिक्षा की समझ विकसित करना	X	X	X	X	X
सिद्धान्त और अनुभव से अर्जित सूझ द्वारा शिक्षा की चुनौतियों और विमर्शों के विश्लेषण की क्षमता का विकास करना					
राष्ट्रीय आवश्यकता के अनुसार वर्तमान शैक्षिक व्यवस्था में अपना योगदान सुनिश्चित करना					
शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में तकनीकी के समावेश द्वारा अधिगम की कुशलता विकसित करना	X	X			X
शिक्षा शास्त्र के ज्ञानानुशासन में शोध की क्षमता का विकास					
शिक्षक प्रशिक्षण एवं शैक्षिक व्यवसाय से जुड़े अन्य क्षेत्रों जैसे शोध, शैक्षिक नियोजन, शैक्षिक प्रशासन आदि क्षेत्रों में कुशल अध्ययताओं का विकास करना	X	X			X

टिप्पणी:

21. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
22. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार *	सत्रीय-पत्र #	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	- MHRD, Gov. of India (1992), National policy on education (revised) New Delhi. - MHRD, (1992), Programme of action. Govt. of India, New Delhi. - Report of the Education Commission (1964-66). - Report of the National Commission on Teachers (1983-85). - Report of the Delors Commission, UNESCO, 1996 - National Policy of Education 1986/1992. - National Curriculum Framework (2005, 2009, 2014). - NCTE Regulations 2009, 2014
2	संदर्भ-ग्रंथ	Batra, P. (Ed 2010). Social Science Learning in Schools: Perspective and Challenges. Sage Publications India Pvt. Ltd. New Delhi.

		• George, A., M. & Madan, A. (2009). Teaching Social Science in Schools. Sage Publications India Pvt. Ltd. New Delhi. • Hamm, B. (1992). Europe – A Challenge to the Social Sciences. International Social Science Journal (vol. 44). • Haralambos, M. (1980). Sociology Themes and Perspectives. New York. O.U.P. • Mayor, F. (1992). The role of the Social Sciences in a changing Europe. International Social Science Journal (vol. 44). • Popper, Karl. (1971). The Open Society and its Enemies. Princeton University Press. • Prigogine, I., & Stengers I. (1984). Order Out of Chaos: Man's New Dialogue with Nature. Batnam Books. • Wagner, P. (1999). The Twentieth Century – the Century of the Social Sciences? World Social Science Report. • Wallerstein, I, et al., (1996). Open The Social Sciences: Report of the Gulbenkian commission on the Restructuring of the Social Sciences. Vistaar Publications, New Delhi. • Williams, M. (2000). Science and Social Science: An introduction. Routledge, London and New York.
3	ई-संसाधन	• .www.swayam.gov.in

		• http://nmeict.detsndt.ac.in/ • https://ncte.gov.in/Website/OER.aspx

1. पाठ्यचर्या का नाम: विज्ञान का शिक्षणशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्या का कोड: 011.2
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 4
(Credit)

4. सेमेस्टर: 3rd
(Semester)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	50
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	2
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	2
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	6
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)

इकाई 1: विज्ञान और वैज्ञानिक ज्ञान की प्रकृति: दार्शनिक, समाजशास्त्रीय, ऐतिहासिक और नैतिक परिप्रेक्ष्य, वैज्ञानिक खोज और विज्ञान की विधियाँ, विज्ञान की साक्षरता और विज्ञान के प्रति अभिवृत्ति

इकाई 2: विज्ञान का सीखना और अवधारणा का विकास: विभिन्न स्तरों पर विज्ञान का शिक्षण: प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, माध्यमिक, उच्च माध्यमिक और उच्च शिक्षा

इकाई 3: विज्ञान पाठ्यचर्या: पाठ्यचर्या के ढाँचों का आलोचनात्मक परीक्षण और पाठ्यचर्या से जुड़े विमर्श, विज्ञान की कुछ नवाचारी पाठ्यचर्याओं की केस स्टडी, विज्ञान के शिक्षणशास्त्रीय अभ्यास: ऐतिहासिक, सामाजिक मान्यताएँ, उद्देश्य, युक्तियाँ, आई0सी0टी0 का समेकन,

इकाई 4: विज्ञान शिक्षणशास्त्र के समकालीन विमर्श: आलोचनात्मक शिक्षाशास्त्र, स्त्रीवादी शिक्षाशास्त्र, लोक शिक्षाशास्त्र, विज्ञान, विशिष्ट विधिर्धियों को विज्ञान का पढ़ाना, समाज और तकनीकी की अन्तःक्रिया और विज्ञान पाठ्यचर्या के लिए निहितार्थ, विज्ञान में आकलन की प्रक्रियाएँ व आकलन के वैकल्पिक तरीके

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

1- विज्ञान की एक गतिशील तथा विस्तृत हो रहे ज्ञान के अनुशासन और एक सामाजिक उद्यम के रूप में संकल्पना कर सकेंगे।

2. विद्यालयी शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर विज्ञान पाठ्यक्रम के निर्माण के विभिन्न दृष्टिकोणों का आकलन कर सकेंगे।

3. कक्षा में विज्ञान के सीखने व सिखाने के तरीकों की अवधारणाओं से परिचित हो सकेंगे।
4. विज्ञान में शिक्षण-अधिगम हेतु विभिन्न प्रकार के पाठ्यचर्या सामग्री की रचना तथा विकास की विवेचना कर सकेंगे।
5. विज्ञान में सतत और व्यापक मूल्यांकन के लिए विभिन्न वैकल्पिक उपकरणों और तकनीकों पर विचार-विमर्श कर सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्या न	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	विज्ञान की प्रकृति - विज्ञान का ऐतिहासिक एवं सामाजिक विकास - विज्ञान का दार्शनिक एवं नैतिक परिप्रेक्ष्य - विज्ञान की शाखाएँ - मानव कल्याण में विज्ञान की उपयोगिता	10	02	03	15	25
मॉड्यूल-2	विज्ञान अधिगम की अवधारणाओं का विकास - प्राथमिक स्तर पर विज्ञान शिक्षण - उच्च प्राथमिकस्तर पर विज्ञान शिक्षण - माध्यमिक स्तर पर विज्ञान शिक्षण - उच्च माध्यमिक स्तर पर	10	02	03	15	25

	विज्ञान शिक्षण उच्च शिक्षा स्तर पर विज्ञान शिक्षण					
मॉड्यूल-3	विज्ञान पाठ्यचर्या विमर्श - आधुनिक समय में विज्ञान की नवाचारी युक्तियाँ - विज्ञान शिक्षण प्रक्रिया में आई. सी. टी. का अनुप्रयोग - वैज्ञानिक प्रविधि एवं वैज्ञानिक प्रक्रिया कौशल - विज्ञान के शिक्षण शास्त्रीयउद्देश्य एवं मान्यताएँ	10	02	03	15	25
मॉड्यूल-4	समकालीन विज्ञान शिक्षणशास्त्रविमर्श - विज्ञान पाठ्यचर्या के शैक्षिक निहितार्थ - विज्ञान शिक्षणशास्त्र में आकलन की प्रक्रियाएँ एवं वैकल्पिक युक्तियाँ - समकालीन स्त्रीवादी, लोक, आलोचनात्मक, एवं विज्ञानशिक्षाशास्त्र की उपयोगिता - विज्ञान शिक्षण अधिगम में विशिष्ट विद्यार्थियों की चुनौतियों एवं समाधान	10	02	03	15	25

टिप्पणी:

1. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
2. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	● आगमनात्मक ● निगमनात्मक ● रचनावादी ● विवेचनात्मक ● समेकित/एकीकृत ● अंतरानुशासिक ● सहयोगात्मक
विधियाँ	● व्याख्यान सह परिचर्चा ● विचार विमर्श ● सामूहिक चर्चा ● प्रस्तुतीकरण ● पैनल चर्चा ● संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	● सहयोगी अधिगम ● पृच्छा-आधारित अनुदेशन एवं अधिगम ● फ्लिप्पड कक्षा-कक्ष ● विभेदित अनुदेशन ● कंप्यूटर सहायित अनुदेशन
उपादान	● लैपटॉप ● प्रोजेक्टर ● स्मार्टबोर्ड ● मानकीकृत मनोवैज्ञानिक परीक्षण

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	-	-	X	X	-	X	-

टिप्पणी:

1. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#]विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	

निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	•
2	संदर्भ-ग्रंथ	• National Curriculum Framework (2005). NCERT, New Delhi. • Focus Group Report on Teaching of Science (2005). NCERT, New Delhi. • Minkoff, E.C. & Baker, P.J. (2004). Biology Today: An Issue Approach, garland science. • Biology: Science & Ethics, 1-32. Novak, J.D. & Gown, D.B. (1984). Learning How to Learn. Cambridge University Press. • Steve Alsop & Keith Hicks (2003). Teaching Science. Kogan Page India Private Limited.
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1. पाठ्यचर्याका नाम: भाषा शिक्षा का शिक्षणशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य
(Name of the Course)

2. पाठ्यचर्याका कोड: शिक्षा 011.3
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 4
(Credit)

4. सेमेस्टर: तृतीय
(Semester)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)

इकाई 1: परिचय: बच्चे पढ़ना कैसे सीखते हैं?: मुद्दे और विमर्श, पठन: डीकोडिंग की प्रक्रिया के रूप में, पठन का मनो-भाषिक उपागम, भाषा अनुभव उपागम, सम्पूर्ण भाषा उपागम, लिखना सिखाने के उपागम, साक्षरता का आरम्भ, लिखने की प्रक्रिया

इकाई 2: भाषा सीखने में साहित्य की भूमिका: पाठक प्रतिक्रिया सिद्धान्त, विषयक्षेत्र पठन, बाल साहित्य का महत्व

इकाई 3: भाषा शिक्षा में आकलन: रचनात्मक आकलन, योगात्मक आकलन, पोर्टफोलियो द्वारा आकलन, भाषा के कौशलों का आकलन, आकलन के वैकल्पिक तरीके

इकाई 4: भाषा शिक्षा की चुनौतियाँ: भाषा कक्षा में बहु-सांस्कृतिकता, भाषा अधिगम का सांस्कृतिक हीनता का सिद्धान्त, भाषा की राजनीति, भाषा और बोली

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

1. भाषा में पढ़ना सीखने के तरीकों से परिचित हो सकेंगे।
2. भाषा में साहित्य की भूमिका का मूल्यांकन कर सकेंगे।
3. भाषा सीखने और सिखाने में आकलन के तरीकों का उपयोग कर सकेंगे।
4. भाषा में आने वाली चुनौतियों का विश्लेषण कर सकेंगे।
5. बहुभाषी कक्षा के महत्व से परिचित हो सकेंगे।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	परिचय: बच्चे पढ़ना कैसे सीखते हैं?: मुद्दे और विमर्श, पठन: डीकोडिंग की प्रक्रिया के रूप में,	5			5	8.33
मॉड्यूल-2	पठन का मनो-भाषिक उपागम, भाषा अनुभव उपागम, सम्पूर्ण भाषा उपागम,	5			5	8.33
मॉड्यूल-3	लिखना सिखाने के उपागम, साक्षरता का आरम्भ, लिखने की प्रक्रिया	5			5	8.33
मॉड्यूल-4	भाषा सीखने में साहित्य की भूमिका: पाठक प्रतिक्रिया सिद्धान्त,	6			6	11.66
मॉड्यूल-5	विषयक्षेत्र पठन	4			4	6.66
मॉड्यूल-6	बाल साहित्य का महत्व	5			5	8.33
मॉड्यूल-7	भाषा शिक्षा में आकलन: रचनात्मक आकलन, योगात्मक आकलन,	6			6	10
मॉड्यूल-8	पोर्टफोलियो द्वारा	6			6	10

	आकलन, भाषा के कौशलों का आकलन,					
मॉड्यूल-9	आकलन के वैकल्पिक तरीके	3			3	5
मॉड्यूल-10	भाषा शिक्षा की चुनौतियाँ: भाषा कक्षा में बहु-सांस्कृतिकता,	5			5	8.33
मॉड्यूल-11	भाषा अधिगम का सांस्कृतिक हीनता का सिद्धान्त,	5			5	8.33
मॉड्यूल-12	भाषा की राजनीति, भाषा और बोली	5			5	8.33
योग		60			60	100

टिप्पणी:

- माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
- प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केंद्रित निर्माणवादी
विधियाँ	व्याख्यान, प्रदत्तकार्य, वैयक्तिक एवं सामूहिक प्रस्तुति
तकनीक	कंप्यूटर सहायक तकनीकी, ई-कॉन्टेंट,
उपादान	प्रदत्त कार्य, स्व-अध्ययन सामग्री

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5
ज्ञानानुशासन के रूप में शिक्षा शास्त्र की व्यापक और गहन समझ का विकास करना	X	X	X	X	X
भारतीय सन्दर्भ में शिक्षा की भूमिका के प्रति सजग आलोचनात्मक दृष्टि का विकास करना					
शिक्षा एवं राष्ट्रीय विकास के बीच संबंधों को समझना					
ज्ञानमीमांसा के आधार पर शिक्षा की समझ विकसित करना	X	X	X	X	X
सिद्धान्त और अनुभव से अर्जित सूझ द्वारा शिक्षा की चुनौतियों और विमर्शों के विश्लेषण की क्षमता का विकास करना					
राष्ट्रीय आवश्यकता के अनुसार वर्तमान शैक्षिक व्यवस्था में अपना योगदान सुनिश्चित करना					
शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में तकनीकी के समावेश द्वारा अधिगम की कुशलता विकसित करना	X	X			X
शिक्षा शास्त्र के ज्ञानानुशासन में शोध की क्षमता का विकास					
शिक्षक प्रशिक्षण एवं शैक्षिक व्यवसाय से जुड़े अन्य क्षेत्रों जैसे शोध, शैक्षिक नियोजन, शैक्षिक प्रशासन आदि क्षेत्रों में कुशल अध्ययताओं का विकास करना	X	X			X

टिप्पणी:

3. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
4. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#] विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य सामग्री	विवरण (APAFormat में)
1	आधार/पाठ्य-ग्रंथ	गुप्त, मनोरमा – भाषा अधिगम, केंद्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा गुनानंद हिन्दी भाषा का उद्भव और विकास – विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा द्विवेदी, देवीशंकर – भाषा और भाषिकी, भाषाविभाग-नविज्ञा-सागर वि. वि., सागर पांडेय, रामाशकल – हिंदी शिक्षण, अग्रवाल पब्लिकेशन, आगरा चतुर्वेदी, शिखा – हिन्दी शिक्षण, आर लाल बुक डिपो., मेरठ शर्मा, देवेन्द्रनाथ – भाषा विज्ञान की भूमिका, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली तीवारी, भोलानाथ, भाषा विज्ञान, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
2	संदर्भ-ग्रंथ	सक्सेना, राधारानी, (2013, 'नवाचारी शिक्षण पद्धतियाँ, जयपुर, राजस्थान हिंदी ग्रन्थ अकादमी। शर्मा, लक्ष्मनारायण, सिंह फतेह, संस्कृतशिक्षण नविन प्रविधयः आदित्यप्रकाशन, जयपुर मित्तल, संतोष, संस्कृतशिक्षणम, नवचेतना पब्लिकेशन्स, जयपुर सफाया, रघुनाथ, संस्कृत शिक्षण, हरयाणाग्रन्थ अकादमि. पाण्डे, रामशकल, संस्कृत शिक्षण, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा विश्वास: कौशलबोधिनि, संस्कृत भारती, दिल्ली शर्मा, मुरलीधर, संस्कृत शिक्षण समस्या, रा.सं.सं. विद्यापीठ, तिरुपति सिंह कर्ण, संस्कृतशिक्षण विधि, एच.पि. भार्गव बुक सेंटर, आगरा
3	ई-संसाधन	http://www.mgahv.in/Pdf/Dist/gen/hindi_14_06_16.Pdf
4	अन्य	

4. पाठ्यचर्या का नाम: गणित का शिक्षणशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य
(Name of the Course)

5. पाठ्यचर्या का कोड: 011.4
(Code of the Course)

6. क्रेडिट: 4
(Credit)

4. सेमेस्टर: 3rd
(Semester)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	54
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	2
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	2
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	2
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण: विशिष्ट क्षमता वाले विद्यार्थियों की शिक्षा
(Description of Course)

इकाई 1: गणित का ज्ञान: प्रकृति, अनुशासन के रूप में गणित का संक्षिप्त इतिहास, दैनिक गणित, गणितज्ञों की गणित और स्कूल की गणित की समझ,

इकाई 2: गणित की समझ: गणित के समझने और सीखने के मनोवैज्ञानिक आधार, बच्चों में गणितीय अवधारणाओं के विकास की सैद्धान्तिक समझ

इकाई 3: पाठ्यचर्या: गणित की पाठ्यचर्या और पुस्तकों का विश्लेषणात्मक अध्ययन: प्राथमिक, उच्च प्राथमिक, माध्यमिक, उच्च माध्यमिक और उच्च शिक्षा के स्तर पर, गणित के शिक्षकों का ज्ञान, विश्वास और मान्यताएँ

इकाई 4: आकलन: गणित के सीखने-सीखाने में आकलन की भूमिका, गणित के आकलन के वैकल्पिक तरीके

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs: _____
(Course Learning Outcomes)

- विद्यार्थी गणित को एक अनुशासन के रूप में विकास को समझ सकेंगे।
- विद्यार्थी गणित शिक्षण की विभिन्न विधियों के प्रयोग का कौशल विकसित कर सकेंगे।
- कक्षा में गणित सीखने व सिखाने के तरीकों की अवधारणाओं से परिचित हो सकेंगे।
- विद्यार्थी गणित शिक्षण के विभिन्न दार्शनिक पहलुओं की व्याख्या कर सकेंगे।
- विद्यार्थी गणितीय मॉडल की सहायता से वास्तविक जीवन की समस्याओं को हल कर सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्या न	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	गणित की प्रकृति - गणित शिक्षण का संक्षिप्त इतिहास, - गणित शिक्षण की प्रकृति - गणितीय ज्ञान का अन्य विषयों से सहसंबंध - दैनिक जीवन में गणित की उपयोगिता	10	02	03	15	25
मॉड्यूल-2	गणितीय अवधारणा - गणितीय शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया के मनोवैज्ञानिक आधार - बच्चों में गणितीय अवधारणाओं के विकास की सैद्धान्तिक समझ - गणितीय अवधारणों की प्रकृति - गणितीय अवधारणों के सिद्धांत	10	02	03	15	25

मॉड्यूल-3	गणित पाठ्यचर्या विमर्श ● गणितीय शिक्षण के उद्देश्य ● गणितीय क्लब ● बहु-सांस्कृतिक गणित की अवधारणा ● गणित पाठ्यचर्या के शैक्षिक निहितार्थ	10	02	03	15	25
मॉड्यूल-4	मूल्यांकन प्रक्रिया ● गणितीय शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में मूल्यांकन की भूमिका ● गणित शिक्षणशास्त्र में मूल्यांकन की प्रक्रियाएँ ● गणितीय शिक्षण अधिगम के वैकल्पिक आयाम ● गणित शिक्षण अधिगम के मूल्यांकन की चुनौतियों एवं समाधान	10	02	03	15	25

टिप्पणी:

5. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
6. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	● आगमनात्मक ● निगमनात्मक ● रचनावादी ● विवेचनात्मक ● समेकित/एकीकृत ● अंतरानुशासिक ● सहयोगात्मक
विधियाँ	● व्याख्यान सह परिचर्चा ● विचार विमर्श ● सामूहिक चर्चा ● प्रस्तुतीकरण ● पैनल चर्चा ● संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	● सहयोगी अधिगम ● पृच्छा-आधारित अनुदेशन एवं अधिगम ● फ्लिप्पड कक्षा-कक्ष ● विभेदित अनुदेशन ● कंप्यूटर सहायित अनुदेशन
उपादान	● लैपटॉप ● प्रोजेक्टर ● स्मार्टबोर्ड ● मानकीकृत मनोवैज्ञानिक परीक्षण

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	-	-	X	X	-	X	-

टिप्पणी:

5. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
6. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#]विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	•
2	संदर्भ-ग्रंथ	• The Philosophy of Mathematics Education by Paul Ernest, Routledge • Constructing Mathematical Knowledge: Epistemology and Mathematical Education, The Falmer Press. • The Teaching of Mathematics by I.W.A. Young. • The Teaching of Mathematics by K.S. Sidu. • AMT-01. Teaching Mathematics. IGNOU Series. • Kulshrestha, A.K. (2007). Teaching of Mathematics. Meerut: R.Lal Book Depot. • Mangal, S.K. (2007). Teaching of Mathematics, New Delhi: Arya Book Depot. • Devlin K. (2011). Introduction to Mathematical thinking. Ernest P. (1991). The Philosophy of Mathematics Education.
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

4. पाठ्यचर्याका नाम:शोध विधि एवं सांख्यिकीय तकनीकें
(Name of the Course)

5. पाठ्यचर्या का कोड:012
(Code of the Course)

6. क्रेडिट: 4 4. सेमेस्टर:3rd
(Credit) (Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण
(Description of Course)

इकाई 1: परिवर्त्य(चर) और मापन:

परिवर्त्य(चर) और मापन: परिवर्त्यों के प्रकार, मापन कार्य में प्रयुक्त मापनियाँ; आँकड़ों का सारणीयन व रेखाचित्र द्वारा प्रस्तुतीकरण

इकाई 2: केन्द्रीय प्रवृत्ति तथा विचलनशीलता:

केन्द्रीय प्रवृत्ति तथा विचलनशीलता: विविध माप, प्रतिशतांक और प्रतिशतांक रैंक, सामान्य प्रायिकता वक्र: प्रमुख विशेषताएँ और अनुप्रयोग

इकाई 3: सहसम्बन्ध तथा प्रतिगमन:

सहसम्बन्ध तथा प्रतिगमन: गुणन आघूर्ण विधि और पद-अनुक्रम अंतर की विधि, प्रतिगमन: परिचय तथा उपयोग

इकाई 4: आनुमानिक सांख्यिकी:

आनुमानिक सांख्यिकी: प्रतिदर्श वितरण, परिकल्पना परीक्षण, प्रसरण विश्लेषण, काई-स्क्वायर परीक्षण; एस0पी0एस0एस0 पैकेज का सांख्यिकीय विश्लेषण में उपयोग

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

- परिवर्त्य(चर) और मापनअवधारणा को समझने में समर्थ होंगे।
- सांख्यिकी के विभिन्न प्रकारों को समझने एवं प्रयोग करने में समर्थ होंगे।
- एस0पी0एस0एस0 पैकेज का सांख्यिकीय विश्लेषण में उपयोग करने में समर्थ होंगे।
- सांख्यिकी के माध्यम से आँकड़ों का विश्लेषण कर पायेंगे।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	60
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	00
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	00
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	00
कौशल विकास गतिविधियाँ	00
कुल क्रेडिटघंटे	60

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्या न	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	परिवर्त्य(चर) और मापन: - परिवर्त्य(चर) और मापन: परिवर्त्यों के प्रकार, - मापन कार्य में प्रयुक्त मापनियाँ - आँकड़ों का सारणीयन व रेखाचित्र द्वारा प्रस्तुतीकरण	10	2	3	15	25
मॉड्यूल-2	केन्द्रीय प्रवृत्ति तथा विचलनशीलता: - केन्द्रीय प्रवृत्ति तथा विचलनशीलता: विविध माप, - प्रतिशतांक और प्रतिशतांक रैंक, - सामान्य प्रायिकता वक्र: प्रमुख विशेषताएँ	10	2	3	15	25

	और अनुप्रयोग					
मॉड्यूल-3	सहसम्बन्ध तथा प्रतिगमन: - सहसम्बन्ध तथा प्रतिगमन: गुणन आघूर्ण विधि और पद-अनुक्रम अंतर की विधि, - प्रतिगमन: परिचय तथा उपयोग	10	2	3	15	25
मॉड्यूल-4	आनुमानिक सांख्यिकी: - आनुमानिक सांख्यिकी: - प्रतिदर्श वितरण - परिकल्पना परीक्षण - प्रसरण विश्लेषण, काई-स्क्वायर परीक्षण - एस0पी0एस0 एस0 पैकेज का सांख्यिकीय विश्लेषण में उपयोग	10	2	3	15	25
योग		40	8	12	60	100

टिप्पणी:

7. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
8. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	● समेकित/एकीकृत ● अंतरानुशासिक ● सहयोगात्मक ● रचनावादी ● विवेचनात्मक ● आगमनात्मक ● निगमनात्मक
विधियाँ	● प्रस्तुतीकरण ● पैनल चर्चा ● संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण ● व्याख्यान सह परिचर्चा ● विचार विमर्श ● सामूहिक चर्चा
तकनीक	● सहयोगी अधिगम ● पृच्छा-आधारित अनुदेशन एवं अधिगम ● फ्लिप्पड कक्षा-कक्ष ● विभेदित अनुदेशन ● कंप्यूटर सहायित अनुदेशन
उपादान	● लैपटॉप ● प्रोजेक्टर ● स्मार्टबोर्ड

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	-	-	X	X	-	X	-

टिप्पणी:

- X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
- एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#] विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	● अस्थाना, वि. (2019). शैक्षिक मापन, मूल्यांकन एवं सांख्यिकी, अग्रवाल पब्लिकेशन ● गुप्ता, एस. पी. (2015). आधुनिक मापन एवं मूल्यांकन, शारदा पुस्तक भवन: इलाहबाद ● सुलैमान, मुहम्मद. (2016). मनोविज्ञान, शिक्षा एवं अन्य सामाजिक विज्ञानों में सांख्यिकी, मोतीलाल बनारसीदास; वाराणसी ● गुप्ता, एस. पी एवं गुप्ता, अलका (2015). व्यवहारपरक विज्ञानों में सांख्यिकीय विधियाँ, शारदा पुस्तक भवन: इलाहबाद ● सिंह, ए.के.(2015). मनोविज्ञान, समाजशास्त्र तथा शिक्षा में शोध विधियाँ, मोतीलाल बनारसीदास.
2	संदर्भ-ग्रंथ	● Garrett, H.E.,(1993) . Statistics in Education and Psychology, Bombay. ● Khurana, C.R. (2007). Introduction to information Technology, ITL Education Solution Limited. ● Christensen, L. (2007). Experimental Methodology. Boston: Allyn & Bacon. ● Kaul, Lokesh (1984). Methodology of Educational Research. New Delhi: Vikas Publications. ● Fraenkel, J.R., Wallen, N.E. (1996). How to Design and Evaluate Research in Education. NewYork: McGraw Hill. ● Kerlinger, F.N. (1986). Foundations of Behavioural Research. Fort Worth, TX: Harcourt BmceJovanovich. ● Borg, W.R. and Gall, M.D. (1983).

		Educational Research – An Introduction, New York: Longman, Inc. • Sharma, Bharti (2004). Methodology of Educational Research. New Delhi: Vohra Publishers and Distributors.
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

शिक्षा 013: शैक्षिक मूल्यांकन और आकलन - 4 क्रेडिट

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

7. पाठ्यचर्याका नाम: शैक्षिक मूल्यांकन और आकलन
(Name of the Course)

8. पाठ्यचर्याकाकोड: 013
(Code of the Course)

9. क्रेडिट: 044. सेमेस्टर :4th
(Credit) (Semester)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	60
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	00
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	00
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास	00
गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिटघंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण:
(Description of Course)

इकाई 1: आकलन, मूल्यांकन और मापन:

अवधारणा और इनका अन्तःसम्बन्ध, शिक्षणशास्त्रीय दृष्टि से पाठ्यचर्या, सीखना और आकलन के सम्बन्धों का अध्ययन; कक्षा, विद्यालय और समाज में आकलन की भूमिका; आकलन के रूप: सीखने का आकलन, सीखने द्वारा आकलन, आकलन के लिए सीखना

इकाई 2: मापन और मूल्यांकन के उपकरण:

निबन्धात्मक परीक्षा, वस्तुनिष्ठ परीक्षा, लिखित परीक्षा, मौखिक परीक्षा व गैरप्रश्नावली, अनुसूची; मापन उपकरण की विशेषताएँ: विश्वसनीयता, वैधता, मानक और प्रयोज्यता; उपलब्धि परीक्षण का निर्माण और मानकीकरण, मानक सन्दर्भित और निकष सन्दर्भित परीक्षण

इकाई 3: आकलन में सुधार:

आकलन का रचनावादी और सामाजिक सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य; आकलन के वैकल्पिक तरीके: पोर्टफोलियो, सहभागी और सामूहिक गतिविधियाँ, स्वआकलन

इकाई 4: सतत व व्यापक मूल्यांकन:

अवधारणा, प्रक्रिया और क्रियान्वयन; भाषा, सामाजिक विज्ञान, विज्ञान और गणित के आकलन में ज्ञानानुशासन सम्बन्धित सन्दर्भों का समावेश

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

- आकलन, मापन एवं मूल्यांकन की अवधारणा को समझने में समर्थ होंगे।
- मूल्यांकन के विभिन्न उपकरण का प्रयोग करने में समर्थ होंगे।
- आकलन के वैकल्पिक तरीकों को समझने में समर्थ होंगे।
- सतत एवं व्यापक मूल्यांकन के कार्य प्रणाली तथा सोपान को व्याख्यायित का पाएंगे।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	आकलन, मूल्यांकन और मापन: • अवधारणा और इनका अन्तःसम्बन्ध, शिक्षणशास्त्रीय दृष्टि से पाठ्यचर्या। • सीखना और आकलन के सम्बन्धों का अध्ययन। • कक्षा, विद्यालय और समाज में आकलन की भूमिका।	10	2	3	15	25

	आकलन के रूप: सीखने का आकलन, सीखनेद्वारा आकलन, आकलन के लिए सीखना।					
मॉड्यूल-2	मापन और मूल्यांकन के उपकरण: - निबन्धात्मक परीक्षा, वस्तुनिष्ठ परीक्षा, लिखित परीक्षा, मौखिक परीक्षा। - गैरप्रश्नावली, अनुसूची, मापन उपकरण की विशेषताएँ: विश्वसनीयता, वैधता, मानक और प्रयोज्यता। - उपलब्धि परीक्षण का निर्माण और मानकीकरण, मानक सन्दर्भित और निकष सन्दर्भित परीक्षण।	10	2	3	15	25
मॉड्यूल-3	आकलन में सुधार: - आकलन का रचनावादी और सामाजिक सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य। - आकलन के वैकल्पिक तरीके: पोर्टफोलियो, सहभागी और	10	2	3	15	25

	सामूहिक गतिविधियाँ ● स्वआकलन।					
मॉड्यूल-4	सतत व व्यापक मूल्यांकन: ● अवधारणा, प्रक्रिया और क्रियान्वयन। ● भाषा, सामाजिक विज्ञान, विज्ञान और गणित के आकलन में ज्ञानानुशासन सम्बन्धित सन्दर्भों का समावेश।	10	2	3	15	25
योग		40	8	12	60	100

टिप्पणी:

9. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
10. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।
8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	● आगमनात्मक ● निगमनात्मक ● रचनावादी ● विवेचनात्मक ● समेकित/एकीकृत ● अंतरानुशासिक ● सहयोगात्मक
विधियाँ	● व्याख्यान सह परिचर्चा ● विचार विमर्श ● सामूहिक चर्चा ● प्रस्तुतीकरण

	● पैनल चर्चा ● संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	● सहयोगी अधिगम ● पृच्छा-आधारित अनुदेशन एवं अधिगम ● फ्लिपपड कक्षा-कक्ष ● विभेदित अनुदेशन ● कंप्यूटर सहायित अनुदेशन
उपादान	● लैपटॉप ● प्रोजेक्टर ● स्मार्टबोर्ड

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	-	-	X	X	-	X	-

टिप्पणी:

9. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

10. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#]विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	- गुप्ता, एस. पी. (2015). आधुनिक मापन एवं मूल्यांकन, शारदा पुस्तक भवन: इलाहाबाद. - शर्मा, एन. के. (2011). शिक्षा में मापन, मूल्यांकन एवं निर्देशन, नेहा पब्लिशर. - अस्थाना, वि. (2019). शैक्षिक मापन, मूल्यांकन एवं सांख्यिकी, अग्रवाल पब्लिकेशन.

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वरधा

शिक्षा विभाग, शिक्षा विद्यापीठ

		● भट्टनागर, ए. बी. एंडभट्टनागर, ए. (2018). मेज़रमेंट एंड इवैल्यूएशन, आर. लाल. ● कंसल, डी. के. (2012). टेस्ट, मेज़रमेंट एंड इवैल्यूएशन, एसएसएस पब्लिकेशन.
2	संदर्भ-ग्रंथ	● Aiken, L.R. (1985). Psychological Testing and Assessment, Boston: Allyn and Bacon. ● Anastasi. A. (1988). Psychological Testing. The McMillan Company, New York, 6th Edition. ● Ebel, R.L., Frisbel, D. A. (1986): Essentials of Educational Measurement, New Delhi: Prentice Hall Edwards, A.L., (1957). Techniques of Attitudes Scale Construction, New York. ● Freeman, F.S., (1965). Theory and Practice of Psychological Testing, New York: Rineheart and Winston. ● Fruchtor, B. (1954). Introduction to factor Analysis. D. van Noshavanad Company. ● Garrett, H.E.,(1993) . Statistics in Education and Psychology, Bombay. ● Pophan, W.J. (1988). Educational Evaluation, Prentice Hall, New Delhi. ● Sharma, R.A: (2007). Essentials of Measurement in Education and Psychology, Surya Publication, Meerut.
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

शिक्षा 014: शैक्षिक तकनीकी - 4 क्रेडिट

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

10. पाठ्यचर्याका नाम:शैक्षिक तकनीकी
(Name of the Course)

11. पाठ्यचर्याकाकोड: 014
(Code of the Course)

12. क्रेडिट:4
(Credit)

4. सेमेस्टर:4th
(Semester)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	60
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	00
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	00
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	00
कुल क्रेडिटघंटे	60

13. पाठ्यचर्या विवरण
(Description of Course)

इकाई 1: शैक्षिक तकनीकी:

शैक्षिक तकनीकी: अवधारणा, अनुदेशन (इंस्ट्रक्शन) के सिद्धान्त: संज्ञानात्मक निर्माण सिद्धान्त (ब्रुनर और ऑसबेल), कार्य-विश्लेषण सिद्धान्त और सूचना प्रसंस्करण सिद्धान्त, तंत्र (सिस्टम) उपागम की समझ, शिक्षण के प्रतिरूप: सूचना प्रसंस्करण प्रतिरूप, अवधारणा धारण प्रतिरूप, सामाजिक अन्तःक्रिया प्रतिरूप,

इकाई 2: संचार:

संचार: अवधारणा, प्रक्रिया और घटकशिक्षण-अधिगम प्रक्रिया संचार के रूप में, अभिक्रमित अनुदेशन: सिद्धान्त, विशेषताएँ और प्रकार (रैखिक और शाखित), अभिक्रमित अनुदेशन का विकास: तैयारी, लेखन, परीक्षण और मूल्यांकन, मीडिया का शैक्षिक उद्देश्यों के लिए प्रयोग

इकाई 3:सूचना एवं संचार तकनीकी(आई0सी0टी0)

सूचना एवं संचार तकनीकी(आई0सी0टी0): अर्थ, घटक और विशेषताएँ, सूचना एवं संचार तकनीकी(आई0सी0टी0) और अन्तर्क्रियात्मक अधिगम वातावरण, शिक्षणशास्त्रीय उद्देश्यों के लिए आई0सी0टी0 के उपयोग के तरीके संगणक सहायक अधिगम और सीखने-सीखाने की प्रक्रिया

इकाई 4: सूचना एवं संचार तकनीकी (आई0सी0टी0) आधारित नवाचार:

सूचना एवं संचार तकनीकी (आई0सी0टी0) आधारित नवाचार: ई-लर्निंग, वेब आधारित अधिगम, वर्चुअल कक्षा, शैक्षिक तकनीकी विकास की नीतियाँ, कार्यक्रम और तरीके: कुछ प्रमुख शैक्षिक तकनीकी संसाधन केन्द्रों (सी0आई0ई0टी0, इग्नू और एन0आई0ओ0एस0 आदि) के कार्यक्रमों का अध्ययन

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

- शिक्षा तकनीकी की अवधारणा को समझने में समर्थ होंगे।
- शिक्षण की विभिन्न विधियों के प्रति समझ विकसित होगी।
- सूचना एवं संप्रेषण तकनीकी के कक्षागत प्रयोग को समझ पायेंगे।
- सूचना एवं संप्रेषण तकनीकी का शिक्षा में व्याप्ति एवं आवश्यकता के बारे में छात्रों में अन्तः दृष्टि का विकास होगा।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	संवाद/प्रशिक्षण/प्रयोगशाला.. (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	शैक्षिक तकनीकी: शैक्षिक तकनीकी: अवधारणा, अनुदेशन (इंस्ट्रक्शन) के सिद्धान्त: संज्ञानात्मक निर्माण सिद्धान्त (ब्रुनर और ऑसबेल), कार्य-विश्लेषण सिद्धान्त और सूचना प्रसंस्करण सिद्धान्त, तंत्र (सिस्टम) उपागम की समझ, शिक्षण के प्रतिरूप: सूचना प्रसंस्करण प्रतिरूप, अवधारणा धारण प्रतिरूप,	10	2	3	15	25

	सामाजिक अन्तःक्रिया प्रतिरूप,					
मॉड्यूल- 2	संचार: संचार: अवधारणा, प्रक्रिया और घटकशिक्षण-अधिगम प्रक्रिया संचार के रूप में, अभिक्रमित अनुदेशन: सिद्धान्त, विशेषताएँ और प्रकार (रैखिक और शाखित), अभिक्रमित अनुदेशन का विकास: तैयारी, लेखन, परीक्षण और मूल्यांकन, मीडिया का शैक्षिक उद्देश्यों के लिए प्रयोग	10	2	3	15	25
मॉड्यूल- 3	सूचना एवं संचार तकनीकी(आईसीटी) सूचना एवं संचार तकनीकी(आईसीटी 0): अर्थ, घटक और विशेषताएँ, सूचना एवं संचार तकनीकी(आईसीटी 0) और अन्तर्क्रियात्मक अधिगम वातावरण, शिक्षणशास्त्रीय उद्देश्यों के लिए आईसीटी0 के उपयोग के तरीके संगणक सहायक अधिगम और सीखने- सीखाने की प्रक्रिया	10	2	3	15	25

मॉड्यूल-4	सूचना एवं संचार तकनीकी(आई0सी0टी0) आधारित नवाचार: सूचना एवं संचार तकनीकी (आई0सी0टी0) आधारित नवाचार: ई-लर्निंग, वेब आधारित अधिगम, वर्चुअल कक्षा, शैक्षिक तकनीकी विकास की नीतियाँ, कार्यक्रम और तरीके: कुछ प्रमुख शैक्षिक तकनीकी संसाधन केन्द्रों(सी0आई0ई0टी0, इग्नू और एन0आई0ओ0एस0आदि) के कार्यक्रमों का अध्ययन	10	2	3	15	25
योग		40	8	12	60	100

टिप्पणी:

- माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।
- प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	- आगमनात्मक - निगमनात्मक - रचनावादी - विवेचनात्मक - समेकित/एकीकृत - अंतरानुशासिक - सहयोगात्मक

विधियाँ	● व्याख्यान सह परिचर्चा ● विचार विमर्श ● सामूहिक चर्चा ● प्रस्तुतीकरण ● पैनल चर्चा ● संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	● सहयोगी अधिगम ● पृच्छा-आधारित अनुदेशन एवं अधिगम ● फ्लिप्पड कक्षा-कक्ष ● विभेदित अनुदेशन ● कंप्यूटर सहायित अनुदेशन
उपादान	● लैपटॉप ● प्रोजेक्टर ● स्मार्टबोर्ड

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) कीमैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	-	-	X	X	-	X	-

टिप्पणी:

11. X-पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्तकिये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
12. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार *	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#] विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	- सिंघल, अनुपमा एवं कुलश्रेष्ठ, एस.पी.(2008). शैक्षिक तकनीकी के मूल आधार. अग्रवाल पब्लिकेशन - मंगल, एस.के एवं मंगल, उमा (2014). शिक्षा तकनीकी। पी.एच.ई लर्निंग पि.वि.टी ली.टी.डी - शर्मा, आर.ए(2008), शिक्षा के तकनीकी आधार, आर० लाल बुक डिपो. मेरठ - कुलश्रेष्ठ, एस.पी एवं कुलश्रेष्ठ, ए.के. (2019). शिक्षा के तकनीकी के मूल आधार,

2	संदर्भ-ग्रंथ	● Agarwal J. C. (2006). Essential of educational technology. Teaching and learning. New Delhi:Vikas Publishing House Pvt. Ltd. ● Glistar, R : PC Hardware A Beginners , Tata McGraw Hills ● Hahn, H. (1998). The internet- complete reference. New Delhi: Tata McGraw Hill Publication. ● Leon, A. M. (2001). Computer for every one. New delhi: Vikas Publishing house. ● Mohanty, Laxman & Vohra Niharika : ICT Strategies for Schools, Sage ● Petzold, C. (1998). Programming windows. USA: Microsoft Press. ● Rajaraman, V.: Fundamentals of Computers. New Delhi: Prentice Hall of India Pvt. Ltd., 1997. ● Rajasekar, S : Computer Education and Educational Computing , Neelkamal Publications,Hyderabad ● Sharma, R. A. (2008). Technological foundation of education. Meerut: R.Lall Books Depot ● Sharma, R. N. (2008). Principles and Techniques of Education. Delhi: Surjeet Publications. ● Singh,Y. K. (2009). Teaching Practice. New Delhi: APH Publishing Corporation.
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

शिक्षा 015: विशिष्ट क्षमतावाले विद्यार्थियों की शिक्षा - 4 क्रेडिट

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

14. पाठ्यचर्याका नाम:विशिष्ट शिक्षा
(Name of the Course)

15. पाठ्यचर्या का कोड:शिक्षा 015
(Code of the Course)

16. क्रेडिट: 4
(Credit)

4. सेमेस्टर: 4th
(Semester)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	60
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	0
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	0
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	0
कुल क्रेडिटघंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण: विशिष्ट क्षमता वाले विद्यार्थियों की शिक्षा
(Description of Course)

इकाई 1: परिचय: विशिष्ट क्षमता वाले विद्यार्थियों के लिए शिक्षा के दृष्टिकोण का ऐतिहासिक और दार्शनिक परिप्रेक्ष्य; विशिष्ट क्षमता वाले विद्यार्थियों के लिए शिक्षा: विशिष्ट उपागम, एकीकृत उपागम, समावेशी उपागम, विशिष्ट शिक्षा के सिद्धांत

इकाई 2: विकासात्मक आवश्यकताएँ: अग्रांकित श्रेणी के बच्चों की विशिष्ट आवश्यकताओं की पहचान और उनके लिए शैक्षिक कार्यक्रम: श्रवणबाधित, दृष्टिबाधित, अस्थिविकार ग्रस्त विद्यार्थी, सीखने के विभिन्न तरीके: दृश्य अधिगम श्रृंखला, श्रवण अधिगम श्रृंखला, गतिक अधिगम श्रृंखला

इकाई 3: बौद्धिक रूप से विशिष्ट क्षमता वाले विद्यार्थियों के लिए शिक्षा: बौद्धिक रूप से विशिष्ट क्षमता वाले बच्चों पहचान और शैक्षिक कार्यक्रम; प्रतिभाशाली एवं सृजनशील बच्चे, अधिगम निर्योग्य और मानसिक दृष्टि से पिछड़े हुए (स्वलीन एवं बौद्धिक विकलांग) विद्यार्थियों की शिक्षा

इकाई 4: सेमिनार वर्कशॉप: भारतीय संदर्भ में विशिष्ट क्षमता वाले विद्यार्थियों की शिक्षा: शैक्षणिक योजनाएँ एवं कानूनी प्राविधान, सरकारी तथा गैर सरकारी प्रयास, विशिष्ट क्षमता वाले बच्चों के लिए मार्गदर्शन एवं परामर्श

6.अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:
(Course Learning Outcomes)

विशिष्ट शिक्षा, समाकलित शिक्षा, मुख्यधारा एवं समावेशी शिक्षा पद्धतियों का विश्लेषण करेंगे।

2. समावेशी पद्धति को प्रोत्साहित करने की आवश्यकताएँ एवं उत्तरदायित्वों को समझेंगे।

3. विविध आवश्यकताओं वाले बच्चों की शिक्षा के प्रति वैश्विक एवं राष्ट्रीय वचनबद्धता को समझेंगे।
4. बच्चों द्वारा अनुभव की जा रही कठिनाइयों की प्रकृति को समझेंगे एवं समावेशी विद्यालयों में शिक्षण-अधिगम के लिए सहायक वातावरण बनायेंगे
5. समावेशी पद्धति को प्रोत्साहित करने के लिए विद्यमान संसाधनों को पहचानेंगे एवं उपयोग करेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्या न	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	विशिष्ट शिक्षा का ऐतिहासिक एवं दार्शनिक परिप्रेक्ष्य: - विशिष्ट उपागम - एकीकृत उपागम - समावेशी उपागम - विशेष शिक्षा के सिद्धांत	10	02	03	15	25

मॉड्यूल-2	शारीरिक एवं सांवेगिक (श्रवणबाधित, दृष्टिबाधित, अस्थि विकार) रूप के विशिष्ट क्षमता वाले विद्यार्थियों की आवश्यकताओं की पहचान एवं शैक्षिक कार्यक्रम - विद्यार्थियों की कठिनाइयों की पहचान करना - विद्यालय के संसाधन कक्षमें विशेष सहायक उपकरणकी व्यवस्था - बाधा रहित वातवरण का निर्माण - शारीरिक एवं सांवेगिक विशिष्ट क्षमता वाले विद्यार्थियोंका शैक्षिक प्रबंध	10	02	03	15	25
मॉड्यूल-3	बौद्धिक रूप सेविशिष्ट क्षमता वाले (प्रतिभाशाली, सृजनशील,अधिगम निर्योग्य) एवं मानसिक दृष्टि (स्वलीन एवं बौद्धिक विकलांग) से पिछड़े हुए विद्यार्थियों की शिक्षा - विद्यार्थियों की शैक्षिक कठिनाइयों की पहचान करना - विद्यालय के संसाधन कक्षमें विशेष सहायक उपकरणकी व्यवस्था - बौद्धिक रूप सेविशिष्ट क्षमता वाले एवं मानसिक दृष्टिसे पिछड़े हुए विद्यार्थियों का	10	02	03	15	

	शैक्षिक प्रबंध					
मॉड्यूल-4	भारतीय संदर्भ में विशिष्ट क्षमता वाले विद्यार्थियों के लिए शैक्षणिक योजनाएँ, नीतियाँ एवं कानूनी प्राविधान - विभिन्न नीतियाँ एवं कार्यक्रम (नई शिक्षा नीति 1986, भारतीय पुनर्वास परिषद 1992, राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020) - संवैधानिक प्रावधान (निःशक्त व्यक्ति अधिनियम 1995, राष्ट्रीय न्यास 1999, निशक्तजन अधिनियम 2016)	10	02	03	15	25
योग		40	08	12	60	100

टिप्पणी:

13. माड्यूल के अंतर्गत एक या एक से अधिक शीर्षक/ उप-शीर्षक रखे जा सकते हैं।

14. प्रत्येक सेमेस्टर में 01 क्रेडिट के लिए कुल 15 घंटे निर्धारित हैं।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	- आगमनात्मक - निगमनात्मक - रचनावादी - विवेचनात्मक - समेकित/एकीकृत - अंतरानुशासिक - सहयोगात्मक

विधियाँ	● व्याख्यान सह परिचर्चा ● विचार विमर्श ● सामूहिक चर्चा ● प्रस्तुतीकरण ● पैनल चर्चा ● संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	● सहयोगी अधिगम ● पृच्छा-आधारित अनुदेशन एवं अधिगम ● फ्लिप्पड कक्षा-कक्ष ● विभेदित अनुदेशन ● कंप्यूटर सहायित अनुदेशन
उपादान	● लैपटॉप ● प्रोजेक्टर ● स्मार्टबोर्ड ● मानकीकृतमनोवैज्ञानिकपरीक्षण

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्याअधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	-	-	X	X	-	X	-

टिप्पणी:

13. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।

14. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#]विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	- मंगल एस. के. एंडमंगल एस. (2017). समेकित विद्यालय की स्थापना, शिप्रा प्रकाशन, दिल्ली. - शर्मा आर. ए. (2017). विशिष्ट शिक्षा का प्रारूप, आर. लाल बुक डिपो, मेरठ. - जोसेफ आर. ए. (2013). पुनर्वास के आयाम, समाकलन पब्लिशर्स, वाराणसी. - संजीव के. (2008). विशिष्ट शिक्षा, जानकी प्रकाशन,

		नई दिल्ली.
2	संदर्भ-ग्रंथ	● नारंग एम. एंड अग्रवाल जे. सी. (2017). समावेशी शिक्षा, अग्रवाल पब्लिकेशंस, आगरा. ● भास्कर एस. एंड श्रीवास्तव ए. के. (2017). समावेशी विद्यालयों का सृजन, राखी प्रकाशन प्रा. लि., आगरा. ● नामदेव एच. एंड शर्मा ए. (2017). समावेशी शिक्षा, अग्रवाल पब्लिकेशंस, आगरा. ● Rekha M. U. & Murthy R. K. (2020). Inclusive Practices, Neelkamal Publications Pvt. Ltd. Hyderabad. ● Mishra P., Reddy K. S. & Sridevi K. (2019). Introduction to Disabilities, Neelkamal Publications Pvt. Ltd. Hyderabad. ● Vardhini S. V. (2018). Inclusive Education, Neelkamal Publications Pvt. Ltd. Hyderabad.
3	ई-संसाधन	
4	अन्य	

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

शिक्षा 016: लघु शोध प्रबंध - 4 क्रेडिट

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

7. पाठ्यचर्या का नाम: लघु शोध प्रबंध
(Name of the Course)

8. पाठ्यचर्या का कोड: शिक्षा 016
(Code of the Course)

9. क्रेडिट: 4
(Credit)

4. सेमेस्टर: चतुर्थ
(Semester)

5. पाठ्यचर्या विवरण

लघु शोध प्रबंध एम.ए. पाठ्यक्रम का अनिवार्य भाग है, एवं इसका मूल्यांकन 4 क्रेडिट (100 अंक) के लिए होगा। लघु शोध प्रबंध का उद्देश्य भावी शिक्षक शिक्षकों के द्वारा शोध की योजना का निर्माण एवं संचालन कैसे किया जाये एवं शोध प्रबंध लेखन के प्रति मूल समझ का विकास करना है। इस दौरान अध्येता शैक्षिक सिद्धांतों एवं शोध के मध्य सम्बन्ध देखते हैं एवं उसे स्थापित करते हैं। अध्येताओं से यह अपेक्षा की जाती है कि उनके लघु शोध प्रबंध के विषय का निर्णय एवं शोध प्रस्ताव का निर्माण, सम्बन्धित साहित्य का अध्ययन, शोध उपकरण चयन, प्रारूप एवं विकास उचित लेखों को पढ़कर एवं उनसे जुड़ी गतिविधियों को ध्यान में रखकर करें। इस प्रक्रिया का समापन लघु शोध प्रबंध की प्रस्तुति अथवा मौखिकी के साथ होगी।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

इस पाठ्यचर्या के अध्ययन के उपरान्त अध्येता-

- शोध क्षेत्र /समस्या के पहचान की प्रक्रिया को समझेंगे।
- शोध प्रस्ताव के निर्माण की विभिन्न चरण को जानेंगे।
- शोध उद्देश्य, परिकल्पना एवं प्रश्न का प्रतिपादन करेंगे।
- किसी भी शोध में सम्बन्धित साहित्य के अध्ययन के उद्देश्य एवं महत्व को समझेंगे।

- शोध नियोजन की रूपरेखा तैयार कर उसका क्रियान्वयन करेंगे।
- वर्तमान में हो रहे शोध का विश्लेषण एवं सम्बन्धित साहित्य अध्ययन की पृष्ठभूमि के आधार पर उनके शोध की आवश्यकता को जानेंगे।
- उपलब्ध मानक शोध उपकरणों में से उपयुक्त शोध उपकरण की चयन के आधारभूत मानदण्ड को सीखेंगे
- स्व निर्मित शोध उपकरण तैयार करने की दक्षता प्राप्त करेंगे।
- प्रदत्त संकलन की विभिन्न जटिलताओं को समझेंगे।
- अध्ययन के उद्देश्य के अनुसार प्रदत्तों की सारणी बनाना सीखेंगे।
- शोध प्रतिवेदन लिखने की जटिलताओं को जैसे पादटिप्पणी(footnotes), सन्दर्भ, ग्रंथ-सूची आदि सीखेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

लघु शोध प्रबंध के अंतर्गत आयोजित की जानेवाली गतिविधियां

1. महत्वपूर्ण शैक्षिक मुद्दों/ शैक्षिक अनुसंधान विधियों/ लघु शोध प्रबंध कार्य से संबंधित शोध क्षेत्र पर शोध संवाद (ResearchColloquium) में प्रस्तुति
2. अपने रुचि के शोध क्षेत्र से संबंधित साहित्य का अध्ययन एवं समीक्षा, शोध समस्या की पहचान एवं चयन तथा शोध प्रस्ताव का निर्माण एवं प्रस्तुति –

- शैक्षिक शोध का सर्वेक्षण।
- शोध के चिन्हित क्षेत्र से सम्बंधित शोध पत्रिका/ सामयिक आदि का अध्ययन।
- डॉक्टरल/एम. फिल. एवं एम.एड. शोध प्रबंध का अध्ययन।
- शोध परियोजना रिपोर्ट का अध्ययन।
- संकल्पनात्मक समझ के लिए संबंधित पुस्तक /लेख का अध्ययन।
- संबंधित साहित्य की समीक्षा के महत्व एवं आवश्यकता पर एक संक्षिप्त लेख।
- अध्ययन के विभिन्न वर्गों के तहत शोध सार का लेखन एवं वर्गीकरण।

- सम्बंधित साहित्यों का विश्लेषण।
- किये गए अध्ययनों के संबंध में संबंधित अध्ययन की प्रासंगिकता।
- संबंधित शोध साहित्य की समीक्षा के आधार पर शोध समस्या की पहचान एवं चयन।
- विभिन्न स्रोतों के अध्ययन के उपरांत, समझ के विकास के आधार पर भावी अध्यापक शिक्षक शोध प्रस्ताव लिखेंगे। लघु शोध प्रबंध का विषय विद्यार्थियों के विषय विशिष्ट के क्षेत्र या परिप्रेक्ष्य विषय से होगा।

शोध प्रस्ताव की रूपरेखा / संरचना

- प्रस्तावना
- समस्या कथन
- पारिभाषिक शब्दावली
- संबंधित साहित्य की समीक्षा
- शोध का लक्ष्य
- शोध के प्रश्न एवं उद्देश्य
- शोध का औचित्य
- शोध का महत्व
- योजना एवं क्रियान्वयन
 - शोध प्रविधि
 - प्रतिदर्श
 - शोध उपकरण एवं तकनीकी
- प्रदत्त संकलन एवं निर्वचन
- शोध का परिसीमन
- संभावित अध्यायीकरण
- समय प्रबंधन
- संदर्भ
- अन्य ग्रंथ सूची

3. शोध उपकरण का चयन, प्रारूप एवं विकास

- प्रदत्त संकलन के लिए उपयोग में लाये जानेवाले विभिन्न शोध उपकरणों और तकनीकों का औचित्य एवं विवरण।
- प्रदत्त संकलन के लिए शोध उपकरण के प्रारूप का निर्माण।
- प्रारूप के अनुसार शोध उपकरण का विकास
- शोध उपकरण की वैधता एवं विश्वसनीयता निर्धारित करना।
- मात्रात्मक और गुणात्मक शोध उपकरण एवं प्रविधियों पर चर्चा।

4. प्रदत्त विश्लेषण, व्याख्या एवं परिणाम; शोध कार्य लेखन, प्रस्तुति पूर्व लघु शोध प्रबंध संगोष्ठी एवं लघु शोध प्रबंध जमा (लघु शोध प्रबंध का मूल्यांकन एवं मौखिकी)

- प्राथमिक और द्वितीयक प्रदत्त संकलन की विभिन्न विधियों तथा प्रक्रिया पर चर्चा।
- प्रदत्त संकलन के लिए उचित विधियों का चयन
- द्वितीयक प्रदत्त संकलन के स्रोत एवं सावधानियां
- प्रदत्त का सारणीकरण और तालिकाओं के शीर्षक
- उद्देश्यों के अनुसार प्रदत्त विश्लेषण।
- प्रदत्त विश्लेषण एवं व्याख्या तथा शैक्षिक रूप में परिणाम एवं निष्कर्ष
- शोध कार्य प्रतिवेदन का लेखन
- लघु शोध प्रबंध कार्य रिपोर्ट की पूर्व प्रस्तुति
- लघु शोध प्रबंध कार्य पर मौखिक परीक्षा

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	निर्माणवादी उपागम, आगमनात्मक उपागम, निगमनात्मक उपागम, ब्लेंडेड अधिगम उपागम
विधियाँ	व्याख्यान-सह चर्चा, सहयोगात्मक अधिगम, पृच्छा आधारित अधिगम
तकनीक	विभिन्न शोध पत्रों एवं आलेखों की समीक्षा शोध संवाद में शोध प्रगति की प्रस्तुति शैक्षिक शोध प्रस्ताव तथा शोध प्रतिवेदन लेखन पर कार्यशाला विभिन्न शैक्षिक शोध क्रियाविधि पर कार्यशाला ट्यूटोरियल सामूहिक विचार-विमर्श विद्यार्थी संगोष्ठी के माध्यम से विभिन्न शोध पत्रों का संदर्भ लेते हुए शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे नवाचारों पर चर्चा गूगल क्लासरूम के माध्यम से ट्यूटोरियल एवं ऑनलाइन चर्चा
उपादान	पावर पॉइंट प्रस्तुति; ऑनलाइन क्लास (गूगल क्लासरूम, गूगल मीट); शोध डाटाबेस (रिसर्च गेट, गूगल स्कॉलर, ERIC, प्रोक्वेस्ट, जेस्टोर); ई-संसाधन (यू-ट्यूब वीडियो, ऑनलाइन कोर्स, ब्लॉग, स्लाइड शेयर)

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	X	-	-	X	X	-	X	-

टिप्पणी:

15. X- पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
16. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

आंतरिक मूल्यांकन (30%)	सत्रांत परीक्षा (70%)

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• Best J.W. (1999). <i>Research in Education</i>. New Delhi: Prentice Hall of India Pvt.Ltd. • Kaul, L. (1984). <i>Methodology of Educational Research</i>. New Delhi: Vikas Publications. - कुमार, आर. (2017). <i>शोध कार्यप्रणाली : आरंभिक शोधकर्ताओं के लिए चरणबद्ध गाइड (चतुर्थ संस्करण)</i>. नई दिल्ली: सेज भाषा - Kothari, C.R. & Garg, G. (2019). <i>Research Methodology: Methods and techniques</i>. New Delhi: New Age International Publishers. - Mangal, S.K. (2010). <i>Statistics in Psychology and Education (2nd Edition)</i>. New Delhi: PHI Publishing Pvt. Ltd. • Sharma, B. (2004). <i>Methodology of Educational Research</i>. New Delhi: Vohra, Publishers and Distributors. • Sharma, S.R. (2003). <i>Problems of Educational Research</i>. New Delhi: Anmol Publications Pvt. Ltd. - सिंह, ए. के. (2017). <i>मनोविज्ञान, समाजशास्त्र तथा शिक्षा में शोध विधियाँ</i>. दिल्ली: मोतीलाल बनारसीदास
2	संदर्भ-ग्रंथ	- Borg, W.R. and Gall, M.D. (1983). <i>Educational Research – An Introduction</i>. New York: Longman, Inc. • Christensen, L. (2007). <i>Experimental Methodology</i>. Boston: Allyn & Bacon. • Clive O. (2004). <i>Doing Educational Research- A Guide for First time researchers</i>. New Delhi: Vistar Publications. • Fraenkel, J.R., Wallen, N.E. (1996). <i>How to Design and Evaluate Research in Education</i>. New York: McGraw Hill. - Kerlinger, F.N. (1986). <i>Foundations of Behavioural Research</i>. Fort Worth, TX: Harcourt Bmce Jovanovich.

		• Jill Porter & Penny Lacey (2005). <i>Researching Learning Difficulties- A Guide for Practitioners</i>. London: Paul Chapman Publishing. • Kirkpatrick, D.L. (2005). <i>Evaluating training Programmes: The four Levels</i>. San Francisco: Brrett-Kochler. • Pamela Maykut & Richard Morehouse (1994). <i>Beginning Qualitative Research- A Philosophic and Practical Guide</i>. The Falmer Press London. Washington D.C. • Patton. M.Q. (2002). <i>Qualitative Research and Evaluation Methods</i>. Thousand Oaks: C.A: Sage. • Reason, P. & Bradbury, H. (Eds) (2006). <i>Handbook of action research: Concise paperback edition</i>: Thousand Oaks, CA: Sage. Scott, David & Usher, Robin (1996). <i>Understanding Educational Research</i>. New York: Rout ledge. • Shank, G.D. (2002). <i>Qualitative Research</i>. Columbus, ott: Merrill, Prentice Hall. • Stake, Robert E. (1995). <i>The Art of Case Study Research</i>. Thousand Oaks: C.A: Sage. • Travers, Robert M.W. (1978). <i>An Introduction to Educational research (4th edition)</i>. London: MacMillan. • Van Dalen, Debonald, B. and Meyer, William J. (1979). <i>Understanding Educational Research: An Introduction</i>. New York: McGraw Hill.
3	ई-संसाधन	https://hi.wikihow.com/%E0%A4%8F%E0%A4%95-%E0%A4%B6%E0%A5%8B%E0%A4%A7%E0%A4%AA%E0%A4%E0%A5%8D%E0%A4%B0-(Research-Paper)-%E0%A4%B2%E0%A4%BF%E0%A4%96%E0%A5%87%E0%A4%82 https://medium.com/@Write4Research https://courses.lumenlearning.com/suny-englishcomp2kscope/master/chapter/what-is-research-writing/ https://youtu.be/oX0YjYX4HTU https://www.youtube.com/watch?v=ogPygxnVg-4 https://www.youtube.com/watch?v=eALzUfkQJRU https://youtu.be/rgoCln1ISds https://www.youtube.com/watch?v=hXvoKE6_wQo https://www.youtube.com/watch?v=xhwzW6urTG8 https://www.youtube.com/watch?v=1VbCvj2Rn88

(विभागाध्यक्ष/निदेशक)

(संकायाध्यक्ष)

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना
Learning Outcome based Curriculum Framework (LOCF)
(विश्वविद्यालय के प्रत्येक विभाग द्वारा तैयार किये जाने हेतु प्रारूप)

1. विश्वविद्यालय के उद्देश्य (Objectives of the University)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय अधिनियम के प्रावधान संख्या 04 के अनुसार:

The objects of the university shall be to promote and develop Hindi language and literature in general and, for that purpose, to provide for instructional and research facilities in the relevant branches of learning; to provide for active pursuit of comparative studies and research in Hindi and other Indian languages; to create facilities for development and dissemination of relevant information in the country and abroad; to offer programmes of Research, Education and Training in areas like translation, interpretation and linguistics for improving the functional effectiveness of Hindi; to reach out to Hindi scholars and groups interested in Hindi abroad and to associate them in teaching and research and to popularize Hindi through distance education system.

[विश्वविद्यालय का उद्देश्य साधारणतः हिंदी भाषा और साहित्य का संवर्धन और विकास करना और उस प्रयोजन के लिए विद्या की सुसंगत शाखाओं में शिक्षण और अनुसंधान की सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में तुलनात्मक अध्ययनों और अनुसंधान के सक्रिय अनुसरण के लिए व्यवस्था करना; देश और विदेश में सुसंगत सूचना के विकास और प्रसारण के लिए सुविधाएं प्रदान करना; हिंदी की प्रकार्यात्मक प्रभावशीलता में सुधार करने के लिए अनुवाद, निर्वचन और भाषा विज्ञान आदि जैसे क्षेत्रों में अनुसंधान, शिक्षा और प्रशिक्षण के कार्यक्रमों की व्यवस्था करना; विदेशों में हिंदी में अभिरुचि रखने वाले हिंदी विद्वानों और समूहों तक पहुँचना और विश्वविद्यालय में प्रशिक्षण और अनुसंधान के लिए उन्हें सहबद्ध करना; और दूर शिक्षा पद्धति के माध्यम से हिंदी को लोकप्रिय बनाना, होगा।]

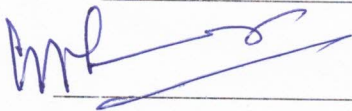
2. विद्यापीठ के लक्ष्य (Target of the School)

विश्वविद्यालय के उद्देश्यों की अनुरूपता में प्रत्येक विद्यापीठ अपने लक्ष्यों का निर्धारण करेगा।

3. विभाग/केंद्र की कार्य-योजना (Action Plan of the Department/Centre)

विद्यापीठ द्वारा निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु विभाग/केंद्र अपनी विस्तृत कार्य-योजना निम्नलिखित शीर्षकों के अंतर्गत प्रस्तुत करेगा:

शीर्षक (Title)	कार्य-योजनाएँ (Action Plans)
शिक्षण Teaching	- उपाधि कार्यक्रम (Degree Programme) - स्नातकोत्तर कार्यक्रम (PG Programme) - स्नातक कार्यक्रम (UG Programme) - डिप्लोमा कार्यक्रम (Diploma Programme) - सर्टिफिकेट कार्यक्रम (Certificate Programme)
प्रशिक्षण (यदि कोई है) Training (if any)	
शोध Research	विभागद्वारा चिह्नित विशेषीकृत शोध-क्षेत्र (Research Areas specified by the Department)
	पी-एच.डी. कार्यक्रम (Ph.D. Programme)
	शोध-परियोजना (Research Project)
ज्ञान-वितरण के माध्यम Modes of the Dissemination of Knowledge	
प्रकाशन-योजना (यदि कोई है) Planning for the Publication (if any)	






2020

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

शिक्षा में स्नातकोत्तर (एम.एड.) अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यचर्या संरचना (LOCF)



शिक्षा विभाग / Department of Education

शिक्षा विद्यापीठ / School of Education

गांधी हिल्स, वर्धा, महाराष्ट्र - 442001

www.hindivishwa.org





महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

शिक्षा विभाग, शिक्षा विद्यापीठ

विस्तृत पाठ्य विवरण

(Detailed Syllabus)

शिक्षा में स्नातकोत्तर – एम.एड.

(Master of Education – M.Ed.)

सत्र 2020-22

अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यचर्या संरचना

Learning Outcome Based Curriculum Framework



ज्ञान शांति मैत्री

शिक्षा विद्यापीठ

(School of Education)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

पोस्ट - हिंदी विश्वविद्यालय, गाँधी हिल्स, वर्धा, महाराष्ट्र - 442001

www.hindivishwa.org

1. विभाग/केंद्र का नाम: शिक्षा विभाग
(Name of the Department/Centre): Department of Education
2. पाठ्यक्रम का नाम : शिक्षा में स्नातकोत्तर (एम.एड.)
(Name of the Programme): Master of Education (M.Ed.)
3. पाठ्यक्रम कोड: एम.ई.डी.
(Code of the Programme)
4. अपेक्षित अधिगम परिणाम (PLOs) :
(Programme Learning Outcomes)

ज्ञान संबंधी	कौशल/दक्षता संबंधी	रोजगार संबंधी
- अध्ययन के विषय के क्षेत्र में शिक्षा की प्रकृति एवं प्रक्रिया की आलोचनात्मक समझ विकसित करना। - राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 तथा एन.सी.एफ.टी.ई. 2009 के संदर्भ में अध्यापक शिक्षा की आधारभूत अवधारणाओं, सिद्धांतों एवं कार्यप्रणाली की समीक्षा करना। - शिक्षा की सामाजिक परिवर्तन, जीवन मूल्यों के विकास और राष्ट्रीय विकास में भूमिका और शिक्षाशास्त्र की बदलते सामाजिक-सांस्कृतिक तथा तकनीकी संदर्भों में शैक्षिक निहितार्थ का मूल्यांकन करना। - शिक्षा के क्षेत्र में अन्वेषण के माध्यम से नवाचारी सिद्धांतों, प्रतिमानों एवं पद्धतियों की वैचारिक समझ विकसित करना।	- शैक्षिक क्षेत्र में अनुमान लगाने/सिद्धांत बनाने (Theorising) की चुनौतियों की सराहना करना तथा सिद्धांत एवं व्यवहार के बीच संबंधों को पहचानने की दक्षता का विकास करना। - शिक्षा की बदलती जरूरतों के संदर्भ में अध्यापक शिक्षा की चुनौतियों एवं संभावनाओं पर विमर्श एवं चिंतन करना। - शैक्षिक सिद्धांतों का प्रयोग करते हुए पाठ्यचर्या, पाठ्य पुस्तक, शिक्षण प्रतिमान एवं शिक्षण सामग्री के निर्माण तथा शैक्षिक आकलन एवं मूल्यांकन की दक्षता का विकास करना।	अध्यापक शिक्षा कार्यक्रमों के प्रबंधन एवं इसमें नवाचार लाने के दृष्टिकोण से वृत्तिक रूप से दक्ष तथा शैक्षिक शोध में निपुण शिक्षा शिक्षक तैयार करना, जो स्वयं को पाठ्यचर्या विकासकर्ता, शैक्षिक नीति विश्लेषक, शैक्षिक प्रशासक, शैक्षिक पर्यवेक्षक, शोधकर्ता एवं विद्यालय प्रधानाचार्य के रूप में विकसित करने में भी दक्ष हों।



पाठ्यक्रम विवरण :

शिक्षा में स्नातकोत्तर (एम.एड.) पाठ्यक्रम शिक्षक-शिक्षा के क्षेत्र में द्विवर्षीय व्यावसायिक कार्यक्रम है, जिसका मुख्य उद्देश्य शिक्षक, प्रशिक्षकों एवं शैक्षिक व्यवसाय से जुड़े अन्य व्यक्तियों जैसे पाठ्यचर्या विकास, शैक्षिक नीति विश्लेषकों, योजनाकारों, प्रशासकों, पर्यवेक्षकों, विद्यालय प्रधानाध्यापकों, शोधकर्ताओं सहित अन्य को तैयार करना है। पाठ्यक्रम के पूरा होने पर प्राथमिक, माध्यमिक या उच्च शिक्षा के क्षेत्र में विशेषज्ञता के साथ एम.एड. डिग्री प्रदान की जाएगी।

अवधि- दो वर्ष

प्रवेश के लिए पात्रता

प्रवेश विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से किया जाएगा। एम.एड. कोर्स के लिए प्रवेश पाने के इच्छुक उम्मीदवारों को एक वर्षीय बी.एड./द्विवर्षीय बी.एड./चार वर्षीय एकीकृत बी.एस.सी.-बी. एड./बी.एल.एड. या 50 % कुल अंकों के साथ विश्वविद्यालय से मान्यता प्राप्त कोई भी समकक्ष अन्य डिग्री (एकीकृत डिग्री कोर्स के मामले में, केवल शिक्षा विषय में 50 % कुल अंक)। हालांकि, 5 % अंक तक की छूट अन्य पिछड़ा वर्ग (नॉन क्रीमी लेयर), अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के मामले में दी जाएगी।

अनुदेशन एवं परीक्षा का माध्यम

अनुदेशन एवं परीक्षा का माध्यम हिन्दी होगा।

लघु शोध प्रबंध

लघु शोध प्रबंध प्रत्येक विद्यार्थी के लिए अनिवार्य है, जो 8 क्रेडिट (200 अंकों) का है एवं प्रत्येक छात्र को लघु शोध प्रबंध के लिए विशेषज्ञता के क्षेत्र से एक विषय का चयन करना होगा जिसे शिक्षा विभाग के संकाय सदस्य के मार्गदर्शन में पूर्ण करना होगा। लघु शोध प्रबंध का मूल्यांकन आंतरिक एवं बाह्य परीक्षकों के द्वारा किया जाएगा। लघु शोध प्रबंध के क्रेडिट संपूर्ण सत्र (चार सेमेस्टर) में विभाजित होंगे।

परीक्षा की योजना

प्रत्येक विषय पत्र के मूल्यांकन के लिए आंतरिक तथा बाह्य दोनों प्रकार के मूल्यांकन की व्यवस्था होगी, आंतरिक मूल्यांकन का अधिभार 25% तथा बाह्य मूल्यांकन का अधिभार 75% होगा। प्रत्येक सेमेस्टर के अंत में बाह्य परीक्षा का आयोजन किया जाएगा।

मूल्यांकन

सम्पूर्ण सेमेस्टर 80 क्रेडिट (2000 अंकों) का होगा, जिसमें प्रति सेमेस्टर 20 क्रेडिट (500 अंकों) का होगा।

उपस्थिति अनिवार्यता

विश्वविद्यालय के नियमानुसार पाठ्यक्रम का पूरी तरह लाभ लेने के लिये विद्यार्थियों से उम्मीद है कि वे शत प्रतिशत व्याख्यानों में उपस्थित रहें। परन्तु 75 % उपस्थिति अनिवार्य है। इससे कम उपस्थिति होने पर छात्रों को परीक्षा में बैठने से वंचित किया जा सकता है।

5. पाठ्यक्रम संरचना:

(Programme Structure)

सेमेस्टर	मूल पाठ्यचर्या)Core(Course	ऐच्छिक पाठ्यचर्या)Elective(Course	योग
पहला सेमेस्टर	सैद्धांतिक 04 =X 0416 क्रेडिट 02 X 01 =02 क्रेडिट प्रायोगिक 01 X 02 =02 क्रेडिट	-	20 क्रेडिट
दूसरा सेमेस्टर	सैद्धांतिक 04 =X 0416 क्रेडिट 02 X 01 =02 क्रेडिट प्रायोगिक 01 X 02 = 02 क्रेडिट	-	20 क्रेडिट
तीसरा सेमेस्टर	सैद्धांतिक 03 =X 0412क्रेडिट प्रायोगिक 01 X 02= 02 क्रेडिट क्षेत्र कार्य 01 X 06= 06 क्रेडिट	-	20 क्रेडिट
चौथा सेमेस्टर	सैद्धांतिक 02 =X 0408 क्रेडिट लघु शोध प्रबंध 01 X 08 =08 क्रेडिट	सीबीसीएस 01 X 04 =04 क्रेडिट	20 क्रेडिट
कुल क्रेडिट	76 क्रेडिट	04 क्रेडिट	8क्रेडिट 0

पाठ्यचर्या रूपरेखा

CURRICULUM OUTLINE

आधारभूत विषय पत्र (Core Course)	परिपेक्ष्य विषय पत्र (Perspective Course) क्रेडिट	अध्यापक शिक्षा विषय पत्र (Teacher Education Course)	कौशल आधारित विषय पत्र (Skill Based Course)	क्रेडिट
	ज्ञानमीमांसीय एवं शैक्षिक अध्ययन - 4 अधिगम एवं विकास का मनोविज्ञान- 4 शैक्षिक सिद्धांत- 4 शिक्षा का ऐतिहासिक, राजनीतिक एवं आर्थिक दृष्टिकोण- 4 पाठ्यचर्या अध्ययन- 4	अध्यापक शिक्षा: दृष्टिकोण, नीति एवं अभ्यास- 4 क्रेडिट	शिक्षा में सूचना एवं संप्रेषण प्रौद्योगिकी- 2 शैक्षिक अनुसंधान के मूल तत्व- 4 शिक्षा में परिमाणात्मक अनुसंधान विधियां- 4 अकादमिक लेखन- 2 शिक्षा में गुणात्मक शोध विधि- 4	
विशेषज्ञता क्षेत्र (Specialisation Branches)	ऐच्छिक (कोई एक) समूह अ: प्राथमिक/माध्यमिक/उच्च शिक्षा: विकास, गतिशीलता, मुद्दे एवं संभावनाएं- 4 ऐच्छिक (कोई एक) समूह ब: विज्ञान/ सामाजिक विज्ञान/गणित/भाषा का उच्च शिक्षण शास्त्र- 4 ऐच्छिक कोई एक समूह स (-I): मूल्य शिक्षा /द्वंद्व समाधान के लिए शिक्षा / गणित शिक्षा का दर्शन /विज्ञान शिक्षा का दर्शन/ शैक्षिक प्रौद्योगिकी- 4 ऐच्छिक (कोई एक) समूह स-II: शैक्षिक मापन और मूल्यांकन / समावेशी शिक्षा / शिक्षा और प्रदर्शनकारी कला /सामाजिक सिद्धांत / शिक्षा में विकल्प / निमार्णवादी शिक्षा / मानवाधिकार और शांति शिक्षा / शैक्षिक प्रबंधन, नियोजन और वित्त शिक्षा / शैक्षिक नेतृत्व और प्रशासन/ मार्गदर्शन और परामर्श / भारतीय दर्शन और शिक्षा- 4			
प्रायोगिक कार्य	प्रायोगिक क्रियाएं-			6
इंटरशिप/क्षेत्र संलग्नता (Internship/ Field Attachment)	प्रशिक्षण/ क्षेत्र कार्य-			6
लघु शोध प्रबंध कार्य (Research leading to dissertation)	लघु शोध प्रबंध-			8
स्व-विकास विषय (Self development courses) सीबीसीएस अन्य विभाग/ विद्यापीठ	आधार भाषा आधार कंप्यूटर	स्वयं या अन्य किसी ऑनलाइन प्लैटफॉर्म से कोई एक मूक्स कोर्स पूरा करना अन्य विभाग या / विद्यापीठ से कोई विषय/अन्य विभाग से कोई विषय (CBCS)- 04 क्रेडिट (कुल)		

क्र.सं	कोर्सकोड	विषय-पत्र	क्रेडिट/पूर्णांक 20/500	आंतरिक मूल्यांकन (अधिभार%)	सत्रांत मूल्यांकन (अधिभार%)
		सैद्धांतिक विषय-पत्र			
1.	एमईडी 01	ज्ञानमीमांसीय एवं शैक्षिक अध्ययन	4/100	25	75
2.	एमईडी 02	अधिगम एवं विकास का मनोविज्ञान	4/100	25	75
3.	एमईडी 03	शैक्षिक अनुसंधान के मूल तत्व	4/100	25	75
4.	एमईडी 04	शिक्षा में सूचना एवं संप्रेषण प्रौद्योगिकी	2/50	25	75
5.	एमईडी 01	मूल पाठ्यचर्या के अंतर्गत ऐच्छिक (कोई एक) समूह 'अ': प्राथमिक/माध्यमिक/ उच्च शिक्षा: विकास, गतिशीलता, मुद्दे एवं संभावनाएं	4/100	25	75
		प्रायोगिक विषय-पत्र			
6.	प्रायोगिक	प्रायोगिक क्रियाएं	2/50	100	
7.	कंप्यूटर अनुप्रयोग में दक्षता (लीला विभाग द्वारा)				
कुल क्रेडिट / कुल अंक			20/500		

प्रायोगिक क्रियाएं (सेमेस्टर-I)

क्र.सं	प्रायोगिक क्रियाएं	क्रियाकलाप
1.	शैक्षिक साहित्यों का पठन एवं चिंतन*	-किसी एक शैक्षिक साहित्य की विषय वस्तु का विश्लेषण एवं आलोचनात्मक समीक्षा कर आलेख प्रस्तुत करना
2.	मनोविज्ञान के प्रयोग**	-कोई दो प्रयोग: स्मृति, बुद्धि, व्यक्तित्व, समाजमिति, अधिगम, सृजनात्मकता
3.	शैक्षिक अनुसंधान के मूल तत्व ***	-शैक्षिक अनुसंधान के मूल तत्व विषय-पत्र के किसी एक प्रकरण पर शोध संवाद में प्रस्तुति
4.	'शिक्षा में आईसीटी उपकरण के अनुप्रयोग' विषय पर कार्यशाला ^{##}	-ऑनलाइन एप का उपयोग करते हुए ई-पाठ्य-सामग्री/OERs का निर्माण करना/ -ब्लॉग, गूगल ग्रुप, विकिपेडिया, सोशल मीडिया का शिक्षा में प्रयोग/ -ई-रिब्रिक्स एवं ई-पोर्टफोलियो का आकलन में प्रयोग
5.	मूल पाठ्यचर्या के अंतर्गत ऐच्छिक (कोई एक) ^{###} समूह 'अ': प्राथमिक/माध्यमिक/उच्च शिक्षा: विकास, गतिशीलता, मुद्दे एवं संभावनाएं	-किसी भी प्राथमिक/माध्यमिक/उच्च शिक्षा स्तर के विद्यार्थी/ शैक्षिक संस्थान/ शैक्षिक कार्यक्रम पर प्रकरण अध्ययन कर प्रतिवेदन तैयार करना
6.	शोध संवाद ^{####}	महत्वपूर्ण शैक्षिक मुद्दों/ शैक्षिक अनुसंधान विधियों/ लघु शोध प्रबंध कार्य से संबंधित शोध क्षेत्र पर चर्चा

नोट : * शैक्षिक अध्ययन-विषय पत्र से संबंधित

** अधिगम एवं विकास का मनोविज्ञान-विषय पत्र से संबंधित

*** शैक्षिक अनुसंधान के मूल तत्व विषय-पत्र से संबंधित

^{##} शिक्षा में सूचना एवं संप्रेषण प्रौद्योगिकी विषय-पत्र से संबंधित

^{###} मूल पाठ्यचर्या के अंतर्गत ऐच्छिक (कोई एक)- समूह 'अ' से संबंधित

^{####} लघु शोध प्रबंध कार्य के क्रेडिट में सम्मिलित: लघु शोध प्रबंध कार्य पाठ्यक्रम के विभिन्न सेमेस्टर में वितरित रहेगा, किंतु इससे संबंधित विभिन्न क्रियाकलापों के मूल्यांकन से प्राप्त अंकों की रीपोर्टिंग अंतिम यानि चतुर्थ सेमेस्टर में ही की जाएगी। अतः लघु शोध प्रबंध के क्रेडिट को चतुर्थ सेमेस्टर में सम्मिलित किया गया है।

सेमेस्टर-II (20 क्रेडिट)

क्र.सं	कोर्सकोड	विषय-पत्र	क्रेडिट/पूर्णांक 20/500	आंतरिक मूल्यांकन (अधिभार%)	सत्रांत मूल्यांकन (अधिभार%)
		सैद्धांतिक विषय-पत्र			
1.	एमईडी 05	शैक्षिक सिद्धांत	4/100	25	75
2.	एमईडी 06	अध्यापक शिक्षा: दृष्टिकोण, नीति एवं अभ्यास	4/100	25	75
3.	एमईडी 07	शिक्षा में परिमाणात्मक अनुसंधान विधियां	4/100	25	75
4.	एमईडी 08	अकादमिक लेखन	2/50	25	75
5.	एमईडीई 02	मूल पाठ्यचर्या के अंतर्गत ऐच्छिक (कोई एक) समूह 'ब'- विज्ञान/सामाजिक विज्ञान/गणित/भाषा का उच्च शिक्षण शास्त्र	4/100	25	75
		प्रायोगिक विषय-पत्र			
6.	प्रायोगिक	प्रायोगिक क्रियाएं	2/50	100	
7.	हिंदी भाषा में दक्षता (भाषा विद्यापीठ द्वारा)				
	कुल क्रेडिट / कुल अंक		20/500		

प्रायोगिक क्रियाएं (सेमेस्टर-II)

क्र.सं	प्रायोगिक क्रियाएं	क्रियाकलाप
1.	'भारतीय शिक्षा दर्शन' पर परिचर्चा *	-भारतीय शैक्षिक विचारकों के शैक्षिक सिद्धांत तथा वर्तमान शिक्षा में इसके निहितार्थ पर परिचर्चा में सहभागिता एवं प्रतिवेदन प्रस्तुति
2.	'अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम में नवोन्मेष' विषय पर कार्यशाला **	-सेवापूर्व तथा सेवारत अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम में नवाचारी अभ्यास से संबंधित गतिविधियों में सहभागिता एवं प्रतिवेदन प्रस्तुति
3.	'परिमाणात्मक अनुसंधान अभिकल्प' विषय पर कार्यशाला***	-प्रयोगात्मक, सर्वेक्षण, सह-संबंधी तथा घटनोत्तर शोध अभिकल्प से संबंधित गतिविधियों में सहभागिता तथा किसी एक शोध अभिकल्प के अनुसार शोध प्रक्रिया प्रारूप का निर्माण
4.	'सृजनात्मक तथा निर्माणवादी शिक्षणशास्त्र' पर कार्यशाला [#]	-कक्षा से परे अधिगम की संस्कृति/ -संस्कृति संवेदनशील शिक्षण शास्त्र/ -निर्माणवादी कक्षा की अवधारणा/ -अभिनय शिक्षणशास्त्र संबंधी अधिगम प्रारूप का निर्माण
3.	'अकादमिक लेखन' पर कार्यशाला ^{###}	-शोध पत्र, आलेख, पुस्तक समीक्षा, मोनोग्राम आदि का लेखन /एवं प्रकाशन
4.	अपने अभिरुचि के शोध क्षेत्र से संबंधित साहित्य की समीक्षा, शोध समस्या का चयन तथा शोध प्रस्ताव का निर्माण एवं शोध संवाद में प्रस्तुति ^{####}	-'संबंधित शोध साहित्य समीक्षा लेखन' विषय पर कार्यशाला में सहभागिता एवं प्रलेखन -'शोध प्रस्ताव लेखन' विषय पर कार्यशाला में सहभागिता एवं प्रलेखन -लघु शोध प्रबंध कार्य से संबंधित साहित्य समीक्षा तथा शोध प्रस्ताव का निर्माण एवं शोध संवाद में प्रस्तुति

नोट : * शैक्षिक सिद्धांत विषय-पत्र से संबंधित

** अध्यापक शिक्षा: दृष्टिकोण, नीति एवं अभ्यास विषय-पत्र से संबंधित

*** शिक्षा में परिमाणात्मक अनुसंधान विधियां विषय-पत्र से संबंधित

[#] विज्ञान/ सामाजिक विज्ञान/गणित/भाषा का उच्च शिक्षण शास्त्र विषय-पत्र से संबंधित

^{###} अकादमिक लेखन विषय-पत्र से संबंधित

^{####} लघु शोध प्रबंध कार्य के क्रेडिट में सम्मिलित

सेमेस्टर-III (20 क्रेडिट)

क्र.सं	कोर्सकोड	विषय-पत्र	क्रेडिट/पूर्णांक 20/500	आंतरिक मूल्यांकन (अधिभार%)	सत्रांत मूल्यांकन (अधिभार%)
सैद्धांतिक विषय-पत्र					
1.	एमईडी 09	शिक्षा का ऐतिहासिक, राजनीतिक एवं आर्थिक परिप्रेक्ष्य	4/100	25	75
2.	एमईडी 010	पाठ्यचर्या अध्ययन	4/100	25	75
3.	एमईडी 011	शिक्षा में गुणात्मक शोध विधि	4/100	25	75
प्रायोगिक विषय-पत्र					
4.	प्रायोगिक	प्रायोगिक क्रियाएं	2/50	100	--
5.	क्षेत्र कार्य	प्रशिक्षण/ क्षेत्र कार्य ^{##}	6/150	100	--
कुल क्रेडिट / कुल अंक			20/500		

प्रायोगिक क्रियाएं (सेमेस्टर-III)

क्र.सं	प्रायोगिक क्रियाएं	क्रियाकलाप
1.	‘शिक्षा का ऐतिहासिक, राजनीतिक एवं आर्थिक परिप्रेक्ष्य’ विषय पर परिचर्चा *	-शिक्षा बजट, भारतीय शिक्षा पद्धति पर मैकाले के प्रभाव, शिक्षा का राजनीतिकरण आदि विषयों पर परिचर्चा में सहभागिता एवं प्रतिवेदन प्रस्तुति
2.	‘विभिन्न प्रकार के पाठ्यचर्या मॉडल’ पर कार्यशाला **	-वर्तमान विद्यालयी शिक्षा में प्रचलित पाठ्यचर्या मॉडल -सेवापूर्व अध्यापक शिक्षा से संबंधित पाठ्यचर्या मॉडल पर विचारशील चिंतन एवं किसी एक मॉडल के अनुसार पाठ्यचर्या प्रारूप का निर्माण
3.	‘गुणात्मक शोध अभिकल्प’ विषय पर कार्यशाला ***	-गुणात्मक शोध विधियां एवं प्रविधियां/ -गुणात्मक आकड़ों के विश्लेषण की तकनीक से संबंधित गतिविधियों में सहभागिता तथा किसी एक गुणात्मक विधि/प्रविधि/तकनीक के आधार पर शोध प्रक्रिया प्रारूप का निर्माण
4.	पूर्व इंटरशिप उन्मुखीकरण कार्यक्रम ^{##}	-शिक्षण कौशल और अनुकरणीय (सिम्युलेटेड) शिक्षण अभ्यास के दौरान अध्येताओं (बी.एड. प्रशिक्षुओं) का पर्यवेक्षण एवं प्रलेखन
5.	कॉलेज ऑफ़ एजुकेशन / शिक्षा संस्थान / शिक्षा विभाग में इंटरशिप/क्षेत्र कार्य ^{##}	-विद्यालय इंटरशिप कार्यक्रम के दौरान अध्येताओं (बी.एड. प्रशिक्षुओं) का पर्यवेक्षण एवं रिपोर्टिंग -अध्येताओं के दैनिक रिकॉर्ड का अनुरक्षण एवं रिपोर्टिंग -अध्यापक शिक्षा संस्थान में अभ्यास शिक्षण एवं सह-शैक्षणिक गतिविधि का आयोजन एवं रिपोर्टिंग
6.	प्रतिष्ठित अध्यापक शिक्षा संस्थान का क्षेत्र अध्ययन ^{##}	किसी एक प्रतिष्ठित अध्यापक शिक्षा संस्थान की संरचना एवं कार्यप्रणाली का अवलोकन एवं रिपोर्टिंग
8.	शोध उपकरण का चयन, प्रारूप एवं विकास ^{###}	-‘शोध उपकरण का चयन, निर्माण एवं प्रमापीकरण’ विषय पर कार्यशाला में सहभागिता एवं प्रलेखन -लघु शोध प्रबंध कार्य से संबंधित शोध उपकरण का निर्माण एवं शोध संवाद में प्रस्तुति

नोट : * शिक्षा का ऐतिहासिक, राजनीतिक एवं आर्थिक परिप्रेक्ष्य विषय-पत्र से संबंधित

** पाठ्यचर्या अध्ययन विषय-पत्र से संबंधित; *** शिक्षा में गुणात्मक शोध विधि विषय-पत्र से संबंधित; ^{##} प्रशिक्षण/क्षेत्र कार्य में सम्मिलित

^{###} लघु शोध प्रबंध कार्य में सम्मिलित

सेमेस्टर-IV ((क्रेडिट 20

क्र.सं	कोर्सकोड	विषय-पत्र	क्रेडिट/पूर्णांक 20/500	आंतरिक मूल्यांकन (अधिभार%)	सत्रांत/बाह्य मूल्यांकन (अधिभार%)
		मूल पाठ्यचर्या			
		सैद्धांतिक विषय-पत्र			
1.	एमईडीई 03	मूल पाठ्यचर्या के अंतर्गत ऐच्छिक (कोई एक) समूह 'स'-I: निम्न में से कोई एक: मूल्य शिक्षा/ द्वन्द समाधान के लिए शिक्षा /विज्ञान शिक्षा का दर्शन / गणित शिक्षा का दर्शन / शैक्षिक प्रौद्योगिकी	4/100	25	75
2.	एमईडीई 04	मूल पाठ्यचर्या के अंतर्गत ऐच्छिक (कोई एक) समूह 'स'-II: शैक्षिक मापन और मूल्यांकन/ समावेशी शिक्षा/ प्रदर्शनकारी कला और शिक्षा /सामाजिक सिद्धांत / शिक्षा में विकल्प/ निर्माणवादी शिक्षा/मानवाधिकार और शांति शिक्षा/ शैक्षिक प्रबंधन, नियोजन और वित्त शिक्षा / शैक्षिक नेतृत्व और प्रशासन/ शैक्षिक मार्गदर्शन और परामर्श / भारतीय दर्शन और शिक्षा	4/100	25	75
		प्रायोगिक विषय-पत्र			
3.	प्रायोगिक	प्रायोगिक क्रियाएं			
4.	लघु शोध प्रबंध	लघु शोध प्रबंध कार्य***	8/200	37.50	62.50
		ऐच्छिक पाठ्यचर्या			
5.	ऐच्छिक	स्वयं या अन्य किसी ऑनलाइन प्लेटफार्म से कोई एक मूक्स कोर्स पूरा करना /अन्य विभाग या विद्यापीठ से कोई विषय	4/100	25	75
कुल क्रेडिट / कुल अंक			20/500		

प्रायोगिक क्रियाएं (सेमेस्टर-IV)

क्र.सं	प्रायोगिक क्रियाएं	क्रियाकलाप
1.	चयनित विषय-पत्र से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर परिचर्चा *	परिचर्चा में सहभागिता एवं प्रतिवेदन की प्रस्तुति
2.	चयनित विषय-पत्र से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दों पर परिचर्चा **	परिचर्चा में सहभागिता एवं प्रतिवेदन की प्रस्तुति
3.	लघु शोध प्रबंध पूर्व प्रस्तुतीकरण संगोष्ठी***	- लघु शोध प्रबंध पूर्व प्रस्तुतीकरण संगोष्ठी में अंतिम शोध कार्य रिपोर्ट की प्रस्तुति
4.	लघु शोध प्रबंध जमा***	-लघु शोध प्रबंध का मूल्यांकन एवं मौखिकी

नोट : * मूल पाठ्यचर्या के अंतर्गत ऐच्छिक (कोई एक) समूह 'स'-I विषय-पत्र के क्रेडिट में सम्मिलित

** मूल पाठ्यचर्या के अंतर्गत ऐच्छिक (कोई एक) समूह 'स'-II विषय-पत्र के क्रेडिट में सम्मिलित

*** लघु शोध प्रबंध कार्य में सम्मिलित

लघु शोध प्रबंध के लिए क्रेडिट का विभाजन

क्र.	सेमेस्टर	गतिविधियों के अवयव	क्रेडिट
1.	I	महत्वपूर्ण शैक्षिक मुद्दों/ शैक्षिक अनुसंधान विधियों/ लघु शोध प्रबंध कार्य से संबंधित शोध क्षेत्र पर शोध संवाद (Research Colloquium) में प्रस्तुति	1
2.	II	अपने रुचि के शोध क्षेत्र से संबंधित साहित्य का अध्ययन एवं समीक्षा, शोध समस्या का चयन एवं शोध प्रस्ताव का निर्माण एवं प्रस्तुति	1
3.	III	शोध उपकरण का चयन, प्रारूप एवं विकास/शोध प्रक्रिया प्रारूप का निर्माण	1
4.	IV	प्रदत्त संकलन एवं विश्लेषण, व्याख्या एवं परिणाम; शोध कार्य लेखन, जमा पूर्व लघु शोध प्रबंध संगोष्ठी एवं लघु शोध प्रबंध जमा (लघु शोध प्रबंध का मूल्यांकन एवं मौखिकी)	5
कुल क्रेडिट			8

नोट: लघु शोध प्रबंध से संबंधित कार्य प्रथम सेमेस्टर से चतुर्थ सेमेस्टर (पूर्ण सेमेस्टर) में विभाजित होंगे।

लघु शोध प्रबंध कार्य के 8 क्रेडिट के अंक चतुर्थ सेमेस्टर में जोड़े जायेंगे।

एम.एड. पाठ्यक्रम (2020-22) के लघु शोध प्रबंध कार्य (8 क्रेडिट= 200 अंक) के अंतर्गत विद्यार्थियों के आकलन हेतु मानदंड:

- महत्वपूर्ण शैक्षिक मुद्दों/ शैक्षिक अनुसंधान विधियों/ लघु शोध प्रबंध कार्य से संबंधित शोध क्षेत्र पर शोध संवाद (Research Colloquium) में प्रस्तुति - 25 अंक (आंतरिक मूल्यांकन- शोध पर्यवेक्षक/विभागीय समिति)
- संबंधित शोध साहित्य समीक्षा एवं शोध प्रस्ताव - 25 अंक (बाह्य परीक्षक द्वारा मूल्यांकन)
- प्रदत्तों के संकलन हेतु उपकरणों का चयन, निर्माण एवं प्रमापीकरण/शोध प्रक्रिया प्रारूप का निर्माण- 25 अंक (आंतरिक मूल्यांकन- शोध पर्यवेक्षक/विभागीय समिति)
- लघु शोध प्रबंध कार्य रिपोर्ट की पूर्व-प्रस्तुति- 25 अंक (आंतरिक मूल्यांकन- शोध पर्यवेक्षक/विभागीय समिति)
- लघु शोध प्रबंध कार्य रिपोर्ट का मूल्यांकन एवं मौखिकी- (50+50) अंक=100 अंक (बाह्य परीक्षक द्वारा मूल्यांकन)

इस प्रकार संपूर्ण लघु शोध प्रबंध कार्य का मूल्यांकन आंतरिक तथा बाह्य परीक्षकों के संस्तुति के आधार पर किया जाएगा तथा लघु शोध प्रबंध कार्य के मूल्यांकन के अंकों को चौथे सेमेस्टर के अंक-पत्र में जोड़ा जाएगा। शोध प्रबंध कार्य के मूल्यांकन का अधिभार निम्नवत होगा-

आंतरिक मूल्यांकन (37.50%- 3 क्रेडिट) + बाह्य मूल्यांकन (62.50%- 5 क्रेडिट)

नोट: विद्यार्थियों द्वारा शोध प्रस्ताव का अनुमोदन इस हेतु गठित समिति के द्वारा किया जाएगा। आवश्यकतानुसार बाह्य परीक्षक इस समिति के सदस्य के रूप में आमंत्रित किए जायेंगे।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning)

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

*अध्येता तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#]अध्येता द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. प्रायोगिक पाठ्यचर्या के अंतर्गत सम्मिलित विभिन्न सैद्धांतिक विषय-पत्रों से संबंधित प्रायोगिक क्रियाओं (परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य) तथा प्रशिक्षुता कार्यक्रम से संबंधित गतिविधियों का मूल्यांकन

प्रतिवेदन लेखन एवं प्रस्तुतीकरण (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	क्षेत्र- कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	
निर्धारित अंक प्रतिशत	50%	30%	20%

प्रथम सेमेस्टर (First Semester)

1. पाठ्यचर्या का नाम: ज्ञानमीमांसीय एवं शैक्षिक अध्ययन

Name of the Course: Epistemological and Educational Studies

2. पाठ्यचर्या का कोड (Code of the Course): एमईडी 01

3. क्रेडिट (Credit): 4 क्रेडिट

4. सेमेस्टर (Semester): प्रथम

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of the Course): एम.एड. पाठ्यक्रम

में इस पाठ्यचर्या को सम्मिलित करने का प्रयोजन एवं विवरण निम्नवत है:

- **ज्ञान एवं शिक्षा:** यह पाठ्यचर्या अधिगमकर्ता को भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टिकोण से ज्ञान, अधिगम, चिंतन, मूल्य निरूपण एवं अस्तित्व की अवधारणा की चर्चा करती है।
- **शिक्षाशास्त्र की अंतरानुशासनिक प्रवृत्ति:** यह पाठ्यचर्या अधिगमकर्ता को शिक्षाशास्त्र की अंतरानुशासनिक प्रवृत्ति: विभिन्न विषयों-जैसे दर्शनशास्त्र, मनोविज्ञान, समाजशास्त्र, प्रबंधन, अर्थशास्त्र, विज्ञान आदि के साथ शिक्षाशास्त्र का संबंध का समालोचनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत करती है।
- **ज्ञान और उसका संदर्भ:** इस पाठ्यचर्या के अंतर्गत विद्यालयी ज्ञान एवं विद्यालय के बाहर के जीवन का ज्ञान; अनुभवात्मक ज्ञान (Experiential knowledge) एवं अनुभवजन्य ज्ञान (Empirical knowledge) को अधिगमकर्ता के समक्ष प्रस्तुत करती है।
- **शिक्षा, शिक्षण और अधिगम, शिक्षक और शिक्षार्थी संबंधित समकालीन विचार:** ज्ञान के सृजनकर्ता के रूप में शिक्षक एवं शिक्षार्थी, सतत व न्यायसम्मत विकास तथा समावेशी शिक्षा का दर्शन को समीक्षात्मक विवरण के रूप में प्रस्तुत करती है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes):

इस पाठ्यचर्या के अध्ययन के उपरांत अध्येता निम्नलिखित अधिगम परिणाम प्राप्त करने में सक्षम होंगे-

1. भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टिकोण से ज्ञान, अधिगम, चिंतन, मूल्य निरूपण एवं अस्तित्व की अवधारणा की समझ विकसित करने की क्षमता।
2. शिक्षाशास्त्र की अंतरानुशासनिक प्रवृत्ति: विभिन्न विषयों-जैसे दर्शनशास्त्र, मनोविज्ञान, समाजशास्त्र, प्रबंधन, अर्थशास्त्र, विज्ञान आदि के साथ शिक्षाशास्त्र का संबंध का समालोचनात्मक विश्लेषण करने की क्षमता।
3. अनुभवात्मक ज्ञान (Experiential knowledge) एवं अनुभवजन्य ज्ञान (Empirical knowledge); विद्यालयी ज्ञान एवं विद्यालय के बाहर के जीवन का ज्ञान एवं सामुदायिक ज्ञान पहचाने की दक्षता।

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	6
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	7
कौशल विकास गतिविधियाँ	7
कुल क्रेडिट घंटे	60

4. ज्ञान के सृजनकर्ता के रूप में शिक्षक एवं शिक्षार्थी, सतत व न्यायसम्मत विकास तथा समावेशी शिक्षा का दर्शन को आलोचनात्मक समीक्षा की दक्षता |
5. राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा-2005 के अनुसार पूर्व ज्ञान के आधार पर नये ज्ञान निर्माण करने की कुशलता |
6. अधिगमकर्ता के परिसर से सम्बंधित प्रदत्तों को एकत्रित करने एवं विवेचना करने की क्षमता |
7. कक्षा-कक्ष शिक्षण के दौरान निर्माणवादी उपागम का अनुप्रयोग करने की क्षमता |
8. समूह गतिशीलता के विभिन्न पक्षों को समझने हेतु समूह अध्ययन के लिए तत्परता |

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course):

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्या	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.... (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	ज्ञान एवं शिक्षा • ज्ञान की अवधारणा की समझ: भारतीय एवं पाश्चात्य दृष्टिकोण • ज्ञान, अधिगम, चिंतन, मूल्य निरूपण एवं अस्तित्व की अवधारणा • ज्ञान एवं सूचना • ज्ञान प्राप्त करने की विधियाँ • सीमा रहित ज्ञान • ज्ञान एवं शिक्षणशास्त्र: निर्माणवादी एवं वैकल्पिक दृष्टिकोण	10	2	3	15	25

मॉड्यूल-2	शिक्षाशास्त्र की अंतरानुशासनिक प्रवृत्ति - विभिन्न ज्ञानानुशासनों की अवधारणा का उद्भव - एक ज्ञानानुशासन के रूप में शिक्षाशास्त्र का समालोचनात्मक विश्लेषण - शिक्षाशास्त्र की अंतरानुशासनिक प्रवृत्ति: विभिन्न विषयों –जैसे दर्शनशास्त्र, मनोविज्ञान, समाजशास्त्र, प्रबंधन, अर्थशास्त्र, मनोविविज्ञान, संचार अध्ययन, जीव विज्ञान आदि के साथ शिक्षाशास्त्र का संबंध, उदारवादी शिक्षा की अवधारणा, वृत्तिक व व्यावसायिक शिक्षा (Vocational Education and Professional Education) का अर्थ एवं महत्व	10	2	3	15	25
मॉड्यूल-3	ज्ञान और उसका संदर्भ - विषयवस्तु संबंधी ज्ञान - एवं शिक्षणशास्त्रीय ज्ञान - विद्यालयी ज्ञान एवं विद्यालय के बाहर के जीवन का ज्ञान	10	2	3	15	25

	• विद्यालयी ज्ञान एवं सामुदायिक ज्ञान • अनुभवात्मक ज्ञान (Experiential knowledge) एवं अनुभवजन्य ज्ञान (Empirical knowledge) • कार्य, चिंतन एवं कार्य के परिणामस्वरूप ज्ञान • सैद्धान्तिक ज्ञान एवं व्यावहारिक ज्ञान • सार्वभौमिक व प्रासंगिक ज्ञान					
मॉड्यूल-4	शिक्षा, शिक्षण और अधिगम, शिक्षक और शिक्षार्थी संबंधित समकालीन विचार • शिक्षा के चार स्तम्भ (डेलर्स कमीशन रिपोर्ट) • अर्थ लक्ष्य की खोज के रूप में अधिगम • ज्ञान के सृजनकर्ता के रूप में शिक्षक एवं शिक्षार्थी. • सतत व न्यायसम्मत विकास तथा समावेशी शिक्षा	10	2	3	15	25

	का दर्शन • बहुसांस्कृतिक और विविध शिक्षण अधिगम					
योग		40	8	12	60	100

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	1. निर्माणवादी उपागम 2. आगमनात्मक उपागम 3. निगमनात्मक उपागम 4. एकीकृत उपागम 5. चिंतशील, 6. अंतरानुशासनिक 7. सहयोगपूर्ण 8. ब्लेंडेड अधिगम उपागम
विधियाँ	1. दार्शनिक चिंतन 2. व्याख्यान-सह चर्चा 3. सहयोगात्मक अधिगम 4. ऐतिहासिक विधि 5. पृच्छा आधारित अधिगम 6. संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	1. शोध आलेखों की समीक्षा 2. संगोष्ठी/परिचर्चा, 3. व्यष्टि अध्ययन 5. व्याख्यान-सह-चर्चा, 6. केंद्रित समूह चर्चा, 7. परियोजना कार्य एवं प्रस्तुतीकरण, 8. वृत्तिक विकास हेतु प्रयोग में लाई जानेवाली विभिन्न सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी उपकरण का आई.सी.टी. प्रयोगशाला में अभ्यास,

उपादान	1. पावर पॉइंट प्रस्तुति 2. ऑनलाइन क्लास (गूगल क्लासरूम, गूगल मीट) 3. लैपटॉप 4. प्रोजेक्टर 5. स्मार्टबोर्ड 6. शोध पत्र; ई-संसाधन (यू-ट्यूब वीडियो, ऑनलाइन कोर्स, ब्लॉग, गूगल बुक्स, विकिबुक्स)

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति								
1	X	X	X	X	X	X	X	X
2	X	X	X	-	X	X	X	X
3	X	X	X	X	X	X	X	X
4	X	X	X	-	-	-	-	X
5	X	X	X	X	X	X	X	X
6	X	X	-	-	X	-	-	-
7	X	X	X	X	X	-	-	X
8	X	X	-	-	X	-	-	X

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning)

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#] विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	- MHRD (1992), <i>National Policy on Education 1986 (Revised)</i>. New Delhi: MHRD, Gov. of India. - MHRD (1992), <i>Programme of Action</i>. Govt. of India, New Delhi. - Report of the Education Commission (1964-66). - Report of the National Commission on Teachers (1983-85). - Report of the Delors Commission, UNESCO, 1996 - National Policy on Education 1986/1992. - National Curriculum Framework (2005, 2009, 2014). - NCTE Regulations 2009, 2014
2	संदर्भ-ग्रंथ	- Naik, J.P. (1975). <i>Equality, Quality and Quantity: The Elusive Triangle of Indian Education</i>. Bombay: Allied Publications. - Peters, R.S. (Ed), (1975). <i>The Philosophy of Education</i>. Oxford University Press, London. - Beyer, L.E. (Ed.) (1996) <i>Creating Democratic Classrooms: The Struggle to Integrate Theory and Practice</i>. New York:

		Teachers College Press. • Butchvarov, P. (1970), <i>The Concept of Knowledge</i>. Evanston, Illinois: North Western University Press. • Heyes, D., Hills, M., Chistie, P. and Lingard, B. (2007), <i>Teachers and Schooling: Making a Difference</i>. Australia: Allen and Unwin. • Delors, Jacques, et al; (1996). <i>Learning: The Treasure within Report of the International Commission on Education for 21st century</i>, UNESCO. • Freire, Paulo (1970). <i>Pedagogy of the Oppressed</i>. New York: Continuum. • Freire, P. and Shor, I. (1987). <i>A Pedagogy of Liberation</i>. London: Macmillan Education. • Slattery, Patrick and Dana Rapp. (2002). <i>Ethics and the Foundations of Education- Teaching Convictions in a Postmodern World</i>. Allyn & Bacon. • Wall, Edmund (2001). <i>Educational Theory: Philosophical and Political Perspectives</i>. Prometheus Books. • Winch, C. (1st edition). (1996). <i>Key Concepts in the Philosophy of Education</i>. London: Routledge.
3	ई-संसाधन	• www.swayam.gov.in • http://nmeict.detsndt.ac.in/ • https://ncte.gov.in/Website/OER.aspx

1. पाठ्यचर्या का नाम: अधिगम और विकास का मनोविज्ञान
(Name of the Course) Psychology of Learning and Development

2. पाठ्यचर्या का कोड: एमईडी 02
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 04
(Credit)

4. सेमेस्टर: प्रथम
(Semester)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	8
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	4
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण:

(Description of the Course)

एम.एड. पाठ्यक्रम में इस पाठ्यचर्या को सम्मिलित करने का प्रयोजन तथा इसका विवरण निम्नवत है :

- **मनोविज्ञान की प्रकृति तथा अधिगमकर्ता का विकास:** यह इकाई अधिगमकर्ता के संदर्भ का आकलन करने की प्रविधियों, उसके विकास की विभिन्न अवस्थाओं एवं संबन्धित सिद्धांतों का बोध कराती है।
- **अधिगम के सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य:** इस इकाई के अंतर्गत संज्ञानात्मक मनोविज्ञान तथा निर्माणवादी अधिगम की उपादेयता की दृष्टि से अधिगम की प्रक्रिया एवं सिद्धांतों का आलोचनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है।
- **अधिगमकर्ता में व्यक्तिगत विभिन्नता:** इस इकाई के माध्यम से व्यक्तित्व विकास के विभिन्न सैद्धांतिक पक्षों तथा संप्रत्ययों को अध्येताओं के समक्ष रखा गया है। इस इकाई के माध्यम से सृजनात्मकता के संप्रत्यय एवं घटकों से अध्येताओं को परिचित कराती है और उन्हें व्यक्तियों में सृजनात्मकता की वृद्धि हेतु प्रोत्साहित करती है।
- **अनुदेशात्मक विन्यास में सामूहिक गतिशीलता:** यह इकाई अनुदेशनात्मक विन्यास में सामूहिक गतिशीलता के विभिन्न पहलुओं को पहचानने के लिए अध्येताओं को अभिप्रेरित करती है तथा समूह अध्ययन की विभिन्न प्रविधियों से परिचित कराती है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

- अधिगमकर्ता के संदर्भ का आकलन करते हुए उसके विकास की विभिन्न अवस्थाओं एवं संबन्धित सिद्धांतों की समझ का विकास।
- संज्ञानात्मक मनोविज्ञान तथा निर्माणवादी अधिगम की उपादेयता की दृष्टि से अधिगम की प्रक्रिया एवं सिद्धांतों का आलोचनात्मक विश्लेषण करने की क्षमता।
- व्यक्तित्व विकास के विभिन्न सैद्धांतिक पक्षों तथा संप्रत्यय का बोध।
- अनुदेशनात्मक विन्यास में सामूहिक गतिशीलता के विभिन्न पहलुओं को पहचानना तथा समूह अध्ययन की विभिन्न प्रविधियों से परिचय।
- अधिगमकर्ता के परिवेश से संबन्धित प्रदत्तों को एकत्रित करने तथा विवेचना करने की क्षमता।

- कक्षा-कक्ष शिक्षण के दौरान निर्माणवादी उपागम का अनुप्रयोग करने की क्षमता |
- अधिगमकर्ता में सृजनात्मकता को विकसित करने की अभिवृत्ति |
- समूह गतिशीलता के विभिन्न पक्षों को समझने हेतु समूह अध्ययन के लिए तत्परता |

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला (Interaction / Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	मनोविज्ञान की प्रकृति तथा अधिगमकर्ता का विकास शिक्षा में मनोविज्ञान की अवधारणा तथा उपादेयता, अधिगमकर्ता को समझने की विधियाँ (अवलोकन, अंतर्दृष्टि और बाह्यदृष्टि), शैक्षिक मनोविज्ञान और शिक्षण में सम्बन्ध	2	0	0	2	3.33
मॉड्यूल-2	व्यक्तिगत विभिन्नता के अध्ययन में शैक्षिक मनोविज्ञान की भूमिका	1	0	1	2	3.33
मॉड्यूल-3	मानव विकास की अवस्थाएँ अधिगमकर्ता की वृद्धि और विकास की अवधारणा तथा विभिन्न अवस्थाएँ तथा शिक्षण और अधिगम में इसकी उपादेयता	2	0	0	2	3.33

मॉड्यूल-4	पियाजे के संज्ञानात्मक विकास की अवधारणा तथा इसका आलोचनात्मक विश्लेषण	2	0	1	3	5
मॉड्यूल-5	वाय्गात्सकी का सामाजिक –सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य	1	1	0	2	3.34
मॉड्यूल-6	ब्रॉफ़ेब्रेनर का सामाजिक सन्दर्भ	1	1	0	2	3.34
मॉड्यूल-7	कोहलबर्ग का नैतिक विकास का सिद्धान्त	1	0	1	2	3.33
मॉड्यूल-8	अधिगम के सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य अधिगम की आवश्यकताओं की पहचान करना और विभिन्न परिस्थितियों में अधिगम का स्थानांतरण	1	0	0	1	1.67
मॉड्यूल-9	ब्रूनर और बंडूरा, गैगने(Gagne) का अधिगम – अनुक्रम सिद्धान्त के विशेष सन्दर्भ में अधिगम का व्यवहारात्मक, संज्ञानात्मक और सामाजिक परिप्रेक्ष्य, अधिगमशैली, भावनात्मक और व्यवहार विकार	3	1	1	5	8.33
मॉड्यूल-10	स्मृति, याद करना और भूलना, संकल्पना और अधिगम में इनके प्रयास	2	1	0	3	5
मॉड्यूल-11	ज्ञानात्मक प्रक्रिया : अवधारणा बनाना, तार्किक विचार, समस्या हल करना, सृजनात्मक विचार और भाषा विकास	2	0	1	3	5
मॉड्यूल-12	निर्माणवाद : अवधारणा तथा शिक्षण और अधिगम	2	0	1	3	5

	प्रक्रिया में इसका उपयोग					
मॉड्यूल-13	अधिगमकर्ता में व्यक्तिगत विभिन्नता अवधारणा, शाब्दिक, अशाब्दिक, व्यक्तिगत और सामूहिक परीक्षण के द्वारा बुद्धि का मापन, अनुवांशिकता तथा वातावरण का बुद्धि पर प्रभाव, बहुबुद्धि तथा भावात्मक बुद्धि की अवधारणा	3	0	0	3	5
मॉड्यूल-14	सृजनात्मकता की अवधारणा, विशेषताएं, तत्व, घटक और विकास, सृजनात्मकता का मापन, शिक्षा में सृजनात्मकता का महत्व	1	1	1	3	5
मॉड्यूल-15	व्यक्तित्व का अर्थ, प्रकृति और विकास, अनुवांशिकता और वातावरणीय चरों की भूमिका, व्यक्तित्व का मापन और सिद्धान्त- गुण सिद्धान्त और प्रकार सिद्धान्त फ्रायड, एडलर, रोजर और आल्पोर्ट के विशेष सन्दर्भ में	4	1	1	6	10
मॉड्यूल-16	शिक्षण और अधिगम प्रक्रिया में अभिप्रेरणा, सकारात्मक अधिगम के लिये वातावरण का निर्माण और उसे कायम रखना	1	0	0	1	1.67
मॉड्यूल-17	अभिवृत्ति की अवधारणा	1	0	1	2	3.33

	और उसका मापन , मनोवृत्ति और अभिरुचि ।					
मॉड्यूल-18	अनुदेशात्मक विन्यास में सामूहिक गतिशीलता समूह – अवधारणा , परिभाषा , प्रकार और गुण	2	0	0	2	3.33
मॉड्यूल-19	समूह का निर्माण और कक्षाकक्ष गतिशीलता	1	1	0	2	3.33
मॉड्यूल-20	समूह प्रक्रिया – अंतःक्रिया , संरचना , संगतता , सामूहिक निमित्त और लक्ष्य , मानकों अथवा व्यवहार का मानकीकरण	3	0	1	4	6.67
मॉड्यूल-21	समूह का अध्ययन करने की विभिन्न प्रविधियाँ – अवलोकन , समाजमिति, प्रश्नावली , संचयी अभिलेख	3	1	1	5	8.34
मॉड्यूल-22	सामूहिक संघर्ष और समस्या का हल निकालना	1	0	1	2	3.33
योग		40	8	12	60	100

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	● आगमनात्मक ● निगमनात्मक ● निर्माणवादी ● चिंतनशील ● समेकित/एकीकृत ● अंतरानुशासनिक ● सहयोगपूर्ण (collaborative)
विधियाँ	● व्याख्यान सह परिचर्चा

	● विचार विमर्श ● सामूहिक परिचर्चा ● प्रस्तुतीकरण ● पैनल चर्चा ● संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	● सहयोगी अधिगम ● पृच्छा-आधारित अनुदेशन एवं अधिगम ● व्यक्ति अध्ययन ● केन्द्रित समूह चर्चा ● फ्लिपड कक्षा-कक्ष ● विभेदित अनुदेशन ● कम्प्यूटर सहायित अनुदेशन
उपादान	● पावर पॉइंट प्रस्तुति, ● ऑनलाइन कक्षा (गूगल क्लासरूम, गूगल मीट) ● ई-संसाधन ● शोध पत्र ● स्मार्टबोर्ड ● मानकीकृत मनोवैज्ञानिक परीक्षण

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा है , उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया गया है :

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
1.	X	X			X		X	X
2.	X	X	X	X	X	X	X	X
3.	X	X			X		X	X
4.	X	X	X	X	X	X	X	X
5.	X	X	X	X	X	X	X	X
6.	X	X	X	X	X	X	X	X
7.	X	X	X	X	X	X	X	X
8.	X	X	X	X	X	X	X	X

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार *	सत्रीय-पत्र #	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	- Mathur, S.S. (1986): Educational Psychology, Revised and Enlarged Text Edition, Vinod PustakMandir, Agra. - सिंह, अरुण कुमार (2017): शिक्षा मनोविज्ञान. मोतीलाल बनारसीदास: दिल्ली
2	संदर्भ-ग्रंथ	- Segal, J.W. Chipman, S.F., & Glaser, R. (1985). Thinking and learning skills: Relating Instruction to Basic Research. (Vol. I). Hillsdale, NJ: Erlbaum. - Synder, C.R. & Shane J. Lopez (2007). Positive psychology. SAGE Publications. U.K. - Woolfolk, Misra, Jha (2012). Fundamentals of Educational Psychology (10th Ed.). New Delhi: Pearson.
3	ई-संसाधन	www.swayam.gov.in http://nmeict.detsndt.ac.in/ https://ncte.gov.in/Website/OER.aspx

1. पाठ्यचर्या का नाम: शैक्षिक अनुसंधान की आधारभूत अवधारणा
(Name of the Course) Fundamental Basis of Educational Research

2. पाठ्यचर्या का कोड: एमईडी 03
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 04
(Credit)

4. सेमेस्टर: प्रथम
(Semester)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	8
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	4
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण:

(Description of the Course)

एम.एड. पाठ्यक्रम में इस पाठ्यचर्या को सम्मिलित करने का प्रयोजन तथा इसका विवरण निम्नवत है :

- **शैक्षिक अनुसंधान की अवधारणा:** यह इकाई शिक्षा में शोध के संप्रत्यय एवं विभिन्न प्रकारों का वर्णन करती है। साथ ही शोध में आने वाली चुनौतियों से भी अध्येताओं को परिचित कराती है।
- **शोध समस्या, परिकल्पना और प्रतिचयन:** शोध समस्या के अध्ययन के विभिन्न सोपनों एवं परिकल्पना निर्माण तथा प्रतिचयन प्रविधियों को प्रस्तुत करने के साथ-साथ यह इकाई अध्येताओं को स्वयं से इन संप्रत्ययों के अनुप्रयोग हेतु अभिप्रेरित करती है।
- **शोध अभिकल्प एवं शोध विधियाँ :** यह इकाई शोध पैराडाइम के संप्रत्यय एवं विभिन्न प्रकारों को प्रस्तुत करते हुए तदनुसार शोध अभिकल्प के चयन के स्तर पर आने वाले परिवर्तनों का वर्णन करती है। इस इकाई के माध्यम से ऐतिहासिक, वर्णनात्मक एवं प्रयोगात्मक शोध अभिकल्पों की भी व्यापक चर्चा करती है। शोध पैराडाइम तथा विभिन्न शोध अभिकल्पों के अवबोध के आधार पर समस्या के अनुरूप उसका अनुप्रयोग कर शोध के निष्कर्ष तक पहुँचने के लिए अध्येताओं को प्रोत्साहित करती है।
- **शोध के उपकरण एवं प्रविधियाँ और शोध लेखन :** इस इकाई में गुणात्मक एवं मात्रात्मक शोध में प्रयुक्त होने वाले विभिन्न शोध उपकरणों एवं प्रविधियों पर विस्तृत चर्चा की गयी है तथा उनके निर्माण, विकास एवं अनुप्रयोग में अंतर्निहित विभिन्न अवधारणों को प्रस्तुत किया गया है। यह इकाई शोध उपकरण की विश्वसनीयता एवं वैधता की भी व्याख्या करती है। शोध प्रस्ताव एवं शोध प्रतिवेदन लेखन का समीक्षात्मक विवरण प्रस्तुत करती है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

- शिक्षा में शोध के संप्रत्यय एवं विभिन्न प्रकारों की समझ।
- शोध समस्या के अध्ययन के विभिन्न सोपनों से परिचय।

- प्रदत्त संकलन में प्रयुक्त होने वाली प्रविधियों का अवबोध |
- शोध पैराडाइम तथा विभिन्न शोध अभिकल्पों से परिचित होते हुए समस्या के अनुरूप उसका अनुप्रयोग कर शोध के निष्कर्ष तक पहुँचने का ज्ञान |
- शिक्षा में शोध के लिए अभिवृत्ति |
- शिक्षा के उभरते क्षेत्रों पर शोध समस्याओं के निर्माण की क्षमता |
- उचित शोध विधि का उपयोग करने के कौशल का प्रदर्शन |
- शोध उपकरणों के निर्माण की दक्षता |

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला (Interaction / Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	शैक्षिक अनुसंधान की अवधारणा ● शैक्षिक शोध: अर्थ, विशेषता, प्रक्रिया एवं क्षेत्र ● शिक्षा में शोध का महत्त्व एवं चुनौतियां	4	0	0	4	6.67
मॉड्यूल-2	● शोध के प्रकार: मौलिक, प्रयुक्त एवं क्रियात्मक शोध	3	1	1	5	8.33
मॉड्यूल-3	● गुणात्मक एवं मात्रात्मक शोध	3	1	2	6	10
मॉड्यूल-4	शोध समस्या, परिकल्पना और प्रतिचयन ● शोध समस्या-परिभाषा, चयन	2	0	0	2	3.33

	प्रक्रिया, समस्या चयन के स्रोत, समस्या कथन					
मॉड्यूल-5	संबंधित साहित्य-उद्देश्य, संबंधित साहित्य के स्रोत के प्रकार, संबंधित साहित्य का संगठन एवं समीक्षा	1	1	0	2	3.33
मॉड्यूल-6	परिकल्पना- अर्थ, विशेषताएं, महत्त्व, निर्माण	2	0	1	3	5
मॉड्यूल-7	परीक्षण-सार्थकता स्तर एवं त्रुटियाँ	2	1	1	4	6.67
मॉड्यूल-8	प्रतिचयन- अवधारणा, महत्त्व, प्रतिनिधि प्रतिदर्श की विशेषताएं, प्रतिचयन के प्रकार-संभाव्य एवं गैर संभाव्य प्रतिचयन	3	0	1	4	6.67
मॉड्यूल-9	शोध अभिकल्प एवं शोध विधियाँ शोध के पैराडाइम एवं संबंधित शोध अभिकल्प	3	1	0	4	6.67
मॉड्यूल-10	शोध विधियाँ- ऐतिहासिक, वर्णनात्मक एवं प्रयोगात्मक: सोपान, उपयोगिता एवं सीमाएं	3	0	1	4	6.67
मॉड्यूल-11	प्रयोगात्मक शोध अभिकल्प- पूर्व, सत्य, अर्द्ध एवं समय-श्रृंखला अभिकल्प	4	1	2	7	11.66

मॉड्यूल-12	शोध के उपकरण एवं प्रविधियाँ और शोध लेखन गुणात्मक एवं मात्रात्मक आँकड़ों के संग्रहण हेतु उपकरण एवं प्रविधियाँ- परीक्षण, प्रश्नावली, अनुसूची, चेक-लिस्ट, इवेंटरी, निर्धारण मापनी, एनेकडॉट, फील्ड नोट, अवलोकन, साक्षात्कार, फोकस समूह चर्चा, विषय वस्तु विश्लेषण	6	1	2	9	15
मॉड्यूल-13	शोध उपकरण की वैधता, विश्वसनीयता एवं वस्तुनिष्ठता	2	1	0	3	5
मॉड्यूल-14	शोध प्रस्ताव एवं शोध प्रतिवेदन लेखन	2	0	1	3	5
योग		40	8	12	60	100

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	- आगमनात्मक - निगमनात्मक - निर्माणवादी - चिंतनशील - समेकित/एकीकृत - अंतरानुशासनिक

	सहयोगपूर्ण (collaborative)
विधियाँ	- व्याख्यान सह परिचर्चा - विचार विमर्श - सामूहिक परिचर्चा - प्रस्तुतीकरण - पैनल चर्चा - संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	- सहयोगी अधिगम - पृच्छा-आधारित अनुदेशन एवं अधिगम - व्यष्टि अध्ययन - केन्द्रित समूह चर्चा - विषय-वस्तु विश्लेषण - फ्लिपड कक्षा-कक्ष - विभेदित अनुदेशन - कम्प्यूटर सहायित अनुदेशन
उपादान	- पावर पॉइंट प्रस्तुति, - ऑनलाइन कक्षा (गूगल क्लासरूम, गूगल मीट) - ई-संसाधन - शोध पत्र - स्मार्टबोर्ड - मानकीकृत परीक्षण एवं शोध उपकरण - पूर्व में किए गए शोध

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित जिन अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा है, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया गया है :

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
1.	X	X			X		X	X
2.	X	X	X	X	X	X	X	X
3.	X	X			X		X	X
4.	X	X	X		X		X	X
5.	X	X	X		X	X	X	X
6.	X	X	X	X	X	X	X	X
7.	X	X	X	X	X		X	X
8.	X	X	X		X	X	X	X

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार *	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#] विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	Best J.W. (1999). Research in Education. Prentice Hall of India Pvt.Ltd: New Delhi.

		● सिंह, अरुण कुमार (2017). मनोविज्ञान, समाजशास्त्र तथा शिक्षा में शोध विधियाँ. मोतीलाल बनारसीदास: दिल्ली। ● गुप्ता, एस. पी. (2011). अनुसंधान संदर्शिका. शारदा पुस्तक भवन: इलाहाबाद। ● गुप्ता, एस. पी. (2017). आधुनिक मापन एवं मूल्यांकन. शारदा पुस्तक भवन: इलाहाबाद।
2	संदर्भ-ग्रंथ	● Edwards, A.L., (1957). Techniques of Attitudes Scale Construction. New York ● Garrett, H.E. (2004) . Statistics in Education and Psychology. Paragon International Publishers: New Delhi. ● Sharma, R.A: (2007). Essentials of Measurement in Education and Psychology. Surya Publication: Meerut. ● आहूजा (2015). सामाजिक अनुसंधान. रावत पब्लिकेशन्स: नई दिल्ली।
3	ई-संसाधन	● www.swayam.gov.in ● http://nmeict.detsndt.ac.in/ ● https://ncte.gov.in/Website/OER.aspx ● www.inflibnet.ac.in

पाठ्यचर्या विवरण हेतु ढाँचा

Template for the Course

1. पाठ्यचर्या का नाम: शिक्षा में सूचना एवं संप्रेषण प्रौद्योगिकी (आई.सी.टी)
(Name of the Course) Information and Communication
Technology (ICT) in Education

2. पाठ्यचर्या का कोड: एमईडी 04
(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 02
(Credit)

4. सेमेस्टर: प्रथम
(Semester)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	2
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	4
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास	4
गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	30

5. पाठ्यचर्या विवरण:

(Description of the Course)

एम.एड. पाठ्यक्रम में इस पाठ्यचर्या को सम्मिलित करने का प्रयोजन तथा इसका विवरण निम्नवत है :

- **शिक्षण प्रक्रिया में सूचना एवं संप्रेषण प्रौद्योगिकी:** यह इकाई शिक्षा, शिक्षण प्रक्रिया, विद्यालय एवं ज्ञान निर्माण में सूचना एवं संप्रेषण प्रौद्योगिकी के महत्व एवं भूमिका पर व्यापक चर्चा प्रस्तुत करती है एवं विद्यालय में विद्यमान चुनौतियों की समीक्षा तथा विश्लेषण करने के लिए अध्येताओं को प्रोत्साहित करती है।
- **संप्रेषण एवं शिक्षण-अधिगम:** यह इकाई संप्रेषण की अवधारणा, प्रक्रिया, घटक एवं प्रकार का वर्णन करती है तथा अध्येताओं को कक्षा-कक्ष संप्रेषण को प्रभावशाली बनाने की युक्तियों की चर्चा करती है।
- **ई-शिक्षण की प्रस्तावना एवं शिक्षा तथा स्वयं अधिगम की तकनीक:** यह इकाई वैद्युतिक स्व अनुदेशन कार्यक्रम, संगणक सहकृत अधिगम(CAL), संगणक सहकृत अनुदेशन (CAI), संगणक नियन्त्रित अनुदेशन (CMI) जैसे संप्रत्ययों की समीक्षात्मक एवं अनुप्रयोगात्मक व्याख्या करने के साथ-साथ अध्येताओं को ई अधिगम, वेब-आधारित शिक्षण, आभासी कक्षा तथा सहयोगात्मक अधिगम के अनुप्रयोग हेतु अभिप्रेरित करती है।
- **अन्तर्जाल/अन्तरराष्ट्रीय संगणक तन्त्र का मूल तत्व:** यह इकाई शिक्षा में प्रभावी साधन के रूप में सूचना एवं संप्रेषण प्रौद्योगिकी के समायोजन के द्वारा क्रान्तिकारी परिवर्तन / अन्तरण की व्याख्या करती है और अध्येताओं को अन्तर्जाल व्यवहार के विवादास्पद पक्षों जैसे- सूचना की प्रामाणिकता, व्यसनात्मक प्रयोग(Addiction), साहित्यिक चोरी(Plagiarism) आदि से परिचित कराती है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

- विभिन्न युक्तिपूर्ण विचारों को कक्षाओं में प्रयोग करने का अवबोध |
- सूचना एवं संप्रेषण प्रौद्योगिकी के कक्षागत प्रयोग की समझ |
- सूचना एवं संप्रेषण प्रौद्योगिकी की शिक्षा में व्याप्ति एवं आवश्यकता के विषय में विद्यार्थियों में अन्तर्दृष्टि का विकास |
- शिक्षा में प्रभावी साधन के रूप में सूचना एवं संप्रेषण प्रौद्योगिकी के समायोजन के द्वारा क्रान्तिकारी परिवर्तन / अन्तरण की कल्पना शक्ति |
- सूचना एवं संप्रेषण प्रौद्योगिकी की विभिन्न तकनीकों का ज्ञान |
- प्रभावी संप्रेषण का प्रदर्शन |
- सूचना एवं संप्रेषण प्रौद्योगिकी के उपयोग की दक्षता |
- समकालीन परिस्थितियों में सूचना एवं संप्रेषण प्रौद्योगिकी को समावेशी एवं सर्वव्यापी शिक्षा सुनिश्चित करने के माध्यम के रूप में स्वीकार करने की तत्परता |

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला (Interaction / Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	शिक्षण प्रक्रिया में सूचना एवं संप्रेषण प्रौद्योगिकी सूचना एवं संप्रेषण प्रौद्योगिकी – अर्थ, व्याप्ति, महत्व, स्रोत, शिक्षण अधिगम प्रक्रिया में प्रयोग।	1	0	0	1	3.33
मॉड्यूल-2	शिक्षा में सूचना एवं संप्रेषण प्रौद्योगिकी की आवश्यकता एवं व्याप्ति – शैक्षिक, प्राशासनिक एवं शोध क्रियाएँ	2	½	1	3.5	11.67

मॉड्यूल-3	विद्यालयी शिक्षा में सूचना एवं संप्रेषण प्रौद्योगिकी के समावेशन में चुनौतियाँ।	1	0	1	2	6.67
मॉड्यूल-4	ज्ञान के निर्माण में सूचना एवं संप्रेषण प्रौद्योगिकी की संभावना।	1	0	0	1	3.33
मॉड्यूल-5	संप्रेषण एवं शिक्षण-अधिगम संप्रेषण की अवधारणा, प्रक्रिया एवं प्रकार,	1	0	0	1	3.33
मॉड्यूल-6	संप्रेषण की प्रकृति एवं व्याप्ति – प्रेषक, ग्रहणकर्ता, संदेश, माध्यम	1	0	0	1	3.33
मॉड्यूल-7	संप्रेषण के सिद्धान्त	1	0	0	1	3.33
मॉड्यूल-8	संप्रेषण की परिस्थिति – एक से एक, लघु समूह संप्रेषण, लोक/ जन संप्रेषण	1	0	1	2	6.67
मॉड्यूल-9	कक्षा संप्रेषण में प्रभावात्मकता	1	½	1	2.5	8.34
मॉड्यूल-10	ई-शिक्षण की प्रस्तावना एवं शिक्षा तथा स्वयं अधिगम की तकनीक वैद्युतिक स्व अनुदेशन कार्यक्रम, संगणक सहकृत अधिगम(CAL), संगणक सहकृत अनुदेशन (CAI), संगणक नियन्त्रित अनुदेशन (CMI)	1	½	0	1.5	5
मॉड्यूल-11	अभिक्रमित अधिगम अथवा वैयक्तिक अनुदेशन, ऑनलाइन वैयक्तिक अनुदेशन	1	0	1	2	6.67
मॉड्यूल-12	ई अधिगम – संप्रत्यय एवं प्रकृति, वेब-आधारित	1	0	0	1	3.33

	शिक्षण, आभासी कक्षा।					
मॉड्यूल-13	दृश्य-श्रव्य उपकरणों का अन्तःक्रियात्मक / पारस्परिक प्रभावात्मक प्रयोग, वेब 2.0 तकनीक	1	0	0	1	3.33
मॉड्यूल-14	सहयोगात्मक अधिगम।	1	0	1	2	6.67
मॉड्यूल-15	अन्तर्जाल/अन्तरराष्ट्रीय संगणक तन्त्र का मूल तत्व इंटरनेट एवं इंट्रानेट (वैयक्तिक तन्त्र) का संप्रत्यय – लैन(स्थानीय तन्त्र), मैन (वृहत् क्षेत्रीय तन्त्र), वैन (विस्तृत क्षेत्रीय तन्त्र)	1	0	0	1	3.33
मॉड्यूल-16	वर्ल्ड वाइड वेब, वेब साइट, वेब पेज, अन्तर्जाल संपर्क (Internet connectivity)	1	0	0	1	3.33
मॉड्यूल-17	ऑनलाइन दृश्य श्रव्य संचार, वैद्युतिक ग्रन्थालय, ब्लॉग, विकि, अन्तर्जाल संगोष्ठी / वाक्पीठ, वार्ता समूह, शैक्षणिक वाक्पीठ	1	½	0	1.5	5
मॉड्यूल-18	अधिगम संसाधन के रूप में चल दूरभाष यन्त्र (Mobile), भारत आधारित शैक्षणिक जाल स्थलों(वेब साइट) का सर्वेक्षण	1	0	1	2	6.67
मॉड्यूल-19	अन्तर्जाल व्यवहार का विवाद - सूचना की प्रामाणिकता, व्यसनात्मक प्रयोग(Addiction),	1	0	1	2	6.67

	साहित्यिक चोरी(Plagiarism)					
योग		20	2	8	30	100

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	- आगमनात्मक - निगमनात्मक - निर्माणवादी - चिंतनशील - समेकित/एकीकृत - अंतरानुशासनिक - सहयोगपूर्ण (collaborative)
विधियाँ	- व्याख्यान सह परिचर्चा - विचार विमर्श - सामूहिक परिचर्चा - प्रस्तुतीकरण - पैनल चर्चा - संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	- सहयोगी अधिगम - पृच्छा-आधारित अनुदेशन एवं अधिगम - व्यष्टि अध्ययन - केन्द्रित समूह चर्चा - फ्लिपड कक्षा-कक्ष - विभेदित अनुदेशन - कम्प्यूटर सहायित अनुदेशन
उपादान	- पावर पॉइंट प्रस्तुति, - ऑनलाइन कक्षा (गूगल क्लासरूम, गूगल मीट)

	- ई-संसाधन - शोध पत्र - स्मार्टबोर्ड

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा है , उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया गया है :

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
1.	X	X			X		X	X
2.	X	X	X	X	X	X	X	X
3.	X	X			X		X	X
4.	X	X	X	X	X	X	X	X
5.	X	X	X		X	X	X	X
6.	X	X	X	X	X		X	X
7.	X	X	X		X	X		X
8.	X	X	X	X		X	X	X

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#] विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	● Agarwal J. C. (2006). Essential of Educational Technology. Teaching and Learning. Vikas Publishing House Pvt. Ltd: New Delhi. ● पापाराव, एन. (2017) शैक्षिक तकनीक एवं प्रबंधन. सदिव्य प्रकाशन: भिलाई। ● पांडे, के. पी. (1999) शिक्षण अधिगम की टेक्नालजी . विश्वविद्यालय प्रकाशन: वाराणसी।
2	संदर्भ-ग्रंथ	● Rajaraman, V. (1997). Fundamentals of Computers. Prentice Hall of India Pvt. Ltd.: New Delhi. ● Rajasekar, S. Computer Education and Educational Computing. Neelkamal Publications: Hyderabad. ● Sharma, R. A. (2008). Technological foundation of education. R.Lall Books Depot: Meerut. ● Sharma, R. N. (2008). Principles and Techniques of Education. Surjeet Publications: Delhi. ● Srinivasan, T. M. (2002). Use of Computers and Multimedia in education. Aavisakar Publication: Jaipur.
3	ई-संसाधन	● www.swayam.gov.in ● http://nmeict.detsndt.ac.in/ ● https://ncte.gov.in/Website/OER.aspx

ऐच्छिक (कोई एक) समूह 'अ'

1. पाठ्यचर्याका नाम : प्राथमिक शिक्षा : विकास, गतिशीलता, मुद्दे और संभावनाएं

(Name of the Course): Primary Education: Development, Dynamics, Issues and Possibilities

2. पाठ्यचर्या का कोड (Code of the Course): एमईडीई 01

3. क्रेडिट (Credit): 04 क्रेडिट

4. सेमेस्टर (Semester): प्रथम

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of the Course) एम.एड.

पाठ्यक्रम में इस पाठ्यचर्या को सम्मिलित करने का प्रयोजन एवं विवरण निम्नवत है:

- प्राथमिक शिक्षा का परिचय : यह इकाई पाठ्यचर्या अध्येताओं को प्राथमिक शिक्षा की संकल्पना के माध्यम से बच्चों की शिक्षा में उनकी मातृभाषा एवं सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि की भूमिका से परिचय कराती है।
- प्राथमिक शिक्षा की स्थिति : यह इकाई अधिगमकर्ता को आजादी के बाद प्राथमिक शिक्षा की प्रकृति, प्राथमिक शिक्षा के उद्देश्यों और सम्बंधित विकास का समालोचनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत करती है।
- प्राथमिक शिक्षा की नीतियाँ और प्रशासन: यह इकाई प्राथमिक शिक्षा की लोकव्यापीकरण की वर्तमान स्थिति का आलोचनात्मक विवरण प्रस्तुत करती है।
- कार्यक्रम और कार्यान्वयन नीतियाँ: यह इकाई सर्व शिक्षा अभियान से सम्बंधित विभिन्न कार्यक्रमों और योजनाओं की आलोचनात्मक समीक्षा करती है।

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	6
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	7
कौशल विकास गतिविधियाँ	7
कुल क्रेडिटघंटे	60

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning the Outcomes):

इस पाठ्यचर्या के अध्ययन के उपरान्त अध्येता निम्नलिखित अधिगम परिणाम प्राप्त करने में सक्षम होंगे-

1. प्राथमिक शिक्षा की संकल्पना के माध्यम से मातृभाषा एवं सामाजिक-सांस्कृतिक पृष्ठभूमि की आलोचनात्मक समझ।
2. आजादी के बाद प्राथमिक शिक्षा की प्रकृति, प्राथमिक शिक्षा के उद्देश्यों और सम्बंधित विकास का समालोचनात्मक विश्लेषण करने की क्षमता।
3. प्राथमिक शिक्षा की लोकव्यापीकरण की वर्तमान स्थिति तथा इससे सम्बन्धित मुद्दों एवं चुनौतियों के पहचान की दक्षता।
4. सर्व शिक्षा अभियान से सम्बंधित विभिन्न कार्यक्रमों और योजनाओं की आलोचनात्मक समीक्षा की दक्षता।
5. अधिगमकर्ता के पृष्ठभूमि से सम्बंधित प्रदत्तों को एकत्रित करने एवं विवेचना करने की क्षमता।
6. कक्षा-कक्ष शिक्षण के दौरान निर्माणवादी उपागम का अनुप्रयोग करने की क्षमता।
7. समूह गतिशीलता के विभिन्न पक्षों को समझने हेतु समूह अध्ययन के लिए तत्परता।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course):

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्या	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.... (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	प्राथमिक शिक्षा का परिचय - संकल्पनामातृभाषा के , माध्यम से शिक्षण के सन्दर्भ में प्राथमिक प्रकृति और शिक्षा की बहुभाषिक, महत्व संदर्भीकरणविषम , सामाजिक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि - विकास कार्यबच्चे के : ,विकास पर घरस्कूल और समुदाय से संबंधित कारकों के प्रभाव - शिक्षार्थी और सीखने का वैचारिक विश्लेषण , शिक्षार्थी केन्द्रित गतिविधि, दृष्टिकोण केन्द्रित(कृति) स्वतंत्रता ,दृष्टिकोण और अनुशासन - प्राथमिक शिक्षा में	10	2	3	15	25

	मौजूदा तरीकों पर प्रतिबिंबन					
	प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में अनुसन्धान के क्षेत्र					
मॉड्यूल-2	प्राथमिक शिक्षा की स्थिति - स्वतंत्रता के पश्चात प्राथमिक शिक्षा की प्रकृति और उसका ध्यान - बचपन की देखभाल और शिक्षा :(.ई.सी.सी.ई) अवधारणा, अर्थ, प्राथमिक शिक्षा में महत्व - महात्मा गाँधी और टैगोर की प्राथमिक शिक्षा के शैक्षिक विचारों की प्रासंगिकता - शिक्षा के संवैधानिक प्रावधान और प्राथमिक शिक्षा के निर्देशक सिद्धांत और उनके निहितार्थ, शिक्षा का अधिकार - प्राथमिक शिक्षा और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NPE) और ECCE में निर्दिष्ट कार्यवाही की योजना (POA)	10	2	3	15	25
मॉड्यूल-3	प्राथमिक शिक्षा की नीतियाँ और प्रशासन - की संकल्पना UEE उद्देश्य अर्थ और महत्व, - प्रारंभिक शिक्षा के लोकव्यापीकरण की वर्तमान (UEE)	10	2	3	15	25

	नामांकन ,प्रवेश) स्थिति (और प्रतिधारणका आलोचनात्मक मूल्यांकन, समानता का सिद्धांत जा,लिंग,बस्ती:ति और अन्य वंचित समूहों के पहली पीढ़ी के शिक्षार्थी और प्रवासी आबादी में अंतर के सन्दर्भ में - विभिन्न प्रकार के शिक्षार्थियों के प्रवेश और नामांकनऔर मुद्दे: चुनौतियाँ - स्कूल छोड़ने वालों का दर अर्थ एवं – छोड़ने के कारण,गणना - विविध शिक्षार्थियों का उपलब्धी स्तरस्थिति - और मुद्दे					
मॉड्यूल-4	कार्यक्रम और कार्यान्वयन नीतियाँ विकेंद्रीकृत शैक्षिक योजना और प्रबंधनसामुदायिक , सूक्ष्म ,गतिशीलता जिला ,नियोजन प्राथमिक शिक्षा – (DPEP) कार्यक्रम लक्ष्य और रणनीतियाँशैक्षिक , योजना और प्रबंधन में	10	2	3	15	25

	स्थानीय निकायों और ,समुदाय को जोड़ना ग्राम शिक्षा समिति:- भूमिका और कार्य - सर्व शिक्षा अभियान संबंधित राज्य -(SSA) औरराष्ट्रीय स्तर पर नामांकन - भागीदारी /प्रतिधारण, और उपलब्धि सुधार हेतु लक्ष्य और विशेष कार्यक्रमों का हस्तक्षेप - वैश्विक परिप्रेक्ष्य में -: ECCEबाल अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन - मानिट्रिंग, दोपहर के भोजन, प्रोत्साहन योजना जैसे- विशिष्ट योजनाओं का मूल्यांकन और अनुसंधान इत्यादि					
योग		40	8	12	60	100

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	- निर्माणवादी उपागम - आगमनात्मक उपागम - निगमनात्मक उपागम - एकीकृत उपागम - चिंतशील, - अंतरानुशासनिक - सहयोगपूर्ण - ब्लेंडेड अधिगम उपागम

विधियाँ	1. दार्शनिक चिंतन 2. व्याख्यान-सह चर्चा 3. सहयोगात्मक अधिगम 4. ऐतिहासिक विधि 5. पृच्छा आधारित अधिगम 6. संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	1. शोध आलेखों की समीक्षा 2. संगोष्ठी/परिचर्चा 3. व्यष्टि अध्ययन 5. व्याख्यान-सह-चर्चा 6. केंद्रित समूह चर्चा 7. परियोजना कार्य एवं प्रस्तुतीकरण 8. वृत्तिक विकास हेतु प्रयोग में लाई जानेवाली विभिन्न सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी उपकरण का आई.सी.टी. प्रयोगशाला में अभ्यास
उपादान	1. पावर पॉइंट प्रस्तुति 2. ऑनलाइन क्लास (गूगल क्लासरूम, गूगल मीट) 3. लैपटाप 4. प्रोजेक्टर 5. स्मार्टबोर्ड 6. शोध पत्र; ई-संसाधन (यू-ट्यूब वीडियो, ऑनलाइन कोर्स, ब्लॉग, गूगल बुक्स, विकिबुक्स)

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित जिन अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा है, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया गया है :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति								
1	X	X	X	X	-	X	X	X
2	X	X	X	-	X	-	X	X
3	X	X	X	X	X	X	-	X

4	X	X	X	-	X	-	-	X
5	X	X	-	-	X	-	X	X
6	X	X	-	-	X	-	-	-
7	X	X	X	X	-	-	-	X

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning)

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य- सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	- MHRD, Gov. of India (1992), National policy on education (revised) New Delhi. - MHRD, (1992), Programme of action. Govt. of India, New Delhi. - Report of the Education Commission (1964-66). - Report of the National Commission on Teachers (1983-85). - Report of the Delors Commission, UNESCO, 1996 - National Policy of Education 1986/1992. - National Curriculum Framework (2005, 2009, 2014). - NCTE Regulations 2009, 2014.
2	संदर्भ-ग्रंथ	- Government of India (1986), National Policy on Education, New Delhi, MHRD. - Government of India (1987), Programme of Action, New Delhi:

		MHRD. ● Government of India (1987), Report of the Committee for Review of National Policy on Education, New Delhi, MHRD. ● Hayes, Denis (2008): Primary Teaching Today: An Introduction. Routledge Publications, U.K. ● Hurlock, E. (1995). Child Development. McGraw Hill Book Company, USA ● Kabra, K.M. (1977), Planning Process in a District, New Delhi: Indian Institute of Public Administration. ● Kurrian, J. (1993), Elementary Education in India, New Delhi: Concept Publication. ● Lewis, Ramón (2008): Understanding Pupil Behaviour. Routledge Publications, U.K. ● MHRD (2001): Convention on the Right of the child. New Delhi. ● Mohanty, J. N. (2002): Primary and Elementary Education. Deep & Deep Publications, New Delhi ● National Curriculum Framework (NCF)-2005 NCERT, New Delhi. ● Rao, V.K. (2007): Universalisation of Elementary Education. Indian Publishers, New Delhi. ● Rita Chemicals (2008): Engaging pupil voice to ensure that every child matters: A practical guide. David Fultan Publishers. ● Sharma, Ram Nath (2002): Indian Education at the cross road. Shubhi Publications. ● Singhal, R.P. (1983) Revitalizing School complex in India, New Delhi. ● Tilak, J.B. (1992) Educational Planning at gross roots, New Delhi. ● UNESCO (2005): EFA Global Monitoring Report on Quality of Education Finance.
3	ई-संसाधन	● http://www.dise.in/Downloads/Publications/Documents/Urban_2013-14.pdf

		• http://dise.in/Downloads/education-foe-all-in-india-2014-review.pdf • http://dise.in/Downloads/Reports&Studies/GMR2015_FullReport_En.pdf • http://mhrd.gov.in/sites/upload_files/mhrd/files/upload_document/rte.pdf • http://mhrd.gov.in/rte • http://mhrd.gov.in/overview-ee • http://mdm.nic.in/ • http://mhrd.gov.in/sarva-shiksha-abhiyan • http://www.aises.nic.in/surveyoutputs

1. पाठ्यचर्या का नाम: माध्यमिक शिक्षा: विकास, गतिशीलता, मुद्दे और संभावनाएं

(Name of the Course): Secondary Education: Development, Dynamics, Issues and Possibilities

2. पाठ्यचर्या का कोड (Code of the Course): एमईडीई01

3. क्रेडिट (credit): 04 क्रेडिट

4. सेमेस्टर (Semester): प्रथम

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of the Course):

एम.एड. पाठ्यक्रम में इस पाठ्यचर्या को सम्मिलित करने का प्रयोजन एवं विवरण निम्नवत है:

- **माध्यमिक शिक्षा की एजेंसी और संगठन:** यह इकाई माध्यमिक शिक्षा पर बने विभिन्न नीतियों और कार्यक्रमों, माध्यमिक शिक्षा में गुणवत्ता संवर्धन हेतु कार्यरत विभिन्न एजेंसियों तथा संगठनों पर व्यापक रूप से चर्चा करती है।
- **माध्यमिक शिक्षा की स्थिति:** यह इकाई भारत में माध्यमिक शिक्षा की स्थिति वर्तमान कार : ्यप्रणाली प्रवृत्तियां और , के अनुसार माध्यमिक स्तर के पाठ्यक्रम का आलोचनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत 2005 मुद्दे व एनसीएफ करती है।
- **माध्यमिक शिक्षा पर बनी समितियों और नीतियों के सुझाव:** यह इकाई माध्यमिक शिक्षा का सार्वभौमिकरण और इसके अनुप्रयोगन , विद्यालयी पहुँच - ामांकन धारण और उपलब्धि के मुद्दे , पर विचारशील चिंतन हेतु अध्येताओं को प्रेरित करती है।
- **माध्यमिक शिक्षा के मुद्दे और सरोकार:** यह इकाई स्कूली विषयों के शिक्षण में आने वाली चुनौतियों से अध्येताओं को परिचित कराती है। यह माध्यमिक शिक्षा के क्षेत्र में अनुसन्धान प्रवृत्तियां, उभरते हुए मुद्दे तथा संभावनाओं पर प्रकाश डालती है।

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	6
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	7
कौशल विकास गतिविधियाँ	7
कुल क्रेडिट घंटे	60

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes):

इस पाठ्यचर्या के अध्ययन के उपरांत अध्येता निम्नलिखित अधिगम परिणाम प्राप्त करने में सक्षम होंगे-

1. माध्यमिक शिक्षा पर बने विभिन्न नीतियों और कार्यक्रमों की समालोचना की क्षमता।
2. भारत में माध्यमिक शिक्षा की स्थिति: वर्तमान कार्यप्रणाली, प्रवृत्तियां और मुद्दे व एनसीएफ 2005 के अनुसार माध्यमिक स्तर के पाठ्यक्रम का आलोचनात्मक विश्लेषण करने की क्षमता।
3. माध्यमिक शिक्षा की स्थिति और शिक्षण की अवधारणा पर आलोचनात्मक चिंतन की क्षमता।
4. माध्यमिक शिक्षा की विभिन्न एजेंसियों और संस्थाओं की भूमिका और कार्यों का समीक्षात्मक मूल्यांकन।
5. माध्यमिक शिक्षा की संरचना और प्रबंधन का ज्ञान एवं अवबोध।
6. माध्यमिक शिक्षा के क्षेत्र में अनुसन्धान के रुझान, मुद्दों और समस्याओं पर विचारशील चिंतन की दक्षता।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course):

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.... (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	माध्यमिक शिक्षा की एजेंसी और संगठन - स्वतंत्रता के बाद माध्यमिक शिक्षा का विकास और इसका आधुनिक समाज से सम्बन्ध - माध्यमिक शिक्षा से सम्बंधित विभिन्न एजेंसी और संगठन- उसकी भूमिका, कार्य और प्रसार - माध्यमिक शिक्षा में सहभागिता- स्कूल और समुदाय के साथ, एनजीओ और स्वयं सहायता समूह, स्कूल और उच्च शिक्षा के विभागों के बीच	10	2	3	15	25
मॉड्यूल-2	माध्यमिक शिक्षा की स्थिति भारत में माध्यमिक शिक्षा की स्थिति: वर्तमान कार्यप्रणाली, प्रवृत्तियां	10	2	3	15	25

	और मुद्दे - राष्ट्रीय माध्यमिक शिक्षा अभियान- मुद्दे, प्रसंग और चुनौतियाँ - माध्यमिक शिक्षा में विभिन्न सरकारी योजनाओं पर चिंतन - माध्यमिक शिक्षा में कला, शिल्प, संगीत, शारीरिक शिक्षा का महत्त्व - एनसीएफ 2005 के अनुसार माध्यमिक स्तर के पाठ्यक्रम का विश्लेषण - माध्यमिक शिक्षा को और बेहतर बनाने में सरकार की पहल, एनजीओ और स्वयं सहायता समूह की भूमिका					
मॉड्यूल-3	माध्यमिक शिक्षा पर बनी समितियों और नीतियों के सुझाव - भारत में माध्यमिक शिक्षा की संरचना- गुण और सीमाएं - माध्यमिक शिक्षा का सार्वभौमीकरण और इसके अनुप्रयोग- विद्यालयी पहुँच, नामांकन, धारण और उपलब्धि के मुद्दे - माध्यमिक शिक्षा पर बनी विभिन्न नीतियों पर चिंतन और मनन- माध्यमिक	10	2	3	15	25

	शिक्षा आयोग(1952-53), कोठारी आयोग (1964-66), राष्ट्रीय शिक्षा नीति (1986) और कार्य योजना (1992), राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 2005 - लड़कियों और वंचित समूह के माध्यमिक शिक्षा के लिए सरकार द्वारा की जाने वाली पहल - माध्यमिक स्कूल के बच्चों के लिए फैलोशिप, छात्रवृत्ति और प्रोत्साहन - माध्यमिक शिक्षा पर बनी विभिन्न नीतियों और कार्यक्रमों के कार्यान्वयन पर शोध					
मॉड्यूल-4	माध्यमिक शिक्षा के मुद्दे और सरोकार - माध्यमिक शिक्षा में आलोचनात्मक मुद्दे-पर्यावरण सरोकार, लैंगिक असमानता, समावेशन, मूल्य सरोकार और मुद्दे, सामाजिक संवेदनशीलता - माध्यमिक स्तर पर पाठ्यचर्या और विषय में आये बदलाव की समझ विकसित करना और सीखने के व्यवहारवादी परिणामों को समझने के लिए एकीकृत दृष्टिकोण	10	2	3	15	25

	का विकास करना, सभी विषयों की अवधारणा और कौशल, पर्यावरण / स्थानीय चिंताओं को शामिल करना, गतिविधि आधारित और निर्माणवादी कक्षा की समझ विकसित करना					
	• माध्यमिक शिक्षा में निर्माणवाद- स्कूली विषयों के शिक्षण में आने वाली चुनौतियाँ					
योग		40	8	12	60	100

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	1. निर्माणवादी उपागम 2. आगमनात्मक उपागम 3. निगमनात्मक उपागम 4. एकीकृत उपागम 5. चिंतशील, 6. अंतरानुशासनिक 7. सहयोगपूर्ण 8. ब्लेंडेड अधिगम उपागम
विधियाँ	1. दार्शनिक चिंतन 2. व्याख्यान-सह चर्चा 3. सहयोगात्मक अधिगम 4. ऐतिहासिक विधि 5. पृच्छा आधारित अधिगम 6. संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	1. शोध आलेखों की समीक्षा 2. संगोष्ठी/परिचर्चा 3. व्यष्टि अध्ययन 5. व्याख्यान-सह-चर्चा

	6. केंद्रित समूह चर्चा 7. परियोजना कार्य एवं प्रस्तुतीकरण 8. वृत्तिक विकास हेतु प्रयोग में लाई जानेवाली विभिन्न सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी उपकरण का आई.सी.टी. प्रयोगशाला में अभ्यास
उपादान	1. पावर पॉइंट प्रस्तुति 2. ऑनलाइन क्लास (गूगल क्लासरूम, गूगल मीट) 3. लैपटाप 4. प्रोजेक्टर 5. स्मार्टबोर्ड 6. शोध पत्र; ई-संसाधन (यू-ट्यूब वीडियो, ऑनलाइन कोर्स, ब्लॉग, गूगल बुक्स, विकिबुक्स)

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित जिन अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा है, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया गया है:

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति								
1	X	X	X	X	X	X	X	X
2	X	X	X	-	X	X	X	X
3	X	X	X	X	X	X	X	X
4	X	X	X	-	-	-	-	X
5	X	X	X	X	X	X	X	X
6	X	X	-	-	X	-	-	-

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning)

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#] विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	- MHRD, Gov. of India (1992), National policy on education (revised) New Delhi. - MHRD, (1992), Programme of action. Govt. of India, New Delhi. - Report of the Education Commission (1964-66). - Report of the National Commission on Teachers (1983-85). - Report of the Delors Commission, UNESCO, 1996 - National Policy of Education 1986/1992. - National Curriculum Framework (2005, 2009, 2014). - NCTE Regulations 2009, 2014
2	संदर्भ-ग्रंथ	- Anderson, L.W. (1995), International Encyclopedia of Teaching and Teacher Education (Second Edition). Elsevier Science Ltd. Oxford. - Arora G.L. (2002), Teachers and their Teaching: Need for New Perspectives. Ravi Books: New Delhi. - Cohen L and Manion L. (1977), A Guide to Teaching

		Practice. Methuen: London. ● Dash B. N. (2003), Teacher and Education in the Emerging Indian Society. Neelkamal: New Delhi. ● Hilliard F. H. (1971), Teaching the Teachers: Trends in Teacher Education. George Allen and Unwin: London. ● Hitchcock G. and Hughes D. (1989), Research and the Teacher. Routledge: London. ● Longford G. (1978), Teaching as a Profession. Manchester University Press. ● McClelland V. A. and Varma V. P. (1989), Advances in Teacher Education. Routledge: London. ● Mohanty S. B. (1987). Student Teaching. Ashok Publishing House: New Delhi. ● NizamElahi. (1998), Teacher Education in India. APH: New Delhi.. ● Panda B. N. and Tewari A. D. (1997), Teacher Education. APH: New Delhi. ● Ramdas V. Developing Training Competence of DIET and BRC Personnel through Teleconferencing. RIE: Mysore. ● Sharma M. L. (2001). Educating the Educator. The Indian Publications: Ambala. ● Singh L. C. and Sharma P. C. (1997). Teacher Education and the Teacher. Vikas: New Delhi. ● Singh Y. K. (2008), Teaching Practice: Lesson Planning. APH Publishing Corporation: New Delhi. ● Tiwari D. (2006), Methods of Teaching Education. Crescent: New Delhi. ● Walker R and Adelman C. A(1990), Guide to Classroom Observation. Routledge: London. ● Dewey, John (1944). <i>Democracy and education</i>. New

		York: Simon and Schuster. • Friere, Paulo (1999). <i>Pedagogy of the oppressed</i>. New, NY: Continuum.
3	ई-संसाधन	• www.swayam.gov.in • http://nmeict.detsndt.ac.in/ • https://ncte.gov.in/Website/OER.aspx • Web sites of NCERT, NUEPA, NCTE, SCERT, NAAC • http://mhrd.gov.in/rmsa • http://www.dise.in/Downloads/Publications/Documents/Urban_2013-14.pdf • http://dise.in/Downloads/education-foe-all-in-india-2014-review.pdf • http://dise.in/Downloads/Reports&Studies/GMR2015_FullReport_En.pdf • http://mhrd.gov.in/rte • http://rmsaindia.org/en/ • http://mhrd.gov.in/school-education

1. पाठ्यचर्या का नाम: उच्च शिक्षा: विकास, गतिशीलता, मुद्दे और संभावनाएं

(Name of the Course): Higher Education: Development, Dynamics, Issues and Possibilities

2. पाठ्यचर्या का कोड (Code of the Course): एमईडीई01

3. क्रेडिट (Credit): 04 क्रेडिट

4. सेमेस्टर (Semester): प्रथम

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of the Course):

एम.एड. पाठ्यक्रम में इस पाठ्यचर्या को सम्मिलित करने का प्रयोजन एवं विवरण निम्नवत है:

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	6
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	7
कौशल विकास गतिविधियाँ	7
कुल क्रेडिटघंटे	60

- उच्च शिक्षा के संगठन और एजेंसीयां : यह इकाई अध्येताओं को उच्च शिक्षा संस्थानों और विभिन्न एजेंसियों की भूमिका एवं कार्यों पर विचार/विमर्श हेतु प्रेरित करता है-
- व्यवहार, (प्रथा) प्रवृत्ति एवं मुद्दे : यह इकाई भारत की उच्च शिक्षा में वर्तमान प्रथा, प्रवृत्ति और मुद्दे उच्च शिक्षा में, की भूमिका का आलोचनात्मक विश्लेषण .सी.जी.यू. करती है।
- भारत में उच्च शिक्षा प्रणाली की संरचना यह इकाई उच्च शिक्षा प्रणाली : के लाभ एवं सीमायें तथा उच्च शिक्षा में छात्रों के नामांकन में वृद्धि करने के साधन एवं तरीके पर चर्चा हेतु अध्येताओं को प्रोत्साहित करती है।
- उच्च शिक्षा के मुद्दे एवं चिंताएं यह इकाई उच्च शिक्षा के स्तर पर : संस्थागत संरचना एवं कार्य विषय पर प्रकाश डालते हुए विश्वविद्यालयों, न्यूपा (NUEPA), एनसीईआरटी, एनसीटीई एवं कॉलेज की भूमिका से परिचित कराती है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes):

इस पाठ्यचर्या के अध्ययन के उपरान्त अध्येता निम्नलिखित अधिगम परिणाम प्राप्त करने में सक्षम होंगे-

1. शिक्षण की अवधारणा और उच्च शिक्षा की स्थिति पर चिंतन कर अंतर्दृष्टि का विकास।
2. उच्च शिक्षा संस्थानों और विभिन्न एजेंसियों की भूमिका एवं कार्यों की समालोचना की दक्षता।
3. भारत की उच्च शिक्षा में वर्तमान प्रथा, प्रवृत्ति और मुद्दे की भूमिका का आलोचनात्मक विश्लेषण .सी.जी.यू. उच्च शिक्षा में यू, करने की क्षमता
4. उच्च शिक्षा पर विभिन्न नीतियों और कार्यक्रमों पर विचारशील चिंतन की दक्षता।
5. उच्च शिक्षा के क्षेत्र में शैक्षिक विकास और रुझान पर आलोचनात्मक चिंतन की दक्षता।
6. उच्च शिक्षा की संरचना एवं प्रबंधन की प्रक्रिया पर विचार-विमर्श की क्षमता।

7. उच्च शिक्षा में समस्याओं, मुद्दों एवं अनुसंधान की प्रवृत्ति पर अन्तर्दृष्टि का विकास।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course):

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्या न	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.... (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	उच्च शिक्षा के संगठन और एजेंसीज वैश्विक समाज में उच्च शिक्षा की बदलती दृष्टि आजादी के बाद उच्च शिक्षा का विकास एवं आधुनिक समाज के लिए इसके निहितार्थ उच्च शिक्षा में शामिल विभिन्न संगठन और एजेंसियों की भूमिका, कार्य एवं फैलाव (नेटवर्किंग) उच्च शिक्षा में भागीदारी उच्च संस्थानों और - समुदाय, गैर सरकारी संगठनों और स्वयं सहायता समूह, उद्योगों और उच्च शिक्षा विभागों के मध्य संबंध	10	2	3	15	25

मॉड्यूल-2	व्यवहार(प्रथा), प्रवृत्ति एवं मुद्दे भारत की उच्च शिक्षा में वर्तमान प्रथा, प्रवृत्ति और मुद्दे उच्च शिक्षा में विभिन्न सरकारी योजनाओं पर चिंतन जैसे- रूसा उच्च शिक्षा में यू.जी.सी. की भूमिका उच्च शिक्षा में गुणवत्ता को बनाए रखने में नैक (NAAC) की भूमिका	10	2	3	15	25
मॉड्यूल-3	उच्च शिक्षा की संरचना, पहल एवं शोध भारत में उच्च शिक्षा प्रणाली की संरचना - उसके लाभ एवं सीमाएं उच्च शिक्षा में छात्रों के नामांकन में वृद्धि करने के साधन एवं तरीके उच्च शिक्षा में गुणवत्ता एवं समता को प्रभावित करने वाले प्रणालीगत कारक उच्च शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए सरकार की पहल (बालिका , वंचित	10	2	3	15	25

	समूह, विकलांग समूह के लिए) उच्च शिक्षा में शोध छात्रवृत्ति, प्रोत्साहन एवं फैलोशिप					
मॉड्यूल-4	उच्च शिक्षा के मुद्दे एवं चिंताएं उच्च शिक्षा के क्षेत्र में शिक्षा की रचनात्मक भूमिका एवं 'क्रिटिकल पेडागोजी' राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय एवं राज्य स्तरों पर उच्च शिक्षा पाठ्यक्रम की संकल्पना संस्थागत संरचना एवं कार्य : विश्वविद्यालयों , न्यूपा(NUEPA) , एनसीईआरटी, एनसीटीई एवं कॉलेज	10	2	3	15	25
योग		40	8	12	60	100

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	1. निर्माणवादी उपागम 2. आगमनात्मक उपागम 3. निगमनात्मक उपागम 4. एकीकृत उपागम

	5.चिंतशील 6.अंतरानुशासनिक 7.सहयोगपूर्ण 8. ब्लेंडेड अधिगम उपागम
विधियाँ	1.दार्शनिक चिंतन 2. व्याख्यान-सह चर्चा 3. सहयोगात्मक अधिगम 4. ऐतिहासिक विधि 5. पृच्छा आधारित अधिगम 6.संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	1.शोध आलेखों की समीक्षा 2. संगोष्ठी/परिचर्चा 3.व्यष्टि अध्ययन 5.व्याख्यान-सह-चर्चा 6. केंद्रित समूह चर्चा 7.परियोजना कार्य एवं प्रस्तुतीकरण 8. वृत्तिक विकास हेतु प्रयोग में लाई जानेवाली विभिन्न सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी उपकरण का आई.सी.टी. प्रयोगशाला में अभ्यास
उपादान	1.पावर पॉइंट प्रस्तुति 2. ऑनलाइन क्लास (गूगल क्लासरूम, गूगल मीट)3.लैपटाप 4.प्रोजेक्टर 5. स्मार्टबोर्ड 6. शोध पत्र; ई-संसाधन (यू-ट्यूब वीडियो, ऑनलाइन कोर्स, ब्लॉग, गूगल बुक्स, विकिबुक्स)

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा है, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया गया है:

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति								
1	X	X	X	X	X	X	X	X
2	X	X	X	-	X	X	X	X
3	X	X	X	X	X	X	X	X
4	X	X	X	-	-	-	-	X
5	X	X	X	X	X	X	X	X
6	X	X	-	-	X	-	-	-
7	X	X	X	X	X	-	-	X

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning)

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#] विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य- सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	- MHRD, Gov. of India (1992), National policy on education (revised) New Delhi. - MHRD, (1992), Programme of action. Govt. of India, New Delhi. - Report of the Education Commission (1964-66). - Report of the National Commission on Teachers (1983-85). - Report of the Delors Commission, UNESCO, 1996 - National Policy of Education 1986/1992. - National Curriculum Framework (2005, 2009, 2014). - NCTE Regulations 2009, 2014

2	संदर्भ-ग्रंथ	● Dewey, John (1944). Democracy and education. New York: Simon and Schuster. ● Friere, Paulo (1999). Pedagogy of the oppressed. New, NY: Continuum. ● Kerr, Clark. (2001). The uses of the university. Boston: Harvard University Press. ● Lucas, C. (1994). American higher education: A history. New York: St. Martin's Press. ● Newman, John Henry. (1986). The idea of a university. Notre Dame, Indiana: University of Notre Dame. ● Noddings, Nel. (1998). Philosophy of education. Boulder, CO: Westview Press. ● Lampert, M. (2001). Teaching problems and the problems of teaching. New Haven: Yale University Press. ● Linda Darling Hammond & John Bransford (ed) (2005): Preparing Teachers for a Changing World. Jossey-Bass, San Francisco. ● Martin, D. J. & Kimberly S. Loomis (2006): Building Teachers: A constructivist approach to introducing education. Wadsworth Publishing, USA. ● Ram, S. (1999): Current Issues in Teacher Education. Sarup & Sons Publications, New Delhi. ● Schon, D. (1987): Educating the Reflective Practitioner: Towards a New Design for Teaching and Learning in the Professions. New York, Basic Books. ● MHRD (1986)-Towards a Human and Enlightened Society – Review of NPE, New Delhi

		● Diamond Robert M. (1986) Designing and Improving Courses in Higher Education: A Systematic Approach, California, Jossey-Bass Inc. Publication.
3	ई-संसाधन	● .www.swayam.gov.in ● http://nmeict.detsndt.ac.in/ ● https://ncte.gov.in/Website/OER.aspx ● Web sites of NCERT, NUEPA, NCTE, SCERT, NAAC ● http://mhrd.gov.in/rmsa ● http://www.dise.in/Downloads/Publications/Documents/Urban_2013-14.pdf ● http://dise.in/Downloads/education-foe-all-in-india-2014-review.pdf ● http://dise.in/Downloads/Reports&Studies/GMR2015_FullReport_En.pdf ● http://mhrd.gov.in/rte ● http://rmsaindia.org/en/ ● http://mhrd.gov.in/school-education



महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

शिक्षा विभाग, शिक्षा विद्यापीठ

द्वितीय सेमेस्टर (Second Semester)

1. पाठ्यचर्या का नाम: शैक्षिक सिद्धांत

(Name of the Course): Theory of Education

2. पाठ्यचर्या का कोड (Code of the Course): एमईडी 05

3. क्रेडिट (Credit): 4 क्रेडिट 4. सेमेस्टर (Semester): द्वितीय सेमेस्टर

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of the Course):

एम.एड. पाठ्यक्रम में इस पाठ्यचर्या को सम्मिलित करने का प्रयोजन एवं विवरण निम्नवत है:

- **ज्ञान, शिक्षा और मूल्य:** यह इकाई यह शिक्षा और दर्शनशास्त्र के मध्य संबंधों के विभिन्न तत्वों का वर्णन करती है। यह ज्ञान की अवधारणा तथा शिक्षा और मूल्य की प्रकृति एवं सरोकारों की व्याख्या प्रस्तुत करती है। यह भारतीय संविधान में निहित शैक्षिक एवं राष्ट्रीय मूल्यों की समीक्षा भी करती है।
- **पाश्चात्य शिक्षा दर्शन एवं दर्शन की नवीन अवधारणा:** यह इकाई शिक्षा दर्शन की पाश्चात्य विचारधारा और इसके शैक्षिक निहितार्थ पर विचार-विमर्श हेतु अध्येताओं को प्रेरित करती है तथा दर्शन की नवीन विचारधारा पर भी प्रकाश डालती है।
- **भारतीय शिक्षा दर्शन एवं भारतीय शैक्षिक विचारक:** यह इकाई शिक्षा दर्शन की भारतीय विचारधारा और इसके शैक्षिक निहितार्थ पर विस्तृत रूप से चर्चा करती है तथा भारतीय शैक्षिक विचारकों की शिक्षाविषयक चिंतन में उनके योगदान को उजागर करती है।
- **शैक्षिक समाजशास्त्र की संकल्पना एवं शिक्षा सामाजिक उपव्यवस्था के रूप में:** यह इकाई यह शिक्षा का समाजशास्त्र और शैक्षिक समाजशास्त्र के स्वरूप और अर्थ को स्पष्ट करती है। भारतीय समाज के संदर्भ में शिक्षा एवं गृह तथा शिक्षा एवं समुदाय के मध्य संबंधों का वर्णन करती है। यह
- **आधुनिकता, धर्म, राजनीति, लोकतंत्र तथा संस्कृति जैसे कारकों के शिक्षा पर प्रभाव को उजागर करती है। साथ ही यह सामाजिक परिवर्तन तथा शिक्षा पर इसके प्रभाव पर व्यापक रूप से चर्चा करती है।**

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	46
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	4
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	5
कौशल विकास गतिविधियाँ	5
कुल क्रेडिट घंटे	60

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes):

इस पाठ्यचर्या के अध्ययन के उपरान्त अध्येता -

1. शिक्षा दर्शन के विभिन्न तत्वों का वर्णन करना कर सकेंगे।
2. दार्शनिक चिंतन कौशल का प्रयोग करते हुए शिक्षा दर्शन के क्षेत्र में उत्पन्न व्यापक एवं महत्वपूर्ण प्रश्नों का उत्तर ढूँढ सकेंगे।
3. विभिन्न शैक्षिक विचारकों की पुस्तकों की समीक्षा करते हुए उनके द्वारा प्रतिपादित विचारधाराओं की समालोचना कर सकेंगे।
4. शिक्षा, दर्शन और शैक्षिक सिद्धांतों के मध्य संबंध स्थापित करते हुए उनके शैक्षिक निहितार्थ का मूल्यांकन कर सकेंगे।
5. शिक्षा को विभिन्न सामाजिक परिप्रेक्ष्य एवं सैद्धांतिक ढांचे के अनुरूप विश्लेषित कर सकेंगे।
6. समाज और शिक्षा के आपसी संबंधों की समीक्षा कर सकेंगे।
7. विद्यालयी शिक्षा में शैक्षिक समाजशास्त्र की उपादेयता का मूल्यांकन कर सकेंगे।
8. आधुनिकता, धर्म, राजनीति, लोकतंत्र तथा संस्कृति जैसे कारकों के शिक्षा पर प्रभाव से संबंधित शोध पत्रों एवं आलेखों की समीक्षा कर सकेंगे।
9. संगोष्ठी परिचर्चा में सहभागिता करते हुए शिक्षा के क्षेत्र में व्याप्त सामाजिक असमानता के विभिन्न पक्षों एवं चुनौतियों को उजागर कर सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course):

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..... (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	इकाई-1: ज्ञान, शिक्षा और मूल्य शिक्षा और दर्शन शिक्षा और दर्शन का अर्थ; शिक्षा दर्शन की प्रकृति, शिक्षा और दर्शन में संबंध; शिक्षा के उद्देश्य एवं प्रकार	3	1	1	5	8.33%
मॉड्यूल-2	इकाई-1: ज्ञान, शिक्षा और मूल्य ज्ञान की अवधारणा ज्ञान की अवधारणा: सच्चे विश्वास के रूप में व शुद्ध तर्क के रूप में ज्ञान, अनुभव एवं अर्थ निर्धारित करने की प्रक्रिया, ज्ञान की प्रकृति एवं स्रोत, ज्ञान प्राप्त करने की विधियाँ; शिक्षा एवं शिक्षणशास्त्र, शिक्षा में प्राक्सिस (Praxis) एवं ट्रायंगुलेशन (Triangulation) की अवधारणा	4	-	1	5	8.33%
मॉड्यूल-3	इकाई-1: ज्ञान, शिक्षा और मूल्य शिक्षा और मूल्य शिक्षा और मूल्य की प्रकृति एवं सरोकार, मूल्यों के	4	-	1	5	8.33%

	हस्तांतरण व विकास में शिक्षा की भूमिका; भारतीय संविधान में निहित शैक्षिक एवं राष्ट्रीय मूल्यों (लोकतंत्र और धर्मनिरपेक्षता) का समीक्षात्मक अध्ययन					
मॉड्यूल-4	इकाई-2- पाश्चात्य शिक्षा दर्शन एवं दर्शन की नवीन अवधारणा पाश्चात्य शिक्षा दर्शन दर्शन की पाश्चात्य विचारधारा: आदर्शवाद, यथार्थवाद, प्रकृतिवाद, प्रयोजनवाद, अस्तित्ववाद, मार्क्सवाद – ज्ञान, यथार्थ एवं मूल्यों की संकल्पना के विशेष संदर्भ में; एवं शिक्षा के उद्देश्य, विषयवस्तु तथा शिक्षा पद्धति के लिए उनके शैक्षिक निहितार्थ	6	1	1	8	13.33%
मॉड्यूल-5	इकाई-2- पाश्चात्य शिक्षा दर्शन एवं दर्शन की नवीन अवधारणा दर्शन की नवीन अवधारणा दर्शन की आधुनिक अवधारणा: तार्किक विश्लेषण, तार्किक अनुभववाद तथा विधेयात्मक सापेक्षवाद	6	-	1	7	11.67%
मॉड्यूल-6	इकाई-3: भारतीय शिक्षा दर्शन एवं भारतीय शैक्षिक विचारक	6	1	1	8	13.33%

	भारतीय शिक्षा दर्शन ज्ञान, यथार्थ एवं मूल्यों की संकल्पना के विशिष्ट संदर्भ में भारतीय दर्शन में सांख्य, वेदान्त एवं बौद्ध, जैन तथा इस्लामिक परंपरा के शैक्षिक निहितार्थ					
मॉड्यूल-7	इकाई-3: भारतीय शिक्षा दर्शन एवं भारतीय शैक्षिक विचारक भारतीय शैक्षिक विचारक विवेकानंद, टैगोर, गाँधी तथा अरविंद का शिक्षाविषयक चिंतन में योगदान	6	-	1	7	11.67%
मॉड्यूल-8	इकाई-4: शैक्षिक समाजशास्त्र की संकल्पना एवं शिक्षा सामाजिक उपव्यवस्था के रूप में समाजशास्त्र एवं शिक्षा में संबंध समाजशास्त्र तथा शिक्षा में संबंध; शैक्षिक समाजशास्त्र तथा शिक्षा के समाजशास्त्र का स्वरूप तथा अर्थ; समाजशास्त्र तथा शिक्षा में संबंध; शैक्षिक समाजशास्त्र तथा शिक्षा के समाजशास्त्र का स्वरूप तथा अर्थ	4	-	1	5	8.33%
मॉड्यूल-9	इकाई-4: शैक्षिक समाजशास्त्र की संकल्पना एवं शिक्षा सामाजिक उपव्यवस्था के रूप में शिक्षा सामाजिक उपव्यवस्था के रूप में शिक्षा सामाजिक उपव्यवस्था के रूप में-विशिष्ट लक्षण;	4	-	1	5	8.33%

	शिक्षा तथा गृह, शिक्षा तथा समुदाय – भारतीय समाज के विशेष संदर्भ में; शिक्षा तथा आधुनिकीकरण; शिक्षा तथा राजनीति; शिक्षा तथा धर्म; शिक्षा तथा संस्कृति; शिक्षा तथा लोकतंत्र; बालक का समाजीकरण					
मॉड्यूल-10	सामाजिक परिवर्तन एवं शिक्षा सामाजिक परिवर्तन का अर्थ तथा स्वरूप; भारत में सामाजिक परिवर्तन में बाधाएँ (जाति, नृजातीयता, वर्ग, भाषा, धर्म, क्षेत्रवाद); सामाजिक स्तरीकरण तथा सामाजिक गतिशीलता से सम्बद्ध शिक्षा; सामाजिक समदृष्टि तथा शैक्षिक अवसरों की समानता से संबद्ध शिक्षा	3	1	1	5	8.33%
योग		46	4	10	60	100

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	निर्माणवादी उपागम, निगमनात्मक उपागम, एकीकृत उपागम, , ब्लेंडेड अधिगम उपागम
विधियाँ	दार्शनिक चिंतन, व्याख्यान-सह चर्चा, सहयोगात्मक अधिगम, ऐतिहासिक विधि, पृच्छा आधारित अधिगम
तकनीक	कहानी वाचन, दृष्टांत, प्रश्नोत्तरी, समूह चर्चा, पुस्तक एवं शोध आलेखों की समीक्षा, संगोष्ठी/परिचर्चा, व्यक्ति अध्ययन, गूगल क्लासरूम के माध्यम से ट्यूटोरियल/ऑनलाइन चर्चा

उपादान	पावर पॉइंट प्रस्तुति; ऑनलाइन क्लास (गूगल क्लासरूम, गूगल मीट); शैक्षिक विचारकों के द्वारा लिखित पुस्तकें, शोध पत्र; ई-संसाधन (यू-ट्यूब वीडियो, ऑनलाइन कोर्स, गूगल बुक्स, ई-ज्ञानकोश)

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित जिन अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया गया है :

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य
	1	2	3	4	5	6	7	8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति								
1	X	-	-	-	-	-	-	-
2	X	X	-	-	X	-	-	-
3	X	X	-	-	X	-	-	X
4	X	X	X	-	-	-	-	X
5	X	X	-	-	X	-	-	-
6	X	X	-	-	X	-	-	-
7	X	X	X	X	X	-	-	X
8	X	X	-	-	X	-	-	X
9	X	X	X	X	X	X	-	X

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning)

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	- Shukla, S., & Kumar, K. (1985). <i>Sociological Perspective in Education</i>. New Delhi: Chanakya Publications. - Kumar, K. (1990). <i>Democracy in India</i>. New Delhi: Radiant Publishers. - Gupta, D. (1991). <i>Social Stratification</i>. Delhi: Oxford University Press. - Karlekar, M. (1983). Education and inequality. In a Beteille (Ed.), <i>Equality and Inequality-Theory and Practice</i> (pp. 182-242). Delhi: Oxford University Press. - Kumar, K. (1983). Educational experience of scheduled castes and tribes. <i>Economic and Political Weekly</i>, 17 (36-7), 1566-1572. - Kumar, K. (2013). <i>Politics of Education Colonial India</i>. New Delhi : Routledge. - Kumar, K. (2002). <i>Prejudice and Pride</i>. New Delhi: Viking. - Shukla, S. C., & Kaul, R. (1998). <i>Education, Development, and Underdevelopment</i>. New Delhi: Sage.
2	संदर्भ-ग्रंथ	- Acharya, P. (1987). Education: politics and social Structure. In R. Ghosh, & M. Zachariah (Eds.), <i>Education and the Process of Change</i> (pp. 64-79). New Delhi: Sage. - Althusser, L. (1972). Ideology and ideological state apparatuses 'Notes towards an Investigation'. In L. Althusser(Ed.), <i>Lenin and Philosophy and Other Essays</i> (pp. 242-73). New York: Monthly Review Press. - Apple, M. (1982). <i>Cultural and Economic Reproduction in Education: Essays</i>

	on Class, Ideology and the State. London: RKP. - Barrow, R. (2010). Schools of thought in philosophy of education. In R. Bailey, R. Barrow, D. Carr., & C. McCarthy (Eds.), <i>The SAGE Handbook of Philosophy of Education</i>. London: Sage Publications. - Benei, V. (2008). <i>Schooling Passions: Nation's History and Language in Contemporary Western India</i>. Stanford: Stanford University Press. - Bernstein, B. (1971). <i>Class, Codes and Control</i>. London: Routledge and Kegan Paul. - Bernstein, B. (1996). <i>Pedagogy, Symbolic Control and Identity</i>. London: Taylor and Francis. - Bourdieu, P. (1973). Cultural reproduction and social reproduction. In J. Karabel & A. H. Halsey. (Eds.), <i>Power and Ideology in Education</i> (pp. 473-486). New York: Oxford University Press. - Coleman, J. (1968). The concept of equality of educational opportunity. <i>Harvard Education Review</i>, 38(1), 7-22. - Dahrendorf, R. (1968). <i>Essays in the Theory of Society</i>. London: Routledge & Kegan Paul. - Dewey, J. (2004). <i>Democracy and Education</i>. New Delhi: Aakar Books. - Durkheim, E. (1956). <i>Education and Sociology</i>. New York: Oxford University Press. - Gore, M., Desai, I., & Chitnis, S. (1967). <i>Papers in Sociology of Education in India</i>. New Delhi: NCERT. - Kant, I. (2012). <i>On Education</i>. Annette Churton (Trans.). USA: Courier Corporation - Phillips, D.C. (2010). What is philosophy of education? In R. Bailey, R. Barrow, D. Carr, & C. McCarthy (Eds.), <i>The SAGE Handbook of Philosophy of Education</i>. London: Sage Publications. - Plato (2004). <i>The Republic</i>. USA: Hackett Publishing. - Siegel, H. (2010). Knowledge and Truth. In R. Bailey, R. Barrow, D. Carr, & C. McCarthy (Eds.), <i>The SAGE Handbook of Philosophy of Education</i>. London: Sage Publications. - McLaren, P. (1986). <i>Schooling as a Ritual Performance: Towards a Political Economy of Educational Symbols and Gestures</i>. New York: Routledge. - Nambissan, G. (2000). Identity, Exclusion and the Education of Tribal Communities. In K. Kumar (Ed.), <i>Gender Gaps in Literacy and Education</i>. New Delhi: Sage Publications. - Parsons, T. (1959). The school as a social system. <i>Harvard Education Review</i>, 29, 297-318.

		Saigol, R. (2000). <i>Symbolic Violence, Curriculum, Pedagogy and Society</i>. Lahore: Sahe.
3	ई-संसाधन	https://www.youtube.com/watch?v=nD6_2zA0EhU https://www.youtube.com/watch?v=vtZmlHxM98w https://www.youtube.com/watch?v=Sh7i1-1cz7Q https://bharatdiscovery.org/india/भारतीय_दर्शन#gsc.tab=0 https://books.google.co.in/books?id=MEqCoezMWh4C&source=gb_s_similarbooks https://books.google.co.in/books?id=vbcU1X7Yz9MC&source=gb_s_similarbooks https://ddceutkal.ac.in/Syllabus/MA_SOCIOLOGY/Paper-16.pdf https://youtu.be/VYNITqQ0UMg http://egyankosh.ac.in/handle/123456789/46500 https://onlinecourses.swayam2.ac.in/cec20_ed16/ https://www.youtube.com/watch?v=uH9gxyz3c5w http://cbseacademic.nic.in/web_material/ValueEdu/Value%20Education%20Kits.pdf

अध्यापक शिक्षा: दृष्टिकोण, नीति एवं अभ्यास

1. पाठ्यचर्या का नाम: अध्यापक शिक्षादृष्टिकोण :, नीति एवं अभ्यास

(Name of the Course): Teacher Education: Perspectives, Policies and Practices

2. पाठ्यचर्या का कोड (Code of the Course): एमईडी 06

3. क्रेडिट (Credit): 4 क्रेडिट 4. सेमेस्टर (Semester): द्वितीय

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	45
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	5
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	5
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	5
कौशल विकास गतिविधियाँ	5
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of the Course):

एम.एड. पाठ्यक्रम में इस पाठ्यचर्या को सम्मिलित करने का प्रयोजन एवं विवरण निम्नवत है:

- **शिक्षक एवं शिक्षण वृत्ति:** यह इकाई भारत में शिक्षकों की बदलती भूमिका एवं जिम्मेदारियों का आलोचनात्मक चित्रण प्रस्तुत करती है। यह शिक्षण वृत्ति की प्रकृति, अवधारणा एवं वर्तमान स्थिति तथा शिक्षकों की व्यावसायिक नैतिकता एवं उत्तरदायित्व पर विचारविमर्श के लिए अध्येताओं को प्रेरित करती है। यह शिक्षण वृत्ति कौशल के विकास हेतु सेवारत अध्यापक शिक्षा के विभिन्न प्रतिमानों एवं उपागमों पर भी प्रकाश डालता है।
- **भारत में अध्यापक शिक्षा व्यवस्था** शिक्षा संस्थानों के प्रकार तथा शि-यह इकाई अध्यापक शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर शिक्षकों की तैयारी की प्रक्रिया का वर्णन करती है। यह विद्यालय अनुभव कार्यक्रम की संकल्पना, नियोजन, क्रियान्वयन एवं मूल्यांकन की प्रक्रिया पर चर्चा हेतु अध्येताओं को प्रोत्साहित करती है। यह अध्यापक शिक्षा के लिए कार्यरत संस्थानों की भूमिका, कार्य एवं क्षेत्र का समीक्षात्मक विवरण प्रस्तुत करती है।
- **अध्यापक शिक्षा में गुणवत्ता प्रबंधन:** यह इकाई अध्यापक शिक्षा संस्थानों की मान्यता एवं आकलन तथा अध्यापक की भूमिका शिक्षकों- एवं उत्तरदायित्व विषय पर व्यापक रूप से चर्चा करती है। साथ ही यह अध्यापक शिक्षा में मूल्यांकन एवं शोध प्रवृत्ति विषय पर अध्येताओं को विचार विमर्श हेतु प्रोत्साहित करती है।
- **भारत में सेवापूर्व शिक्षक: शिक्षा-** यह इकाई सेवापूर्व अध्यापक शिक्षा के विभिन्न प्रतिमानों की व्याख्या करती है तथा भारत में स्वतंत्रता पूर्व एवं पश्चात सेवापूर्व अध्यापक शिक्षा के विकास से संबंधित विभिन्न आयोगों, समितियों एवं नीतियों की समालोचना करती है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes):

इस पाठ्यचर्या के अध्ययन के उपरान्त अध्येता-

1. देश में सेवापूर्व तथा सेवारत अध्यापक शिक्षा की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि एवं वर्तमान स्थिति की समीक्षा कर सकेंगे।
2. सेवारत अध्यापक शिक्षा की प्रक्रिया तथा शिक्षकों के वृत्तिक विकास हेतु प्रयुक्त विभिन्न विधियों एवं प्रविधियों की आलोचनात्मक समझ विकसित कर सकेंगे।
3. शिक्षक प्रशिक्षण की आवश्यकताओं तथा इससे संबंधित समस्याओं पर विचारशील चिंतन कर सकेंगे।
4. अध्यापक शिक्षा पाठ्यचर्या के मूल्यांकन हेतु विभिन्न तकनीक तथा उपकरणों का अनुप्रयोग कर सकेंगे।
5. अध्यापक शिक्षा से संबंधित विभिन्न दस्तावेजों के आधार पर अध्यापक शिक्षा के विभिन्न पहलू, समस्याओं तथा चुनौतियों की समालोचना कर सकेंगे।

6. शिक्षकों के वृत्तिक विकास हेतु प्रयोग में लायी जानेवाली सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (ICT) उपकरणों का अनुप्रयोग कर सकेंगे।
7. अध्यापक शिक्षा हेतु राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा, तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2009, के संदर्भ में सेवारत अध्यापक शिक्षा की 2020 स पर विचारशील चिंतन और प्रचलित अभ्याकता एवं महत्वआवश्यकता विश्लेषण कर सकेंगे।
8. शिक्षकों के वृत्तिक विकास से संबंधित विभिन्न दस्तावेजों की आलोचनात्मक समीक्षा कर सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course):

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..... (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	इकाई-1: शिक्षक और शिक्षण वृत्ति शिक्षकों की बदलती भूमिका एवं उत्तरदायित्व भारत में शिक्षक शिक्षकों : चित्रके बदलते पार्श्व (Profile), बदलती भूमिका और जिम्मेदारियाँ; शिक्षकों का मूल्य निर्धारण तथा उत्तरदायित्व; शिक्षक शिक्षा – में सुधार	3	1	1	5	8.33%
मॉड्यूल-2	इकाई-1: शिक्षक और शिक्षण वृत्ति शिक्षकों की बदलती भूमिका एवं उत्तरदायित्व भारत में शिक्षक शिक्षकों : चित्रके बदलते पार्श्व (Profile), बदलती भूमिका और जिम्मेदारियाँ; शिक्षकों का मूल्य निर्धारण तथा उत्तरदायित्व; शिक्षक शिक्षा – में सुधार	4	-	1	5	8.33%

मॉड्यूल-3	इकाई-1: शिक्षक और शिक्षण वृत्ति शिक्षण वृत्तिक कौशल विकास हेतु सेवारत अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम की आवश्यकता एवं महत्व; सेवारत अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम के विभिन्न प्रतिमान एवं उपगाम	4	-	1	5	8.33%
मॉड्यूल-4	इकाई-2: भारत में अध्यापक शिक्षा व्यवस्था शिक्षकों की तैयारी अध्यापक शिक्षा के संस्थानों के प्रकार, शिक्षा के विभिन्न स्तरप्राथमिक और - माध्यमिक शिक्षकों की तैयारी; विशिष्ट (ई.सी.ई) क्षेत्रों, कार्य शिक्षा, व्यावसायिक शिक्षा तथा कला शिक्षा के लिए शिक्षकों की तैयारी	4	-	1	5	8.33%
मॉड्यूल-5	इकाई-2: भारत में अध्यापक शिक्षा व्यवस्था अध्यापक शिक्षा के सशक्तिकरण हेतु कार्यरत संस्थान अध्यापक शिक्षा के सशक्तिकरण तथा पुनःसंरचना हेतु केंद्र प्रवर्तित कार्यक्रम आई.ई.एस.ए., सी.ई.टी., डी.आई.ई.टी की भूमिका व कार्य, यू.सी.जी. एवं एन.सी.टी.आर.ई., एन.सी.टी.ई, एन.आई.पी.ए,	4	-	1	5	8.33%

	एस.सी.ई.आर.टी आदि की भूमिका, कार्य और क्षेत्र।					
मॉड्यूल-6	इकाई-2: भारत में अध्यापक शिक्षा व्यवस्था विद्यालय अनुभव कार्यक्रम (SEP) का प्रबंधन और मूल्यांकन विद्यालय अनुभव कार्यक्रम (SEP) की संकल्पना, एसका नियोजन एवं .पी.ई. संगठन, निरीक्षण और पर्यवेक्षण; विद्यालय प्रशिक्षुता कार्यक्रम की संकल्पना, नियोजन और संगठन, विद्यालय अनुभवप्रशिक्षुता कार्यक्रम / का मूल्यांकन, शिक्षण दक्षता के आकलन के मानदंड, उपकरण और विधियां, एसऔर प्रायोगिक .पी.ई. कार्य की आवश्यकता और महत्व; (PSTE) नियमन सिद्धांत	3	1	1	5	8.33%
मॉड्यूल-7	इकाई-3: अध्यापक शिक्षा में गुणवत्ता प्रबंधन अध्यापक संस्थानों की मान्यता एवं आकलन अध्यापक शिक्षा संस्थानों की मान्यता, आकलन तथा प्रत्यायन ई तथा .टी.सी.एन – नैक की भूमिका, अध्यापक शिक्षा में गुणात्मक प्रबंधन; शिक्षक अध्यापक- (Teacher Educator)-	6	1	1	8	13.33%

	शिक्षकपकों की अध्या- दारिभूमिका और जिम्मेयाँ, शिक्षक अध्यापकों की तैयारी।					
मॉड्यूल-8	इकाई-3: अध्यापक शिक्षा में गुणवत्ता प्रबंधन अध्यापक शिक्षा में मूल्यांकन एवं शोध प्रवृत्ति सतत एवं व्यापक मूल्यांकन, निर्माणात्मक और संकलनात्मक मूल्यांकन, संदर्भित और मानक संदर्भित मूल्यांकन; सेवापूर्व अध्यापक शिक्षा के आंतरिक आकलन का संगठन, आंतरिक आकलन के लिए निर्देशित बिन्दु तथा कार्यक्रम; अध्यापक शिक्षा में शोध प्रवृत्ति, उभरते हुए शोध क्षेत्र	5	1	1	7	11.67%
मॉड्यूल-9	इकाई-4: भारत में सेवापूर्व अध्यापक शिक्षा सेवापूर्व अध्यापक शिक्षा के प्रतिमान सेवापूर्व अध्यापक शिक्षा की अवधारणा, प्रकृति, लक्ष्य, उद्देश्य और क्षेत्र; सेवापूर्व अध्यापक शिक्षा के प्रतिमान, क्रमागत प्रतिमान, एकीकृत प्रतिमान, वैकल्पिक प्रतिमान	6	1	1	8	13.33%
मॉड्यूल-10	इकाई-4: भारत में सेवापूर्व अध्यापक शिक्षा भारत में सेवा-पूर्व अध्यापक शिक्षा का विकास	6	-	1	7	11.67%

	स्वतंत्रतापूर्व और स्वतंत्रता के पश्चात् विभिन्न आयोगों तथा समितियों की अध्यापक शिक्षा से संबंधित संस्तुतियां, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NPE- (1986 और इसके क्रियान्वयन कार्यक्रम का अध्यापक शिक्षा व्यवस्था पर प्रभाव, राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा 2005, राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा पाठ्यचर्या की रूपरेखा)NCFTE- (2009, राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020					
योग		45	5	10	60	100

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	निर्माणवादी उपागम, आगमनात्मक उपागम, निगमनात्मक उपागम, एकीकृत उपागम, ब्लेंडेड अधिगम उपागम
विधियाँ	व्याख्यान-सह चर्चा, सहयोगात्मक अधिगम, ऐतिहासिक विधि, पृच्छा आधारित अधिगम, पैनल चर्चा
तकनीक	दृष्टांत, समूह चर्चा, शोध आलेखों की समीक्षा, संगोष्ठी/परिचर्चा, व्यष्टि अध्ययन व्याख्यान-सह-चर्चा, केंद्रित समूह चर्चा, परियोजना कार्य एवं प्रस्तुतीकरण, वृत्तिक विकास हेतु प्रयोग में लाई जानेवाली विभिन्न सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी उपकरण का आई.सी.टी. प्रयोगशाला में अभ्यास, व्यष्टि अध्ययन, विभिन्न दस्तावेजों का विषय-वस्तु विश्लेषण गूगल क्लासरूम के माध्यम से ट्यूटोरियल/ऑनलाइन चर्चा
उपादान	पावर पॉइंट प्रस्तुति; ऑनलाइन क्लास (गूगल क्लासरूम, गूगल मीट); शोध डेटाबेस (एरिक, गूगल स्कॉलर, जेस्टोर); ई-संसाधन (यू-ट्यूब वीडियो, ऑनलाइन कोर्स, ई-ज्ञानकोश, ईपीजीपाठशाला, गूगल बुक्स)

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित जिन अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा है, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया गया है :

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति								
1	X	X	-	-	X	-	-	-
2	X	X	X	-	X	X	-	X
3	X	X	X	-	X	X	-	X
4	X	X	X	X	X	X	X	X
5	X	X	X	-	X	X	-	X
6	X	X	X	-	X	X	-	X
7	X	X	X	-	X	X	-	X
8	X	X	X	-	X	-	-	X

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning)

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#] विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य- सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/ पाठ्य ग्रंथ	● भट्टाचार्य, जी.सी. (2016). अध्यापक शिक्षा. आगरा: श्री विनोद पुस्तक मंदिर. ● सिंह, एच., सक्सेना, एन. आर., मोहंती, आर.के. एवं मिश्रा, बी.के. (2019). अनुसंधान एवं अध्यापक शिक्षा के मुद्दे. मेरठ: आर. लाल बुक डीपो. ● Ministry of Human and Resource development (1964-66). <i>Report of the Education Commission</i>. New Delhi: MHRD, Government of India. ● Ministry of Human and Resource development (1983-85). <i>Report of the National Commission on Teachers</i>. New Delhi: MHRD, Government of India. ● Ministry of Human and Resource development (1978). <i>National Curriculum Framework for Teacher Education</i>. New Delhi: MHRD, Government of India. ● Ministry of Human and Resource development (1986). <i>National Policy on Education</i>. New Delhi: MHRD, Government of India. ● Ministry of Human and Resource development (1988). <i>National Curriculum Framework for Teacher Education</i>. New Delhi: MHRD, Government of India. ● Ministry of Human and Resource development (1992). <i>National Policy on Education 1986-Programme of Action 1992</i>. New Delhi: MHRD, Government of India. ● Ministry of Education (2020). <i>National Policy on Education</i>. New Delhi: MHRD, Government of India. ● National Council of Teacher Education (1998). <i>National Curriculum Framework for Teacher education</i>. New Delhi: MHRD, Government of India. ● NCTE (1998): <i>Policy Perspectives in Teacher Education</i>. New Delhi: MHRD, Government of India. ● NCTE (1998). <i>Competency Based and Commitment Oriented Teacher Education for Quality School education: Pre-Service Education</i>. NCTE (1998): <i>Policy Perspectives in Teacher Education</i>. New Delhi: MHRD, Government of India. ● NCTE (1998). <i>Competency Based and Commitment Oriented Teacher Education for Quality School education: Pre-Service Education</i>. New Delhi. ● National Council of Educational Research and Training (2005). <i>National Curriculum Framework</i>. New Delhi: MHRD, Government of India. ● National Council of Teacher Education (2009). <i>National Curriculum Framework for</i>

		<i>Teacher education</i> . New Delhi: MHRD, Government of India. • National Council of Teacher Education (2014). NCTE Regulations. New Delhi: MHRD, Government of India. • National Council of Teacher Education (2019). NCTE Regulations. New Delhi: MHRD, Government of India. • Rao, D.B. (1998). <i>Teacher Education in India</i>. New Delhi: Discovery Publishing House. • UNESCO (1996). <i>Larning: The Treasure Within (Report of the Delors Commission)</i>. UNESCO. New Delhi: MHRD, Government of India. • Yadav, M.S. & Lakshmi, T.K.S. (2003): <i>Conceptual Inputs for Secondary Teacher Education: The instructional Role</i>. India: NCTE.
2	संदर्भ-ग्रंथ	• Beck, C. & Kosnik, C. (2006): <i>Innovations in Teacher Education: A Social Constructivist Approach</i>. New York: State University of New York Press. • Cohen, L., Minion, L. & Morrison, K. (2004). <i>A Guide to Teaching Practice</i> (5th edition). London: Routledge. • Herne, S. John, J. & Griffith, J. (2000). <i>Study to Teach: A Guide to Studying in Teacher Education</i>. London: Routledge. • Korthagen, F., Kessels, J., Koster, B., Lagerwerf, B., Wubbels, T. (2001). <i>Linking Practice and Theory- The Pedagogy of Realistic Teacher Education</i>. New York: Routledge, https://doi.org/10.4324/9781410600523. • Kumari, S. (2012). <i>Challenges of Teacher education in Jharkhand</i>. Germany: Lambert Academic Publishing. • Darling-Hammond, Linda & Bransford, J. (2005): <i>Preparing Teachers for a changing World. What Teachers should Learn and Be Able to Do</i>. New Jersey: John Wiley & Sons Inc. • Loughran, J. (2006): <i>Developing a Pedagogy of Teacher education : Understanding Teaching and Learning about Teaching</i>. New York: Routledge.
3	ई-संसाधन	https://www.youtube.com/watch?v=nD6_2zA0EhU https://www.youtube.com/watch?v=vtZmlHxM98w https://www.youtube.com/watch?v=Sh7i1-1cz7Q http://www.egyankosh.ac.in/youtubevideo.jsp?src=aO2RssN1dTtw&title=Paradigm%20Shift%20in%20Teacher%20Education

	https://epgp.inflibnet.ac.in/Home/ViewSubject?catid=12(1495082308ePGEDN_10.5_eText.pdf) https://onlinecourses.swayam2.ac.in/nou20_ed03/ https://books.google.co.in/books?id=WQjLPgAACAAJ http://www.uou.ac.in/sites/default/files/slm/MAED-203.pdf

1. पाठ्यचर्या का नाम: शिक्षा में परिमाणात्मक अनुसंधान विधियाँ

Name of the Course: Quantitative Research Methods in Education

2. पाठ्यचर्या का कोड (Code of the Course): एमईडी 07

3. क्रेडिट (Credit): 4 क्रेडिट 4. सेमेस्टर (Semester): द्वितीय

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of the Course):

एम.एड. पाठ्यक्रम में इस पाठ्यचर्या को सम्मिलित करने का प्रयोजन एवं विवरण निम्नवत है:

- परिमाणात्मक प्रदत्त का विवरणात्मक विश्लेषण-1: यह इकाई सांख्यिकी के संप्रत्यय की शैक्षिक शोध में प्रासंगिकता की विवेचना करती है तथा विभिन्न प्रकार के निष्कर्षात्मक परीक्षण से परिचित कराती है। यह प्रदत्तों के वर्णनात्मक विश्लेषण के अंतर्गत प्रदत्तों के रेखीय प्रदर्शन तथा केंद्रीय प्रवृत्ति की माप विषय पर विस्तृत रूप से चर्चा करती है।
- परिमाणात्मक प्रदत्त का विवरणात्मक विश्लेषण- 2: यह इकाई प्रदत्तों के वर्णनात्मक विश्लेषण के अंतर्गत विचलनमान के मापन की गणना एवं व्याख्या तथा सामान्य संभाव्यता वक्र की अवधारणा एवं अनुप्रयोग विषय पर प्रकाश डालती है।
- परिमाणात्मक प्रदत्त का विवरणात्मक विश्लेषण-3: यह इकाई प्रदत्तों के वर्णनात्मक विश्लेषण के अंतर्गत सहसंबंध और प्रतीपगमन की अवधारणा, गणना और व्याख्या का विस्तृत विवरण प्रस्तुत करती है।
- परिमाणात्मक प्रदत्त का निष्कर्षात्मक विश्लेषण: यह इकाई प्रदत्तों के निष्कर्षात्मक विश्लेषण के अंतर्गत काई वर्ग, टी-परीक्षण तथा प्रसरण विश्लेषण (एक-मार्गीय), सह प्रसरण विश्लेषण (ANCOVA) एवं मनोवा (MANOVA) की अवधारणा, गणना और व्याख्या विषय पर गहराई से चर्चा करती है।

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	36
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	6
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	9
कौशल विकास गतिविधियाँ	9
कुल क्रेडिट घंटे	60

6. अपेक्षित पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes):

इस पाठ्यचर्या के अध्ययन के उपरांत अध्येता-

1. कक्षा में सामूहिक चर्चा करते हुए शैक्षिक शोध के क्षेत्र में सांख्यिकी के महत्व एवं आवश्यकता की आलोचनात्मक समझ विकसित कर सकेंगे।
2. सामूहिक गतिविधि में अभ्यासकार्य द्वारा शैक्षिक शोध अध्ययन की आवश्यकता के अनुरूप आकड़ों के विवरणात्मक विश्लेषण हेतु उपयुक्त सांख्यिकीय प्रविधियों का अनुप्रयोग कर सकेंगे।
3. सामूहिक गतिविधि में अभ्यासकार्य द्वारा विभिन्न प्रकार की शैक्षिक शोध समस्या को ध्यान में रखकर परिकल्पना की जांच के लिए -/आनुमानिकनिष्कर्षात्मक सांख्यिकीय विश्लेषण प्रविधियों का अनुप्रयोग कर सकेंगे।
4. कार्यशाला के माध्यम से सांख्यिकीय विश्लेषण के परिणाम स्वरूप प्राप्त विश्लेषित आकड़ों की व्याख्या करने की कुशलता का विकास कर सकेंगे।

5. कार्यशाला के माध्यम से एक्सेल तथा एस.पी.एस.एस. का प्रयोग करते हुए विभिन्न सांख्यिकीय विश्लेषण कर सकेंगे।
6. विभिन्न शोध पत्रों का संदर्भ लेते हुए विविध प्रकार के परिमाणात्मक शोध अध्ययन के लिए प्रयुक्त सांख्यिकीय विश्लेषण प्रविधियों के अनुप्रयोग तथा विश्लेषित आंकड़ों की व्याख्या के तरीकों को दर्शाते हुए आलेख लेखन कर सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course):

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..... (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	इकाईपरिमाणात्मक :1- प्रदत्त का विवरणात्मक 1 - विश्लेषण सांख्यिकी का संप्रत्यय सांख्यिकी का संप्रत्यय, शिक्षा में प्रासंगिकता, पारामैट्रिक और नॉन – पारामैट्रिक परीक्षण; मापन स्केल	3	1	-	4	6.67%
मॉड्यूल-2	इकाईपरिमाणात्मक :1- प्रदत्त का विवरणात्मक 1 - विश्लेषण प्रदत्तों का रेखीय प्रदर्शन प्रदत्तों का रेखीय प्रदर्शन : स्तम्भाकृति, आवृत्ति बहुभुज, संचयी आवृत्ति प्रतिशत वक्र (औगाइव) (पाई चार्ट) और वृत्ताकृति	3	-	2	5	8.33%
मॉड्यूल-3	इकाईपरिमाणात्मक :1- प्रदत्त का विवरणात्मक 1 – विश्लेषण केंद्रीय प्रवृत्ति की माप केंद्रीय प्रवृत्ति का मापन:	4	-	2	6	10%

	अवधारणा, गणना और व्याख्या, माध्य, माध्यिका, बहुलांक					
मॉड्यूल-4	इकाईपरिमाणात्मक :2- प्रदत्त का विवरणात्मक विश्लेषण 2 – विचलनमान का मापन एवं व्याख्या विचलनमान का मापन: अवधारणा, गणना और व्याख्या, प्रसार, चतुर्थांक विचलन, औसत विचलन एवं मानक विचलन	4	1	2	7	11.67%
मॉड्यूल-5	इकाईपरिमाणात्मक :2- प्रदत्त का विवरणात्मक 2 – विश्लेषण सामान्य संभाव्यता वक्र सामान्य संभाव्यता वक्र: अवधारणा, विशेषताएँ, अनुप्रयोग और व्याख्या	5	1	2	8	13.33%
मॉड्यूल-6	इकाईपरिमाणात्मक :3- प्रदत्त का विवरणात्मक 3 – विश्लेषण सहसंबंध का मापन एवं व्याख्या सहसंबंध: अवधारणा, प्रकार, गणना और व्याख्या, गुणन- आघूर्ण विधि, अनुस्थित अंतर विधि, बाई सीरियल, प्वाइंट बाई सीरियल, फाई, कांटेनजेन्सी, टेप्रा कोरिक सहसंबंध	5	1	2	8	13.33%
मॉड्यूल-7	इकाई-3: परिमाणात्मक प्रदत्त का विवरणात्मक विश्लेषण – 3	4	1	2	7	11.67%

	प्रतीपगमन का मापन एवं व्याख्या प्रतीपगमन और पूर्वानुमान अवधारणा, गणना और व्याख्या					
मॉड्यूल-8	इकाई-4: परिमाणात्मक प्रदत्त का निष्कर्षात्मक विश्लेषण काई वर्ग काई वर्ग: अवधारणा, गणना और व्याख्या (समान और सामान्य वितरण)	2	-	2	4	6.67%
मॉड्यूल-9	इकाई-4: परिमाणात्मक प्रदत्त का निष्कर्षात्मक विश्लेषण मध्यमान की सार्थकता और मध्यमान के बीच अंतर: अवधारणा, गणना; टी-परीक्षण की गणना, व्याख्या एवं महत्त्व (सहसंबद्ध और असहसंबद्ध, मिलान, युग्मित- अयुग्मित, मिलान-युग्मित)	3	1	2	6	10%
मॉड्यूल-10	इकाई-4: परिमाणात्मक प्रदत्त का निष्कर्षात्मक विश्लेषण प्रसरण विश्लेषण प्रसरण विश्लेषण (एक मार्गीय), सह प्रसरण विश्लेषण (ANCOVA), मनोवा (MANOVA): अवधारणा, गणना और व्याख्या	3	-	2	5	8.33%
योग		36	6	18	60	100%

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	निर्माणवादी उपागम, आगमनात्मक उपागम, निगमनात्मक उपागम, ब्लेंडेड अधिगम उपागम
विधियाँ	व्याख्यान-सह चर्चा, सहयोगात्मक अधिगम, पृच्छा आधारित अधिगम
तकनीक	- सामूहिक गतिविधि/चर्चा - विभिन्न प्रकार की परिकल्पित शैक्षिक शोध समस्या के अध्ययन के लिए उपयुक्त विवराणात्मक एवं निष्कर्षात्मक सांख्यिकीय विश्लेषण प्रविधियों के अनुप्रयोग का अभ्यास-कार्य - विभिन्न शोध पत्रों का संदर्भ लेते हुए विविध प्रकार के परिमाणात्मक शोध अध्ययन के लिए प्रयुक्त सांख्यिकीय विश्लेषण प्रविधियों के अनुप्रयोग तथा विश्लेषित आंकड़ों की व्याख्या के तरीकों को दर्शाते हुए आलेख लेखन एवं प्रस्तुतीकरण - कार्यशाला के माध्यम से एक्सेल तथा एस.पी.एस.एस.के प्रयोग द्वारा विभिन्न सांख्यिकीय गणना का अभ्यास - गूगल क्लासरूम के माध्यम से ट्यूटोरियल/ऑनलाइन चर्चा
उपादान	पावर पॉइंट प्रस्तुति; ऑनलाइन क्लास (गूगल क्लासरूम, गूगल मीट); शोध डाटाबेस (रिसर्च गेट, गूगल स्कॉलर, ERIC); ई-संसाधन (यू-ट्यूब वीडियो, ऑनलाइन कोर्स, गूगल बुक्स, शिक्षा में शोध विधियाँ विषय पर एनआरसी)

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित जिन अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा है, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया गया है :

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य
	1	2	3	4	5	6	7	8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति								
1	X	X	-	-	-	-	-	-
2	X	X	X	-	X	-	-	X
3	X	X	X	-	X	-	-	X
4	X	X	X	-	X	X	-	X
5	X	X	X	-	X	X	-	X
6	X	X	X	X	X	X	X	X

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning)

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	- Best J.W. (1999). <i>Research in Education</i>. New Delhi: Prentice Hall of India Pvt. Ltd. - Kaul, L. (1984). <i>Methodology of Educational Research</i>. New Delhi: Vikas Publications. - Kothari, C.R. & Garg, G. (2019). <i>Research Methodology: Methods and techniques</i>. New Delhi: New Age International Publishers. - कुमार, आर. (2017). <i>शोध कार्यप्रणाली : आरंभिक शोधकर्ताओं के लिए चरणबद्ध गाइड (चतुर्थ संस्करण)</i>. नई दिल्ली: सेज भाषा. - Mangal, S.K. (2010). <i>Statistics in Psychology and Education (2nd Edition)</i>. New Delhi: PHI Publishing Pvt. Ltd. - Rajamanickam M. (2007) <i>Statistical Methods in Psychological and Educational Research</i>. New Delhi : Concept Publishing Co. - Sharma, S.R. (2003). <i>Problems of Educational Research</i>. New Delhi: Anmol Publications Pvt. Ltd. - Sharma, B. (2004). <i>Methodology of Educational Research</i>. New Delhi: Vohra Publishers and Distributors. - सिंह, ए. के. (2017). <i>मनोविज्ञान, समाजशास्त्र तथा शिक्षा में शोध विधियां</i>. दिल्ली: मोतीलाल बनारसीदास
2	संदर्भ-ग्रंथ	- Borg, W.R. and Gall, M.D. (1983). <i>Educational Research – An Introduction</i>. New York: Longman, Inc. - Christensen, L. (2007). <i>Experimental Methodology</i>. Boston: Allyn & Bacon. - Clive O. (2004). <i>Doing Educational Research- A Guide for First Time Researchers</i>. New Delhi: Vistar Publications. - Fraenkel, J.R. & Wallen, N.E. (1996). <i>How to Design and Evaluate Research in Education</i>. New York: McGraw Hill.

		- Kerlinger, F.N. (1986). <i>Foundations of Behavioural Research</i>. Fort Worth, TX: Harcourt Bmce Jovanovich. - Kirkpatrick, D.L. (2005). <i>Evaluating Training Programmes: The Four Levels</i>. San Francisco: Brett-Kochler. - Jill P. & Penny, L. (2005). <i>Researching Learning Difficulties- A Guide for Practitioners</i>. London: Paul Chapman Publishing. - Scott, D. & Usher, R. (1996). <i>Understanding Educational Research</i>. New York: Routledge. - Travers, Robert M.W. (1978). <i>An Introduction to Educational research (4th edition)</i>. London: MacMillan. - Gurbuzoglu, S. G. & Gozum, A. I. C. (2013). The effects of multiple intelligence theory based teaching on students' achievement and retention of knowledge (example of the enzymes subject). <i>International journal on new trends in education and their implications</i> 4 (3), 27-36. - Akinoğlu, O. & Tandoğan, R.O. (2007). The effects of problem-based active learning in science education on students' academic achievement, attitude and concept learning. <i>Eurasia Journal of Mathematics, Science and Technology Education</i>, 3(1), 71-81. https://doi.org/10.12973/ejmste/75375
3	ई-संसाधन	http://ebooks.lpude.in/arts/ma_education/year_1/DEDU404 https://irl.umsl.edu/cgi/viewcontent.cgi?article=1000&context=oe https://books.google.co.in/books?id=xWENVdl6D0YC https://learningstatisticswithr.com/book/ https://www.udemy.com/course/introduction-to-probability-and-statistics/ https://www.coursera.org/learn/probability-statistics https://www.youtube.com/watch?v=RI-KJS_Q0U4 https://www.youtube.com/watch?v=WLUtS0TRVs https://www.youtube.com/watch?v=OypCNBPmGBY&list

1. पाठ्यचर्या का नाम: अकादमिक लेखन

(Name of the Course): Academic Writing

2. पाठ्यचर्या का कोड (Code of the Course): एमईडी 08

3. क्रेडिट (Credit): 2 क्रेडिट 4. सेमेस्टर (Semester): द्वितीय

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of the Course):

एम.एड. पाठ्यक्रम में इस पाठ्यचर्या को सम्मिलित करने का प्रयोजन एवं विवरण निम्नवत है:

- **शोध प्रस्ताव का निर्माण** : यह इकाई शोध लेखन की प्रकृति, शोध लेखन के चरण तथा संबंधित साहित्य की समीक्षा विषय पर प्रकाश डालते हुए अध्येताओं को शोध प्रतिवेदन तैयार करने लिए प्रेरित करती है।
- **शोध पत्र लेखन – एक परिचय**: यह इकाई शोध आलेख के मूल्यांकन के लिए मानदंड, संदर्भ शैली के प्रकार एवं उपयुक्त संदर्भ शैली का चयन विषय पर विस्तृत रूप से चर्चा करती है।
- **प्रकाशन प्रक्रिया**: यह इकाई पत्रिकाओं के चयन के आधार तथा प्रकाशन की प्रक्रिया का विस्तृत रूप से वर्णन करती है।
- **उल्लेख (Citation)** : यह इकाई उल्लेख, अनुक्रमणिका एवं अन्य महत्वपूर्ण संबंधित संप्रत्ययों का वर्णन करती है तथा अनुक्रमणिका एजेंसियां एवं ऑनलाइन शोध डाटाबेस विषय पर भी प्रकाश डालती है।

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	17
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	4
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	4
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	4
कौशल विकास गतिविधियाँ	5
कुल क्रेडिट घंटे	30

6. अपेक्षित पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes):

इस पाठ्यचर्या के अध्ययन के उपरान्त अध्येता-

1. शोध लेखन की प्रकृति एवं विभिन्न चरणों का विश्लेषण कर सकेंगे।
2. किसी शोध कार्य को शोध परिणामों के साथ प्रभावशाली रूप से प्रस्तुत कर सकेंगे।
3. कार्यशाला के माध्यम से किसी भी चयनित शोध विषय पर एक तार्किक एवं विस्तृत शोध प्रस्ताव का निर्माण कर सकेंगे।
4. कार्यशाला के माध्यम से साहित्य की समीक्षा करते हुए किसी शोध विषय पर एक प्रभावी एवं संप्रेषणीय आलेख तैयार कर सकेंगे।
5. शोध आलेख प्रकाशन की प्रक्रिया इसके विभिन्न चरणों का विश्लेषण कर सकेंगे।
6. परिचर्चा एवं संगोष्ठी के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शोध पत्रिकाओं के चयन के मानदंडों का मूल्यांकन कर सकेंगे।
7. शोध पत्रआलेख के उल्लेख से संबंधित संप्रत्ययों के विभिन्न तत्वों की व्याख्या कर सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course):

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..... (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	इकाई -1: शोध प्रस्ताव का निर्माण शोध लेखन की प्रकृति एवं चरण शोध लेखन की प्रकृति, शोध लेखन के चरण और रूप, शोध पांडुलिपि में सुधार	2	1	1	4	13.33%
मॉड्यूल-2	इकाई -1: शोध प्रस्ताव का निर्माण संबंधित साहित्य की समीक्षा एवं शोध प्रस्ताव लेखन संबंधित साहित्य की समीक्षा, प्रकाशित शोध आलेख की समीक्षा, एक शोध प्रतिवेदन लिखना	2	-	2	4	13.33%
मॉड्यूल-3	इकाई -2: शोध पत्र लेखन – एक परिचय शोध पत्र के लेखन एवं मूल्यांकन हेतु मानदंड शोध पत्र के लेखन एवं मूल्यांकन के लिए मानदंड,	2	1	1	4	13.33%

	शोध पत्र लेखन के महत्वपूर्ण चरण, एक शोध लेख का सार लेखन, शोध पत्र लेखन का APA प्रारूप					
मॉड्यूल-4	इकाई -2: शोध पत्र लेखन – एक परिचय संदर्भ शैली संदर्भ शैली के प्रकार एवं उपयुक्त संदर्भ शैली का चयन	2	-	1	3	10%
मॉड्यूल-5	इकाई-3:प्रकाशन प्रक्रिया पत्रिकाओं के चयन के आधार पत्रिकाओं के चयन के आधार (ISSN, DOI, INDEXING)	2	-	1	3	10%
मॉड्यूल-6	इकाई-3:प्रकाशन प्रक्रिया संपादन एवं प्रकाशन समीक्षा एवं संशोधन, संपादन, प्रकाशन के लिए स्वीकृति (संशोधन, संपादन, प्रूफिंग एवं मुद्रण)	2	1	1	4	13.33%
मॉड्यूल-7	इकाई -4: उल्लेख (Citation) उल्लेख, अनुक्रमणिका एवं अन्य महत्वपूर्ण संबंधित संप्रत्यय उल्लेख एवं अनुक्रमणिका:	3	1	1	5	16.67%

	संप्रत्यय, वेब ऑफ साइंस (WOS), स्कोपस (SCOPUS) एवं अन्य अनुक्रमणिका एजेंसियां; प्रभाव फैक्टर (Impact Factor), एच इंडेक्स, आई-10 इंडेक्स					
मॉड्यूल-8	इकाई-4: उल्लेख (Citation) ऑनलाइन शोध डाटाबेस गूगल स्कॉलर, रिसर्च गेट, एरिक, प्रोक्वेस्ट, जेस्टोर	2	-	1	3	10%
योग		17	4	9	30	100%

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	निर्माणवादी उपागम, आगमनात्मक उपागम, निगमनात्मक उपागम, ब्लेंडेड अभिगम उपागम
विधियाँ	व्याख्यान-सह चर्चा, सहयोगात्मक अभिगम, पृच्छा आधारित अभिगम
तकनीक	- सामूहिक गतिविधि/चर्चा - परिचर्चा एवं संगोष्ठी के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शोध पत्रिकाओं के चयन के मानदंडों का मूल्यांकन - विभिन्न शोध पत्रों का संदर्भ लेते हुए कार्यशाला के माध्यम से शोध प्रस्ताव तथा आलेख लेखन एवं प्रस्तुतीकरण - गूगल क्लासरूम के माध्यम से ट्यूटोरियल/ऑनलाइन चर्चा
उपादान	पावर पॉइंट प्रस्तुति; ऑनलाइन क्लास (गूगल क्लासरूम, गूगल मीट); शोध डाटाबेस (रिसर्च गेट, गूगल स्कॉलर, ERIC); ई-संसाधन (यू-ट्यूब वीडियो, ऑनलाइन कोर्स, विकीहाव, ब्लॉग)

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु जिन अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा है, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया गया है:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य
	1	2	3	4	5	6	7	8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति								
1	X	X	-	-	X	-	-	-
2	X	X	-	-	X	X	-	X
3	X	X	X	X	X	X	X	X
4	X	X	X	X	X	X	X	X
5	X	X	-	-	X	-	-	-
6	X	X	X	-	X	X	-	X
7	X	X	-	-	X	-	-	-

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning)

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#] विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1.	आधार/पाठ्य ग्रंथ	सिंह, ए. के. (2017). <i>मनोविज्ञान, समाजशास्त्र तथा शिक्षा में शोध विधियाँ</i>. दिल्ली: मोतीलाल बनारसीदास Best J.W. (1999). <i>Research in Education</i>, New Delhi: Prentice Hall of India Pvt. Ltd. Kothari, C.R. & Garg, G. (2019). <i>Research Methodology: Methods and techniques</i>. New Delhi: New Age International Publishers. कुमार, आर. (2017). <i>शोध कार्यप्रणाली : आरंभिक शोधकर्ताओं के लिए चरणबद्ध गाइड (चतुर्थ संस्करण)</i>. नई दिल्ली: सेज भाषा. Mangal, S.K. (2010). <i>Statistics in Psychology and Education (2nd Edition)</i>. New Delhi: PHI Publishing Pvt. Ltd.
2.	संदर्भ-ग्रंथ	Bailey, S. (2017). <i>Academic Writing: A Handbook for International Students (5th Ed.)</i>. UK: Taylor & Francis. Kate L. Turabian, Wayne C. Booth, Gregory G. Colomb, Joseph M. Williams (2018). <i>A Manual for Writers of Research Papers, Theses and Dissertations (9th Edition)</i>. USA: The University of Chicago Press.
3.	ई-संसाधन	http://www.scopus.com/ https://scholar.google.co.in/ http://thomsonreuters.com/en/products-services/scholarly-scientific-research/scholarly-search-and-discovery/web-of-science.html http://www.researchgate.net/ http://www.apastyle.org/ https://hi.wikihow.com/%E0%A4%8F%E0%A4%95-%E0%A4%B6%E0%A5%8B%E0%A4%A7%E0%A4%AA%E0%A4%A4%E0%A5%8D%E0%A4%B0-(Research-Paper)-%E0%A4%B2%E0%A4%BF%E0%A4%96%E0%A5%87%E0%A4%82 https://hi.mort-sure.com/blog/difference-between-essay-and-research-paper/ https://www.grammarly.com/blog/how-to-write-a-research-paper/ https://courses.lumenlearning.com/suny-englishcomp2kscope/master/chapter/what-is-research-writing/ https://youtu.be/oX0YjYX4HTU https://www.youtube.com/watch?v=x3aRwGKDsws&t=2s https://www.youtube.com/watch?v=ogPygxnVg-4

1. पाठ्यचर्या का नाम: विज्ञान का उच्च शिक्षणशास्त्र

(Name of the Course) Advanced Pedagogy of Science

1. पाठ्यचर्या का कोड: एमईडीई 02

(Code of the Course)

2. क्रेडिट: 04

(Credit)

4. सेमेस्टर: द्वितीय

(Semester)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	8
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	4
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण:

(Description of the Course)

एम.एड. पाठ्यक्रम में इस पाठ्यचर्या को सम्मिलित करने का प्रयोजन तथा इसका विवरण निम्नवत है :

- **विज्ञान शिक्षा की संकल्पना:** यह इकाई विज्ञान को एक निरंतर गतिशील एवं विस्तृत ज्ञानानुशासन तथा सामाजिक उद्यम के रूप में प्रस्तुत करती है। विज्ञान के अन्य विषयों के साथ अंतर्संबंधों का आलोचनात्मक विश्लेषण करती है तथा विज्ञान शिक्षा के क्षेत्र में उभरते दृष्टिकोण की व्याख्या करती है।
- **विज्ञान पाठ्यक्रम, पाठ्यचर्या सामग्री और अधिगम संसाधन:** यह इकाई विद्यालयी शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर विज्ञान पाठ्यक्रम के निर्माण के विभिन्न दृष्टिकोणों का आकलन प्रस्तुत करती है। विज्ञान में शिक्षण-अधिगम हेतु विभिन्न प्रकार के पाठ्यचर्या सामग्री की रचना तथा विकास की विवेचना करती है।
- **विज्ञान में शिक्षण-अधिगम के उपागम:** यह इकाई विज्ञान में विभिन्न शिक्षण-अधिगम उपागमों, विधियों और रणनीतियों का आलोचनात्मक मूल्यांकन प्रस्तुत करती है। वैज्ञानिक दृश्य और वैज्ञानिक संचार के अंतःक्रियात्मक एवं नवाचारी तरीकों के अनुप्रयोग के लिए अध्येताओं को प्रोत्साहित करती है।
- **विज्ञान शिक्षा में मूल्यांकन:** यह इकाई विज्ञान में सतत और व्यापक मूल्यांकन के लिए विभिन्न वैकल्पिक उपकरणों और तकनीकों की तुलना करती है तथा उनके अनुप्रयोग हेतु अह्येताओं में अंतर्दृष्टि का विकास करती है। विद्यार्थियों की रचनात्मकता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करने में आकलन की भूमिका की व्याख्या करती है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

- विज्ञान की एक निरंतर गतिशील एवं विस्तृत ज्ञानानुशासन तथा सामाजिक उद्यम के रूप में संकल्पना शक्ति।
- विज्ञान के अन्य विषयों के साथ अंतर्संबंधों का आलोचनात्मक विश्लेषण करने की क्षमता।
- विज्ञान शिक्षा के क्षेत्र में उभरते दृष्टिकोण के प्रति सराहना।

- विद्यालयी शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर विज्ञान पाठ्यक्रम के निर्माण के विभिन्न दृष्टिकोणों का आकलन करने की दक्षता |
- विज्ञान में शिक्षण-अधिगम हेतु विभिन्न प्रकार के पाठ्यचर्या सामग्री की रचना तथा विकास की विवेचना करने का सामर्थ्य |
- विज्ञान में विभिन्न शिक्षण-अधिगम उपागमों, विधियों और रणनीतियों का आलोचनात्मक मूल्यांकन करने की दक्षता |
- विज्ञान में सतत और व्यापक मूल्यांकन के लिए विभिन्न वैकल्पिक उपकरणों और तकनीकों की तुलना कर उनके अनुप्रयोग के संदर्भ में निर्णय क्षमता |
- विज्ञान पाठ्यचर्या की योजना, क्रियान्वयन एवं मूल्यांकन की योग्यता |
- विज्ञान में शिक्षण-अधिगम सामग्री तथा मूल्यांकन के विभिन्न माध्यमों के चयन, निर्धारण, निर्माण/विकास एवं उपयोग की दक्षता |
- सामाजिक-सांस्कृतिक, ऐतिहासिक, नैतिक एवं पर्यावरणीय पृष्ठभूमि में विज्ञान शिक्षा को स्थापित करने की क्षमता |

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला (Interaction / Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	विज्ञान शिक्षा की संकल्पना विज्ञान शिक्षा की संकल्पना, प्रकृति और क्षेत्र, विज्ञान में रूपनिर्देशन विस्थापन एवं वैज्ञानिक क्रान्ति की भूमिका, विज्ञान के क्षेत्र में वस्तुनिष्ठता बनाम व्यक्तिनिष्ठता	3	0	0	3	5
मॉड्यूल-2	विज्ञान शिक्षा की तत्वमीमांसीय रूपरेखा: विभिन्न शिक्षा नीति	2	1	1	4	6.66

	दस्तावेजों- राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय, शिक्षा आयोग की रिपोर्ट तथा पाठ्यचर्या रूपरेखा के संदर्भ में, विज्ञान शिक्षा के क्षेत्र में उभरते दृष्टिकोण और अनुसंधान के अवसर					
मॉड्यूल-3	विज्ञान शिक्षा के लक्ष्य और उद्देश्य: विज्ञान-प्रौद्योगिकी-समाज के अन्तःक्षेपण के विशेष संदर्भ में, वैज्ञानिक साक्षरता	3	0	1	4	6.67
मॉड्यूल-4	विज्ञान शिक्षा के लिए अंतरानुशासनिक उपागम का आलोचनात्मक विश्लेषण	2	1	1	4	6.67
मॉड्यूल-5	विज्ञान पाठ्यक्रम, पाठ्यचर्या सामग्री और अधिगम संसाधन विद्यालयी शिक्षा के विभिन्न स्तरों पर विज्ञान पाठ्यक्रम के नियोजन, निर्माण और संगठन के उपागम	3	1	0	4	6.67
मॉड्यूल-6	पाठ्यचर्या सामग्री की रचना तथा विकास जैसे- पाठ्यपुस्तक, कार्यपुस्तिका, शिक्षक पुस्तिका, विज्ञान शिक्षा मार्गदर्शिका, विश्वकोश, शब्दकोश	3	0	1	4	6.67
मॉड्यूल-7	विद्यालय में उपलब्ध अधिगम संसाधन, स्थानीय वातावरण में उपलब्ध अधिगम संसाधन,	2	0	1	3	5

	सामुदायिक संसाधन, वर्ल्ड वाइड वेब अधिगम संसाधन के रूप में; विज्ञान में अन्य पाठ्यचर्या क्रियाकलापों के आयोजन के लिए अधिगम संसाधन					
मॉड्यूल-8	विभिन्न प्रकार की शिक्षण-अधिगम सामग्री जैसे- मुद्रित, श्रव्य, श्रव्य-दृश्य, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया-सूचना एवं संचार तकनीकी, जनसंचार मीडिया	2	1	1	4	6.66
मॉड्यूल-9	विज्ञान में शिक्षण-अधिगम के उपागम विज्ञान में शिक्षण-अधिगम के विभिन्न उपागमों का आलोचनात्मक मूल्यांकन-आगमन उपागम, निगमन उपागम, आगमनात्मक-निगमनात्मक उपागम, पृच्छा उपागम, प्रकरण आधारित उपागम, सामाजिक अधिगम	5	1	1	7	11.67
मॉड्यूल-10	शिक्षण-अधिगम की विभिन्न विधियाँ और रणनीतियों का आलोचनात्मक मूल्यांकन-समन्वित एवं सहयोगात्मक रणनीतियाँ, समस्या-समाधान, परियोजना आधारित अधिगम, अवधारणा मानचित्रण, 5-ई मॉडल, आई.कन.मॉडल, ग्राफिक आयोजक, भूमिका	5	1	2	8	13.33

	मंचन और नाटकीय रूपांतरण					
मॉड्यूल-11	विज्ञान शिक्षा में मूल्यांकन वैकल्पिक आकलन उपकरण और तकनीक- अवलोकन, अवलोकन अनुसूची, रेटिंग स्केल, प्रस्तुतीकरण, पोर्टफोलियो, प्रदत्त कार्य, परियोजना, साक्षात्कार, ध्यान केंद्रित समूह चर्चा, खुली किताब परीक्षा, चिंतनशील और रचनात्मक लेखन, एनेकडोटल रिकॉर्ड आदि	5	1	2	8	13.33
मॉड्यूल-12	विद्यार्थियों की रचनात्मकता और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करना तथा आकलन की तकनीक	2	0	0	2	3.33
मॉड्यूल-13	विज्ञान के क्षेत्र में विभिन्न प्रसंस्करण कौशलों का आकलन, नैदानिक और उपचारात्मक आकलन	3	1	1	5	8.34
योग		40	8	12	60	100

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	● आगमनात्मक ● निगमनात्मक ● निर्माणवादी ● चिंतनशील ● समेकित/एकीकृत ● अंतरानुशासनिक ● सहयोगपूर्ण (collaborative)
विधियाँ	● व्याख्यान सह परिचर्चा ● विचार विमर्श ● सामूहिक परिचर्चा ● प्रस्तुतीकरण ● पैनल चर्चा ● संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	● सहयोगी अधिगम ● पृच्छा-आधारित अनुदेशन एवं अधिगम ● व्यष्टि अध्ययन ● केन्द्रित समूह चर्चा ● फ्लिपड कक्षा-कक्ष ● विभेदित अनुदेशन ● कम्प्यूटर सहायित अनुदेशन
उपादान	● पावर पॉइंट प्रस्तुति, ● ऑनलाइन कक्षा (गूगल क्लासरूम, गूगल मीट) ● ई-संसाधन ● शोध पत्र ● स्मार्टबोर्ड

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित जिन अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा है, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया गया है :

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
1.	X	X			X		X	X
2.	X	X	X	X	X	X	X	X
3.	X	X			X		X	X
4.	X	X	X	X	X	X	X	X
5.	X	X	X	X	X	X	X	X
6.	X	X	X	X	X	X	X	X
7.	X	X	X	X	X	X	X	X
8.	X	X	X	X	X	X	X	X
9.	X	X	X	X	X	X	X	X
10.	X	X	X	X	X	X	X	X

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#] विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	● Focus Group Report on Teaching of

		Science (2005). NCERT: New Delhi. ● कुलश्रेष्ठा, सिंह तथा गिल (2008). जीव विज्ञान शिक्षण. आर. लाल. बुक डिपो: मेरठ। ● भौतिक विज्ञान का शिक्षणशास्त्र (2013). एन.सी.ई.आर.टी.: दिल्ली। ● मंगल, एस. के. (2011). जीव विज्ञान शिक्षण. आर्य बुक डिपो: नई दिल्ली। ● शर्मा एवं प्रजापति (2010). विज्ञान शिक्षण. साहित्यागार: जयपुर।
2	संदर्भ-ग्रंथ	● National Curriculum Framework (2005). NCERT: New Delhi. ● Chalmers, A. (1999). What is the thing called science. 3rd Ed. Open University Press: Buckingham. ● Edwards, A.L., (1957). Techniques of Attitudes Scale Construction. New York
3	ई-संसाधन	● www.swayam.gov.in ● http://nmeict.detsndt.ac.in/ ● https://ncte.gov.in/Website/OER.aspx

1. पाठ्यचर्या का नाम: सामाजिक विज्ञान का उच्च शिक्षणशास्त्र

(Name of the Course): Advanced Pedagogy of Social Science

2. पाठ्यचर्या का कोड (Code of the Course): एमईडीई02

3. क्रेडिट (Credit): 04 क्रेडिट

4. सेमेस्टर (Semester): द्वितीय

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of the Course):

एम.एड. पाठ्यक्रम में इस पाठ्यचर्या को सम्मिलित करने का प्रयोजन एवं विवरण निम्नवत है:

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	6
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	7
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	7
कुल क्रेडिटघंटे	60

- **सामाजिक विज्ञान की प्रकृति:** यह इकाई वर्तमान में सामाजिक विज्ञान में चल रही बहस, स्कूल के विभिन्न स्तरों पर सामाजिक विज्ञान के लक्ष्य तथा विद्यार्थियों में समाज के प्रति विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण का विकास करती है।
- **विद्यार्थियों में सामाजिक वास्तविकता की समझ का विकास:** स्कूल में सामाजिक विज्ञान के पाठ्यचर्या की आलोचनात्मक समीक्षा: सामाजिक विज्ञान ज्ञानानुशासन की गहन करती है और सामाजिक वास्तविकता की जाँच पड़ताल के लिए अन्तःविषयक लेंस के विकास की समालोचना करती है।
- **सामाजिक विज्ञान की माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्तर की पाठ्यचर्या:** यह इकाई सामाजिक विज्ञान की विशिष्ट अवधारणाओं को पढ़ाने के लिए पाठ्यक्रम की संरचना तथा निर्माण की प्रक्रिया पर चर्चा करती है तथा स्कूल में सामाजिक विज्ञान के पाठ्यचर्या की आलोचनात्मक समीक्षा करती है। यह माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्तर की पाठ्यचर्या के निर्माण में सामाजिक विज्ञान के विभिन्न ज्ञानानुशासन की भूमिका को भी प्रस्तुत करती है।
- **माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक स्तर पर सामाजिक विज्ञान के शिक्षण का सन्दर्भ:** यह इकाई विभिन्न आय समूहों के लिए सामाजिक विज्ञान पाठ्यचर्या के विभिन्न दृष्टिकोणों का तुलनात्मक अध्ययन करने के लिए अध्येताओं को प्रेरित करती है तथा विभिन्न स्कूलों में पढ़ाई जाने वाली सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तकों का विश्लेषण करती है।
- **माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्तर की पाठ्यचर्या के निर्माण में सामाजिक विज्ञान के विभिन्न ज्ञानानुशासन की भूमिका:** यह इकाई राष्ट्र-राज्य की आवश्यकता व नागरिकता की अवधारणा और 19वीं और 20वीं शताब्दी में नागरिक शास्त्र का दायरा तथा सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में अन्य विषयों के साथ नागरिक शास्त्र के अंतर्संबंध को प्रस्तुत करती है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes):

इस पाठ्यचर्या के अध्ययन के उपरान्त अध्येता निम्नलिखित अधिगम परिणाम प्राप्त करने में सक्षम होंगे-

1. स्कूल में सामाजिक विज्ञान की पाठ्यचर्या और शिक्षणशास्त्र और उसके चारों ओर जो भी बहस हो उसमें आलोचनात्मक समझ का विकास।
2. सामाजिक विज्ञान ज्ञानानुशासन की गहन विश्लेषणात्मक समझ का विकास तथा सामाजिक वास्तविकता की जाँच पड़ताल के लिए अन्तःविषयक अंतर्दृष्टि का विकास।

3. सामाजिक विज्ञान की विशिष्ट अवधारणाओं को पढ़ाने के लिए, चाहे वह विषय से जुड़ी हों या अन्तःविषय से, पाठ्यक्रम और पाठ्यसामग्री के विकास की दक्षता।
4. सामाजिक विज्ञान पाठ्यचर्या के विभिन्न दृष्टिकोणों के तुलनात्मक अध्ययन की दक्षता।
5. राष्ट्र-राज्य की आवश्यकता व नागरिकता की अवधारणा और 19वीं और 20वीं शताब्दी में नागरिक शास्त्र का दायरा तथा सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में अन्य विषयों के साथ नागरिक शास्त्र के अंतर्संबंध का बोध।
6. कक्षा-कक्ष शिक्षण के दौरान निर्माणवादी उपागम का अनुप्रयोग करने की क्षमता।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course):

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्या न	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.... (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	सामाजिक विज्ञान की प्रकृति - स्थानिक, अस्थायी और अर्थव्यवस्था के आयाम - वर्तमान में सामाजिक विज्ञान में चल रही बहस - स्कूल के विभिन्न स्तरों पर सामाजिक विज्ञान के लक्ष्य : भारतीय राष्ट्र और भारतीय समाज के व्यापकसंदर्भ में सामाजिक विज्ञान की शिक्षा की भूमिका का स्थिति निर्धारण	8	2	2	12	20

	- विद्यार्थियों में संवैधानिक मूल्यों और समानता के लिए प्रतिबद्धता, सामाजिक न्याय, विविधता, स्वतंत्रता, बंधुत्व और नागरिकता के विकास में साजिक विज्ञान विषय की भूमिका - विद्यार्थियों में तात्कालिक सामाजिक सन्दर्भ और व्यापक सामाजिक वास्तविकता की समझ के विकास में सामाजिक विज्ञान की भूमिका - विद्यार्थियों में समाज के प्रति विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण का विकास सामाजिक, परिवर्तन और सामाजिक न्याय की अभिव्यक्ति					
माँड्यूल-2	विद्यार्थियों में सामाजिक वास्तविकता की समझ का विकास आयु के अनुसार	8	2	2	12	20

	अवधारणाओं का विकास- सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनितिक, आर्थिक परिस्थिति में विद्यार्थी किस प्रकार सामाजिक घटनाएं और अवधारणाओं को समझते हैं इसका अनुभवजन्य अध्ययन - सामाजिक विज्ञान की दैनिक अवधारणाओं की अमूर्त समझ - विद्यार्थियों की संकल्पना की समझ और सामाजिक विज्ञान अध्यापन और पाठ्यक्रम के लिए संज्ञानात्मक प्रक्रियाओं को समझने के महत्व					
मॉड्यूल-3	सामाजिक विज्ञान की माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्तर की पाठ्यचर्या पाठ्यक्रम का चयन और निर्माण, ज्ञान, विचारधारा, राज्य सत्ता, ज्ञान निर्माण की राजनीति, पितृसत्ता, विविधता	8	2	2	12	20

	और पाठ्यचर्या में सम्बन्धों की जाँच पड़ताल - स्कूल में सामाजिक विज्ञान के पाठ्यचर्या की आलोचनात्मक समीक्षा: राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा 1975, 1988, 2000 और 2005, इसके साथ पोजीशन पेपर, सामाजिक विज्ञान की पाठ्यचर्या के सम्बन्ध में राष्ट्रीय नीतियों और आयोग के दस्तावेजों की आलोचनात्मक समीक्षा - माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्तर पर सामाजिक विज्ञान के किसी एक डोमेन का विस्तृत ऐतिहासिक और तत्कालीन अध्ययन: इतिहास, राजनीति विज्ञान, भूगोल, अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र					
मॉड्यूल-4	माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक स्तर पर सामाजिक	8	2	2	12	20

	विज्ञान के शिक्षण का सन्दर्भ विभिन्न आय समूहों के लिए सामाजिक विज्ञान पाठ्यचर्या के विभिन्न दृष्टिकोणों का तुलनात्मक अध्ययन, विभिन्न स्कूलों में पढाई जाने वाली सामाजिक विज्ञान की पाठ्यपुस्तकों का विश्लेषण, भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश के समान अतीत को इतिहास के पाठ्यचर्या में किस प्रकार पढाया जाता है, जर्मनी और पोलैंड का इतिहास (नाजी जर्मनी का काल) कक्षा में टेक्स्ट को किस प्रकार पढाया जा रहा है इसके समझ का विकास					
मॉड्यूल 5	माध्यमिक और उच्च माध्यमिक स्तर की पाठ्यचर्या के निर्माण में सामाजिक विज्ञान के विभिन्न ज्ञानानुशासन की भूमिका राष्ट्र-राज्य की आवश्यकता, नागरिकता की अवधारणा और 19वीं और 20वीं शताब्दी में	8	2	2	12	20

	नागरिक शास्त्र का दायरा, समकालीन समय में नागरिक-राज्य गतिशीलता में विकास, सामाजिक विज्ञान के क्षेत्र में अन्य विषयों के साथ नागरिक शास्त्र के अंतर्संबंध, नागरिक शास्त्र के दायरे के विस्तार में सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक दृष्टिकोण, नागरिक जीवन और राज्य संस्था व गैर राज्य संस्था के बीच सम्बन्ध					
योग		40	10	10	60	100

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	1. निर्माणवादी उपागम 2. आगमनात्मक उपागम 3. निगमनात्मक उपागम 4. एकीकृत उपागम 5. चिंतशील 6. अंतरानुशासनिक 7. सहयोगपूर्ण 8. ब्लेंडेड अधिगम उपागम
विधियाँ	1. दार्शनिक चिंतन 2. व्याख्यान-सह चर्चा 3. सहयोगात्मक अधिगम 4. ऐतिहासिक विधि 5. पृच्छा आधारित अधिगम 6. संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण

तकनीक	1. शोध आलेखों की समीक्षा 2. संगोष्ठी/परिचर्चा 3. व्यष्टि अध्ययन 5. व्याख्यान-सह-चर्चा 6. केंद्रित समूह चर्चा 7. परियोजना कार्य एवं प्रस्तुतीकरण 8. वृत्तिक विकास हेतु प्रयोग में लाई जानेवाली विभिन्न सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी उपकरण का आई.सी.टी. प्रयोगशाला में अभ्यास
उपादान	1. पावर पॉइंट प्रस्तुति 2. ऑनलाइन क्लास (गूगल क्लासरूम, गूगल मीट) 3. लैपटाप 4. प्रोजेक्टर 5. स्मार्टबोर्ड 6. शोध पत्र; ई-संसाधन (यू-ट्यूब वीडियो, ऑनलाइन कोर्स, ब्लॉग, गूगल बुक्स, विकिबुक्स)

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित जिन अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा है, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया गया है:

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति								
1	X	X	X	X	X	X	X	X
2	X	X	X	-	X	X	X	X
3	X	X	X	X	X	X	X	X
4	X	X	-	X	-	X	X	-
5	X	X	X	-	X	X	-	X
6	X	X	X	-	X	-	-	X

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning)

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय- पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	- MHRD, Gov. of India (1992), National Policy on Education (revised) New Delhi. - MHRD, (1992), Programme of Action. Govt. of India, New Delhi. - Report of the Education Commission (1964-66). - Report of the National Commission on Teachers (1983-85). - Report of the Delors Commission, UNESCO, 1996 - National Policy on Education 1986/1992. - National Curriculum Framework (2005, 2009, 2014). - NCTE Regulations 2009, 2014
2	संदर्भ-ग्रंथ	- Batra, P. (Ed 2010). Social Science Learning in Schools: Perspective and Challenges. Sage Publications India Pvt. Ltd. New Delhi. - George, A., M. & Madan, A. (2009). Teaching Social Science in Schools. Sage Publications India Pvt. Ltd. New Delhi.

		● Hamm, B. (1992). Europe – A Challenge to the Social Sciences. International Social Science Journal (vol. 44). ● Haralambos, M. (1980). Sociology Themes and Perspectives. New York. O.U.P. ● Mayor, F. (1992). The Role of the Social Sciences in a changing Europe. International Social Science Journal (vol. 44). ● Popper, Karl. (1971). The Open Society and its Enemies. Princeton University Press. ● Prigogine, I., & Stengers I. (1984). Order Out of Chaos: Man's New Dialogue with Nature. Batnam Books. ● Wagner, P. (1999). The Twentieth Century – the Century of the Social Sciences? World Social Science Report. ● Wallerstein, I, et al., (1996). Open The Social Sciences: Report of the Gulbenkian commission on the Restructuring of the Social Sciences. Vistaar Publications, New Delhi. ● Williams, M. (2000). Science and Social Science: An introduction. Routledge, London and New York.
3	ई-संसाधन	● www.swayam.gov.in ● http://nmeict.detsndt.ac.in/ ● https://ncte.gov.in/Website/OER.aspx

1. पाठ्यचर्या का नाम: भाषा का उच्च शिक्षणशास्त्र

Name of the Course: Advanced Pedagogy of Language

2. पाठ्यचर्या का कोड (Code of the Course): एमईडीई02

3. क्रेडिट (Credit): 4 क्रेडिट

4. सेमेस्टर (Semester): द्वितीय

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of the Course):

एम.एड. पाठ्यक्रम में इस पाठ्यचर्या को सम्मिलित करने का प्रयोजन एवं विवरण निम्नवत है:

- **भाषा अधिगम:** यह इकाई अधिगमकर्ता को भाषा की प्रकृति एवं महत्व, भाषा अधिगम को प्रभावित करने वाले कारक व भारत में बहुभाषावाद से परिचित कराती है।
- **भाषा के प्रसार के लिए अभिकरण:** यह इकाई अधिगमकर्ता को भाषा के प्रचार में विश्वविद्यालयों, राज्य शैक्षिक, अनुसन्धान एवं प्रशिक्षण केंद्र, क्षेत्रीय शिक्षण संस्थान के योगदान का बोध कराती है।
- **भाषा शिक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान:** यह इकाई भाषा अनुसंधान के विभिन्न क्षेत्र, भाषा और पाठ्यक्रम, बहुभाषावाद को, विशेष समूहों के लिए पाठ्यक्रम को अधिगमकर्ता के समक्ष, बढ़ावा देने के लिए विधि और सामग्री प्रस्तुत करती है।
- **भाषा पाठ्यक्रमनियोजन और मूल्यांकन, :** यह इकाई पाठ्यचर्या और पाठ्यक्रम का प्रारूप, संकल्पना एवं प्रकार, नियोजन के प्रकार जैसे वार्षिक नियोजन, शिक्षण कौशल, पाठ नियोजन, इकाई नियोजन, पोर्टफोलियो (Portfolio), रूब्रीक्स को समीक्षात्मक (Rubric) विवरण के रूप में प्रस्तुत करती है।

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	6
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	7
कौशल विकास गतिविधियाँ	7
कुल क्रेडिट घंटे	60

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning the Outcomes):

इस पाठ्यचर्या के अध्ययन के उपरान्त अध्येता निम्नलिखित अधिगम परिणाम प्राप्त करने में सक्षम होंगे-

1. भाषा की प्रकृति एवं महत्व, भाषा अधिगम को प्रभावित करने वाले कारक व भारत में बहुभाषावाद का बोध।
2. भाषा के प्रचार में विश्वविद्यालयों, राज्य शैक्षिक अनुसन्धान एवं प्रशिक्षण केंद्र, क्षेत्रीय शिक्षण संस्थान के योगदान का विश्लेषण करने का कौशल।
3. भाषा अनुसंधान के विभिन्न क्षेत्र; भाषा और पाठ्यक्रम, बहुभाषावाद को बढ़ावा देने के लिए विधि और सामग्री, विशेष समूहों के लिए पाठ्यक्रम का बोध।
4. पाठ्यचर्या और पाठ्यक्रम का प्रारूप, संकल्पना एवं प्रकार, नियोजन के प्रकार : वार्षिक नियोजन, इकाई नियोजन, पाठ नियोजन, शिक्षण कौशल, पोर्टफोलियो (Portfolio), रूब्रीक्स (Rubric) का समीक्षात्मक विवरण करने की क्षमता।

5. अधिगमकर्ता के परिवेश से सम्बंधित प्रदत्तों को एकत्रित करने एवं विवेचना करने की क्षमता |

6. कक्षा-कक्ष शिक्षण के दौरान निर्माणवादी उपागम का अनुप्रयोग करने की क्षमता |

7. समूह गतिशीलता के विभिन्न पक्षों को समझने हेतु समूह अध्ययन के लिए तत्परता |

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course):

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	भाषा अधिगम - भाषा की प्रकृति एवं महत्व - भाषा अधिगम को प्रभावित करने वाले कारक - भारत में बहुभाषावाद - भाषा विज्ञान का अर्थ, प्रकार एवं प्रासंगिकता। - संवैधानिक प्रावधान और	10	2	3	15	25

	भाषा की शिक्षा की नीतियां (अनुच्छेद : 343- 351), त्रिभाषा सूत्र - भाषा विकास के मुख्य अवधारणाओं का सूक्ष्म परिक्षण- चोमस्की - भाषा अधिग्रहण डिवाइस (LAD), पियाजे- संज्ञानात्मक रचनावाद और भाषा, व्यागोस्की- भाषा सीखने के सामाजिक- सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य, शिक्षण विधि के विकास में इन सिद्धांतों का उपयोग - भाषा शिक्षण के लिए पाठ्य सहगामी गतिविधियां -					

	निबंध, भाषण, वाद- विवाद, नाटक, शब्द का खेल, प्रश्नोत्तरी आदि संज्ञानात्मक उन्नत भाषा प्रवीणता (CALP)					
मॉड्यूल-2	भाषा के प्रसार के लिए अभिकरण - भाषा के प्रचार में विभिन्न संस्थाओं और विश्वविद्यालयों का योगदान - सरकारी - गैर-सरकारी - भारत और विदेश में भाषाविद् - भाषा के क्षेत्र में पुरस्कार एवं सम्मान - भाषा में प्रिंट मीडिया - भाषा शिक्षण के मुक्त संस्थान: इग्नू, सीफेल, नेशनल बुक ट्रस्ट (एनबीटी),	10	2	3	15	25

	महाराष्ट्र साहित्य परिषद्, वैश्विक मराठी परिषद्, मराठी अभ्यास परिषद्, मराठी विकास परिषद् भाषा अध्यापक शिक्षा संस्थान : सीफेल, संस्कृत शिक्षण संस्थान, महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, राज्य शैक्षिक अनुसन्धान एवं प्रशिक्षण केंद्र, क्षेत्रीय शिक्षण संस्थान					
मॉड्यूल-3	भाषा शिक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान - भाषा शिक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान : प्रचलन, अंतराल, प्राथमिकताएं - भाषा अनुसंधान के विभिन्न क्षेत्र ; भाषा और पाठ्यक्रम, बहुभाषावाद को बढ़ावा देने	10	2	3	15	25

	के लिए विधि और सामग्री , विशेष समूहों के लिए पाठ्यक्रम में विकल्प आदि - भाषा में अनुसंधान के मनोवैज्ञानिक, सामाजिक और दार्शनिक आधार - शाब्दिक आलोचना की तकनीक - सूचना और संचार प्रौद्योगिकी एवं भाषा					
मॉड्यूल-4	भाषा पाठ्यक्रम, नियोजन और मूल्यांकन - पाठ्यचर्या और पाठ्यक्रम का प्रारूप : संकल्पना एवं प्रकार - नियोजन के प्रकार : वार्षिक नियोजन, इकाई	10	2	3	15	25

	नियोजन, पाठ नियोजन ● शिक्षण कौशल ● आधुनिक भाषा मूल्यांकन प्रणाली एवं विभिन्न परीक्षाएं, पोर्टफोलियो(Portfolio), रू ब्रीक्स (Rubric) ● परीक्षण के प्रकार: अभिवृत्ति परीक्षण, निकष-संदर्भ परीक्षण, सर्वसामान्य प्रमाण संदर्भ परीक्षण ● उद्देश आधारित मूल्यांकन के लिए प्रश्न पत्र की निर्माण, दक्षता आधारित मूल्यांकन एवं विषय वस्तु आधारित					

	मूल्यांकन - उपलब्धि परीक्षण का निर्माणप्रश्न , पत्र के ब्लू प्रिंट का निर्माण - सतत एवं व्यापक मूल्यांकन एवं ग्रेडिंग प्रणाली					
योग		40	8	12	60	100

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	1.निर्माणवादी उपागम 2. आगमनात्मक उपागम 3.निगमनात्मक उपागम 4. एकीकृत उपागम 5.चिंतशील, 6.अंतरानुशासनिक 7.सहयोगपूर्ण 8. ब्लेंडेड अधिगम उपागम
विधियाँ	1.दार्शनिक चिंतन 2. व्याख्यान-सह चर्चा 3. सहयोगात्मक अधिगम 4. ऐतिहासिक विधि 5. पृच्छा आधारित अधिगम 6.संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	1.शोध आलेखों की समीक्षा 2. संगोष्ठी/परिचर्चा 3.व्यष्टि अध्ययन

	5. व्याख्यान-सह-चर्चा 6. केंद्रित समूह चर्चा 7. परियोजना कार्य एवं प्रस्तुतीकरण 8. वृत्तिक विकास हेतु प्रयोग में लाई जानेवाली विभिन्न सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी उपकरण का आई.सी.टी. प्रयोगशाला में अभ्यास
उपादान	1. पावर पॉइंट प्रस्तुति 2. ऑनलाइन क्लास (गूगल क्लासरूम, गूगल मीट) 3. लैपटाप 4. प्रोजेक्टर 5. स्मार्टबोर्ड 6. शोध पत्र; ई-संसाधन (यू-ट्यूब वीडियो, ऑनलाइन कोर्स, ब्लॉग, गूगल बुक्स, विकिबुक्स)

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित जिन अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा है, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया गया है:

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति								
1	X	X	X	X	X	X	X	X
2	X	X	X	-	X	X	X	X
3	X	X	X	X	X	X	X	X
4	X	X	X	-	-	-	-	X
5	X	X	X	X	X	X	X	X

6	X	X	-	-	X	-	-	-
7	X	X	X	X	X	-	-	X

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning)

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय- पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	● MHRD (1992), National Policy on Education (Revised). New Delhi, MHRD, Govt. of India ● MHRD, (1992). Programme of action. Govt. of India, New Delhi. ● Report of the Education Commission (1964-66). ● Report of National Commission on Teachers (1983-85). ● Report of the Delors Commission, UNESCO, 1996 ● National Policy on Education 1986/1992. ● National Curriculum Framework (2005, 2009, 2014). ● NCTE Regulations 2009, 2014

2	संदर्भ-ग्रंथ	● Bennett, W.A. (1969) Aspects of Language and Language Teaching, London, Cambridge University Press ● Britton, James (1973), Language and Learning, England. Penguin Books ● Brooks, Nelson (1964), Language and Language Learning, , New York, Harcourt Brace & world, INC. ● Byrnes (2006), Advanced Language Learning: The contribution of Halliday and Vygotsky, Continuum International Publishing Group ● Chomsky Noam (2003) On language, Penguin Books , India ● Crystal, David (1987), The Cambridge Encyclopedia of Language, New York, Cambridge University Press ● Gleason, J. Berko (Ed.) (1993) The Development of Language, New York, Macmillan ● Halliday (1968) The Linguistics, Science and Language Teaching, London, Longmans ● Krashen, Stephen (1988), Second Language Acquisition and Second Language Learning, Prentice Hall International ● Lyons, John (1981) Language and Linguistics- An Introduction, New York, Cambridge University Press ● Simon, Green (Ed.) New Perspectives in Teaching and Learning Modern Languages Multilingual Matters, Frankfurt Lodge, Clevedon Hall, Victoria Road, U.K. ● Vygotsky, L.S. (1978), Mind and Society, Cambridge, M.A: The MIT Press ● Yule, George (1985), The Study of Language, New York, Cambridge University Press ● चतुर्वेदी शिखा, हिन्दी शिक्षण, आर0 लाल बुक डिपो, मेरठ.

		● जोशी सुषमा, हिन्दी भाषा शिक्षण, आलोक प्रकाशन, अमीनावाद, लखनऊ. ● पाण्डे रामशकल, हिन्दी शिक्षण, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा. ● क्षत्रिय के, मातृभाषा शिक्षण, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा. ● भाई जोगेन्द्रजीत, , हिन्दी शिक्षण, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा. ● तीवारी भोलानाथ, भषा विज्ञान, चौखम्बा प्रकाशन, वारणासी. ● शर्मा लक्ष्मनारायण, सिंह फतेह, संस्कृतशिक्षण नवीन प्रविधयःआदित्यप्रकाशन,जयपुर. ● मित्तल,संतोष,संस्कृतशिक्षणम, नवचेतना पब्लिकेशन्स,जयपुर. ● सफाया रघुनाथ,संस्कृतशिक्षण, हरियाणा ग्रन्थ अकादमी. ● विश्वासः,कौशलबोधिनि, संसकृत भारती, दिल्ली. ● शर्मा मुरलीधर, संस्कृत शिक्षण समस्या, रा.सं.सं विद्यापीठ, तिरुपति. ● सिंह कर्ण, संस्कृतशिक्षण विधि,एच्. पि.भार्गव बुक सेंटर, आगरा. ● चौवे विजयनारायण, संस्कृत शिक्षण विधि, उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान,लखलऊ.
3	ई-संसाधन	● www.swayam.gov.in ● http://nmeict.detsndt.ac.in/ ● https://ncte.gov.in/Website/OER.aspx

1. पाठ्यचर्या का नाम: गणित का उच्च शिक्षणशास्त्र

(Name of the Course): Advanced Pedagogy of Mathematics

2. पाठ्यचर्या का कोड (Code of the Course): एमईडीई 02

3. क्रेडिट (Credit): 4 क्रेडिट 4. सेमेस्टर (Semester): द्वितीय

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of the Course):

एम.एड. पाठ्यक्रम में इस पाठ्यचर्या को सम्मिलित करने का प्रयोजन एवं विवरण निम्नवत है:

- **गणित का विकास, महत्त्व और सार्थकता:** यह इकाई गणित के अर्थ, क्षेत्र एवं प्रकृति का वर्णन करती है तथा विद्यालयी पाठ्यचर्या में गणित विषय के स्थान एवं महत्त्व की समीक्षा करती है। यह गणितीय तर्क की प्रक्रिया का वर्णन करती है तथा गणितीय संरचना निर्माण और प्रमाण विषय पर व्यापक रूप से चर्चा करती है।
- **पाठ्यक्रम और गणित:** यह इकाई गणितीय संप्रत्ययों के सीखने के सिद्धांतों तथा माध्यमिक स्तर पर गणित पाठ्यक्रम के विकास के सिद्धांतों की विवेचना करती है। यह वर्तमान में विद्यालय स्तर पर गणित के पाठ्यक्रम की समस्याओं एवं चुनौतियों पर गहराई से प्रकाश डालती है।
- **गणित सीखने के दार्शनिक आधार:** यह इकाई गणित सीखने के दार्शनिक आधार पर व्यापक रूप से चर्चा करती है तथा गणितीय ज्ञान एवं चिंतन से संबंधित विभिन्न वैचारिक समूहों के चिंतन का विश्लेषण करती है। यह गणित सीखने के संज्ञानात्मक एवं निर्माणवादी परिप्रेक्ष्य की समालोचना भी करती है।
- **गणित शिक्षण में शोध:** यह इकाई गणित शिक्षण के क्षेत्र में शोध के वर्तमान परिदृश्य को उजागर करती है तथा गणित विषय के शिक्षक के ज्ञान और विश्वास तथा गणितीय चिंतन के संवर्धन में उनकी भूमिका की समीक्षा करने हेतु अध्येताओं को प्रेरित करती है।

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	6
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	7
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	7
कुल क्रेडिट घंटे	60

6. अपेक्षित पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes):

इस पाठ्यचर्या के अध्ययन के उपरान्त अध्येता-

1. गणित की एक अनुशासन के रूप में समीक्षा कर सकेंगे।
2. सामूहिक चर्चा में सहभागिता करते हुए गणित शिक्षण के लिए निर्माणवादी पद्धति की उपादेयता का मूल्यांकन कर सकेंगे।
3. अनुकरणीय शिक्षण के माध्यम से विभिन्न गणितीय संप्रत्ययों के शिक्षण-अधिगम हेतु गणित शिक्षण की विभिन्न विधियों का अनुप्रयोग कर सकेंगे।
4. आगमन और गणितीय आगमन के मध्य अंतर कर सकेंगे।
5. गणित शिक्षण के विभिन्न दार्शनिक पहलुओं का आलोचनात्मक विश्लेषण कर सकेंगे।
6. सामूहिक गतिविधि/परियोजना कार्य के माध्यम से गणितीय मॉडल का प्रयोग करते हुए वास्तविक जीवन की समस्याओं को हल कर सकेंगे।
7. कार्यशाला के माध्यम से गणित शिक्षण के क्षेत्र में समकालीन शोध विमर्शों पर विचारशील चिंतन कर सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course):

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..... (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	इकाई-1: गणित का विकास, महत्त्व और सार्थकता गणित का अर्थ, क्षेत्र एवं प्रकृति तथा पाठ्यचर्या में गणित का स्थान गणित का अर्थ, क्षेत्र और प्रकृति, गणित में सौंदर्य सिद्धांत, पाठ्यचर्या में गणित का स्थान और महत्त्व, गणितीय तर्क: सामान्यीकरण की प्रक्रिया, पैटर्न की पहचान, निगमन तर्क विधि, गणितीय आगमन तर्क की विधि	5	1	1	7	11.67%
मॉड्यूल-2	इकाई-1: गणित का विकास, महत्त्व और सार्थकता गणितीय संरचना एवं प्रमाण गणितीय संरचना का निर्माण: स्वयंसिद्धियाँ, अभिगृहीतियाँ और प्रमाण: प्रमाण की	5	1	2	8	13.33%

	विभिन्न विधियाँ: प्रत्यक्ष, अप्रत्यक्ष, विपरीत उदाहरण और आगमन के द्वारा प्रमाण, गणित शिक्षण में परावर्ती शिक्षण पद्धतियाँ					
मॉड्यूल-3	इकाई-2: पाठ्यक्रम और गणित गणितीय संप्रत्ययों को सीखने में अधिगम सिद्धांत गणितीय संप्रत्ययों को सीखने में विकासात्मक क्रम से:- पियाजे, ब्रुनर, व्यगोत्स्की का अंतर्दृष्टि चिंतन गणित	5	1	2	8	13.33%
मॉड्यूल-4	इकाई-2: पाठ्यक्रम और गणित गणितीय पाठ्यचर्या के विकास के सिद्धांत, माध्यमिक स्तर पर गणित का पाठ्यक्रम, राष्ट्रीय/राज्य स्तर पर वर्तमान गणित पाठ्यक्रम की समस्याएँ और चुनौतियाँ तथा इसके सुधार पर समीक्षात्मक मूल्यकरण, ज्ञान की सत्ता एवं राजनीति	5	-	2	7	11.67%
मॉड्यूल-5	इकाई-3: गणित सीखने के दार्शनिक आधार गणित का दार्शनिक आधार एवं विभिन्न वैचारिक चिंतन	5	1	2	8	13.33%

	गणित का दार्शनिक आधार: ज्ञानमीमांसीय और सत्ता मीमांसीय आधार, विभिन्न वैचारिक समूहों का चिंतन: तर्कवाद, रीतिवाद, प्लेटोनिज्म और अन्य					
मॉड्यूल-6	इकाई-3: गणित सीखने के दार्शनिक आधार गणित सीखने के परिप्रेक्ष्य संज्ञानवाद और निर्माणवाद के परिप्रेक्ष्य में गणित, गणित समझने के सामाजिक- सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य, विद्यालयी गणित विषय के ज्ञान का विद्यालय में और विद्यालय के बाहर अनुप्रयोग के चिंतन का विकास	5	-	2	7	11.67%
मॉड्यूल-7	इकाई-4: गणित शिक्षण में शोध की प्रवृत्ति एवं गणित विषय के शिक्षक की भूमिका गणित शिक्षण में शोध प्रवृत्तियाँ गणित शिक्षण के क्षेत्र में शोध का वर्तमान परिदृश्य, गणित शिक्षण शोध में समकालीन और उद्गामी समस्याएँ, गणित शिक्षण में नीति-निर्माण, गणित शिक्षण और विद्यार्थी के सीखने से	5	1	2	8	13.33%

	संबंधित शोध					
मॉड्यूल-8	इकाई-4: गणित शिक्षण में शोध एवं गणित विषय के शिक्षक की भूमिका गणितीय चिंतन के संवर्धन में गणित विषय के शिक्षक की भूमिका गणित अनुशासन के विषय में शिक्षक का ज्ञान और विश्वास तथा कक्षा में गणितीय चिंतन को बढ़ावा देने में उनकी भूमिका, शिक्षक का विषय ज्ञान और उसका शैक्षणिक निर्णय पर प्रभाव	5	1	1	7	11.67%
योग		40	6	14	60	100%

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	निर्माणवादी उपागम, आगमनात्मक उपागम, निगमनात्मक उपागम, ब्लेंडेड अभिगम उपागम
विधियाँ	व्याख्यान-सह चर्चा, सहयोगात्मक अधिगम, पृच्छा आधारित अधिगम, अनुकरणीय शिक्षण, दल शिक्षण
तकनीक	व्याख्यान-सह-चर्चा सामूहिक विचार- विमर्श कृत्रिम वातावरण में गणित शिक्षण-विधियों के अनुप्रयोग का अभ्यास निर्माणवादी गणित शिक्षण हेतु पाठ्यचर्या सामग्री के निर्माण विषय पर कार्यशाला परियोजना कार्य तथा प्रस्तुतीकरण व्यष्टि अध्ययन विद्यार्थी संगोष्ठी के माध्यम से विभिन्न शोध पत्रों का संदर्भ लेते हुए गणित शिक्षण के क्षेत्र में समकालीन शोध विमर्शों पर चर्चा गूगल क्लासरूम के माध्यम से ट्यूटोरियल एवं ऑनलाइन चर्चा

उपादान	पावर पॉइंट प्रस्तुति; ऑनलाइन क्लास (गूगल क्लासरूम, गूगल मीट); शोध डाटाबेस (रिसर्च गेट, गूगल स्कॉलर, ERIC); ई-संसाधन (यू-ट्यूब वीडियो, ऑनलाइन कोर्स, ब्लॉग, स्लाइड शेयर, ई-बुक)

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित जिन अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा है, उसका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया गया है:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य
	1	2	3	4	5	6	7	8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति								
1	X	X	-	-	X	-	-	-
2	X	X	X	-	X	X	-	X
3	X	X	X	-	X	X	-	X
4	X	X	-	-	X	-	-	-
5	X	X	X	-	X	-	-	X
6	X	X	X	X	X	X	X	X
7	X	X	X	-	X	X		X

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning)

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#] विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	भाटिया, के. एवं कुमुद (2014). <i>गणित शिक्षण</i> . जालंधर: अमित प्रकाशन. Kulshrestha, A.K. (2007). <i>Teaching of Mathematics</i> . Meerut: R.Lal Book Depot. Mangal, S.K. (2007). <i>Teaching of Mathematics</i> , New Delhi: Arya Book Depot. Vygotsky, M. (2004). <i>Mathematical Handbook- Elementary Mathematics</i> . India: CBS Publishers and Distributors. राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद् (2006). <i>गणित शिक्षण पर राष्ट्रीय फोकस समूह चर्चा पत्र</i> . नई दिल्ली: मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार.
2	संदर्भ-ग्रंथ	Baw, G.R. and George, L.U. (1976). <i>Helping Children Learn Mathematics-A Competency Based Laboratory Approach</i> . California: Cummings Publishing Co. Boyer, C. B. (1968). <i>History of Mathematics</i> . New York: John Wiley. Devlin, K. (1997). <i>Mathematics: The science of patterns</i> . New York: Scientific American Library. Devlin, K. (2011). <i>Mathematics education for a new era: Video games</i>

		as a medium for learning. Natick, MA: A. K. Peters. Devlin, K. (2012). <i>Introduction to mathematical thinking</i>. Palo Alto, CA: Keith Devlin. Ernest, P, Skovsmose, O., Bendegem, J.P., Bicudo, M., Miarccka, R., Kvasz, L. & Moeller, R..(2016) The Philosophy of Mathematics Education, ICME-13 Topical Surveys, DOI 10.1007/978-3-319-40569-8_1 Genovese, J. (2003). Piaget, pedagogy, and evolutionary psychology. <i>Evolutionary Psychology</i>, 1, 127-137. Hanna, G. (1995). Challenges to the importance of proof. <i>For the Learning of Mathematics</i>, 15(3), 42-49 Heimer, R.T. & Trueblood, C.R. (1970). <i>Strategies for Teaching Children Mathematics</i>. Massachusetts: Addison Wesley Publishing C. Lieback, P. (1980). <i>How Children Learn Mathematics</i>. USA: Penguin Books.
3	ई-संसाधन	https://www.nctm.org/publications/mathematics-teacher/ https://blogs.ams.org/matheducation/ http://www.progressiveteacher.in/teaching-of-mathematics-pradeep-wadhwa/ https://www.slideshare.net/lourise/the-teaching-of-mathematics https://www.e-booksdirectory.com/listing.php?category=102 https://www.youtube.com/watch?v=gBmenS6LZ_U https://www.youtube.com/watch?v=JQUYkuxnrms https://www.futurelearn.com/subjects/teaching-courses/teaching-science-technology-engineering-and-maths/teaching-maths https://www.open.edu/openlearn/education/mathematics-education/teaching-secondary-mathematics/content-section-1 https://www.nysut.org/~media/files/nysut/resources/2015/april/2_edvoice_viii_ch2.pdf?la=en

तृतीय सेमेस्टर (Third Semester)

1. पाठ्यचर्या का नाम: शिक्षा का ऐतिहासिक, राजनीतिक और आर्थिक परिप्रेक्ष्य

(Name of the Course): Historical, Political and Economic Context of Education

2. पाठ्यचर्या का कोड (Code of the Course): एमईडी 09

3. क्रेडिट (Credit): 04 क्रेडिट

4. सेमेस्टर (Semester): तृतीय

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of the Course):

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	6
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	7
कौशल विकास गतिविधियाँ	7
कुल क्रेडिट घंटे	60

एम.एड. पाठ्यक्रम में इस पाठ्यचर्या को सम्मिलित करने का प्रयोजन एवं विवरण निम्नवत है:

- स्वतंत्रता प्राप्ति के पूर्व शिक्षा:** यह इकाई अधिगमकर्ता को स्वतंत्रता प्राप्ति के पूर्व प्राचीन भारतीय काल में शिक्षा की प्रगति : ब्राह्मिक वैदिक, बौद्ध, जैन, मुस्लिम-इस्लामी समय से परिचित कराती है।
- स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात शिक्षा:** यह इकाई भारतीय शिक्षा विकास के लिए सुनियोजित प्रयास, पंचवर्षीय योजना, योजना के दौरान शिक्षा के विकास एवं प्रगति का मूल्यांकन अधिगमकर्ता के समक्ष प्रस्तुत करती है।
- शिक्षा का राजनीतिक परिप्रेक्ष्य:** यह इकाई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में शिक्षा की राजनीतिक अर्थव्यवस्था का आलोचनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत करती है।
- शिक्षा का आर्थिक परिप्रेक्ष्य:** शिक्षा पर परिव्यय में वृद्धि और उनकी सामाजिक-आर्थिक कारणों की विवेचना करती है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes):

इस पाठ्यचर्या के अध्ययन के उपरान्त अध्येता निम्नलिखित अधिगम परिणाम प्राप्त करने में सक्षम होंगे-

- स्वतंत्रता प्राप्ति के पूर्व प्राचीन भारतीय काल में शिक्षा की प्रगति का बोध।
- भारतीय शिक्षा विकास के लिए सुनियोजित प्रयास, पंचवर्षीय योजना, योजना के दौरान शिक्षा के विकास एवं प्रगति का मूल्यांकन करने की क्षमता।
- राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में शिक्षा की राजनीतिक अर्थव्यवस्था की आलोचना करने की क्षमता।
- शिक्षा पर परिव्यय में वृद्धि और उनकी सामाजिक-आर्थिक कारणों की विवेचना करने की क्षमता।
- अधिगमकर्ता के परिसर से सम्बंधित प्रदत्तों को एकत्रित करने एवं विवेचना करने की क्षमता।
- कक्षा-कक्ष शिक्षण के दौरान निर्माणवादी उपागम का अनुप्रयोग करने की क्षमता।
- समूह गतिशीलता के विभिन्न पक्षों को समझने हेतु समूह अध्ययन के लिए तत्परता।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course):

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्या न	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला.... (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	स्वतंत्रता प्राप्ति के पूर्व शिक्षा - प्राचीन भारतीय काल में शिक्षा की प्रगति : ब्राह्मिक वैदिक, बौद्ध, जैन, मुस्लिम-इस्लामी समय - ब्रिटिश काल में शिक्षा की प्रगति मैकाले का : मिनट, वुड्स डिस्पैच और सार्जेंट आयोग के संदर्भ में ब्रिटिश काल की शिक्षा की समीक्षा - स्वतंत्रता प्राप्ति के पूर्व काल में	10	2	3	15	25

	महिलाओं की शिक्षा की स्थिति					
मॉड्यूल-2	स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात शिक्षा - स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात शिक्षा: शिक्षा के संवैधानिक प्रावधान, विश्वविद्यालय शिक्षा आयोग)1948), माध्यमिक शिक्षा आयोग)1952-53), भारतीय शिक्षा आयोग)1964-66)। शिक्षा की राष्ट्रीय नीति 1986 और कार्य योजना (POA)1992 - भारतीय शिक्षा विकास के लिए सुनियोजित प्रयास , पंचवर्षीय योजना , योजना के दौरान शिक्षा के विकास एवं	10	2	3	15	25

	प्रगति का मूल्यांकन					
मॉड्यूल-3	शिक्षा का राजनीतिक परिप्रेक्ष्य - मानव संसाधन : मानव संसाधन के लिए शिक्षा निवेश, आर्थिक विकास और शिक्षा के परिणाम - शिक्षा की सामाजिक- आर्थिक पृष्ठभूमि, सामाजिक एवं , निजी परिणाम समाज को शिक्षा की आवश्यकता - समाज के बदलते परिवेश में श्रमिकों के लिए शिक्षा और कौशल की मांग - शिक्षा की स्थिति की विस्तृत तुलनात्मक समीक्षा और	10	2	3	15	25

	जनशक्ति का विकास और राष्ट्र विकास					
मॉड्यूल-4	शिक्षा का आर्थिक परिप्रेक्ष्य - शिक्षा पर परिव्यय शिक्षा : पर परिव्यय में वृद्धि और उनकी -सामाजिक आर्थिक कारणों पर परिव्यय और परिणाम। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा के क्षेत्र में संसाधनों के उपयोग में रुझान - प्रक्षेपण और शैक्षिक लागत के पूर्वानुमान की पद्धति। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रति इकाई लागत की तुलना	10	2	3	15	25
योग		40	8	12	60	100

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	1. निर्माणवादी उपागम 2. आगमनात्मक उपागम 3. निगमनात्मक उपागम 4. एकीकृत उपागम 5. चिंतनशील 6. अंतरानुशासनिक 7. सहयोगपूर्ण 8. ब्लेंडेड अधिगम उपागम
विधियाँ	1. दार्शनिक चिंतन 2. व्याख्यान-सह चर्चा 3. सहयोगात्मक अधिगम 4. ऐतिहासिक विधि 5. पृच्छा आधारित अधिगम 6. संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	1. शोध आलेखों की समीक्षा 2. संगोष्ठी/परिचर्चा 3. व्यष्टि अध्ययन 5. व्याख्यान-सह-चर्चा 6. केंद्रित समूह चर्चा 7. परियोजना कार्य एवं प्रस्तुतीकरण 8. वृत्तिक विकास हेतु प्रयोग में लाई जानेवाली विभिन्न सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी उपकरण का आई.सी.टी. प्रयोगशाला में अभ्यास
उपादान	1. पावर पॉइंट प्रस्तुति 2. ऑनलाइन क्लास (गूगल क्लासरूम, गूगल मीट) 3. लैपटाप 4. प्रोजेक्टर 5. स्मार्टबोर्ड 6. शोध पत्र; ई-संसाधन (यू-ट्यूब वीडियो, ऑनलाइन कोर्स, ब्लॉग, गूगल बुक्स, विकिबुक्स)

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित जिन अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा है, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया गया है:

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति								
1	X	X	X	X	X	X	X	X
2	X	X	X	-	X	X	X	X
3	X	X	X	X	X	X	X	X
4	X	X	X	-	-	-	-	X
5	X	X	X	X	X	X	X	X
6	X	X	-	-	X	-	-	-
7	X	X	X	-	-	X	X	X

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning)

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	- MHRD (1992). National Policy on Education (Revised). New Delhi: Gov. of India. - MHRD, (1992), Programme of action. Govt. of India, New Delhi. - Report of the Education Commission (1964-66). - Report of the National Commission on Teachers (1983-85). - Report of the Delors Commission, UNESCO, 1996 - National Policy on Education 1986/1992. - National Curriculum Framework (2005, 2009, 2014). - NCTE Regulations 2009, 2014
2	संदर्भ-ग्रंथ	- John Vaizy, Keit Norris and Patrick Lynch (1972), The Political Economy of Education Gerald Duck worth and Company Limited. - Geeta kingdom, Muhammad, M (2003), The Political Economy of Education in India.Oxford University Press. - N.C.E.R.T., NCERT- the First Year Book of Education 1961. - Ministry of Education- Education Commission Report- 1964-66 Dr. Kothari Commission.

		• UNESCO- Economic and Social aspects of Educational Planning, 1963. • Naik J.P. - educational Planning in India 1996- allied Publishers. • Problems of Higher Education in India- An Approach to Structural Analysis and Recognition. • Educational Recognition- Acharya Narendra Dev Committee Report (1939-1953). • Yogendra K. Sharma (2001), History and Problems of Education Vol-I by Kanishka Publishers. • Yogendra K Sharma (2001). History and problems of Education Vol. II- by Kanishka Publishers. • Hartmut Sgharfe (2005). Education in Ancient India, by Fordhan Uni. Press. • Joseph k Brill (2002). Medieval Education, Ronald, Begley publications, Boston.
3	ई-संसाधन	• www.swayam.gov.in • http://nmeict.detsndt.ac.in/ • https://ncte.gov.in/Website/OER.aspx

1. पाठ्यचर्या का नाम: पाठ्यचर्या अध्ययन

(Name of the Course): Curriculum Studies

2. पाठ्यचर्या का कोड (Code of the Course): एमईडी 10

3. क्रेडिट (Credit): 04 क्रेडिट

4. सेमेस्टर (Semester): तृतीय

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	6
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	7
कौशल विकास गतिविधियाँ	7
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of the Course):

एम.एड. पाठ्यक्रम में इस पाठ्यचर्या को सम्मिलित करने का प्रयोजन एवं विवरण निम्नवत है:

1. **पाठ्यक्रम की संकल्पना, प्रकृति, डिज़ाइन और मॉडल:** यह इकाई अध्येताओं को पाठ्यक्रम की संकल्पना, प्रकृति, डिज़ाइन और मॉडल का अवबोध कराती है।

2. **प्रतिभाशाली और विशिष्ट आवश्यकताओं वाले विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम:** यह इकाई प्रतिभाशाली और विशिष्ट आवश्यकताओं वाले विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम का अर्थ और अलग अलग दृष्टिकोण की अवधारणाओं को प्रस्तुत करती है।

3. **पाठ्यचर्या विकास:** यह इकाई पाठ्यचर्या विकास की प्रक्रिया, पाठ्यचर्या योजना बनाने में लक्ष्य, उद्देश्य, आवश्यकता एवं महत्त्व, प्रभावित करने वाले कारकों का आलोचनात्मक विश्लेषण प्रस्तुत करती है।

4. **पाठ्यक्रम विकास के आधार:** यह इकाई पाठ्यक्रम विकास के आधार, ज्ञानमीमांसीय आधार, ज्ञान के रूप, अनुशासन की संरचना, विभिन्न विषयों के समझ के स्तर की विशेषताएं, स्कूली विषयों की तार्किक व्याख्या की विवेचना करती है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes):

इस पाठ्यचर्या के अध्ययन के उपरांत अध्येता निम्नलिखित अधिगम परिणाम प्राप्त करने में सक्षम होंगे-

1. पाठ्यक्रम की संकल्पना, प्रकृति, डिज़ाइन और मॉडल का बोध।
2. प्रतिभाशाली और विशिष्ट आवश्यकताओं वाले विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम का अर्थ और अलग अलग दृष्टिकोण की अवधारणा का ज्ञान।
3. पाठ्यचर्या विकास की प्रक्रिया, पाठ्यचर्या योजना बनाने में लक्ष्य, उद्देश्य, आवश्यकता एवं महत्त्व, प्रभावित करने वाले कारकों की आलोचना करने की क्षमता।
4. पाठ्यक्रम विकास के आधार, ज्ञानमीमांसीय आधार, ज्ञान के रूप, अनुशासन की संरचना, विभिन्न विषयों के समझ के स्तर की विशेषताएं, स्कूली विषयों की तार्किक व्याख्या करने की क्षमता।
5. अधिगमकर्ता के परिवेश से सम्बंधित प्रदत्तों को एकत्रित करने एवं विवेचना करने की क्षमता।
6. कक्षा-कक्ष शिक्षण के दौरान निर्माणवादी उपागम का अनुप्रयोग करने की क्षमता।
7. समूह गतिशीलता के विभिन्न पक्षों को समझने हेतु समूह अध्ययन के लिए तत्परता।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course):

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	पाठ्यक्रम की संकल्पना, प्रकृति, डिज़ाइन और मॉडल पाठ्यक्रम:- पाठ्यक्रम विकास की प्रकृति, पाठ्यक्रम विकास के तकनीक, वैज्ञानिक मॉडल; आर.डब्ल्यू.टेलर (R.W. Taylor), हिलडा टबा (Hilda Taba), सेलर (Saylor) और अलेक्जेंडर (Alexander) और हकिन्स (Hunkins); ग्ल्यथोर्न	10	2	3	15	25

	(Glatthorn), वेन्स टेन (Weinstein) और फँटीनी (Fantini) द्वारा गैर-तकनीकी और गैर वैज्ञानिक दृष्टिकोण - पाठ्यक्रम डिजाईन : अवधारणा और प्रक्रिया - एकीकृत अनुशासनात्मक इकाईयां बनाना - पाठ्यक्रम डिजाईन के पारंपरिक मॉडल एकीकृत अवधारणाप्रक्रिया - मॉडल					
मॉड्यूल-2	प्रतिभाशाली और विशिष्ट आवश्यकताओं वाले विद्यार्थियों के लिए पाठ्यक्रम प्रतिभाशाली के लिए पाठ्यचर्य :- पाठ्यचर्या के विभिन्न उपागम , अलग-अलग संवर्धन , पाठ्यक्रम अंतःविषय , उपागम , अनुदेश स्वतंत्र अध्ययन, मेंटरशिप कार्यक्रम, इंटरशिप,	10	2	3	15	25

	संवर्धन त्रय रिवॉल्विंग डोर मॉडलपाठ्यचर्या , संकुचित कार्यक्रम त्वरण दृष्टिकोण; उन्नत नियोजन , क्षमता ,सामूहिकरणव्यक्ति गत अनुदेशन विशिष्ट चुनौतियों से युक्त छात्रों के लिए पाठ्यचर्या , वैयक्तिक शैक्षिक ;(IEP) कार्यक्रम एकीकृत शिक्षा – एकीकृत केमॉडल , समावेशी शिक्षा समुदाय आधारित अनुदेशन					
मॉड्यूल-3	पाठ्यचर्या विकास पाठ्यचर्या विकास की प्रक्रिया : पाठ्यचर्या योजना ,बनाने में लक्ष्य ,उद्देश्य एवं आवश्यकता लक्ष्य एवं ,महत्त्व उद्देश्यों को प्रभावित ,करनेवाले कारक उद्देश्यों के विनिर्देश स्तरवार एवं	10	2	3	15	25

	विषयवार मानकों की स्थापना - पाठ्य सामग्री चयन एवं सीखने का अनुभव : पाठ्यसामग्री चयन एवं सीखने के अनुभव में सम्मिलित सिद्धांत और मानदंड , ,संज्ञानात्मक वैधता पूर्ण महत्व ,दृष्टिकोण ,प्रयोज्यता ,उपयोगिता समग्रता ,निःस्पक्षता ,के लिए गुंजाइश विस्तार की चौड़ाई और समझ की गहराई - विषय संगठन एवं सीखने के अनुभव : ,निरंतरता ,सिद्धांत अनुक्रम और एकीकरण -क्षैतिज एवं उर्ध्वाधर संबंध , विषय के पार एवं विषय क्षेत्रों के भीतर सीखने के					

	अनुभव का उदाहरणों के साथ ,अवधारणा) संबंधी ,सिद्धांत ,सामान्यीकरण मूल्य ,दृष्टिकोण का (और कौशल एकीकरण					
मॉड्यूल-4	पाठ्यक्रम विकास के आधार - पाठ्यक्रम विकास के आधार : ज्ञानमीमांसीय ज्ञान के -आधार अनुशासन की ,रूप विभिन्न ,संरचना विषयों के समझ के ,स्तर की विशेषताएं स्कूली विषयों की तार्किक व्याख्या - सामाजिक आधार : सामाजिक आवश्यकता और ,आकांक्षाएं ,संस्कृति और मूल्य सामाजिक ज्ञान ,परिवर्तन र ,विस्फोट ाष्ट्रीय	10	2	3	15	25

	सरोकार और लक्ष्य ,वैश्वीकरण , स्थानीयकरण और ,निजीकरण राजनीतिक ,विचारधारा ,तकनीकी प्रभाव आर्थिक ,आवश्यकताएं छात्रों के आर्थिक -सामाजिक -बहु ,सन्दर्भ -बहु ,सांस्कृतिक गंभीर ,भाषी पहलु पर्यावरण -मुद्दे ,संबंधी चिंताएं ,समग्रता ,भेद-लिंग मूल्य की चिंताएं और मुद्दे , सामाजिक संवेदनशीलता ● शिक्षार्थी और सीखने की प्रक्रिया की प्रकृति : शिक्षार्थी के विकास ;विशेषता की ,विकास कार्य -सीखने के सिद्धांत ,व्यवहारवादी					

	संज्ञानवादी और सामाजिक अधिगम और पाठ्यक्रम विकास के लिए उनकी प्रासंगिकता					
योग		40	8	12	60	100

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	1. निर्माणवादी उपागम 2. आगमनात्मक उपागम 3. निगमनात्मक उपागम 4. एकीकृत उपागम 5. चिंतशील, 6. अंतरानुशासनिक 7. सहयोगपूर्ण 8. ब्लेंडेड अधिगम उपागम
विधियाँ	1. दार्शनिक चिंतन 2. व्याख्यान-सह चर्चा 3. सहयोगात्मक अधिगम 4. ऐतिहासिक विधि 5. पृच्छा आधारित अधिगम 6. संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	1. शोध आलेखों की समीक्षा 2. संगोष्ठी/परिचर्चा 3. व्यष्टि अध्ययन 5. व्याख्यान-सह-चर्चा 6. केंद्रित समूह चर्चा 7. परियोजना कार्य एवं प्रस्तुतीकरण 8. वृत्तिक विकास हेतु प्रयोग में लाई जानेवाली विभिन्न सूचना एवं संचार

	प्रौद्योगिकी उपकरण का आई.सी.टी. प्रयोगशाला में अभ्यास.
उपादान	1. पावर पॉइंट प्रस्तुति 2. ऑनलाइन क्लास (गूगल क्लासरूम, गूगल मीट) 3. लैपटाप 4. प्रोजेक्टर 5. स्मार्टबोर्ड 6. शोध पत्र; ई-संसाधन (यू-ट्यूब वीडियो, ऑनलाइन कोर्स, ब्लॉग, गूगल बुक्स, विकिबुक्स)

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित जिन अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा है, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया गया है :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति								
1	X	X	X	X	X	X	X	X
2	X	X	X	-	X	X	X	X
3	X	X	X	X	X	X	X	X
4	X	X	X	-	-	-	-	X
5	X	X	X	X	X	X	X	X
6	X	X	-	-	X	-	-	-
7	X	X	X	-	-	X	X	X

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning)

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#] विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	● MHRD (1992). <i>National Policy on Education (Revised)</i>. New Delhi: MHRD, Gov. of India. ● MHRD, (1992), Programme of action. Govt. of India, New Delhi. ● Report of the Education Commission (1964-66). ● Report of the National Commission on Teachers (1983-85). ● Report of the Delors Commission, UNESCO, 1996. ● National Policy on Education 1986/1992. ● National Curriculum Framework (2005, 2009, 2014). ● NCTE Regulations 2009, 2014
2	संदर्भ-ग्रंथ	● Erickson. H. Lynn (1998), <i>Concept Based Curriculum Instruction: Teaching Beyond the Facts</i>; Crown Press, California.

		● Glasgow Neel, A(1996). New Curriculum for New Times, A Guide to Student-centred, Problem-based Learning, Crown Press, California. ● Maclean, James, E. (1994), Improving Education through Action Research: A Guide for Administration and Teachers; Crown Press, California. ● Ornstein, Allan, C. & Francies Hunkins(1993), Curriculum: Foundations, Principles and Theory; Allyn & Bacon, London. ● Beauchamp, G.A (1981), Curriculum theory (4th edition.). Itasca, IL: Peacock Publishers ● Bruner. J.S. (1966) Towards a theory of Instruction. Cambridge. Harvard University Press. ● Henson, Kenneth.T(1978), Curriculum development for Education reform. Harper Collins College publishers. ● Joseph Schwab, (1969). The Practical: A language for curriculum. School Review, November. ● Kelley, A.B. (1996). The Curricular Theory and Practice. Harper and Row, US. ● Nirantar (1997). Developing a Curriculum for Rural Women, Nirantar, New Delhi. ● Padma M. Sarangapani (2003). Constructing School Knowledge, An Ethnography of learning in an Indian Village, Sage Publication Inc., New Delhi. ● Saylor, J.G & Alexander, W.M.(1966). Curriculum planning for modern schools, New York: Holt, Rinehart & Winston.
3	ई-संसाधन	● www.swayam.gov.in ● http://nmeict.detsndt.ac.in/ ● https://ncte.gov.in/Website/OER.aspx

1. पाठ्यचर्या का नाम: शिक्षा में गुणात्मक शोध विधियाँ

(Name of the Course) Qualitative Research Methods in Education

2. पाठ्यचर्या का कोड: एमईडी 11

(Code of the Course) MED 11

3. क्रेडिट: 04

(Credit)

4. सेमेस्टर: तृतीय

(Semester)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	8
कौशल विकास गतिविधियाँ	4
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण:

(Description of the Course)

एम.एड. पाठ्यक्रम में इस पाठ्यचर्या को सम्मिलित करने का प्रयोजन तथा इसका विवरण निम्नवत है :

- **गुणात्मक शोध का संप्रत्ययीकरण, उपागम एवं प्रविधि:** यह इकाई शिक्षा में गुणात्मक शोध की प्रकृति, उद्देश्य, व्याप्ति, क्षेत्र एवं प्रकार की व्याख्या करती है। गुणात्मक एवं मिश्रित शोध की विशिष्टता को स्पष्ट करती है।
- **शोध उपकरण एवं क्षेत्र कार्य:** यह इकाई गुणात्मक शोध अध्ययन हेतु चयनित समस्या के लिए उपयुक्त अभिकल्प का चयन करने के विभिन्न सोपनों एवं सिद्धांतों को प्रस्तुत करती है। अध्येताओं को उपकरण निर्माण एवं प्रदत्त संग्रहण की प्रक्रिया को समझने एवं सुगमतापूर्वक क्रियान्वित करने के लिए प्रोत्साहित करती है।
- **गुणात्मक प्रदत्त विश्लेषण, व्याख्या और अनुसंधान रिपोर्ट लेखन:** यह इकाई संबन्धित साहित्य का चयन एवं समीक्षा कर शोध प्रस्ताव तैयार करने के विभिन्न चरणों से अवगत कराती है। गुणात्मक शोध के मानदंडों को भी प्रस्तुत करती है।
- **शिक्षा के लिए अनुप्रयुक्त गुणात्मक अनुसंधान:** यह इकाई कार्यक्रम अनुसंधान एवं नीति अनुसंधान की विशिष्टताओं एवं उपयोगिता से परिचित कराती है। शिक्षा के क्षेत्र में व्यक्ति वृत्त अध्ययन एवं क्रिया अनुसंधान अभिकल्प के अनुप्रयोग हेतु अध्येताओं को प्रोत्साहित करती है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

- शिक्षा में गुणात्मक शोध की प्रकृति, उद्देश्य, व्याप्ति, क्षेत्र एवं प्रकार की व्याख्या करने की क्षमता।
- गुणात्मक एवं मिश्रित शोध की विशिष्टता की स्पष्टता।
- गुणात्मक शोध अध्ययन हेतु चयनित समस्या के लिए उपयुक्त अभिकल्प का चयन करने की दक्षता।
- संबन्धित साहित्य का चयन एवं समीक्षा करना तथा शोध प्रस्ताव तैयार करने की क्षमता।
- उपकरण निर्माण एवं प्रदत्त संग्रहण की प्रक्रिया को समझना एवं सुगमतापूर्वक क्रियान्वित करने की दक्षता।

- शिक्षा में शोध के दस्तावेज एवं व्याप्ति के महत्व को अपने शोध कार्य द्वारा स्थापित करने की क्षमता |
- कार्यक्रम अनुसंधान एवं नीति अनुसंधान की विशिष्टताओं एवं उपयोगिता का अवबोध |
- गुणात्मक शोध अभिकल्पों की गहन समझ एवं अनुप्रयुक्तता की विशिष्ट परिस्थितियों का ज्ञान |
- गुणात्मक शोध अभिकल्प के अनुरूप शोध उपकरण/ प्रविधि के चयन, निर्माण, क्रियान्वयन एवं विश्लेषण की दक्षता |
- शिक्षा में शोध के क्षेत्र में गुणात्मक शोध विधियों को मात्रात्मक शोध विधियों के पूरक/ समतुल्य देखने की अभिवृत्ति |
- शिक्षा में हो रहे नवाचारों या विभिन्न मुद्दों को शोध द्वारा जाँचने तथा उसे संदर्भित करने में गुणात्मक शोध विधियों के प्रति प्रशंसा |

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला (Interaction / Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	गुणात्मक शोध का संप्रत्ययीकरण, उपागम एवं प्रविधि गुणात्मक शोध: अर्थ, सोपान, विशिष्टता	1	1	0	2	3.33
मॉड्यूल-2	गुणात्मक शोध उपागम: परिघटना विज्ञान, नृजातीय अध्ययन, व्यष्टि अध्ययन, बुनियादी सिद्धांत	4	0	1	5	8.34
मॉड्यूल-3	ऐतिहासिक शोध: अर्थ, सार्थकता, सोपान, सूचना का प्राथमिक तथा द्वितीयक स्रोत, सूचना की आन्तरिक तथा बाह्य समीक्षा	2	0	1	3	5
मॉड्यूल-4	मिश्रित शोध: अर्थ, मूल सिद्धान्त, गुण, दोष, प्रकार,	2	0	1	3	5

मॉड्यूल	एवं सीमाएँ					
मॉड्यूल-5	वर्तमान सैद्धान्तिक परिदृश्य: उत्तर- आधुनिकवाद, नारीवाद	1	1	0	2	3.33
मॉड्यूल-6	शोध उपकरण एवं क्षेत्र कार्य प्रश्नावली: स्वरूप, निर्माण के सिद्धान्त एवं शैक्षिक शोध में अनुप्रयोग, प्रश्नावली का प्रशासन	3	0	1	4	6.67
मॉड्यूल-7	साक्षात्कार: प्रकार, विशेषताएँ एवं प्रायोज्यता, साक्षात्कार आयोजित करने के लिए दिशा निर्देश	2	0	0	2	3.33
मॉड्यूल-8	अवलोकन: कार्यक्रम का उपयोग, समय नमूना, फील्ड नोट्स, अवलोकन के दौरान शोधकर्ता की भूमिका, फोकस समूह चर्चा की प्रधानता	3	1	1	5	8.33
मॉड्यूल-9	पोर्टफोलियो और रुब्रिक	2	1	1	4	6.67
मॉड्यूल-10	गुणात्मक प्रदत्त विश्लेषण, व्याख्या और अनुसंधान रिपोर्ट लेखन सामग्री विश्लेषण, प्रदत्त का त्रिभूजन	2	0	1	3	5
मॉड्यूल-11	गुणात्मक अनुसंधान के मानदंड : प्रामाणिकता, सामुदायिक आवाज, क्रांतिक आत्मीयता और रिफ्लेक्सीविटी, पवित्रता	2	0	0	2	3.33
मॉड्यूल-12	गुणात्मक विश्लेषण और व्याख्या, चुनौतियाँ, भिन्नता और उद्देश्य,	3	1	1	5	8.34

	कोडिंग विश्लेषण, डेटा और सॉफ्टवेयर के साथ काम करने की यांत्रिकी					
मॉड्यूल-13	लेखन विकल्प, तर्क के बारे में निर्णय, पाठ के बारे में निर्णय, दर्शकों के बारे में निर्णय, अनुशासन के बारे में निर्णय	2	0	0	2	3.33
मॉड्यूल-14	रिपोर्ट लेखन: अवधारणा, सोपान एवं समग्र रिपोर्ट और प्रस्तुति लेखन	1	1	1	3	5
मॉड्यूल-15	शिक्षा के लिए अनुप्रयुक्त गुणात्मक अनुसंधान मूल्यांकनात्मक अनुसंधान: कार्यक्रम मूल्यांकन	3	0	1	4	6.67
मॉड्यूल-16	व्यक्ति वृत्त अध्ययन की चर्चा, अनुसंधान साइट, प्रतिपृष्टि	2	1	1	4	6.67
मॉड्यूल-17	नीति अनुसंधान: विश्लेषण और प्रसार करने के लिए नैतिक उपागम	3	0	1	4	6.66
मॉड्यूल-18	क्रिया अनुसंधान; डेटा के लिए क्रिया अनुसंधान उपागम	2	1	0	3	5
योग		40	8	12	60	100

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	- आगमनात्मक - निगमनात्मक - निर्माणवादी - चिंतनशील

	● समेकित/एकीकृत ● अंतरानुशासनिक ● सहयोगपूर्ण (collaborative)
विधियाँ	● व्याख्यान सह परिचर्चा ● विचार विमर्श ● सामूहिक परिचर्चा ● प्रस्तुतीकरण ● पैनल चर्चा ● संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	● सहयोगी अधिगम ● पृच्छा-आधारित अनुदेशन एवं अधिगम ● व्यक्ति अध्ययन ● केन्द्रित समूह चर्चा ● विषय-वस्तु विश्लेषण ● फ्लिपड कक्षा-कक्ष ● विभेदित अनुदेशन ● कम्प्यूटर सहायित अनुदेशन
उपादान	● पावर पॉइंट प्रस्तुति, ● ऑनलाइन कक्षा (गूगल क्लासरूम, गूगल मीट) ● ई-संसाधन ● शोध पत्र ● स्मार्टबोर्ड ● मानकीकृत परीक्षण एवं शोध उपकरण ● पूर्व में किए गए शोध

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित जिन अधिगम परिणामों को प्राप्त किया रहा है, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया गया है:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
1.	X	X			X		X	X
2.	X	X	X	X	X	X	X	X
3.	X	X			X		X	X
4.	X	X	X	X	X	X	X	X
5.	X	X		X	X		X	X
6.	X	X	X		X	X		X
7.	X	X	X	X	X	X	X	X
8.	X	X		X	X	X	X	X
9.	X	X	X	X	X		X	X
10.	X	X		X	X	X	X	X
11.	X	X	X	X	X		X	X

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#] विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	● Creswell, John W. (2017) Research Design: Qualitative, Quantitative and Mixed Methods Approaches. Sage Publication: Thousand Oaks, CA ● Creswell, John W. (2006) Qualitative Inquiry and Research Design: Choosing Among Five Approaches. Sage Publication: Thousand Oaks ● आहूजा (2015). सामाजिक अनुसंधान. रावत पब्लिकेशन्स: नई दिल्ली। ● कुमार, अरुण सिंह (2017). मनोविज्ञान, समाजशास्त्र तथा शिक्षा में शोध विधियाँ. मोतीलाल बनारसीदास: दिल्ली।
2	संदर्भ-ग्रंथ	● Best J.W. (1999). Research in Education. Prentice Hall of India Pvt.Ltd: New Delhi. ● Kaul, Lokesh (1984). Methodology of Educational Research. Vikas Publications: New Delhi. ● Creswell, John W. (2002) Educational Research: Planning, Conducting and Evaluating Quantitative and Qualitative Research. Sage Publications.
3	ई-संसाधन	● www.swayam.gov.in ● http://nmeict.detsndt.ac.in/ ● https://ncte.gov.in/Website/OER.aspx ● www.inflibnet.ac.in

एम.एड. प्रशिक्षुता (इंटरनशिप) कार्यक्रम

1. पाठ्यचर्या का नाम: एम .एड.प्रशिक्षुता)इंटरनशिप(कार्यक्रम
(Name of the Course): M.Ed. Internship Programme
2. पाठ्यचर्या का कोड (Code of the Course): प्रायोगिक
3. क्रेडिट (Credit): 6 क्रेडिट
4. सेमेस्टर (Semester): तृतीय
5. पाठ्यचर्या विवरण)Description of the Course):

यह कार्यक्रम विस्तृत क्रियाकलापों के माध्यम से तृतीय सेमेस्टर के दौरान संपन्न कराया जायेगा | यह कार्यक्रम छः क्रेडिट (150 अंक) का होगा | इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य भावी अध्यापक शिक्षकों को अध्यापक-शिक्षा संस्थान के विभिन्न क्रियाकलापों एवं शैक्षिक हस्तांतरण की विधियों से परिचित कराना है। अध्यापक शिक्षार्थियों में वृत्तिक दक्षता का विकास, अध्यापक शिक्षा संस्थानों में प्रत्यक्ष अनुभव के द्वारा कराया जाएगा | इस विचार को ध्यान में रखते हुए अध्यापक शिक्षार्थी शैक्षिक संस्थानों में प्रशिक्षण गतिविधियों में भाग लेंगे |

6.अपेक्षित पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes):

इस पाठ्यचर्या के अध्ययन के उपरान्त एम.एड. अध्येता-

1. वर्तमान शैक्षिक संदर्भ में अध्यापक शिक्षा कार्यक्रम की आवश्यकता एवं उपयोगिता की समीक्षा कर सकेंगे।
2. अध्यापक शिक्षा संबंधी विभिन्न गतिविधियों की प्रक्रिया का विश्लेषण कर सकेंगे |
3. अध्यापक शिक्षा पाठ्यचर्या से संबंधित विभिन्न गतिविधियों का व्यवस्थित रूप से आयोजन कर सकेंगे |
4. विद्यार्थी संगोष्ठी के माध्यम से शैक्षिक संस्थानों में नियुक्ति उपरान्त सम्पादित किये जाने वाले विभिन्न गतिविधियों से संबंधित अनुभवों पर विचारशील चिंतन कर सकेंगे।
5. अध्यापक शिक्षा तथा विद्यालयी शिक्षा में नवाचार को प्रोत्साहित करने हेतु व्यावसायिक दक्षता विकसित कर सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course):

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान निम्नलिखित गतिविधियां निष्पादित की जाएगी-

अ. अध्यापक शिक्षा संस्थान की गतिविधियों का अवलोकन तथा अभ्यास शिक्षण [4 क्रेडिट, कुल अंक= 100]

- अध्यापक शिक्षा संस्थान में कक्षा शिक्षण तथा अन्य गतिविधियों का अवलोकन एवं रिपोर्टिंग- 20 अंक
- अध्यापक शिक्षा संस्थान में किसी एक सह-शैक्षणिक गतिविधि का आयोजन एवं रिपोर्टिंग-10 अंक
- अध्यापक शिक्षा संस्थान में बी.एड. विद्यार्थियों के शिक्षण के लिए पाठ-योजना की तैयारी एवं क्रियान्वयन- 35 अंक
- किसी एक प्रतिष्ठित अध्यापक शिक्षा संस्थान का क्षेत्रीय भ्रमण एवं रिपोर्टिंग-20 अंक (1 सप्ताह)
- चिंतनशील दैनंदिनी - 15 अंक

ब. विद्यालय अनुभव (इंटरनशिप) कार्यक्रम के दौरान बी.एड. अध्येताओं की विभिन्न क्रियाकलापों में सहायता एवं निरीक्षण [2 क्रेडिट- कुल अवधि (2 सप्ताह= 14 दिन), कुल अंक=50]

- पाठ योजना निर्माण एवं क्रियान्वयन में (विद्यालय पर्यवेक्षण) तथा चिंतनशील दैनंदिनी -20 अंक
- शिक्षण-अधिगम सामग्री तैयार करने में-10 अंक
- सह-शैक्षणिक गतिविधि तथा सामुदायिक कार्य के आयोजन में-10 अंक

- क्रियात्मक शोध एवं व्यष्टि अध्ययन में-10 अंक

8. शिक्षण अभिगमतकनीक एवं उपादान ,विधियाँ ,: (Approach ,esMethods ,Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	निर्माणवादी उपागम, आगमनात्मक उपागम, निगमनात्मक उपागम, ब्लेंडेड अधिगम उपागम
विधियाँ	व्याख्यान-सह चर्चा, सहयोगात्मक अधिगम, पृच्छा आधारित अधिगम
तकनीक	प्रशिक्षुता कार्यक्रम के विभिन्न घटकों पर कार्यशाला सामूहिक विचार-विमर्श अवलोकन एवं रिपोर्ट लेखन चिंतनशील दैनंदिनी लेखन समूह-साथी पृष्ठपोषण संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण विद्यालय पर्यवेक्षण अध्यापक शिक्षा संबंधी गतिविधियों का आयोजन विद्यार्थी संगोष्ठी के माध्यम से भावी शिक्षकों के प्रशिक्षुता कार्यक्रम संबंधी अनुभवों पर चर्चा गूगल क्लासरूम के माध्यम से ट्यूटोरियल एवं ऑनलाइन चर्चा
उपादान	पावर पॉइंट प्रस्तुति; ऑनलाइन क्लास (गूगल क्लासरूम, गूगल मीट); ई-संसाधन (यू-ट्यूब वीडियो, ब्लॉग, पोर्टफोलियो)

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित जिन अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा है, उसका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया गया है:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य
	1	2	3	4	5	6	7	8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति								
1	X	X	X	-	X	X	-	X

2	X	X	X	-	X	X	-	X
3	X	X	X	X	X	X	X	X
4	X	X	X	X	X	X	X	X
5	X	X	-	X	X	X	-	X

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning)

प्रतिवेदन लेखन एवं प्रस्तुतीकरण (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

मूल्यांकन

एम.एड. अध्येताओं का मूल्यांकन उनके प्रशिक्षुता कार्यक्रम की विभिन्न गतिविधियों में प्रदर्शन, विभिन्न गतिविधियों के लिए प्रस्तुत की गई रिपोर्ट, चिंतनशील दैनिकी तथा अध्यापक शिक्षा संस्थान के शिक्षक-पर्यवेक्षकों की रिपोर्ट के आधार पर किया जाएगा। मूल्यांकन के लिए रुब्रिक का प्रयोग किया जाएगा।

चतुर्थ सेमेस्टर (Fourth Semester)

1. पाठ्यचर्या का नाम: मूल्य शिक्षा

(Name of the Course) Value Education

2. पाठ्यचर्या का कोड: एमईडीई 03

(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 04

(Credit)

4. सेमेस्टर: चतुर्थ

(Semester)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	8
कौशल विकास गतिविधियाँ	4
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण:

(Description of the Course)

एम.एड. पाठ्यक्रम में इस पाठ्यचर्या को सम्मिलित करने का प्रयोजन तथा इसका विवरण निम्नवत है :

- **मूल्य शिक्षा के सैद्धांतिक आधार:** यह इकाई मूल्य के स्रोत एवं स्वरूप को प्रस्तुत करती है। मूल्यमीमांसा एवं शिक्षा के संबंध को उद्भूत करती है। मूल्यों की अवधारणा के मनोवैज्ञानिक एवं समाजशास्त्रीय परिप्रेक्ष्य को विकसित करने हेतु अध्येताओं को प्रोत्साहित करती है।
- **भारतीय मूल्य परंपरा:** यह इकाई भारतीय मूल्य परंपरा के विभिन्न पक्षों को उजागर करते हुए वैश्विक बंधुता, शांति एवं सहिष्णुता जैसे मूल्यों के साथ-साथ मानवीय मूल्यों के संप्रत्यय को प्रस्तुत करती है। भारतीय संविधान में अंतर्निहित नागरिक कर्तव्यों के परिप्रेक्ष्य में मूल्यों की विवेचना करती है।
- **मूल्यों का वर्गीकरण:** यह इकाई विभिन्न प्रकार के मूल्यों के वर्गीकरण को प्रस्तुत करती है। स्व-हित और समाज कल्याण के संदर्भ में वैयक्तिक, सामाजिक, आध्यात्मिक, लोकतान्त्रिक एवं नैतिक मूल्यों का समीक्षात्मक विवरण प्रस्तुत करती है।
- **नैतिकता एवं शिक्षक:** यह इकाई मूल्य शिक्षा की प्रक्रिया, विद्यालय स्तर पर मूल्य शिक्षा के महत्व तथा शिक्षण व्यवसाय की नैतिक आचार संहिता का वर्णन करती है। इसके साथ ही मूल्य शिक्षा के संदर्भ में शैक्षणिक कार्यक्रम एवं गतिविधियों की विवेचना करती है तथा अध्येताओं को शिक्षण व्यवसाय में नैतिकता का पालन करने के लिए अभिप्रेरित करती है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

- मूल्य के स्रोत एवं स्वरूप की समझ |
- विभिन्न प्रकार के मूल्यों का वर्गीकरण करने की क्षमता |
- मूल्य शिक्षा की प्रक्रिया का अवबोध |
- मूल्य शिक्षा के संदर्भ में शैक्षणिक कार्यक्रम एवं गतिविधियों की विवेचना करने की अभिवृत्ति |
- विद्यालय स्तर पर मूल्य शिक्षा के महत्व की प्रशंसा |
- शिक्षण व्यवसाय की नैतिक आचार संहिता का पालन करने की वृत्ति |
- शिक्षण व्यवसाय में नैतिकता का पालन करने के महत्व की सराहना |
- भारतीय मूल्य परंपरा का ज्ञान एवं बोध |
- मूल्यों का विभिन्न अनुशासन तथा पाठ्यचर्या आधारित गतिविधियों में समावेशन करने की दक्षता |
- विविध साहित्यों की मूल्य शिक्षा के स्रोत के संदर्भ में समालोचनात्मक समीक्षा की क्षमता |
- संस्कृति एवं समाज के उन्नयन में नीतिशास्त्र एवं नैतिकता की भूमिका के प्रति संवेदनशीलता |

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला (Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	मूल्य शिक्षा के सैद्धांतिक आधार मूल्य: संप्रत्यय, स्वरूप, स्रोत, सिद्धान्त	3		1	4	6.67
मॉड्यूल-2	मूल्यमीमांसा एवं शिक्षा	2	1		3	5
मॉड्यूल-3	मूल्य और शिक्षा: मनोवैज्ञानिक दृष्टीकोण	3	1	1	5	8.33
मॉड्यूल-4	मूल्य और शिक्षा: समाजशास्त्रीय दृष्टीकोण	2		1	3	5
मॉड्यूल-5	भारतीय मूल्य परंपरा भारतीय संस्कृति एवं मानव	3	1	1	5	8.33

	मूल्य					
मॉड्यूल-6	भारतीय संस्कृति में मूल्य: सहिष्णुता, शांति, वैश्विक बंधुता	4	1	1	6	10
मॉड्यूल-7	भारतीय संविधान में अंतर्निहित नागरिकों के मूलभूत कर्तव्य एवं मूल्य	3		1	4	6.67
मॉड्यूल-8	मूल्यों का वर्गीकरण वैयक्तिक एवं सामाजिक मूल्य, समाज एवं स्वहित के लिए मूल्य	2	1		3	5
मॉड्यूल-9	स्वप्रेरणा एवं समाज की अपेक्षा पर आधारित सामाजिक, नैतिक, आध्यात्मिक एवं लोकतान्त्रिक मूल्य	4	1	1	6	10
मॉड्यूल-10	मूल्य संघर्ष के सन्दर्भ में उभरती समस्या का विश्लेषण एवं पहचान	2		1	3	5
मॉड्यूल-11	मूल्य विकास के लिए शैक्षणिक साहित्य की रचना एवं विकास	2		1	3	5
मॉड्यूल-12	नैतिकता एवं शिक्षक नैतिक मूल्य: संकल्पना और अर्थ	3	1	1	5	8.33
मॉड्यूल-13	व्यावसायिक आचारसंहिता और शिक्षक: वैश्विक दृष्टिकोण से शिक्षा व्यवसाय की नैतिक आचारसंहिता	4		1	5	8.33
मॉड्यूल-14	शिक्षक: मूल्यों का शिक्षक, विद्यालय की भूमिका, विद्यालयीन कार्यक्रम	3	1	1	5	8.34
योग		40	8	12	60	100

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	● आगमनात्मक ● निगमनात्मक ● निर्माणवादी ● चिंतनशील ● समेकित/एकीकृत ● अंतरानुशासनिक ● सहयोगपूर्ण (collaborative)
विधियाँ	● व्याख्यान सह परिचर्चा ● विचार विमर्श ● सामूहिक परिचर्चा ● प्रस्तुतीकरण ● पैनल चर्चा ● संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	● सहयोगी अधिगम ● पृच्छा-आधारित अनुदेशन एवं अधिगम ● व्यष्टि अध्ययन ● केन्द्रित समूह चर्चा ● फ्लिपड कक्षा-कक्ष ● विभेदित अनुदेशन ● कम्प्यूटर सहायित अनुदेशन
उपादान	● पावर पॉइंट प्रस्तुति, ● ऑनलाइन कक्षा (गूगल क्लासरूम, गूगल मीट) ● ई-संसाधन ● शोध पत्र ● स्मार्टबोर्ड

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित जिन अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा है, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया गया है :

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
1.	X	X			X		X	X
2.	X	X	X	X	X	X	X	X
3.	X	X			X		X	X
4.	X	X	X	X	X	X	X	X
5.	X	X	X	X	X	X	X	X
6.	X	X	X		X	X	X	X
7.	X	X	X	X	X		X	X
8.	X	X		X	X		X	X
9.	X	X		X	X	X	X	X
10.	X	X		X		X	X	X
11.	X	X	X	X	X	X	X	X

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#] विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	● शर्मा, आर. ए. (2004) मानव मूल्य एवं शिक्षा । आर. लाल बुक डिपो: मेरठ । ● दुबे, सत्यनारायण (2007) मूल्य-शिक्षा । शारदा पुस्तक भवन: इलाहाबाद ।
2	संदर्भ-ग्रंथ	● Gandhi, M.K. (1976). My Experiments with Truth. Navjivan Publishing House: Ahmedabad. ● Government of India (2000). The Constitution of India. New Delhi ● Krishnamurthy, J. (2000). Education and the Significance of Life. KF: Pune. ● Rajput, J.S. (2001). Symphony of Human Values in Education. New Delhi ● Saiyuddain, K. G (1965). The Faith of an Educationist: A Play for Human Values. Asia Publishing House: New Delhi. ● Seshadri, C.; Khadcr, M.A. Adhya GL. (Ed.) 1992 Education in value. NCERT: New Delhi. ● Learning: The Treasure Within (1996). UNESCO: Paris.
3	ई-संसाधन	● www.swayam.gov.in ● http://nmeict.detsndt.ac.in/ ● https://ncte.gov.in/Website/OER.aspx

1. पाठ्यचर्या का नाम: शैक्षिक प्रौद्योगिकी

(Name of the Course): Educational Technology

2. पाठ्यचर्या का कोड (Code of the Course): एमईडीई 03

3. क्रेडिट (Credit): 4 क्रेडिट 4. सेमेस्टर (Semester): चतुर्थ

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of the Course):

एम.एड. पाठ्यक्रम में इस पाठ्यचर्या को सम्मिलित करने का प्रयोजन एवं विवरण निम्नवत है:

- **शैक्षिक तकनीकी :** संकल्पना, प्रकृति और क्षेत्र: यह इकाई शैक्षिक तकनीकी की संकल्पना और शैक्षिक तकनीकी के विभिन्न अर्थों की व्याख्या करती है। यह शैक्षिक तकनीकी के विभिन्न उपागमों, रूपों और तौर-तरीकों की समीक्षा प्रस्तुत करती है। साथ ही अध्येताओं को शिक्षा के विभिन्न क्षेत्रों में शैक्षिक तकनीकी की भूमिका पर विचार-विमर्श करने हेतु प्रेरित करती है।
- **संचार और अनुदेशन:** यह इकाई संचार के विभिन्न तत्त्व, प्रक्रिया एवं प्रकार का वर्णन करती है तथा कार्य विश्लेषण की अवधारणा एवं प्रक्रिया और मीडिया के माध्यम से संचार प्रणाली विषय पर गहराई से प्रकाश डालती है।
- **अनुदेशन के विभिन्न रूप एवं व्यूहरचनाएं:** यह इकाई अभिक्रमित अनुदेशन की संकल्पना और विभिन्न प्रकार विषय पर व्यापक रूप से चर्चा करती है। यह अनुदेशन के विभिन्न रूपों एवं व्यूहरचनाओं का विस्तृत विवरण प्रस्तुत करती है।
- **शिक्षक व्यवहार में परिवर्तन तथा शिक्षण प्रतिमान :** यह इकाई इस बात पर विचार करती है कि शिक्षक के व्यवहार में किस प्रकार परिवर्तन लाया जा सकता है तथा इसमें कक्षा अंतःक्रिया विश्लेषण की क्या भूमिका है? यह शिक्षण प्रतिमान के विभिन्न घटकों तथा मॉडल की समीक्षा भी प्रस्तुत करती है।

6. अपेक्षित पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम CLOs (Course Learning Outcomes):

इस पाठ्यचर्या के अध्ययन के उपरान्त अध्येता-

1. शैक्षिक तकनीकी की प्रकृति, क्षेत्र और विभिन्न रूपों की आलोचनात्मक रूप से व्याख्या कर सकेंगे।
2. शिक्षा और संचार के क्षेत्र में प्रणाली उपागम और संचार के विभिन्न साधनों की उपादेयता का मूल्यांकन कर सकेंगे।
3. शैक्षिक तकनीकी के क्षेत्र में हो रहे नवाचारों और शैक्षिक तकनीकी के भावी दृष्टिकोण पर विचारशील चिंतन एवं लेखन कर सकेंगे।
4. विद्यार्थी संगोष्ठी में सहभागिता करते हुए शिक्षा के क्षेत्र में शैक्षिक मीडिया के अनुप्रयोगों का मूल्यांकन कर सकेंगे।
5. कार्यशाला के माध्यम से अनुदेशनात्मक प्रारूप और स्व-अनुदेशन सामग्री का निर्माण कर सकेंगे।
6. कार्यशाला के माध्यम से विभिन्न प्रकार के शिक्षण प्रतिमानों की समीक्षा करते हुए अपनी कक्षा आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर एक प्रभावी शिक्षण प्रतिमान का निर्माण कर सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course):

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..... (Interaction/ Training/		

				Laboratory)		Course)
मॉड्यूल-1	इकाई 1: शैक्षिक तकनीकी : संकल्पना, प्रकृति और क्षेत्र शैक्षिक तकनीकी की संकल्पना एवं उपागम शैक्षिक तकनीकी की संकल्पना: शिक्षा में तकनीकी एवं शिक्षा की तकनीकी, शैक्षिक तकनीकी का उद्भव एवं विकास, शैक्षिक तकनीकी के विभिन्न अर्थ, शैक्षिक तकनीकी की अवधारणाएं, शैक्षिक तकनीकी के उपागम - हार्डवेयर, सॉफ्टवेयर, प्रणाली उपागम और साइबरनेटिक्स	4	-	1	5	8.33%
मॉड्यूल-2	इकाई 1: शैक्षिक तकनीकी : संकल्पना, प्रकृति और क्षेत्र शैक्षिक तकनीकी के विभिन्न रूप एवं अनुदेशात्मक प्रारूप के विभिन्न प्रतिमान शिक्षण तकनीकी के रूप: शिक्षण तकनीकी, अनुदेशन तकनीकी और व्यवहार तकनीकी तथा अनुदेशात्मक प्रारूप के विभिन्न मॉडल- ADDIE, ASSURE एवं डिक एंड कैरी मॉडल	4	-	1	5	8.33%

मॉड्यूल-3	इकाई 1: शैक्षिक तकनीकी : संकल्पना, प्रकृति और क्षेत्र शिक्षण के तौर-तरीके एवं शिक्षा के क्षेत्र में शैक्षिक प्रौद्योगिकी की भूमिका शिक्षण के तौर तरीके- अनुबंधन, प्रशिक्षण, अनुदेशन और मतारोपण; शिक्षा के क्षेत्र में प्रौद्योगिकी की भूमिका: शिक्षण एवं अधिगम, मूल्यांकन, प्रबंधन, वृत्तिक विकास, दूरस्थ शिक्षा एवं शैक्षिक शोध के संदर्भ में	3	1	1	5	8.33%
मॉड्यूल-4	इकाई 2 : संचार और अनुदेशन अनुदेशन प्रणाली में संचार की प्रभावशीलता संचार की संकल्पना, तत्त्व, प्रक्रिया, माध्यम, अवरोध एवं प्रकार; अनुदेशन के लिए माध्यम, शिक्षा के क्षेत्र में बड़े पैमाने पर मीडिया के माध्यम से संचार की प्रणाली	5	1	2	8	13.33%
मॉड्यूल-5	इकाई 2 : संचार और अनुदेशन कार्य विश्लेषण कार्य विश्लेषण की संकल्पना, विशेषताएं एवं प्रक्रिया, टास्क (कौशल) विशेषण, प्रणाली विश्लेषण, पाठ्यवस्तु विश्लेषण	5	-	2	7	11.67%

मॉड्यूल-6	इकाई 3 : अनुदेशन के विभिन्न रूप एवं व्यूहरचनाएँ अभिक्रमित अनुदेशन अभिक्रमित अनुदेशन: उद्भव एवं प्रकार – रेखीय, शाखीय तथा मैथेटिक्स अभिक्रमित अनुदेशन, अभिक्रमित अनुदेशन सामग्री का विकास	3	-	2	5	8.33%
मॉड्यूल-7	इकाई 3 : अनुदेशन के विभिन्न रूप एवं व्यूहरचनाएँ अनुदेशात्मक व्यूहरचनाएँ: व्याख्यान, चर्चा, सेमिनार और ट्यूटोरियल, टेलीकांफ्रेंसिंग, देशव्यापी कक्षा परियोजना और सैटेलाइट आधारित अनुदेशन	3	1	1	5	8.33%
मॉड्यूल-8	इकाई 3 : अनुदेशन के विभिन्न रूप एवं व्यूहरचनाएँ अनुदेशन के विभिन्न रूप प्रत्यक्ष संपर्क, दूरस्थ शिक्षा, संगणक सहायक अनुदेशन (CIL), संगणक मध्यस्थता अनुदेशन (CMI), संगणक आधारित अनुदेशन (CBI), ऑनलाइन अधिगम, ब्लेंडेड अधिगम	3	1	1	5	8.33%

मॉड्यूल-9	इकाई 4 : शिक्षक व्यवहार में परिवर्तन एवं शिक्षण प्रतिमान शिक्षण व्यवहार में परिवर्तन शिक्षक व्यवहार में परिवर्तन : सूक्ष्म शिक्षण , अनुकरणीय शिक्षण और टोली शिक्षण, फ्लैडर्स अंतःक्रिया विश्लेषण तकनीक	5	1	2	8	13.33%
मॉड्यूल-10	इकाई 4 : शिक्षक व्यवहार में परिवर्तन एवं शिक्षण प्रतिमान शिक्षण प्रतिमान शिक्षण के आधुनिक प्रतिमान : अर्थ , कार्य और प्रकार (विकासात्मक प्रतिमान , संप्रत्यय उपलब्धि प्रतिमान , अग्रिम संगठक प्रतिमान , अनिर्देशीय शिक्षण प्रतिमान)	5	-	2	7	11.67%
योग		40	5	15	60	100%

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	निर्माणवादी उपागम, आगमनात्मक उपागम, निगमनात्मक उपागम, ब्लेंडेड अभिगम उपागम
विधियाँ	व्याख्यान-सह चर्चा, सहयोगात्मक अभिगम, पृच्छा आधारित अभिगम, अनुकरणीय शिक्षण
तकनीक	व्याख्यान-सह-चर्चा सामूहिक विचार-विमर्श परियोजना कार्य तथा प्रस्तुतीकरण विद्यार्थी संगोष्ठी के माध्यम से विभिन्न शोध पत्रों का संदर्भ लेते हुए शैक्षिक तकनीकी के क्षेत्र में हो रहे नवाचारों पर चर्चा कार्यशाला के माध्यम से अनुदेशनात्मक प्रारूप, स्व-अनुदेशन सामग्री एवं शिक्षण प्रतिमान का निर्माण फ्लैट्स अंतःक्रिया विश्लेषण तकनीक का प्रयोग करते हुए छात्राध्यापकों के कक्षा-कक्ष व्यवहार का अवलोकन एवं विश्लेषण गूगल क्लासरूम के माध्यम से ट्यूटोरियल एवं ऑनलाइन चर्चा
उपादान	पावर पॉइंट प्रस्तुति; ऑनलाइन क्लास (गूगल क्लासरूम, गूगल मीट); शोध डाटाबेस (रिसर्च गेट, गूगल स्कॉलर, ERIC); ई-संसाधन (यू-ट्यूब वीडियो, ऑनलाइन कोर्स, ब्लॉग, स्लाइड शेयर)

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित जिन अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा है, उसका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया गया है:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य
	1	2	3	4	5	6	7	8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति								
1	X	X	-	-	X	-	-	-

2	X	X	X	-	X	X	-	X
3	X	X	X	X	X	X	X	X
4	X	X	X	-	X	X	-	X
5	X	X	X	X	X	X	X	X
6	X	X	X	X	X	X	X	X

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning)

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#] विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	- Bhushan, A. & Ahuja, M. (1992). <i>Educational Technology</i>. Meerut: Vikas Publication. - Das, R.C. (1993). <i>Educational Technology: A Basic Tex</i>. New Delhi, Sterling Publishers. - Gakhar, S.C. (2008) <i>Educational Technologies</i>. Panipat: N.M. Publication. - Kumar, K.L. (2008): <i>Educational Technology (Second Revised Edition)</i>. New Delhi: New Age International Pvt. Ltd. Publishers.

		- मंगल, एस.के. एवं मंगल, यु. (2019). <i>शिक्षा तकनीकी (आठवाँ संस्करण)</i>. दिल्ली: पी.एच.आई. प्राइवेट लिमिटेड. - Mehra, V. (2010): <i>A Textbook of Educational Technology</i>. New Delhi: Sanjay Prakashan - Mukhopadhyay, M. (1990): <i>Educational Technology – Challenging Issues</i>. New Delh: Sterling Publishers Pvt. Ltd. - Sharma, B.M. (1994): <i>Distance Education</i>. New Delhi: Commonwealth Publishers.
2	संदर्भ-ग्रंथ	- Adam, D.M. (1985). <i>Computers and Teacher Training: A Practical guide</i>. New York: The Haworth Preen, Inc. - Behera, S.C. (1985). <i>Educational Television Programmes</i>. New Delhi: Deep and Deep Publications. - Coburn, P. and et. al. (1985): <i>Practical Guide to Computers in Education</i>. Botson: Addison – Wesley Publishing Company, Inc. - Flanders, Ned A. (1978) <i>Analyzing Teaching Behaviour</i>. London: Addison Wasley Publishing Co. - Haas, K.B. and Packer, H.Q. (1990): <i>Preparation and Use of Audio Visual Aids (3rd Edition)</i>. Canada: Prentice Hall, Inc. - Sampath et. al. (1981): <i>Introduction to Educational Technology</i>. Sterling Publishers Pvt. Ltd.
3	ई-संसाधन	https://educationaltechnology.net/assure-instructional-design-model/ http://www.publishyourarticles.net/knowledge-hub/education/what-are-the-different-approaches-of-educational-technology/5367/ http://www.slideshare.net/kuldeepvyas370/communication-process-84900920?from_m_app=android https://www.simplypsychology.org/operant-conditioning.html https://drarockiasamy.wordpress.com/unit-i-concept-of-educational-technology/ https://ddceutkal.ac.in/Syllabus/MA_Education/PAPER_10.pdf https://www.youtube.com/watch?v=V2uFAP4YFRU https://www.youtube.com/watch?v=V2uFAP4YFRU

	https://www.youtube.com/watch?v=V2uFAP4YFRU https://www.edx.org/learn/educational-technology https://eduquestjournal.com/Journal/abstract/id/NDMyMg==/?year=2020&month=August&volume=Volume%2011&issue=Issue%202

1. पाठ्यचर्या का नाम: शैक्षिक मापन, मूल्यांकन एवं आकलन

(Name of the Course) Educational Measurement, Evaluation and Assessment

2. पाठ्यचर्या का कोड: एमईडीई 04

(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 04

(Credit)

4. सेमेस्टर: चतुर्थ

(Semester)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	8
कौशल विकास गतिविधियाँ	4
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण:

(Description of the Course)

एम.एड. पाठ्यक्रम में इस पाठ्यचर्या को सम्मिलित करने का प्रयोजन तथा इसका विवरण निम्नवत है :

- **मापन, मूल्यांकन और आकलन के आधार:** यह इकाई शैक्षिक मापन, मूल्यांकन और आकलन की मूलभूत अवधारणाओं तथा वर्गीकरण के विभिन्न आधारों को प्रस्तुत करती है। मापन के विभिन्न स्तरों की चर्चा करती है।
- **शोध उपकरण का निर्माण:** यह इकाई मापन, मूल्यांकन तथा आकलन में प्रयुक्त उपकरणों की विशेषताओं, निर्माण एवं विकास के सोपानों तथा शोध अध्ययन हेतु परीक्षण के निर्माण एवं मानकीकरण के विभिन्न सोपानों का वर्णन करती है।
- **मापन और मूल्यांकन के उपकरण एवं प्रविधियाँ:** यह इकाई मापन एवं मूल्यांकन में प्रयुक्त होने वाले विभिन्न शोध उपकरणों एवं प्रविधियों का विवरण प्रस्तुत करती है और अध्येताओं को इनके उचित अनुप्रयोग के लिए तैयार करती है।
- **परीक्षण प्राप्तांकों तथा मानकों की व्याख्या:** यह इकाई विभिन्न शैक्षिक परिस्थितियों एवं आवश्यकताओं के अनुरूप मापन, मूल्यांकन तथा आकलन की योजना एवं छात्रों की शैक्षिक प्रगति में प्राप्त परिणामों की भूमिका की व्याख्या करती है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

- शैक्षिक मापन, मूल्यांकन और आकलन की मूलभूत अवधारणाओं तथा विधियों की समझ।
- मापन, मूल्यांकन तथा आकलन में प्रयुक्त उपकरणों तथा प्रविधियों का अवबोध।
- शोध अध्ययन हेतु परीक्षण के निर्माण एवं मानकीकरण के विभिन्न सोपानों से परिचय तथा अभ्यास द्वारा आवश्यक कौशलों का विकास।
- विभिन्न शैक्षिक परिस्थितियों एवं आवश्यकताओं के अनुरूप मापन, मूल्यांकन तथा आकलन की योजना तैयार करने एवं छात्रों की शैक्षिक प्रगति में प्राप्त परिणामों की भूमिका को पहचानने की दक्षता।
- शिक्षा के क्षेत्र में अनुप्रयुक्त मापन, मूल्यांकन एवं आकलन की समझ को प्रदर्शित करने की क्षमता।

- शोध अध्ययन में विभिन्न चरों से संबन्धित प्रदत्तों के एकत्रीकरण हेतु उपकरणों के निर्माण/ प्रविधियों के उपयोग की दक्षता |
- शोध अध्ययन में वस्तुनिष्ठता, वैधता एवं विश्वसनीयता को सुनिश्चित करने के लिए सांख्यिकीय तकनीकों का ज्ञान तथा प्रतिबद्धता/ नैतिकता |

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला (Interaction / Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	मापन, मूल्यांकन और आकलन के आधार ● मापन, मूल्यांकन और आकलन का संप्रत्यय, आवश्यकता, कार्य, प्रकार और मूलभूत सिद्धान्त	2	1	1	4	6.67
मॉड्यूल-2	● आकलन का वर्गीकरण: उद्देश्य के आधार पर (पूर्वाभासी, संरचनात्मक, नैदानिक एवं योगात्मक), व्यापकता के आधार पर (शिक्षक-निर्मित एवं मानकीकृत), मापित गुण के आधार पर (उपलब्धि, अभिवृत्ति, अभिक्षमता), संकलित सूचना के आधार पर (गुणात्मक एवं मात्रात्मक), अनुक्रिया विधि के आधार पर (मौखिक एवं लिखित, चयन एवं आपूर्ति),	6	1	1	8	13.33

	व्याख्या की प्रकृति के आधार पर (मानक-संदर्भित एवं निष्कर्ष-संदर्भित) तथा संदर्भ के आधार पर (आंतरिक तथा बाह्य)					
मॉड्यूल-3	मापन के स्तर (नामित, क्रमित, अंतरित, आनुपातिक) तथा शोध प्रक्रिया में सांख्यिकी तथा मापन के स्तर की उपयोगिता	2		1	3	5
मॉड्यूल-4	शोध उपकरण का निर्माण मापन उपकरणों की विशेषताएँ: वस्तुनिष्ठता, व्यापकता, प्रायोगिकता, विश्वसनीयता, वैधता एवं मानक	3	1	1	5	8.33
मॉड्यूल-5	परीक्षण निर्माण की मूलभूत आवश्यकता, परीक्षण विनिर्देश, विनिर्देश तालिका, परीक्षण पदों के प्रकार तथा अच्छे पदों के लेखन में सामान्य नियम	3	1	1	5	8.33
मॉड्यूल-6	परीक्षण का मानकीकरण: मापन उपकरण के प्रमापीकरण के सोपान	2			2	3.34
मॉड्यूल-7	पद विश्लेषण: कठिनाई स्तर, विभेदन सूचकांक	2		1	3	5
मॉड्यूल-8	मापन और मूल्यांकन के उपकरण एवं प्रविधियाँ मूल्यांकन की प्रविधियाँ: साक्षात्कार, अवलोकन, प्रक्षेपीय प्रविधि, समाजमिति	3	1		4	6.67

मॉड्यूल-9	मूल्यांकन के उपकरणों की अवधारणा एवं उपयोग: परीक्षण, जाँचसूची, प्रश्नावली तथा अनुसूची, परिसूची तथा संचयी अभिलेख	3		1	4	6.67
मॉड्यूल-10	मापनी: अर्थ, मापनी के प्रकार (लिकर्ट, थर्स्टन, संकलित निर्धारण मापनी, अभिवृत्ति मापनी के निर्माण एवं मानकीकरण की प्रक्रिया तथा सोपान	3		1	4	6.66
मॉड्यूल-11	प्रतिभाग एवं संविभाग: अर्थ, प्रकार तथा विकास	1	1	1	3	5
मॉड्यूल-12	परीक्षण प्राप्तांकों तथा मानकों की व्याख्या निकष-संदर्भित तथा मानक-संदर्भित व्याख्या, अपरिष्कृत प्रदत्त, मानक प्रदत्त और प्रदत्तों की मापनी (स्केलिंग)	3	1	1	5	8.33
मॉड्यूल-13	मानक- आयु, श्रेणी, प्रतिशतांक तथा प्रतिशतांक क्रम, स्टैनाइन, मानकों में निहित वांछनीय गुण, अंकन के दौरान अनुमान हेतु सुधार, परीक्षण प्राप्तांकों की व्याख्या	4	1	1	6	10
मॉड्यूल-14	मूल्यांकन में कम्प्यूटर का उपयोग: शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया के प्रभावी मूल्यांकन हेतु सॉफ्टवेयर एवं वेब संसाधनों का मूल्यांकन करना,	3		1	4	6.67

	ऑनलाइन परीक्षण, इ-आकलन, आभासी प्रदत्तकार्य					
योग		40	8	12	60	100

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	● आगमनात्मक ● निगमनात्मक ● निर्माणवादी ● चिंतनशील ● समेकित/एकीकृत ● अंतरानुशासनिक ● सहयोगपूर्ण (collaborative)
विधियाँ	● व्याख्यान सह परिचर्चा ● विचार विमर्श ● सामूहिक परिचर्चा ● प्रस्तुतीकरण ● पैनल चर्चा ● संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	● सहयोगी अधिगम ● पृच्छा-आधारित अनुदेशन एवं अधिगम ● व्यष्टि अध्ययन ● केन्द्रित समूह चर्चा ● विषय-वस्तु विश्लेषण ● फ्लिपड कक्षा-कक्ष ● विभेदित अनुदेशन ● कम्प्यूटर सहायित अनुदेशन

उपादान	● पावर पॉइंट प्रस्तुति, ● ऑनलाइन कक्षा (गूगल क्लासरूम, गूगल मीट) ● ई-संसाधन ● शोध पत्र ● स्मार्टबोर्ड ● मानकीकृत परीक्षण एवं शोध उपकरण ● पूर्व में किए गए शोध

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित जिन अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा है, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया गया है :

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
1.	X	X			X		X	X
2.	X	X	X	X	X	X	X	X
3.	X	X			X		X	X
4.	X	X	X	X	X	X	X	X
5.	X	X		X	X		X	X
6.	X	X	X		X	X	X	X
7.	X	X		X		X	X	X

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#] विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	- सिंह, अरुण कुमार (2017). मनोविज्ञान, समाजशास्त्र तथा शिक्षा में शोध विधियाँ. मोतीलाल बनारसीदास: दिल्ली। - गुप्ता, एस. पी. (2017). आधुनिक मापन एवं मूल्यांकन. शारदा पुस्तक भवन: इलाहाबाद।
2	संदर्भ-ग्रंथ	- Edwards, A.L., (1957). Techniques of Attitudes Scale Construction. New York - Garrett, H.E. (2004). Statistics in Education and Psychology. Paragon International Publishers: New Delhi. - Sharma, R.A: (2007). Essentials of Measurement in Education and Psychology. Surya Publication: Meerut. - गुप्ता, एस. पी. (2011). अनुसंधान संदर्शिका. शारदा पुस्तक भवन: इलाहाबाद।
3	ई-संसाधन	www.swayam.gov.in http://nmeict.detsndt.ac.in/ https://ncte.gov.in/Website/OER.aspx

1. पाठ्यचर्या का नाम: समावेशी शिक्षा

(Name of the Course): Inclusive Education

2. पाठ्यचर्या का कोड (Code of the Course): एमईडीई 04

3. क्रेडिट (Credit): 04 क्रेडिट

4. सेमेस्टर (Semester): चतुर्थ

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of the Course):

एमपाठ्यक्रम में इस पाठ्यचर्या को सम्मिलित करने का प्रयोजन एवं .एड. विवरण निम्नवत है

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	6
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	7
कौशल विकास गतिविधियाँ	7
कुल क्रेडिट घंटे	60

1. समावेशी शिक्षा का परिचय: यह इकाई अधिगमकर्ता को समावेशी

शिक्षा की परिभाषासंप्रत्यय एवं महत्व ,, भारत में समावेशी शिक्षा के ऐतिहासिक विकास से परिचित कराती है।

2. विविध आवश्यकताओं वाले बच्चे: यह इकाई संवेदी तथा बौद्धिक (दृश्य एवं शारीरिक विकलांगता ,श्रव्य) प्रवीण एवं मानसिक ,प्रतिभाशाली)विकलांगतासामाजिक एवं ,तथा विशेषताओं कठिनाइयों वाले बच्चों की परिभाषा (सांवेगिक समस्याओं को अधिगमकर्ता के समक्ष प्रस्तुत करती है

3. विविध आवश्यकताओं वाले बच्चों के लिए पाठ्यचर्या अनुकूलन :यह इकाई विशिष्ट शिक्षा ,समाकलित शिक्षा , मुख्यधारा एवं समावेशी शिक्षा पद्धतियों का विश्लेषण प्रस्तुत करती है।

4. समावेशी शिक्षा के लिए शिक्षकों की तैयारी :यह इकाई वर्तमान शैक्षिक कार्यक्रमोंराष्ट्रीय) 2005 .एफ.सी.एन , (2005 पाठ्यचर्या की रूपरेखातथा शिक्षक निर्माण की पाठ्यचर्या की समीक्षा एवं सम्पादन (अधिगम-शिक्षण)प्रणालियों की विवेचना करती है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs) Course Learning Outcomes) :

इस पाठ्यचर्या के अध्ययन के उपरान्त अध्येता निम्नलिखित अधिगम परिणाम प्राप्त करने में सक्षम होंगे-

1. समावेशी शिक्षा की परिभाषासंप्रत्यय एवं महत्व ,, भारत में समावेशी शिक्षा के ऐतिहासिक विकास का बोध।

2. संवेदी कठिनाइयों (प्रवीण एवं मानसिक विकलांगता ,प्रतिभाशाली) तथा बौद्धिक (दृश्य एवं शारीरिक विकलांगता ,श्रव्य) सामाजिक एवं सांवेगिक समस्याओं की समझ ,वाले बच्चों की परिभाषा तथा विशेषताएँ

3. विशिष्ट शिक्षा पद्धतियों का विश्लेषण करने की क्षमतामुख्यधारा एवं समावेशी शिक्षा प ,समाकलित शिक्षा ,

4. वर्तमान शैक्षिक कार्यक्रमों (2005 राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा) 2005 .एफ.सी.एन ,तथा शिक्षक निर्माण की पाठ्यचर्या की समीक्षा एवं सम्पादन प्रणालियों (अधिगम-शिक्षण) की विवेचना करने की क्षमता।

5. अधिगमकर्ता के परिसर से सम्बंधित प्रदत्तों को एकत्रित करने एवं विवेचना करने की क्षमता।

6. कक्षा कक्ष शिक्षण के दौरान निर्माणवादी उपागम का अनुप्रयोग करने की क्षमता-

7. समूह गतिशीलता के विभिन्न पक्षों को समझने हेतु समूह अध्ययन के लिए तत्परता।



महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

शिक्षा विभाग, शिक्षा विद्यापीठ

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course):

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्या न	ट्यूटोरियल यदि अपेक्षित है	संवाद / प्रशिक्षण / प्रयोगशाला .)Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल1-	समावेशी शिक्षा का परिचय - समावेशी शिक्षा की परिभाषासंप्रत्यय , भारत में एवं महत्व समावेशी शिक्षा का ऐतिहासिक विकास - विशिष्ट शिक्षा , समाकलित शिक्षा एवं समावेशी शिक्षा में भेद।	10	2	3	15	25
मॉड्यूल2-	विविध आवश्यकताओं वाले बच्चे संवेदी ,श्रव्य) दृश्य एवं शारीरिक तथा (विकलांगता ,प्रतिभाशाली) बौद्धिक प्रवीण एवं मानसिक (विकलांगता कठिनाइयों वाले बच्चों की परिभाषा तथा ,विशेषताएँ विकासात्मक	10	2	3	15	25

	,आटिज्म) असमर्थता ,सेरिब्रल पाल्सी अधिगमअसमर्थता (सामाजिक एवं सांवेगिक समस्याएँ , कम ,शैक्षिक पिछड़ापन मंद ,उपलब्धि विशिष्ट ,अधिगमकर्ता सम्बन्धी -स्वास्थ्य समस्याओं वाले बच्चे ●सामाजिक रूप से सुविधाहीन बच्चों की शिक्षा में समस्याएँ एवं अवरोधसंरचनात्मक , एवं तंत्रात्मक अवरोध ●सामाजिकसांस्कृतिक- विविधता , पाठ्यपुस्तकों में पक्षपात तथा अप्रत्यक्ष पाठ्यक्रम को संबोधित करने के लिए विद्यालयों का संगठन एवं प्रबंधन ●शिक्षणअधिगम - प्रक्रिया एवं सहयोग -भाषा ,सामग्री सम्बन्धी मुद्दों को ,संबोधित करना बच्चों की विविध आवश्यकताओं -सामाजिक) सांस्कृतिक एवं भाषायी (को पूरा करने					

	के लिए पाठ्यचर्या एवं पाठ्यसहगामी - गतिविधियाँ					
मॉड्यूल- 3	विविध आवश्यकताओं वाले बच्चों के लिए पाठ्यचर्या अनुकूलन ● संवेदी दृश्य एवं, श्रव्य) शारीरिक तथा (विकलांगता बौद्धिक प्रवीण ,प्रतिभाशाली) एवं मानसिक (विकलांगता कठिनाइयों वाले विकासात्मक ,बच्चों ,आटिज्म) असमर्थता ,सेरिब्रल पाल्सी ,(अधिगम असमर्थता सामाजिक एवं सांवेगिक समस्याएँ , ,शैक्षिक पिछड़ापन मंद ,कम उपलब्धि अधिगमकर्ताविशिष्ट , सम्बन्धी -स्वास्थ्य समस्याओं वाले /पर्यावरणीय ,बच्चों पारिस्थितिक कठिनाइयों एवं (हाशिए) सीमांत समूहों से सम्बंधित बच्चों के लिए ठ्यचर्या अनुकूलन पा	1 0	2	3	1 5	25

	अर्थ एवं ,का संप्रत्यय आवश्यकता ●समावेशी कक्षा हेतु पहचानआकलन एवं , मध्यस्थता के लिए /अभिलेखों पं्रकरण पार्श्वचित्रों का (प्रोफाइल्स) उपयोग					
मॉड्यूल4-	समावेशी शिक्षा के लिए शिक्षकों की तैयारी ●माध्यमिक विद्यालयों विशिष्ट सामान्य एवं) में प्रदान किये (शिक्षा जा रहे वर्तमान शैक्षिक ,कार्यक्रमों 2005 .एफ.सी.एन राष्ट्रीय पाठ्यचर्या) कीरूपरेखा (2005 तथा शिक्षक निर्माण की पाठ्यचर्या की समीक्षा एवं सम्पादन (अधिगम-शिक्षण) प्रणाली ●समावेशी शिक्षा के अध्यापक एवं अध्यापक शिक्षक की भूमिकाउत्तरदायित्व , एवं व्यावसायिक आचारशास्त्र ●समावेशी शिक्षा को बढ़ावा देने में विभिन्न	1 0	2	3	1 5	25

	राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय शाखाओं संस्थाओं एवं) की (विश्वविद्यालयों भूमिका ●समावेशी शिक्षा में शोध में आधुनिक प्रवृत्ति					
योग		40	8	12	60	100

8. शिक्षण अभिगमतकनीक एवं उपादान ,विधियाँ ,: (Approach ,esMethods ,Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	1.निर्माणवादी उपागम 2. आगमनात्मक उपागम 3.निगमनात्मक उपागम 4. एकीकृत उपागम 5.चिंतशील, 6.अंतरानुशासनिक 7.सहयोगपूर्ण 8. ब्लेंडेड अधिगम उपागम
विधियाँ	1.दार्शनिक चिंतन 2. व्याख्यानसह चर्चा- 3. सहयोगात्मक अधिगम 4. ऐतिहासिक विधि 5. पृच्छा आधारित अधिगम 6.संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	1.शोध आलेखों की समीक्षा 2. संगोष्ठी परिचर्चा/ 3.व्यष्टि अध्ययन 5. व्याख्यानचर्चा-सह- 6. केंद्रित समूह चर्चा 7.परियोजना कार्य एवं प्रस्तुतीकरण

	8. वृत्तिक विकास हेतु प्रयोग में लाई जानेवाली विभिन्न सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी उपकरण का आईप्रयोगशाला में अभ्यास .टी.सी.,
उपादान	1.पावर पॉइंट प्रस्तुति 2. ऑनलाइन क्लास गूगल क्लासरूम), गूगल मीट(3.लैपटाप 4.प्रोजेक्टर 5.स्मार्टबोर्ड 6.शोध पत्र; ईट्यूब वीडियो-यू संसाधन-, ऑनलाइन कोर्स, ब्लॉग, गूगल बुक्स, विकिबुक्स(

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा होउनका विवरण निम्नलिखित ,
:मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति								
1	X	X	X	X	X	X	X	X
2	X	X	X	-	X	X	X	X
3	X	X	X	X	X	X	X	X
4	X	X	X	-	-	-	-	X
5	X	X	X	X	X	X	X	X
6	X	X	-	-	X	-	-	-
7	X	X	X	-	-	X	X	X

10. मूल्यांकन) परीक्षा योजना /Evaluation/Examination Planning(

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय- पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

.11 अध्ययन हेतु आधार संदर्भ ग्रंथ/(Text books/Reference/Resources)

क्र . .सं	पाठ्य- सामग्री	विवरण APA)प्रारूप में(
1	आधारपाठ्य / ग्रंथ	- MHRD (1992), National Policy on Education (Revised).New Delhi: MHRD, Gov. of India. - MHRD, (1992), Programme of action. Govt. of India, New Delhi. - Report of the Education Commission (1964-66). - Report of the National Commission on Teachers (1983-85). - Report of the Delors Commission, UNESCO, 1996 - National Policy on Education 1986/1992. - National Curriculum Framework (2005, 2009, 2014). - NCTE Regulations 2009, 2014

2	संदर्भग्रंथ-	● Schools. Bristol: Center for Studies in Inclusive Education. ● Ahuja. A, Jangira, N.K. (2002): Effective Teacher Training; Cooperative Learning Based Approach: National Publishing house 23 Daryaganj, New Delhi. ● Jangira N.K. and Mani, M.N.G. (1990): Integrated Education for Visually Handicapped, Gurgaon, Old Subjimandi, Academic Press. ● Jha. M.(2002) Inclusive Education for All: Schools Without Walls, Heinemann Educational publishers, Multivista Global Ltd, Chennai, 600042, India. ● Sharma, P.L. (1990) Teachers handbook on IED- Helping children with special needs NCERT Publication. ● Sharma P.L (2003) Planning Inclusive Education in Small Schools, RIE. Mysore ● Chudhary, B. (1992): Tribal Transformation in India. Vol.-V, New Delhi. ● Jain, S.C. (2005): Education and socio-economic development. Concept publishing house, New Delhi. ● Kagan, T.S. (2000): Worldwide Diversity and Human Rights. Orient Longman Pvt Ltd., New Delhi. ● Reissman, F. (1962): The Culturally deprived child. Harper and Raw Publishers, New Delhi.
3	ईसंसाधन-	● www.swayam.gov.in ● http://nmeict.detsndt.ac.in/ ● https://ncte.gov.in/Website/OER.aspx

1. पाठ्यचर्या का नाम: सामाजिक सिद्धान्त

(Name of the Course): Social theory

2. पाठ्यचर्या का कोड: एमईडीई 04

(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 04

(Credit)

4. सेमेस्टर: चतुर्थ

(Semester)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	8
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	4
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण:

(Description of the Course)

एम.एड. पाठ्यक्रम में इस पाठ्यचर्या को सम्मिलित करने का प्रयोजन तथा इसका विवरण निम्नवत है :

- **स्कूल, राज्य, समाज और व्यक्ति के सम्बन्ध में सामाजिक सिद्धांत के विकास की समझ:** यह इकाई व्यक्ति, स्कूल, समाज, और राज्य में संबंधों का व्यापक आलोचनात्मक विवरण प्रस्तुत करती है और अध्येताओं को इन प्रकरणों के अन्वेषण हेतु प्रोत्साहित करती है।
- **ज्ञान और सामाजिक वास्तविकता का विकास और निर्माण:** यह इकाई सामाजिक सिद्धांतों के क्षेत्र में आने वाले रुझानों के सम्बन्ध में ज्ञान निर्माण की प्रक्रिया की व्याख्या करती है। संस्कृति, माहौल और शिक्षा के संदर्भ में ज्ञान और अभ्यास, माहौल और शिक्षा, संस्कृति की भूमिका आदि को प्रस्तुत करती है।
- **व्यक्ति, स्वतंत्रता और समानता:** व्यक्ति, स्वतंत्रता और समानता के सम्बन्ध में शैक्षिक अवसरों की प्रक्रिया का विश्लेषण करती है तथा अध्येताओं को इन परिघटनाओं की समझ विकसित करने के लिए अभिप्रेरित करती है।
- **शिक्षा, विकास और सामाजिक आंदोलन:** शिक्षा, विकास और सामाजिक आन्दोलन के सम्बन्ध में औद्योगिक विकास के मुद्दों और कुछ उभरते मुद्दों की विवेचना करती है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

- व्यक्ति, स्कूल, समाज, और राज्य में संबंधों के बारे में व्यापक आलोचनात्मक समझ और अन्वेषण।
- सामाजिक सिद्धांतों के क्षेत्र में आने वाले रुझानों के सम्बन्ध में ज्ञान निर्माण की प्रक्रिया का अवबोध।
- ज्ञान और अभ्यास, माहौल और शिक्षा, संस्कृति की भूमिका की समझ और उसका मूल्यांकन करने की क्षमता।
- व्यक्ति, स्वतंत्रता और समानता के सम्बन्ध में शैक्षिक अवसरों की प्रक्रिया की समझ।

- शिक्षा, विकास और सामाजिक आन्दोलन के सम्बन्ध में औद्योगिक विकास के मुद्दों और कुछ उभरते मुद्दों की जाँच पड़ताल करने का कौशल |
- सामाजिक सिद्धान्त के क्षेत्र में ज्ञान निर्माण की प्रक्रिया का बोध |
- व्यक्ति, स्वतंत्रता और समानता के सम्बन्ध में शैक्षिक अवसरों को देखने की योग्यता |
- ज्ञान और अभ्यास, माहौल और शिक्षा तथा संस्कृति की भूमिका के प्रति संवेदनशीलता |

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला (Interaction / Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	स्कूल, राज्य, समाज और व्यक्ति के सम्बन्ध में सामाजिक सिद्धांत के विकास की समझ शास्त्रीय दृष्टिकोण (सर्वसम्मति, प्रजनन और संघर्ष)	3	1	1	5	8.34
मॉड्यूल-2	समकालीन दृष्टिकोण (मल्टीलिनियल विकास और सामाजिक सिद्धांत: नव-विकासवाद, आधुनिकीकरण के सिद्धांत	4		1	5	8.33
मॉड्यूल-3	पोस्ट औद्योगिक समाज के सिद्धांत- पोस्ट-आधुनिक नारीवादी) उभरते दृष्टिकोण: रेशनल च्वाइस थियरी और सिम्बोलिक इंटरैक्शनिज्म	3	1	1	5	8.33
मॉड्यूल-4	ज्ञान और सामाजिक वास्तविकता का विकास	2	1		3	5

	और निर्माण ज्ञान का समाजशास्त्र, ज्ञान के निर्माण में मीडिया और विचारधारा की भूमिका, देशज ज्ञान, उदारीकरण और वैश्वीकरण					
मॉड्यूल-5	शिक्षा की राष्ट्रीय व्यवस्था, सांस्कृतिक सापेक्षवाद	2		1	3	5
मॉड्यूल-6	संस्कृति, माहौल और शिक्षा आधुनिकता और उत्तरआधुनिकता, ज्ञान और शिक्षाशास्त्र का पुनर्विचार करना	2	1		3	5
मॉड्यूल-7	सामाजिक मानवशास्त्र, सांस्कृतिक पूंजीवाद और शिक्षाशास्त्र	2		1	3	5
मॉड्यूल-8	अस्मिता का विकास और संस्कृति	2		1	3	5
मॉड्यूल-9	व्यक्ति, स्वतंत्रता और समानता शैक्षिक अवसरों की प्रक्रिया और समझ, जाति व्यवस्था के सम्बन्ध में पदानुक्रम, हैसियत और सत्ता का अन्वेषण	3	1		4	6.66
मॉड्यूल-10	समानता के लिए महिलाओं का संघर्ष और शिक्षा	2		1	3	5
मॉड्यूल-11	स्कूल की पाठ्यचर्या और आवश्यक ज्ञान की आलोचनात्मक समीक्षा	2	1	1	4	6.67
मॉड्यूल-12	शिक्षा में बच्चों की पहुँच, उपलब्धता और सुलभता के सम्बन्ध में समावेशन	3		1	4	6.67

	और बहिष्कार					
मॉड्यूल-13	शिक्षा, विकास और सामाजिक आंदोलन तीसरी दुनिया के औद्योगीकरण और गतिरोध को समझना	3		1	4	6.67
मॉड्यूल-14	कल्याणकारी सामाजिक परिवर्तन के सम्बन्ध में राज्य की भूमिका	2	1	1	4	6.67
मॉड्यूल-15	मानवाधिकार के परिप्रेक्ष्य में सामाजिक आन्दोलन को समझना	2	1		3	5
मॉड्यूल-16	जाति, महिला और बाल अधिकार, शिक्षक और छात्र संगठन	3		1	4	6.66
योग		40	8	12	60	100

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	● आगमनात्मक ● निगमनात्मक ● निर्माणवादी ● चिंतनशील ● समेकित/एकीकृत ● अंतरानुशासनिक ● सहयोगपूर्ण (collaborative)
विधियाँ	● व्याख्यान सह परिचर्चा ● विचार विमर्श ● सामूहिक परिचर्चा ● प्रस्तुतीकरण

	● पैनल चर्चा ● संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	● सहयोगी अधिगम ● पृच्छा-आधारित अनुदेशन एवं अधिगम ● व्यक्ति अध्ययन ● केन्द्रित समूह चर्चा ● फ्लिपड कक्षा-कक्ष ● विभेदित अनुदेशन ● कम्प्यूटर सहायित अनुदेशन
उपादान	● पावर पॉइंट प्रस्तुति, ● ऑनलाइन कक्षा (गूगल क्लासरूम, गूगल मीट) ● ई-संसाधन ● शोध पत्र ● स्मार्टबोर्ड

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित जिन अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा है, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया गया है:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
1.	X	X			X		X	X
2.	X	X	X	X	X	X	X	X
3.	X	X			X		X	X
4.	X	X	X	X	X	X	X	X
5.	X	X	X	X	X	X	X	X
6.	X	X	X	X	X	X	X	X
7.	X	X	X	X	X	X	X	X
8.	X	X	X	X	X	X	X	X

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#] विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	- Chanana, K. (2001). Interrogating Women's Education, Rawat Publication, Delh.i - Kingdon, G. and Muzammil, M. (2008) A political economy of education in India: The case ofUttar Pradesh, Published by Oxford Policy Institute. - Kumar, K. (2005) political Agenda of Education, Sage Publication. - Sarangapani, P.M. (2003) Constructing school knowledge: An Ethnography of Learning in an Indian Village, Sage Publicaiton: India. - Srinivas, M.N. (1993) On Living in a Revolution and Other Essays, Oxford University Press: USA. - Pathak, A. (1998) Indian Modernity,

		Gyan Pub. House: Delhi. ● Shukla, S. and Kaul, R. (1998) Education, Development and Underdevelopment, Sage Publication: Delhi. ● Apple, Michael (2014) Official Knowledge (Third Edition), London: Routledge. ● Basil Bernstein (2003) Class, Codes and Control, Routledge. ● Bruner, Jerome (1986) Actual Minds to possible world, Harvard University Press. ● Carr, E. H. (1965) What is History, Pelican Book : London. ● Kumar, Krishana (2003) Politics of Education in Colonial India, Routledge:India. ● Mannheim, Karl (1996) Introduction to the Sociology of Education, Routledge: USA. ● Mills, Wrights, C. (1959) The Sociological Imagination, Oxford University Press: USA. ● Shah, Ghanshyam (2009) Social Movement in India, Sage Publication: Delhi. ● Anand, P. (1993). Foundations of Rational Choice under Risk, Oxford University Press: Oxford. ● Amadae, S.M.(2003). Rationalizing Capitalist Democracy: The Cold War

		Origins of Rational Choice Liberalism, University of Chicago Press:Chicago. • ‘The subjection of Women” and “ On Liberty’ (Johan Stuart Mill) (Hindi by PragatiSazena). • Bourdieu’s concept of ‘Habitus’ (The Phenomenological Habitus and its Construction’ (Nick Crossley: Theory and Society;30:1:2001;pp.81-220).
2	संदर्भ-ग्रंथ	• Allingham, Michael (2002). Choice Theory: A Very Short Introduction, Oxford: USA . • Berger, P.L. and Luckmann, T (1991) social construction of Reality, Penguin: USA. • Bourdie, P, and Passeron, J.C. (1990) Reproduction in Education, society and Culture . • Crook, N. (1996) The Transmission of Knowledge in South Asia, Oxford University Press. • Blackledge, D. and Hunt, B.(1985) Sociological Interpretations of education. London: Routledge.
3	ई-संसाधन	• www.swayam.gov.in • http://nmeict.detsndt.ac.in/ • https://ncte.gov.in/Website/OER.aspx

1. पाठ्यचर्या का नाम: निर्देशन एवं परामर्श

(Name of the Course): Guidance and Counselling

2. पाठ्यचर्या का कोड: एमईडीई 04

(Code of the Course)

3. क्रेडिट: 04

(Credit)

4. सेमेस्टर: चतुर्थ

(Semester)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	8
व्यावहारिक/प्रयोगशाला	8
स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	
कौशल विकास गतिविधियाँ	4
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण:

(Description of the Course)

एम.एड. पाठ्यक्रम में इस पाठ्यचर्या को सम्मिलित करने का प्रयोजन तथा इसका विवरण निम्नवत है :

- **निर्देशन- संप्रत्यय, महत्व एवं प्रयोजन:** यह इकाई निर्देशन के संप्रत्यय, महत्व, प्रयोजन, विशिष्टता एवं वर्तमान परिदृश्य में इसकी उपादेयता को प्रस्तुत करती है।
- **निर्देशन के प्रकार एवं समूह निर्देशन:** यह इकाई निर्देशन के विभिन्न प्रकारों जैसे व्यक्तिगत, सामूहिक, व्यावसायिक एवं शैक्षिक निर्देशन के संप्रत्ययों का वर्णन करती है।
- **परामर्श:** यह इकाई परामर्श के अर्थ, प्रकृति, आयामों तथा लक्ष्यों का वर्णन करते हुए निर्देशन एवं परामर्श के विभेद की व्याख्या करती है।
- **परामर्श प्रक्रिया:** यह इकाई परामर्श की प्रक्रिया में निहित विभिन्न स्तरों के विभेद की समीक्षा प्रस्तुत करती है तथा विभिन्न प्रकार के परामर्श जैसे- व्यावसायिक, परिवार, किशोरावस्था परामर्श आदि की व्याख्या करती है। यह इकाई अध्येताओं को शैक्षिक एवं व्यावसायिक सेवाओं की समझ विकसित करने के लिए अभिप्रेरित करती है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम CLOs:

(Course Learning Outcomes)

- निर्देशन के संप्रत्यय एवं वर्तमान परिदृश्य में इसकी उपादेयता की समझ।
- निर्देशन के विभिन्न प्रकारों से परिचय।
- परामर्श के लक्ष्यों तथा निर्देशन एवं परामर्श के विभेद का अवबोध।
- परामर्श की प्रक्रिया में निहित विभिन्न चरणों एवं कौशलों का विकास।
- स्वयं को समझते हुए शिक्षा एवं व्यवसाय में सही विकल्प का चयन करने की योग्यता।
- समूह में, समूह के लिए एवं समूह के साथ कार्य करने का कौशल।
- एक व्यक्ति की समस्याओं को समझने की क्षमता एवं संवेदनशीलता।

(विभाग प्रत्येक पाठ्यचर्या के अभीष्ट परिणामों का उल्लेख करेगा, साथ ही पाठ्यचर्या सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के लिए किस प्रकार उपयोगी/ अनिवार्य होगी)

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित है)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला (Interaction / Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	निर्देशन : संप्रत्यय, महत्व एवं प्रयोजन निर्देशन का संप्रत्यय, परिभाषा, महत्व एवं आवश्यकता	5	1	2	8	13.33
मॉड्यूल-2	निर्देशन के प्रयोजन	5	1	1	7	11.67
मॉड्यूल-3	निर्देशन के प्रकार एवं समूह निर्देशन निर्देशन के प्रकार : शैक्षिक एवं व्यावसायिक	5	1	2	8	13.33
मॉड्यूल-4	व्यक्तिगत एवं समूह निर्देशन	5	1	1	7	11.67
मॉड्यूल-5	परामर्श परामर्श : अर्थ, प्रकृति, आवश्यकता एवं आयाम	4	1	1	6	10
मॉड्यूल-6	परामर्श के लक्ष्य	4		1	5	8.33
मॉड्यूल-7	निर्देशन एवं परामर्श के मध्य सम्बन्ध	2	1	1	4	6.67
मॉड्यूल-8	परामर्श प्रक्रिया परामर्श प्रक्रिया के प्रकार एवं स्तर (निर्देशात्मक, अनिर्देशात्मक एवं मिश्रित)	4	1	1	6	10
मॉड्यूल-9	परामर्श प्रक्रिया के विभिन्न प्रकार : व्यावसायिक परामर्श, परिवार परामर्श, किशोरावस्था परामर्श, विशिष्ट आवश्यकता वाले	4	1	1	6	10

	समूह को दिया जाने वाला परामर्श					
मॉड्यूल-10	शैक्षिक एवं व्यावसायिक सेवाएँ	2		1	3	5
योग		40	8	12	60	100

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	● आगमनात्मक ● निगमनात्मक ● निर्माणवादी ● चिंतनशील ● समेकित/एकीकृत ● अंतरानुशासनिक ● सहयोगपूर्ण (collaborative)
विधियाँ	● व्याख्यान सह परिचर्चा ● विचार विमर्श ● सामूहिक परिचर्चा ● प्रस्तुतीकरण ● पैनल चर्चा ● संगोष्ठी प्रस्तुतीकरण
तकनीक	● सहयोगी अधिगम ● पृच्छा-आधारित अनुदेशन एवं अधिगम ● व्यष्टि अध्ययन ● केन्द्रित समूह चर्चा ● फ्लिपड कक्षा-कक्ष ● विभेदित अनुदेशन ● कम्प्यूटर सहायित अनुदेशन

उपादान	- पावर पॉइंट प्रस्तुति, - ऑनलाइन कक्षा (गूगल क्लासरूम, गूगल मीट) - ई-संसाधन - शोध पत्र - स्मार्टबोर्ड

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित जिन अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा है, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया गया है :

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
1.	X	X			X		X	X
2.	X	X	X	X	X	X	X	X
3.	X	X			X		X	X
4.	X	X	X	X	X	X	X	X
5.	X	X	X	X	X	X	X	X
6.	X	X	X	X	X	X	X	X
7.	X	X	X	X	X	X	X	X

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

आंतरिक मूल्यांकन (25%)					सत्रांत परीक्षा (75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार *	सत्रीय-पत्र [#]	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	25				75

* विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

[#] विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ

(Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	राय एवं अस्थाना (2010). निर्देशन एवं परामर्श (संप्रत्यय, सिद्धान्त एवं अवधारणा). वाराणसी: मोतीलाल बनारसी
2	संदर्भ-ग्रंथ	- Bernard, Harold W & Fullmer Daniel W. (1977). Principles of Guidance, Second Edition, New York -Thomas Y.Crowell Company. - Jones, J.A. (1970). Principles of Guidance, Bombay, Tata. New York. McGraw Hill. - Myres, G.E. Principles and Techniques of Vocational Guidance, New York, Mc Graw Hill. - Granz, F.M. Foundation and Principles of Guidance, Boston, Allyn and Bacon. - Pandey, K.P. (2000), Educational and Vocational Guidance in India. Varanasi -Vishwa Vidyalyaya Prakashan Chowk.
3	ई-संसाधन	www.swayam.gov.in http://nmeict.detsndt.ac.in/ https://ncte.gov.in/Website/OER.aspx

लघु शोध प्रबंध

1. पाठ्यचर्या का नाम: लघु शोध प्रबंध
(Name of the Course): Dissertation
2. पाठ्यचर्या का कोड (Code of the Course): प्रायोगिक
3. क्रेडिट (Credit): 4 क्रेडिट
4. सेमेस्टर (Semester): चतुर्थ
4. पाठ्यचर्या विवरण (Description of the Course):

एम : पाठ्यक्रम में इस पाठ्यचर्या को सम्मिलित करने का प्रयोजन एवं विवरण निम्नवत है .एड.

लघु शोध प्रबंध एम.एड पाठ्यक्रम का एक अनिवार्य भाग है, एवं इसका मूल्यांकन 8 क्रेडिट (200 अंक) के लिए होगा | लघु शोध प्रबंध का उद्देश्य भावी अध्यापक शिक्षकों के द्वारा शोध की योजना का निर्माण एवं संचालन कैसे किया जाए एवं शोध प्रबंध लेखन के प्रति आलोचनात्मक समझ का विकास करना है। इस दौरान अध्येता शैक्षिक सिद्धांतों एवं शोध के मध्य संबंध देखते हैं एवं उसे स्थापित करते हैं। अध्येताओं से यह अपेक्षा की जाती है कि उनके लघु शोध प्रबंध के विषय का निर्णय एवं शोध प्रस्ताव का निर्माण, संबंधित साहित्य का अध्ययन, शोध उपकरण का चयन, प्रारूप एवं विकास, प्रदत्त संकलन एवं विश्लेषण तथा शोध लेखन, उचित शोध पत्रों एवं आलेखों को पढ़कर एवं उनसे जुड़ी गतिविधियों को ध्यान में रखकर करें। इस प्रक्रिया का समापन लघु शोध प्रबंध रिपोर्ट की प्रस्तुति तथा मौखिकी के साथ होगी |

लघु शोध प्रबंध के लिए क्रेडिट का विभाजन

क्र.	सेमेस्टर	गतिविधियों के अवयव	क्रेडिट
1.	I	महत्वपूर्ण शैक्षिक मुद्दों/ शैक्षिक अनुसंधान विधियों/ लघु शोध प्रबंध कार्य से संबंधित शोध क्षेत्र पर शोध संवाद (Research Colloquium) में प्रस्तुति	1
2.	II	अपने रुचि के शोध क्षेत्र से संबंधित साहित्य का अध्ययन एवं समीक्षा, शोध समस्या का चयन एवं शोध प्रस्ताव का निर्माण एवं प्रस्तुति	1
3.	III	शोध उपकरण का चयन, प्रारूप एवं विकास/शोध प्रक्रिया प्रारूप का निर्माण	1
4.	IV	प्रदत्त संकलन एवं विश्लेषण, व्याख्या एवं परिणाम; शोध कार्य लेखन, जमा पूर्व लघु शोध प्रबंध संगोष्ठी एवं लघु शोध प्रबंध जमा (लघु शोध प्रबंध का मूल्यांकन एवं मौखिकी)	5
कुल क्रेडिट			8

नोट: लघु शोध प्रबंध से संबंधित कार्य प्रथम सेमेस्टर से चतुर्थ सेमेस्टर (पूर्ण सेमेस्टर) में विभाजित होंगे |

लघु शोध प्रबंध कार्य के 8 क्रेडिट के अंक चतुर्थ सेमेस्टर में जोड़े जायेंगे।

6. अपेक्षित पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम CLOs (Expected Course Learning Outcomes):

इस पाठ्यचर्या के अध्ययन के उपरान्त अध्येता-

1. शोध क्षेत्र/समस्या के पहचान की प्रक्रिया का वर्णन कर सकेंगे।
2. शोध प्रस्ताव के निर्माण के विभिन्न चरणों की समीक्षा कर सकेंगे।
3. शोध उद्देश्य, परिकल्पना एवं प्रश्न का संक्षिप्त एवं सटीक रूप से निर्माण कर सकेंगे।
4. किसी भी शोध में संबंधित साहित्य के अध्ययन की आवश्यकता एवं महत्व पर विचारशील चिंतन कर सकेंगे।
5. शोध नियोजन की रूपरेखा तैयार कर उसका व्यवस्थित क्रियान्वयन कर सकेंगे।
6. वर्तमान में हो रहे शोध का विश्लेषण एवं संबंधित साहित्य अध्ययन की पृष्ठभूमि के आधार पर शोध अध्ययन की आवश्यकता की तार्किक एवं समीक्षात्मक प्रस्तुति कर सकेंगे।
7. उपयुक्त शोध उपकरण के चयन के आधारभूत मानदंड की समीक्षा कर सकेंगे।
8. स्वयं द्वारा अपने शोध कार्य के लिए उपयुक्त शोध उपकरण के निर्माण कर सकेंगे।
9. प्रदत्त संकलन की विभिन्न जटिलताओं पर विचार-विमर्श कर सकेंगे।
10. अध्ययन के उद्देश्य के अनुसार प्रदत्तों की सारणी का निर्माण कर सकेंगे।
11. शोध प्रतिवेदन लेखन से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण कौशल जैसे-पाद टिप्पणी (footnotes), संदर्भ, ग्रंथ-सूची आदि का विकास कर सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

लघु शोध प्रबंध के अंतर्गत आयोजित की जानेवाली गतिविधियां

1. महत्वपूर्ण शैक्षिक मुद्दों/ शैक्षिक अनुसंधान विधियों/ लघु शोध प्रबंध कार्य से संबंधित शोध क्षेत्र पर शोध संवाद (Research Colloquium) में प्रस्तुति - 1 क्रेडिट (25 अंक)

आंकलन पद्धति (रुब्रिक)

इस घटक का मूल्यांकन सेमेस्टर-1 में आंतरिक परीक्षक समिति के समक्ष प्रस्तुति के द्वारा किया जाएगा।

2. अपने रुचि के शोध क्षेत्र से संबंधित साहित्य का अध्ययन एवं समीक्षा, शोध समस्या की पहचान एवं चयन तथा शोध प्रस्ताव का निर्माण एवं प्रस्तुति - 1 क्रेडिट (25 अंक)

- शैक्षिक शोध का सर्वेक्षण।
- शोध के चिन्हित क्षेत्र से सम्बंधित शोध पत्रिका/ सामयिक आदि का अध्ययन।
- डॉक्टोरल/एम. फिल. एवं एम.एड. शोध प्रबंध का अध्ययन।
- शोध परियोजना रिपोर्ट का अध्ययन।
- संकल्पनात्मक समझ के लिए संबंधित पुस्तक/लेख का अध्ययन।
- संबंधित साहित्य की समीक्षा के महत्व एवं आवश्यकता पर एक संक्षिप्त लेख।
- अध्ययन के विभिन्न वर्गों के तहत शोध सार का लेखन एवं वर्गीकरण।

- सम्बंधित साहित्यों का विश्लेषण।
- किये गए अध्ययनों के संबंध में संबंधित अध्ययन की प्रासंगिकता।
- संबंधित शोध साहित्य की समीक्षा के आधार पर शोध समस्या की पहचान एवं चयन।
- विभिन्न स्रोतों के अध्ययन के उपरांत, समझ के विकास के आधार पर भावी अध्यापक शिक्षक शोध प्रस्ताव लिखेंगे। लघु शोध प्रबंध का विषय विद्यार्थियों के विषय विशिष्ट के क्षेत्र या परिप्रेक्ष्य विषय से होगा।

शोध प्रस्ताव की रूपरेखा / संरचना

- प्रस्तावना
- समस्या कथन
- पारिभाषिक शब्दावली
- संबंधित साहित्य की समीक्षा
- शोध का लक्ष्य
- शोध के प्रश्न एवं उद्देश्य
- शोध का औचित्य
- शोध का महत्व
- योजना एवं क्रियान्वयन
 - शोध प्रविधि
 - प्रतिदर्श
 - शोध उपकरण एवं तकनीकी
- प्रदत्त संकलन एवं निर्वचन
- शोध का परिसीमन
- संभावित अध्यायीकरण
- समय प्रबंधन
- संदर्भ
- अन्य ग्रंथ सूची

आंकलन पद्धति (रुब्रिक)

इस घटक का मूल्यांकन सेमेस्टर-2 में बाह्य परीक्षक द्वारा किया जाएगा।

संबंधित साहित्य की समीक्षा का मूल्यांकन निम्नलिखित व्यापक मानदंड के आधार पर किया जाएगा।

- एकत्रित संबंधित अध्ययनों की संख्या।
- संबंधित अध्ययन के संगठनात्मक व्यवस्था की समीक्षा।

- संबंधित अध्ययन का विश्लेषण एवं उसकी पृष्ठभूमि के आधार पर अध्ययन की प्रासंगिकता पर चर्चा।

शोध प्रस्ताव का मूल्यांकन निम्नलिखित व्यापक मानदंडों के आधार पर किया जाएगा।

- शोध विषय की प्रासंगिकता
- शोध प्रश्न की गुणवत्ता
- उद्देश्यों की व्यापकता
- विषय के अवधारणाओं की समझ
- अध्ययन की आवश्यकता/ तार्किकता
- अध्ययन का कार्यक्षेत्र /प्रयोजन
- संबंधित साहित्य की समीक्षा
- अनुसंधान अभिकल्प की उपयुक्तता एवं प्रस्तावित प्रदत्त विश्लेषण की प्रविधियां।

3. शोध उपकरण का चयन, प्रारूप एवं विकास-1 क्रेडिट (25 अंक)

- प्रदत्त संकलन के लिए उपयोग में लाये जानेवाले विभिन्न शोध उपकरणों और तकनीकों का औचित्य एवं विवरण।
- प्रदत्त संकलन के लिए शोध उपकरण के प्रारूप का निर्माण।
- प्रारूप के अनुसार शोध उपकरण का विकास
- शोध उपकरण की वैधता एवं विश्वसनीयता निर्धारित करना।
- मात्रात्मक और गुणात्मक शोध उपकरण एवं प्रविधियों पर चर्चा।

आंकलन पद्धति (रुब्रिक)

इस घटक का मूल्यांकन सेमेस्टर-3 में शोध पर्यवेक्षक/आंतरिक परीक्षक समिति के समक्ष प्रस्तुति द्वारा किया जायेगा।

शोध उपकरण के चयन, प्रारूप एवं विकास के मूल्यांकन के लिए व्यापक मापदंड निम्नानुसार होगा :

- शोध उपकरण के निर्माण/विकास की प्रक्रिया की उपयुक्तता।
- प्रदत्त संकलन के लिए विकसित शोध उपकरण की वैधता एवं विश्वसनीयता।

4. प्रदत्त विश्लेषण, व्याख्या एवं परिणाम; शोध कार्य लेखन, प्रस्तुति पूर्व लघु शोध प्रबंध संगोष्ठी एवं लघु शोध प्रबंध जमा (लघु शोध प्रबंध का मूल्यांकन एवं मौखिकी)- 5 क्रेडिट (125 अंक)

- प्राथमिक और द्वितीयक प्रदत्त संकलन की विभिन्न विधियों तथा प्रक्रिया पर चर्चा।
- प्रदत्त संकलन के लिए उचित विधियों का चयन
- द्वितीयक प्रदत्त संकलन के स्रोत एवं सावधानियां
- प्रदत्त का सारणीकरण और तालिकाओं के शीर्षक

- उद्देश्यों के अनुसार प्रदत्त विश्लेषण।
- प्रदत्त विश्लेषण एवं व्याख्या तथा शैक्षिक रूप में परिणाम एवं निष्कर्ष
- शोध कार्य प्रतिवेदन का लेखन
- लघु शोध प्रबंध कार्य रिपोर्ट की पूर्व प्रस्तुति
- लघु शोध प्रबंध कार्य पर मौखिक परीक्षा

शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches, Methods, Techniques and Tools of Teaching)

अभिगम	निर्माणवादी उपागम, आगमनात्मक उपागम, निगमनात्मक उपागम, ब्लेंडेड अधिगम उपागम
विधियाँ	व्याख्यान-सह चर्चा, सहयोगात्मक अधिगम, पृच्छा आधारित अधिगम
तकनीक	विभिन्न शोध पत्रों एवं आलेखों की समीक्षा शोध संवाद में शोध प्रगति की प्रस्तुति शैक्षिक शोध प्रस्ताव तथा शोध प्रतिवेदन लेखन पर कार्यशाला विभिन्न शैक्षिक शोध क्रियाविधि पर कार्यशाला ट्यूटोरियल सामूहिक विचार-विमर्श विद्यार्थी संगोष्ठी के माध्यम से विभिन्न शोध पत्रों का संदर्भ लेते हुए शिक्षा के क्षेत्र में हो रहे नवाचारों पर चर्चा गूगल क्लासरूम के माध्यम से ट्यूटोरियल एवं ऑनलाइन चर्चा
उपादान	पावर पॉइंट प्रस्तुति; ऑनलाइन क्लास (गूगल क्लासरूम, गूगल मीट); शोध डाटाबेस (रिसर्च गेट, गूगल स्कॉलर, ERIC, प्रोक्वेस्ट, जेस्टोर); ई-संसाधन (यू-ट्यूब वीडियो, ऑनलाइन कोर्स, ब्लॉग, स्लाइड शेयर)

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित जिन अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा है, उसका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया गया है:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य	लक्ष्य
	1	2	3	4	5	6	7	8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति								
1.	X	X	-	-	X	-	-	-
2.	X	X	-	-	X	-	-	-
3.	X	X	X	X	X	X	X	X
4.	X	X	-	-	X	-	-	X
5.	X	X	X	-	X	-	-	X
6.	X	X	-	-	X	X	-	X
7.	X	X	X	-	X	X	-	X
8.	X	X	X	X	X	X	X	X
9.	X	X	-	-	X	X	-	X
10.	X	X	-	-	X	-	-	X
11.	X	X	-	-	X	-	-	X

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

लघु शोध प्रबंध लेखन एवं प्रस्तुतीकरण (आंतरिक मूल्यांकन) (37.50%)		लघु शोध प्रबंध कार्य का मूल्यांकन एवं मौखिकी (बाह्य मूल्यांकन) (62.50%)	
घटक	लघु शोध प्रबंध लेखन एवं प्रस्तुतीकरण	संबंधित शोध साहित्य समीक्षा एवं शोध प्रस्ताव	लघु शोध प्रबंध कार्य रिपोर्ट का मूल्यांकन एवं मौखिकी
निर्धारित अंक प्रतिशत	37.50%	12.50%	50%

एम.एड. पाठ्यक्रम (2020-22) के लघु शोध प्रबंध कार्य (8 क्रेडिट= 200 अंक) के अंतर्गत विद्यार्थियों के आकलन हेतु मानदंड:

- महत्वपूर्ण शैक्षिक मुद्दों/ शैक्षिक अनुसंधान विधियों/ लघु शोध प्रबंध कार्य से संबंधित शोध क्षेत्र पर शोध संवाद (Research Colloquium) में प्रस्तुति - 25 अंक (आंतरिक मूल्यांकन- शोध पर्यवेक्षक/विभागीय समिति)
- संबंधित शोध साहित्य समीक्षा एवं शोध प्रस्ताव - 25 अंक (बाह्य परीक्षक द्वारा मूल्यांकन)
- प्रदत्तों के संकलन हेतु उपकरणों का चयन, निर्माण एवं प्रमापीकरण/शोध प्रक्रिया प्रारूप का निर्माण- 25 अंक (आंतरिक मूल्यांकन- शोध पर्यवेक्षक/विभागीय समिति)
- लघु शोध प्रबंध कार्य रिपोर्ट की पूर्व-प्रस्तुति- 25 अंक (आंतरिक मूल्यांकन- शोध पर्यवेक्षक/विभागीय समिति)
- लघु शोध प्रबंध कार्य रिपोर्ट का मूल्यांकन एवं मौखिकी- (50+50) अंक =100 अंक (बाह्य परीक्षक द्वारा मूल्यांकन)

इस प्रकार संपूर्ण लघु शोध प्रबंध कार्य का मूल्यांकन आंतरिक तथा बाह्य परीक्षकों के संस्तुति के आधार पर किया जाएगा तथा लघु शोध प्रबंध कार्य के मूल्यांकन के अंकों को चौथे सेमेस्टर के अंक-पत्र में जोड़ा जाएगा। शोध प्रबंध कार्य के मूल्यांकन का अधिभार निम्नवत होगा-

आंतरिक मूल्यांकन (37.50%- 3 क्रेडिट) + बाह्य मूल्यांकन (62.50%- 5 क्रेडिट)

नोट: विद्यार्थियों द्वारा शोध प्रस्ताव का अनुमोदन इस हेतु गठित समिति के द्वारा किया जाएगा। आवश्यकतानुसार बाह्य परीक्षक इस समिति के सदस्य के रूप में आमंत्रित किए जायेंगे।

आंकलन पद्धति (रुब्रिक)

इसका मूल्यांकन सेमेस्टर-4 के दौरान शोध पर्यवेक्षक/आंतरिक परीक्षक समिति के समक्ष शोध कार्य लेखन की प्रगति तथा लघु शोध प्रबंध कार्य रिपोर्ट की पूर्व प्रस्तुति के माध्यम से किया जाएगा। इस संगोष्ठी में प्राप्त सुझावों के अनुसार शोध कार्य रिपोर्ट/ प्रतिवेदन के संशोधन के पश्चात अंतिम

रूप से लघु शोध प्रबंध जमा किया जायेगा | अंतिम रूप से जमा की गई लघु शोध प्रबंध रिपोर्ट तथा शोध कार्य का मूल्यांकन बाह्य परीक्षक द्वारा लघु शोध प्रबंध कार्य पर मौखिक परीक्षा तथा शोध रिपोर्ट की गुणवत्ता के आधार पर किया जाएगा।

आकलन हेतु व्यापक मापदंड निम्नानुसार होगा:

- प्रदत्त संकलन की प्रक्रिया की समीक्षा
- डेटा संग्रह के लिए प्रयुक्त उपकरण की उपयुक्तता
- आंकड़ों का व्यवस्थित सारणीकरण
- मात्रात्मक और गुणात्मक अनुसंधान के क्षेत्र में प्रदत्तों के विश्लेषण एवं व्याख्या के लिए प्रयुक्त तकनीक और प्रविधियां
- शोध कार्य लेखन की प्रगति पर प्रस्तुति
- पूर्व शोध प्रबंध प्रस्तुति संगोष्ठी
- लघु शोध प्रबंध कार्य पर मौखिकी

11. अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Text books/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• Best J.W. (1999). <i>Research in Education</i>. New Delhi: Prentice Hall of India Pvt.Ltd. • Kaul, L. (1984). <i>Methodology of Educational Research</i>. New Delhi: Vikas Publications. - कुमार, आर. (2017). <i>शोध कार्यप्रणाली : आरंभिक शोधकर्ताओं के लिए चरणबद्ध गाइड (चतुर्थ संस्करण)</i>. नई दिल्ली: सेज भाषा - Kothari, C.R. & Garg, G. (2019). <i>Research Methodology: Methods and techniques</i>. New Delhi: New Age International Publishers. - Mangal, S.K. (2010). <i>Statistics in Psychology and Education (2nd Edition)</i>. New.Delhi: PHI Publishing Pvt. Ltd. • Sharma, B. (2004). <i>Methodology of Educational Research</i>. New Delhi: Vohra, Publishers and Distributors. • Sharma, S.R. (2003). <i>Problems of Educational Research</i>. New Delhi: Anmol Publications Pvt. Ltd. - सिंह, ए. के. (2017). <i>मनोविज्ञान, समाजशास्त्र तथा शिक्षा में शोध विधियां</i>. दिल्ली: मोतीलाल बनारसीदास

2	संदर्भ-ग्रंथ	Borg, W.R. and Gall, M.D. (1983). <i>Educational Research – An Introduction</i>. New York: Longman, Inc. • Christensen, L. (2007). <i>Experimental Methodology</i>. Boston: Allyn & Bacon. • Clive O. (2004). <i>Doing Educational Research- A Guide for First time researchers</i>. New Delhi: Vistar Publications. • Fraenkel, J.R., Wallen, N.E. (1996). <i>How to Design and Evaluate Research in Education</i>. New York: McGraw Hill. - Kerlinger, F.N. (1986). <i>Foundations of Behavioural Research</i>. Fort Worth, TX: Harcourt Bmce Jovanovich. • Jill Porter & Penny Lacey (2005). <i>Researching Learning Difficulties- A Guide for Practitioners</i>. London: Paul Chapman Publishing. • Kirkpatrick, D.L. (2005). <i>Evaluating training Programmes: The four Levels</i>. San Francisco: Brrett-Kochler. • Pamela Maykut & Richard Morehouse (1994). <i>Beginning Qualitative Research- A Philosophic and Practical Guide</i>. The Falmer Press London. Washington D.C. • Patton. M.Q. (2002). <i>Qualitative Research and Evaluation Methods</i>. Thousand Oaks: C.A: Sage. • Reason, P. & Bradbury, H. (Eds) (2006). <i>Handbook of action research: Concise paperback edition</i>: Thousand Oaks, CA: Sage. - Scott, David & Usher, Robin (1996). <i>Understanding Educational Research</i>. New York: Rout ledge. • Shank, G.D. (2002). <i>Qualitative Research</i>. Columbus, ott: Merill, Prentice Hall. • Stake, Robert E. (1995). <i>The Art of Case Study Research</i>. Thousand Oaks: C.A: Sage. • Travers, Robert M.W. (1978). <i>An Introduction to Educational research (4th edition)</i>. London: MacMillan. • Van Dalen, Debonald, B. and Meyer, William J. (1979). <i>Understanding Educational Research: An Introduction</i>. New York: McGraw Hill.
3	ई-संसाधन	https://hi.wikihow.com/%E0%A4%8F%E0%A4%95-%E0%A4%B6%E0%A5%8B%E0%A4%A7%E0%A4%AA%E0%A4%E0%A5%8D%E0%A4%B0-(Research-Paper)-%E0%A4%B2%E0%A4%BF%E0%A4%96%E0%A5%87%E0%A4%82 https://medium.com/@Write4Research https://courses.lumenlearning.com/suny-



महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

शिक्षा विभाग, शिक्षा विद्यापीठ

		englishcomp2kscope/master/chapter/what-is-research-writing/ https://youtu.be/oX0YjYX4HTU https://www.youtube.com/watch?v=ogPygxnVg-4 https://www.youtube.com/watch?v=eALzUfkQJRU https://youtu.be/rgoCln1ISds https://www.youtube.com/watch?v=hXvoKE6_wQo https://www.youtube.com/watch?v=xhWzW6urTG8 https://www.youtube.com/watch?v=1VbCvj2Rn88

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा, महाराष्ट्र



2020

शिक्षाशास्त्र में पी-एच.डी. कार्यक्रम हेतु पाठ्यचर्या

Curriculum for Ph.D. Programme in Education

अकादमिक सत्र 2020-21 से

Academic Session 2020-21 Onwards

शिक्षा विभाग, शिक्षा विद्यापीठ

म.गां.अं.हिं.वि. वर्धा



महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

शिक्षाशास्त्र में पी-एच.डी. कार्यक्रम हेतु पाठ्यचर्या

Curriculum for Doctor of Philosophy (Ph.D.) in Education

अकादमिक सत्र 2020-21 से

Academic Session 2020-21 Onwards

Outcome Based Curriculum Framework



शिक्षा विद्यापीठ

(School of Education)

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

पोस्ट - हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा, महाराष्ट्र - 442001

www.hindivishwa.org

Ph.D. पाठ्यक्रम संरचना - शिक्षा विभाग (म.गां.अं.हि.वि., वर्धा) के अध्ययन मंडल (BoS) की 11वीं बैठक (दिनांक 09.11.2020) एवं शिक्षा विद्यापीठ (म.गां.अं.हि.वि., वर्धा) के स्कूल बोर्ड की 10वीं बैठक (दिनांक: 10.11.2020) में अनुमोदित

Ph.D. (Education) Programme

Course Structure		
S.No	Component	Credits
1.	Course Work	20 Credits (16 + 4 Credits Optional as Interdisciplinary Subject)
2.	Thesis writing	80 Credits
3.	Viva Voce	20 Credits
4.	Research Associateship + Teaching Associateship	10 Credits

Ph.D. Coursework Semester –I		
Code	Course	Credits
Edu.101	Fundamentals of Research Methodology	02 Credits
Edu.102	Research and Publication Ethics (RPE)	02 Credits
Edu.103	Research in Education (Discipline Specific Research Methodology)	04 Credits
Edu.104	Computer Applications	04 Credits
Edu.105	Education and Development (Subject Specific Paper)	04 Credits
Edu.106	Optional - Interdisciplinary	04 Credits
Total Credits		20 Credits

पी-एच.डी. (शिक्षाशास्त्र) कार्यक्रम

कोर्स संरचना		
क्र.सं.	अवयव	क्रेडिट्स
1.	कोर्स वर्क	20 Credits (16 + 4 Credits Optional as Interdisciplinary Subject)
2.	शोध प्रबंध लेखन	80
3.	मौखिकी	20
4.	शोध एसोशिएटशिप (Research Associateship) शिक्षण एसोशिएटशिप (Teaching Associateship)	10

पी-एच.डी. (शिक्षाशास्त्र) कोर्स वर्क (सेमेस्टर –I)		
कोड	कोर्स	क्रेडिट्स
Edu.101	शोध पद्धति के मूल सिद्धांत	02
Edu.102	शोध और प्रकाशन नैतिकता (RPE)	02
Edu.103	शिक्षा में शोध	04
Edu.104	कम्प्यूटर अनुप्रयोग	04
Edu.105	शिक्षा और विकास	04
Edu.106	ऐच्छिक (कोई एक अंतरानुशासनिक विषय)	04
	कुल	20

शोध एवं शिक्षण एसोशिएटशिप (Associateship)

क्र.सं.	कोर्स	क्रेडिट्स	अंक
1.	शोध एसोशिएटशिप (Research Associateship)	10	250
2.	शिक्षण एसोशिएटशिप (Teaching Associateship)	10	250
	कुल	20	500

नोट: प्रथम सेमेस्टर के उपरान्त शोध एवं शिक्षण एसोशिएटशिप (Associateship) का आयोजन किया जा सकता है |

Ph.D. Coursework

Semester –I

EDU. 101: Fundamentals of Research Methodology

Credit: 02 (Teaching Hours: 30 hrs.)

Learning Objectives:

- To enable scholars develop basic understanding of research and its fundamental concepts.
- To provide insight into the philosophy of research including insight to understand the importance of research in creation of knowledge.
- To enable research scholars appreciate the importance of philosophical, sociological and psychological bases and sources of knowledge as well core concepts of research processes.

Unit 1: Research Methodology

Methodology; Research; Research Methodologies; Research Questions and Research Objectives; Types of Research; Purposes of Research; Relationship between Methodology and Method, Paradigm of Research

Unit 2: Foundations of Research: Meaning, Objectives, Concept of theory, empiricism, deductive and inductive theory; Characteristics of scientific method – Understanding the language of research – Concept, Construct, Definition, Variable; Research Process

Unit 3: Epistemology and Research

Philosophy of Research; Epistemology as a branch of Philosophy; Theories of knowledge; Sources of knowledge: philosophical, sociological and psychological; different forms of knowledge and validation of knowledge

Unit 4: Philosophy of Science, Mathematics, Social Science and Language

What is Science; Science, Non-science and Pseudo Science; Aims and Claims of Science; Limitations of Science; Description, Causality, Prediction and Explanation; Realism and Instrumentalism.

Epistemological bases of Science, Mathematics, Social Science and Language

Studies and Analysis of the Works of Thomas Kuhn, Karl Popper, Imre Lakatos, Feyerabend, Ernst, Bruno Latour, etc.

References

1. Introduction to Research in Education
(http://wps.ablongman.com/ab_mcmillan_edresearch_4/16/4150/1062448.cw/index.html).
2. Chalmers, A. F. (1999). What is This Thing Called Science?. Queensland: University of Queensland Press.
3. Kuhn, T. (1996). The Structure of Scientific Revolutions(4th ed.). Chicago: University of Chicago Press.
4. Popper, K. (1983). The Logic of Scientific Discovery. London: Hutchinson
5. Feyerabend, P. (). Against Method. Science in Free Society.
6. Pruzan, P. Perspectives on Research (Unpublished).

EDU. 102: Research and Publication Ethics
(As per UGC Guidelines)

Course Title:

- **Research and Publication Ethics (RPE)** – Course for awareness about the publication ethics and publication misconducts.

Course Level:

- **2 Credit course (30 hrs.)**

Eligibility:

- M.Phil., Ph.D. students and interested faculty members (it will be made available to post graduate students at later date)

Faculty:

- Interdisciplinary Studies

Qualifications of faculty members of the course:

- Ph.D. in relevant subject areas having more than 10 years' of teaching experience.

About the course

Course Code: CPE-RPE

Overview

- This course has total 6 units focusing on basics of philosophy of science and ethics, research integrity, publication ethics. Hands-on-sessions are designed to identify research misconduct and predatory publications. Indexing and citation databases, open access publications, research metrics (citations, h-index, Impact Factor, etc.) and plagiarism tools will be introduced in this course.

Evaluation

- Continuous assessment will be done through tutorials, assignments, quizzes, and group discussions. Weightage will be given for active participation. Final written examination will be conducted at the end of the course.

Course structure

- The course comprises of six modules listed in the table below. Each module has 4-5 units.

Modules	Unit title	Teaching hours
Theory		
RPE 01	Philosophy and Ethics	4
RPE 02	Scientific Conduct	4
RPE 03	Publication Ethics	7
Practice		
RPE 04	Open Access Publishing	4
RPE 05	Publication Misconduct	4
RPE 06	Databases and Research Metrics	7
	Total	30

Syllabus in detail

THEORY

- RPE 01: PHILOSOPHY AND ETHICS (3 hrs.)**
 - Introduction to philosophy; definition, nature and scope, concept, branches
 - Ethics: definition, moral philosophy, nature of moral judgment and reactions
- RPE 02: SCIENTIFIC CONDUCT (5 hrs.)**
 - Ethics with respect to science and research
 - Intellectual honesty and research integrity
 - Scientific misconducts: Falsification, Fabrication, and Plagiarism (FFP)
 - Redundant publications: duplicate and overlapping publications, salami slicing
 - Selective reporting and misrepresentation of data
- RPE 03: PUBLICATION ETHICS (7 hrs.)**
 - Publication ethics: definition, introduction and importance
 - Best practices/standards setting initiatives and guidelines: COPE, WAME, etc.
 - Conflicts of interest
 - Publication misconduct: definition, concept, problems that lead to unethical behavior and vice versa, types
 - Violation of publication ethics, authorship and contributorship
 - Identification of publication misconduct, complaints and appeals
 - Predatory publishers and journals

PRACTICE

- RPE 04: OPEN ACCESS PUBLISHING (4 hrs.)**
 - Open access publications and initiatives
 - SHEPRA / RoMEO online resource to check publisher copyright & self-archiving policies
 - Software tool to identify predatory publications developed by SPPU
 - Journal finder / journal suggestion tool viz. JANE, Elsevier Journal Finder, Springer Journal Suggester, etc.

- **RPE 05: PUBLICATION MISCONDUCT (4hrs.)**

- A. Group Discussions (2 hrs.)**

1. Subject specific ethical issues, FFP, authorship
2. Conflicts of interest
3. Complaints and appeals: examples and fraud from India and abroad

- B. Software tools (2 hrs.)**

Use of plagiarism software like Turnitin, Urkund and other open source software tools

- **RPE 06: DATABASES AND RESEARCH METRICS (7hrs.)**

- A. Databases (4 hrs.)**

1. Indexing databases
2. Citation databases: Web of Science, Scopus, etc.

- B. Research Metrics (3 hrs.)**

1. Impact Factor of journal as per Journal Citation Report, SNIP, SJR, IPP, Cite Score
2. Metrics: h-index, g index, i10 index, altmetrics

References

- Bird, A. (2006). *Philosophy of Science*. Routledge.
- MacIntyre, Alasdair (1967) *A Short History of Ethics*. London.
- P. Chaddah, (2018) *Ethics in Competitive Research: Do not get scooped; do not get plagiarized*, ISBN:978-9387480865
- National Academy of Sciences, National Academy of Engineering and Institute of Medicine. (2009). *On Being a Scientist: A Guide to Responsible Conduct in Research: Third Edition*. National Academies Press.
- Resnik, D. B. (2011). What is ethics in research & why is it important. *National Institute of Environmental Health Sciences*, 1–10. Retrieved from <https://www.niehs.nih.gov/research/resources/bioethics/whatis/index.cfm>
- Beall, J. (2012). Predatory publishers are corrupting open access. *Nature*, 489(7415), 179–179. <https://doi.org/10.1038/489179a>
- Indian National Science Academy (INSA), *Ethics in Science Education, Research and Governance*(2019), ISBN:978-81-939482-1-7. http://www.insaindia.res.in/pdf/Ethics_Book.pdf

Edu.103: Research in Education

Credits: 4 (Teaching Hours: 60 hrs.)

Learning Objectives

On completion of the course the researcher will be able to:

- Elaborate the importance and need of research in education.
- Use of different tools and techniques in collection of qualitative and quantitative data.
- Analyse and interpret qualitative and quantitative data
- Use appropriate parametric and non-parametric tests in case a research situation warrants it as well as employ statistical software like SPSS and R in analyzing the research data.

Course Content

Unit 1: Introduction to Educational Research (Teaching Hours: 10)

Quality concerns in educational research, relevance and contextuality in educational research, Creation of new knowledge, organization and practices of knowledge; Theory building; Approaches of Educational Research; Educational Research Designs. Variables and its types, Hypothesis and its Testing

Unit 2: Approaches and Techniques of Qualitative Research (Teaching Hours: 15)

Historical Research, Case study, Ethnography, Grounded theory, Phenomenology, Narrative Enquiry; Techniques of data collection: Interview, Observation, Questionnaire, Field diary, Narratives, Discourse analysis, focus group discussion; Designing Mixed method research, Sampling in Qualitative research

Unit 3: Approaches and Techniques of Quantitative Research (Teaching Hours: 15)

The Experimental Designs: Pre-Experimental, Quasi Experimental and True Experimental Designs. Randomized Sample, Treatment X Subject, Treatment X Level and Factorial Designs; Sampling Techniques; Meaning, characteristics and need for the sampling and its limitations; Probability and Non- Probability Sampling; Sampling size and sampling errors;

Unit 4: Qualitative and Quantitative Data Analysis (Teaching Hours: 20)

Organizing, classifying and analyzing qualitative data; Issues of validity and reliability in qualitative research, triangulation of data; Techniques of analysis: content analysis, general analysis, logical analysis, critical analysis, comparative analysis.

Organizing, classifying and analyzing quantitative data; Parametric Tests of Hypotheses of Difference: Data exploration for checking underlying assumptions of normality of distribution. Types of hypotheses for a two independent samples case: null and directional, two-tailed and one-tailed test. Critical value, p-value and confidence interval approaches. One way Analysis of variance and Covariance; Factorial or multiple classifications ANOVA; 2-way ANCOVA- Test of homogeneity and interpretation of output. Regression and Non-Parametric Analysis: Non parametric tests: Mann Whitney Test, Kruskal Wallis Test, Wilcoxon matched pairs and Chi square test. Use of software like SPSS/ 'R' in quantitative data analysis.

References

- Clive Opie (2004). Doing Educational Research- A Guide for First time Researchers. New Delhi: Vistar Publications.
- Fraenkel, J.R., Wallen, N.E. (1996). How to Design and Evaluate Research in Education. New York: McGraw Hill.
- Kaul, Lokesh (1984). Methodology of Educational Research. New Delhi: Vikas Publications.
- Kerlinger, F.N. (1986). Foundations of Behavioural Research. Fort Worth, TX: Harcourt Bmce Jovanovich.
- Pamela Maykut & Richard Morehouse (1994). Beginning Qualitative Research- A Philosophic and Practical Guide. The Falmer Press London. Washington D.C.
- Patton. M.Q. (2002). Qualitative Research and Evaluation Methods. Thousand Oaks: C.A: Sage.
- Reason, P. & Bradbury, H. (Eds) (2006). Handbook of action research: Concise paperback edition: Thousand Oaks, CA: Sage.
- Scott, David & Usher, Robin (1996). Understanding Educational Research. New York: Rout ledge.
- Shank, G.D. (2002). Qualitative Research. Columbus, ott: Merrill, Prentice Hall.
- Sharma, Bharti (2004). Methodology of Educational Research. New Delhi: Vohra Publishers and Distributors.
- Sharma, S.R. (2003). Problems of Educational Research. New Delhi: Anmol Publications Pvt. Ltd.

Edu.104: Computer Applications

This paper will be dealt by LILA as per University Norms.

Edu.105: Education and Development

Credits- 04 (Teaching Hours: 60 hrs.)

Learning Objectives

- To enable scholars understand the concept of 'Development' and appreciate the importance of Education in individual, family, social and national development and mobility, as well as for humanity in general.
- To develop an understanding and equip scholars with contemporary educational concerns and redressal mechanisms in national and international perspectives.
- To provide scholars an insight into '*Bhartiya*' and Gandhian Philosophy of Development.
- To give insight to understand the importance of research for sustainable development.

Course Content

UNIT 1: Concept of Development (Teaching Hours: 15)

- Human Development; National Development; UNDP's (United Nations Development Programme's) Perspective of Human Development; Sustainable Development; Four Pillars of Education.
- Theories of Modernization and Growth; Dependency and World System Theory; Critical Perspectives of Development;
- Recent Trends in Development Theories: Post Development Theory; Human Development Theory; Education, Social Justice and Development

UNIT 2: Contemporary Educational concerns and Redressal mechanisms in National and International perspectives (Teaching Hours: 15)

- Privatization of Education
- Inclusion and exclusion- Equity and equality, Inclusive pedagogy and its challenges for revamping Teacher Education
- Gender issues in Education- Gender justice and legal education
- Policy formulation and implementation- gaps

UNIT 3: Gandhian Philosophy of Development (Teaching Hours: 15)

- Gandhian Development Theory: Concept; Main Features; All Round Development; Gandhian Philosophy of Economic Development; The Gandhian Principle of Self-sufficiency; The Gandhian Theory of Balanced Growth; The Gandhian Doctrine of Trusteeship; The Gandhian Model of Sustainable Development; Gandhian Sarvodaya Plan; Gandhian Concept of Austerity and Abstinence.
- Gandhian Rural Development Model
- Critical Appraisal of Gandhian Development Theory
- Gandhian Perspective of Education, Values and Social Development

UNIT 4: Research for Sustainable Development (Teaching Hours: 15)

- Exploring the research areas pertaining to vocational education, accelerating rural literacy, adult education, conventional and open schooling system, interdisciplinary and multidisciplinary approaches
- Theory and practice of Ethics, Yoga, Life skills, Happiness Curriculum, Peace, Human rights and value-based learning
- Millennium Development Goals
- Population and Environmental education

Ph.D. पाठ्यक्रम संरचना - शिक्षा विभाग (म.गां.अं.हि.वि., वर्धा) के अध्ययन मंडल (BoS) की 11वीं बैठक (दिनांक 09.11.2020) एवं शिक्षा विद्यापीठ (म.गां.अं.हि.वि., वर्धा) के स्कूल बोर्ड की 10वीं बैठक (दिनांक: 10.11.2020) में अनुमोदित

References

- गांधी, मो. क. (1949). *हिन्द स्वराज्य*. (अमृतलाल ठाकुरदास नाणावटी, अनु.). अहमदाबाद: नवजीवन प्रकाशन मंदिर
- गांधी, मो. क. (2011). *सर्वोदय*. नई दिल्ली: सस्ता साहित्य मण्डल प्रकाशन
- गांधी, मो. क. (1960). *मेरे सपनों का भारत*. (आर.के.प्रभु, संपा.). अहमदाबाद: नवजीवन प्रकाशन मंदिर
- धर्मपाल. (2005). *रमणीय वृक्ष - 18वीं शताब्दी में भारतीय शिक्षा*. (रजनीकान्त जोशी & कृष्णपाल सिंह भदौरिया, अनु.). अहमदाबाद: पुनरुत्थान ट्रस्ट
- देउस्कर, सखाराम, गणेश. (2014). *देश की बात*. (बाबूराव विष्णू पराडकर, अनु.). नई दिल्ली: नेशनल बुक ट्रस्ट
- शर्मा, चन्द्र, भूषण. (2017). *शिक्षा, समाज और राजनीति*. नई दिल्ली: कौटिल्य पब्लिकेशन्स
- ठाकुर, गोपाल, कृष्ण & राय, मनोज, कुमार. (संपा.). (2020). *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 - एक सिंहावलोकन*, वर्धा: महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
- Dharampal. (1995). *The Beautiful Tree* (2nd ed.). Coimbatore: Keerthi Publishing House
- Ball, Stephen, J (1990). *Politics and Policy-making in Education: Explorations in Political Sociology*. London: Routledge.
- Bhagwati, Jagdish (1973). *Education, Class Structure and Income Equality*. World Development 1 (5) (May): 21-36.
- MHRD, Gov. of India (2020), National policy on education. New Delhi: MHRD.
- MHRD, Gov. of India (1992), National policy on education (revised) New Delhi.
- Naik, J.P. (1975) Equality, quality and quantity: The elusive triangle of Indian education, Allied Publications, Bombay.
- UNESCO (2005): EFA Global Monitoring Report on Quality of Education Finance.
- Delors, Jacques, et al; (1996). Learning: The Treasure within report of the international commission on education for 21st century, UNESCO.
- Freire, Paulo (1970). Pedagogy of the oppressed. New York: Continuum.
- Jones, P., Selby, D., Sterling, S. (2010) Sustainability Education: Perspectives and Practice Across Higher Education. Renouf Publishing.
- Sims, G. D. (2007) Sustainability Education: where does it belong? Minnesota State University.
- Lang, J. (2007) How to Succeed with Education for Sustainability. Curriculum Corporation
- M.K. Gandhi - *From Yerrvda Mandir: Ashram Observances*, translated by Valji G. Desai, Navajivan Publishing House, Ahmedabad, reprint, 1980.
- B.N. Ghosh, *Gandhian Political Economy: Principles, Practice and Policy*, Ashgate Publishing Ltd., Aldershot, Hampshire, UK, 2007.
- Bhikhu Parekh, *Gandhi's Political Philosophy: A Critical Examination*, Ajanta Publications, Delhi, 1st Indian edition, 1995. • MHRD, Gov. of India (2020), National policy on education, New Delhi.
- **BESIDES, SELECTED READINGS (RESEARCH PAPAERS & ARTICLES, etc.), APART FROM THE ABOVE LIST, WILL BE PROVIDED TO THE RESEARCH SCHOLARS IN ORDER TO DEVELOP WHOLESOME PERSPECTIVE OF 'EDUCATION AND DEVELOPMENT'.**

Teaching Associateship

(Engagement around 8 Hour/ Week)

Activity	Credits	Hours
(A) Compulsory		
1. Teaching of a Paper at B.Ed. / M.Ed. level	1 credit	1 period/week
2. ICT Enabled Teaching		1 period/week
3. Tutorial B.Ed. / M.Ed. level	1 credit	1 period/week
4. Workshop/Seminar/Other Activity		
5. Assistance in School Internship Program	1 credit	1 period/week
• Internship workshop		1 period/week
• Lesson Planning/ Reflective Journals		2 period/week
• Mentoring at school		1 period/week
(B) Optional		
• Assistance in at least two committees	1+1 credit	2 period/week
Course Co Ordinance Committee		
Co Curricular Committee		
Library Committee		
Examination Committee		
Attendance Committee		
TimeTable Committee		
Laboratory & Resource Centre committee		
Total	05 credits	



Ph.D. पाठ्यक्रम संरचना - शिक्षा विभाग (म.गा.अ.हि.वि., वर्धा) के अध्ययन मंडल (BoS) की 11वीं बैठक (दिनांक 09.11.2020) एवं शिक्षा विद्यापीठ (म.गा.अ.हि.वि., वर्धा) के स्कूल बोर्ड की 10वीं बैठक (दिनांक: 10.11.2020) में अनुमोदित

